आशीष में जीना

365 - दविसीय भक्तमिय रचना

चास "चक" शेवर

आशीष में जीना

365 दिवसीय भक्तिमय रचना

चार्ल्स "चिक" शेवर

आशीष में जीना - 365 दिवसीय भक्तिमय रचना :

Hindi Translation of " Living in the Blessing - A 365 Day Devotionals"

हिन्दी अनुवाद : गीतिका भट्ट

कॉपीराइट©2023 चार्ल्स "चिक" शेवर द्वारा द फाउंड्री पब्लिशिंग® कैनसस सिटी (यूएसए)

ISBN

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी भाग पुनः उत्पादित, एक पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहित या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से प्रेषित नहीं किया जा सकता है - उदाहरण के लिए, इलेक्ट्रॉनिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग - प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना। एकमात्र अपवाद मुद्रित समीक्षाओं में संक्षिप्त उद्धरण है।

सभी पवित्रशास्त्र के उद्धरण बाइबिल सोसाइटी ऑफ इंडिया के बाइबिल के अनुवाद से लिए गए है:

पवित्र शास्त्र उद्धरणों में जहाँ कहीं भी इटैलिक शैली का उपयोग किया गया है, यह उन शब्दों या वाक्यांशों को इंगित करता है जिस पर लेखक जोर देना चाहता है।

प्रकाशन के समय इस पुस्तक के इंटरनेट ऐड्रेस, ईमेल ऐड्रेस और फोन नंबर सटीक हैं। उन्हें एक संसाधन के रूप में प्रदान किया गया है। फाउंड्री पब्लिशिंग उनका समर्थन नहीं करता है या उनकी सामग्री या स्थायित्व के लिए गारंटी नहीं देता है।

नैन्सी के लिए

तुम यीशु मसीह के अलावा, मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति और सबसे बड़ा प्रभाव रही हो। कई वर्षों की पादरी के रूप में सेवकाई, सुसमाचार प्रचार की सेवकाई, शिक्षण और लेखन के दौरान, तुम मेरी प्रोत्साहन कर्ता, सलाहकार, समर्थक और प्रार्थनाकर्ता रही हो। हमारे तीन बच्चों में तुम्हारा निवेश सामर्थ्यशाली है। जबसे तुमने उस सेंट जोसेफ - मिजूरी की रिवाइवल सेवा में एक बीस वर्षीय नर्सिंग छात्रा के रूप में गाया और आभा बिखेरी, तबसे मेरा हृदय प्यार में डूब गया। अभी भी है। देश और दुनिया भर में एक साथ यीशु का अनुसरण करने में हमने क्या रोमांच का अनुभव किया है। तुम इस पुस्तक के सभी अनुभवों और सत्यों का हिस्सा रही हो। मेरी प्रिय होने के लिए धन्यवाद!

हमारे प्रिय मित्रों के लिए, जिन्होंने हमारे जीवनकाल को बढ़ाया है और हमें इतना सारा प्यार दिखाया है।

विषय - सूची

1. आभारपूर्वक	5
2. लेखक के बारे में	6
3. फिर से लेखक के द्वारा	7
4. परिचय	7
5. आपके भविष्य में	11
6. पहली भक्तिमय रचना	12
7. पवित्र शास्त्र निर्देशिका	591

आभारपूर्वक

धन्यवाद जॉय पार्क - ईश्वरीय महिला, प्रिय मसीही मित्र, चिक शेवर सेंटर फॉर इवांज़लिज्म की पूर्व प्रबंध निदेशक, और इन भक्तिमय रचनाओं के पहले प्रारूप की टाइपिस्ट और स्टाइलिस्ट। जॉय, तुम्हारे सावधानीपूर्वक पुनरुत्पादक, व्याकरण और शैली में सुधार, प्रेमपूर्ण कार्य, समर्पण और बहुत कुछ के लिए मैं जितना धन्यवाद दूँ उतना कम है। इस पुस्तक से प्रवाहीत होने वाली सभी आशीषों में तुम्हारी भी एक भूमिका है।

लेखक के बारे में

चार्ल्स एफ. शेवर, जूनियर का जन्म 5 जनवरी,1935 को मैनचेस्टर, कनेक्टिकट में हुआ था| अपने पिता के नाम से अंतर रखने के लिए उन्हें कम उम्र से ही "चिक" नाम दे दिया गया था| उनका पालन-पोषण उनकी बहन, जोऐना के साथ एक सुखद, मध्यमवर्गीय घर में हुआ| उनके पिता येल और टाउन हार्डवेयर के लिए एक सेल्समैन थे और अपने जीवन में बाद में, फ्लोरिड़ा के ट्रेजर आईलैंड पर एक रिसॉर्ट मोटल का स्वामित्व और संचालन करते थे| चिक की माँ, वेरा, एक गृहिणी थी|

चिक ने डार्टमथ कॉलेज में एक प्री-लॉ इम्फेसिस और राजनीति में भारी रुचि के साथ भाग लिया | उनके मित्र पीटर गुनास की गवाही के अनुसार, चिक ने 20 नवम्बर, 1955 को मसीह के प्रति एक उत्तेजक रूपांतरण का अनुभव किया | एक अधिक विजयी मसीही जीवन की आवश्यकता को महसूस करते हुए, 2 सितम्बर 1956 को वह पूरी तरह से पवित्र आत्मा की भरपुरी द्वारा पवित्र किए गये | डार्टमथ से अपने ग्रेजुएशन के समय उन्होंने सेवकाई के लिए एक बुलाहट को महसूस किया |

जब सेंट जोसफ, मिजुरी में एक युवा यूथ रिवाइवल में चिक प्रचार कर रहे थे, एक नर्स बनने के लिए प्रशिक्षण ले रही एक युवा महिला को एक विशेष गाने के लिए बुलाया गया | जब नैन्सी डोरो ने गाया, चिक ने कहा, "उसके मुख पर आभा थी |" उनका विवाह 1 जून 1959 को हुआ | उनके बच्चे रेचल, पॉल और मिरियम हैं |

चिक ने डार्टमथ कॉलेज से बी. ए., नाज़रीन थियोलॉजिकल सेमिनरी से डी. मिन. किए हैं| उनकी पहली पादरी पदावधी एक पुर्निर्मित घोड़े के अस्तबल में हुई था| 1967 में, उन्होंने एक पूर्णकालिक भ्रमनकारी प्रचारक के रूप मे शुरुआत की: 1969 में, उन्होंने पुनरुद्धार सेवाओं के दौरान छियालिस रविवारों को प्रचार किया| 1970 में, उन्हें नाज़रिन थियोलॉजिकल सेमिनरी में सुसमाचार प्रचार के विषय में सिखाने के लिए बुलाया गया| उन्होंने उस पद पर काम करना जारी रखा और अंततः फ्रैंक और ग्लेडिस कुपर प्रोफेसर ऑफ इवांजलिज़्म के रूप में नियुक्त किए गए| वह 2000 में सेवानिवृत्त हुए| 1974 से 2003 तक, उन्होने कॅन्सस सिटी, मिजूरी में नाज़रीन के पहले चर्च में आउटरीच सेवक के रूप में भी काम किया| उन्होंने 2020 के दौरान, लगभग नौ सौ पुनरुत्थानों की अगुवाई करते हुए अपने पुनरुत्थान और सुसमाचार प्रचार की सेवकाई को जारी रखा| उन्होंने दक्षिण आफ्रिका, फिलिपिन्स, कोरिया, रूस और बिली ग्राहम के मुख्यालय में सुसमाचार का प्रचार और शिक्षा दी है|

नए रूपांतरित लोगों के लिए उनकी चिंता ने उन्हें बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिस्चियन्स लिखने के लिए प्रेरित किया, जिसकी अंग्रेजी में 750,000 से अधिक प्रतियां बेची जा चुकी हैं और जो पचपन से अधिक भाषाओं में प्रकाशित की गई है | उनके अन्य लेखों का उपयोग कई संप्रदायों में किया जाता है जिसमें विटनेसिंग विदाउट फीयर, लिविंग इन द पावर ऑफ स्पिरिट, द बाइबिल स्पीक्स टू मी अबाउट माय विटनेस, और बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर द स्पिरिट-फील्ड एंड सैंटीफाइड लाइफ शामिल है | 1992 से, उन्होंने चिक शेवर सेंटर फॉर इवेंजलिज्म के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया है |

2019 में, चर्च ऑफ द नाज़रीन के एम 19 सम्मेलन में, डॉ. शेवर और नैंसी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया | एक पति, पिता, दादा | नाना उपदेशक, शिक्षक, लेखक, पादरी और प्रचारक के रूप में चिक का ह्रदय परमेश्वर की उपस्थिति और हर जगह लोगों द्वारा मसीह को व्यक्तिगत रुप से जानने की चिंता से दमकता है |

फिर से लेखक द्वारा

...

परिचय

...

जैसे-जैसे मैं बड़ा हो रहा था, हालांकि मेरी परवरिश एक प्रोटेस्टेंट चर्च में हुई थी, लेकिन परमेश्वर मेरे लिए कभी वास्तविक नहीं थे | डार्टमथ कॉलेज में एक प्री-लॉ का छात्र था, तब मेरी मुलाकात पीटर से हुई, एक छात्र संघ का अगुवा जिसने शराब की लत की वजह से स्कूल छोड़ दिया था लेकिन अब वापस आ गया था | चैपल की सेवकाई के ठीक बाद, पीटर ने मुझसे हाथ मिलाया और कहा, "चिक, मैं पहले की तुलना में बदल गया हूँ क्योंकि मुझे प्रभु मिल गये हैं |"

पीटर के शब्दों ने मुझे प्रभावित किया | मैंने कभी किसी को इस तरह बात करते नहीं सुना था - परमेश्वर उसके लिए वास्तविक थे | कुछ हफ्तों के बाद, पीटर मेरे छात्रावास में आया और विस्तार में बताया कि कैसे उसने मसीह से मुलाकात की और उन्हें प्राप्त किया | 20 नवम्बर 1955 को रविवार रात्रि की सेवकाई में, मसीह ने मेरे हृदय और जीवन में प्रवेश किया | मैं जानता था कि मुझे क्षमा कर दिया गया है, और परमेश्वर मेरे लिए वास्तविक हो गए और मुझमें उपस्थित हो गए | मैंने अत्यधिक आनंद को जाना |

अगले कुछ महीनों में, मैं आत्मिक रूप से विकसित हुआ | बाइबिल जीवंत हो गया और मैंने प्रार्थना में परमेश्वर के साथ एक घनिष्ठ संबंध का अनुभव किया | मैंने नियमित रूप से अपने विश्वास को दूसरों के साथ साझा किया, कभी भी चर्च की सेवकाई में उपस्थिति से नहीं चूका और अपने दैनिक जीवन में गहन परिवर्तनों का अनुभव किया |

इस नये जीवन के लगभग छठे महीने में, मैंने अपने मन के तह से उत्पन्न होने वाले कुरूप गुस्से को नोटिस करना शुरू किया - रोष, ईर्ष्या, अभिमान, एक आलोचनात्मक भावना और दूसरों को प्रभावित करने के अपने प्रयासों में आत्मिक सामर्थ्य की कमी | मेरी इच्छाशक्ति इन समस्याओं को हल करने के लिए पर्याप्त नहीं थी |

मेरे बढ़ती चिंता के बीच मैंने, एक गहन आत्मिक जीवन के वायदों को सुनना और पढ़ना शुरू किया - एक विजयी जीवन | इस गहरे जीवन को इस तरह के शब्दों द्वारा संदर्भित किया गया था: "पूरी तरह से पवित्र किया गया"; "पवित्र आत्मा से भरा हुआ": "विश्वास की स्थिरता"; "मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया जाना"; "पवित्रता", "अधिक प्रचुरतापूर्वक जीवन" | मैंने उनके उत्तर के लिए परमेश्वर को ढूंढना शुरू किया |

2 सितम्बर, 1956 को परमेश्वर ने प्रभावशाली ढंग से इस नए जीवन के लिए प्रार्थनाओं का उत्तर मेरे हृदय की एक ज्वलंत सफाई द्वारा किया |

मुझमें पुराना चिक शेवर मर गया और परमेश्वर की पवित्र आत्मा ने मुझे पूरी तरह से भर दिया और पवित्र किया | तुरंत ही मेरा पूरा मसीही जीवन एक नए, उच्च स्तर पर चला गया |

कई सबक थे जो मुझे सीखने थे | आत्मा से भरे जाने के क्षण से परे, एक पूरा जीवन है, आत्मा में जीने और चलने का | गलतियों 5:25 मेरा मुख्य वचन बन गया: "यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चले भी" |

इस समय तक, मुझे सेवकाई के लिए बुलावा आ गया था, और मैंने दूसरों को इस जीवन का प्रचार करना और शिक्षा देना शुरू किया | समय के साथ, मैंने पाया कि कई मसीही इस गहरे जीवन के बारे में भ्रमित या अनिश्चित थे | जब मैं अपने जीवन और सेवकाई के दूसरे भाग में आया, तो मेरे भीतर इस पवित्रता के जीवन के बारे में एक दैनिक भक्ति पुस्तक को लिखने का एक दृढ़ विश्वास पैदा हुआ, उस भाषा में जो सामान्य लोगों के समझ में आएगा | मैंने अपनी बेटियों, रेचल और मिरियम और अपनी पत्नी नैंसी द्वारा लिखे गए कई चिंतनों को शामिल किया है |

आप अभी हाथों में उस पुस्तक को पकड़े हुए हैं | प्रत्येक दिन एक शास्त्र और एक सत्य का प्रभाव होता है | मैंने यह दर्शाने की कोशिश की है कि ये सत्य रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे काम करते हैं | ऐसा करने में, मैंने अन्य पुस्तकों और लेखकों से: अतीत से मसीहियों की गवाहियाँ से, वर्तमान मसीहियों के साथ साक्षात्कार से; और मेरे अपने जीवन के अनुभव से प्रेरणा ली हैं |

आप अपने व्यक्तिगत बाइबिल पढ़ने के साथ-साथ इस भक्ति पुस्तक का उपयोग कर सकते हैं; इस दौरान आप अपने विचारों, अंतर्दृष्टि और प्रार्थनाओं की एक डायरी भी रख सकते हैं | आप इस पुस्तक का उपयोग दैनिक कैलेंडर तिथियों के अनुसार कर सकते हैं | हो सकता है कि आप एक नये मसीही हैं और आपने कैलेंडर वर्ष के मध्य में मसीह के साथ अपना जीवन शुरू किया है | आप एक पर्याय प्रणाली पर ध्यान देंगे, जो कि केवल 1 से 365 की एक संख्या प्रणाली है | आप वर्ष के मध्य में भी 1 से शुरू कर सकते हैं | शायद आप अपने नये विश्वास में एक दोस्त के साथ बाइबिल अध्ययन कर रहे हों | आप में से कुछ लोग बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियंस, पढ़ रहे होंगे | ये भक्ति रचनाएं आप जो सीख रहे हैं उसके अनुरूप होंगे और उसका समर्थन करेंगे |

तो आइए हम एक साथ यह साहसिक कार्य करें "कि तुम परमेश्वर की सारी भरपुरी तक परिपूर्ण हो जाओ" (इफिसियों 3:19) | इतने बड़े आदेश से मत डरो; इफिसियों 3 के अगले वचन में कहते हैं, "अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कही अधिक काम कर सकता है | उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है | कलीसिया में और मसीह यीशु में उसकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे"| (व. 20-21)

तैंतिस और अठावण साल की उम्र के बीच, मेरे बेटे पॉल की पांच बड़ी कैंसर सर्जरी हुई, जिनमें से सबसे गंभीर वाली में, उसके वॉइस बॉक्स को हटाया जाना था | फिर भी, वह जीवन में उल्लेखनीय रूप से हर्षित और प्रसन्न है | बहुत से लोगों ने उससे पूछा, "कैसे"?

अपनी नई कर्कश आवाज में पॉल ने जवाब दिया, "मैं कैंसर से पहले भी आशीष के तहत जी रहा था, मैं मेरे वॉइस बॉक्स के हटा दिए जाने के बाद भी आशीष के तहत था और आज भी आशीष के तहत जी रहा हूँ |" इस कारण से, जब मुझे इस बात की चिंता थी कि इस पुस्तक को क्या कहा जाए तो पॉल ने सुझाव दिया, लिविंग इन द ब्लेसिंग |

कई प्रारंभिक होलीनेस प्रचारकों ने पवित्रीकरण को "दूसरी आशीष" कहा | पवित्रीकरण के गीत "आई सरेंडर ऑल" में निम्नलिखित वचन शामिल है:

ऑल टू जीज़स आई सरेंडर,
लॉर्ड, आई गिव मायसेल्फ टू दी;
फिल मी विद दाय लव एंड पावर,
लेट दाय ब्लेसिंग फॉल ऑन मी'

कुछ लोग विश्वास करते हैं कि रोमियों 15:29 में पौलुस के वचन - "और मैं जानता हूँ कि जब मैं तुम्हारे पास आऊंगा, तो मसीह की पूरी आशीष के साथ आऊंगा" - उसके स्वयं के पवित्रीकृत, आत्मा से परिपूर्ण जीवन का वर्णन करते हैं | जो कुछ भी हो, हम सभी को आत्मा से परिपूर्ण संपूर्ण पवित्रीकरण का अनुभव करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं | जब हम दैनिक आधार पर, "आत्मा के अनुसार चलते है" (गलतियों 5:25) तब हम वास्तव में कह सकते है, "हम आशीष में जी रहे हैं!"

ये भक्ति रचनाएं वास्तविक लोगों की कहानियों से भरे हुए हैं | कुछ मामलों में मैंने गोपनीयता के तहत नामों को बदल दिया है, लेकिन कहानियाँ सच्ची हैं |

इस पुस्तक में दूसरों द्वारा लिखित कई भक्ति रचनाएं शामिल हैं; इनमें से प्रत्येक कहानियों में लेखक का नाम सूचीबद्ध है | इसके अतिरिक्त, वर्षों से मेरी पत्नी, नैंसी और मैंने विभिन्न प्रकाशनों के लिए भक्ति रचनाएं लिखी हैं |अनुमति के साथ, हमने इस पुस्तक में उनमें से कई भक्ति रचनाओं को शामिल किया है |

आपके भविष्य में

प्रेरित पौलुस अपनी सेवकाई को बहुत गंभीरता से लेते थे | उसने कहा, "(परमेश्वर) ने मुझे परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचार करने का याजकीय कर्तव्य दिया है, जिससे अन्य जातियों को मानो चढ़ाया जाना, *पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए*" (रोमियों 15:16) | उसी अध्याय में उसने कहा, "मैं जानता हूँ कि जब मैं तुम्हारे पास आऊंगा, *तो मसीह की पूरी आशीष के साथ आऊंगा|* (वचन 29)

भजन संहिता में दाऊद पूछता है, "यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता है? और उसके पवित्र स्थान में कौन खड़ा हो सकता है? जिसके काम निर्दोष और ह्रदय शुद्ध हैं, जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया, और न कपट से शपथ खाई है | वह यहोवा की ओर से आशीष पाएगा और अपने उद्धार करने वाले *परमेश्वर की ओर से धर्मी ठहरेगा* | (भजन संहिता 24:3-5)

इफिसियों के लिए, पौलुस ने आनंदित होकर कहा, "हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है | (1:3)

हर कोई जो इस पुस्तक को पढ़ता है, इसके अध्याय में जिएं और लगातार आशीष में जिएं|

जडसन डब्ल्यू. वीन डीवेन्टर (शब्द), वीन्फील्ड एस. वीडेन (संगीत) 1896, "आई सरेंडर ऑल", सिंग टू द लॉर्ड: हिम्नल (कैनसस सिटी, एम ओ; लिलेनस, पब्लिशिंग कंपनी, 1993), # 486

जनवरी 1 **दिन - 1**

वह उससे भी बड़ा है.....

*****

हे बालकों, तुम परमेश्वर के हो, और तुमने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उससे जो संसार में है, बड़ा है | (यूहन्ना 4:4)

जब तुम यीशु मसीह के पास आए, तो तुम्हारे साथ एक आश्चर्यजनक घटना घटी | प्रकाशितवाक्य 3:20 मैं ये शब्द हैं: "देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ |"

हम समझते हैं कि जब कोई व्यक्ति अपने हृदय का द्वार मसीह के लिए खोलता है, तो मसीह प्रवेश करता है | वह कहता है कि वह उस व्यक्ति के साथ भोजन करेगा, जो की गहरी संगति व्यक्त करने का उसका तरीका है |

इन सच्चाईयों के कारण, आप ईमानदारी से कह सकते हैं, "मसीह मुझ में रहता है" |

1 यूहन्ना 4:4 में आज के पवित्र शास्त्र से पहले, यूहन्ना अपने पाठकों को दुनिया में बुरी आत्माओं और झूठे भविष्यवक्ताओं के बारे में चेतावनी देता है | तब यूहन्ना सभी सच्चे मसीहियों को आश्वासन देता है कि उनमें रहने वाला मसीह दुनिया की किसी भी बुरी ताकत से बड़ा है | उसकी उपस्थिति और सामर्थ्य से, हम किसी भी बुराई पर विजय प्राप्त कर सकते हैं |

उन सभी लाभों के बारे में सोचें जो अब आपके जीवन का हिस्सा है क्योंकि मसीह आप में रहते हैं:

- आपके सभी पापों को क्षमा कर दिया गया है | हे बालकों, मैं तुम्हें इसलिए लिखता हूँ कि उसके नाम से तुम्हारे पाप क्षमा हुए हैं | (1 यूहन्ना 2:12)
- अब आप आत्मिक रूप से जीवित हैं | "परंतु परमेश्वर ने जो दया का धनी है, अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिस से उसने हमसे प्रेम किया | जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया - अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है" | (इफिसियों 2:4-5)
- अब हमें जीवन में हर कठिन जगह पर दिलासा मिल सकता है | "हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जो दया का पिता और सब प्रकार की शांति का परमेश्वर है | वह हमारे सब क्लेशों में शांति देता है; ताकि हम उस शांति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है, उन्हें भी शांति दे सकें जो किसी प्रकार के क्लेश में हों |(2 कुरिंथियों 1:3-4)
- अब आप परमेश्वर की सुरक्षा की सामर्थ्य के अधीन हैं | "वह तुम्हें अंत तक दृढ़ भी करेगा कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो |" (1 कुरिंथियों 1:8)
- परमेश्वर आपको और आपके नये जीवन को पूर्णता की ओर ले जाएंगे | "मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरंभ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा |" (फिलिप्पियों 1:6)

पीटर का जीवन शराब और अनैतिकता से भरा था | आज के हिसाब से, वह एक महीने में एक हजार डॉलर शराब पर खर्च कर रहा था | यह इतना बुरा हो गया कि उसने कॉलेज विश्वविद्यालय सॉकर टीम में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और अपने बीरदारी के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया | उसने कॉलेज छोड़ दिया | वह संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर आगे-पीछे रहने लगा | वह अपने कार के पीछे सोता था और छह अलग-अलग राज्यों के पुलिस द्वारा पकड़ा गया था | उसका जीवन एक आपदा बन गया था |

पीटर की मुलाकात कुछ ऐसे मसीहियों से हुई जिनका जीवन उससे बिल्कुल अलग था | इन मसीहियों में से एक ने उसे बताया कि दोनों के बीच के इस अंतर का कारण यीशु थे | पीटर ने सोचा, शायद मुझे इसी की जरूरत है |

उसने खोजना शुरू किया | एक रविवार जब उसने एक प्रचार सुना, तो उसके पाप उसके सम्मुख प्रकट हुए, और परमेश्वर उसके लिए वास्तविक हो गये | पीटर जितनी जल्दी हो सके चर्च से निकला और देश के एक एकांत स्थान पर चले गया | वह अपने घुटनों पर आया और उसने अपने पापों का अंगीकार किया | बाद में, उस क्षण का वर्णन करते हुए, पीटर ने कहा, "परमेश्वर ने मुझे बदल दिया |" उसने स्वीकार किया कि यह अजीब लग रहा था, लेकिन उसने कहा, "मैं धीमे से कार की सीट पर गया और सो गया - जब मैं चार वर्ष का था उसके बाद से यह मेरी पहली शांतिपूर्ण नींद थी | पीटर को छुटकारा मिल गया था |

पीटर आत्मिक रूप से बढ़ा और दूसरों को बताने लगा जो यीशु ने किया था | उसने जल्द ही उस कॉलेज में पुन: दाखिला ले लिया जिसे उसने छोड़ा था | आगे के वर्षों में, उसने एक खुशहाल, आनंदमय मसीही जीवन जिया और एक प्रार्थना करने वाला व्यक्ति और एक बाइबिल का शिक्षक बन गया |

पीटर ही वह व्यक्ति था जो मुझे मसीह के पास लाया |

ऊपर सूचीबद्ध एक मसीही होने के सभी लाभ पीटर के जीवन में सच हुए; वे आपके जीवन में भी सच हो सकते हैं | आप में जो मसीह है वह दुनिया के किसी भी बुरी ताकत से बड़ा है | आप विजय हो सकते हैं |

.....

जनवरी 2 **दिन - 2**

नया वर्ष, नई शुरुआत

******

"इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत गई है;
देखों सब बातें नई हो गई हैं |" (2 कुरिन्थियों 5:17)

हर जनवरी में, कई लोग नए साल के संकल्प लेते हैं | यह संकल्प पुरानी नकारात्मक चीजों को, नई सकारात्मक चीजों से बदलने की व्यक्ति आशा है | अक्सर, लोग अपने वादों को निभाने में असफल होते हैं |

एक नई शुरुआत करने का परमेश्वर का तरीका आपको मसीह के साथ एक व्यक्तिगत संबंध बनाने में मदद करना है | "मसीह में" होने का परिणाम, जैसा कि वचन कहता है, एक नया मार्ग, एक नया जीवन, एक नई सृष्टि होता है |

एक मिशीगन चर्च में एक सप्ताह की पुनरुद्धार सेवकाई के बाद स्वाभाविक गवाहियाँ यह प्रकट करती हैं कि मसीह एक व्यक्ति को कैसे नया बना सकता है | उनमें से कुछ गवाहीयाँ ये है:

- एक अधेड़ उम्र की माँ को नई प्रसन्नता मिली; "मेरे दिल की तुरंत सर्जरी हो गई – परमेश्वर ने मेरी कड़वाहट को दूर कर दिया |"
- एक उपशिक्षक को प्राप्त हुआ: "एक आलोचनात्मक आत्मा" से शुद्धिकरण |
- एक अन्य माँ ने कहा: "आत्मा ने मुझे शांति और सामर्थ्य दिया" |
- एक हाईस्कूल के एक छात्रा ने "वापस रास्ते पर" लाये जाने पर धन्यवाद व्यक्त किया |
- एक दादी ने कहा: "यह मेरे बारे में नहीं है; यह यीशु के बारे में हैं |"
- एक स्कूल सलाहकार ने गवाही दी: "एक शब्द मन में आता है – समर्पण" |
- एक कुशल इंजीनियर पवित्र शास्त्र के वादे "कोई दंड नहीं" से प्रभावित हुआ |
- सभा के एक अन्य सदस्य ने आत्मिक सामर्थ्य के सतत स्रोत को याद किया:

"मैं भूल गया था कि हम वास्तव में कितने सरल हैं... और मुझे उनकी (परमेश्वर) उपस्थिति में वापस आने की कितनी ज्यादा जरूरत थी" |

पिछले एक साल में मसीह ने आपके लिए कौन सा नया काम किया है? इस वर्ष आप मसीह से आपके लिए क्या नया काम करने को कहेंगे?

.....

जनवरी 3 **दिन - 3**

परमेश्वर के चुने हुओ, मत रुको

******

तब नून का पुत्र यहोशू जो मूसा का सेवक और उसके चुने हुए वीरों में से था,
उसने मूसा से कहा, "हे मेरे स्वामी मूसा, उनको रोक दें।" मूसा ने उससे कहा,
"क्या तू मेरे कारण जलता है? भला होता कि यहोवा की सारी प्रजा के लोग नबी होते,
और यहोवा अपना आत्मा उन सभों में समवा देता"। गिनती 11:28-29

क्या यह अच्छा नहीं है कि हमारे स्वर्गीय पिता के नियंत्रण में सब कुछ है? मैं तो कहती हूँ कि हम आनंदित हों और प्रभु को धन्यवाद दें, जब वे जहाँ भी, जब भी और जैसे भी कार्य करना चुनते हैं | जब हम अपने पिता के कार्य करें तो आइए हम एक दूसरें को दें, प्रोत्साहित करें, समर्थन दें, जयजयकार करें और दूसरे के लिए उपस्थित रहें |

किसी को अपनी खुशियाँ बरबाद न करने दें | किसी को यह ना कहने दे कि हमारे सपने पूरे नहीं हो सकते | किसी को भी अपनी नकारात्मकता को परमेश्वर द्वारा दिये गए हमारे दर्शन पर हावी न होने दें, क्योंकि वह सबसे असंभाव्य को चुनते हैं, वह उन्हें चुनते हैं जो उपलब्ध हैं, वह सबसे उत्तम चुनते हैं, वह उन्हें चुनते हैं जो मुझे नहीं लगता कि तैयार हैं, वह उन्हें बुलाते हैं जो पहले से ही बहुत व्यस्त हैं | वह मुझे आश्वस्त करते हैं मैं उनके सामर्थ्य में "कर सकता हूँ", वह मुझे चुनौती देते हैं क्योंकि वह बहुत परवाह करते हैं, और वह हमेशा मुझे एक और मौका देते हैं |

इसलिए हम संघर्ष के समय आगे बढ़ना जारी रखें | जब हमें आगे का मार्ग नहीं दिखाई दे तो भी हम बढ़ते रहना जारी रखें | जब संदेह उत्पन्न हो और भय हावी हो तो भी आगे बढ़ते रहना जारी रखें | जब तक हम लक्ष्य तक न पहुंच जाएं आगे बढ़ना जारी रखें — क्योंकि हमें चुना गया है|

नैन्सी शेवर[2]

---

2 पहले कम ये अपार्ट सितम्बर-अक्टूबर-नवम्बर 1998 में प्रकाशित हुआ (कैंसस सिटी, एम ओ; नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 91 अनुमति द्वारा उपयोग किया गया | (यह प्रकाशन रिफ्लेक्टिंग गॉड बना)

.....

जनवरी 4 **दिन - 4**

क्या कोई परमेश्वर है?

******

आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रहा है,
और आकाशमंडल उसकी हस्तकला को प्रकट कर रहा है |
दिन से दिन बातें करता, और रात को रात ज्ञान सिखाती है | भजनसंहिता 19:1-2

एक नास्तिक कहता है कि कोई परमेश्वर नहीं है | एक अज्ञेयवादी संदेह करता है और कहता है, "मैं निश्चित नहीं हूँ कि कोई परमेश्वर है!" मैं एक युवा व्ययस्क के रूप में अज्ञेयवादी था, हालांकि मेरा पालन-पोषण एक चर्च की पृष्ठभूमि में हुआ था |

कॉलेज में, मैं परेशान था | मैंने सोचा, यदि कोई परमेश्वर हैं तो, बेहतर होगा कि मैं उसे निर्धारित करूँ | मुझे लगा कि मैं इसके बारे में सोचने के लिए एक बहुत ही तार्किक और दृढ़ व्यक्ति था | मैंने अंततः छह बुनियादी विचार स्थापित किए:

1. मेरे पास एक अत्यधिक सटीक और पूर्ण रूप से कार्य करने वाली घड़ी है | चूँकि एक घड़ी बनाने वाले के बिना एक घड़ी के होने पर विश्वास करना कठिन था, उतना ही कठिन यह विश्वास करना है कि बिना एक सृष्टिकर्ता के, एक पूर्ण रूप से कार्य करने वाली दुनिया है |
2. यदि यह पूरी दुनिया परमाणु शक्ति से एक साल में नष्ट हो सकती है (जैसा कि मेरे रसायनशास्त्र के प्रोफेसर ने पढ़ाया), तो आखिर में जीवन का कोई मतलब नहीं है यदि कोई परमेश्वर और एक बाद का जीवन न हो |
3. यदि यह सच है और एक परमेश्वर हैं, तो दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण बात उन्हें जानना होगा |
4. यदि परमेश्वर मेरे लिए वास्तविक नहीं है (और वह नहीं थे), तो हमारे बिच एक कोई अवरोध होगा | संभावना है कि अवरोध मेरे द्वारा उनकी उपेक्षा या उनके विरुद्ध मेरे पाप के कारण हुआ है |
5. यदि खेदीत पक्ष उनका है और हमारे बीच एक अवरोध है, तो उनके पास मुझे यह बताने का अधिकार है की अवरोध को कैसे पार किया जाय और कैसे उनके पास आया जाय |
6. यीशु मसीह को दुनिया में भेजकर उन्होंने यही किया — वह परमेश्वर तक पहुंचने वाले अवरोध में एक कड़ी है |

पौलुस इस अंतिम सत्य को इतनी स्पष्ट रूप से उजागर करता है, जब वह लिखता है, परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल-मिलाप कर लिया और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया (2 कुरिन्थियों 5:19) और इसके अलावा, "जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं (वचन 21) |

इन निष्कर्षों से, मैं एक परमेश्वर की खोज में निकल पड़ा | और कुछ ही महीनों के भीतर, परमेश्वर की मुझ पर कृपा से, मैंने उन्हें ढूंढ लिया | आप कहाँ हैं? क्या आपने अभी तक उसकी खोज की ओर कदम बढ़ाया?

.....

जनवरी 5 **दिन - 5**

रूपांतरण - आगे क्या

******

परंतु बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि
इसने किस रीति से मार्ग में प्रभु को देखा, और उसने इससे बातें की;
फिर दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया | प्रेरितों के काम 9:27

तब बरनबास शाऊल को ढूंढने के लिए तरसुस को चला गया,
और जब वह उससे मिला तो उसे अंताकिया लाया और ऐसा हुआ कि
वे एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे |
प्रेरितों के काम 11:25-26

रूपांतरण को "नये सिरे से जन्म लेना" भी कहा जाता है (यूहन्ना 3:3) | इसकी तुलना शारीरिक जन्म से की जाती है | कल्पना कीजिए कि आपके जन्म के बाद, आपके माता-पिता ने केवल आपके जन्म के क्षण के बारे में ही बातें की | उन्होंने न आपको कभी हाथों में लिया, न नहलाया, न खाना खिलाया या आपकी परवाह की | तो तीन सप्ताह बाद आप की क्या स्थिति होगी? आप बीमार हो जाओगे और मर जाओगे |

तो आत्मिक जीवन में, आपके रूपांतरण के बाद - या फिर नये सिरे से जन्म लेने के बाद - आपको पोषित किया जाना चाहिए, आत्मिक रूप से खिलाया जाना चाहिए, और मार्ग निर्देशित किया जाना चाहिए | बरनबास, जिसे "शांति का पुत्र" भी कहा जाता है, बाइबिल में सबसे अच्छे शिष्यों में से एक या अनुसरण करने वाले कार्यकर्ताओं में से एक है | वह वही है जो शाऊल (बाद में पौलुस) के पास पहुंचा, एक संबंध बनाया जो उसे चर्च के जीवन में लाया, और शाऊल के एक महान आत्मिक अगुवा बनने तक उसके साथ लगातार काम किया | बरनबास और शाऊल ने एक साथ अंताकिया में सेवा की (प्रेरितों के काम 11:26) और फिर कलीसिया द्वारा उन्हें एक मिशनरी यात्रा पर भेजा गया (प्रेरितों के काम 13:2-3) और |

आज वही पैटर्न हो रहा है | डेव, एक युवा व्ययस्क, शहर में नया था | जब उसने चर्च के किशोर के कार धोने के स्थल को देखा, तो वह रुक गया | वे किशोर जिन्होंने उसके कार को धोया इतने मिलनसार थे कि उसने रविवार को उनके चर्च जाने का फैसला किया | उसके चर्च के दौरे के बाद, एक पादरी ने उसे फोन किया और पूछा कि क्या वे उसके घर आ सकते हैं और उसे मिल सकते हैं | डेव ने सहर्ष हाँ कहा |

पादरी अपने साथ एक सेमिनरी छात्र डैन को लेकर आए थे, जिसे वह पास्टोरल कौशल का प्रशिक्षण दे रहे थे | डेव के अपार्टमेंट में एक गर्मजोशी मुलाकात के दौरान, उन्होंने पाया कि डैन ने कॉलेज में मसीह को स्वीकार कर लिया था और अब वह इंजीनियर की नौकरी के लिए शहर में था | पादरी ने सुझाव दिया कि डेव बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स पुस्तक शुरू करें और डैन डेव से उसकी पढ़ाई की समीक्षा करने के लिए साप्ताहिक रूप से मिलने के लिए राजी हो गया | डैन के प्यार और मार्गदर्शन के माध्यम से डेव आत्मिक रूप से बड़ा और बाद में विश्वास

के उद्यम से चर्च से जुड़ गया | उसने अंततः लिंडा से शादी की, एक धर्मपरायण युवती जिससे वह चर्च की एक गतिविधि में मिला था |

डैन ने सेमिनरी समाप्त किया और अपने पहले पादरी के कार्य को शुरू किया | डेविड और लिंडा एक नए राज्य में चले गए, जहाँ वे अपने स्थानीय चर्च में पूरी तरह से शामिल हो गए | डेविड चर्च का कोषाध्यक्ष बन गया और अंततः विचारणीय, आत्मिक सामर्थ्य पर एक पुस्तक प्रकाशित की |

बरनबास और शाऊल | डेविड और डेन | पैटर्न वही है: विश्वासयोग्य शिष्यता के कारण रूपांतरण के बाद विकास, सामर्थ्य और सेवा आती है |

आप इस कहानी में खुद को कहाँ पाते हैं?

.....

जनवरी 6 **दिन - 6**

जॉनी और सिक्कों का जार

******

इसलिए मन फिराव, और प्रभु के पास लौट आओ | प्रेरितों के काम 3:19

"कि तू उनकी आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; की पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएँ |" प्रेरितों के काम 26:18

जॉनी के पिता नियमित रूप से घर आते थे और अपनी जेब से सभी सिक्कों को "सिक्कों के जार" में डाल देते थे | यह एक बड़ा जार था जिसमें सिक्के डालने की जगह बहुत छोटी थी | यह पैसा हमेशा एक विशेष पारिवारिक अवसरों के लिए आरक्षित रखा जाता था | परिवार का नियम यह था कि जब तक पिता को यह नहीं लगता कि पारिवारिक अवसर का समय आ गया है तब तक किसी को भी जार में से सिक्के निकालने की अनुमति नहीं थी |

एक दिन, मम्मी और पापा, जॉनी के लिए एक सरप्राइज गिफ्ट लेने के लिए थोड़े समय के लिए घर से बाहर निकले | उन्होंने उसके अच्छे व्यवहार पर भरोसा करते हुए उसे घर पर छोड़ दिया|

जैसे ही वे चले गए, जॉनी ने फैसला किया कि वह जार में से कुछ पैसे निकालेगा और पास ही के स्टोर से टॉफियाँ खरीदेगा और खाएगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके माता-पिता के आने से पहले जार को सही जगह पर रख दे — किसी को पता नहीं चलेगा | वह मुश्किल से जार के शीर्ष के खुले हिस्से से अपना हाथ अंदर डाल सका, लेकिन उसने अपना हाथ सिक्कों में अंदर तक डाल लिया और मुट्ठी भर ली | लेकिन एक समस्या थी — उसकी सिक्कों से भरी मुट्ठी इतनी ज्यादा बड़ी थी कि जार के खुले हिस्से से बाहर नहीं आ सकती थी | तभी उसने कार के दरवाजे के जोर से बंद होने की आवाज सुनी, और उसे महसूस हुआ कि कुछ ही क्षणों में उसके माता-पिता घर में प्रवेश करेंगे|

अपने बचकाने दिमाग में, उसने सोचा, "मैं जार में फंसे अपने हाथ से कीमती सिक्कों को पकड़े रह सकता हूँ या मैं सभी सिक्कों को छोड़ सकता हूँ और अपने हाथ को इतना छोटा कर सकता हूँ कि उसे जार से बाहर निकाल सकूं | मुझे अपनी आज़ादी मिल सकती है या मैं सिक्कों को पकड़कर फंसा रह सकता हूँ और पकड़ा जा सकता हूँ |"

जॉनी ने आजादी को चुना, सिक्कों को जाने दिया और जार को वापस उसकी जगह पर रख दिया | अंदर आते ही माँ और पिता उत्साहित हो गए और उन्होंने उसके हाथों में सरप्राइस गिफ्ट रख दिया | क्योंकि उसने सिक्कों को छोड़ दिया था, इसलिए अब उसके हाथ पूरी तरह गिफ्ट लेने के लिए मुक्त थे |

पश्चाताप अपने पापों को जाने देना है | उद्धार पापों की क्षमा का उपहार प्राप्त करना है | आप अपने पापों को थामें रहकर परमेश्वर की क्षमा नहीं प्राप्त कर सकते | पाप से फिरो और परमेश्वर की ओर आओ ताकि तुम ग्रहण कर सको |

.....

जनवरी 7 **दिन - 7**

कोई दंड नहीं

******

अतः अब जो मसीह यीशु में हैं उन पर दंड की आज्ञा नहीं | रोमियों 8:11

जब मैं छः वर्ष का था तब दो पाप, आठ वर्ष की आयु में 4 पाप, दस वर्ष की आयु में आठ पाप.... और मैं वर्तमान के जितना करीब आया; मैंने उतना ही अधिक पाप और निस्वार्थ देखा | मुझे दोषी, दंडित और खेदित महसूस हुआ | कुछ पल के लिए उस दृश्य को थामे रखें |

हम दंडित क्यों महसूस करते हैं? हम में से कुछ दंडित इसलिए महसूस करते हैं क्योंकि हम पापों और गलतियों में भ्रमित हो जाते हैं | पाप करना परमेश्वर के एक ज्ञात नियम को तोड़ना है | एक गलती परमेश्वर की पूर्ण इच्छा से कम पड़ जाती हैं लेकिन क्योंकि ये अज्ञानता में या अच्छे इरादों से की जाती है, यह एक गलती होती है | यहाँ तक कि याकूब भी इसे पहचानता है जब वह लिखता है, "इसलिए जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता उसके लिए यह पाप है" (याकूब 4:17) | उसके पाप होने के लिए आपको इसके बारे में पता होना चाहिए | यदि आप पापों और गलतियों को एक साथ जोड़ते हैं, तो आप अपने आप को अपनी गलतियों के लिए अनावश्यक रूप से दंडित करेंगे |

कुछ लोग दंडित महसूस करते हैं क्योंकि उनकी आत्म-छवि कम होती है | अपने बारे में उनके विचार शायद बचपन से ही उत्पन्न होते हैं, "मैं लायक नहीं हूँ" या "मैं बहुत प्रतिभाशाली नहीं हूँ" | लेकिन परमेश्वर उनके बारे में ऐसा नहीं सोचते हैं – परमेश्वर के लिए वे इतने कीमती हैं कि उन्होंने वास्तव में अपने एकमात्र पुत्र को उनकी क्षमा और उद्धार को सुरक्षित करने के लिए दे दिया: "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें वह नष्ट न हो, परंतु अनंत जीवन पाए" (यूहन्ना 3:16) | परमेश्वर सिखाते हैं कि प्रत्येक मसीही के पास कम से कम एक वरदान होता है, लेकिन क्योंकि हमारे परमेश्वर द्वारा प्रदत्त वरदान अलग हैं, हम एक-दूसरे से अलग हैं | यहाँ तक कि यीशु ने सिखाया, "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो" (मत्ती 19:19) |

लेकिन लोगों का दंडित महसूस करने का मुख्य कारण यह नहीं है कि वे पापों और गलतियों में भ्रमित होते हैं; न ही कम आत्म-छवि के कारण - बल्कि इसलिए कि वे प्राप्त करते आये हैं | वे दोषी हैं; वे दंडित महसूस करते हैं; उन्हें दंडित किया जाता है |

वर्षों से मैं सोचता था कि मुझे मृत्यु और अंतिम न्याय तक इंतजार करना होगा - तब और सिर्फ तब ही मुझे पता चलेगा कि क्या परमेश्वर ने मुझे स्वीकार किया या नहीं | परंतु वचन यह नहीं सिखाता है: "जो मसीह यीशु में है, उन पर अब दंड की आज्ञा नहीं" | यह कहता है अभी - यहाँ और अब कोई दंड नहीं है | अब आप जान सकते हैं कि आपको दोषी नहीं ठहराया गया है, कि आपके पाप क्षमा किये गए हैं और यह कि आप परमेश्वर के साथ सही हैं |

क्या आप यह नहीं समझते कि "परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव को सिखाती है" (रोमियों 2:4) | "अतः जब हम विश्वास से धर्मी ठहरें, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ

मेल रखें" (रोमियों 5:1) | अब हमें दंडित नहीं किया जाता है | यह वास्तविकता सिर्फ एक समूह के लोगों के लिए हैं | आज के वचन को फिर से देखें: "अब जो मसीह यीशु में है, उनके लिए दंड की आज्ञा नहीं" |

उस रात, मैंने छह साल की उम्र से किये गए अपने पापों की समीक्षा की, परमेश्वर से कहा कि मुझे उनकी अवज्ञा करने और उनकी उपेक्षा करने के लिए खेद है, और उनकी मदद से मैं अपने पापों से फिर रहा था | फिर मैंने यीशु मसीह को स्वीकार किया और उन्हें अपने ह्रदय और जीवन में अपने उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में ग्रहण किया | तुरंत मुझे परमेश्वर की ओर से पूर्ण क्षमा का आभास हुआ - मुझे अब कोई दंड की आज्ञा नहीं थी | जो कोई भी इस स्थान पर आता है उसके लिए अब कोई दंड की आज्ञा नहीं है - वे "मसीह यीशु में" हैं |

.....

जनवरी 8 **दिन - 8**

जो जय पाएं

******

जो जय पाएं, मैं उसे अपने साथ सिंहासन पर बैठाऊंगा;
जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया |
प्रकाशितवाक्य 3:21

विजय प्राप्त करने वालों को प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में सराहा गया है | लेकिन आज कुछ मसीहियों को बात करते हुए सुनने पर मसीही जीवन का डिफॉल्ट पैटर्न पराजित प्रतीत होता है |

ध्यान दें कि प्रकाशितवाक्य में सात कलीसियाओं को लिखे गए मसीह के पत्रों में जय पर कितना जोर दिया गया है:

- "जो जय पाएं, मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में हैं, फल खाने को दूंगा" (2:7)
- "जो जय पाएं, उसको दूसरी मृत्यु से हानि न पहुंचेगी" (वचन 11)
- जो जय पाएं, उसको मैं गुप्त मन्ना में से दूंगा और उसे एक श्वेत पत्थर भी दूंगा; और उस पत्थर पर एक नाम लिखा हुआ होगा, जिसे उसके पाने वाले के सिवाय और कोई न जानेगा" | (वचन 17)
- जो जय पाएं और मेरे कामों के अनुसार अंत तक करता रहे, मैं उसे जाति-जाति के लोगों पर अधिकार दूंगा |" (वचन 26)
- "जो जय पाएं उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहनाया जाएगा, और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूंगा, पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्गदूतों के सामने मान लूंगा | (वचन 3:5)
- "जो जय पाएं उसे मैं अपने परमेश्वर के मंदिर में एक खंभा बनाऊंगा, और वह फिर कभी बाहर न निकलेगा: और मैं अपने परमेश्वर का नाम और अपने परमेश्वर के नगर अर्थात नये यरूशलेम का नाम, जो मेरे परमेश्वर के पास से स्वर्ग पर से उतरनेवाला है, और अपना नया नाम उस पर लिखूंगा |" (वचन 12)
- "जो जय पाएं मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा; जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया |" (वचन 21)

विजय होना या "जय" को प्रकाशितवाक्य 12 में "हमारे भाइयों और बहनों पर दोष लगानेवाले" (वचन 10), "शैतान" पर जय के रूप में परिभाषित किया गया है: "वे मेम्ने के लहू के कारण और गवाही के वचन के कारण उस पर जयवंत हुए" (वचन 11) लहू और गवाही के द्वारा पाप और शैतान पर विजय प्राप्त करते हुए आज कई विजय प्राप्त करने वाले लोग हैं | उदाहरण के लिए, मैं आपको चक के बारे में बताता हूँ |

एक मित्र ने मुझसे काउंटी जेल में चक से मिलने का आग्रह किया - उसने कहा कि चक ने हाल ही में मसीह को ग्रहण किया है | जब चक को पता चला कि मैं एक सेवक हूँ, तो उसने मेरा

गर्मजोशी से स्वागत किया और मुझे अपनी कहानी सुनाई: वह ड्रग्स में शामिल था, उसने ड्रग्स खरीदने के लिए चोरी की थी, और प्रभावशाली तरीके से मसीह को उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार किया था | तुरंत ही वह अपनी ड्रग्स की इच्छा से मुक्त हो गया | वह पुलिस के पास गया, अपने अपराधों के बारे में उन्हें बताया और अब वह जेल में था | वह अपने विश्वास में दृढ़ था | उसने बेसिक बाइबल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स शुरू किया और हमने उसके अध्ययन की समीक्षा के लिए साप्ताहिक शिष्यता बैठक करने का फैसला किया |

हमारी तीसरी मुलाकात के दौरान, चक परेशान था | उसने मुझे बताया कि ड्रग्स कि उसकी पुरानी इच्छा वापस जागृत हो रही थी | मैंने उसे 1 कुरिंथियों 10:13 याद दिलाया, एक वचन जिसे उसने पहले याद किया था: "तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर हैं | परमेश्वर सच्चा है और वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा कि तुम सह सको |"

"चक", मैंने कहा, "परमेश्वर तुम्हें अपनी सहनशक्ति से अधिक परीक्षा में नहीं पड़ने देगा | वह जानते हैं कि उनकी मदद से तुम इसे दूर कर सकते हो | मेरे जीवन में पाप थे, और उनका मुझ पर नियंत्रण था: मेरा उन पर नियंत्रण नहीं था | लेकिन जब मसीह मेरे जीवन में आये तो उन्होंने मुझे वह सामर्थ्य दी जो मेरे पास पहले कभी नहीं थी | मैं एक बार भी उन पापों की ओर वापस नहीं लौटा| वह आपके लिए भी कर सकता है |

'हाँ? चक ने कहा | "मैं यह कर सकता हूँ |" और वहाँ से चक विजयी होकर निकला | उसने हर हफ्ते का बाइबिल अध्ययन सफलतापूर्वक पूरा किया | वह अन्य कैदियों को मसीह के पास ले गया | वह आनंद और भक्ति से भर गया | उसने फिर कभी ड्रग्स नहीं लिया |

अंत में, चक को जेल से रिहा कर दिया गया | जज ने उसे उसके परिवार के बैपटिस्ट सेवक की छत्रछाया और प्रभाव में रहने के लिए कहा | पिछली बार जब मैंने उससे फोन पर बात की, तो मैंने उससे पूछा, "चक, तुम कैसे हो?"

उस ने जवाब दिया, "मैं बहुत अच्छा हूँ | मैं बाइबिल स्कूल जाने की योजना कर रहा हूँ | मुझे लगता है कि परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए बुलाया है |"[3]

"हां! मैं कर सकता हूँ !" एक विजेता!

---

3. द गुड न्यूज़ में रिपोर्ट किया गया: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवेंजलिज्म न्यूजलेटर (सेप्टेंबर 2012)

.....

जनवरी 9 **दिन - 9**

मैं लोगों या समस्याओं का सामना करने की हिम्मत नहीं करता

******

परंतु हे यहोवा मैंने तेरी दोहाई दी हैं, और भोर को मेरी प्रार्थना तुझ तक पहुँचेगी |
भजनसंहिता 88:13

आप अपने दिन के पहले तीन घंटों में किस चीज़ का सामना करते हैं? आप उन घंटों की तैयारी के लिए क्या करते हैं?

कुछ दिनों पहले मैं एक व्यक्ति को सुन रहा था जिस पर मैंने बहुत निवेश किया था | जब वह चर्च में एक कक्षा को पढ़ा रहा था | उसने कहा, "जैसा कि पास्टर शेवर ने जोर दिया, "जब तक मैं पहले प्रभु से सामना नहीं करता, तब तक मैं लोगों या समस्याओं का सामना करने की हिम्मत नहीं करता |" उसने इस अभ्यास को अपने जीवन में शामिल कर लिया था | मुझे उसके शब्दों से याद आया कि यह मुद्दा वास्तव में मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण था और है |

मैं एक सेक्युलर कॉलेज में अपने जूनियर वर्ष में मसीह में आया था | मुझे लगा कि मैं आत्मिक रूप से विमुख वातावरण में रहूंगा | तीन हजार छात्रों में से, लगभग तीस दैनिक चैपल में दिखाई देते, और छह से आठ प्रतिदिन प्रार्थना के लिए एकत्रित होते थे | यह मेरे लिए आवश्यक होता कि मैं जल्दी उठूँ और लोगों या समस्याओं का सामना करने से पहले बाइबिल और प्रार्थना में समय बिताऊं | मैं इसे "परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सकते"| (इफिसियों 6:11) का समय मानता था |

बेशक, यदि आप रात की शिफ्ट में काम करते हैं, तो आपका दिन देर से दोपहर में शुरू हो सकता है | यदि आप परमेश्वर को दिन की शुरुआत का समय नहीं दे सकते तो उन्हें एक ऐसा समय दें जब आपका मन सतर्क होता है | उन्हें अपने दिन का सबसे अच्छा हिस्सा दें: उन्हें बचा हुआ न दें|

रूपांतरण के पैसठ साल बाद, मैं अभी भी इस अभ्यास का पालन करता हूँ: "जब तक मैं पहले प्रभु का सामना नहीं करता, तब तक मैं लोगों या समस्याओं का सामना करने की हिम्मत नहीं करता|" इस अभ्यास का फल आश्चर्यजनक रूप से समृद्ध रहा है |

मेरे साथ इस अभ्यास में शामिल हो | बाइबिल यीशु के बारे में कहती है, "भोर को दिन निकलने से बहुत पहले, वह उठकर निकला और एक जंगली स्थान में गया और वहाँ प्रार्थना करने लगा |" (मरकुस 1:35) | आप अच्छी संगत में रहेंगे |

जनवरी 10 **दिन - 10**

पश्चाताप एक बहुत अच्छी बात है

******

पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे | क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी संतानों, उन सब दूर-दूर के लोगों के लिए भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा |" (प्रेरितों के काम 2:38-39)

यदि परमेश्वर पवित्र है – और वह हैं – तो यह दावा करना तर्कसंगत है कि जो लोग अपने पापों को थामे हुए हैं वे अनंतकाल में उसकी उपस्थिति में होने में सक्षम नहीं हो पाएंगे | यह इतना स्पष्ट है कि पतरस प्रभु को उद्धृत करता है: "पवित्र बनो क्योंकि मैं पवित्र हूँ" (1 पतरस 1:16) |

तो हमारे द्वारा किए गए पापों के बारे में आप और मैं क्या करेंगे? पतरस कहता है, "पश्चाताप करो"| पश्चाताप का अर्थ है अपने पापों का इतना खेद प्रकट करना कि आप परमेश्वर से आपको क्षमा करने और भविष्य में पाप से दूर होने के लिए कहें | यह वह समय भी है जब आप यीशु मसीह की ओर मुड़ते हैं | मसीह के पास आने के द्वारा, अब आपको एक नया जीवन जीने के लिए सशक्त किया गया है — धर्मी होने के लिए | रोमियों 3:22 में कहता है, "परमेश्वर की वह धार्मिकता जो यीशु मसीह है पर विश्वास करने से सब विश्वास करने वालों के लिए है"| दूसरा कुरिन्थियों 5:17 कहता है, "इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है" | मसीह आपको नया बनाता है; अब आप एक अलग और धर्मी जीवन जी सकते हैं |

परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उन्होंने आपके अतीत को क्षमा करने के लिए मसीह को और आपके भविष्य को सशक्त बनाने के लिए पवित्र आत्मा को भेजा |

ब्रेनन मैनिंग कहते हैं, "परमेश्वर आपसे कितना प्यार करते हैं? इतना कि आपके बिना जीने से अधिक मरना पसंद करते हैं — और उन्होंने ऐसा ही किया |"[4]

माइकल हैंडरसन एक मसीही को इस प्रकार परिभाषित करते हैं: "एक मसीही वह है जो वर्तमान में यीशु का अनुसरण कर रहा है और वह कर रहा है जो उन्होंने करने के लिए कहा है"|[5] ई स्टेनली ज़ोन्स का कहना है कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना क्योंकि वह हमें चोट पहुँचा सकता है, एक अपरिपक्व मसीही की विशेषता है; परमेश्वर का पालन करना क्योंकि हम उसे चोट पहुँचा सकता है; एक परिपक्व मसीही की विशेषता है|[6]

मेरे बेटे पॉल के कंधे पर मेलेनोमा विकसित हो गया जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी| सर्जन गहराई में गया और उसके कंधे का काफी सारा हिस्सा काट लिया | क्या आपको लगता है कि मैं उस डॉक्टर से नाराज हुआ? क्या मैं क्रोधित हुआ कि, "उसे मेरे बेटे के शरीर में घुसने और उसके कंधे का इतना सारा हिस्सा निकालने का क्या अधिकार था"?— नहीं, मैं खुश हुआ कि डॉक्टर गहराई में गया, कैंसर से ग्रसित सभी हिस्से को निकाल लिया और पॉल को एक विस्तारित जीवन दिया | मैं आनंदित हुआ |

पश्चाताप भी ऐसा ही है — परमेश्वर आपके पापों से निपटने के लिए गहराई में जा रहे हैं और जरा सोचिए, आपके सभी पाप क्षमा किए जा सकते हैं और आप एक नये व्यक्ति बन सकते हैं | इसलिए रोमियों 2:4 कहता है, "क्या तू उसकी कृपा और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है? क्या यह नहीं समझता कि परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव को सिखाती है?" पश्चाताप एक बहुत अच्छी बात है |

---

4. उद्धरण, उपदेश नोट्स से लिया गया है | मुल स्रोत अज्ञात है |

5. डी. माइकल हैंडरसन, मेकिंग डिसाइपल्स - वन कन्वसेर्शन एट ए टाइम (कैनसस सिटी, एम ओ: बीकन हिल प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 2006),28

5. उद्धरण, उपदेश नोट्स से लिया गया है | मूल स्रोत अज्ञात है |

.....

जनवरी 11 **दिन - 11**

प्रभु, आप ऐसा कैसे कर सकते हैं?

******

अनादि परमेश्वर तेरा गृहधाम है और नीचे सनातन भुजाएं हैं |
व्यवस्थाविवरण 33:27

जब हमारे बेटे ने हमें यह बताने के लिए फोन किया कि उसकी गर्दन पर एक कैंसर की सर्जरी होगी, जिससे शायद उसके वॉइस बॉक्स को हटाना पड़े, तो उसकी माँ ने जो जवाब दिया उसका यहाँ लिखित विवरण है:

मैं रसोई में खड़ी थी जब मैंने पहली बार पॉल को अपने गले के कैंसर के बारे में बताते हुए सुना, और मैं बस गिर गई | "प्रभु, आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? नहीं, प्रभु हमारे इकलौते बेटे को नहीं!" और उन्होंने (यीशु) कहाँ, हाँ नैन्सी, मैं उसका उपयोग करना चाहता हूँ |" तो मैंने उसी समय आत्मसमर्पण कर दिया, और कुछ ही क्षणों में, प्रभु ने मेरे ऊपर अपनी शांति उंडेल दी | यह तेरह घंटे की सर्जरी के दौरान मेरे साथ रहा: और जब यह समाप्त हुआ तो उन्होंने कैंसर को हटा दिया था, एक ट्रेकियोटोमी की थी और उसके भोजन नली को फिर से बना दिया था | वह उठ गया और अगले दिन चलने-फिरने लगा और बाकी आप जानते हैं | आप प्रभु पर पूरी रीति से भरोसा कर सकते हैं |

मैं यह इसलिए जानती हूँ कि उस दिन परमेश्वर ने मुझे उठाया और अपनी बाहों में लिया और उसने मुझसे प्यार किया और मेरी परवाह की और भविष्य में चाहे कुछ हो जाए उसका सामना करने के लिए मुझे सामर्थ्य से भर दिया क्योंकि वह पॉल का, आपका और मेरा नाम जानते हैं | आप इसे बैंक में ले जा सकते हैं और इसे जमा कर सकते हैं - मेरा मतलब है, स्वर्ग के | वह हमें मजबूत और साहसी बना रहे हैं क्योंकि प्यार में किसी प्रकार का भय नहीं होता |[7]

वॉइस बॉक्स हटाने के बाद पॉल के विजयी जीवन की कहानी को 28 चर्चो में बताया गया है और पॉल ने एक दक्षिण कैरलाइना के बैपटिस्ट चर्च में 2,200 लोगों के सामने अपनी गवाही दी |

और नैन्सी के लिए, "नीचे सनातन भुजाएं हैं |"

---

7 शेवर क्रिसमस लेटर, 2015

.....

जनवरी 12 **दिन - 12**

एक वैज्ञानिक और परमेश्वर

******

अपनी आँखें ऊपर उठाओ और स्वर्ग की ओर देखो |
यशायाह 40:26

कुछ लोगों के लिए विज्ञान और विश्वास दुश्मन है | वहीं, दूसरों के लिए विज्ञान और विश्वास एक दूसरे पूरक हैं |

जो (एक व्यक्ति का नाम है) में एक चर्च विरोधी रवैया बनाया गया था - इसके पीछे उसके पिता का नकारात्मक चर्च अनुभव था | लेकिन कॉलेज के दौरान जब जो डोरीस से मिला तो उसका रवैया बदलने लगा | डोरिस का पालन-पोषण एक मसीही परिवार में हुआ था, उसने चौदह साल की उम्र में एक रीवाइवल सेवकाई के दौरान परमेश्वर के प्रति प्रतिबद्धता की थी और मसीह के साथ संबंध में रहने का आनंद लिया था | जब डोरीस ने मसीह और चर्च के बारे में जो को समझाया, तो उसका दिमाग खुला, और उसने मसीह और चर्च को अपने ह्रदय में ले लिया |

ग्रेजुएशन से ठीक पहले उन्होंने शादी कर ली | जो जानता था कि कोरिया में युद्ध के कारण, उसे सैन्य सेवा में शामिल किया जाएगा |

सेना में अपने कार्यकाल के दौरान, उसने एक टैंक कमांडर के रूप में अपना बुनियादी प्रशिक्षण पूरा किया फिर ऑफिसर ट्रेनिंग में चला गया और अंततः उसे सेना की रसायनिक प्रयोगशाला में काम करने के लिए नियुक्त किया गया |

सेना से निकलने के बाद जो ने नौ साल तक कैलिफोर्निया की स्टैंडर्ड ऑयल के लिए काम किया | फिर उसने कैनसस सिटी में वेयर लैब में एक पद प्राप्त किया, जहाँ उसने पच्चीस वर्षों तक एक वरिष्ठ रसायनज्ञ के रूप में काम किया | जो और उसके अधीन काम करने वाले चौदह रसायनज्ञ का उद्देश्य बेयर लैब द्वारा बेचे जाने वाले विभिन्न कीटनाशक विधियों का विकास, पुर्नविकास और सुधार करना था |

सेवानिवृत्त होने के बाद जो ने अपनी स्वयं की प्रयोगशाला शुरू की | उनके ग्राहकों में से एक ने यूरोप से फोन किया, यह बताते हुए कि उनके रसायनज्ञ ने तीन साल तक एक विशेष विधि पर काम किया, लेकिन उन्हें एक समस्या हो रही थी: उनके कंटेनर हर बार फट रहे थे | जो ने उनकी समस्या के समाधान की जिम्मेदारी संभाली | उस शाम वह परमेश्वर पास गया और उनसे सहायता मांगी | परमेश्वर ने उससे कहा कि वह पहले से ही उस समस्या का उत्तर जानता है और उस समस्या पर अपनी रसायन विज्ञान के ज्ञान को लागू करने के लिए कहा | तीन दिनों के भीतर जो के पास अपने पहले के मेडिकल प्रशिक्षण के द्वारा समस्या का समाधान था |

अविश्वसनीय रूप से उस ग्राहक के कंपनी के अध्यक्ष और कर्मचारी गण स्वयं से उस समाधान को देखने के लिए आए | उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि कोई भी बोतल विस्फोट नहीं कर रही थी, चाहे जिस भी तापमान पर या कितने भी लंबे समय के लिए उन्हें संग्रहित किया गया हो|

यदि सभी को गिना जाए तो जो के पास अब दुनियाभर में विभिन्न कंपनियों से जुड़े हुए उसके अपने पंद्रह बुनियादी पेटेंट और कुल 253 पेटेंट हैं |

क्या मिश्रण है - एक रासायनिक वैज्ञानिक और एक जीवित, प्रार्थना का उत्तर देने वाले परमेश्वर पर विश्वास का | कोई आश्चर्य नहीं कि यशायाह ने यह कहा, "अपनी आँखे ऊपर उठाओ और स्वर्ग को देखो: किसने इनको सिरजा? वह इन गणों को गिन-गिनकर निकालता है, उन सबको नाम ले लेकर बुलाता है? (40:26)

.....

जनवरी 13 **दिन - 13**

"विश्वास करने" का क्या अर्थ होता है?

******

उसने यहोवा पर विश्वास किया : और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धर्म गिना | उत्पत्ति 15:6

"केवल यीशु में विश्वास करो तुम बच जाओगे" अधिकांश मसीहत में एक सामान्य रूप से दोहराया जाने वाला विचार हैं | फिर भी उस कथन में कुछ खालीपन और कुछ कमी है | इसका उत्तर "विश्वास करना" शब्द की सही समझ में है |

"विश्वास करने" का अर्थ बौद्धिक रूप से यह स्वीकार करने से कहीं अधिक है कि यीशु मौजूद हैं | यहाँ तक कि याकूब भी कहता है कि यह पर्याप्त नहीं है जब वह लिखता है, "तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है : तू अच्छा करता है | दुष्टात्मा भी विश्वास रखते — और थरथराते हैं" (याकूब 2:19) | जाहिर है कि दुष्ट "विश्वास करते" हैं कि परमेश्वर मौजूद है, लेकिन वे निश्चित रूप से बचाए नहीं गये हैं | विक्टर हैमिल्टन कहते हैं, "प्रभु में विश्वास करने का अर्थ है प्रभु पर भरोसा करना | विश्वास को भरोसे के रूप में समझना उस चीज से भरोसे को स्थानांतरित करता है जिसे आप अपने मस्तिष्क में अपने जीवन में करने के लिए होने के रूप में स्वीकार करते हैं |"[8]

बाइबिल बार-बार प्रभु में विश्वास या भरोसे के विचार को जीए गए सेवकाई, बलिदान, प्रतिबद्धता और वीरतापूर्ण जीवन से जोड़ती है | याकूब 2:22-24 विस्तृत रूप से बताता है : "अतः तुने देख लिया कि विश्वास ने उसके (अब्राहम के) कामों के साथ मिलकर प्रभाव डाला और कर्मों से विश्वास सिद्ध हुआ, और पवित्र शास्त्र का यह वचन पूरा हुआ : "अब्राहम ने परमेश्वर का विश्वास किया और यह उसके लिए धर्म गिना गया," और वह परमेश्वर का मित्र कहलाया | इस प्रकार तुमने देख लिया कि मनुष्य केवल विश्वास से ही नहीं, वरन कर्मों से भी धर्मी ठहरता है |"

मेरे पास विश्वास या यकीन की अवधारणा को समझने का एक आसान तरीका है | अगर मैं आपसे कहूँ, "मैं वास्तव में अपनी पत्नी, नैन्सी पर विश्वास करता हूँ" तो क्या मेरा सीधा सा मतलब यह है कि वह मौजूद है? या क्या मेरे विश्वास का मतलब यह है कि मैं उस पर भरोसा करता हूँ, उस पर निर्भर हूँ, उसे खुश करने की कोशिश करता हूँ, अपने फैसलों में उसे शामिल करता हूँ, उसकी परवाह करता हूँ और उसके प्रति प्रतिबद्ध हूँ?

आप किस तरह के विश्वास में विश्वास करते हैं?

---

8. विक्टर हैमिल्टन, "कमेंटरी जेनेसिस 14:17-15:6," इलस्ट्रेटेड बाइबिल लाइफ सेप्टेंबर-नवेंबर 2015 (कैनसस सिटी, एम ओ : वर्डएक्शन पब्लिशिंग को.), 7 |

.....

जनवरी 14 **दिन - 14**

एक आश्चर्यजनक बात, एक अद्भुत बात

******

सहज क्या है? यह कहना, "तेरे पाप क्षमा हुए', या यह कहना 'उठ और चल फिर' | परंतु इसलिए कि तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर क्षमा करने का अधिकार है |" तब उसने लकवे के रोगी से कहा, "उठ अपनी खाट उठा और अपने घर चले जा" | वह उठकर अपने घर चले गया | लोग यह देखकर डर गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे जिसने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया है |
मत्ती 9:5-8

मेरी अपनी बेटी ने मुझे चुनौती दी, "डैड, सप्ताह में कम से कम एक बार, उस सप्ताह घटित हुई कम से कम एक आश्चर्यजनक बात, एक अद्भुत बात लिखिए |" मैंने चुनौती स्वीकार करने का फैसला किया | जब यीशु के दिनों के लोगों ने देखा मसीह पाप को क्षमा कर सकते हैं और लकवाग्रस्त लोगों को चंगा कर सकते हैं, तो वे विस्मय से भर गए और परमेश्वर की स्तुति करने लगे | मैंने महसूस किया कि यह अभ्यास मुझे अपने जीवन में परमेश्वर के कार्य के प्रति अधिक सतर्क रहने, अधिक आभारी होने और परमेश्वर की अधिक प्रशंसा करने के लिए प्रेरित करेगा | यह मुझे नकारात्मकता को उजागर करने से दूर रखेगा और सकारात्मकता को याद कराएगा | इसलिए मैंने अद्भुत चीजों को सूचीबद्ध करना शुरू कर दिया | इनमें से कुछ ये हैं :

- मैंने अपने परिवार के साथ क्रिसमस दिवस की गर्मजोशी की भावना को साझा किया|
- जब मैंने प्रभु से सुसमाचार प्रचार केंद्र की वर्ष-समाप्ति की जरूरतों के लिए फंड भेजने के लिए कहा, तो हमें कुल छह हजार डॉलर के वित्तीय उपहार मिले |
- मेरे पैंतालीस वर्षों तक एक शिष्यता की क्लास को पढ़ाने से सेवानिवृत्त होने और मेरे पिच्यासिवें जन्मदिन दोनों को सम्मानित करने के लिए 100 लोग उपस्थित हुए| मेरे परिवार और मैंने प्यार, समर्थन, सराहना और प्रोत्साहन महसूस किया |
- मैंने सात दिनों में आठ भक्ति रचनाओं को लिखा |
- मैंने कॉफमैन सेंटर में चार्ली एंड चॉकलेट फैक्ट्री देखी (वर्षों से, मैं कम से कम एक बार कॉफमैन में आना चाहता था)
- मुझे नैन्सी से सबसे प्यारा लव नोट मिला |
- एक शनिवार को, मैं कुछ साथी मसीहीयों से मिला जिनमें से एक ने मसीह में अपने विश्वास की पुष्टि की और बेसिक बाइबिल स्टडीज करने के लिए सहमत हुए, और अन्य उसके फॉलो-अप भागीदार बनने के लिए सहमत हुए |
- एक रविवार को, मैंने 186 लोगों की भीड़ को "मेरा हृदय-मसीह का घर" शीर्षक के उपदेश का प्रचार किया | उसके बाद, 33 लोगों ने मसीह को खोजा |
- मैंने नेपल्स बोटैनिकल गार्डन की सुंदरता का अनुभव किया |
- हमारा जीपीएस फेल हो गया था, लेकिन रेचल ने मुझे अपने स्मार्टफोन पर सिरी का उपयोग करना सिखाया | सिरी मुझे मार्गनिर्देश देने में सक्षम हुआ |

इनमें से कुछ प्रार्थना के अद्भुत उत्तर थे; कुछ प्रकृति की सुंदरता में मेरी खुशी थी; अन्य व्यवहारिक थे, जैसी सिरी मुझे सुरक्षित घर पहुँचाने के लिए निर्देश दे रहा था | और जब मैं समीक्षा करता हूँ तो मेरी आत्मा कैसे उत्साहित हुई यह आश्चर्यजनक, अद्भुत है | इसलिए मैं याकूब के वंश में शामिल हो गया : वे याकूब के पवित्र को पवित्र मानेंगे और इजराइल के परमेश्वर का अति भय मानेंगे" (यशायाह 29:23)

क्या आप इसे आजमाना चाहेंगे — हर हफ्ते एक अद्भुत बात?

.....

जनवरी 15 **दिन - 15**

आपके लिए परमेश्वर के वादे

******

चाहे मैं घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ तो भी हानि से न डरूँगा ;
क्योंकि तू मेरे साथ रहता है | भजन संहिता 23:4

यह आपके लिए परमेश्वर की ओर से एक प्रेम पत्र है | यह बाइबिल का वर्णन करने का एक तरीका है |

बाइबिल पढ़ने का एक अच्छा तरीका, एक विशिष्ट पुस्तक से शुरू करना है, जैसे यूहन्ना का सुसमाचार, एक साल में बाइबिल पढ़ने का एक तरीका वन ईयर बाइबिल पुस्तक पढ़ना है, जो आपको साल के हर दिन पढ़ने के लिए एक पाठ देती है | इन पाठों में पुराने नियम के करीब दो अध्याय, एक नये नियम का अध्याय, आधा भजन संहिता, और नीतिवचन के तीन वचन होते हैं | अपने कैलेंडर का पालन करके आप एक साल में पूरी बाइबिल को पढ़ लेते हैं |

सही अर्थ के साथ पढ़ने के लिए, अर्ल ली की सलाह का पालन करें, जिन्होंने "एस एम यू" पढ़ाया |

इसका अर्थ सदर्न मेथाडिस्ट यूनिवर्सिटी नहीं है, बल्कि "यह क्या कहता है (से) है? इसका क्या अर्थ है (मीनिंग) है? मैं इसका उपयोग (यूज़) कैसे कर सकता हूँ ? बाइबिल के व्यक्तिगत अनुप्रयोगों को खोजने से आप सबसे बड़ी वृद्धि का अनुभव करेंगे |

बाइबिल आदेश, सलाह और वादे देती है | चुनौती के समय में यह वादे हमें बहुत मदद करते हैं | बेशक, कुछ विशेष वादे किसी विशिष्ट व्यक्ति या समूह के लिए अतीत की स्थितियों में किये गये थे — लेकिन अक्सर ये वादे स्थायी सिद्धांत भी होते हैं जो आज भी लोगों पर लागू होते हैं |

डोरोथी हैमिल्टन के पास उन वादों की एक सूची है जो विशेष रूप से हमारी मदद कर सकते हैं | यहाँ कुछ दिये गए हैं — उन्हें अपने आप पर लागू करें :

- "मत डर क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर-उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ ; मैं तुझे दृढ़ करूँगा और तेरी सहायता करूँगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे संभाले रहूँगा" (यशायाह 41:10)

  "हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है ; अर्थात उन्हीं के लिए जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं" (रोमियों 8:28)|
- "अभी हमें दर्पण में धुंधला सा दिखाई देता है, परंतु उस समय आमने-सामने देखेंगे ; इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है, परंतु उस समय ऐसी पूरी रीती से पहिचानूँगा, जैसा मैं पहचाना गया हूँ |" (कुरिन्थियों 13:12)
- "वैसे ही हे पतियों, तुम भी बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ जीवन निर्वाह करो और स्त्री को निर्बल पात्र जानकर उसका आदर करो, यह समझकर कि हम दोनों जीवन के वरदान के वारिस है जिससे तुम्हारी प्रार्थनाएं रुक न जाएं" (1 पतरस 3:7) |

- "अपनी सारी चिंता उस पर डाल दो, क्योंकि उसको तुम्हारा ध्यान है |" (1 पतरस 3:7) |
- "मेरा अनुग्रह तेरे लिए बहुत है : क्योंकि मेरी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है" (2 कुरिन्थियों 12:9)

डेडलाइन का दबाव मुझ पर था | फुलर सेमिनरी में मेरे डॉक्टर ऑफ मिनिस्ट्री की डिग्री के लिए यह मेरा अंतिम प्रोजेक्ट था | मैं एक बारह पाठों का शिष्यता अध्ययन लिख रहा था, और इसे दिसम्बर के अंत तक पूरा किया जाना था |

दबाव केवल इस प्रोजेक्ट से ही नहीं था | मैं कई प्रचारक जिम्मेदारियों में शामिल होने के अलावा, सुसमाचार प्रचार के एक प्रोफेसर और एक आउटरीच पादरी के रूप में सेवा कर रहा था | मुझे बहुत तनाव महसूस हुआ | मैंने अपना सिर अपनी मेज पर रख दिया और मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मेरा नर्वस ब्रेक डाउन हो जाएगा | मैंने तब ही शिष्यता अध्ययन पर एक प्रश्न लिखा था : मसीह की खातिर कठिनाई पर विजय प्राप्त करने के लिए सामर्थ्य की बाइबिल आधारित अपेक्षा क्या है"? इस प्रश्न के साथ मैंने फिलिप्पियों 4:13 का एक संदर्भ शामिल किया ; "जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ" | मुझे लगता है कि मेरा सिर तभी भी मेज पर था जब मैंने पवित्र आत्मा को यह कहते सुना, "आप अपना प्रोजेक्ट वहाँ क्यों नहीं रखते?"

मैंने "प्रोजेक्ट" शब्द को जोड़कर फिर से वचन को पढ़ा : "मैं इस प्रोजेक्ट को उसके (मसीह के) माध्यम से कर सकता हूँ जो मुझे सामर्थ्य देता है |" जैसे ही मैंने ऐसा किया, सामर्थ्य मुझमें प्रवाहित हुई — मैं जानता था कि मैं यह कर सकता हूँ | आत्मा ने फिर से कहा, "यह समय पर हो जाएगा, और इसे प्रकाशित किया जाएगा "| यह प्रोजेक्ट फुलर में जल्दी आ गया और इसे लिविंग इन द पावर ऑफ स्पिरिट के रूप में प्रकाशित किया गया | मैं जानता था कि परमेश्वर के वादे ने मेरे जीवन में काम किया था — मुझे उम्मीद है कि यह आपके लिए भी सच होगा |

.....

जनवरी 16 **दिन - 16**

जब हम नहीं समझते

******

उसने (यीशु ने) उनसे कहा, "तुम मुझे क्यों ढूंढते थे?" | "क्या नहीं जानते थे कि मुझे मेरे पिता के भवन में होना अवश्य है?" परंतु जो बात उसने उनसे कहीं, उन्होंने उसे नहीं समझा | तब वह उनके साथ गया, और नासरत में आया, उनके वश में रहा ; और उसकी माता ने ये सब बातें अपने मन में रखी | और यीशु बुद्धि, डील-डौल में, और परमेश्वर और मनुष्य के अनुग्रह में बढ़ता गया |

लूका 2:49-52

दुनिया के इतिहास में सबसे ईश्वरीय महिलाओं में से एक मरियम, यीशु की माँ थी | जैसा कि लूका 1:28 कहता है, "(एक) स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहा, "आनंद और जय" तेरी हो, जिस पर ईश्वर का अनुग्रह हुआ है! प्रभु तेरे साथ है!" |

मरियम के व्याकुल हृदय को देखकर स्वर्गदूत ने कहा, "हे मरियम, भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है | देख, तू गर्भवती होगी, और तेरा एक पुत्र उत्पन्न होगा : तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा ; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा |

और वह याकूब के घराने पर सदा राज करेगा ; और उसके राज्य का अंत न होगा (वचन 30-33) | फिर स्वर्गदूत ने आगे कहा, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी : इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होने वाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा" (वचन 35) |

बाद में, जब यीशु बारह वर्ष के थे, तब वह मरियम और यूसुफ फसल के पर्व के लिए यरूशलेम गए | जैसे-जैसे परिवार के सदस्य घर की ओर बढ़ते गए, यीशु के माता-पिता को अहसास हुआ कि यीशु उनके साथ नहीं थे | वे यरुशलेम लौट आए और यीशु को खोज लिया और उनके कार्यों पर प्रश्न किया | उन्होंने उत्तर दिया कि उन्हें अपने पिता के घर में होना अवश्य है, परंतु वे नहीं समझे |

हालांकि परमेश्वर के दूत ने मरियम से इतने स्पष्ट रूप से बात की थी, यीशु के विकास के इस चरण में, वे अभी भी नहीं समझे थे | हाँ यह संभव है कि कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें ईश्वरीय लोग नहीं समझते |

उदाहरण के लिए, 2021 में मैं पूछ रहा था, "कोविड -19 क्यों? क्या यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि पूरे विश्व इतिहास में, हम समय-समय पर बड़ी बीमारियों का सामना करते हैं? क्या यह अनाज्ञाकारी लोगों पर परमेश्वर की ओर से एक दंड की आज्ञा है? मरुभूमि में कुडकुडाने वाले, आज्ञा न मानने वाले इजराइलियों ने यहोवा को क्रोधित किया, "और उसने उनको बहुत बड़ी मार से मारा" | (गिनती 11:33)

क्या यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि जब से पाप ने मानवता में प्रवेश किया है, तब से हम एक ही क्षतिग्रस्त, असंतुलित संसार में रहते हैं? फिर भी, हम इस आशा में जीते हैं कि, "कि सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर, परमेश्वर की संतानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी" | इसके अतिरिक्त, "हम लेपालक होने की, अर्थात अपने देह के छूटकारे की बाट जोहते हैं |" (रोमियों

8:21 और 23) | मुझे नहीं पता, मुझे समझ में नहीं आता, लेकिन मैं प्रार्थना कर रहा हूँ कि परमेश्वर लोगों को अपनी ओर लाने के लिए, घटनाओं की इस दुखद श्रृंखला का उपयोग करेंगे — उद्धारकर्ता, क्षमा करने वाला, चंगा करने वाला, प्रभु |

बीमारी के मानव-संक्रमण को रोकने के लिए लाखों लोगों ने स्वयं पर लगाए गए क्वारंटाइन (संगरोध) से स्वयं को दूसरों से दूर कर दिया | जो लोग आमतौर पर काम, स्कूल, खेल आयोजनों, मनोरंजन और खरीददारी में व्यस्त रहते हैं, वे क्या करते हैं जब सब कुछ बंद हो जाता है? जब वे दिन-प्रति-दिन घर पर बैठे रहते हैं, तो उनके मन में क्या चल रहा होता है? वे किस बारे में सोच रहे होते हैं? क्या यह संभव है कि परमेश्वर उनका ध्यान प्राप्त कर रहे होंगे?

.....

जनवरी 17 **दिन - 17**

दो दुनियाओं के लिए जीना

******

इसलिए हम ढ़ाढ़स बांधे रहते हैं, और देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं | इस कारण हमारे मन की उमंग यह है कि चाहे साथ रहे चाहे अलग रहे पर हम उसे भाते रहें | क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, की हर एक व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए |

2 कुरिन्थियों 5:8-10

1 अप्रैल 2020 को, डॉ एंथानी फौसी ने भविष्यवाणी की कि कोरोनावायरस महामारी में सैकड़ों हमारे अमेरिकी मारे जाएंगे | इसके आलोक में, क्या हर किसी के लिए यह सुनिश्चित करना समझदारी नहीं होगी कि वे दो दुनिया के लिए जी रहे हैं — यह और अगली दोनों | प्रेरित पौलुस ने "देह से दूर और प्रभु के साथ भवन में" होने की बात कही थी | नतीजतन, "हम उसे खुश करना अपना लक्ष्य बना लेते हैं |" यह मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि हम सभी को मसीह के न्याय आसन के सामने उपस्थित होना चाहिए |

यीशु ने यूहन्ना 17:3 में अनंत जीवन को परिभाषित किया : "और अनंत जीवन यह है कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जाने"| यह सच्चे परमेश्वर और यीशु मसीह के साथ एक मौजूदा महत्वपूर्ण संबंध है | लेकिन इसका अंतिम परिणाम हमें मृत्यु के बाद के जीवन में भी ले जाता है | यूहन्ना 10:27 में यीशु आगे इसकी व्याख्या करते हैं : "मेरी भेड़े मेरा शब्द सुनती है, मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे-पीछे चलती है" | यहाँ इस क्रिया "अनुसरण करें" के काल का अर्थ "अब मेरा अनुसरण कर रहे हैं" है | यीशु बताते हैं, 'और मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूँ | वे कभी नष्ट न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा |" (वचन 28)

वर्तमान का जीवन विश्वास और सेवा का होना चाहिए | मत्ती 25:34-36 कहता है, "तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा 'हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो जगत के आदि से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है | क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाने को दिया ; मैं प्यासा था और तुमने मुझे पानी पिलाया ; मैं परदेशी था, और तुमने मुझे अपने घर में ठहराया, मैं नंगा था और तुमने मुझे कपड़े पहनाएं ; मैं बीमार था और तुमने मेरी सुधि ली, मैं बंदीगृह में था और तुम मुझसे मिलने आए"|

इसके अलावा, मसीह के साथ यह वर्तमान का जीवन बहुत संतुष्टि से भरा है | यूहन्ना 10:10 में, यीशु कहते हैं, "मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं"| रोमियों 14:17 में पौलुस कहता है, "क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं, परंतु धर्म और मेल-मिलाप और वह आनंद है जो पवित्र आत्मा से होता है |"

लेकिन अगला जीवन भी है | मसीह एक धनी व्यक्ति के बारे में बताता है जिसके खेत में भरपूर उपज हुई थी | उसकी प्रतिक्रिया थी, : "मैं अपनी बखारियाँ तोड़ कर उनसे बड़ी बनाऊंगा ; और वहाँ अपना सब अन्न और संपत्ति रखूंगा | और अपने प्राण से कहूँगा कि प्राण, तेरे पास बहुत वर्षों के लिए बहुत संपत्ति रखी है ; चैन कर, खा, पी, सुख से रह |" (लूका 12:18-19) | लेकिन उसके दर्शन में

दोष यह था कि वह केवल इस संसार के लिए जिया | परमेश्वर कहता है, "हे मूर्ख | इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा ; तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है वह किसका होगा?" (वचन 20)

अगला जीवन भी है | प्रेरित पौलुस बंदीगृह से लिखता है, "क्योंकि मेरे लिए जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है | पर यदि शरीर में जीवित रहना ही मेरे काम के लिए लाभदायक है तो मैं नहीं जानता कि किसको चुनूँ | क्योंकि मैं दोनों के बीच अधर में लटका हूँ : जी तो चाहता है कि कुच करके मसीह के पास जा रहुँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है | (फिलिप्पियों 1:21-23)

पौलुस अपने सांसारिक जीवन से इतना संतुष्ट है कि वह कहता है, "मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली, मैं ने विश्वास की रखवाली की है | भविष्य में मेरे लिए धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी और न्यायी है मुझे उस दिन देगा, और मुझे ही नहीं वरन उन सब को भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं |" (2 तीमुथियुस 4:7-8)

और हमारे पास अगले जीवन की एक बड़ी झलक है — एक ऊंची आवाज कहती है, "फिर मैंने सिहासन में से किसी को ऊँचे शब्द से यह कहते हुए सुना, "देख परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है | वह उनके साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा | वह उनकी आँखों से सब आंसू पोंछ डालेगा ; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी ; पहली बातें जाती रही |" (प्रकाशितवाक्य 21:3-4)

अब, आइए समझदार बने | दोनों दुनियाओं के लिए जीने की तैयारी करें |

.....

जनवरी 18 **दिन - 18**

हे मेरे परमेश्वर, मेरा प्राण तेरे लिए हाँफता है

******

जैसी हरिणी नदी के जल के लिए हाँफती हैं, वैसे ही,
हे मेरे परमेश्वर, मैं तेरे लिए हाँफता हूँ | (भजन संहिता 42:1)

झाड़ियों के चटकने की आवाज पहला संकेत होता है | और फिर आप उसे देखते हैं — नदी के किनारे पर एक सुंदर प्रतिरूप | हिरन पसीने से भीगा हुआ है, लेकिन उसका गला नमी को तरसता है| नदी उसकी प्यास को बुझाती है : वह नए जीवन से तरोताजा हो जाता है | लेकिन दूर से शिकारी कुत्तों के भौंकने की आवाज उसके मांसपेशियों को दोबारा कस देती हैं वह धारा में चला जाता है | नदी उसकी सुरक्षा है — कुत्ते पानी में उसकी गंध का अनुसरण नहीं कर सकते |

हमें भी ताजगी, जीवन और सुरक्षा की जरूरत है | लंबे समय से गरजने वाले शिकारी कुत्तों ने हमारा पीछा किया है | हम प्यासे हैं | आह लेकिन यहाँ परमेश्वर हैं — वह हमारी प्यास को बुझाता है, हमें नया जीवन देता है, और उसके अनुग्रह की सुरक्षा में, शिकारी कुत्ते पीछा छोड़ देते हैं | भाई, बहन आप हमेशा परमेश्वर के फव्वारे से पिएं |

अन्य सभी जल स्रोत या तो प्रदूषित हैं या अपर्याप्त; परंतु यीशु ने कहा, "परंतु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, वह फिर अनंतकाल तक प्यासा न होगा" (यूहन्ना 4:14)9 |

---

9. इससे पहले 'कम ये पार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1964 (कैनसस सिटी एमओ : नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 39, मैं प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड बन गया)

.....

जनवरी 19 **दिन - 19**

यह हो रहा है

******

आधी रात के लगभग पौलुस और सिलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे,
और कैदी उनकी सुन रहे थे | इतने में एकाएक बड़ा भूकंप आया, यहाँ तक कि
बंदीगृह की नींव हिल गई और तुरंत सब द्वार खुल गए ; और सबके बंधन खुल पड़े |
तब वह दिया मँगवाकर भीतर लपका, और काँपता हुआ पौलुस और सिलास के आगे गिरा |
और उन्हें बाहर लाकर कहा, "हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिए मैं क्या करूं?"
प्रेरितों के काम 16:25-26a, 29-30

प्रार्थना करना और भजन गाना — फिलिप्पि शहर में यीशु का प्रचार करने के कारण बंदीगृह में बैठे हुए वे यही कर रहे थे | उन्हें बुरी तरह पीटा गया था और उनके पैरों को काठ में ठोका गया था — फिर भी उन्होंने गाया और प्रार्थना की | फिर, एक भूकंप ने बंदीगृह को हिला दिया |

कैदियों का रवैया, उनकी प्रार्थना करना और गाना और भूकंप सभी ने पहरेदार का ध्यान आकर्षित किया | परमेश्वर की ओर उसका ध्यान गया | भोर से पहले पहरेदार और उसका पूरा परिवार प्रभु में आ चुका था | और सब दारोगा ने बंदियों के घावों को धोया, तब उसने और उसके परिवार ने बपतिस्मा लिया | तब उस परिवार ने पौलुस और सिलास के आगे भोजन रखा |

इन पृष्ठों को लिखने से दो हफ्ते पहले, मैंने 16 जनवरी के लिए भक्ति रचना # 16 "जब हम नहीं समझते" लिखा | उसमें मैंने पूछा, "कोविड-19 क्यों? उस भक्ति रचना का अंतिम अनुच्छेद यह कहता है : बीमारी के मानव-संक्रमण को रोकने के लिए लाखों लोगों ने स्वयं पर लगाए क्वारंटाइन से स्वयं को दूसरों से दूर रखा | जो लोग आमतौर पर स्कूल, खेल आयोजनों, मनोरंजन और खरीददारी में व्यस्त रहते हैं, वे क्या करते हैं जब सब कुछ बंद हो जाता है? जब वे दिन प्रति-दिन घर बैठे रहते हैं, तो उनके मन में क्या चल रहा होता है? वे किस बारे में सोच रहे होते हैं? क्या यह संभव है कि परमेश्वर का ध्यान उस ओर जा रहा है?

अप्रैल 2020 में द कैनसस सिटी स्टार के स्पोर्ट्स सेक्शन में, मैंने रेक्स हडलर के बारे में एक कहानी पढ़ी, जो कैनसस सिटी रॉयल्स के लिए प्रसारण करते हैं | 1978 में, हडलर हाईस्कूल के ठीक बाद यौकीज के साथ जुड़ गये | उन्होंने 1984 में बड़ी कंपनियों के साथ खेलना शुरू किया, और 1998 में वह सेवानिवृत्त हो गए |

इसके तुरंत बाद, उन्होंने लॉस एंजेलस, एंजल्स के लिए प्रसारण करना शुरू किया, और 2009 में रॉयल्स प्रसारण टीम में शामिल हो गए | कोरोना वायरस महामारी हडलर के लिए कठिन थी — कोविड-19 के कारण बेसबॉल बंद हो गया, और हम में से कई लोगों की तरह, हडलर को घर में कई अतिरिक्त घंटों और बुरी खबरों की अविश्वसनीय धारा का सामना करना पड़ा | हडलर ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने सुबह के समाचार को न पढ़ने का सचेत प्रयास किया, यह बताते हुए कि उनकी दिन चर्या कैसे बदल गई :

मैं इस समय के दौरान परमेश्वर के करीब आ गया हूँ और आप जानते हैं, मैं एक धार्मिक व्यक्ति नहीं हूँ, मैं एक आत्मिक व्यक्ति हूँ |

और इसलिए जब मैं सुबह उठता हूँ तो, मैं अपनी आँखें खोलता हूं और जीवन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता हूँ..... आप जानते हैं कि कैसे हमारे फोन में अलेर्ट्स आते हैं? फॉक्स, सीएनएन, सभी प्रकाशन आपके फोन पर होते हैं, अपने दिन की फिर से शुरुआत करने के लिए आपकी प्रतीक्षा में | ऊह! उह! मैं परमेश्वर से शुरुआत कर रहा हूँ | मैं कुछ वचनों को खोजूँगा और कुछ वचनों को पढूँगा और अपने दिन की शुरुआत उनके साथ करूंगा, न कि दुनिया के साथ |[10]

क्या यह संभव है कि परमेश्वर लोगों का ध्यान खींच रहा हो? यह हो रहा है |

---

10. पीट ग्रेथॉफ, "रेक्स हडलर इज मिसिंग मोर देन बेसबॉल दीज़ डेज़", फॉर पीट शेक (कॉलम), द कैनसस सिटी स्टार, अप्रैल 2, 2020, https:/www.Kansascity.com/sports/spt-column-blogs/for-petes-sake/article241714041.html

.....

जनवरी 20 **दिन - 20**

पॉल शेवर — कैंसर से पहले और बाद में, भाग 1

******

किसी भी बात की चिंता मत करो ; परंतु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना, और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किये जाएँ | तब परमेश्वर की शांति, जो सारी समझ से परे हैं, तुम्हारे ह्रदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी |
फिलिप्पियों 4:6-7

मैं आपको 2014 में मेरे परिवार के साथ क्या हुआ, इसकी एक कहानी सुनाता हूँ |

हमारा बेटा पॉल, इंडियाना के मुंसी में अपनी पत्नी लोरी के साथ रहता है | वह बावन साल का है और एक छह-राज्य के क्षेत्र में ट्रक चलाता है, क्रोगर ग्रॉसरी स्टोर्स में भोजन पहुँचाता है | पॉल और लोरी के घर पर दो बच्चे हैं, दो विवाहित बेटियाँ और तीन पोते-पोतीयाँ है, जो पास ही में रहते हैं | पॉल और उसका परिवार स्थानीय चर्च में सक्रिय है |

सितम्बर 2014 के अंत में, पॉल ने मुझे फोन करके बताया कि उसकी गर्दन में एक छेद हो गया है और उसकी आवाज कर्कश हो गई है | उसने सोचा कि क्या उसे डॉक्टर से मिलने के लिए कुछ महीने इंतजार करना चाहिए — उसका नया बीमा जनवरी में प्रभावी होगा | क्योंकि उसकी पहले कैंसर की सर्जरी हुई थी, मैंने उससे कहा कि उसे तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए |

एक बायोपसी के द्वारा उसकी गर्दन में एक आक्रमक बेसल सेल कैंसर का खुलासा हुआ | अक्टूबर के अंत में सर्जरी निर्धारित की गई | डॉक्टर ने पूर्वानुमान लगाया कि सर्जरी में दस से बारह घंटे लगेंगे : उन्हें शायद पॉल के वॉइस बॉक्स को हटाने की आवश्यकता हो सकती है ; पॉल को बारह से चौदह दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना होगा |

जब मैंने सुना कि मेरे बेटे की हालत इतनी गंभीर है तो मैं और विशिष्ट तरीके से प्रार्थना करने चला गया | मेरे प्रार्थना करते हुए दो मिनट भी नहीं हुए थे कि बहुत अद्भुत, सुकून देने वाली शांति मुझ पर छा गई - अच्छा होने की भावना | प्रभु ने मुझे यह नहीं बताया कि पॉल चंगा हो जाएगा या उसका वॉइस बॉक्स भी बच जाएगा | उसके बजाय, उन्होंने कहा : "मैं इस परीक्षा में तुम्हारे साथ चलूँगा |" जब मैंने दूसरे राज्य में एक रिवाइवल सेवा में यह प्रार्थना की, मेरी पत्नी नैंसी ने घर पर प्रार्थना की, और उस पर भी शांति उतरी | इस शांति ने हमें कभी नहीं छोड़ा |

इस बीच पॉल ने आश्चर्यजनक तरीकों से परमेश्वर के कार्य का अनुभव करना शुरू किया |

एक बार वह एक निर्माण श्रमिक से मिला और पूछा, "आप कैसे हैं?"

श्रमिक ने जवाब दिया, बहुत अच्छा! मेरे पास यीशु है!"

पॉल ने सोचा, हाँ यही रहस्य है |

अपने एक वितरण में, जब पॉल एक ग्राहक को कागजी कार्रवाई सौंप रहा था, उसने उसकी ओर देखा और पूछा, "क्या तुम ठीक हो?" उसने हाँ कहा लेकिन जाहिर तौर पर वह उसे सहमत नहीं कर पाया क्योंकि उसने उससे वही प्रश्न दो बार और पूछा | तब ग्राहक ने कहाँ, "क्या मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना कर सकती हूँ?" और उसकी ओर से एक लंबी, प्रभावशाली प्रार्थना की | पॉल चकित हो गया |

पॉल ने अपने पादरी से 19 अक्टूबर को रविवार की सुबह की सेवकाई में गाने और गवाही देने की अनुमति मांगी | उसने "नथिंग बिटवीन माय सोल एंड द सेवियर", "लर्निंग टू लीन" और "जीसस लव्स मी" गाया | सभा के सामने उसने गवाही दी, "मैं इस चुनौती के लिए सही व्यक्ति हूँ ; मैं इसे सबसे अच्छी तरह से संभाल सकता हूँ : और मुझे विश्वास है कि इससे परमेश्वर की महिमा होगी |"

पॉल अपनी गवाही देते समय रोया और सभा भी | फिर उसने वेदी पर घुटने टेके और प्रार्थना की, "यदि मेरे मन में कोई पाप हो तो मुझे क्षमा कर" | उसने अपने परिवार के लिए भी प्रार्थना की| जब पादरी ने पॉल को अभिषेक किया और उसके लिए प्रार्थना की, तो लगभग पूरी सभा उसका समर्थन करने के लिए इकट्ठी हो गई |

सभा के अन्य लोगों ने पादरी से अभिषेक करने या उनके लिए प्रार्थना करने के लिए कहना शुरू किया - जैसा कि पादरी ने बाद में कहा, "परमेश्वर हर जगह मौजूद थे"| विस्कॉन्सिन से आई एक महिला ने कहा, "मेरे द्वारा जाये गए चर्चों में से यह अब तक का सबसे अद्भुत चर्च है | यदि आप मुझे विस्कॉन्सिन में इस तरह के चर्च के बारे में बताएंगे, तो मैं उसमें जाऊंगी |"

कुछ दिनों बाद, नैंसी और मैं मुंसी गए | उस रात हमने पॉल का वीडियो रिकॉर्ड किया क्योंकि हमने सोचा कि यह शायद आखरी बार हो सकता है जब हम उसकी स्वाभाविक आवाज सुनेंगे | परंतु पॉल ने हमें बताया कि वह भयभीत नहीं था : "मैं तैयार हूँ", उसने कहा | उसने गाया और परमेश्वर की निकटता की अपनी गवाही साझा की | फिर उसने अपनी बेटियों के साथ गाया | ऐसा लग रहा था कि एक उल्लेखनीय शांति ने पॉल के जीवन में प्रवेश किया था | वह बहुत साहसी था |

अगली सुबह 5:30 बजे हम इंडियानापोलिस में स्थित इंडियाना यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में पहुँचे| कैंसर सर्जन और प्लास्टिक सर्जन ने विस्तार से बताया कि वे क्या करेंगे, और 7:30 बजे पॉल को सर्जरी के लिए ले जाया गया | हर नब्बे मिनट में एक नर्स हमें अपडेट देने के लिए बाहर आती| कैंसर सर्जन ने हमें अपराहन 3:00 बजे और प्लास्टिक सर्जन ने हमें रात 8:40 बजे सूचना दी | सभी ने बताया, पॉल तेरह घंटे तक सर्जरी में रहा |

सर्जनों ने कैंसर और उसकी ठुड्डी से निचली गर्दन के मांस को हटा दिया : उन्होंने उसका वॉइस बॉक्स भी हटा दिया | उन्होंने उसकी छाती की मांसपेशियों और ऊतकों से ग्राफ्ट लिया | डॉक्टरों ने हमें बताया, "हम उसे चलवाएंगे और उसे सांस लेना, निगलना, खाना खाना - और अंत में बात करना सिखाएंगे" | डॉक्टरों ने कहा कि उन्होंने पॉल जैसा केस कभी नहीं देखा था |

.....

जनवरी 21 **दिन - 21**

पॉल शेवर - कैंसर से पहले और बाद में, भाग-2

******

किसी भी बात की चिंता मत करो ; परंतु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ | तब परमेश्वर की शांति, जो सारी समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी |
फिलिप्पियों 4:6-7

अगले दिन हम इंटेंसिव केयर में पॉल से मिलने गए | वह ट्यूबों से ढका हुआ था, और उसकी गर्दन बहुत सुजी हुई थी | लेकिन उसका चेहरा बहुत सुंदर लग रहा था, जब वह मुस्कुराया | वह बोल नहीं सकता था, लेकिन उसने हमें हाथ से संकेत दिए और एक टेबलेट पर संदेश लिखे | नर्स ने बताया कि वह मदद से चल रहा था और तीन घंटे से एक कुर्सी पर बैठा था - वह बहुत अच्छा कर रहा था | हमारे जाने के समय, वे उसे प्रोग्रेसिव केयर में ले जा रहे थे |

इस बीच, लोरी पॉल के बारे में फेसबुक पर अपडेट पोस्ट कर रही थी | उनमें से लगभग सभी में उसने लिखा कि हमें उम्मीद थी कि इस अनुभव से परमेश्वर की महिमा होगी | उसके हाई-स्कूल और कॉलेज के सहपाठी से लेकर एथलेटिक दोस्तों तक, लगभग दो सौ से अधिक लोगों ने कमेंट किया | उनमें से लगभग सभी ने कहा, "हम तुम्हारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं |"

जहाँ मैंने परमेश्वर के सामने पॉल की स्थिति को उठाना जारी रखा, वहीं मैंने किसी ऐसे व्यक्ति के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित महसूस किया जो उस परिवार के जीविका और चिकित्सीय खर्चों के लिए अनुदान संचय करने के प्रयास की अगुवाई करें क्योंकि पॉल काम करने में असमर्थ था | कुछ ही घंटों में, एक दोस्त ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि वह उनके लिए पैसे संचय करना चाहता है | पॉल के चर्च ने एक कोष की स्थापना की और उसके लिए एक विशेष रिक्लाइनर कुर्सी और मिनी आईपैड खरीदा |

हमारी बेटी रेचल अपने कार्यस्थल की सीढियाँ चढ़ रही थी जब उसने अपनी आत्मा में ये दिए गए शब्द सुनें : "मेरा परमेश्वर आपकी सभी जरूरतों को पूरा करेगा" | दस मिनट बाद उसे एक फोन कॉल आया जिसमें उसे पॉल के चर्च द्वारा फंड में एक अप्रत्याशित, उदार उपहार मिलने की सूचना दी गई थी | जब चर्च ने उन्हें वह धन दिया जो उन्होंने इकट्ठा किया था, तो पॉल और लोरी रो पड़े |

पॉल आठ दिनों के बाद अस्पताल से घर आया – डॉक्टर द्वारा अनुमानित चौदह दिनों से पहले |

दिसम्बर के पहले सप्ताह तक, वह अपनी नई, गहरी आवाज में बात कर रहा था, और अपने कार्यस्थल में फुल–टाइम काम करने के लिए लौट गया था |

मुझे आश्चर्य है कि परमेश्वर इन सबका उपयोग कैसे करेंगे | मुझे याद आता है कि जॉनी एरेक्सन टाडा कभी भी स्वास्थ्य के बारे में नहीं जानी जाती थी, लेकिन फ़ालिज और विकलांगता के बाद, उन्होंने परमेश्वर के पर्याप्त अनुग्रह को दर्शाते हुए एक विश्व–व्यापी सेवकाई शुरू की | क्या पॉल

के साथ भी ऐसा ही होगा : इससे पहले मैंने उसे परमेश्वर के इतने ज्यादा करीब जीते हुए नहीं देखा था और सभी चीजों के दौरान वह शांति हम पर छाई रही |

.....

जनवरी 22 **दिन - 22**

प्रार्थना करने के पैटर्न्स

******

परंतु उसकी चर्चा और भी फैलती गई, और भीड़ की भीड़ उसकी सुनने के लिए और अपनी बीमारियों से चंगा होने के लिए इकट्ठा हुई | परंतु वह जंगलों में जाकर प्रार्थना किया करता था |
लूका 5 :15–16

यद्यपि वह देह में परमेश्वर था, फिर भी यीशु मसीह ने अपने स्वर्गीय पिता से लगातार प्रार्थना करना अत्यंत महत्वपूर्ण समझा |

जब आप अपने प्रार्थना जीवन को विकसित करते हैं, तो यीशु के प्रार्थना के पैटर्न से प्रोत्साहन लें |

लूका 11:1 कहता है, "वह किसी निश्चित जगह प्रार्थना कर रहा था | जब वह प्रार्थना कर चुका तो उसके चेलों में से एक ने उससे कहा, "हे प्रभु, जैसे यूहन्ना ने चेलों को प्रार्थना करना सिखाया, वैसे ही हमें भी तू सिखा दे |" वाक्यांश "किसी निश्चित जगह" पर ध्यान दें — इसका अर्थ यह हो सकता है कि यीशु के पास नियमित स्थान था जहाँ वह प्रार्थना करने जाते थे | हम जानते है कि जब वे यरूशलेम में थे, "यीशु बाहर निकलकर अपनी रीति के अनुसार जैतून के पहाड़ पर गया" (लूका 22:39), और वचन 11 में वह "घुटने टेक कर प्रार्थना करने लगा |"

यदि आप प्रार्थना करने के लिए एक नियमित स्थान ढूंढ़ेंगे तो आप अच्छा करेंगे | मेरे पास एक पसंदीदा कुर्सी है जहाँ मैं एक कप कॉफी के साथ बैठता हूँ, बाइबिल पढ़ता हूँ, फिर एक नोटबुक में मुख्य विचार लिखता हूँ, जिसमें एक मुख्य वचन जिसे मैंने पढ़ा, स्तुति और निवेदन शामिल होते हैं | फिर, मैं विशेष रूप से प्रार्थना करने के लिए अपने घर के बेसमेंट में एक शांत कार्यालय में जाता हूँ |

लूका 3:21–22 के अनुसार, "जब सब लोगों ने बपतिस्मा लिया और यीशु भी बपतिस्मा लेकर प्रार्थना कर रहा था, तो आकाश खुल गया, और पवित्र आत्मा शारीरिक रूप से कबूतर के समान उस पर उतरा, और यह आकाशवाणी हुई : "तू मेरा प्रिय पुत्र है, मैं तुझ से प्रसन्न हूँ |"

यहाँ यीशु अपने वयस्क जीवन की शुरुआत में, अपनी सेवकाई की शुरुआत में है | वह क्या करते हैं? वह चंगा नहीं करते | वह प्रचार नहीं करते | वह प्रार्थना करते हैं | यह मुझे प्रभावित करता है कि : हमें अपने दिनों की शुरुआत प्रार्थना से करनी चाहिए | अपने प्रारंभिक मसीही जीवन में, मैंने महसूस किया कि मुझे लोगों या उस दिन की समस्याओं के पास जाने से पहले परमेश्वर के पास जाना चाहिए | मैं अपने दिन का मुख्य भाग उनके साथ बिताने के लिए सुबह जल्दी उठता था | अगर किसी कारणवश आप अपनी सुबह परमेश्वर के साथ नहीं बिता पाते हैं, तो उन्हें अपने दिन का सबसे अच्छा हिस्सा दें - उन्हें बचा हुआ न दें |

जब आप लूका पाठ 5:15-16 पढ़ते हैं तो ध्यान दें की भीड़ में प्रचार करने और चंगा करने में बहुत सफल हो रहे थे | लेकिन यीशु नियमित रूप से एकांतता और प्रार्थना करने के लिए इससे पीछे हट जाते | यह हमें बताता है कि प्रार्थना उनके लिए किसी भी और चीज से अधिक महत्वपूर्ण थी |

प्रार्थना उनकी प्राथमिकता थी, और उन्होंने इसे करने के लिए खुद को अनुशासित किया | इसी प्रकार हम सभी को प्रार्थना करने के लिए समय निकालने का निर्णय लेने की आवश्यकता है |

लूका 9:18 कहता है, "जब वह एकांत में प्रार्थना कर रहा था और चेले उसके साथ थे - तो उसने उनसे पूछा, "लोग मुझे क्या कहते हैं?" यहाँ विरोधाभास पर ध्यान दें : यीशु "एकांत में" भी थे और उनके चेले "उनके साथ" भी थे | इसे समझाने के कई तरीके हैं, लेकिन इससे भी बड़ा सबक यह है कि शिष्यों ने यीशु को प्रार्थना करते हुए सुनकर प्रार्थना करना सिखा - वह उदाहरण के द्वारा प्रशिक्षण दे रहे थे | आप प्रार्थना करने के लिए किससे मिलते हैं ताकि आप उनके उदाहरण से सीख सकें?

लूका 6:12-13 कहता है, "उन दिनों में वह पहाड़ पर प्रार्थना करने गया और परमेश्वर से प्रार्थना करने में सारी रात बिताई | जब दिन हुआ तो उसने अपने चेलों को बुलाकर उनमें से बारह चुन लिए, और उनको प्रेरित कहा" आपको क्या लगता है कि उस पूरी रात यीशु परमेश्वर से क्या कह रहे थे? मेरा मानना है कि वह यह था, "हे परमेश्वर, इतने सारे चेलों में से मुझे अपने बारह प्रेरित होने के लिए किन्हें चुनना चाहिए"? अन्य शब्दों में, यीशु ने प्रार्थना की और जीवन में अपने महत्वपूर्ण चुनावों के लिए परमेश्वर की अगुवाई की मांग की - और हमें भी ऐसा ही करना चाहिए |

क्या आप यीशु की प्रार्थना के पैटर्न (नमूने) को अपनी प्रार्थना का मार्गदर्शन करने देंगे? एक बार में एक कदम उठाएं | थोड़े से शुरुआत करना ठीक है - शायद हर सुबह दस मिनट | जैसे-जैसे आप प्रार्थना में बढ़ेंगे, आप यह महसूस करना आरंभ कर देंगे कि जब आप उनसे मार्गदर्शन मांगते हैं, तो परमेश्वर आपको उसका उत्तर देते हैं |

क्या रोमांच है! ध्यान दें जब यीशु ने लूका 3:21 में प्रार्थना की थी तो, "आकाश खुल गया"| यदि आप खुले आकाश के साथ रहना चाहते हैं तो प्रार्थना करने के लिए समय निकालें |

.....

जनवरी 23 **दिन - 23**

मूसा और प्रभु - बहुत ही व्यक्तिगत

******

फिर मूसा और मोआब के अराबा से नबो पहाड़.... पर जो पिसगा की एक चोटी और यरिहो के सामने है, चढ गया : तब यहोवा ने उससे कहा, "जिस देश के विषय में मैंने अब्राहम, इसहाक और याकूब से शपथ खाकर कहा था कि मैं इसे तेरे वंश को दूँगा वह यही है | मैंने इसको तुझे साक्षात् दिखला दिया है, परंतु तू पार होकर वहाँ जाने न पाएगा | तब यहोवा के कहने के अनुसार उसका दास मूसा वहीं मोआब के देश में मर गया और उसने उसे मोआब के देश में बेतपोर के सामने एक तराई में मिट्टी दी.... मूसा अपनी मृत्यु के समय एक सौ बीस वर्ष का था, परंतु न तो उसकी आँखें धुंधली पड़ी, और न उसका पौरुष घटा था.... और मूसा के तुल्य इजराइल में ऐसा कोई नबी नहीं उठा, जिससे यहोवा ने आमने-सामने बातें की | और उसको यहोवा ने फिरौन और उसके सब कर्मचारियों के सामने और उसके सारे देश में, सब चिन्ह और चमत्कार करने को भेजा था, और उसने सारे इजराइलियों को दृष्टि में बलवंत हाथ और बड़े भय के काम कर दिखाए |

व्यवस्थाविवरण 34:1, 4-6a, 7, 10-12

आप कितने व्यक्तिगत हो सकते हैं? मूसा और परमेश्वर के बीच का व्यक्तिगत संबंध अत्यधिक शक्तिशाली - और हृदयस्पर्शी है |

पिसगा की चोटी से, "यहोवा ने उसे सारा देश दिखाया" (वचन 1) प्रभु ने उसे दिखाया | यही है वह जिसके लिए मूसा ने काम किया था, चालीस कठिन वर्षों तक अगुवाई की थी | अब उसकी आँखों के सामने वह सपना साकार हो गया था |

व्यवस्थाविवरण कहता है, "तब यहोवा ने उससे कहाँ, यही वह देश है जिसकी मैंने शपथ खाई थी" प्रभु ने कहा - ओह, उन्होंने कितनी बार मूसा से बातें की थीं | फिर परमेश्वर आगे कहते हैं, "मैंने इसको तुझे साक्षात् दिखला दिया है,.... परंतु तू पार होकर वहाँ जाने न पाएगा" | तू पार होकर वहाँ जाने न पाएगा |

मूसा द्वारा पार करने में बाधा पहले कादेश में जलापूर्ति के कारण हुई | जब मरुभूमि में मूसा ने करोड़ों लोगों के लिए जल नहीं था, तब यहोवा ने मूसा से कहा उस चट्टान से बातें कर और जल बह निकलेगा | मूसा ने लोगों को इकट्ठा किया, और उन्हें डाटा और कहा, "क्या हमको इस चट्टान में से तुम्हारे लिए जल निकालना होगा"? (गिनती 20:10) तब उसने हाथ उठाकर लाठी चट्टान पर दो बार मारी, और उसमें से बहुत पानी फूट निकला |

यहोवा ने तुरंत यह कहा कि चूँकि मूसा और हारून ने यहोवा को पवित्र मानकर उसका आदर नहीं किया,

इसलिए वे इजराइल को उस देश में पहुंचाने न पाएंगे | यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में उनका अपराध क्या था - क्या यह अपने शिकायत करनेवाले लोगों पर मूसा क्रोध था? परमेश्वर के स्पष्ट निर्देशों का पालन करने में उसकी विफलता थी? या शायद उनका यह दावा करके कि "हम आप लोगों के लिए पानी लाते हैं", प्रभु के चमत्कार का श्रेय लेना था? (गिनती 20:1-2 देखें)

मूसा ने यहोवा से याचना की थी कि, "मुझे पार जाने दें कि मैं यरदन पार के उस उत्तम देश को, अर्थात - उस उत्तम पहाड़ और लबानोन को भी देखने पाऊँ", जबकि यहोवा ने पहले ही कह दिया था कि वह उस देश में प्रवेश नहीं करेगा (व्यवस्थाविवरण 3:25) | प्रत्युत्तर में, प्रभु ने कहा, "बस कर" (वचन 26) | उन्होंने मूसा से कहा कि उसे देश देखने को मिलेगा लेकिन वह इस "यरदन के पार" जाने न पाएगा (वचन 27) | परमेश्वर ने मूसा को यहोशू को लोगों की अगुवाई के लिए नियुक्त करने का भी निर्देश दिया (वचन 28) | मूसा और प्रभु के बीच इस उत्साही बातचीत ने उनके घनिष्ठ वार्तालाप की ओर इंगित किया - यह पहली बार नहीं था, जब मूसा ने याचना की थी |

मूसा के भविष्य का वर्णन करने में यहोवा बहुत विशिष्ट थे : "वैसा ही तू इस पहाड़ पर चढ़कर मर जाएगा और अपने लोगों में मिल जाएगा" (32:50)

हमें कितनी बार अपनी मृत्यु की परिस्थिति और समय के बारे में बताया जाता है? लेकिन मूसा इस घोषणा पर पीड़ा के कोई चिन्ह नहीं होने के संकेत देता है | वह यहोशू को नियुक्त करता है और उसे और लोगों को प्रोत्साहित करता है : "तू हियाव बांध और दृढ़ हो जा ; क्योंकि इन लोगों के संग उस देश में जिसे यहोवा ने इनके पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था तू जाएगा... और तू इनको उसका अधिकारी कर देगा और तेरे आगे-आगे चलने वाला यहोवा है" (31:7,8a) | उसके वचन कोई आत्म-दया को नहीं दर्शाते - केवल मिशन की सफलता के लिए चिंता को दर्शाते हैं |

मूसा की मृत्यु के बाद, व्यवस्थाविवरण हमें यह निष्कर्ष देता है : "और तब से मूसा के तुल्य इजराइल में ऐसा कोई नबी नहीं उठा, जिससे यहोवा ने आमने-सामने बातें की और उसको यहोवा ने फिरौन और उसके सब कर्मचारियों के सामने और उसके सारे देश में, सब चिन्ह और चमत्कार करने को भेजा था और उसने सारे इजराइलियों की दृष्टि में बलवंत हाथ और बड़े भय के काम कर दिखाए (34:10-12) |

मूसा ने प्रतिज्ञा की भूमि को देखा, परंतु उसमें प्रवेश नहीं किया | मूसा, "यहोवा का सेवक" (34:5) ; मूसा, "भविष्यवक्ता" (वचन 10) ;

मूसा, "जिसे यहोवा आमने-सामने से जानता था" (वचन 10), मूसा, "परमेश्वर का आदमी" (वचन 33:1) | मूसा प्रतिज्ञा की हुई भूमि में प्रवेश नहीं कर पाया परंतु जब वह नबो पर्वत पर मरा, तो वह ऊपर यहोवा की उपस्थिति में चला गया, जो उससे भी बड़ी प्रतिज्ञा है |

प्रभु के साथ हमारे व्यक्तिगत संबंध कितने घनिष्ठ हैं?

.....

जनवरी 24 **दिन - 24**

क्या प्रार्थना का उत्तर दिया गया?

******

प्रार्थना करो कि मैं यहूदियों के अविश्वासियों से बचा रहूँ,
और मेरी वह सेवा जो यरूशलेम के लिए है, पवित्र लोगों को भाए और मैं परमेश्वर की
इच्छा से तुम्हारे पास आनंद के साथ आकर तुम्हारे साथ विश्राम पाऊँ |
रोमियों 15:31-32

क्या आपने कभी प्रार्थना की है और आपको उत्तर न मिला है? पौलुस ने रोमियों से तीन के लिए प्रार्थना करने को कहा : (1) कि वह यहूदीया के अविश्वासियों से बचा रहे; (2) कि यरुशलेम के संतो द्वारा उसकी सेवा स्वीकार की जाए ; (3) कि परमेश्वर की इच्छा से वह उनके पास आनंद के साथ आ सके |

पौलुस की प्रार्थना के पहले भाग का उत्तर नहीं दिया गया था - वास्तव में, यहूदी अविश्वासी ही उसकी पिटाई, परीक्षा और रोम में तक सैन्य अनुरक्षण के लिए जिम्मेदार थे | परंतु पौलुस की अनुत्तरित पहली प्रार्थना उसकी तीसरी प्रार्थना के उत्तर का माध्यम बन गई |

गॉर्डन वेटमोर ने कहा, "प्रार्थना यह नहीं है कि हम कैसे बोलते हैं, बल्कि हम कैसे सुनते हैं" | और पौलुस ने कहा, "आत्मा भी दुर्बलता में हमारी सहायता करता है ; क्योंकि हम नहीं जानते की प्रार्थना किस रीती से करना चाहिए, परंतु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर, जो बयान से बाहर है, हमारे लिए विनती करता है" (रोमियों 8:26) | परीक्षाओं में परमेश्वर ने पौलुस से कहाँ, "ढाढ़स बांध ; क्योंकि जैसे तू ने यरुशलेम में मेरी गवाही दी, वैसे ही तुझे रोम में भी गवाही देनी होगी" (प्रेरितों के काम 23:11) |

नजरबंद होकर, उसने उन सभों से बातें की जो उसे सुनने के लिए आए थे (28:23) | जेल में, पौलुस अपने पहरेदारों से बच नहीं सका, लेकिन उसके पहरेदार भी उससे दूर नहीं रह पाए और अंततः महल के सभी पहरेदार मसीह के बारे में जान गए (फिलिप्पियों 1:13)| परमेश्वर ने पौलुस से बात की और उसका मिशन पूरा हुआ | उसकी तीसरी प्रार्थना का उत्तर दिया गया था |[11]

फुटनोट

11. रिफ्लेक्टिंग गॉड - जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ : वर्डएक्शन पब्लिशिंग को.), 18, अनुमति द्वारा उपयोग |

.....

जनवरी 25 **दिन - 25**

यह उचित नहीं है

******

काम करने में प्रवीणता और धर्म, न्याय और निष्पक्षता की शिक्षा पाए | नीतिवचन 1:3
मैं दीन होना भी जानता हूँ और बढ़ना भी जानता हूँ: हर एक बात सब दशाओं में मैंने तृप्त होना, भूखा रहना और बढ़ना-घटना सीखा है | जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ | फिलिप्पियों 4:12-13

"यह उचित नहीं है" | वह चिल्लाई | चार वर्ष की बच्ची ने अपने माता-पिता से शिकायत की, वहीं उसका आठ साल का भाई खड़ा देख रहा था |

एक जोड़े ने अख़बार की स्तंभकार मिस मैनर्स को उस रात के खाने के बारे में लिखा, जिसे वे हाल ही में एक मृत व्यक्ति के कुछ दोस्तों के लिए आयोजित कर रहे थे | कुछ लोग जिन्हें रात के खाने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था, खफा थे क्योंकि उन्हें लगता था कि वे वहाँ रहने के योग्य हैं | "यह उचित नहीं है" उन्होंने कहा |

मैं अपने फोन के बिल में एक त्रुटि को ठीक करने के लिए अपनी फोन की कंपनी - जिसकी विशेषता फोन द्वारा प्रभावी संचार करना है - को कॉल किया | एक व्यक्ति (सही व्यक्ति नही) से दो मिनट तक बात करने और तिरपन मिनट तक होल्ड पर रहने के बाद, मुझे काम पर जाने के कारण फ़ोन को रखना पड़ा : "यह उचित नहीं है" |

बुद्धिमान राजा सुलेमान ने लिखा था कि उसके नीतिवचन का उद्देश्य "काम करने में प्रवीणता और धर्म, न्याय और निष्पक्षता की शिक्षा" (नीतिवचन 1:3) देना था | यह कहना उचित होगा कि यही मानवता के लिए परमेश्वर का लक्ष्य है | हम निष्पक्षता चाहते हैं ; हम निष्पक्षता की उम्मीद करते हैं ; लेकिन पाप से क्षतिग्रस्त हमारी दुनिया में, अक्सर ऐसा नहीं होता है |

यीशु दिन भर मजदूरों को मजदूरी पर रखनेवाले एक जमींदार का दृष्टांत बताते हैं | वह जमींदार प्रत्येक का एक-एक दिनार भुगतान करता था जो कि सामान्य दैनिक मजदूरी थी | दस घंटे काम करने वाले श्रमिकों ने शिकायत की कि एक घंटे काम करने वाले श्रमिकों को उनके बराबर मजदूरी मिलती थी : "यह उचित नहीं है" | यदि काम किए गए घंटों की संख्या ही एकमात्र मुद्दा होता, तो वे सही होते | जमींदार ने उत्तर दिया कि उसने दस घंटे काम करने वाले मजदूरों को ठीक उसी प्रकार भुगतान किया जिस पर उन्होंने सहमति व्यक्त की थी | कोई छल नहीं था : यह एक समझौते पर आधारित ईमानदारपूर्ण कार्रवाई थी | जमींदार को लगा कि अगर वह किसी के प्रति उदार होना चाहता है तो यह उसका अधिकार है | यहाँ दस घंटे काम करने वाले मजदूर अपनी मान्यताओं और अपेक्षाओं के कारण परेशान थे वहीं जमींदार अपनी ईमानदारी के समझौते पर कायम था | जब हम हमेशा निष्पक्षता की उम्मीद करते हैं, तो हम खुद को हताश होने के लिए तैयार करते हैं |

प्रेरित पौलुस के पास उसका उत्तर था : "हर एक बात और सब दशाओं में मैंने तृप्त होने का भेद जान लिया है" (फिलिप्पियों 4:12) | उसे मसीह का प्रचार करने के लिए पीटा गया था, पत्थरवाह

किया गया था और कैद किया गया था, और उसकी आय असंगत थी | यह उचित नहीं था | लेकिन वह संतुष्ट था | उसने तृप्त होने का भेद जान लिया था : "जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ" (वचन 13) | उसमें वास करने वाले मसीह ने उसे जीवन के सभी अनुचितताओं को संभालने के लिए एक स्थायी सामर्थ्य दी - और यह सामर्थ्य हम सभी के लिए उपलब्ध है |

.....

जनवरी 26 **दिन - 26**

सभी प्रकार के

******

उसने कहा, "मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है | परंतु अब उठकर नगर में जा और जो तुझे करना है वह तुझसे कहा जाएगा |"प्रेरितों के काम 9:5

लुदिया नामक थूआथीरा नगर की बैंज़नी कपड़े बेचने वाली एक भक्त स्त्री सुन रही थी | प्रभु ने उसका मन खोला कि वह पौलुस की बातों पर चित्त लगाए | प्रेरितों के काम 16:14

पंद्रह साल की उम्र में बेका का लेख होलीनेस टुडे में प्रकाशित हुआ था | उसके लेख के एक भाग में लिखा था : "मेरे पिताजी मेरे चुनौती देने वाले रहे हैं जबकि मेरी माँ मेरी प्रोत्साहनकर्ता रही हैं | मेरे पिताजी वह व्यक्ति रहे हैं जो मुझे सिखाते हैं कि दुनिया का सामना कैसे करना है जबकि मेरी माँ ऐसा करने के लिए मुझे तैयार करने वाली रही है | उन्होंने मुझे सपने देखने, नई चीजों को आजमाने और अज्ञात में भी परमेश्वर पर भरोसा रखने की चुनौती दी है.... | मसीही माता-पिता द्वारा आकार देने का उपहार मेरे जीवन पर अपना प्रभाव कभी नहीं खोएगा" |[12]

काफी सामर्थी, क्या आप नहीं कहेंगे?

शाऊल का, जिसे बाद में पौलुस के नाम से जाना गया, दमिश्क के मार्ग पर प्रभावशाली रूप से परिवर्तन हुआ था | जैसे ही स्वर्ग से प्रकाश उसके चारों ओर चमका, वह जमीन पर गिर गया और वास्तविक रूप से यीशु को यह कहते हुए सुना, "मैं यीशु हूँ, जिसे तुम सता रहे हो |"

बाद में, पौलुस जब परमेश्वर के मिशनरी के रूप में सेवकाई कर रहा था, तो वह फिलिप्पी पहुँचा, एक नदी स्थल का दौरा किया, और उसे वहाँ महिलाओं का एक समूह मिला जिसमें लुदिया भी शामिल थी | जैसा कि पौलुस ने कहा, "प्रभु ने उसका मन खोला कि वह पौलुस की बातों पर चित्त लगाए" (16:14) | लुदिया का रूपांतरण मधुर और वशीभूत था, लेकिन वास्तविक था | उसने पौलुस और उसके साथियों को अपने घर में रहने का न्योता दिया और वे मान गए | और बाद में, सिखाने और चंगा करने के कारण पौलुस और सीलास के कारावास के बाद, वे लुदिया के घर गए | लुदिया के घर (शायद एक हाउस चर्च) में एक सभा थी और वहाँ पौलुस और सीलास ने भाइयों और बहनों को प्रोत्साहित किया (वचन 40) |

यहाँ बात यह है कि : मसीह में रूपांतरण प्रभावशाली और शानदार या मधुर और वशीभूत हो सकता है | दोनों समान रूप से वास्तविक हो सकते हैं |

पौलुस की फिलिप्पियों की सेवकाई में, प्रभु ने एक दुष्टात्मा से ग्रसित गुलाम लड़की को छुड़ाया | यहोवा ने एक धनी व्यवसायी, लुदिया को बचाया | एक भयानक भूकंप के बाद फिलिप्पियों के दारोगा को परिवर्तित कर दिया गया था | और जब दारोगा रात के खाने के लिए पौलुस को अपने घर ले गया, तो उसकी पत्नी और बच्चों ने प्रभु को स्वीकार कर लिया | यहाँ इस शहर में तीन वर्गों के लोगों को बचाया गया - और दारोगा के मामले में हमारे पास वयस्क और बच्चे दोनों के रूपांतरण हैं |

हम पारिवारिक प्रतिक्रिया का एक और नमूना पाते हैं जब पौलुस 2 तीमुथियुस 1:5 में युवा पादरी तीमुथियुस को लिखता है : "मुझे तेरे उस निष्कपट विश्वास की सुधि आती है, जो पहले तेरे नानी लोईस और तेरी माता यूनीके में थी, और मुझे निश्चय है कि तुझमें भी है" | तीमुथियुस के बचपन में ही रूपांतरित होने का एक अच्छा कारण उसकी दादी और माँ का ईश्वरीय प्रभाव है | यह एक ऐसा घर भी रहा होगा जहाँ पति/पिता विश्वासी नहीं थे |

आपका परिवर्तन अनुभव जो भी हो, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप यह कह सकते हैं, "मसीह अभी मेरे दिल और जीवन में है, और मैं उसका अनुसरण कर रहा हूँ |"

बाइबिल आधारित सच्चाइयाँ हैं जो आश्वासन और अनिश्चितता की बात करती हैं :

- 1 यूहन्ना 5:11-12 "और वह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनंत जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है | जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है ; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं हैं |"
- 2 तीमुथियुस 4:7-8 (पौलुस के जीवन के अंत की गवाही) - "मैं अपनी अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रखवाली की है | अब मेरे लिए धार्मिकता का मुकुट रखा गया है |"
- रोमियों 8:16 "आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम परमेश्वर की संतान हैं |"

जब मैंने पंद्रह वर्षीय बेका से बात की, जिसने ऊपर उद्धृत अद्भुत लेख लिखा था, मैंने उससे पूछा कि वह मसीह में कैसे आई | उसने कहा, जब मैं चार साल की थी, मेरी माँ मुझे कहानी सुनाती थी | मैंने उनसे इस बारे में प्रश्न पूछा कि मसीह को स्वीकार करने का क्या अर्थ है | तब मैंने कहा कि मैं यीशु को अपने हृदय में स्वीकार करना चाहती हूँ | मेरी माँ ने हमारे ट्रक को एक गैस स्टेशन पर रोका, और हमने वहीं प्रार्थना कि | मुझे लगा कि मैंने तब यीशु को स्वीकार कर लिया | जैसे-जैसे मैं बड़ी हुई कुछ सवाल उठे | उन सभी सवालों के जवाब मिल गए जब मैं पवित्र की गई, जिसने मुझे और अधिक मजबूत बना दिया" |

इसलिए, सभी प्रकार के लोग यीशु को पा रहे हैं | और वे हर तरह से रूपांतरण का अनुभव करते हैं | लेकिन परमेश्वर का शुक्र है, हर कोई यीशु को व्यक्तिगत रुप से जानेगा |

---

12. बेका रेनी, किंगडम शेफर्ड्स, "होलीनेस टुडे - मे - जून 2020 (लेनेक्सा, के एस : चर्च ऑफ द नाजरीन), 38

.....

जनवरी 27 **दिन - 27**

पंचर टायर को ठीक करना

******

हे मेरे बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ कि तुम पाप न करो ; और यदि कोई पाप करें, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है — अर्थात धर्मी यीशु मसीह | और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है, और केवल हमारे ही नहीं वरन सारे जगत के पापों का भी | 1 यूहन्ना 2:1-2

आपके लिए परमेश्वर की योजना, इरादे और अपेक्षा यह है कि "आप पाप नहीं करेंगे" | लेकिन क्या होगा यदि मुझे एक पवित्र मसीही के रूप में भी प्राप्त करना पड़े? मुझे क्या करना चाहिए?

एक कर्तव्यनिष्ठ मसीही के लिए, निराशा के बड़े प्रलोभन होते हैं | लेकिन संदेश सीधा है : वहीं रुक जाओ | अगली चर्च सेवा या अगली सुबह तक की प्रतीक्षा न करें | नहीं, वही, मामले को तुरंत मसीह के पास ले जाएं | वह आपका वकील है जो आपके बचाव में पिता से बात करता है | पाप को अंगीकार करें, उससे फिरें, और परमेश्वर के साथ अपने संबंध को बहाल करने के लिए कहें | मसीह का "हमारे पापों का प्रायश्चित बलिदान" (1 यूहन्ना 2:2) आपको नए सिरे से शुद्ध करेगा |

कल्पना कीजिए कि आप कोलंबस से डेटन ओहायो, गाड़ी चला कर जा रहे हैं | अचानक आपकी गाड़ी का टायर पंचर हो जाता है | आप क्या करते हैं? तीन संभावनाएं :

1. आप कार से बाहर निकल सकते हैं, पंचर को देख सकते हैं और कह सकते हैं, "वह टायर पंचर है | मैं हार मानता हूँ | मैं डेटन तक नहीं पहुँचूंगा | वास्तव में, मैं पूरी तरह से ड्राइविंग छोड़ दूंगा |"
2. आप कह सकते हैं, "टायर पंचर है | मैं ऐसे ही ड्राइव करके जाऊंगा जब तक कि मुझे एक सर्विस स्टेशन नहीं मिल जाता" | जब तक आप इतनी दूर तक पहुंचेंगे तब तक आपको एक नये टायर की आवश्यकता पड़ जाएगी, शायद एक नये पहिए की और कौन जानता है कि आप अपनी कार के निचले हिस्से को कितना नुकसान पहुंचाएंगे, जब आप टायर को घिसते हुए लाएंगे |
3. जिस क्षण टायर पंचर हुआ आप तभी रुक सकते हैं, बाहर निकल सकते हैं, स्पेयर टायर को निकालकर टायर को बदल सकते हैं और केवल एक मामूली रुकावट के साथ अपनी यात्रा को जारी रख सकते हैं |

पाप में फंसे हुए मसीहियों को मसीही जीवन छोड़ने का निर्णय नहीं करना चाहिए | न हमें अगले रविवार की सेवकाई तक या अगले दिन तक की प्रतीक्षा करनी चाहिए -

यदि हम ऐसा करते हैं तो हमें बड़े आत्मिक सुधार की आवश्यकता होगी | इसके बजाय, हमें पापों को तुरंत प्रभु के पास ले जाना चाहिए, और पश्चाताप करना चाहिए, क्षमा शुद्धिकरण और बहाली के लिए मसीह पर भरोसा करते हुए | इस तरह, हम परमेश्वर के साथ संगति में शायद ही किसी विराम के साथ अपने रास्ते पर आगे बढ़ सकते हैं | यह 1 यूहन्ना 1:7 का एक सत्य है : "पर यदि जैसा वह ज्योति में हैं, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक-दूसरे से सहभागिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है | अतः 1 यूहन्ना 2:1 का "यदि" खंड को याद रखें |

जनवरी 28 **दिन - 28**

वह मेरी आवश्यकता को जानता है

******

तुम्हारा पिता तुम्हारे माँगने से पहले ही जानता है कि
तुम्हारी क्या क्या आवश्यकताएं हैं |मत्ती 6:8

नैन्सी और मैं नियमित रूप से दो युवा मसीहीयों, मायरा और क्रिस्टोफर से उन्हें शिष्य बनाने के लिए मिलते थे | उनकी सगाई हो गई थी और वे शादी की योजना बना रहे थे |

एक मंगलवार को, क्रिस्टोफर देर तक काम कर रहा था और केवल मायरा ही हमसे मिलने आ सकती थी | मैंने प्रार्थना की कि प्रभु हमारी बातचीत का मार्गदर्शन करें | अक्सर हमारी मुलाकातों में, मेरे पास एक बहुत ही विशिष्ट एजेंडा होता था, लेकिन उस रात कुछ नहीं था |

"इसलिए प्रभु", मैंने प्रार्थना कि, "हमें मायरा के साथ क्या साझा करना चाहिए"? मैं उस दिन अपने पवित्रशास्त्र की पुस्तक में से गिनती 1 को पढ़ने से प्रभावित हुआ था | इसलिए मुझे वही साझा करना उचित लगा | विशिष्ट रूप से, मैं गिनती 1 में परमेश्वर के निर्देशों द्वारा प्रकट कीए गए अविश्वसनीय सत्य के बारे में बात करना चाहता था : परमेश्वर मेरा नाम जानता है | हमारी मुलाकात से पहले नैंसी ने मुझे किताब भी पकड़ाई जिसे मैंने पहले नहीं देखा था, जिसमें एक मसीही महिला अन्य महिलाओं को आत्म-छवि और मूल्य के बारे में लिखती हैं |

जैसे हमने इस विचार "परमेश्वर मेरा नाम जानता है" को और आत्म-छवि और मूल्यों से संबंधित पुस्तक के बारे में साझा किया, तो मायरा का चेहरा चमक उठा और चमकने लगा | उसने हमें बताया कि वह अपने महत्व की भावना से जुझ रही थी | "आपने मुझे वही दिया जो मुझे चाहिए था", उसने कहा |

"मायरा", मैंने कहा, "यह परमेश्वर ने किया | मायरा वह तुम्हारे नाम को जानता है | इससे भी अधिक, वह तुम्हारी आवश्यकता को जानता है" |

और आप, जो इन शब्दों को पढ़ रहे हैं - वह आपके नाम को जानता है | वह आपकी आवश्यकता को जानता है | जैसा की आज का वचन कहता है, "तुम्हारा पिता तुम्हारे मांगने से पहले ही जानता है कि तुम्हारी क्या क्या आवश्यकताएं हैं |

.....

जनवरी 29 **दिन - 29**

उन्होंने साझा किया

******

जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है : और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है, वह अनंत जीवन के लिए उसकी रक्षा करेगा | यदि कोई मेरी सेवा करें, तो मेरे पीछे हो लें ; और जहाँ मैं हूँ, वहाँ मेरा सेवक भी होगा | यदि कोई मेरी सेवा करें, तो पिता उसका आदर करेगा |
यूहन्ना 12:25-26

जैसे ही उसने क्रूस का सामना किया, संसार के उद्धार के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार हुआ, मसीह ने अपने अनुयायियों को चुनौती दी | उसने उन्हें अपना पूरा जीवन मसीह को देने के लिए, उसके पीछे चलने के लिए, अपने आप को परमेश्वर के साथ साझा करने के लिए बुलाया (यूहन्ना 12:23-26) |

मैंने ऐसे लोगों के बारे में पढ़ा है जो ऐसा करते हैं - कुछ लोगों को मैं व्यक्तिगत रूप से भी जानता हूँ |

मध्य-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के किसान बॉब और बेसी ब्लैक ने स्वयं को यीशु को दिया और पापुआ न्यू गिनी में जाकर परमेश्वर के साथ साझा किया, जहाँ बेसी ने एक शिक्षक के रूप में काम किया और बॉब ने मिशन स्टेशन की मरम्मत और रखरखाव का काम किया |

कीथ फिट्जसिमन्स, एक अकाउंटेंट, ने यीशु का अनुसरण करना शुरू किया और एक चर्च के संरक्षक के रूप में सेवा करने के लिए अपने समय का हिस्सा देने के लिए परमेश्वर की बुलाहट को महसूस किया |

बेव बर्जेस ने यीशु के बचाने वाले अनुग्रह और उनकी चंगाई की सामर्थ्य का अनुभव किया | बाद में, उसने अपना जीवन दूसरों को यह बताने में बिताने का फैसला किया कि यीशु को कैसे जाना जाए |

रिस हॉवेल एक बैल्श कोयला खनिक (कोल माइनर) थे | मसीह से मिलने के बाद, उसने महसूस किया कि उसे मध्यस्थता के लिए बुलाया गया है और वह हर दिन प्रार्थना में घंटों समय बिताता | फलत: उसने बाइबिल कॉलेज वेल्स के अस्तित्व में आने की प्रार्थना की |

हॉबी ने, एक अखबार छापने वाला, साठ साल की उम्र में यीशु को स्वीकार किया | तब उसने मलाकी 3:10 की सच्चाई को जाना : "सारे दशमांश भंडार में ले आओ कि मेरे भवन में भोजन वस्तु रहे : और सेनाओं का यहोवा यह कहता है कि ऐसा करके मुझे परखो कि मैं आकाश के झरोखे तुम्हारे लिए खोलकर तुम्हारे ऊपर अपरंपार आशीष की वर्षा करता हूँ कि नहीं |" हॉबी ने खुशी पूर्वक दशमांश देना शुरू कर दिया | "यीशु ने मेरे लिए जो किया है, उसके प्रकाश में, यह जो मैं कर रहा हूँ बहुत ही कम है | हॉबी ने परमेश्वर के साथ साझा किया |

चार्ल्स कोलसन, एक वकील और राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के सबसे करीबी सलाहकारों में से एक, को वॉटरगेट - संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया और कैद किया गया | अपने

कारावास से कुछ समय पहले उसने मसीह को स्वीकार कर लिया | कोलसन ने अपनी सजा के दौरान अपने एक संघर्षपूर्ण समय के बारे में निम्नलिखित कहा :

यह वह रात थी जब मेरे कमरे के शांति में मैंने पूर्ण समर्पण किया वह पूरा करते हुए जो अठारह महीने पहले टॉम फिलिप्स के ड्राइव वे में शुरू हुआ था : "प्रभु अगर ऐसा है", मैंने कहा "फिर मैं आपको धन्यवाद देता हूँ |"

मुझे जेल में छोड़ने के लिए कानून का अभ्यास करने के लिए उन्हें मेरा लाइसेंस छीनने देने के लिए, हाँ – यहाँ तक कि मेरे बेटे की गिरफ्तारी के लिए भी मैं आप की महिमा करता हूँ | इन लोगों द्वारा अपना प्यार देने के लिए, परमेश्वर होने के लिए, मुझे सिर्फ यीशु के साथ चलने देने के लिए, मैं आपकी महिमा करता हूँ |"

उन शब्दों के साथ आया सबसे अधिक आनंद – अंतिम रिहाई, सब कुछ परमेश्वर को सौंपते हुए जैसा कि मेरे भाई हैरल्ड ने मुझे करने के लिए कहा था | और उसके बाद के घंटों में मैंने पहले से कहीं अधिक सामर्थ्य की खोज की | यह असल पर्वतारोहण का अनुभव था | मेरे ऊपर और चारों ओर की दुनिया, खुशी और प्यार और सुंदरता से भर गई थी | पहली बार मैंने वास्तव में स्वतंत्र महसूस किया, जबकि मेरे जीवन के सौभाग्य अपने निम्न पर प्रतीत हो रहे थे |13

अड़तालीस घंटे के बाद, न्यायधीश जेर हार्ड गेसेल ने कोलसन की जेल से रिहाई की घोषणा की | कोलसन ने प्रिजन फैलोशिप संस्था की स्थापना करके अपने समर्पित जीवन को प्रभु के साथ साझा किया, जिसकी अगुवाई उसने अपने शेष जीवन में की | यह संस्था संयुक्त राज्य अमेरिका में जेल सुधार के लिए सबसे बड़ा ताकत रहा है | यह सभी कहानियाँ इसलिए हुई क्योंकि लोगों ने परमेश्वर के साथ साझा किया |

---

13. चार्ल्स डब्ल्यू. कोलसन, बॉर्न अगेन (ओल्ड तप्पन, एन) : फ्लेमिंग एच. रेवेल, 1997), 339-40

.....

जनवरी 30 **दिन - 30**

प्रभु आपने फिर से कर दिया

******

क्योंकि जैसे तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने लाल समुद्र को हमारे पार हो जाने तक हमारे सामने से हटाकर सुखा रखा था, वैसे ही उसने यरदन का भी जल तुम्हारे पार हो जाने तक तुम्हारे सामने से हटाकर सूखा रखा ; इसलिए कि पृथ्वी के सब देशों के लोग जान लें कि यहोवा का हाथ बलवंत है ; और तुम सदा अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानते रहो" | यहोशू 4:23-24

"अपने उच्च क्षणों में प्रभु पर भरोसा रखें"| मुझे लगता है कि वी. रेमंड एडमैन ने ऐसा कहा था, लेकिन कहा किसी ने भी हो, यह ज्ञानपूर्ण और सत्य है | शायद इजराइल के लिए सबसे बड़ा उच्च क्षण लाल सागर का चमत्कारी रूप से दो भागों में विभाजन था,

जिसने मिस्र की गुलामी से उनके बचने का रास्ता खोल दिया था | अब, चालीस वर्ष की यात्रा के बाद, वे अभी-अभी यरदन को पार करके अपने प्रतिज्ञा के देश में आए थे |

उनकी यात्रा थकाऊ रही थी | उनकी समस्याएं अक्सर स्वयं आरोपित थीं | उन्होंने कूड़कुड़ाया था, अवज्ञा की थी और विद्रोह किया था और उसके बदले में परमेश्वर ने उन्हें डांटा और उनका न्याय किया था | यद्यपि मन्ना, बटेर और चट्टान से पानी निकालने जैसे चमत्कार हुए थे, लेकिन इजराइलियों की समग्र मनोदशा नकारात्मक और पराजयवादी रही थी | लेकिन परमेश्वर उनका नेतृत्व करने, उन्हें सशक्त बनाने और प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे थे | और फिर उन्होंने इसे दोबारा किया - जैसा उन्होंने लाल समुद्र को किया था वैसा ही उन्होंने यरदन नदी में किया, उसे सुखा दिया| इजराइल को स्मरण कराया गया कि वह परमेश्वर ने किया था | उन्होंने लाल समुद्र में उनके लिए एक मार्ग बनाया था, और अब वह यरदन में से एक मार्ग बना चुके थे | यहोशु ने इसे एक "आश्चर्यकर्म" (3:5) कहा | उन्होंने इजरायल से कहा, "इससे तुम जान लोगे की जीवित ईश्वर तुम्हारे मध्य में हैं" (वचन 10)

अगर आपको लगता है कि नदी पार करना समुद्र पार करने जितना प्रभावशाली नहीं है, तो एक मिनट रुकिए –इससे पहले कि आप यहाँ परमेश्वर के काम को कम आंके, सुनें |

वचन बताता है, यरदन का जल तो कटनी के समय के सब दिन अपने तट के ऊपर-ऊपर बहा करता था (वचन 15) और जो जल ऊपर की ओर बहा आता था वह बहुत दूर अर्थात आदम नगर के पास जो सारतान के निकट है रुककर एक ढेर हो गया (वचन 16) और याजक यहोवा की वाचा का संदूक उठाए हुए यरदन के बीचोंबीच पहुँचकर "स्थल पर" स्थिर खड़े रहे और सब इजराइली "स्थल ही स्थल" पार उतरते रहे (वचन 17) |

सफलतापूर्वक पार करने के बाद, यहोशू ने इजरायल को याद दिलाया — परमेश्वर ने इसे फिर से किया | 4:23-24 में तीन बार वह इस वाक्यांश "तुम्हारा परमेश्वर यहोवा" का प्रयोग करता है | इतना व्यक्तिगत, इतना निकट, इतना करीब, इतना वास्तविक | इजराइल का साहस कितना बढ़ गया होगा | इजरायल के लिए, प्रभु का भय मानने के लिए यह एक ताकीद होगी ; यह पृथ्वी के लोगों के लिए भी एक गवाही होगी |

निश्चित रूप से यह आज आपके और मेरे लिए एक संदेश है : अभी आप जिस सबका भी सामना कर रहे हैं, भले ही वह बहुत अंधकारमय प्रतीत होता हो, वह परमेश्वर जिसने आपके जीवन में पहले कार्य किया, वह फिर से करेगा | उस पर पूरी तरह से निर्भर हो जाओ | उसकी आवाज और मार्गदर्शन के लिए तैयार रहें और देखते रहें |

आगे क्या? यदि आपने एक लाल सागर जैसी स्थिति का सामना किया हुआ है, तो हो सकता है आप एक यरदन नदी की स्थिति के किनारे पर हों | परमेश्वर ने प्रकाश में जो कहा, उस पर कभी भी अंधेरे में संदेह न करें |

.....

जनवरी 31 **दिन - 31**

एक नीरस दिन

******

एलिय्याह अपना प्राण लेकर भागा..... वह स्वयं जंगल में एक दिन के मार्ग पर जाकर एक झाऊ के पेड़ के तले बैठ गया, वहाँ उसने यह कहकर अपनी मृत्यु मांगी, "हे यहोवा बस है; अब मेरा प्राण ले ले, क्योंकि मैं अपने पुरखाओं से अच्छा नहीं हूँ।" वह झाऊ के पेड़ तले लेटकर सो गया।

1 राजा 19:3a, 4b - 5

कभी-कभार मेरा दिन नीरस होता है। एलिय्याह का भी था — उसका दिन बहुत ही नीरस था।

वह परमेश्वर का एक प्रबल व्यक्ति था। उसने दुष्ट राजा अहाब का सामना किया था और बाल के 450 झूठे नबियों के बीच एक प्रतियोगिता की स्थापना की थी, जिनमें से सभी राजा की पत्नी ईज़ेबेल द्वारा समर्थित थे। लकड़ियाँ तैयार की गई; झूठे नबियों ने एक बछड़ा बली किया और बाल को उनके बलिदान में आग लगाने के लिए पुकारा।

उन्होंने भोर से दोपहर तक पुकारा, परंतु बाल ने कुछ न कहा। इस बीच, एलिय्याह ने यहोवा की वेदी को फिर से बनाया, लकड़ी और उसके बलि किए हुए बैल को उस पर रखा, और उस पर पानी डाला। अग्नि द्वारा उत्तर देने वाला परमेश्वर ही सच्चा परमेश्वर होगा। एलिय्याह ने एक छोटी प्रार्थना की और प्रभु की आग आकाश से प्रगट हुई। लोगों ने बाल के नबियों को पकड़ लिया और उन्हें मार डाला।

इसके बाद, एलिय्याह ने अहाब से कहा कुछ खा पी क्योंकि अकाल को समाप्त करने के लिए एक चमत्कारी भारी वर्षा की सनसनाहट सुनाई पड़ती है। एलिय्याह कर्मेल की चोटी पर चढ़ गया और प्रार्थना की मुद्रा में आ गया, और अपनी सेवक को सात बार बादलों की जाँच करने के लिए भेजा। आखिर में एक छोटा बादल दिखाई दिया — अहाब अपने रथ पर सवार होकर यिज़्रेल को गया। मेंह बरसा और एलिय्याह अहाब के आगे-आगे दौड़ा। अहाब ने ईज़ेबेल को बताया कि क्या हुआ था, और उसने एलिय्याह को जान से मारने कि धमकी दी। इस कारण एलिय्याह डर गया (1 राजा 18:1-19:3)।

एलिय्याह के शब्दों से पता चलता है कि वह उदास था।

उसकी उदासी के कारणों में स्वयं की मृत्यु का भय, शारीरिक थकावट; और इतनी आत्मिक ऊर्जा खर्च करने के बाद मानसिक और भावनात्मक थकावट शामिल हो सकती हैं।

इसलिए एलिय्याह क्या करता है? वह झपकी लेता है। परमेश्वर का दूत उससे मिलने आता है और उससे खाने के लिए कहता है। तब वह खाता है और फिर दोबारा झपकी लेता है, दूसरी बार यहोवा का दूत आता है और वह एक निजी स्थान की यात्रा करके स्वर्गदूत के निर्देशों का पालन करता है। वहाँ वह और परमेश्वर मिलते हैं और अच्छी बातचीत करते हैं। वहाँ भूकंप और आग दिखाई दी लेकिन परमेश्वर उन क्षणों में नहीं था; बल्कि वह एक धीमे स्वर में कहता है। परमेश्वर एलिय्याह को एक कार्य देता है, और वह आज्ञा मानता है — उदासी खत्म हो चुकी थी (1 राजाओं 19:3-21)।

जब मेरा दिन निरस होता है, मैं निम्नलिखित अभ्यासों का पालन करता हूँ:

1. मैं तब भी वचन पढ़ता हूँ | उसके सारे वादे अब भी सच हैं | मैं यहोशू को कहे गए स्वर्गदूत के वचन से साहस ग्रहण करता हूँ: "तू हियाव बांध और दृढ़ हो, उनसे न डर और न भयभीत हो; क्योंकि तेरे संग चलनेवाला तेरा परमेश्वर यहोवा हैं; वह तुझ को धोखा न देगा और न छोड़ेगा"|
2. मैं तब भी प्रार्थना करता हूँ, मैं मानता हूँ कि हालांकि परमेश्वर के आवाज के प्रति ग्रहणशीलता – मेरी आत्मिक सुनवाई किसी भी कारण से कम हो सकती हैं, परमेश्वर अभी भी यहीं है और अभी भी बोल रहे हैं, भले ही मुझे सुनाई न दे रहा हों |
3. मैं यह देखने के लिए अपने दिल को जाँचता हूँ कि क्या कोई पाप परमेश्वर के साथ मेरी बातचीत को रोक रहा है |
4. मैं अपनी हाल की गतिविधियों की जाँच करता हूँ | क्या मैंने उचित नींद और भोजन लिया है?
5. मैं प्रभु के लिए अपनी हाल की सेवा की जाँच करता हूँ | यदि यह अत्यंत हो जाती है तो भावनात्मक रूप से पीछे हटना सामान्य है | आराम बहुत मददगार होता है |
6. वही करें जो हेज़ल ली ने तब किया जब उन्हें यह खबर मिली कि उनके बेटे गैरी को ईरान में अमेरिका दूतावास के अधिग्रहण में पकड़ लिया गया है और कैद कर लिया गया है | वह भावनात्मक रूप से सुन्न हो गई थी | उसने प्रार्थना की, "परमेश्वर मुझे क्या करना चाहिए"? परमेश्वर ने जवाब दिया, "बस अगला कदम उठाएं" | इसलिए हेज़ल अपने नियमित कार्यों को करने लगी – वह संडे स्कूल गई, अपनी कक्षा को पढ़ाया, और चर्च गई | मैं, भी अपनी नियमित कार्यों को करूंगा |

जैसा कि मैं इन अभ्यासों को जारी रखता हूँ, मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर आगे जाकर मैं प्रभु में एक अलौकिक मुलाकात को ग्रहण करता हूँ या कोई शब्द सुनता हूँ | और जब ऐसा होगा, मेरा दिन आनंदमय होगा |

.....

फरवरी 1 **दिन - 32**

मुसीबत में परमेश्वर सहायता देता है

******

परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलने वाला सहायक | इस कारण हम को कोई भय नहीं, चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएं; चाहे समुद्र गरजे और फेन उठाए और पहाड़ उसकी बाढ़ से कांप उठे | सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है | भजन संहिता 46:1-3,11

मेरे लिए, इस पर कोई सवाल ही नहीं था — एक बार मैं मसीही बन गया तो मुझे अपने कॉलेज फ्रेटरनिटी और पक्षपात, शराब और गोपनीयता के साथ इसकी समस्याओं से अलग होना ही था |

लेकिन फिर मेरे पिताजी का एक आलोचनात्मक पत्र आया जिसने गहराई से चोट पहुंचाया — ऐसा लगा मानो कि पृथ्वी "उलट जाएगी" | मेरी गर्लफ्रेंड ने मुझे पागल कहते हुए एक पत्र लिखा, और उसने हमारा रिश्ता तोड़ दिया — "पहाड़ समुद्र के बीच में डाल..... दिए जाए |" मेरी फ्रेटरनिटी ने मुझ पर दबाव डाला "समुद्र गरजा" |

लेकिन रुको, मेरा प्राण | ये परिस्थितियाँ हैं; तब प्रभु है, "हमारा शरणस्थान और बल, संकट में अति सहज से मिलने वाला सहायक" | चौबीस घंटों के भीतर, तीन अलग-अलग अवसरों पर परमेश्वर ने मुझे एक वचन दिया जिसे मैं पहले नहीं जानता था; "मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा" (भजन संहिता 27:10) | छह महीनों के भीतर मेरी माँ का धर्म-परिवर्तन हो गया | पंद्रह महीने के भीतर मेरी पुरानी बिरादरी ने मुझे मसीह बनने के बारे में बात करने के लिए वापस आमंत्रित किया | चार साल के भीतर, प्रभु ने मुझे एक दयालु मसीही लड़की से मिलवाया जो मेरी पत्नी बन गई | पांच वर्षों के भीतर, मेरे पिताजी ने यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया, और अब स्वर्ग में मेरी प्रतीक्षा कर रहे हैं: "सर्वशक्तिमान प्रभु हमारे साथ हैं" |[14]

---

14. इससे पहले 'कम ये पार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1964 (कैनसस सिटी, एमओ: नाजरीन पब्लिशिंग हाउस) 39 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया) |

.....

फरवरी 2 **दिन - 33**

उस व्यक्ति का क्या जिसने कभी मसीह के बारे में नहीं सुना है?

******

अतः हे दोष लगाने वाले, तू कोई क्यों न हो, तू निरुत्तर है क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है इसलिए कि तू जो दोष लगाता है स्वयं ही वह काम करता है | रोमियों 2:1

यदि बाइबिल सिखाती है कि एक व्यक्ति केवल मसीह के द्वारा ही पिता के पास आ सकता है और उद्धार पा सकता है (यूहन्ना 14:6) तो, उस व्यक्ति का क्या जिसने कभी मसीह के बारे में नहीं सुना है? यह उचित प्रतीत नहीं होता | इस प्रश्न के बारे में पवित्र शास्त्र क्या कहता है?

1. उसके अनदेखे गुण - अर्थात उसकी सनातन सामर्थ्य और अलौकिक प्रकृति, जगत की सृष्टि के समय से — उसके कामों के द्वारा देखने में आते हैं, यहाँ तक कि वे निरुत्तर है" (रोमियों 1:20) | सृष्टि परमेश्वर की सारी शक्ति और प्रकृति की एक शक्तिशाली गवाही देती है और सारी मानवता, सृजित दुनिया का अनुभव कर सकती है |
2. "अतः हे दोष लगाने वाले, तू कोई क्यों न हो, तू निरुत्तर है; क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है" (2:1) यह कैसे होता है? एक ऐसे व्यक्ति की कल्पना करें जो एक अलग जनजाति में रहता है | उसने कभी मसीह के बारे में नहीं सुना है और एक ऐसी संस्कृति में रहता है जो कई पत्नियाँ रखने की अनुमति देती है | जैसे ही यह आदमी एक कैम्पफायर के पास अन्य पुरुषों के साथ इकट्ठा होता है, वह उन्हें व्याख्यान देता है, "अपनी पत्नियों को पीटना सही नहीं है!" अगली रात, उसकी दूसरी पत्नी उसके भुने हुए मांस पर बहुत अधिक नमक डाल देती है, और वह नाराज हो जाता है और उसे पीटता है | वह दोषी ठहरता है और परमेश्वर के न्याय के अधीन खड़ा होता है क्योंकि उसने दूसरों के लिए स्वयं निर्धारित मानका का उल्लंघन किया है — उसने स्वयं को दोषी ठहराया है| भले ही उस व्यक्ति ने कभी मसीह के बारे में नहीं सुना है, एक उचित स्तर होता है जिसके द्वारा उसका न्याय किया जाता है |
3. कोई आश्चर्य नहीं कि रोमियों की पत्री आगे कहती है, "परमेश्वर की दया तुझे मन-फिराव को सिखाती है" (2:4)
4. और अधिक : "वे व्यवस्था की बातें अपने-अपने हृदयों में लिखी हुई दिखाते हैं" (2:15) | लोगों के विचार उन पर आरोप लगा सकते हैं या उनका बचाव कर सकते हैं| "यह उस दिन होगा जब परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा" (2:16) | यह अभी भी एक उचित मानक है |

5. हालांकि, अगर आप निराश हैं कि, निष्पक्ष मानक के बावजूद, "सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं" (3:23), क्या पाप के स्थान पर किसी तरह धार्मिकता प्राप्त करने का कोई तरीका है? "यह धार्मिकता जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करने वालों के लिए है" (रोमियों 3:22)|
6. कोई आश्चर्य नहीं कि मसीह का संदेश हर उस व्यक्ति को देना जिसे मैं जानता हूँ, और दुनिया भर में संदेश भेजने के लिए अपनी भूमिका निभाना इतना महत्वपूर्ण है|

.....

फरवरी 3 **दिन - 34**

मार्ग की योजना बनाना

******

"हे उत्तम गुरु, अनंत जीवन का अधिकारी होने के लिए मैं क्या करूं?" मरकूस 10:17

एक रात से एक सप्ताह तक चलने वाले यात्रा में दस स्टाप समेत तीन हजार पाँच सौ मील, कार से जाना — यही मेरा आज का प्रोजेक्ट था | इसकी शांतिपूर्वक योजना बनाई गई थी जिसमें प्रत्येक दिन के अंत के लिए एक मोटल का पता लगाना और उसे आरक्षित करना शामिल था |

इसमें अपने एक भतीजे से मिलना, एक धनिष्ठ मित्र के साथ कई दिन बिताना, एक सप्ताह रिवाइवल सेवकाई की अगुवाई करना और एक सप्ताह की छुट्टियाँ शामिल थी | मैं हमेशा विशिष्ट गंतव्यों का पता लगाने और सुरक्षित रूप से पहुँचने के लक्ष्य के साथ मार्ग की योजना बना रहा था|

मार्ग की योजना बनाना और लक्ष्य प्राप्त करना जीवन में सामान्य पैटर्न होते हैं | आप एक निश्चित नौकरी या करियर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक कॉलेज या तकनीकी स्कूल चुन सकते हैं | आप अपने सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने के लिए अपनी साप्ताहिक आय में से कुछ को कर-आश्रित एन्यूटी में डाल सकते हैं | आप अपने पीछे छोड़े गए प्रियजनों को प्रदान करने के लिए जीवन बीमा खरीद सकते हैं |

एक आदमी यीशु के पास दौड़ा और पूछा, "अनंत जीवन को पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए? इस आदमी के मन में "मुझे करना चाहिए" मार्ग था और "अनंत जीवन" लक्ष्य था | यीशु ने उससे कहा कि उसे दस आज्ञाओं का पालन करना चाहिए ; उस आदमी ने कहा मैं लड़कपन से मानता आया हूँ | यीशु ने अपने चमत्कारपूर्ण शक्ति से, उस आदमी के ह्रदय में देखा और मुख्य कारण का पता लगा लिया, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें एक बात की घटी थी |

उन्होंने उससे अपने भौतिक संसाधनों को बेचने और गरीबों को पैसे देने के लिए कहा - तब तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा | साथ ही उसने उस आदमी से कहा, "आकर, मेरे पीछे होले" |(मरकुस 10:21)

पवित्र शास्त्र के अन्य अंश अनंत जीवन के इस लक्ष्य के बारे में हमारी समझ को व्यक्त करते हैं :

- यीशु, यूहन्ना 17:3 में — और अनंत जीवन यह है कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जाने"|
- यूहन्ना 3:16 — "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें वह नष्ट न हो, परंतु अनंत जीवन पाए" |
- रोमियों 6:23 में पौलुस - "क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परंतु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनंत जीवन है" |
- यूहन्ना दोबारा 1 यूहन्ना 5:11-12 में — "और वह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनंत जीवन दिया है और यह जीवन उसके पुत्र में हैं | जिसके पास पुत्र है ; उसके

पास जीवन है ; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।"

हम सभी ध्यान से उन लक्ष्यों की ओर मार्ग की योजना बनाते हैं जो इस जीवन तक सीमित है | हममें से कितने लोगों ने एक मार्ग की योजना बनाई है जो अनंत जीवन की ओर ले जाता है – एक ऐसा लक्ष्य जो इस जीवन और अगले जीवन दोनों को आकार देगा?

.....

फरवरी 4 **दिन - 35**

परमेश्वर ने पहले हमसे प्यार किया

******

प्रेम में भय नहीं होता, वरन सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है : क्योंकि भय का संबंध दंड से होता है, और जो भय करता है वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ |

1 यूहन्ना 4:18

"उसे पहले माफी माँगनी होगी | मैं माफ करने और भूलने के लिए तैयार हूँ | लेकिन जिस तरह से उसने मुझसे बात की, मुझे लगता है कि उसे मुझसे माफी माँगनी चाहिए |" क्या आपने कभी किसी को इस तरह की बात करते सुना है?

मैं सोचता हूँ कि याकूब के कुएं पर उस सामरी महिला का क्या हुआ होता यदि यीशु ने उसके प्रति ऐसा रवैया अपनाया होता |

इसमें कोई शक नहीं है कि महिला को परमेश्वर से माफी मांगने की जरूरत थी — इससे भी अधिक, उसे पश्चाताप करने की जरूरत थी | लेकिन जब तक उद्धारकर्ता पहले उसके पास नहीं गए तब तक वह "अंगीकार करने" के भाव में नहीं थी | यह प्रेम की निशानी है — यह उसे ढूंढ़ेगा जिसे मदद की जरूरत है |

लेकिन इससे पहले कि प्यार पूरा हो सके, उसे प्राप्त करने और उसका प्रतिदान करने वाला कोई होना चाहिए | प्रेम ही एकमात्र ऐसा स्तर है जिस पर लोग और परमेश्वर पूरी तरह से संवाद कर सकते हैं | क्योंकि हम इंसान हैं, हम अपनी विविध क्षमताओं में सीमित है | हालांकि, हमारा उद्देश्य और इरादा, अगर दृढ़ता से परमेश्वर के प्रेम से प्रेरित हो, तो पूर्णता से आशीषित किया जा सकता है | यह संभव है "क्योंकि पहले उसने हमसे प्रेम किया" (वचन 19) 15

---

15. इससे पहले 'कम ये पार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1964 (कैनसस सिटी, एमओ : नाजरीन पब्लिशिंग हाउस) 37 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग | (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)

.....

फरवरी 5 **दिन - 36**

दूसरों को बताना

******

यीशु ने..... कहा, "अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि
तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिए कैसे बड़े काम किए हैं" | मरकुस 5:19

जब कब्रिस्तान में रहने वाला पागल आदमी यीशु से आमने-सामने मिला, यीशु ने पहचान लिया कि वह दुष्टात्मा से ग्रस्त है | एक बार जब यीशु ने उसे दुष्टात्माओं से मुक्त कर दिया तो वह आदमी बदल गया – जल्दी ही, वह "वहां बैठा, कपड़े पहने और सचेत अवस्था में था" (मरकुस 5:15)| यीशु ने उसके लिए जो कुछ किया था, वह उससे इतना कृतज्ञ था कि उसने यीशु से पूछा कि क्या वह उनके साथ यात्रा कर सकता है जब यीशु एक शहर से दूसरे शहर प्रचार और चंगाई कर रहे थे | यीशु ने मना कर दिया और उसे एक कार्य दिया | आइए यीशु के निर्देशों को वाक्यांश के आधार पर तोड़े :

- "अपने लोगों के घर जाओ" – उन लोगों के पास जाओ जिन्हें आप पहले से जानते हैं, जिन्हें आप समझते हैं, जो आपको जानते हैं, जिनमें आपका अतीत भी शामिल है |
- "उन्हें बताओ कितना" – उस शक्तिशाली, सकारात्मक अंतर का वर्णन करें जो मसीह आपके जीवन में लाया है |
- प्रभु ने किया है" – यह सब कुछ उस बारे में है जो मसीह ने आपके जीवन में किया है, न कि वह जो आपने मसीह के लिए किया है |
- "आपके लिए" – यह आपकी व्यक्तिगत कहानी है, न की किसी और ने जो कहा या अनुभव किया है |

कैंपस एल्कोहोलिक बनने और स्कूल से बाहर निकलने के डेढ़ साल बाद, मेरा दोस्त पीटर एक चैपल सर्विस में दिखाई दिया | जब हम वहां एक दूसरे से मिले तो उसने मुझे एक-वाक्य में गवाही दी : "चिक, मैं पहले की तुलना में बदल गया हूं क्योंकि मैंने प्रभु को पाया" | पीटर के शब्दों ने एक और पूर्ण गवाही का द्वार खोल दिया : पीटर की कहानी को सुनने के चौबीस घंटे के भीतर मैंने मसीह को ग्रहण कर लिया |

मेरी दोस्त जोलिन ने उसके द्वारा मसीह की स्वीकृति को इस तरह समझाया : मेरा जीवन एक पहेली के सभी टुकड़ों की तरह था, लेकिन परमेश्वर पहले का मास्टर था |

रेथियॉन कॉरपोरेशन के अध्यक्ष टॉम फिलिप्स ने व्हाइट हाउस के पूर्व वकील चार्ल्स कोल्सन को गवाही दी :

मुझे ऐसा कुछ भी नहीं लग रहा था जो मायने रखता हो | वह सब सतह पर था | जीवन में सभी भौतिक चीजें व्यर्थ है | यदि किसी व्यक्ति ने यह नहीं खोजा कि उनकी गहराई क्या है.....

एक रात मैं न्यूयार्क में व्यवसाय के लिए था और मैंने देखा कि बिली ग्राहम मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक क्रूसेड कर रहे थे..... मैं – जिज्ञासापूर्ण हो गया था, मुझे लगता है – ऐसा करते हुए मुझे कुछ जवाब मिल जाएं | ग्राहम ने उस रात जो कहा, उसने मेरे लिए सब कुछ ठीक कर दिया | मैंने जाना कि किसकी कमी थी, यीशु मसीह के साथ व्यक्तिगत संबंध की, इस तथ्य की की

मैंने कभी उनसे अपने जीवन में आने के लिए नहीं कहा था, कभी अपना जीवन उनकी तरफ नहीं मोड़ा था | इसलिए मैंने कर दिया — उसी क्रूसेड में |

..... मैंने मसीह को अपने जीवन में आने के लिए कहा और मैं उनकी उपस्थिति को स्वयं में महसूस कर सकता था | उनकी शांति को मेरे अंदर | मैं वहां अपने साथ उनकी आत्मा को महसूस कर सकता था | फिर मैं न्यूयार्क की सड़क पर अकेले टहलने निकल गया | मुझे न्यूयार्क पहले कभी पसंद नहीं आया, लेकिन यह रात बहुत खूबसूरत थी | मैं कई ब्लॉकों तक चला | मुझे सब कुछ अलग लग रहा था | धीरे-धीरे बारिश हो रही थी, और शहर की रोशनी ने एक सुनहरी चमक बिखेर दी थी, मुझमें कुछ हुआ था और मैं वह जानता था |16

ध्यान दें कि फिलिप्स ने मसीह से पहले और मसीह के बाद के अपने जीवन के बीच एक चित्रण पर जोर दिया |

एक बुधवार की रात मैंने विश्वास और अनंत जीवन के मार्ग को स्कूलों के एक उप-अधीक्षक लाइल के साथ साझा किया | लाइल ने मुझे बताया कि वह एक सावधान और विचारशील व्यक्ति था और उस रात मसीह को स्वीकार नहीं कर सका — | उसे इसके बारे में सोचना था | शुक्रवार को, वह अपने द्वारा बनाए जा रहे नए किचन कैबिनेट के लिए कब्जे (हिंज) खरीदने के लिए एक हार्डवेयर की दुकान पर गया | जैसे ही वह डिस्प्ले पर झुका, उसने एक आवाज सुनी जो कह रही थी, "आप जो खरीद रहे हो उस पर जंग लग जाएगा मैं आपको कुछ ऐसा देना चाहता हूं जो हमेशा रहेगा" | इसलिए लाइल अपने कार में गया, प्रार्थना की यीशु मसीह और उनके अनंत जीवन को ग्रहण किया | एक साल के भीतर लाइल अपने विश्वास की प्रतिज्ञा के द्वारा अपने चर्च से जुड़ गया और अपने स्थानीय चर्च का संडे स्कूल अधीक्षक चुन लिया गया |

क्या आप जानते हैं कि हार्डवेयर स्टोर में लाइल से किस ने बात की थी? वह पवित्र आत्मा था | यीशु ने कहा, "परंतु जब वह सहायक आएगा — सत्य की आत्मा — तो वह मेरी गवाही देगा |

और तुम भी मेरे गवाह हो" (यूहन्ना 15:26-27) | त्रियेक पवित्र आत्मा महान प्रचारक है | वह आपके साक्ष्य और गवाही को सुदृढ़ करेगा, तब भी जब आप डरे हुए हों |

---

16. चार्ल्स डब्ल्यू कोलसन, बॉर्न अगेन (ओल्ड टप्पन, एन जे : फ्लेमिंग रच. रेवेल, 1977), 110

.....

फरवरी 6 **दिन - 37**

आपकी आत्मिक कहानी

******

यीशु..... ने कहा, "अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि
तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिए कैसे बड़े काम किए हैं |" मरकुस 5:19

जब हम मरकुस 5:19 को आज अपने जीवन में लागू करते हैं, तो हम देखते हैं कि यीशु के वचन हमारी अपनी गवाहियों का भी वर्णन करते हैं |

आपकी आत्मिक कहानी:

- सकारात्मक है - "कितनी"
- प्रभु की महिमा करती है - "प्रभु"
- व्यक्तिगत है - "आपके लिए किया है"
- मौखिक है - "उन्हें बताएं"

इसमें पहले, कैसे और तब से शामिल है :

- मैं मसीह से मिलने के पहले क्या था
- मैंने कैसे मसीह को स्वीकार किया
- यीशु मसीह का मेरे जीवन में तब से क्या अर्थ है

और अब मैं आपसे आग्रह करता हूं — आमने-सामने के बातचीत और सार्वजनिक सेवाकाईयों में, कृपया बताएं कि "प्रभु ने आपके लिए कितना कुछ किया है |" 17

---

17. द गुड न्यूज़ : द चिक शेवर सेंटर फॉर इंवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2014)

.....

फरवरी 7 **दिन - 38**

शिष्य बनाओ जो शिष्य बनाएंगे

******

इसलिए तुम जाओ और सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ | मत्ती 28:19

पर कुछ बीज अच्छी भूमियों में गिरे, और फल लाए, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, और कोई तीस गुना | मत्ती 13:8

बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है |नीतिवचन 11:30

चर्च का मिशन शिष्य बनाना है जो शिष्य बनाएंगे, जो शिष्य बनाएंगे — यह ईश्वरीय पादरी और सेमिनरी अध्यक्ष गार्डन वेटमोर द्वारा बार-बार कहां गया था और हमने इसे प्रमाणित होते देखा है |

1968 में पवित्र आत्मा के एक आंदोलन ने शॉनी कैंसस चर्च में युवा वयस्कों पर प्रभाव डाला| पब्लिक स्कूल की शिक्षिका कैथी ने शिक्षक माइकल को मसीह के बारे में बताया | माइक और उसकी पत्नी लिंडा ने चर्च का दौरा किया | पादरी मेल्विन और उनकी पत्नी जैनी उनके अपार्टमेंट में गए | उन्होंने सुसमाचार को साझा किया, और दोनों ने मसीह को ग्रहण किया |

कई बार चर्च में जाने और बाइबिल पढ़ने के बाद, माइक ने अपनी शराब को बहा दिया और घोषणा की, "मुझे नहीं लगता कि एक मसीही को शराब पीनी चाहिए"| अगले पाम संडे को अट्ठाइस लोगों ने बपतिस्मा लिया जिनमें ज्यादातर युवा व्ययस्क थे | कुछ ही देर बाद माइक अपने पादरी से कह रहा था — मुझे विश्वास है कि परमेश्वर मुझे सेवकाई में ले जा रहे हैं |"

जल्द ही, माइक ने तैयारी के लिए थियोलॉजिकल सेमिनरी में नामांकन करा लिया | जब वह अपनी सुसमाचार प्रचार कक्षा में था, उसे एक चर्च न जाने वाले व्यक्ति या परिवार के साथ संपर्क बनाने का कार्य सौंपा गया, माइक सड़क के उस पार गया और जैन से उसके घर के सामने की सीढ़ी पर बात की | कर्ट और जैन केवल दस दिन पहले इंडियाना से यहां आए थे | उनके लिए, अप्रैल 1972 का मतलब न केवल एक नया स्थान था बल्कि उनके जीवन में पुनर्निमाण का प्रयास भी था | उनके बच्चे स्कॉट और चीप केवल एक और तीन वर्ष के थे |

उस रविवार की सुबह, वे शॉनी चर्च में थे और बेदारी शुरू थी | जैसा कि सुसमाचार प्रचारक ने प्रचार किया, कर्ट ने दोषी महसूस किया, वह रोया, प्रार्थना करने के लिए आगे गया, पश्चाताप किया और यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता और परमेश्वर के रूप में ग्रहण किया | जैन ने कुछ हफ्ते पहले इंडियाना में मसीह को ग्रहण करने के लिए प्रार्थना की थी यह नहीं जानती थी कि आगे क्या करना है |

अब कर्ट और जैन एक ही स्थिति में थे | उस रात, कर्ट ने सार्वजनिक रूप से रविवार की शाम को लगभग तीन सौ लोगों की भीड़ को बताया कि उस रात मसीह ने उसके लिए क्या किया था|

पाँच दिन बाद, पादरी कर्ट और जैन के घर गए | और उनके लिए बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियनस शुरू किया | कर्ट और जैन आत्मिक रुप से बढ़े | कर्ट को तंबाकू और शराब से तुरंत छुटकारा मिला | शीघ्र ही वे दशमांश देने लगे | बाइबिल अध्ययन ने जो कुछ कहा, उन्होंने किया | केमार्ट मैनेजर के रूप में कर्ट को लगभग हर साल एक अलग स्टोर दिया जाता था और हर साल वे स्थानांतरित होते थे | हर जगह उन्हें उपयुक्त चर्च, उपयुक्त बच्चों के अगुवे, उपयुक्त किशोरों के अगुवे और उपयुक्त पादरी मिले | कर्ट और जैन ने अपने बच्चों को शिष्य बनाया और चर्च ने पूरे परिवार को | हर कदम में, चर्च हमेशा उनकी प्रेमपूर्ण दोस्ती का आधार था |

साढ़े तीन साल की उम्र में स्काट को घर में उसके माता-पिता द्वारा मसीह में मार्गदर्शन कराया गया | छठी कक्षा में, स्कॉट को आत्मा द्वारा पूरी तरह से पवित्र किए जाने का एक सामर्थ्यशाली अनुभव प्राप्त हुआ |

कॉलेज के बाद, स्कॉट ने महसूस किया कि परमेश्वर उसे मेडिकल कैरियर से दूर सेवकाई में बुला रहे हैं | 1993 मैं ग्रेजुएट होने के बाद, उसने जेनी से शादी की, और उन्होंने फोर्ट वेन, इंडियाना में सेवकाई का कार्य शुरू किया | मैंने स्कॉट को फोन किया, उसे सेमिनरी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, उसे एक इंवाज़लिज्म स्कॉलरशिप की पेशकश की, और उसे कैंसस सिटी चर्च में मेरे साथ स्टॉफ पर काम करने के लिए कहा | उसके इंवाज़लिज्म प्रशिक्षण के तहत, हमने कई लोगों को मसीह के पास आते देखा |

सेमिनरी के बाद, स्कॉट फोर्ट वेन में इंवाज़लिज्म पादरी के रूप में लौट गया | जल्द ही, उसे हयुस्टन चर्च में प्रमुख पादरी बनने के लिए बुलाया गया, जो उसकी अगुवाई में फला-फूला | साढ़े आठ वर्षों में, लोगों की उपस्थिति में चार सौ से सात सौ तक की वृद्धि हुई, एक नया भवन, एक चर्च रोपण और बहुत कुछ | चर्च की सफलता के बीच में, परमेश्वर ने बीच में दखल दिया और स्कॉट के परिवार को मिशन में बुलाया | 2012 में, स्कॉट, जेनी और उनकी बेटियाँ बेका और सारा, कीव यूक्रेन पहुंचे, और 2015 में स्कॉट को स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्र मंडल के लिए फील्ड रणनीति समन्वयक के रूप में संप्रदाय द्वारा नियुक्त किया गया | स्कॉट पर यूरोप और एशिया के बारह राष्ट्रों के लिए पास्टोरल प्रशिक्षण, शिष्यता और सुसमाचार प्रचार की जिम्मेदारी आ गई |

2018 में, स्कॉट को सन्डे स्कूल और शिष्यता का एक अंतरराष्ट्रीय निदेशक चुना गया | अब उनका प्रभाव दुनिया भर में उनके संप्रदाय के सभी चर्चो तक फैला हुआ है |

1968 से 2020 तक | कैथी से लेकर माइक और लिंडा तक, रेव्हरन मैकुलॉ द्वारा असिस्ट किये गये | कर्ट और जैन तक, स्कॉट और चीप तक (जो दोनों अब सेवकाई में हैं) | यूक्रेन, रूस, आर्मेनिया और दुनिया भर में पादरियों और नए विश्वासियो तक : पर कुछ बीज अच्छी भूमि पर गिरे, और फल लाए — कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, और कोई तीस गुना" (मत्ती 13:8) | शिष्य बनाओ जो शिष्य बनाएंगे, जो शिष्य बनाएंगे |

.....

फरवरी 8 **दिन - 39**

आत्मा को प्रसन्न करने के लिए बोना

******

क्योंकि जो अपने शरीर के लिए बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा ; और जो आत्मा के द्वारा बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनंत जीवन की कटनी काटेगा | हम भले काम करने में साहस न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढ़िले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे |
गलतियों 6:8-9

"नमस्ते सर" ई-मेल इस प्रकार शुरू हुआ | आगे संदेश था : "मेरा नाम जो कुमोर है | मैंने आज हेस्टिंग्स, नेब्रास्का में अपनी नियुक्ति बोर्ड में भाग लिया | मैं एक सैन्य पादरी बनने की आशा करता हूं | पादरी, रेव्ह. जॉन व्हिटसेट ने पूछा क्या मैं फ्रैंक और पैगी कुमोर को जानता हूं | वे मेरे माता-पिता है, हालांकि मेरी माँ का कई साल पहले निधन हो गया था | उन्होंने सोचा कि यह आश्चर्यजनक है कि उन्हें लगभग पैंतीस साल पहले आपके द्वारा पढ़ाया गया एक इवांजलिज्म कक्षा याद आया जिसमें मेरे माता-पिता का उल्लेख था और अब वह उनके बच्चे से एक नियुक्ति बोर्ड में प्रश्न पूछ रहे थे" |

क्या मैं फ्रेंड और पैगी कुमोर को कभी याद करता हूं! 1975 में, वे स्थानीय चर्च आए थे जहां मैंने आउटरीच सेवक के रूप में सेवा की | वे इतने खुलें और मिलनसार थे कि मैंने उनसे पूछा कि क्या हम उनके साथ उनके जीवन और हमारे चर्च की मान्यताओं के बारे में और मुलाकात कर सकते हैं | उन्होंने कहा, हां वे यही चाहते थे |

उस गुरुवार की रात, दो अयाजकीय लोग मेरे साथ कुमोर्स के घर गए | पवित्र आत्मा ने दरवाजे और उनके ह्रदय खोलें, और 13 फरवरी 1975 को रात 11 बजे, फ्रेंक और पैगी ने यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में अपने ह्रदयों और जीवन में ग्रहण किया (प्रकाशितवाक्य 3:20) | अगली रात तक, उन दोनों ने बेसिक बाइबल स्टडीज फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स का पहला अध्याय पूरा कर लिया था | यह आश्चर्यजनक था — उन्होंने पहले कभी इस तरह से बाइबिल का अध्ययन नहीं किया था | मसीह को ग्रहण करने के आठ सप्ताह बाद, उन्होंने सभी अध्ययनों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया | उनका आत्मिक विकास तीव्र और मजबूत था — उन्होंने तंबाकू पर जय प्राप्त की, खुशी-खुशी दशमांश देना शुरू किया और विश्वास के प्रकाशन से चर्च में शामिल हो गए | पैगी ने कुछ अद्भुत आत्मिक सत्यों को भी लिखना शुरू किया | अपने रूपांतरण के तीन हफ्ते बाद, उसने लिखा," | 3 फरवरी, रात 11 बजे, मैं पहले से कहीं ज्यादा खुश थी | मेरा मानना है कि उस प्रारंभिक खुशी को जिसने बढ़ाया वह था यह पता होना कि यह विशेष खुशी स्थायी है | यह पता होना कि यीशु ने मुझे स्वर्ग में एक स्थान दिया है, मुझे दैनिक खुशी प्रदान करता है" |

फ्रैंक ने जल्द ही कैनसस सिटी में घड़ी बनाने का अपना प्रशिक्षण पूरा किया | बाद में, वे अपने मूल स्थान नेब्रास्का वापस चले गए | फ्रैंक ने एक ज्वेलरी स्टोर में काम करना शुरू किया, और वे एक स्थानीय चर्च में अगुवे बन गए | फ्रैंक अंततः स्टोर का मालिक बन गया और वे सात बच्चों के माता-पिता बने |

1996 मैं ओमाहा चर्च में प्रचार करते समय मेरा संपर्क कुमोर परिवार से हुआ | पैगी कैंसर से जंग लड़ रही थी, और उसके तुरंत बाद, उसे एक और का सामना करना पड़ा | उसने मुझे बताया कि वह बहुत खुश थी कि वह अपने बच्चों को अनंत जीवन के बारे में सिखा सकी | जल्द ही, पैगी स्वयं प्रभु की उपस्थिति में खड़ी होगी |

समय बीतता गया और 2015 में, जब मुझे जो कुमोर का ई-मेल प्राप्त हुआ, तो मुझे उसे फोन करना था और उसके परिवार से मिलना था | मुझे कई अद्भुत चीजें पता चलीं | जो एक चर्च में एक सहयोगी पादरी है | फ्रैंक जो अब पैट से विवाहित है और अभी भी ज्वेलरी स्टोर का मालिक है, चर्च में सक्रिय हैं | जो के भाइयों में से एक वायु सेना में मेडिकल डॉक्टर है, जो पापुआ न्यू गिनी के एक मिशन अस्पताल में एक अल्पकालिक कार्यभार को संभालता है | चर्च में छह बच्चे सक्रिय है |

यह सब सुनकर मैंने केवल परमेश्वर की स्तुति की | यह स्पष्ट था कि इस परिवार पर परमेश्वर का अनुग्रह था, और वे उस में चल रहे थे | कितना उत्साहजनक है जो 1975 में बोया गया था उसमें चालीस साल बाद ऐसी फसल काटी | आइए बोएं — और उचित समय में कटनी काटें |

.....

फरवरी 9 **दिन - 40**

स्नोबॉल

******

यीशु ने उनको उत्तर दिया, "मैं तुमसे सच-सच कहता हूं कि
जो कोई पाप करता है वह पाप का दास है | यूहन्ना 8:34

नन्हे जेकब के लिए, पहाड़ की बर्फ बस बाहर आकर खेलने का एक निमंत्रण थी | उसने अपने द्वारा बनाये गये अब तक के सबसे बड़े स्नोबॉल का निर्माण करने का निश्चय किया | उसने अपने हाथों से बर्फ को एक साथ इकट्ठा किया और जब उसका स्नोबॉल सही आकार का बन गया तो उसने उसे जमीन पर रख दिया और उसे लुढ़काने लगा | वह उसे जितना आगे लुढ़काता, वह उतना ही बड़ा हो जाता | जल्द ही स्नोबॉल इतना भारी हो गया कि उसे धक्का देना कठिन हो गया | जेकब को एहसास हुआ कि उसे पहाड़ के चारों ओर धकेलने के बजाय, उसे पहाड़ से नीचे धकेलना आसान होगा|

जैसे ही उसने उसे नीचे धकेला, स्नोबॉल अपने आप लुढ़कने लगा और गति पकड़ने लगा | लुढ़काते रहने के लिए उसे दौड़ना पड़ा | फिर वह लड़खड़ा गया और उसका छोटा शरीर लुढ़कते स्नोबॉल पर चित होकर गिरा | एक चक्कर में, वह और बर्फ से ढक गया | इससे पहले कि वह उससे मुक्त हो पाता, स्नोबॉल फिर से घूम गया और वह बर्फ की एक और परत से ढक गया | तेज और तेज, परत दर परत | जेकब पूरी तरह फँस गया था | जेकब को कैद करने वाला स्नोबॉल पहाड़ से नीचे चट्टानों पर गिर गया | वह टूट गया और जेकब मारा गया | लेकिन पहाड़ के नीचे स्नोबॉल लुढ़काने की एक प्रतिबद्धता जेकब को उस सीमा से आगे ले गई, जहां तक वह जाने का इरादा रखता था |

पाप ऐसा ही है — यह आपको उस सीमा से आगे ले जाएगा जहां आप जाने का इरादा रखते हैं | इस बारे में सोचें कि जब आप झूठ बोलते हैं तो क्या होता है और आपसे इसके बारे में सवाल किया जाता है : पहले झूठ को छीपाने के लिए आपको दूसरा झूठ बोलने की जरूरत होती है | इसलिए यीशु ने कहा कि पाप तुम्हें अपना दास बना लेगा | जब मैंने स्वयं के अतीत के बारे में सोचा, तो मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि, "पाप ने मुझे नियंत्रित किया : मैंने इसे नियंत्रित नहीं किया" |

पाप की इस दासता का अंतिम परिणाम क्या है? रोमियों 6:23 हमें बताता है, "पाप की मजदूरी मृत्यु है"— जैसे जेकब पहाड़ की तलहटी में है | अगर आप इतने शक्तिशाली है, तो हम क्या कर सकते हैं? अधिक शक्ति की आवश्यकता होती है | एकमात्र उत्तर परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के पास आना है, जिन्होंने कहा, "इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे" (यूहन्ना 8:36) |

.....

फरवरी 10 **दिन - 41**

तेरा राज्य आए

******

परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकीत मत करो, जिस से
तुम पर छुटकारे के दिन के लिए छाप दी गई है | इफिसियों 4:30

जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया,
और वह युगानुयुग राज्य करेगा | प्रकाशितवाक्य 11:15

तेरा राज्य आए| लूका 11:2b

साल 2020 अमेरिका के लिए परेशानी भरा रहा | कोरोना वायरस महामारी ने देश को तबाह कर दिया (जैसा कि इसने कई अन्य देशों में किया), लेकिन इसके अलावा, लॉकडाउन और क्वारंटाइन ने व्यसनों और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से जूझ रहे लोगों के संघर्ष को बढ़ा दिया कई अमेरिकी बेचैन थे और उन्होंने सुझाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ विद्रोह कर दिया | मिनियापोलिस में एक अश्वेत व्यक्ति की पुलिस द्वारा की गई अन्यायपूर्ण हत्या के साथ नस्लीय तनाव भी बढ़ गया | सभी पृष्ठभूमि के अमेरिकी न्याय की पुकार में एकजुट हुए, लेकिन एकता और शांतिपूर्ण विरोध जल्द ही पूरे देश में दंगों और लूटपाट में बदल गया |

मैं परेशान और दुखी था और मैंने प्रार्थना की | संयुक्त राज्य अमेरिका में मसीहत की शिक्षाएं प्रभावशाली हुआ करती थीं | इन वर्षों में, इन मूल्यों का क्षरण स्पष्ट रहा है | व्यक्तिगत नैतिकता और व्यवहार तेजी से अनैतिक होते गए | लोगों ने पवित्र आत्मा को शोकित किया, जिसने हमारे राष्ट्र में अपने प्रभाव को बहुत अधिक बढ़ाया है | यह कहा गया है कि "शोक" शब्द एक प्रेम का शब्द है | जब हम आत्मा को शोकित करते हैं तो वह चला जाता है | जैसे एक दुखी परमेश्वर हमसे हाथ उठा लेता है, हमारे समाज का नाश और पतन शुरू हो जाता है | ऐसा लगता है जैसे परमेश्वर कह रहे हो "ठीक है, इसे अपने तरीके से आजमाओ, और देखो कि मेरे बिना जीवन कैसा होता है" |

आखिर में हम महसूस करेंगे कि हमारा एकमात्र समाधान प्रभु है | कोई आश्चर्य नहीं कि स्वर्ग की आवाजें ऊंची थी : "जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया, और वह युगानुयुग राज्य करेगा" | और चौबीस स्वर्गीय प्राचीन उत्तर देते हैं, "तूने अपनी बड़ी सामर्थ्य को काम में लाकर राज्य किया है | जातियों ने क्रोध किया, पर तेरा प्रकोप आ पड़ा (प्रकाशितवाक्य 11:17-18) | मसीही अभी भी प्रार्थना कर रहे हैं, "तेरा राज्य आए" |

.....

फरवरी 11 **दिन - 42**

वह एक गवाह थी

******

परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे ; और यरूशलेम और सारे यहूदीया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे |
प्रेरितों के काम 1:8

उसने मुश्किल से छठी कक्षा पूरी की थी | गरीबी और परिवार में एक बड़े बच्चे के रूप में उस पर माँगो ने उसे जल्द से जल्द नौकरी करने के लिए मजबूर किया |

जैसे ही उसने दुनिया में कदम रखा, शादी कर ली और बच्चों की परवरिश करने लगी, उसकी मजबूत प्रारंभिक चर्च प्रशिक्षण उपेक्षित हो गई |

अपने चालीसवें वर्ष के उत्तरार्ध में, यीशु फिर से वेरा से मिलने आए | एक रिवाइवल सेवकाई में, उसने घुटने टेके, प्रार्थना की, अंगीकार किया और उद्धारकर्ता को ग्रहण किया | सेवकाई के बाद, वेरा ने स्वीकार किया कि वह अपना जीवन समाप्त करने पर विचार कर रही थी | अब उसके अपराध बोध का बोझ उतर गया था, यीशु ने न केवल उसकी आत्मा को बचाया था, बल्कि उन्होंने उसकी जान भी बचाई थी |

वह आत्मिक रूप से बढ़ी, अपने तंबाकू और शराब के व्यसनों पर विजय प्राप्त की, और चर्च में सक्रिय हो गई | उसने पाया कि उसका परमेश्वर के साथ गहरा रिश्ता हो सकता है | जल्दी ही, पूर्ण समर्पण में, वेरा ने पवित्र आत्मा के पवित्रीकरण और सशक्तिकरण के कार्य का अनुभव किया |

मेरे परिवार को इसके बारे में सुनने की जरूरत है, उसने सोचा | इसलिए वेरा अपने फ्लोरिडा स्थित घर से न्यूयार्क तक गाड़ी चला कर गई | वह अपने जीतने भाई-बहनों, भतीजियों और भतीजों तक जा सकती थी गई |

उसकी बहन मैरी एक नियमित चर्च जाने वाली महिला नहीं थी, लेकिन वेरा ने उससे अपने विश्वास को साझा किया और मैरी को अपने साथ वाटरटाउन में सेवाओं में जाने के लिए मना लिया| और मेरी ने मसीह को ग्रहण कर लिया | वह नियमित रूप से चर्च जाने लगी और आत्मिक रूप से विकसित होने लगी |

मैरी और उसके चर्च के नए दोस्त, जो लाफार्जविल में रहते थे, ने वाटरटाउन चर्च के लिए तीन फीट गहरे सर्दियों के बर्फ में ड्राइव करके जाने को बहुत कठिन पाया | उन्होंने सोचा कि क्यों न छोटे से लाफार्जविल में एक होलिनेस चर्च का रोपण किया जाए और उन्होंने ऐसा ही किया!

वर्षों तक मैरी अपने भतीजीयों और भतीजों के लिए निरंतर गवाह रही | सत्तासी साल की उम्र में, उसका ह्रदय विफल हो रहा था और वह अंत के करीब थी | उसके आसपास रिश्तेदार जमा हो गए |

उसके भतीजे ने उसकी हालत के बारे में सुना | और एक हजार मील दूर से फोन किया | उसने मैरी से संक्षेप में बात की – वह बहुत कमजोर थी | उसने कहा, "यहां धूप है, लेकिन वहां पर बेहतर है |"

अगली सुबह, भतीजे ने फिर फोन किया, और परिवार ने बताया कि उस सुबह उसकी मृत्यु हो गई | "क्या उसने और कुछ कहा"? उसने पूछा |

"हां" उन्होंने कहा, "रात भर वह कमजोरी की हालत में तकिए पर लेटी रहीं | अचानक आज सुबह, वह उठ बैठी, अपने सिर से ऊपर हाथ उठाकर कहा, 'ओह, ओह, वे मेरे चारों ओर हैं | स्वर्गदूत, वे मेरे चारों ओर हैं? फिर वह अपनी तकिए पर लेट गई और मर गई |"

आत्मा की सामर्थ्य से, वेरा एक गवाह थी | आत्मा की सामर्थ्य से मैरी एक गवाह थी | मैं इस कहानी को अच्छी तरह से जानता हूं | वेरा मेरी माँ थी; मैरी मेरी आंटी थी |

.....

फरवरी 12 **दिन - 43**

तीन या चार पवित्र आत्मा से भरे हुए

******

जब सब लोगों ने बपतिस्मा लिया और यीशु भी बपतिस्मा लेकर प्रार्थना कर रहा था, तो आकाश खुल गया, और पवित्र आत्मा शारीरिक रूप में कबूतर के समान उस पर उतरा, और यह आकाशवाणी हुई : "तू मेरा प्रिय पुत्र है, मैं तुझ से प्रसन्न हूं।" लूका 3:21-22

वह यीशु थे, देह में परमेश्वर, और फिर भी पवित्र आत्मा उन पर उतरा। और पवित्र शास्त्र हमें यीशु के जीवन में आत्मा के बारे में अधिक बताता है :

- लूका 4:1 "यीशु आत्मा से भरा हुआ, यरदन से लौटा।"
- लूका 4:1 "आत्मा के सिखाने से जंगल में फिरता रहा।"
- लूका 4:14 "यीशु आत्मा की सामर्थ्य से भरा हुआ गलील को लौटा"
- लूका 4:18 "प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिए कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है"।

यदि यीशु को आत्मा से भरे जाने की आवश्यकता थी तो उसके अनुयायियों का क्या? पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा यीशु के 120 प्रार्थना करने वाले अनुयायियों पर उतरी। प्रेरितों के काम 2:4 हमें बताता है, "वे सब पवित्र आत्मा से भर गए", और जिसके परिणामस्वरूप एक महान आत्मिक चलन यरूशलेम में फैल गया।

पाँच साल बाद, चर्च में विधवाओं को भोजन वितरण को लेकर एक समस्या उत्पन्न होती है। इस समस्या से निपटने के लिये, प्रेरितों को मदद की जरूरत होती है और वे इस प्रोजेक्ट को संभालने के लिए चर्च से अयाजकीय अगुवों को नियुक्त करने के लिए कहता है। इन अगुवों के लिए उनकी आवश्यकताओं पर ध्यान दें : हे भाइयों अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो" (6:3)। केवल आत्मा से पैदा हुए मसीही विश्वासी, जो आत्मा से भरे हुए होने के लिए जाने जाते थे, चुने जा सकते हैं।

आगे क्या होता है? प्रेरितों के काम 6:5 हमें बताता है, "उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को चुना जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था।" जब स्तिफनुस खड़ा होता है और निडरता से मसीह के लिए बोलता है, तो भीड़ उस पर हमला कर देती है और अंततः उसे मार देती हैं। फिर भी स्तिफनुस अद्भुत सामर्थ्य और प्रेम के साथ इस हिंसा का सामना करने में सक्षम होता है।

कैसे? प्रेरितों के काम 7:5 हमें बताता है, "परंतु उसने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा की और यीशु को परमेश्वर के दाहिनी और खड़ा देखा।" स्तिफनुस प्रेम और क्षमा से इतना भरा हुआ था कि मरने से ठीक पहले, वह प्रार्थना करता है, "हे प्रभु यह पाप उन पर मत लगा"। (वचन 60)

आज बहुत से मसीही, मसीह के साथ अपने वर्तमान संबंध से परे परमेश्वर के साथ एक गहरे संबंध की आवश्यकता को महसूस करते हैं। वे परमेश्वर के लिए और अधिक करना चाहते हैं, लेकिन उनमें अपने दम पर इसे करने की सामर्थ्य नहीं है। वे जानते हैं कि वे आत्मा से पैदा हुए (यूहन्ना 3:5), लेकिन अब उन्हें आत्मा से भरने की जरूरत है।

बिली ग्राहम संगठन के लिए डिसीजन मैगजीन के पूर्व संपादक शेरवुड विर्ट ने महसूस किया कि उनका मसीही जीवन आंतरिक संघर्षों से भरा हुआ था — विशेष रुप से कड़वाहट, आक्रोश और प्रेम की कमी की भावनाओं से | यशायाह 61:1, 3 में उन्होंने पढ़ा, "प्रभु यहोवा की आत्मा मुझ पर है क्योंकि..... सिय्योन के विलाप करने वालों के सिर पर कि राख दूर करके सुंदर पगड़ी बांध दूँ, कि उनका विलाप दूर करके हर्ष का तेल लगाऊँ और उनकी उदासी हटाकर यश का ओढ़ना ओढ़ाऊँ"| उन्होंने प्रभु की प्रतीक्षा की और बाद में गवाही दी :

मैं अपने जीवन के सिंहासन (यानी, मेरे मसीही जीवन के) का त्याग कर रहा था..... जब मैंने उन्हें मुझे सूली पर चढ़ाने के लिए कहा, तो उन्होंने मेरा कथन स्वीकार कर लिया और मेरा अनुरोध पूरा कर दिया | उनके अपने समय में अपनी खुशी में, उन्होंने इस परेशान ह्रदय में एक अलौकिक विलायक भेजा..... मुझे नहीं पता कि प्यार कैसे आया, लेकिन मुझे पता है कि मैंने दूसरों के खिलाफ जो कड़वाहट रखी थी - जिसमें मेरे आस-पास के लोग भी थे - गायब हो गयी | आक्रोश - शत्रुता - आहत भावनाएं - सारी भावनाएं | वे सभी खत्म हो गई | लुप्त हो गई | चले गई | 18

प्यार, शेरवुड़ वर्ट का विषय (थीम) बन गया | और कोई आश्चर्य नहीं | रोमियों 5:5 कहता है, "और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है |"

यीशु, स्तिफनुस, शेरवुड वर्ट — तीनों पवित्र आत्मा से भरे हुए हैं | क्या आपका नाम भी उस सूची में जोड़ा जाना चाहिए?

---

18. शेरवुड एलियट वर्ट, आफ्टर ग्लो : द एक्साइटमेंट ऑफ़ बींग फील्ड विद द स्पिरिट (ग्रैंड रैपिड्स : जोन्डरवन, 1976), 17-19

.....

फरवरी 13 **दिन - 44**

एक प्रेम संबंध

******

जिसके पास मेरी आज्ञाएं हैं और वह उन्हें मानता है, वही मुझसे प्रेम रखता है : और जो मुझसे प्रेम रखता है उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उससे प्रेम रखूंगा और अपने आप को उस पर प्रगट करूंगा | यूहन्ना 14:21

जैरेड और मैं मैरीलैंड में एक स्थानीय चर्च रिवाइवल के द्वारा मिले थे और हमारे बीच एक अच्छी बातचीत हुई | वहां, उसने मुझे अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में बताया :

मैं चर्च में पला-बढ़ा | मैं वही जी रहा था जो बाहरी लोगों को एक अच्छा मसीही जीवन जैसा दिखाता है, लेकिन अंदर से मैं उदासीन था | मेरा मसीह के साथ एक संबंध था, लेकिन एक प्रेम संबंध नहीं था | मैंने अपने पिता को कभी बाइबिल पढ़ते नहीं देखा, और उन्होंने अपने विश्वास में कोई भावना नहीं दिखाई |

फिर चार साल पहले वह पवित्र किए गए | उन्होंने अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाया और गाने लगे | मैं उनके अंदर आए बदलाव से उबर नहीं पाता हूं | अब, हर सुबह वह अपनी बाइबिल का अध्ययन करते हैं और अपनी नोटबुक में लिखते हैं | उनका संबंध अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक नए स्तर पर पहुंच गया | वह एक आत्मिक अगुवे बन गए |

थोड़ी देर बाद जैरेड सड़क किनारे घास काट रहा था | जैरेड अपनी गवाही जारी रखता है :

परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से कहा, "क्या यही सब कुछ है जो तुम मुझे देने जा रहे हो? मैं समय के साथ स्वार्थी हो गया था और परमेश्वर मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं थे | इसने मुझे हिला कर रख दिया |

मैंने वापस परमेश्वर से कहा, "मैं आपका हूं | जो आप चाहते हैं मेरे साथ करें" | यह सबसे डरावनी बात थी जो मैंने पहले कभी नहीं कही थी |

मुझे सेवकाई के लिए एक बुलाहट महसूस हुई | मैं अपनी पत्नी को बताने के लिए घर गया| मैं पूरे समय कांप रहा था | उसने पूछा, "क्या हुआ"?

मैंने कहा, "मुझे बहुत डर लग रहा है | मुझे डर लग रहा है कि परमेश्वर हमें यहां से हटा देंगे|"

उसने कहा, "जैरेड, मैंने तुमसे विवाह किया है, और मैं उसी परमेश्वर की सेवा करती हूं जिसकी तुम करते हो | मैं तुम्हारे साथ हूं | मैं उन पर विश्वास करती हूं, और मैं तुम पर भी विश्वास करती हूं |

मैं एक साल पहले रिवाइवल में पवित्र किया गया | परमेश्वर ने मुझमें से चीजों को छांटना शुरू कर दिया | इब्रानियों 12:1 हमें बताता है, "हर एक रोकनेवाली वस्तु को दूर करो" | उन्होंने कुछ टीवी शो और जो कुछ भी मुझे प्रभु से निकटता से रोक रहा था, दूर कर दिया | वह मेरी इकलौती जरूरत बन गया |

जैरेड युवा सेवकाई में शामिल हो गया | उनकी गवाही जारी है :

युवा कार्यक्रम तीस से अधिक किशोरों तक बढ़ गया | कुछ किशोर पवित्र आत्मा से भर गए| परमेश्वर ने मेरे ह्रदय में शांति दी | यह तब फल-फूल रहा है जब परमेश्वर अगुवाई कर रहे हैं | जब मैं बोलता हूं, मैं बता सकता हूं कि परमेश्वर मेरे माध्यम से कब बात कर रहे हैं | आत्मा से परिपूर्ण होने का यही अर्थ है |

यह बहुत परिपूर्ण रहा | मैं आपको बता नहीं सकता कि रविवार से इस सप्ताह तक कितनी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया गया | मैं जानता हूं कि यह इसलिए है क्योंकि मैंने परमेश्वर को अधिकार दिया है |

जैसा कि आप देख सकते हैं, जैरेड यीशु के साथ एक प्रेम संबंध में आ गया | यूहन्ना 14:21 में यीशु के वचन पवित्र आत्मा को उनके शिष्यों तक भेजने की उनकी प्रतिज्ञा का हिस्सा है | क्या ही सौभाग्य की बात है कि वही प्रेम संबंध हम सभी के लिए उपलब्ध है |

.....

फरवरी 14 **दिन - 45**

पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र किया गया

******

उसने मुझे परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचार करने का याजकीय कर्तव्य दिया, जिसमें अन्य जातियों का माना चढ़ाया जाना, पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए |
रोमियों 15:16

कुछ लोग जेफ और मेलिसा पर शुक्रवार की रात को पवित्र आत्मा पर एक बाइबिल अध्ययन में भाग लेने के लिए हंसे | लोगों ने कहा कि वे अभी बहुत छोटे हैं इसलिए उन्हें शहर से बाहर जाकर मजेदार चीजें करनी चाहिए |

हालांकि मेलिसा कहती है, "मैं आपको नहीं बता सकती कि जेफ और मुझे आत्मा की सामर्थ्य के साथ जीने में कितना आनंद मिला है |"

इसके अलावा वह कहती है : मैंने सीखा है कि पूरी तरह से पवित्र होने और आत्मा से भरे होने का क्या मतलब होता है..... मैंने सीखा है कि कैसे मेरा स्वार्थी स्वभाव मेरे जीवन को नियंत्रित करता है और कैसे स्वयं के लिए मरना है और आत्मा को मेरा मार्गदर्शन और नियंत्रण करने देना है..... मैं उन दोस्तों को पूरी तरह से माफ करने में और उन टूटे हुए रिश्तों को जोड़ने में सक्षम हुई हूं जिन्होंने मुझे अतीत में चोट पहुंचाई है | मैं वचन और प्रार्थना में समय बिताने का एक दैनिक अभ्यास स्थापित करने में सक्षम हो गई हूं..... मैंने कुछ महत्वपूर्ण स्कूल और करियर निर्णय लेने में आत्मा के मार्गदर्शन को देखा है | और मैंने देखा है कि कैसे आत्मा की सामर्थ्य में रहना किसी के जीवन को समृद्ध कर सकता है..... क्योंकि मेरे साथ ऐसा ही हुआ है |

आज भी यह पौलुस की सेवकाई के लिए कितना मेल रखता है — जेफ और मेलिसा पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र किए गए, परमेश्वर के लिए एक ग्रहण योग्य भेट हैं |" 19

---

19. रिफ्लेक्टिंग गॉड से लिया गया जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ : वर्डएक्शन पब्लिशिंग को.) 12, अनुमति द्वारा उपयोग किया गया |

.....

कुड़कुड़ाए बिना

******

सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो | ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर के निष्कलंक संतान बने रहो, जिनके बीच में तुम जीवन का वचन लीए हुए जगत में जलते दीपकों के समान दिखाई देते हो |

फिलिप्पियों 2:14-16

"मैं अपने काम पर हर समय शिकायत करता हूं", उसने जोर से कहा | एलगिन एक गहन शिष्यता समूह का हिस्सा था जो पवित्र आत्मा के कार्य का अध्ययन करने में बारह सप्ताह बिता रहा था | उसने एक मसीही प्रकाशन कंपनी में वर्षों तक काम किया था | वह हैरान और शर्मिंदा था जब उसने महसूस किया कि उसने कितनी शिकायत की है |

अधिकांश समय तक, एलगिन ने एक समर्पित मसीही जीवन जिया और उसने अपनी बाइबिल पढ़ी | लेकिन शायद पहली बार इस वचन ने उसका ध्यान खींचा | वह अपने आत्मिक विकास के लिए इस शिष्यता समूह में था, इसलिए उसने शिकायत करने की अपनी आदत को बदलने की ठानी| अध्ययन के बारहवें सप्ताह में, वह बता रहा था और आनंदित हो रहा था कि बहुत शिकायत किए बिना एक पूरा दिन बिता सकता है |

मेरे एक मित्र को अपने बेसमेंट के ग्रीनहाउस में कुछ पौधों को ऊपर ले जाने के लिए जाना था | फर्श के नाले पर उसे पानी जमा हुआ दिखाई दिया, वह जानती थी कि समय-समय बैकअप होते है लेकिन उसे और उसके पड़ोसियों द्वारा पाइप को साफ करने के लिए प्लम्बर को बुलाए हुए केवल आठ महीने ही हुए थे | वह कुछ समय से कुछ चुनौतियों से गुजर रही थी जिसमें वित्तीय संघर्ष, उसकी नौकरी की स्थिति में एक बड़ा बदलाव, और घर की अन्य मरम्मत जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता थी, शामिल थी |

"हे प्रभु सच में! उसने कहा | मुझे एक और समस्या नहीं चाहिए | मैं टूट जाऊंगी |"

लेकिन परमेश्वर ने उसे रोका : तुम्हारे पिता ने अभी फोन किया है | वह तुम्हें एक चेक भेज रहे हैं | मैंने इसे सुलझा दिया | तुम्हें शिकायत करने की आवश्यकता नहीं है |

तुरंत ही उसका रवैया बदल गया | "यह सही है | धन्यवाद प्रभु, "उसने साँस लेते हुए कहा |

रविवार को बैकअप था | चेक सोमवार को आया, लेकिन सामान्य दोपहर के समय के बजाय, शाम 4:30 बजे |

देर होने के बावजूद जब उसने प्लम्बर को फोन किया, तो उसने कहा कि वह तीस मिनट में वहां पहुंच जाएगा | प्लम्बर ने नाली को साफ किया, और उसे 79 डॉलर का भुगतान करने के बाद उसके पास 121 डॉलर बच गए थे |

ये दो लोग कुड़कूड़ाने और शिकायत करने से हटकर दीपकों के समान चमकने लगे | इसी तरह शुद्ध आत्मा से भरे हुए दिलों वाले मसीहियों के लिए आनंद और चमकना स्वाभाविक होना चाहिए | जब हम ऐसा करते हैं तो यह हमारे आस-पास के सभी लोगों को क्या बढ़िया संदेश भेजता है |

फरवरी 16 **दिन - 47**

भोजन जो आप नहीं जानते

******

यीशु ने उनसे कहा, "मेरा भोजन यह है कि अपने भेजने वाले की इच्छा के अनुसार चलूँ और उसका काम पूरा करुँ |" यूहन्ना 4:34

20 नवम्बर 1955 को शाम के 9:00 बजे यीशु मसीह मेरे दिल में आए | मैं उन्हें एक अतिथि के रूप में पाकर इतना रोमांचित था कि मैंने उन्हें अपने दिल में हर क्षेत्र, उनके नए घर में, आने के लिए आमंत्रित किया |

हम एक साथ भोजन कक्ष के मेज़ पर बैठे - भूख और इच्छाओं का कमरा | प्रभु यीशु ने अपने सामने रखे भोजन को नहीं छुआ, जिसमें अभी भी दुनिया का स्वाद था |

जब मैंने उनसे पूछा कि आपने भोजन को क्यों नहीं छुआ तो वह मुडे, और मेरे आँखों में सीधा देखते हुए, वह बोले, "मेरे पास खाने के लिए ऐसा भोजन है जिसे तुम नहीं जानते..... मेरा भोजन..... यह है कि अपने भेजने वाले की इच्छा के अनुसार चलूँ और उसका काम पूरा करुँ" (वचन :32, 34)

वहीं, मेरे दिल की मेज़ पर, उन्होंने मुझे परमेश्वर की इच्छा पूरी करने का क्या मतलब होता है, इसका स्वाद दिया | तब से मैंने बाकी सब कुछ और असंतोषजनक पाया है |20

---

20. इससे पहले 'कम ये अपार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1964 (कैनसस सिटी, एमओ : नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 35 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग किया (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)

.....

फरवरी 17 **दिन - 48**

हद तक प्यार करें

******

और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नींव डालकर, सब पवित्र लोगों के साथ भली-भांति समझने की शक्ति पाओ की उसकी चौड़ाई, और लंबाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी है और मसीह के प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है कि तुम परमेश्वर की सारी भरपुरी तक परिपूर्ण हो जाओ |

इफिसियों 3:17-19

आप कितना प्यार रख सकते हैं? जाहिर तौर पर, बहुत अधिक | इफिसियों के लिए और हमारे लिए पौलुस निम्नलिखित प्रार्थना करता है |

- प्यार में जड़ पकड़ने के लिए और स्थापित होने के लिए |
- मसीह के प्यार की पूरी सीमा को समझने के लिए |
- इस प्यार को जानने के लिए जो ज्ञान से परे है |

जब आप मसीह के प्रेम की सीमा को समझते हैं – एक इतना गहरा प्रेम कि वह हमारे पापों के लिए मरने के लिए क्रूस पर चढ़ गया – तो आपको संदेह हो सकता है कि आप कभी भी उस तरह से प्रेम कर सकते हैं | फिर भी पौलुस हमें इस आश्वासन के साथ घेरे हुए है कि परमेश्वर के पास हमें उस प्रकार के प्रेम में लाने की शक्ति है |

वह कहता है कि परमेश्वर के पास "महिमा का धन" है जिसमें से वह हमारे भीतरी मनुष्यत्व में अपनी आत्मा के द्वारा हमें सामर्थ्य से बलवंत करने के लिए उपयोग कर सकता है (इफिसियों 3:16)| वह प्रार्थना करता है कि मसीह हमारे हृदय में बसे और घर करे (वचन 17) | परमेश्वर की सारी "परिपूर्णता से परिपूर्ण" होना हमारा सौभाग्य है| और यदि आप अभी भी सोचते हैं कि यह बहुत बड़ा आदेश है, तो पौलुस हमें यह कहकर समाप्त करता है कि परमेश्वर "हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक कर सकते हैं" (वचन 20) |

आज के लोगों को उस प्रकार के प्यार के साथ जीते देखना मदद करता है | मैं आशीषित हूँ कि मैंने उन्हें देखा है | फिलीपींस के मनीला में एक सम्मेलन में, मैं एक ऐसे व्यक्ति कार्ल से मिला जो स्मोकी माउंटेन का एक मिशनरी था | मनीला शहर उनके द्वारा उत्पादित कचरे की मात्रा से इतने अधिक व्याकुल थे कि उन्होंने इसे पासिग नदी में फेंकना शुरू कर दिया, जल्द ही कार्य स्थल कचरे का एक पहाड़ बन गया, इसलिए शहर के अधिकारियों ने इसके आकार को कम करने के लिए इसमें आग लगा दी | कचरा ठीक तरह से जल नहीं पाया लेकिन यह बहुत अधिक धुँआ उत्पन्न करता है – इस प्रकार यह स्थान स्मोकी माउंटेन के रूप में जाना जाने लगा |

घोर गरीबी में बीस हजार लोग रहने के लिए जगह की तलाश में, उस पहाड़ पर उमड़ पड़े | उन्होंने गत्ते, प्लाईवुड या फेंके गये टीन से झोंपड़ियों का निर्माण किया | उनके फ्लोर गंदे थे, और उन्हें एक सामुदायिक जल-स्रोत से पानी लाने के लिए एक चौथाई मील पैदल चलना पड़ता था |

कार्ल इस बात से उत्साहित था कि प्रभु उसकी सेवकाई के कार्य में जो कर रहे थे | उसने हमें बताया कि उसके पास में दस आदमी थे जो मसीह के शिष्य बन गये | वे बदल गए : तंबाकू, शराब

और जुए पर उन्होंने जय प्राप्त की ; वे अपनी पत्नियों के साथ प्रेम और कृपा से पेश आते थे ; कार्ल उन्हें बेहतर घर बनाने में मदद कर रहा था | वह इन दस शिष्यों से प्रेम करता था |

जब हमने कार्ल से पूछा कि उसने आगे क्या करने की योजना बनाई है तो वह उत्साहित था| जल्द ही उसे थोड़े दिन की छुट्टी मिल जाएगी और वे अपने मूल स्थान स्वीडन लौट जाएंगे, जहां उसे अपने परिवार को देखने का मौका मिलेगा |

और फिर क्या? उन्होंने बड़े उत्साह के साथ कहा, "ओह, मैं स्मोकी माउंटेन पर वापस जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता |" उस दिन, एक वास्तविक इंसान में मैंने मसीह के समान प्रेम देखा — हद तक प्यार |

.....

फरवरी 18 **दिन - 49**

पवित्र प्रस्तुत किया जाना

******

उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे |

कुलुस्सियों 1:22

यदि मुझे परमेश्वर के सामने प्रस्तुत किया जा रहा होता, तो मैं चाहता हूं कि मेरा रविवार सबसे अच्छा हो | फिर भी, किसी तरह मुझे नहीं लगता है कि वह यह देखेगा | मैं वर्षों से राज्य में रह रहा हूं और मैंने कई दोष देखे हैं | मुझे अपने खुद का याद है |

हमारे घर में माफी का रास्ता है, एक पुराना रास्ता | कभी-कभी मैं इसका उपयोग नहीं करना चाहूंगा क्योंकि "दूसरों के साथ वैसा ही करना जैसा वे मेरे साथ करते हैं" करना आसान है | प्यार को चुनना आसान नहीं है, लेकिन यह कार्य करता है | प्रतिक्रिया देने के बजाय प्रतिक्रिया करना आसान नहीं है, लेकिन यह कार्य करता है |

किसी ऐसी समस्या का सामना करना आसान नहीं है जिसके समाधान की आवश्यकता तब होती है जब मैं इसका सामना नहीं करना चाहता, लेकिन यह कार्य करती है | एक छोटी सी चीज़ को जाने देना आसान नहीं है, लेकिन यह कार्य करती है |

परमेश्वर को मुझे देखने पर, मेरे दोष नहीं दिखने चाहिए, जैसे मैंने अपने तीन नवजात शिशुओं में से प्रत्येक को देखा और कहा, "वे सिद्ध है" | क्योंकि परमेश्वर के उपहार दिये जाने के कारण, मेरा मेल-मिलाप हुआ | जो टूटा हुआ था उसे जोड़ा गया | जो अलग हो गया था उसे वापस एक साथ लाया गया | जो पहले कभी नहीं था, वह अब है, यह कार्य करता है | नैन्सी शेवर [21]

---

21. इससे पहले 'कम ये पार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1996 (कैनसस सिटी, एमओ : नाजरीन पब्लिशिंग हाउस), 29 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)

.....

फरवरी 19 **दिन - 50**

आप इकलौते थे

******

और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामें रहे ; क्योंकि जिसने प्रतिज्ञा किया है, वह सच्चा है | और प्रेम और भले कामों में उकसाने के लिए एक दूसरे की चिंता किया करें | एक-दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़े, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहे ; और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आगे देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो | इब्रानियों 10:23-25

"हमें वास्तव में एक दूसरे की जरूरत है" ट्यूबेन वेल्श का प्रसिद्ध और अक्सर उद्धृत वाक्यांश था | इब्रानियों के लेखक ने भी यही माना और हम भी ऐसा ही करते हैं |

प्रारंभिक चर्च अक्सर निजी घरों में मिलते थे | धनी व्यवसायी लुदिया, पौलुस की सेवकाई के अधीन मसीह में विश्वास में आई (प्रेरितों के काम 16:14-15) | बाद में हम पढ़ते हैं, "पौलुस और सिलास बंदीगृह से बाहर आने के बाद लुदिया के घर गए, जहां उन्होंने भाइयों और बहनों से भेंट की और उनका उत्साह बढ़ाया" (16:40) | इस हाउस चर्च मीटिंग का एक प्रमुख लक्ष्य था : "उन्होंने..... उन्हें प्रोत्साहित किया" |

आखिरकार चर्चो को सार्वजनिक सभा स्थानों में स्थापित किया जाने लगा — अक्सर, एक इमारत में आराधना के घर के रूप में अलग रखा गया | इन नई व्यवस्थाओं में भी, इन कलीसियाओं की सभाओं का एक प्रमुख लक्ष्य अभी भी एक दूसरे को प्रोत्साहित करना और एक दूसरे को प्रेम और भले कामों के लिए प्रेरित करना" था |

एक व्यक्ति एक दीक्षित सेवक के पास गया और कहा कि उसने एक संगठित चर्च की आवश्यकता नहीं देखी | उसने आगे बताया कि वह प्रत्येक रविवार को अपनी पत्नी और बच्चों को एक साथ बुलाता था, उन्हें उपदेश देता था और समय-समय पर उन्हें प्रभु भोज देता था — और वह बहुत ही उपयोगी था | लेकिन चुंकि यह सभा केवल एक छोटा परिवार था, किसने उन्हें जवाबदेह ठहराया? उन्होंने अपना दंशमाश किसको दिया? क्योंकि आश्चर्य नहीं कि इब्रानियों के लेखक ने चेतावनी दी कि हमें एक साथ मिलना नहीं छोड़ना चाहिए | सिर्फ एक परिवार से ज्यादा, "हमें वास्तव में एक दूसरे की जरूरत है |"

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, कई सरकारों ने सामाजिक दूरी को बढ़ावा दिया और चर्चों में शारीरिक उपस्थितियों को रोकने का आग्रह किया |

कई चर्चों ने अपने घरों में अपने चर्च के लोगों से संवाद करने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए एक पादरी और कुछ आराधना करने वालों ने एक खाली आराधना स्थल में आराधना की | इन परिस्थितियों में यह एक अच्छी कार्रवाई थी, लेकिन हर जगह मसीही कह रहे थे, "मैं एक साथ चर्च जाने का और अधिक इंतजार नहीं कर सकता"|

एक सेवक अपने नियमित पैरिश के बाहर एक चर्च में एक अतिथि वक्ता था | गैरी, चर्च के कर्मचारियों में से एक पादरी ने उस सेवक को संपर्क किया और चालीस सालों से भी पहले एक अनुभव को सुनाया, जब गैरी और उसकी पत्नी ने एक नये जिले में चर्च का एक कार्य शुरू किया था| उस समय अतिथि वक्ता उसी जिले में सेवारत थे | गैरी ने याद किया, "जब हम पहुंचे, हम किसी को

नहीं जानते थे | आप अकेले थे जिन्होंने हम पर ध्यान दिया | आप और आपकी पत्नी हमें दोपहर के भोजन के लिए बाहर ले गए | कितना चौंकाने वाली घटना है | ऐसा फिर कभी न हो |

इसलिए अपनी भूमिकाएं निभाएं | चर्च में कंधे से कंधा मिलाएं जो बाइबिल के लिए सत्य है और यीशु मसीह का सम्मान करता है | अपने आस-पास के लोगों को "प्यार और अच्छे कार्यों के लिए उकसाएं और "एक दूसरे को प्रोत्साहित करें' | बाद में, लोग यह नहीं कह सकते कि "केवल आप ही थे" बल्कि "आप उन कई लोगों में से एक थे जिन्होंने हमें प्यार किया और हमारी ओर ध्यान दिया |"

.....

फरवरी 20 **दिन - 51**

कोई दूसरा नाम नहीं

******

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं ; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें |
प्रेरितों के काम 4:12

एक व्यक्ति द्वारा, किसी भी मिथक या अंतर्ज्ञान के कारण अपनी इच्छा से जेल में समय गुजारना दुर्लभ होगा | पतरस और यूहन्ना जो मसीह का प्रचार करने के लिए कैद थे, यीशु को उनके जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान में जानते थे — वे निश्चित रूप से जानते थे कि यीशु देह में आने वाला परमेश्वर था |

यद्यपि लंगड़ा व्यक्ति धार्मिक लोगों से घिरे एक धार्मिक स्थान में प्रत्येक दिन बिता रहा था जो लगातार प्रार्थना कर रहे थे, वह कभी भी उनके माध्यम से चंगा नहीं हुआ था | लेकिन यीशु के नाम पर वह तुरंत चंगा हो गया | (प्रेरितों के काम 3:6-7)

हालांकि अधिकारियों ने उसे चुनौती दी, पतरस आत्मा की परिपूर्णता से प्रोत्साहित था (4:8) और उसने यह प्रचार किया कि मसीह केवल चंगाई ही प्रदान नहीं करता है बल्कि उद्धार भी | पतरस अपनी बात में बहुत स्पष्ट था : "क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके" (4:12)

एक वियतनामी पादरी ने एक वर्ष में चालीस सप्ताह से अधिक समय जेल में बिताया | अधिकांश रविवारों को उसने प्रचार किया, फिर अधिकारीगण उसे गिरफ्तार करने और जेल में डालने के लिए पहुंचे | उसकी रिहाई पर उसे, उसकी गिरफ्तारी को रिकॉर्ड करने वाला एक अधिकारीक दस्तावेज दिया गया था | पादरी ने इन दस्तावेजों को इसलिए संभाला क्योंकि वियतनाम में एक चर्च केवल पंद्रह वर्ष के संचालन के बाद पंजीकृत किया जा सकता है — और उसकी गिरफ्तारी के दस्तावेज पंद्रह वर्ष साबित करते हैं | हर समय वह यह प्रचार करता रहा, "उद्धार किसी और में नहीं पाया जाता है" बल्कि मसीह में | 22

---

22. इससे पहले 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ : वर्ड एक्शन पब्लिशिंग को.), 23 | अनुमति द्वारा उपयोग |

.....

फरवरी 21 **दिन - 52**

रविवार कितना पवित्र है

******

तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना |
तू विश्राम दिन को पवित्र मानने के लिए स्मरण रखना | निर्गमन 20:3, 8

सच्चे, अद्भुत, एकमात्र परमेश्वर ने इजराइल को मिस्र की गुलामी से बचाया था | वे केवल उनके लोग होने थे | सीनै पर्वत पर मूसा के साथ एक महत्वपूर्ण भेंट में, परमेश्वर ने दस आज्ञाएं जारी की | उन्होंने तुरंत ही कहा कि, तुम्हारे बीच में कोई दूसरा देवता न हो — केवल "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर" | उन्होंने अपने लोगों की सुरक्षा के लिए नियम जारी किए और उन्हें अपने दिलों और जीवन में प्रथम स्थान पर रखने में मदद की | इनमें से एक नियम सब्त को पवित्र रखना था |

यीशु को सूली पर चढ़ाए जाने के बाद मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम उनकी कब्र पर गए मत्ती 28:1 समय को निर्दिष्ट करता है: "सब्त के दिन के बाद सप्ताह के पहले दिन पौ फटते ही" | जब वे वहां थे, एक स्वर्गदूत ने घोषणा की, "वह यहां नहीं है, परंतु अपनी वचन के अनुसार जी उठा है" (वचन 6) | यीशु मसीह का पुनरुत्थान मसीह के जीवन और सेवकाई में सबसे महत्वपूर्ण घटना बन गया |

जैसे ही नया मसीही चलन फैल गया, मसीही तेजी से सप्ताह के पहले दिन रविवार को मिलने लगे | 1 कुरिन्थियों 16:2 में, पौलुस मसीहीयों से आग्रह करता है, "सप्ताह के पहले दिन तुम में से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करें कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े|" आधुनिक दुनिया में से 95 प्रतिशत रविवार को, जिस दिन यीशु मृतकों में से जी उठे थे, उनकी आराधना का दिन मानते हैं |

सब्त के दिन उनके व्यवहार करने के तरीके के लिए अक्सर उनकी आलोचना की जाती थी ; कुछ फरीसियों ने उन्हें मारने की साजिश भी रची क्योंकि उन्होंने सब्त के दिन चंगाई की थी, जिसने सख्त नियमों का उल्लंघन किया था जिन्हें यहूदियों ने सब्त को पवित्र रखने के लिए बनाया था (मरकुस 3:2-6) | यीशु ने एक आलंकारिक प्रश्न के साथ उनके आक्रोश का उत्तर दिया : "क्या सब्त के दिन भला करना उचित है या बुरा करना, प्राण को बचाना या मारना" (3:4) | पृथ्वी पर अपने समय के दौरान, यीशु ने सब्त की एक नई समझ को प्रकट किया — उन्होंने हमें दिखाया कि "भलाई करना" आराधना के दिन उचित गतिविधि है |

दूसरी बार, यीशु ने आगे इस मुद्दे को एक अन्य प्रश्न के साथ संबोधित किया : तुम में से ऐसा कौन हैं, जिसका गदहा या बैल कुएं में गिर जाए और वह सब्त के दिन उसे तुरंत बाहर न निकालें?" (लूका 14:5) | आराधना के दिनों में आपके बच्चों या जानवरों की आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया करना सही है |

अपने प्रारंभिक जीवन में, मैंने प्रभु दिवस को लापरवाही से माना | थोड़ी सी भी असुविधा मुझे चर्च से दूर रखती थी | लेकिन जब मैंने व्यक्तिगत रूप से मसीह को जाना, तब मैं प्रभु दिवस का सम्मान करने के बारे में बहुत संवेदनशील हो गया | मुझे विश्वास हो गया कि यह आराधना, संगति, सेवा और आराम का दिन है |

एक बार, मैं अपने बचपन के दोस्त और उनके परिवार से मिलने उनके घर जा रहा था | हम चर्च गए | हमारे जाने से पहले मेरे दोस्त की माँ ने ओवन में एक रोस्ट रखा | घर पहुंचने पर हमने देखा कि रोस्ट जल गया था और परिणामस्वरूप धुएं ने पूरे फर्नीचर पर एक तैलिय अवशेष छोड़ दिया था | पहले तो मैं परेशान था — क्या यह आराधना का दिन था या कार्य दिवस? लेकिन मुझे पता था कि मुझे सहायता करने में शामिल होने की जरूरत थी | इसलिए हम सभी ने मिलकर फर्नीचर की सफाई की | यह "कुएं में बैल के गिरने" का मामला था |

आज तक मैं रविवार को आराधना के दिन के रूप में बनाए रखने के प्रति ईमानदार हूं | यदि कोई मिलने आता है तो हमारे साथ चर्च आने के लिए उसका गर्मजोशी से स्वागत है | यदि वे मना करते हैं तो वे जानते हैं कि मेरी प्राथमिकता परमेश्वर के भवन में जाने की होगी | यदि मैं यात्रा कर रहा हूं, तो मैं एक यात्रा का शेड्यूल बनाता हूं जो रविवार को आराधना के दिनों के रूप में रखता है |

मैंने एक बार एक पुरानी कहावत सुनी : यहूदी सब्त को रखते थे और सब्त उन्हें रखता था| मैं विश्वासपूर्ण ईमानदारी से ही कह सकता हूं कि पैंसठ से अधिक वर्षों में जब से मैं पहली बार मसीह से मिला, "मैंने प्रभु का दिन रखा है, और प्रभु के दिन ने मुझे रखा है" | और वह रखना समृद्ध, हर्षित, प्रचुर और भरपूर रहा है |

यहां एक अच्छा अभ्यास है — इस वाक्य को रिक्त स्थान भरकर पूरा करें : "प्रभु मैं आज के दिन चर्च जाना छोड़ रहा हूं क्योंकि आपके साथ रहना उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना --------- है |"

.....

फरवरी 22 **दिन - 53**

क्या मैं आपके समान बनूंगा?

******

यीशू ने उसको उत्तर दिया, "मैं तुझसे सच-सच कहता हूँ, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता "| यूहन्ना 3:3

पर हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ |

2 पतरस 3:18

"यदि मैं आज रात यीशु मसीह को स्वीकार करता हूँ, तो क्या मैं आज रात आपके जैसा हो जाऊंगा क्योंकि आपने कई वर्षों तक मसीह का अनुसरण किया है "| यह मेरे लिए पैगी का खरा और गंभीर प्रश्न था | मैं और चर्च के अन्य दो लोग फ्रैंक और पैगी के साथ उनके बैठक कक्ष में बैठे थे | हमने इस बार विस्तार से चर्चा की, कि मसीह को प्राप्त करने और उसका अनुसरण करने का क्या अर्थ है | हमने समझाया कि जब कोई वास्तव में मसीह को अपने जीवन में स्वीकार करता है तो वह व्यक्ति इतना रूपांतरित हो जाता कि यीशु ने उसे "नया जन्म" कहा |

अब पैगी जानना चाहती थी क्या मसीह को स्वीकार करने के एक मिनट बाद, वह मेरी तरह ही हो जाएगी – कोई ऐसा व्यक्ति जिसने वर्षों तक मसीह का अनुसरण किया था | हमारी बातचीत का अगला भाग कुछ इस तरह था :

"पैगी, आपने मुझे अपने बेटे ब्रेंट के बारे में बताया | वह कितने साल का है? "तीन"

"वह बीजगणित (एल्जेबरा) में कैसा कर रहा है? हैरान होकर उसने जवाब दिया, "वह बीजगणित नहीं करता है |"

"यह सही है | वह पैदा हुआ है | वह वास्तव में जीवित है | वह बोलता है, वह चलता है, वह दौड़ता है, वह खेलता है | वह स्वस्थ और पूर्ण रूप से जीवित है | वह वो सब कुछ है जो तीन वर्ष की आयु में उसे होना चाहिए | लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से वह नहीं है जो वह बनेगा | किसी दिन वह स्कूल जाएगा, गिनतियों को याद करेगा, जोड़ और घटा करना, और फिर गुणा और भाग करना सीखेगा और किसी दिन वह बीजगणित करना सीख जाएगा |

मैंने आगे कहा, जब आपका आत्मिक रुप से नया जन्म होता है, आप वास्तव में पूरी तरह से मसीह में जीवित हो जाते हैं | अब आपके पास एक वास्तविक आत्मिक जीवन है | लेकिन आपके आगे बढ़ने का एक पूरा जीवन है | परमेश्वर आपके साथ धैर्य रखेंगे | वह आपकी कदम-दर-कदम अगुवाई, जैसे आप संभाल पाएं एक मजबूत और अधिक परिपक्व जीवन की ओर करेंगे |

कुछ सबक है जो उन्होंने मुझे मेरे पहले हफ्ते में सिखाया, कुछ उन्होंने मुझे एक साल बाद सिखाया और कुछ पिछले हफ्ते | यह जीने का एक रोमांचक तरीका है, परमेश्वर स्वयं आपको हफ्ते-दर-हफ्ते बढ़ा रहे हैं |"

पैगी संतुष्ट थी | उस रात, फ्रैंक और पैगी दोनों ने अपने जीवन में मसीह को ग्रहण किया और यीशु के साथ एक यात्रा शुरू की | और क्या वे कभी बढ़े |

कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पास दोनों चेतावनियाँ हैं : "नया जन्म लो" और "हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ते जाओ |

.....

फरवरी 23 **दिन - 54**

बढ़ो

******

पर हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ |
2 पतरस 3:18

कल सुबह मेरी सर्जरी हो रही है | कुछ गंभीर नहीं - सिर्फ मोतियाबिंद की सर्जरी | फिर भी वहां पहुंचने के लिए कई सीढ़ियाँ है | अब चौबीस घंटे बाकी हैं, मैंने एक प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षण और तीन बार आई-ड्रॉप्स लिए हैं |

मुझे तब भी आज रात और सुबह अच्छी तरह से अपना चेहरा धोना है ; आधी रात के बाद कोई भोजन और पानी नहीं लेना है : जागने पर केवल कुछ नियत दवाईयाँ लेनी है : किसी को मुझे सर्जरी केंद्र से लाने और ले जाने के लिए के कहना है, अपने सामान को घर पर छोड़ना है, एडमिशन डेस्क पर मेरे स्वास्थ्य के इतिहास के कागज, ड्राइवर लाइसेंस, बीमा कार्ड और क्रेडिट कार्ड प्रस्तुत करना है ; और बहुत कुछ |

ये सभी छोटे कदम एक सफल सर्जरी के लिए उठाए जाते हैं, फिर जीवन भर के लिए दृष्टि में सुधार हो जाता है | मैंने हर कदम सकारात्मक भावना के साथ उठाया है क्योंकि मैं अंतिम परिणाम को चाहता हूं | मेरा मानना है कि यह सब चीजों के योग्य है क्योंकि मेरी पहले ही एक आँख की सफल सर्जरी हो चुकी है, और जीवन अब बहुत अधिक उज्वल है |

पतरस के पास आरंभिक मसीहीयों को लिखी अपनी दो पत्रियों में कहने के लिए बहुत सी बातें हैं | "आत्मा के पवित्र करने के कार्य" (1 पतरस 1:2) ; "जीवित आशा के लिए नया जन्म" (वचन 3) ; स्वर्ग में एक "मीरास" (वचन 4), "पवित्र बनो" (वचन 16) ; और "स्वयं को सब प्रकार के बैरभाव और छल और कपट और डाह और निंदा से दूर करें" (2:1), वह कहते हैं, "नये जन्मे हुए बच्चों के सम्मान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिए बढ़ते जाओ" (2:2) |

आत्मिक जीवन में ऐसे समय आते हैं जब आप छोटे-छोटे कदम उठाते हैं, यह जानकर कि आप भविष्य में महान प्रगति और विजय प्राप्त करेंगे | एक युवा मसीही के रूप में, मैंने हडसन टेलर के स्पिरिचुअल सीक्रेट और रीस हॉवेल के "इंटरसेसर" जैसी महान परिपक्व मसीहीयों की जीवनी पढ़ी| इन व्यक्तियों के पास प्रार्थना और जीत के शानदार जवाब थे | मैंने उनके कारण अपनी आत्मिक जीवन में और अधिक खिंचाव महसूस किया ; लेकिन मुझे पता था कि वहां तक पहुंचने में कई वर्षों का विकास होगा | लेकिन मैं निराश नहीं था कि मैं अभी वहां नहीं था | यहाँ तक कि जब आप इन भक्तिपूर्ण पृष्ठों को पढ़ते हैं, तो आप परमेश्वर द्वारा किए गये महान कार्य को देखेंगे | यह आपको निराशा के बजाय और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित करता है क्योंकि यह अभी तक आपका अनुभव नहीं है |

अपने प्रारंभिक मसीही जीवन में, मैं दिन में दस मिनट प्रार्थना कर सकता हूं और एक दिन में नया नियम का एक अध्याय पढ़ सकता हूं | लेकिन मैं जानता था कि आगे और भी समृद्ध चीजें हैं | एक वक्त पर, मैंने बहुत प्रलोभन महसूस किया और इसके लिए प्रार्थना करने की कोशिश की,

लेकिन नहीं कर सका | अपने आत्मिक मेंटोर के कॉलेज छात्रावास के कमरे तक दौड़ कर जाने और अपना ह्रदय उनके आगे खोल कर रखने के बाद ही मुझे इसका जवाब मिला |

चर्च में जहाँ मैंने हाल ही में मसीह को पाया था | मैंने एक पुराने मसीही को एक असंगत जीवन जीते हुए देखा और उसके बारे में अपने पादरी से शिकायत की | मेरे पादरी ने मुझे प्रोत्साहित किया, धैर्य रखने का परामर्थ दिया, और एक न्यायिक भावना के खिलाफ चेतावनी दी | इन छोटे-छोटे कदमों ने मेरे वर्तमान जीवन को कितना आकार दिया है |

मैं यह सब साझा करता हूँ ताकि आप परमेश्वर के अनुग्रह में बढ़े | मैं जानता हूँ आप ये कर सकते हैं |

.....

फरवरी 24 **दिन - 55**

दरवाजे पर एक दस्तक

******

देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ : यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ |

प्रकाशितवाक्य 3:20

एक तस्वीर एक व्यक्ति के लिए यीशु को अपने दिल और जीवन में ग्रहण करने का माध्यम हो सकती है |

ऊपर वार्नर साल्मन की एक दरवाजे पर दस्तक देते हुए मसीह की एक प्रसिद्ध तस्वीर है | साल्मन के हेड ऑफ़ क्राइस्ट, क्राइस्ट एट हार्ट्स डोर, और अन्य पेंटिंग में मसीह की एक अरब छवियाँ दर्शायी गई है जो दुनिया भर में फैली हुई है |

"क्राइस्ट एट हार्ट्स डोर" प्रकाशितवाक्य 3:20 में लौदीकिया की कलीसिया से की गई अपील पर आधारित हैं | हालांकि यह बुलाहट गुनगुने लोगों के लिए है कि वे अपना चर्च खोलें और मसीह के लिए नए सिरे से जीवन व्यतीत करें, यह एक व्यापक आत्मिक सिद्धांत को भी स्थापित करता है : जहाँ भी एक खुला द्वार होगा, वहाँ एक प्रवेश करने वाला मसीह होगा | इस प्रकार, मार्ग को उद्धार की आवश्यकता वाले व्यक्तियों पर लागू किया जा सकता है |

पिछली चर्चा के बाद फ्रैड और पैटी के साथ मेरी बातचीत का सारांश यहाँ दिया गया है जिसमें सुसमाचार के बारे में उनकी समझ को दिखाया गया है :

चिक शेवर : फ्रेड और पैटी, यहाँ मसीह की एक प्रसिद्ध तस्वीरें है जो दिल के दरवाजे पर दस्तक दे रही है | यह प्रकाशितवाक्य 3:20 पर आधारित हैं, "देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं, यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ"|

दरवाजे के पत्थर के तोरणद्वार पर और फिर लकड़ी के मेहराब के नीचे बाई ओर प्रकाश पर ध्यान दें? प्रकाश तब यीशु के पैरों तक धीरे-धीरे कम हो जाता है | यदि आप अपनी कल्पना का उपयोग करें तो आप दिल के आकार को देख सकते हैं | क्या आप यह देख सकते हैं?

फ्रेड : हां, हम देख सकते हैं |

चिक शेवर : आइए इसे ऐसे समझे कि यीशु आपके दिल के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं | यीशु के पैरों के चारों ओर उग रहे कांटों पर ध्यान दें, मानो वह बहुत समय से दस्तक दे रहे हों | मुझे ऐसा लगता है कि मसीह लंबे समय से आपके दिल के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं | क्या आपको इसका आभास है?

पैटी : मुझे लगता है कि हम दोनों को हां कहना होगा — वह लंबे समय से दस्तक दे रहे हैं|

चिक शेवर : छोटी खिड़की देखें? अंदर अंधेरा है क्योंकि जब मसीह को छोड़ दिया जाता है तो जीवन में हमेशा अंधेरा रहता है | फिर, ध्यान दें कि मसीह केवल दस्तक देते हैं : वह धक्का देकर दरवाजा खोलने की कोशिश नहीं करते | ऐसा इसलिए क्योंकि दरवाजे को अंदर से खुला होना चाहिए|

फ्रैड : मैं समझ गया |

चिक शेवर : उन दिनों में दरवाजे बंद करने का एक सामान्य तरीका दरवाजे के प्रत्येक ओर धातु के एक कोष्ठ (ब्रैकेट) में एक तख्ती लगाना होता था | दरवाजा खोलने के लिए, अंदर वाले को तख्ते को कोष्ठ से बाहर और दरवाजे के एक तरफ धकेलना होगा | प्रकाशितवाक्य 3:20 से पहले का वचन 'मन फिरा' के शब्द के साथ समाप्त होता है | यदि हम अपने ह्रदय का द्वार मसीह के लिए खोलना चाहते हैं, तो हमें परमेश्वर से कहना चाहिए कि हमें अपने पापों के लिए खेद है और परमेश्वर की सहायता से हम अपने पापों से मन फिराते हैं | इस तस्वीर की छवि में, यदि हम वास्तव में मसीह के लिए द्वार खोलना चाहते हैं, तो हमें पाप की तख्ती को दूर धकेलना होगा | क्या यह आपको समझ में आ रहा है?

फ्रेड : हाँ, निश्चित ही |

पैटी : हाँ, आ रहा है |

चिक शेवर : यदि आप मसीह के लिए अपने दिल का दरवाजा खोलते हैं तो, वह अंदर आने का वादा करते हैं | लेकिन आपको यह समझना चाहिए कि जब आप उस दरवाजे को खोलते हैं तो, आप उन्हें उद्धारकर्ता के रूप में, अपने सभी पापों के क्षमादाता के रूप में और प्रभु के रूप में और अपने जीवन के अगुवे के रूप में स्वीकार कर रहे हैं | इसका मतलब है कि अभी से शुरू करके, आप वही करेंगे जो वह आप से कराना चाहते हैं | उन्हें फैसला करने दें | क्या आप यह करने को तैयार हैं?

फ्रेड : हाँ, मैं हूँ |

पैटी हाँ में सिर हिलाती है |

कल की भक्तिमय रचना आपको बताएगी कि आगे क्या हुआ |

.....

फरवरी 25 **दिन - 56**

एक तस्वीर की सामर्थ्य

******

मैं जिन जिन से प्रेम करता हूँ, उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ ; इसलिए सरगर्म हो और मन फिरा | देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ : यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ |

प्रकाशितवाक्य 3:19-20

चिक शेवर : मुझे ऐसा लगता है, फ्रेड और पैटी कि मसीह अभी आपसे पूछ रहे हैं कि क्या आप उसे और उसके अनंत जीवन के उपहार को मसीह के लिए अपने दिल का दरवाजा खोलकर प्राप्त करना चाहते हैं | अगर मैं आपके साथ प्रार्थना करके ऐसा करने में आपकी मदद करना चाहूं, तो क्या आप यह करना चाहेंगे |

पैटी : ओह, हाँ |

फ्रेड : मैं यही करना चाहता हूँ |

चिक शेवर : क्या आप अपनी खुद की प्रार्थना करना चाहेंगे, या मेरे बाद प्रार्थना दोहराना चाहेंगे यदि आप दिल से ऐसा चाहते हैं?

फ्रेड : आप प्रार्थना करें और हम आपके पीछे दोहराएंगे |

मैंने निम्नलिखित प्रार्थना की और उन्होंने मेरे पीछे दोहराया |

चिक शेवर : हे परमेश्वर, मुझे अपने पापों के लिए खेद है और आपकी सहायता से मैं उनसे मन फिराता हूँ | अभी मैं आपके लिए अपने हृदय का द्वार खोलता हूँ, यीशु! मैं आपको मेरे सभी पापों को क्षमा करने वाले और मेरे जीवन का नियंत्रण लेने वाले के रूप में स्वीकार करता हूँ | मैं अभी, आपको अपने हृदय और जीवन में ग्रहण करता हूँ | आमीन |

फिर मैंने कई प्रश्नों को पूछने के दौरान उनसे सिर झुकाए रखने के लिए कहा |

चिक शेवर : फ्रेड, क्या आपने परमेश्वर के सामने दिल से अपने पापों के लिए खेद व्यक्त किया और मन फिराने को कहा?

फ्रेड : हाँ, दिल से |

चिक शेवर : क्या आपने दिल से यीशु को अपने हृदय में आने और अपने जीवन का अगुवा बनने के लिए कहा?

फ्रेड : हाँ, दिल से |

चिक शेवर : यीशु ने कहा यदि कोई दिल का दरवाजा खोलेगा, तो वह अंदर आ जाएंगे | क्या आप सोचते हैं कि वह सच में ऐसा करेंगे?

फ्रेड : हाँ, वह करेंगे |

चिक शेवर : यदि आप अपने पापों से सच में मन फिराते हैं : यदि आप सच में अपने दिल का दरवाजा खोलते हैं ; और यदि यीशु ने कहा कि यदि तू द्वार खोलेगा, तो वह भीतर आ जाएंगे ; तो अभी यीशु कहां है?

फ्रेड : वह मेरे दिल में है |

हमारी बातचीत के अंत में, फ्रेड बहुत गंभीर हो गया और मैंने पैटी से इसी तरह के प्रश्न पूछे| उसने मुझसे कहा, "वह मेरे दिल में है," और रोने लगी |

हम सब ने सिर उठाया | मैंने उनसे हाथ मिलाया और कहा, "परमेश्वर के राज्य में आपका स्वागत है, वे सभी मुस्कुरा रहे थे | बड़ी मुस्कुराहट |

मैंने तुरंत उनके साथ एक शिष्यता प्रक्रिया की शुरुआत की जिसमें उन्हें 'बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स' करना शामिल था | मैंने यीशु की तस्वीर ली और उसके पीछे की तरफ लिखा : "फ्रेड स्मिथ ने 13 फरवरी 2018 को मसीह के लिए अपने दिल का दरवाजा खोला — प्रकाशितवाक्य 3:20" | मैंने फ्रेड को आत्मिक जन्म प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा और मेरे साथ आने वाले किसी अन्य को भी हस्ताक्षर करने के लिए कहा | मैंने पैटी को भी ऐसी ही समान तस्वीर दी और समान शब्द कहे |

दरवाजे पर मसीह की दस्तक की तस्वीर सुसमाचार संदेश का एक प्राकृतिक चित्रण है जिसमें पेंटिंग के प्रत्येक तत्व आपको यह याद दिलाते हैं कि आगे क्या कहना है | एक तस्वीर की सामर्थ्य, दरवाजे पर दस्तक | क्या आपने मसीह को अपने हृदय और जीवन में आमंत्रित किया है? क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसे आपको इस तस्वीर के अर्थ को समझाने की आवश्यकता है |

.....

फरवरी 26 **दिन - 57**

प्रभु आपको आशीष दें

******

और उसी दिन यहोवा ने रात को उसे दर्शन देकर कहा, "मैं तेरे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ, मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ, और अपने दास अब्राहम के कारण तुझे आशीष दूंगा, और तेरा वंश बढ़ाऊँगा | तब उसने वहाँ एक वेदी बनाई, और यहोवा से प्रार्थना की, और अपना तंबू वहीं खड़ा किया, और वहाँ इसहाक के दासों ने एक कुआं खोदा |

उत्पत्ति 26:24-25

आइए उपरोक्त अवतरण के संदर्भ को संक्षेप में प्रस्तुत करें :

- इसहाक के साथ प्रभु की व्यक्तिगत मुलाकात हुई |
- यहोवा ने इसहाक से कहा कि मत डर | क्यों? क्योंकि यहोवा उसके साथ रहेगा |
- परमेश्वर ने इसहाक को आशीष देने और उसे कई वंशज देने का वादा किया |
- इसहाक ने इस मुलाकात को हल्के में नहीं लिया | उसने तुरंत एक वेदी बनाई और यहोवा की उपासना की |
- इसहाक कि आशीष में परमेश्वर की उपस्थिति : शारीरिक कष्टों से तत्काल राहत (एक सख्त सुखी जगह में पानी का एक सफल कुआँ) : और वंशजों की एक श्रृंखला जिसके परिणामस्वरूप यीशु मसीह का जन्म हुआ शामिल था |

बाइबिल में, एक आशीष अच्छे के लिए प्रदान किया जाता है — अक्सर एक सामग्री और एक आत्मिक आशीष

मत्ती 7:11 प्रार्थना पर यीशु की शिक्षा को याद करता हूं : "अतः जब तुम बुरे होकर, अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को अच्छी वस्तुएं क्यों न देगा" लूका 11:13 आगे बताता है कि यीशु ने उस समय क्या कहा था : "अतः जब तुम बुरे होकर अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा |" जाहिर है, पवित्र आत्मा सभी उपहारों में सबसे अच्छा है | कोई आश्चर्य नहीं कि हम कहते हैं कि जो कोई भी पवित्र आत्मा को प्राप्त करता है वह वास्तव में धन्य है | जब आपके पास पवित्र आत्मा है तो आपके पास परमेश्वर स्वयं है |

उसकी पवित्रता की परिपूर्णता में आत्मा को प्राप्त करना क्या ही आशीष है | गलतियों 5:25 कहता है, "यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं तो आत्मा के अनुसार चलें भी |" इसे वास्तव में "आशीष में रहना" कहा जा सकता है |" प्रभु आपको आशीष दें |

.....

आत्म-अनुशासन

******

इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूं, परन्तु लक्ष्यहीन नहीं ; मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूं, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है | परन्तु मैं अपनी देह को मारता कूटता और वश में लाता हूं, ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके मैं आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूँ |
1 कुरिन्थियों 9:26-27

क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि वह व्यक्ति जिसने यह कहा, "क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है : और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है" (इफिसियों 2:8)", और, "परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, जयवंत से भी बढ़कर है" (रोमियों 8:37), और, "मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित यीशु मसीह में है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरा करेगा (फिलिप्पियों 4:19) |

वह आत्म-अनुशासन पर इतना जोर देगा ; जैसे कि मैं अपने देह को मारता-कूटता और वश में लाता हूं" ?

मैंने अपने युवा मित्र जिसने हाल ही में मसीह को ग्रहण किया था और जिसकी पृष्ठभूमि शराब के गंभीर दुरुपयोग की थी, से कहा, "आप एक ड्रिंक भी नहीं ले सकते" | एक और मित्र अक्सर अधिक खाने और अधिक वजन से पराजित महसूस करती थी, लेकिन मैंने उसे अंत में अपने खाने को अनुशासित करते हुए और अपने वजन को नियंत्रण में लाते हुए देखा |

मैंने दो सेकंड के नियम के साथ विचारोत्तेजक टीवी सीन की पहली झलक का सामना करके अपने वैचारिक जीवन में परमेश्वर का सम्मान करने का फैसला किया | दो सेकेंड के भीतर, मैं चैनल बदलने के लिए रिमोट का उपयोग करूंगा |

परमेश्वर ने आपको भले ही साफ दिल दिया हो लेकिन आपको जीवन के दुखों के बारे में अपनी भावनाओं को अनुशासित करना होगा | डॉ. जिम डिल ने एक बार कहा था कि यदि आप यीशु को अपना दिल नहीं देते हैं तो चोट कड़वाहट बन सकती है, जो नाराजगी बन सकती है, जो नफरत बन सकती हैं |

उन्होंने कहा, "यदि आप आत्म-अनुशासन नहीं करते हैं तो आप कभी भी जीत में नहीं रहेंगे"| यहाँ तक कि प्रेरित पौलुस ने भी आत्म-अनुशासित किया ताकि वह "पुरस्कार के लिए अयोग्य घोषित न हो" |

और आत्म-अनुशासन का अंतिम परिणाम क्या है? जिस महिला ने वजन कम किया था उसने मुझे बताया कि वह अपने बारे में अच्छा महसूस करती है, विजयी महसुस करती है और आनंद का अनुभव करती है | कल्पना कीजिए कि जब आप अपने जीवन में आत्म-अनुशासन के फल देखेंगे तो आपको कैसा लगेगा | जब आप स्वयं को अनुशासित करने के लिए परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करते हैं तो विजय प्राप्त होती है | आप उद्देश्य के साथ दौड़ में भाग लेंगे और अच्छी तरह से समाप्त करेंगे|

.....

फरवरी 28 **दिन - 59**

इतनी हत्याएं क्यों?

******

और तेरा परमेश्वर यहोवा उन्हें तेरे द्वारा हरा दे, और तू उन पर जय प्राप्त कर ले ; तब उन्हें पूरी रीति से नष्ट कर डालना, उनसे न वाचा बांधना, और न उन पर दया करना और न उनसे ब्याह शादी करना, न तो अपनी बेटी उनके बेटे को ब्याह देना, और न उनकी बेटी को अपने बेटे के लिए ब्याह लेना | क्योंकि वे तेरे बेटे को मेरे पीछे चलने से बहकाएंगी, और दूसरे देवताओं की उपासना करवाएंगी ; और इस कारण यहोवा का कोप तुम पर भड़क उठेगा, और वह तेरा शीघ्र सत्यानाश कर डालेगा |
व्यवस्थाविवरण 7:2-4

"जब तेरा परमेश्वर यहोवा उन्हें तेरे सामने से निकाल चुके तब यह न सोचना कि यहोवा तेरे धर्म के कारण तुझे इस देश का अधिकारी होने को ले आया है, किन्तु उन जातियों की दुष्टता ही के कारण यहोवा उनको तेरे सामने से निकालता है |"
व्यवस्थाविवरण 9:4

"पुराने नियम में इतनी हत्याएं क्यों है?" एक प्रश्न है जो मुझसे इन वर्षों में कई बार पूछा गया है| मैं मानता हूं कि यह परेशान करने वाला है |

यहाँ इस विषय पर कुछ विचार दिए गए हैं :

1. इजराइल को जातियों पर अधिकार इजराइल की धार्मिकता के कारण नहीं बल्कि उन जातियों की दुष्टता के कारण लेना है (व्यवस्थाविवरण 9:4) वे दुष्ट हैं |
2. इजराइल को इन आबादियों को पूरी तरह से नष्ट करना है | यदि वे ऐसा नहीं करते हैं और अन्य जातियों की बेटियाँ इजराइल के पुत्रों से विवाह करती हैं, तो बेटियाँ अंततः इजराइल को झूठे देवताओं की उपासना करने के लिए आकर्षित करेंगी | परमेश्वर एक नये देश को स्थापित करने का प्रयास कर रहा है जिसमें उन्हें एकमात्र सच्चे परमेश्वर के रूप में सम्मानित किया जाता है | (व्यवस्थाविवरण 7:3-4)
3. दुष्ट जातियों का पूर्ण विनाश इस बात का चित्र है कि आत्मिक जीवन कैसा होना चाहिए — हमारे हृदयों और जीवनों से सभी पापों को दूर करना, और एक सच्चे परमेश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण | कोई प्रतिद्वंदी नहीं हो सकता — हमारे हृदय सौ प्रतिशत परमेश्वर के होने चाहिए |

यीशु के हमारी दुनिया में आने के बाद, हम एक नया प्रभाव देखते हैं | वह, वह पूरा करता है जिसे पुराने नियम ने चित्रित किया था, और अब हमारे पास एक नया नियम है |

1. यीशु सिखाते हैं, "अपने बैरियों से प्रेम रखो और अपने सताने वालों के लिए प्रार्थना करो" (मत्ती 5:44) | हमें तलवार के लिए नहीं बल्कि प्रेम करने के लिए बुलाया है : "बुराई से न हारो, परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो" | (रोमियों 12:21)
2. हमें अपने जीवन में किसी भी प्रकार की बुराई को नहीं आने देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि वे हमें पाप के जीवन में वापस खींच ले : "तो आओ, हर एक रोकनेवाली

वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़े (इब्रानियों 12:1)

3. परमेश्वर मसीहीयों को हमारे पूरे जीवनों के पूर्ण समर्पण के लिए कहते हैं : "इसलिए हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूं कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ — यही तुम्हारी सच्ची और आत्मिक सेवा है" (रोमियों 12:1) | नया नियम हमारे जीवन के सभी बुराइयों को पूरी तरह से मारने की बात भी करता है | जैसा कि पौलुस इसे कहता, "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझे में जीवित है" (गलतियों 2:20) |

इस तरह की हत्या मुझे आज सबसे ज्यादा प्रभावित करेगी — पाप की हत्या | मत्ती 5:8 कहता है, "धन्य है वे जिन के मन शुद्ध है, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे |" क्या आप जिन के मन शुद्ध हैं उनमें से एक बनना चाहेंगे?

.....

मार्च 1 **दिन - 60**

परमेश्वर ने हमें इतना प्यार किया

******

हे प्रियों, हम आपस में प्रेम रखें ; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से हैं | जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है |

1 यूहन्ना 4:7

रीस हॉवेल्स का कमरा मिशन हाउस के बेसमेंट में था | वह वहाँ रहने वाला इकलौता इंसान था | लेकिन रीस ने कहा कि रात के दौरान वहाँ परीदर्शक आते — रेंगनेवाले जंतु है जो गर्म मौसम में पनपते हैं | एक सुबह, जब वह ओटमील और चीज़ का नाश्ता खाने के लिए तैयार हुआ तो उसने पाया कि कीड़ों ने उसे खाया हुआ था | पहले रीस अपने दोस्त के प्रति कठोर भावनाएं रखता था जिसने उसे रहने के लिए ऐसी जगह दी थी | तब परमेश्वर ने रीस से कहा कि यीशु ने उससे तब भी प्रेम किया जब उसने यीशु के साथ उसने भी बुरा व्यवहार किया था जितना उसके मित्र ने उसके साथ किया था |

उस उष्णकटिबंधीय द्वीप की पहाड़ियों पर, रीस ने प्रार्थना की | उसने अपने मित्र के बारे में सोचना बंद कर दिया और उस उद्धारकर्ता को देखा जो अपने मारने वालों से प्रेम करता था | जब तक परमेश्वर ने रीस के आंतरिक स्वभाव पर कार्य किया, तब तक उसमें पवित्र आत्मा ने उस व्यक्ति के लिए पूर्ण प्रेम दिया जिसने उसके साथ अन्याय किया था | यहाँ कोई अनुकरणीय क्षमा नहीं है — जब रीस ने देखा कि "परमेश्वर ने उसे बहुत प्यार किया", तो वह उससे भी प्रेम करने में सक्षम हो गया जिससे प्रेम करना बहुत मुश्किल है |23

---

23. इससे पहले 'कम ये अपार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च,1964 (कैनसस सिटी, एमओ ; नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 36 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया) |

.....

मार्च 2 **दिन - 61**

यदि तेरे भाई या बहन तेरे विरुद्ध अपराध करें तो जा...

******

"यदि तेरा भाई तेरे विरुद्ध अपराध करें, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा ; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया | यदि वह न सुने तो एक या दो जन को अपने साथ और ले जा | मत्ती 18:15-16a

ऊपर दिया गया अनुच्छेद जो वर्णन करता है वह बहुत अधिक अपेक्षाएं रखने वाला, बहुत कठिन, खतरे से भरा हुआ लगता है — कई लोग जो ऊपर कहा गया है उसे करने से बचेंगे | फिर भी ये तथ्य पाप में पकड़े गए भाई या बहन के परिदृश्य के बारे में स्पष्ट हैं :

- पाप घातक हैं, और यह व्यक्ति मूल्यवान है |
- मसीही एक दूसरे की परवाह करते हैं |
- जो पाप करता है उसे बहाल किया जा सकता है |

यह इतना बड़ा मुद्दा था कि यीशु ने सिखाया की वफादार चरवाहा निन्यानबे भेड़ों को एक खोई हुई भेड़ को खोजने के लिए छोड़ देगा | फिर उसने निष्कर्ष निकाला, "इसी रीती से तुम्हारा पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं रखता कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो" (मत्ती 18:14) |

मैं एक युवा पादरी था और कैल हमारे नवगठित चर्च में संडे स्कूल अधीक्षक चुने गए थे | एक रात मुझे एक गुमनाम फोन आया | अज्ञात फोन करने वाले ने कहा, क्या आप जानते हैं कि कैल नशे में हैं और अभी किसी अन्य महिला के घर पर हैं?"

उस फोन के बाद, मुझे लगा कि मुझे वहाँ जाना होगा — वहाँ नशे में धुत कैल मुझे दरवाजे पर मिला और उसने मुझे गालियाँ दी | मैंने उसे पाप में पकड़ा था | मैं घर लौटा और सलाह के लिए अपने जिला अधीक्षक को बुलाया | उसने मुझसे कहा, "तुम्हारे नये चर्च के लोग कैल को उससे ज्यादा जानते हैं, जितना वे तुम्हें जानते हैं | वे उसके खिलाफ तुम्हारी बातों पर विश्वास नहीं करेंगे | अपने चर्च बोर्ड को बताएं कि तुम्हें क्या पता चला है | दो या तीन लोगों को अपने साथ ले जाएं कैल को अपने आदमियों के सामने उसके पीने की समस्या को स्वीकार करने के लिए कहें | संडे स्कूल अधीक्षक के पद से उसका इस्तीफा ले लें |"

चर्च बोर्ड सहमत हो गया; हमने तीन आदमियों को चुना | बोर्ड ने उस रात कैल के लिए प्रार्थना की, और तीनों आदमियों ने कहा कि वे घर में कैल कै लिए प्रार्थना करना चाहते हैं | तो हम उससे मिलने गए |

जब हम उसके घर पहुँचे, कैल जो अब शांत हो चुका था, ने अपनी शराब की समस्या को स्वीकार किया | मैंने उससे इस्तीफा मांगा, उसने याचना की कि "मुझे अपनी नौकरी पर रहने दें और मैं अपने शराब पीने की आदत पर विजय प्राप्त करूंगा |"

मैंने कहा, "नहीं, आप अपने शराब पीने की आदत पर जय प्राप्त करें और फिर बाद की तारीख में चर्च तय करेगा कि क्या आप उस भूमिका में सेवा कर सकते हैं |" वह अनिच्छा से सहमत

हुआ | और ओह, आपको बोर्ड के सदस्यों द्वारा उसके लिए की गई करुणामय प्रार्थनाओं को सुनना चाहिए था |

हमने एक नया अधीक्षक चुना और चर्च के लोगों ने कैल को प्यार, प्रार्थना और जवाबदेही से घेर लिया | कैल चर्च में रहा और उसकी पत्नी ने बोर्ड के सदस्य और दूसरों के लिए एक वफादार उदाहरण के रूप में काम करना जारी रखा | उनका पुत्र कलीसिया और राज्य के लिए बचाया गया था|

यह कठिन था, लेकिन हमने पाप करने वाले भाई का सामना करने में बाइबिल के सिद्धांतों का पालन किया | और इसलिए एक खोई हुई भेड़ को वापस भेड़शाला में लाया गया |

.....

मार्च 3 **दिन - 62**

मैं जा रहा हूँ – वह आ रहा है

******

तौभी मैं तुमसे सच कहता हूँ कि मेरा जाना तुम्हारे लिए अच्छा है; क्योंकि यदि मैं न जाऊं तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा ; परंतु यदि मैं जाऊंगा, तो उसे तुम्हारे पास भेजूंगा |

थॉमस एडिसन को इतिहास में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में एक हजार से अधिक पेटेंट के मालिक होने के लिए जाना जाता था | उन्होंने बिजली के बल्ब का आविष्कार किया | लेकिन उनका प्रकाश बल्ब चला गया है, और अब यह हमारे अच्छे के लिए है कि हम एलईडी बल्ब और अन्य आधुनिक बेहतर बल्बों का उपयोग करते हैं |

एक समय पर, हेनरी फोर्ड ने एडिसन को 1916 का फोर्ड मॉडल-टी दीया था | मॉडल-ए और मॉडल-टी के शुरुआती दिनों में, आप 450 $ में एक नई फोर्ड खरीद सकते थे | अब मॉडल-टी का चलन खत्म हो गया है और, हमारे अच्छे के लिए, कहीं बेहतर कारें उपलब्ध हो गई है |

यीशु ने तीन साल तक अपनी सामर्थ्यशाली सेवकाई का संचालन किया, लेकिन वह उस क्षेत्र से आगे कभी नहीं गए जिसे हम फिलिस्तीन के नाम से जानते हैं | जैसे-जैसे वह क्रूस पर मृत्यु के निकट आ रहे थे, उनके शिष्य काफी पीड़ा में थे | उन्होंने उन्हें यह कहते हुए दिलासा दिया, "यह तुम्हारे भले के लिए है कि मैं जा रहा हूं" क्योंकि, "यदि मैं जाऊंगा, तो मैं उसे (सहायक, पवित्र आत्मा) तुम्हारे पास भेजूंगा" पवित्र आत्मा एक ही समय में दुनिया में कहीं भी मौजूद और काम करने में सक्षम होगा |

यीशु ने कहा, "जब वह सहायक आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूंगा, सत्य की आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है – तो वह मेरी गवाही देगा" (यूहन्ना 15:26) | आत्मा का प्रमुख कार्य यीशु की ओर संकेत करना, यीशु का प्रतिनिधित्व करना है | जब आप मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, तो यह आत्मा ही है जो मसीह को आपके लिए वास्तविक बनाती हैं | यूहन्ना 3:8 इसे "आत्मा से जन्मा" कहता हैं |

रोमियों 8:9 पवित्र आत्मा को "मसीह का आत्मा" कहता है |

अपने महान विशेषाधिकार के लिए परमेश्वर की पवित्र आत्मा पर विचार करें | हम सभी आशीषों के बारे में सोचें जो वह आप को देना चाहते हैं :

- मैं पिता से विनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे – अर्थात सत्य का आत्मा जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और ना उसे जानता है ; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा" (यूहन्ना 14:16-17) |
- "परंतु सहायक अर्थात पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह सब तुम्हे स्मरण कराएगा" (यूहन्ना 14:26) |
- "वह आकर संसार को पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में निरुत्तर करेगा" (यूहन्ना 16:8) |

- "परंतु जब वह अर्थात सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हे सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से नहीं कहेगा.....वह मेरी महिमा करेगा" (यूहन्ना 16:13-14)|
- "परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे : और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे" (प्रेरितों के काम 1:8) |
- इस प्रकार सारे यहूदिया और गलील...और उसकी उन्नति होती गई | और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शांति में चलती और बढ़ती गई (प्रेरितों के काम 9:31)|
- "अतः वे पवित्र आत्मा के भेजे हुए सिलूकिया को गए" (प्रेरितों के काम 13:4) |
- "इसलिए अपनी और पूरे झुंड की चौकसी करो जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है" (प्रेरितों के काम 20:28) |
- "इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं" (रोमियों 8:14) |
- "इसी रीती से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है ; क्योंकि हम नहीं जानते कि प्रार्थना किस रीती से करना चाहिए, परंतु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर, जो बयान से बाहर है, हमारे लिए विनती करता है" (रोमियों 8:26) |
- और भी अधिक!

रीस हावेल, एक वेल्श लेमैन (1879-1950), बाइबिल कॉलेज ऑफ वेल्श के संस्थापक, बहुत प्रार्थना करने वाले व्यक्ति थे | हालांकि उन्होंने मसीह को स्वीकार कर लिया था और आत्मा से पैदा हुए थे | उन्होंने बाद में, पवित्र आत्मा के साथ, गहन मुलाकात के बारे में गवाही दी : "उसने (पवित्र आत्मा ने) मुझसे कहा, "जैसे उद्धारकर्ता का शरीर था, वैसे ही मैं विश्वासी के पवित्र मंदिर में रहता हूँ| मैं एक व्यक्ति हूँ | मैं परमेश्वर हूँ, और मैं आपको अपना शरीर मुझे देने के लिए कहता हूँ ताकि मैं इसके माध्यम से कार्य कर सकूं | मुझे अपने मंदिर के लिए एक शरीर की आवश्यकता है (1 कुरिन्थियों 6:19) | इसका मतलब था कि मेरे गिरे हुए स्वभाव का प्रत्येक अंश और क्रूस पर जाना था, और वह अपने स्वयं के जीवन और अपने स्वयं के स्वभाव को लाएगा" |24

वह क्या है जो अभी आप चाहते हैं कि पवित्र आत्मा आपके लिए करें? क्या आप आत्मा से पैदा हुए हैं? क्या आप आत्मा से भरे हुए हैं? क्या आशीष है — पवित्र आत्मा आ गया है |

---

24. नार्मन ग्रब, रीस हॉवेल्स, इंटरसेसर : द स्टोरी ऑफ ए लाइफ लिव्ड फॉर गॉड (फिलडिल्फिया) : क्रिश्चियन लिटरेचर, क्रूसेड, 1952), 36 |

.....

मार्च 4 **दिन - 63**

जो कुछ भी

******

इसलिए तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो |
1 कुरिन्थियों 10:31

जब कोई, "जो कुछ भी" कहता है, इसका आमतौर पर मतलब "उपेक्षा" होता है | परंतु इसका वह अर्थ नहीं था जब पौलुस ने कहा, "तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो |" पौलुस के "जो कुछ भी" का मतलब पूर्ण रूप से सोच थी कि सब जीवन परमेश्वर की महिमा के लिए जिये जाएं |

भले ही उन्हें बाजार से खरीदा हुआ मांस खाने की अनुमति दी गई हो, लेकिन संबंधित मसीही ऐसा करने से परहेज करेंगे यदि इससे दूसरे के विवेक को ठेस पहुंचे | हम कलीसिया को दिए गए पौलुस के संदेश को इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत कर सकते हैं :

- छोटी से छोटी बातों में सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करें |
- बहुतों की भलाई को ध्यान में रखें |
- सबसे बड़ी भलाई यह है कि लोगों को बचाया जाए |
- मेरे उदाहरण का अनुसरण करें, जैसे मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ |

मसीह को ग्रहण करने के बाद, एक व्यक्ति संवेदनशील हो गया | उसने पानी पीने के लिए भी परमेश्वर का शुक्रिया अदा किया | अब वह अपने मुंह में सिगरेट रखकर यह प्रार्थना नहीं कर सकता था, 'हे परमेश्वर इस सिगरेट के लिए धन्यवाद | इसे मेरे शरीर की शक्ति और आपकी सेवा के लिए आशीषित करें"| इसलिए उसने इसे छोड़ दिया |

एक महिला जिसे मैं जानता हूँ, अपने आस-पास के लोगों के साथ समय बिताने, उनका ख्याल रखने, मनोरंजन करने और आमंत्रित करने के लिए विशेष प्रयास किए | अब उसकी सहेली और सहेली के पति ने मसीह को ग्रहण कर लिया और चर्च में सक्रिय हैं | डॉ. लैरी गार्मिन ने पेरू के जंगल में भारतीयों तक पहुँचने के लिए अपनी मातृभूमि छोड़ दी | दोनों ही मामलों में ये विश्वासी "बहुतों की भलाई..... चाहते थे, ताकि वे भी बचाए जा सके" | वे 'जो कुछ भी' कर रहे हैं, 'परमेश्वर की महिमा के लिए' कर रहे हैं | 25

---

25. इससे पहले 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एम ओ : वर्डएक्शन पब्लिशिंग कं), 14 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग किया गया |

.....

मार्च 5 **दिन - 64**

जीत की अपेक्षा करो

******

फिर मैंने पवित्र नगर नये यरुशलेम को स्वर्ग में परमेश्वर के पास उतरते देखा | वह उस दुल्हिन के समान थी जो अपने पति के लिए सिंगार किए हो | प्रकाशितवाक्य 21:2

जो जय पाए वही इन वस्तुओं का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊंगा और वह मेरा पुत्र होगा | प्रकाशितवाक्य 21:7

"क्या आपके पास जीत हैं" मेरे प्रिय पादरी फेरिओली ने मेरे चर्च में आने पर हर रविवार मुझसे यही प्रश्न पूछा | मैं एक मसीह बच्चा था, जो एक बहुत ही धर्मनिरपेक्ष आईवी लीग कैंपस में रहता था जो दवाबों और प्रलोभनों से घिरा हुआ था | मेरे चल रहे मसीही जीवन के लिए उनकी चिंता के आलोक में पादरी का प्रश्न मान्य था | यह प्रश्न प्रकाशितवाक्य के लेखक यूहन्ना के लिए भी मान्य था | उसने देखा कि लोगों का एक समूह पवित्र नगर, नया स्वर्ग, नई पृथ्वी (21:1-2), "विजयी"|

इससे पहले अध्याय 2 और 3 में यूहन्ना ने साथ कलीसियाओं के लिए मसीह के संदेश को अभिलेख करने में इस मुद्दे पर बार-बार जोर दिया :

- इफिसुस को – मसीह के लिए अपना पहलासा प्रेम छोड़ने पर मन फिरा; तब तू जय पाएगा| (प्रकाशितवाक्य 2:7)
- स्मुरना को – कष्ट झेलने तक और प्राण देने तक मसीह के प्रति विश्वासी रह ; तब तू जय पाएगा | (प्रकाशितवाक्य 2:10-11)
- पिरगमुन को – झूठी शिक्षा ग्रहण करने से मन फिरा : तब तू जय पायेगा | (प्रकाशितवाक्य 2:14-17)
- थुआतीरा को – परमेश्वर की इच्छा के अनुसार अंत तक करता रहे : तब तू जय पायेगा | (2:26)
- सरदीस को – जागृत हो | तुम आत्मिक रूप से मर चुके हो और तुम्हारे काम अधूरे हैं| मन फिरा : तब तो जय पाएगा | (3:1-5)
- फिलदिलफिया – जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह : तब तू जय पाएगा | (3:11-12)
- लौदीकिया को – अपने गुनगुनेपन से मन फिरा और अपने हृदय, जीवन और कलीसिया को मसीह के लिए नए सिरे से खोल दें : तब तू जय पाएगा | (3:15-21)

इससे पहले, यूहन्ना ने आरंभिक मसीहीयों को समान पत्र लिखा | 1 यूहन्ना 1:7 में उसने कहा, "पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू, हमें सब पापों से शुद्ध करता है |" यह वर्णन करने का एक और तरीका है कि विजयी होने का क्या अर्थ है | तो आप क्या कहते हैं? क्या आपके पास जीत है?

.....

मार्च 6 **दिन - 65**

परमेश्वर के पास एक सेना है

******

सब बातों का अंत तुरंत होने वाला है ; इसलिए संयमी होकर प्रार्थना के लिए सचेत रहो | सब में श्रेष्ठ बात यह है कि एक दूसरे से अधिक प्रेम रखो क्योंकि प्रेम अनेक पापों को ढ़ाँप देता है | बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे का अतिथि सत्कार करो | जिसको जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के भले भण्डारियों के समान एक दूसरे की सेवा में लगाएं |

1 पतरस 4:7-10

2020 में, हमारे शहर और आसपास के प्रांतों द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसमें लोगों को घर पर रहने की आवश्यकता थी जब तक कि उनकी गतिविधियाँ स्वयं या दूसरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए आवश्यक न हो | यह आदेश 2020 में दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस के प्रसार को धीमा करने का प्रयास था |

गंभीर उत्पीड़न और चुनौती के एक और दिन में, पतरस ने मसीहीयों को प्रार्थना करने, प्यार करने, आतिथ्य प्रदान करने या उनके पास जो भी उपहार थे उसका उपयोग दूसरों के लिए करने का निर्देश लिखा | उनके दिनों में और हमारे दिनों में, सबसे कठिन समय में, परमेश्वर के पास अभी भी एक सेना है ; लाखों वफादार मसीही जो दूसरों की सेवा करने के लिए उनके पास जो भी उपहार हैं उनका उपयोग करते हैं |

इस संकटकाल में, कई मसीहीयों ने मुझे बताया कि वे प्रार्थना कर रहे हैं कि परमेश्वर इस संकट का उपयोग लोगों को अपनी ओर खींचने के लिए करेंगे ; कि वह वैज्ञानिकों को इलाज या टीका खोजने के लिए सशक्त करेंगे, कि वह चिकित्साकर्मियों और बीमारों की देखभाल करने वाले अन्य लोगों को सामर्थ्य देंगे, और वह यह सब हमारे देश और शेष संसार के लिए करेंगे |

मुझे बहुत अच्छा लगा जब मेरे पादरी ने मुझे यह जानने के लिए फोन किया कि हम महामारी के दौरान कैसा कर रहे हैं | भीड़ में वायरस फैलने के खतरे को देखते हुए चर्च सेवाओं को रद्द कर दिया गया था | इसलिए मैंने तय किया कि अगले तीस दिनों तक मैं, हर दिन अपने संडे स्कूल कक्षा के या अपने पड़ोस के एक व्यक्ति को फोन करूंगा और उन्हें प्रोत्साहित करूंगा |

पिछले सरकारी निर्देश में हमें बताया गया था सभी सभाओं को दस या उससे कम लोगों तक सीमित किया जाना चाहिए |

मेरे मित्र स्कॉट ने कहा कि चूँकि चर्च की सेवाओं को रद्द कर दिया गया था, वह हमारे पादरी के प्रचार को दूर से देखने के लिए आठ लोगों, विश्वासियों और अविश्वासियों को अपने घर आमंत्रित कर रहा था | फिर उसके सभी मेहमानों को संडे डिनर पर आमंत्रित किया जाएगा | अतिथि-सत्कार देखें |

मेरे पड़ोसी जॉन ने मुझे यह कहने के लिए फोन किया कि मैं उसे अपने लिए किसी काम के लिए जाने के लिए याद कर सकता हूं, चाहे वह मध्यरात्रि को दवा की दुकान में जाना ही क्यों न हो| हर जगह मसीहीयों ने महामारी के दौरान दूसरों की सेवा करने के लिए जो कुछ भी उपहार का उपयोग वे कर सकते थे किया |

परमेश्वर के पास एक सेना है, पर संकट के समय में, यह कार्य में बदल जाती है | और यदि इस सेना के प्रयास पर्याप्त नहीं लगते हैं तो एक और बात याद रखें : जब अराम के शत्रु राजा ने एलीशा नबी को पकड़ने के लिए दोतान शहर को घेर लिया, तब एलीशा के सेवक ने शहर को घोड़ों और रथों से घिरा देखा | तो संकट में, उसने एलीशा को पुकारा, "हाय, हे मेरे प्रभु! हम क्या करें?"

"डरो मत', (एलीशा) ने उत्तर दिया | 'क्योंकि जो हमारी ओर हैं वह उनसे अधिक हैं जो उनकी ओर हैं'| तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, "हे यहोवा, इसकी आँखें खोल दे कि यह देख सकें" | तब यहोवा ने सेवक की आँखें खोल दीं और जब वह देख सका, तब क्या देखा कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है | (2 राजाओं 6:14-17)

आज ही परमेश्वर के सेवकों की सेना में शामिल हों | और याद रखें कि परमेश्वर के पास उनकी प्रत्यक्ष चमत्कारी शक्तियों की एक बैकअप सेना है : "अग्निमय घोड़े और रथ" |

.....

मार्च 7 **दिन - 66**

दो खोई हुई भेड़ें

******

तुम में से कौन हैं जिसकी सौ भेड़ें हो, और उनमें से एक खो जाएं, तो निन्यानवें को जंगल में छोड़कर उस खोई हुई को जब तक न मिल जाए खोजता न रहे? मैं तुम से कहता हूँ कि इसी रीती से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनंद होगा, जितना कि निन्यानवें ऐसे धर्मियों के विषय नहीं होता, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं |

लूका 15:4,7

मुझे सबसे अधिक परेशान करने वाली चीजों में से एक वे लोग हैं जिन्होंने अतीत में मसीह को स्वीकार किया था लेकिन, वर्षों बाद, उनमें प्रभु का अनुसरण करने के बहुत कम प्रमाण दिखाई देते हैं | पौलुस इस मुद्दे के बारे में कुलुस्सियों को निम्नलिखित लिखने के लिए पर्याप्त चिंतित था (2 कुलुस्सियों 2:6-7) : "अतः जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो | और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ ; जैसे तुम सिखाये गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अधिकाधिक धन्यवाद करते रहो |"

यीशु भी इस विषय में गंभीर थे जब उन्होंने कहा, "यदि कोई मुझ में बना न रहे, तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता, और सुख जाता है, और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं, और वे जल जाते हैं" (यूहन्ना 15:6)

बारह साल से भी अधिक समय पहले, एलन और मार्था हमारे चर्च में बहुत अधिक रूप से शामिल हो गए थे | उन्होंने मसीह के प्रति प्रतिबद्ध और उत्साही होने का प्रमाण दिया | मुझे ठीक-ठीक पता नहीं हैं कि यह कैसे हुआ – लेकिन वे दूर हो गए – छोड़कर चले गए | मैंने उनसे संपर्क किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला | उन बारह वर्षों में, मैंने समय-समय पर उनसे संपर्क किया |

पिछले तीन वर्षों में जो कुछ हुआ उसके बारे में एलन और मार्था के दो पत्र यहाँ दिए गए हैं:

पादरी शेवर,

मसीह का एक अद्भुत उदाहरण होने और हमारे लिए उनके प्रेम के लिए धन्यवाद | कुछ वर्ष पहले, परमेश्वर ने मेरे मन और हृदय में यह लाना शुरू किया कि यह चर्च में वापस आने का समय है | मैंने देखा कि सोमवार-शुक्रवार काम पर ना जानें के कारण, हमें यह बताना मुश्किल था कि वह सप्ताह का कौन सा दिन था | जब भी वह मेरे ध्यान में यह ला]ते मैं उनसे पूछता कि क्या वह इसे हमारे लिए एक ठोस कदम बनाएंगे, क्योंकि मैं चाहता था कि हम दोनों के पास मसीह के साथ एक गहरे रिश्ते की चाह है |

हर बार जब मैंने चर्च को एक चेक भेजा, मैंने प्रार्थना की कि हम किसी दिन वापस आएंगे | और ऐसा हुआ कि जब आपने हमें वापस आने के लिए आमंत्रित करते हुए एक कार्ड भेजा, तो आप अगले दिन पढ़ा रहे होंगे | मैंने एलन को कार्ड पढ़कर सुनाया और उसकी प्रतिक्रिया थी, "हम कल जा रहे हैं" |

मैं खोई हुई या भटकी हुई भेड़ों के लिए आपके समर्पण का बहुत आभारी हूँ | हम कुछ समय से भटक रहे थे | हम ईमानदारी से अपनी बाइबिल पढ़ रहे थे लेकिन मार्गदर्शन की कमी थी |

शिष्यता की कक्षा इस समय हमारे लिए एकदम सही जगह है और हम अपने चर्च बने घर के सभी पहलुओं का आनंद ले रहे हैं |

हम आपसे प्यार करते हैं और आपके लिए और दूसरों को हमारे प्रभु के साथ एक गहरे रिश्ते में लाने के आपके अभियान के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं |

प्रभु आपको आशीष दें |

एलन और मार्था

चिक और नैन्सी,

वाह! परमेश्वर ने हमें कितने शानदार साल से आशीषित किया है |जनवरी 2019 में, एलन की ओपन हार्ट सर्जरी हुई, फरवरी में स्टेंट के लिए कैथ लैब में वापस आए, जुलाई में दो स्टेंट लगाने के लिए कैथ लैब मैं वापस आए; और परमेश्वर की उपस्थिति पूरे समय हमारे साथ रही है | यह तथ्य कि उसने (एलन) 23 जनवरी, 2019 से एक भी सिगरेट नहीं पी है, एक चमत्कार है जिसे केवल परमेश्वर ही पूरा कर सकते थे |

प्रार्थना, भोजन और कार्ड के माध्यम से हमें समर्थन देने के लिए हम आप दोनों और संडे स्कूल की कक्षा का धन्यवाद करते हैं | परमेश्वर बहुत अच्छे हैं, और हम बहुत धन्य महसूस करते हैं|

हमेशा प्यार

एलन और मार्था

एलन और मार्था मील गये हैं ; वे वापस लौट आए हैं ; दो भेड़े वापस आ गई हैं | वे मजबूत आत्मिक अगुवे बन गए हैं – और यहाँ और स्वर्ग में आनंद मनाया जा रहा है |

.....

मार्च 8 **दिन - 67**

आज्ञाकारिता और साहस

******

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल-जोल?
2 कुरिन्थियों 6:14

इसलिए अपने अपने मन में ठान रखो कि हम पहले से उत्तर देने की चिंता न करेंगे | क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूंगा कि तुम्हारे सब विरोधी सामना या खण्डन न कर सकेंगे |
लूका 21:14-15

हाँ, आत्मा से भरा जीवन बार-बार परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारिता की मांग करेगा, और वही आत्मा आपको आज्ञापालन करने के साहस का सामर्थ्य देगी |

कॉलेज में अपने द्वितीय वर्ष में मैंने जो निर्णय लिया था, उससे मैं अधिक से अधिक असहज हो रहा था | अब मेरे जूनियर वर्ष में, यीशु के एक युवा अनुयायी के रूप में, वह निर्णय मुझे वापस परेशान करता रहा |

मैं एक ग्रीक-लेटर फ्रेटरनिटी में शामिल हो गया था | अब मुझे समझ आ रहा था कि मुझे बाहर निकलना है | इसके तीन कारण थे :

- इस गुप्त संगठन का मुझ पर विशेष नियंत्रण था | मुझे लगा कि मैं असमान रूप से जुए में जुता हूँ |
- मुझे एक नियमित सामाजिक कर का भुगतान करना था | फंड मुख्य रूप से शराब खरीदने के लिए था | हालांकि, मैंने शराब पीना बंद करने के लिए दोषी महसूस किया|
- फ्रेटरनिटी में कई फैसले भेदभाव और पूर्वाग्रह पर आधारित थे |

जब मैंने उपाध्यक्ष से संपर्क किया और उन्हें बताया कि मैं फ्रेटरनिटी से इस्तीफा देना चाहता हूँ तो उन्होंने मुझे बताया कि यह मेरा चुनाव नहीं है | मुझे अपना मामला इंटरफ्रेटरनिटी काउंसिल के समक्ष रखना होगा |

तिथि निर्धारित की गई थी | यह परिषद बारह या चौदह सदस्यों से बनी थी – आधे फ्रेटरनिटी के अध्यक्ष, आधे फैकल्टी जो अत्यधिक निवेशित फ्रेटरनिटी के सदस्य थे | मैंने अपने फ्रेटरनिटी से "धार्मिक धारणा के कारण" रिहा होने का अनुरोध करते हुए काउंसिल को आवश्यक पत्र लिखा था |

जब मैं अपने कमरे में था और इस काउंसिल की बैठक के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की कोशिश कर रहा था, मैं नर्वस था | जब मैं कहूँगा, "मैं फ्रेटरनिटी छोड़ रहा हूँ क्योंकि मैं मसीही बन गया हूँ" तो इन काउंसिल के सदस्यों की क्या प्रतिक्रिया होगी?" मुझे क्या कहना चाहिए?

मैं पवित्रशास्त्र पढ़ रहा था जब मैंने एक अनुच्छेद देखा जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था : अपने मन में ठान रखो कि हम पहले से उत्तर देने की चिंता न करेंगे | क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूंगा" मैंने महसूस किया कि मुझे भाषण तैयार नहीं करना चाहिए बल्कि शब्द देने के लिए मुझे परमेश्वर की आत्मा पर निर्भर रहना चाहिए |

जल्द ही, मैं इंटरफ्रेटरनिटी काउंसिल की मीटिंग के भारी बलूत (ओक) के दरवाजों के बाहर प्रतीक्षा कक्ष में बैठा था यह मेरे अपॉइंटमेंट समय से पच्चीस मिनट पहले था, और मैं घबरा रहा था|

अचानक प्रभु कमरे में चले आए | और ऐसा लग रहा था कि उनके पास शांति की एक बड़ी बाल्टी है जिसे उन्होंने मेरे दिल में उंडेल दिया है | जिससे, मेरी सारी घबराहट दूर हो गई |

तभी ओक के दरवाजे खुले, और एक प्रवक्ता ने कहा, मिस्टर शेवर, हम आपके लिए तैयार हैं' | और मैं उनके लिए तैयार था |

जब काउंसिल के सदस्यों ने मुझे यह बताने के लिए कहा कि मैं फ्रेटरनिटी को क्यों छोड़ना चाहता हूँ तो मैंने कहा कि मैंने मसीह को अपने उद्धारकर्ता और परमेश्वर के रूप में पाया है, और मैं उन मुद्दों के प्रति संवेदनशील हूँ, जिन्होंने मुझे पहले परेशान नहीं किया था | वे फ्रेटरनिटी - प्रतिबद्ध पुरुष क्रोधित हो गए और मुझ पर चिल्लाने लगे | अंत में, उन्होंने घोषणा की, "आप जा सकते हैं | हम आपको कुछ दिनों में बताएंगे कि क्या हम आपको अपनी फ्रेटरनिटी छोड़ने की इजाजत देंगे |"

कुछ दिनों बाद, मुझे फ्रेटरनिटी छोड़ने की अनुमति देने वाला एक पत्र मिला |

बाद में मेरे सीनियर वर्ष में, इंटर यूनिवर्सिटी क्रिश्चियन फैलोशिप के एक उत्कृष्ट वक्ता हमारे परिसर में आने वाले थे | मैंने अपने पुराने फ्रेटरनिटी से यह पूछने के लिए संपर्क किया कि क्या वे चाहेंगे कि यह व्यक्ति उनसे मसीहत के बारे में बात करें | वे इस शर्त पर सहमत हुए कि मैं वक्ता के साथ आऊंगा और अपनी कहानी बताऊंगा कि मैंने मसीह को कैसे पाया | मैंने वैसा ही किया |

यीशु ने वादा किया कि वे "सामना या खंडन न कर सकेंगे" | वे नहीं कर सके | उन्होंने मुझे आज्ञाकारी होने का साहस दिया |

.....

मार्च 9 **दिन - 68**

सुसमाचार की सामर्थ्य

******

क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिए कि वह हर एक विश्वास करने वाले के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है | रोमियों 1:16a

पौलुस आत्मिक रूप से डरपोक नहीं थे | उनके साहस पर ध्यान दें : वह "कर्जदार" (रोमियों 1:4), "भरसक तैयार (उत्सुक)" (वचन 15)," न लजानेवाला" हैं | ऐसा इसलिए था क्योंकि सुसमाचार में अद्भुत सामर्थ्य है |

रॉय और डोरिस बेकर इस सामर्थ्य के वर्तमान उदाहरण बन गये | अपने अधिकांश जीवन भर रॉय धर्म के विरोधी थे |

फिर भी वह हार्वर्ड पीएच डी और युनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी कैनसस सिटी में एक लेखाकार प्रोफेसर के रूप में अपने अधिकांश कुलीन पदों में सफल थे |

रॉय और डोरिस चर्च गए और प्रश्न पूछने लगे | जब नए मसीही मित्र उनके घर उनके पास आए और उनके साथ सुसमाचार साझा किया, तो वे जिज्ञासु हो गये | एक आगंतुक ने यशायाह 53:6 में वर्णित क्षमा की व्याख्या की : "यहोवा ने हम सभी के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया"| "रॉय और डोरिस" उसने कहा, "मेरे पापों का क्या होगा"? वे सभी मसीह के ऊपर लाद दिए गये हैं | मुझे क्षमा और स्वतंत्र किया गया है |"

रॉय और डोरिस घुटने के बल आ गये, रोए, पाप से फिरे और अपने हृदयों को उन्होंने मसीह के लिए खोल दिया | वे बढ़े, परमेश्वर से प्राप्त धार्मिकता को प्रदर्शित किया और कलीसिया में अगुवे बन गए |

जब बाद में रॉय ने एक सेमिनरी कक्षा में बताया तो एक छात्रा ने पूछा, डॉ बेकर, डॉ शेवर ने कौन सा महान सत्य साझा किया जिसने आपको दोषी ठहराया?"

रॉय ने जवाब दिया, "यीशु मेरे लिये मरे!"

यह सुसमाचार है : "परमेश्वर की सामर्थ्य....उद्धार के लिए" |26

---

26. इससे पहले "रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ : वर्डएक्शन पब्लिशिंग को.), 19 में प्रकाशित किया गया | अनुमति द्वारा उपयोग)

.....

मार्च 10 **दिन - 69**

सगाई

******

जब तुमने सत्य का वचन सुना जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है और जिस पर तुमने विश्वास किया प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी | वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिए हमारी मीरास का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो |

इफिसियों 1:13-14

जब जोड़े अपनी कहानियाँ सुनाते हैं तो उनके प्रेमालाप के सबसे उत्तम क्षणों में से एक हमेशा उनकी सगाई होती है | कुछ सगाइयाँ एक खूबसूरत पार्क में टहलने के बाद होती हैं, अन्य शहर में सबसे मनोहर स्थल पर होते हैं : कुछ हजारों प्रशंसकों के सामने एथलेटिक मैदानों पर भी होते हैं| इन घटनाओं को शायद ही भुलाया जाता है |

आधुनिक ग्रीक में "जमा करना" के लिए शब्द और "सगाई की अंगूठी" के लिए शब्द समान है | जब आप पर प्रतिज्ञा की गई पवित्र आत्मा द्वारा मुहर लगाए गए तो आपके अनुसरण करने के लिए कुछ बेहतर के रूप में जमा हो गया | जैसे सगाई की अंगूठी कुछ बेहतर अनुसरण (विवाह) का वादा है, इसलिए पवित्र आत्मा कुछ बेहतर आने का वादा है — स्वर्ग में मेम्ने के विवाह भोज का |

मुहर लगाने का यह विचार 2 तीमुथियुस 2:19 में भी दिखाई देता है : तौभी परमेश्वर की पक्की नींव बनी रहती है, और जिस पर यह छाप लगी है : "प्रभु अपनों को पहचानता है", और "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे"| यहाँ विषय स्वामित्व और पवित्रता हैं | यदि आप परमेश्वर के साथ अपने संबंध पर संदेह करने के लिए परीक्षा में पड़ते हैं तो प्रेरितों के काम 15:8-9 को याद रखें, जो अन्यजातियों पर आत्मा के उंडेले जाने को संदर्भित करता है | दूर उंडेले जाने से यह प्रमाणित हो गया कि अन्यजातियों को भी परमेश्वर ने स्वीकार किया था : 'मन के जाँचनेवाले परमेश्वर ने उनको भी हमारे समान पवित्र आत्मा दे कर उनकी गवाही दी, और विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध करके हममें और उनमें कुछ भेद न रखा |

चाहे आप अपने दिल की पूरी गहराई को न भी समझे तो भी परमेश्वर समझता हैं | हमारे दिलों में उनके कार्य का परिणाम शुद्धता, स्वामित्व और पवित्रता होता है | जब पवित्र आत्मा आपके जीवन में आती है तो वह आपको और यीशु तरह बना देती है |

एक सेवक ने एक बार ई. स्टेनली जोनस से शिकायत की कि पवित्र आत्मा के उल्लेख से उनकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा होती है ; उन्हें डर था कि आत्मा पर चर्चा करने से मंडली में अत्यधिक भावुकता होगी | जोनस ने उत्तर दिया, "मेरे दोस्त आप उन कुछ लोगों के कारण जो चरम सीमा पर चले गये, पवित्र आत्मा का पैटर्न बना रहे हैं | हमारा पैटर्न मसीह हैं | वह किसी भी व्यक्ति की तुलना में जो कभी पृथ्वी के तल पर चला हो, पवित्र आत्मा से अधिक भरा हुआ था | क्या आप मसीह की तरह बनने से डरते हैं?"27

पवित्र आत्मा स्वर्ग के लिए आपका अग्रिम राशि (डाउन पेमेंट) है | जब एक कॉलेज छात्र डैन जिसे मैं जानता था, पवित्र आत्मा से भर गया, उसने कहा, "ओह, अगर स्वर्ग ऐसा कुछ है"|

यह ऐसा है, जैसे परमेश्वर आपसे कह रहे हैं, "पुत्र, पुत्रियों मैं अभी तुम्हें अपनी उपस्थिति में नहीं ला सकता | मेरे पास एक कार्य है जिसे तुम पहले करो : मेरी महिमा की स्तुति के लिए जियो| लेकिन मैं अगला, सबसे अच्छा काम करूंगा | मैं तुम्हें पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व में अपनी उपस्थिति दूंगा, और वह तुम्हारे अंदर वास करेगा – वह दिन हो या रात, बीमारी में या स्वास्थ्य में, खुशी में या दुख में वहाँ होगा | मैं तुम्हें अभी स्वर्ग तक नहीं ला सकता, लेकिन मैं तुम्हारे भीतर थोड़ा सा स्वर्ग रखूंगा" |

---

27. उपदेश नोट्स, मूल स्रोत अज्ञात

.....

मार्च 11 **दिन - 70**

हे प्रभु, वह जल मुझे दे

******

स्त्री ने उससे कहा, "हे प्रभु, वह जल मुझे दे ताकि मैं प्यासी न होऊँ और न जल भरने को इतनी दूर आऊँ |" यूहन्ना 4:15

उसने अपने हाथों को पीछे किये हुए कमरे में चहलकदमी की | उसने अपने दोस्त से कहा, "ओह, मिस्टर जड, परमेश्वर ने मुझे एक नया आदमी बनाया | परमेश्वर ने मुझे एक नया आदमी बनाया है |" हडसन टेलर लंबे समय एक मसीही और चीन के एक जोशीले मिशनरी थे, लेकिन हाल ही में वह एक नए आत्मिक अनुभव से गुजरे |

अपने काम के दबाव में, टेलर ने प्रभु से नई रोशनी प्राप्ति की : "जो कोई उस जल में से पिएगा, जो मैं उसे दूंगा वह फिर कभी नहीं प्यासा होगा" (वचन 14) | यह सोचने के लिए की "होगा" का अर्थ है होगा, "कभी नहीं" का अर्थ है कभी नहीं और "प्यासा" का अर्थ है कोई भी असंतुष्ट आवश्यकता | उस दिन से, टेलर की सेवकाई में नई शक्ति, उसकी प्रार्थना में अधिक विश्वास और उसकी आत्मा में गहरा विश्राम था |

कोई आश्चर्य नहीं कि सामरी महिला ने विनती की, "हे प्रभु, वह जल मुझे दे" | हम सभी की प्यास है : दिल की प्यास, आत्मा की प्यास, मन की प्यास | इसी प्रकार उसकी भी थी | वह अभी भी भौतिक को आत्मिक के साथ भ्रमित कर रही थी (वचन 15) | लेकिन वह सही व्यक्ति से अपनी जीवन की जरूरतों को पूरा करने के लिए कह रही थी | यदि आप लगातार जिस यीशु रूपी स्रोत से पी रहे हैं, तो आप "कभी भी प्यासे न रहेंगे" |28

---

28. इससे पहले 'कम ये अपार्ट' जनवरी-फरवरी-मार्च 1964 (कैनसस सिटी, एम ओ : नाजरीन पब्लिशिंग हाउस), 33 में प्रकाशित हुआ | अनुमति द्वारा उपयोग किया गया | (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया) |

.....

मार्च 12 **दिन - 71**

पाप मत करो — लेकिन क्या होगा यदि आप करते हैं?

******

हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ कि तुम पाप न करो ; और यदि कोई पाप करें, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है अर्थात धर्मी यीशु मसीह |

1 यूहन्ना 2:1

लॉन को सुंदर बनाना – वह मेरा काम था | मैं दस या बारह साल का था, और घास अभी भी हरी थी | एक दिन मैंने ले जाने के लिए सूखी पत्तियों का ढेर लगा दिया | मेरे पिताजी ने तुरंत निपटान के लिए उस ढेर में आग लगा दी | मैं इस हरकत से इतना परेशान हो गया था कि मैं उन पर चिल्लाया और उनके पिंडली पर लात मारी | मैं उनके चेहरे पर आये भाव को कभी नहीं भूलूंगा — निराशा के | मैं उस पिता के साथ ऐसा कैसे कर सकता था जो मुझसे इतना प्यार करते हैं?

और वहीं हमारे स्वर्गीय पिता है | कल्पना कीजिए कि जब हम उनके विरुद्ध विद्रोह करते हैं, उनके विरुद्ध पाप करते हैं तो उन्हें कैसा लगता है | यूहन्ना लिखता है, "ताकि तुम पाप न करो" (2:1), और इस बात पर जोर देकर समझाता है, "जो कोई उस में बना रहता है पाप नहीं करता" (3:6)|

बाद में वह लिखता है, "जो कोई पाप करता है वह शैतान की ओर से है ..... परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रगट हुआ कि शैतान के कामों का नाश करें" (3:8) |

यीशु ने बैतहसदा के कुण्ड में विकलांग को चंगा किया और उसे आज्ञा दी, "देख तू चंगा हो गया है : फिर से पाप मत करना, ऐसा न हो कि इससे कोई भारी विपत्ति तुझ पर आ पड़े" (यूहन्ना 5:14) | जाहिर है, यीशु ने सोचा कि वह पाप करना बंद कर सकता है — अन्यथा यह आदमी अब एक भयानक श्राप के अधीन था | आपको और मुझे पाप करने की आवश्यकता नहीं है |

परंतु यदि आप ऐसा करते हैं — ओह, तो यहाँ बड़ी दया है : "और यदि कोई पाप करें, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है — अर्थात् धर्मी यीशु मसीह" (1 यूहन्ना 2:1) | यदि आप प्रभु की अवज्ञा या उन को अप्रसन्न कर रहे हैं, तो वहीं रुक जाएं और परमेश्वर से आपको क्षमा करने, आपको पुनर्स्थापित करने और उनका अनुसरण करने के लिए आपको मजबूत करने के लिए कहें | मसीह आपकी क्षमा के लिए हस्तक्षेप करेगा |

यही कारण है कि हमारे पास प्रतिज्ञा है : "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1:9)

एक दिन एक सेवकाई के बाद गाड़ी चलाकर घर आते हुए, मैंने कहा, "क्या मैंने एक अच्छी आलटर कॉल नहीं दी"?

मैंने परमेश्वर को यह कहते सुना, "अपनी महिमा मैं किसी के साथ साझा नहीं करूंगा" |

मैंने अपना अभिमान स्वीकार किया और परमेश्वर ने मुझे क्षमा कर दिया |

अगर मैं अपनी पत्नी से कठोरता से बात करता हूँ तो मैं तुरंत ही परमेश्वर और नैन्सी दोनों से क्षमा मांगता हूँ |

प्रेरित पतरस ने प्रभु का इंकार किया और पाप किया | उसे क्षमा किया गया और पुर्नस्थापित किया गया और फिर वह नये चर्च का एक शक्तिशाली, पवित्र और मुख्य अगुवा बन गया | परमेश्वर अभी भी इस प्रकार की क्षमा प्रदान करते हैं – मैंने उसे एक ऐसे व्यक्ति के लिए करते देखा जिसे मैं जानता हूँ जो मसीह का अनुसरण करता है, बीस वर्षों के लिए पाप में वापस चला गया, फिर पश्चाताप किया, बहाल किया गया, और आज परमेश्वर के लिए एक शक्तिशाली शक्ति है |

.....

मार्च 13 **दिन - 72**

परमेश्वर मेरे नाम को जानते हैं

******

तुम्हारे उन साथियों के नाम ये है, : अर्थात रूबेन के गोत्र में से शदेऊर का पुत्र एलीसूर ; शिमौन के गोत्र में से सूरीशद्दे का पुत्र शलूमीएल ; यहूदा के गोत्र में से अम्मीनादाब का पुत्र नहशोन | गिनती 1:5-7

मूसा और हारून, इजराइल को मिस्र से छुड़ाने और प्रतिज्ञा की भूमि के लिए उनके जंगल की यात्रा शुरू करने के परमेश्वर के चमत्कारी कार्यों में बड़े मानवीय नाम थे | इजराइलीयों को मिस्र की दासता से मुक्त किए जाने के बाद से यह दूसरे वर्ष का दूसरा महीना था (1:1) | परमेश्वर मूसा से बात करता है और उससे कहता है कि बीस वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी पुरुषों की गिनती करें जो सेना में सेवा करने के योग्य हैं | चूँकि यह एक बहुत बड़ा कार्य है, इसलिए यहोवा ने मूसा को बारह आदमियों के नाम दिए जो उस कार्य में सहायता करेंगे | विशिष्ट पुरुषों के इस समूह में एलीसूर, शलूमीएल, नहशोन शामिल थे | जब वे गिनती पूरी करते हैं, तो सैन्य सेवा के योग्य 603,550 लोग होते है |

पहले तो इसने मुझे चौंका दिया — कि 603,550 पुरुषों में से, परमेश्वर ने बारह विशिष्ट पुरुषों का नाम दिया, और यहाँ तक कि मूसा को उनके पिता के नाम भी बताएं | 603,550 में से एलीसूर, शलूमीएल और नहशोन — इसके बारे में सोचें | ये लोग मुसा या हारून के जितने प्रसिद्ध नहीं थे, परंतु परमेश्वर उनके नाम को जानते थे |

लूका 10:20 में यीशु अपने बहत्तर अनुयायियों से कहते है, "आनंदित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं" | एकमात्र संभावित निष्कर्ष यह है कि प्रभु आपके नाम को भी जानते हैं |

जब भी लोग मेरे बेटे पॉल से पूछते हैं कि वह पाँच कैंसर सर्जरी और उसके वॉइस बॉक्स को हटाने के बाद कैसे काम कर पाता है, तो वह एक गाने के बोल को बोलता है जो उसके लिए बहुत सार्थक है: "ही नोज माय नेम, ही नोज माय नेम" | कभी-कभी वह एक प्रसिद्ध गीत के शब्दों को बोलता है : "हीज आय इज ऑन द स्पैरो, एंड आय नो ही वाचेस मी" |

वह आपका नाम जानता है! हाँ, आपका!

.....

मार्च 14 **दिन - 73**

लंबी दौड़ के लिए

******

अत: जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो, और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, अधिकाधिक धन्यवाद करते रहो |

कुलुस्सियों 2:6-7

परंतु जो अंत तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा | मत्ती 24:13

टॉम और एग्नेस जानते थे कि उन्हें कुछ करना है — गुयाना के राजनीतिक माहौल में बढ़ते कम्युनिस्ट दवाब, वहाँ जीवन को बेहद कठिन बना रहे थे | उनकी योजना अपने चार बच्चों को अपने साथ संयुक्त राज्य अमेरिका ले जाने की थी | हालांकि, सरकार ने उनके जाने पर प्रतिबंध लगा दिया — दो बड़े बच्चों को जाने की अनुमति नहीं होगी | अपने सभी संसाधनों में से टॉम और एग्नेस को प्रत्येक व्यक्ति के लिए केवल 400 $ और एक सूटकेस ले जाने की अनुमति थी | उन्हें कैनसस सिटी में एक अपार्टमेंट मिला, उन्होंने एक बस ली, और बाकी रास्ते एक चर्च तक चलकर गये |

"क्या हमें यहाँ आने दिया जाएगा?" उन्होंने पूछा |

"आपका हमेशा स्वागत हैं!" अभिवादनकर्ता ने कहा |

टॉम और एग्नेस चर्च के जीवन में बस गए और चर्च ने उन्हें गुयाना में छोड़े गए उनके दो बड़े बच्चों के लिए प्रार्थनाओं से घेर लिया | एक साल बाद, 7 जुलाई, 1978, को उनके दोनों बड़े बच्चे अपने परिवार के बाकी सदस्यों के साथ चर्च आए — और चर्च तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा |

इस बहादुर परिवार की पृष्ठभूमि क्या थी? मैं आपको एग्नेस की कहानी बताता हूँ | उसकी दादी उसे एक हिंदू के रूप में पालना चाहती थी | उसके पिता ने कहा, "बिल्कुल नहीं" | वह अपने गुयाना के घर के पास एक वेस्लियन चर्च में जाने लगी | एक बच्चे के रूप में, उसने मसीह को स्वीकार कर लिया और चर्च में शामिल हो गई | जब उसके पिता की मृत्यु हो गई और उसकी माँ काम पर जाने लगी तो बारह वर्षीय एग्नेस ने प्रमुख जिम्मेदारियों को संभाला और अपने छह छोटे भाइयों और बहनों की देखभाल के लिए स्कूल छोड़ दिया |

अपने शेष जीवन में, एग्नेस ने मसीह की सेवा की | नवासी वर्ष की आयु में, जब एग्नेस अपने जीवन के अंत के करीब पहुँची, उसके बेटे ने कहा, "डैडी और मम्मी यीशु तक पहुँचने के लिए हमारे पुल थे |"

एग्नेस प्रत्येक सुबह, प्रत्येक भोजन और प्रत्येक रात प्रार्थना करती | अगर कुछ भी आपको परेशान कर रहा होता, तो एग्नेस आपसे प्रार्थना करने का आग्रह करती | जब उसके वयस्क बेटे की असामयिक मृत्यु हो गई, तो एग्नेस ने कभी कड़वाहट नहीं दिखाई और न ही परमेश्वर को दोष दिया| वह कमजोरी की अवस्था में, व्हीलचेयर में, बिना किसी शिकायत के अपनी पोती के कॉलेज ग्रेजुएशन में शामिल हुई |

जब उसका स्वास्थ्य गिरने लगा तो वह एक नर्सिंग होम में चली गई, एग्नेस ने कहा, "यह वह जगह है जहाँ मुझे होना चाहिए" | अपनी मृत्यु से कुछ दिन पहले, वह दोहरा रही थी, "मैं यीशु से

प्यार करती हूँ" और जोश पूर्ण प्रार्थना कर रही थी, अपने पादरी और चर्च के लिए अभिषेक की प्रार्थना|

क्या आप समझ पा रहे हैं? वह अंत तक अडिग रही | यही मसीही जीवन है जो बाइबिल सिखाती है |

.....

मार्च 15 **दिन - 74**

उन्हें करीब रखने के लिए पर्याप्त प्रेम वाला चर्च

******

यरूशलेम में पहुंचकर उसने चेलों के साथ मिल जाने का प्रयत्न किया ; परंतु सब उससे डरते थे, क्योंकि उनको विश्वास न होता था कि वह भी चेला है | परंतु बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि इसने किस रीती से मार्ग में प्रभु को देखा, और उसने इससे बातें की; फिर दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया |

प्रेरितों के काम 9:26 - 27

और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है कि तुम परमेश्वर की सारी भरपुरी तक परिपूर्ण हो जाओ | इफिसियो 3 :19

हमने उसे लगभग खो दिया था | शाऊल, जिसे बाद में पौलुस कहा गया, ने अभी-अभी प्रभु को ग्रहण किया था, लेकिन यरूशलेम चर्च उससे डरता था - और अच्छे कारण के लिए | जब तक वह यीशु से नहीं मिला, वह मसीहीयों को गिरफ्तार कर रहा था और उनकी मृत्यु का आदेश दे रहा था | एक व्यक्ति बहुत प्यार और बुद्धिमानी के साथ शाऊल के पास पहुँचा और "उसे अपने साथ प्रेरितों के पास लाया" | प्यार और स्वीकार किया जाना महसूस होने पर वह चर्च में रहा |

यह शाऊल (पौलुस) अंततः मसीही चलन का अगुवा बन गया | प्रेरितों के काम 14:21–22 बताता है, "फिर वे लुस्त्र, इकुनियुम और अंताकिया में लौट आए और चेलों को दृढ किया और विश्वास के प्रति सच्चे रहने के लिए प्रोत्साहित किया" | अब पौलुस आगे के कार्य, पालन-पोषण और समर्थन का स्वामी था |

मेरी सेवकाई के शुरुआत में, सुसमाचार प्रचारक मोडी शुनोवर ने मुझे यह पूछना सिखाया : क्या मेरे चर्च में इतना प्यार है कि मैं उन्हें करीब रख सकूँ? जिस प्रकार नवजात शिशु को ध्यान, प्रेम, विशेष देखभाल और गर्मजोशी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार नवजात मसीही को भी आवश्यकता होती है | मैंने इसे डैन और जुडी के मामले में सार्थक देखा |

डैन का पालन-पोषण एक पार्सोनेज (पादरी निवास) में हुआ था, लेकिन बारह साल की उम्र तक वह धूम्रपान कर रहा था; सोलह वर्ष की उम्र तक वह कटु और क्रोधी था | जब उसने जुडी से शादी की, तो उसने उसे कभी भी मसीही न बनने की चेतावनी दी | जब डैन सेना में था, उसकी माँ बहुत बीमार हो गई, उसने जुड़ी को उनकी देखरेख के लिए भेजा |

जुडी को आश्चर्य हुआ कि उसे उस पार्सोनेज होम में एक प्यार भरा माहौल मिला | रविवार को वह अपने ससुरालवालों के साथ चर्च गई और बचाई गई |

इस खबर से डैन क्रोधित था | उसकी छुट्टी के बाद, वे एक मिडवेस्टर्न यू.एस. शहर में चले गए | इसके तुरंत बाद, जुडी बीमार हो गई और उसे पता चला कि उसे ट्यूमर है | डरकर, उसने डैन के परिवार को प्रार्थना करने के लिए कहा | सर्जरी में, डॉक्टर ने जुडी के शरीर पर चीरा लगाने से पहले जाँच की और कहा, "हम जिस कैंसर को दूर करने आए थे, वह पहले ही चला गया है " | जब डैन ने रिपोर्ट सुनी, तो उसने स्वीकार किया कि यह प्रार्थना का उत्तर था, और वह नहीं जानता कि वह क्यों इतना कटु हो गया था |

डैन और जुडी ने उस रविवार को चर्च जाने का फैसला किया | लेकिन चर्च के लोग अपने पुराने मसीही दोस्तों की संगति का आनंद लेने में व्यस्त थे और उन्होंने डैन और जुडी को मुश्किल से देखा | वे अकेले बैठे थे | कुछ लोगों ने उनका अभिवादन किया ; किसी ने उन्हें संडे डिनर पर आमंत्रित नहीं किया | डैन मित्रता की कमी पर चकित था |अगले हफ्ते, उन्होंने एक अन्य चर्च में जाने का सोचा | वह स्नेह से भरे दिलों को ढूंढ रहे थे पर उन्हें सिर्फ निराशा हासिल हुई |

दोस्तों के प्रोत्साहन से वे एक तीसरे चर्च गए जहाँ उनका स्वागत गर्मजोशी से हुआ | शुक्रवार तक एक अयाजकीय जोड़ा उनके घर आया | जब पादरी उनसे मिलने गए तो, डैन ने चर्च के प्यार के विषय में डिंग मारी | अगले रविवार को वे वापस गए, और डैन वेदी (ऑल्टर) के पास आया, रोते हुए| जब पादरी ने पूछा कि क्या उसे माफ कर दिया गया है, तो उसका जवाब था, "मुझे सिर्फ एक बार मांगना पड़ा" |

बाद में, डैन ने अपने पिता को फोन किया और उनसे कहा, "मैं आपके एक आजीवन दोस्त से मिला"|

"वह कौन था?"

"प्रभु यीशु मसीह"

अगले रविवार को डैन और जुडी को पवित्र किया गया | उसके बाद के रविवार को वे चर्च में शामिल हुए | उसके बाद, वे दोस्तों को वे बिली ग्राहम के क्रूसेड में ले गए | और उसके बाद, चर्च में एक रिवाइवल (पुनरुद्धार) हुआ – वे एक को छोड़कर हर सेवकाई में आए |

जल्द ही, एक नया जोड़ा दिखाई दिया |

तुरंत ही, डैन और जुडी उनके साथ थे, उन्हें अपने घर पर आमंत्रित कर रहे थे | वे अब उन्हें करीब रखने के लिए पर्याप्त प्रेम के साथ चर्च बन गए थे |

.....

मार्च 16 **दिन - 75**

हृदय बदलने-वाली आत्मा

******

मैं तुम को नया मन दूँगा, और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूंगा, और तुम्हारे देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुमको मांस का हृदय दूँगा | मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उसके अनुसार करोगे |
यहेजकेल 36:26–27

बिल बहुत निर्बल और कमजोर था | अंत में, यह करना पड़ा - हार्ट सर्जरी | कुछ दिनों पहले, मैं नाश्ते में उसके पास बैठा, और उसकी ऊर्जा, उसके स्पष्ट विचार और बोल, उसके जीने में नये आनंद को देखा | हृदय की सर्जरी से क्या फर्क पड़ा |

पुराने नियम के भविष्यवक्ता यहेजकेल ने कहा कि इजराइल ने परमेश्वर के महान नाम की पवित्रता को अपवित्र किया है | उनके पाप के कारण उन्हें बाबुल में निर्वासित कर दिया गया था |

परंतु अब परमेश्वर ने उन्हें उनके देश में वापस लाने की प्रतिज्ञा की थी (यहेजकेल 36:24) | ऐसा होने के लिए उन्हें हृदय-परिवर्तन और आत्मा के वास का अनुभव प्राप्त करना होगा | उनकी इच्छाशक्ति पर्याप्त नहीं होगी ; परमेश्वर की क्षमा जो पिछले पापों से दोष को दूर करती है, पर्याप्त नहीं थी | गहराई में, उनके हृदय बदल जाएंगे | आत्मा उनमें इस कदर वास करेगी कि वह उन्हें आज्ञाकारिता के लिए प्रेरित करेगा |

जॉर्ज ने सेवकाई में दीक्षित होने की अपनी गवाही साझा की :

मैं हमेशा महसूस करता था कि मेरे पास किसी और की तुलना में अधिक ज्ञान है | यह इतनी गहराई से समाया हुआ था कि मुझे इसके बारे में पता नहीं था | लेकिन आप किसी व्यक्ति को यीशु के समान प्रेम नहीं कर सकते जब आपको लगता है कि आप उनसे बेहतर हैं |

फिर, उसने अपने शुद्धिकरण के बारे में बताया : "यदि परमेश्वर ने ऐसा नहीं किया होता, तो यह चर्च बर्बाद होता | मुझे एक सेवक ही होना था | मुझे जीत देखने के लिए लंबे समय तक रहना पड़ा | प्रभु वास्तव में मेरे स्वामी है |"

आत्मा द्वारा खोजा गया, सेवा के लिए शुद्ध किया गया | एक नया हृदय |

जब आप, पाठक, अपनी आत्मिक यात्रा कर रहे हैं, तो क्या आप आत्मा के परिवर्तनों के लिए अपना हृदय खोलेंगे |

.....

मार्च 17 **दिन - 76**

अंग काम कर रहे हैं

******

क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और उस देह के सब अंग बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह है, उसी प्रकार मसीह भी हैं |

1 कुरिंथियों 12:12

यीशु ने उनसे कहा, "मेरे पीछे चले आओ, तो मैं तुम को मनुष्यों को पकड़नेवाले बनाऊंगा |" वे तुरंत जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए | मत्ती 4:19–20

बिल और आइरीन, लौरा को एक वर्क कांटेक्ट के कारण जानते थे | उन्होंने लौरा और उसके पति कीथ को "चर्च और ब्रंच" आमंत्रण के कारगर होने से पहले आठ बार चर्च में आमंत्रित किया होगा | फिर चर्च के किसी व्यक्ति ने कीथ और लौरा को घर का बना पेस्ट्री दिया |

बच्चों के निदेशक ने उनके बेटे एंडी में रूचि ली, और वह संडे स्कूल में जाने लगा | एक वयस्क संडे स्कूल के अध्यापक ने कीथ और लौरा को एक व्ययस्कों की कक्षा में आमंत्रित किया और चर्च के बाद एक पॉटलक भोजन के लिए रुकने को कहा |

चर्च से नए दोस्त अपॉइंटमेंट के द्वारा कीथ और लौरा से मिले और आत्मिक मुद्दों पर चर्चा की जिससे कीथ और लौरा ने गहराई से सोचना शुरू किया | उन्होंने यूहन्ना के सुसमाचार के अध्ययन में भाग लिया, जहाँ परमेश्वर ने लौरा से बात की जब उन्होंने कुएँ पर सामरी स्त्री के बारे में पढ़ा |

28 अगस्त को, चर्च के एक पादरी ने, स्कॉट और एंजी के साथ, कीथ और लौरा के घर में सुसमाचार को साझा किया, और दोनों ने मसीह को ग्रहण किया | जॉन और हेलेन ने उन्हें स्थापित करने के लिए "बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स" के आठ सप्ताह के अध्ययन के माध्यम से उनकी अगुवाई की | सदस्यता निर्देश के बाद, किथ और लौरा चर्च में शामिल हो गए |

कीथ ने सुसमाचार प्रचार पर एक चर्च स्पॉन्सर्ड कक्षा ली | उन्होंने अपने सहकर्मी मार्टा और उनके पति वेनर्ड से मित्रता की, उनके साथ सुसमाचार को साझा किया और उन्हे मसीह के पास ले गए | वे अंततः चर्च में शामिल हो गए |

आज कीथ और लौरा उनके चर्च में आत्मिक अगुवे हैं क्योंकि उस चर्च में मसीह के शरीर के कई अंगों ने एक साथ मिलकर प्रचार, पोषण और शिष्य बनाने का कार्य किया |

.....

मार्च 18 **दिन - 77**

हवा में सुगंध है

******

वहाँ उन्होंने उसके लिए भोजन तैयार किया, और मार्था सेवा कर रही थी; और लाजर उनमें से एक था जो उसके साथ भोजन करने के लिए बैठे थे | तब मरियम ने जटामांसी का आधा सेर बहुमूल्य इत्र लेकर यीशु के पांवो पर डाला, और अपने बालों से उसके पांव पोंछे ; और इत्र की सुगंध से घर सुगंधित हो गया | यूहन्ना 12:2–3

मैं न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में बेडफोर्ड-स्टाइवेसंट में एक चर्च में प्रचार कर रहा था, जहाँ अधिकांश पैरिशनर, द्वीप के लोग थे - त्रिनिदाद, बहामास, बारबाडोस, जमैका से | लगभग सभी महिलाओं ने टोपी पहनी थी | और सभा ने क्या गाया!

पादरी चार महिलाओं और मुझे वापस हमारे घरों में गाड़ी चला कर ले जा रहे थे, तब एक महिला ने कहा, "ओह, भाई शेवर, आपका प्रचार इत्र की बोतल के हटाए गए लेबल के समान है | मुझे समझ नहीं आया कि उनका क्या मतलब था लेकिन मुझे लगता है कि वह एक तारीफ थी |

आज के वचन में, यूहन्ना, यीशु के साथ एक रात के खाने के दृश्य के बारे में बता रहा है, जहाँ आधा सेर इत्र की सुगंध हवा में भर गई थी | यीशु क्रूस पर अपनी मृत्यु की ओर जा रहे थे - लेकिन उस क्षण में, वह एक अत्याधिक उत्थानकारी सामाजिक छुटकारे का आनंद लेने का समय था |

सभी तत्वों के बारे में सोचो | रात का खाना, यीशु के सम्मान में मार्था द्वारा तैयार किया गया | लाजर, यीशु के साथ, अब प्रसिद्ध है क्योंकि वह हाल ही में मरे हुओं में से जी उठाया गया था| लोग, जो लाजर को देखने आए थे (12:9) |

इन सब के बीच मरियम ने, प्रेम की एक अद्भुत अभिव्यक्ति में, यीशु के चरणों का महंगे इत्र से अभिषेक किया | लेकिन यीशु के सम्मान, लाजर की खुशी, अच्छा भोजन गर्मजोशीपूर्ण सहभागिता और सुंदर सुगंध के बावजूद भी बुराई छिपी बैठी थी | यहूदा ने महंगे इत्र की बर्बादी के बारे में शिकायत की, लेकिन पाठ हमें इसका वास्तविक चरित्र दिखाता है जब वह बताता है कि वह खजाने में से चोरी कर रहा था (12:6) |

इन सब में सबक हैं |रोजमर्रा के जीवन के सभी माँगों के साथ-शायद मसीही सेवा की माँगों के साथ भी - हमें खुशी मनाने और जश्न मनाने के लिए समय निकालने की जरूरत है | आनंद करो, निश्चिंत रहो और यीशु को ऊपर उठाओ | हमें यीशु का सम्मान करने की, भोजन की संगति प्राप्त करने की, लाजर के समान परमेश्वर के अनुग्रह और चमत्कारों के प्रमाण पर चकित होने की आवश्यकता है | हमें अपने प्यार को अपव्यय में उंडेलने की जरूरत है | और भले ही बुराई अपना सिर उठा लेती है, लेकिन हम उसे अपनी स्तुति और आनंद के आड़े आने नहीं देते | मसीह मित्र, इस तरह की कुछ घटनाओं को शामिल करना सुनिश्चित करें |

मेरी अभी-अभी रेवरन जैक हैमिल्टन के साथ फोन पर बात हुई | अपने पड़ोसी और प्रिय भाई, डॉ. जिम हैमिल्टन के 94 वर्ष की आयु में गुजर जाने के बाद वह थोड़ा अकेला हो गया है |

जैक एक पब्लिक स्कूल शिक्षक और सुसमाचार प्रचारक थे जिन्होंने अकेले मिसौरी और कैनसस राज्यों में 250 से अधिक रिवाइवल किए | जैक अब निन्यानवे वर्ष के हैं |

हमारे फोन कॉल पर हमने प्रभु, चर्च, परिवार, पुराने समय और वर्तमान जीत के बारे में बात की | मैंने जैक के बारे में उन पच्चीस मिनटों में जितना पहले कभी नहीं जाना था, उससे कहीं अधिक जाना | हम आनंदित हुए ; हम प्रोत्साहित थे | हमारी बातों में एक दुर्लभ इत्र की महक थी |

यदि आप सोचते हैं कि यह निश्चित रहना, स्मरण करना और आनंदित होना इतना आत्मिक नहीं है तो, मैं आपको प्रकाशितवाक्य 19:7 और 9 की याद दिलाता हूँ : "आओ हम आनंदित और मगन हों, और उसकी स्तुति करें, क्योंकि मेमने का विवाह आ पहुँचा है, और उसकी दुल्हिन ने अपने आप को तैयार कर लिया है..... धन्य हैं वे जो मेमने के विवाह के भोज में बुलाए गए हैं |"

.....

मार्च 19 **दिन - 78**

त्रासदी से विजय तक

******

यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था, परंतु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिससे वह ऐसा करें, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं |
उत्पत्ति 50:20

28 अप्रैल, 2020 को अट्ठासी और इक्यानवें वर्ष की बीच की आयु में मिंकायी की इक्वाडोर के एक गाँव में अपने घर पर मृत्यु हो गई | उनके परिवार में पत्नी, तेरह बच्चे और पचास से अधिक पोते-पोतियाँ हैं | पूर्वी इक्वाडोर में अमेज़न वर्षा वन की हिंसक संस्कृति में पैदा हुआ यह आदमी दुनिया भर में इसलिए जाना जाता था क्योंकि हजारों लोगों ने उसे परमेश्वर के छुटकारे और परिवर्तनकारी शक्ति के प्रमाण के रूप में देखा था |

मिंकायी उन छह योद्धाओं में से एक था जिन्होंने 1956 में मिशनरी नेट सेंट जिम एलियट, पीट फ्लेमिंग, रौज़र यूडेरियन और एड मेक्कली को एक नदी के मुहाने की रेत पर मौत के घाट उतार दिया था | लगभग सभी समाचार मीडिया कवरेज ने हत्याओं को एक बड़ी त्रासदी के रूप में बताया | ऐसी घटना का परिणाम कभी विजय कैसे हो सकता है?

आज के वचन में, यूसुफ जो मिस्र का प्रधानमंत्री बन गया है, अपने भाइयों से कहता है जिन्होंने उसे गुलामी में बेच दिया था, "तुमने मुझे नुकसान पहुँचाने का इरादा किया था, लेकिन परमेश्वर ने इसमें भलाई का विचार किया" | परमेश्वर ने यूसुफ का इस्तेमाल एक भयानक अकाल के दौरान उसके भाइयों और परिवारों के लिए भोजन और संपत्ति प्रदान करने के लिए किया | दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने यूसुफ का इस्तेमाल कई जिंदगियों को बचाने के लिए किया | भाइयों का मतलब बुराई था, और परमेश्वर उसमें से अच्छाई लाए |

पाँच हत्याओं के बाद, मारे गए मिशनरियों की पत्नियाँ और परिवार के सदस्य जनजाति में वापस चले गए | अंततः कबीले के कुछ सदस्य यीशु मसीह को जान गए | क्राइस्ट में मिंकायी के नये जीवन को 'एंड ऑफ द स्पीयर', एक किताब जिसे एक फिल्म में भी रूपांतरित किया गया था, में चित्रित किया गया | फिल्म का अब दुनिया की एक चौथाई आबादी की भाषाओं में अनुवाद किया गया है |

मिंकायी, जो केवल बीस तक (अपने हाथों और पैरों की उंगलियों का उपयोग करके) गिन सकता था, ने संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में पैंतालीस हजार की भीड़ को सुसमाचार को साझा किया | उसने अक्सर कहाँ, "हम तब तक बिना किसी कारण के क्रोध, घृणा और हत्या करते रहे, जब तक कि वे परमेश्वर के निशान न लाए | अब, हम में से जो परमेश्वर की राह पर चलते हैं, वे खुशी और शांति से रहते हैं |

स्टीव सेंट, हत्या किये गए मिशनरियों में से एक का बेटा मिंकायी के नियमित यात्रा का साथी रहा है | उसने कहा, "मैं मिंकायी कों तब से जानता हूँ जब मैं एक छोटा लड़का था, जब उसने मुझे अपने पंखों की नीचे ले लिया और अपने बेटों से मुझे शिकार करना सिखाया | वह दुनिया में मेरे

सबसे प्यारे दोस्तों में से एक था | हाँ, उसने मेरे पिता को मार डाला, लेकिन वह मुझसे और मेरे परिवार से प्यार करता था" |29

हाँ, तुमने मुझे नुकसान पहुँचाने का इरादा किया था लेकिन परमेश्वर ने उसमें भलाई की" | हत्याओं को साठ साल से अधिक हो गये हैं, इसलिए हम परमेश्वर को वाक्य के अंत के भाग के बारे में बताने के लिए समय देना है याद रखते हैं | परमेश्वर ने इसमें भलाई की |

क्या आपने परमेश्वर की भलाई को देखने के लिए पर्याप्त समय इंतजार करने और सुनने में बिताया है?

---

29. स्टीव सेंट, "रिमेम्बेरिंग मिंकायी : ओबिच्युरी फॉर मिंकायी", आईटीईसी, itecusa.org/mincaye/.

.....

मार्च 20 **दिन - 79**

परिस्थितियाँ

******

क्योंकि मैंने यह सीखा है कि जिस दशा में हूँ ; उसी में संतोष करूँ | मैं दीन होना भी जानता हूँ और बढ़ना भी जानता हूँ ; हर एक बात और सब दशाओं में मैंने तृप्त होना, भूखा रहना, और बढ़ना-घटना सीखा है | जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ |
फिलिप्पियों 4:11-13

जब रौल्फ ने पादरी बनने की परमेश्वर की बुलाहट का उत्तर देने के लिए एक स्थिर नौकरी छोड़ी तो उसने एक चर्च का पुननिर्मित दो-कार के गैरेज में रोपण किया | उसके हालात बदल गये थे, लेकिन वह संतुष्ट था |

पीटर अपने दैनिक जीवन को जीने को छोड़ अपनी गंभीर रूप से बीमार पत्नी की व्यापक देखभाल करने लगा | उसकी परिस्थितियाँ बदल गई, लेकिन वह संतुष्ट था |

रेचल को अपने सुखी विवाह का आनंद लेना छोड़कर अपने पति की अकाल मृत्यु का शोक मनाना पड़ा | उसकी परिस्थितियाँ बदल गई, लेकिन उसने संतुष्ट रहने का रहस्य सीख लिया |

स्काट एक सुंदर अमेरिकी शहर में एक फलते-फूलते चर्च के पादरी के रूप में सेवा करने से लेकर कम्युनिस्ट और अन्य गैर-मसीही प्रभावों वाले आठ राष्ट्रों में से एक में मिशनरी के रूप में सेवा करने के लिए चले गया | उसकी परिस्थितियाँ बदल गई लेकिन वह संतुष्ट था |

प्रेरित पौलुस को यीशु का प्रचार करने के लिए कैद किया गया था और ऊपर के अनुच्छेद में वह उस चर्च को लिखता है जिसका रोपण उसने फिलिप्पी में किया था | इस बीच वह पहरेदारों के साथ जंजीर से बांध दिया गया | वह उनसे दूर नहीं जा सकता था — लेकिन दूसरी ओर, वे उससे दूर नहीं हो सकते थे | इसलिए पौलुस ने उन्हें मसीह के विषय में गवाही दी, और बहुत से पहरेदारों ने उद्धारकर्ता को जान लिया | पौलुस प्रचार करने के लिए बाहर नहीं जा सकता था, लेकिन उसके पास अपने कलीसियाओं को पत्र लिखने के लिए बहुत समय था | नि:संदेह, ये पत्र बाद में नए नियम का प्रमुख हिस्सा बन गए |

लुस्त्रा में पौलुस की शक्तिशाली सेवकाई के दौरान, एक व्यक्ति जो जन्म से लंगड़ा था और कभी न चला था, चंगा हो गया, कूदने लगा और चलने लगा (प्रेरितों के काम 14:8-10) | पौलुस को स्वयं एक शारीरिक बीमारी थी — "मेरे शरीर में एक कांटा" जैसा कि उसने इसे कहा था (2 कुरिन्थियों 12:7) तीन बार उसने इसे परमेश्वर से दूर करने के लिए विनती की | जबकि परमेश्वर ने उसे चंगा नहीं किया, उन्होंने पौलुस को ये वचन दिए : "मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए पर्याप्त है क्योंकि मेरी सामर्थ्य, निर्बलता में सिद्ध होती है" (12:9) | अनुग्रह से, इन परिस्थितियों में वह संतुष्ट था, यहाँ तक कि विजयी भी | यहाँ तक कि जेल में भी, फिलिप्पी को लिखते हुए, उसने अपने संतोष का मुख्य कारण बताया, "जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ" (फिलिप्पियों 4:13) |

श्रीमती डचर एक धर्मपरायण बैपटीस्ट महिला थी जो बिस्तर पर पड़ी थी | फिर भी वह दीप्तिमान, हर्षित थी और मध्यस्थता की सेवकाई को बनाए रखती थी | एक दिन उन्होंने मुझे एक युवक से मिलने के लिए कहा, जिसके लिए वह प्रार्थना कर रही थी |

चक जेल में था, लेकिन श्रीमती डचर का मानना था कि उसने मसीह को ग्रहण कर लिया है| मैंने चक को बुलाया, हम मिले | और हमने एक शिष्यता बाइबिल अध्ययन शुरू किया | वह प्रभु में आगे बढ़ा, जेल में एक ईश्वरीय जीवन व्यतीत किया, दूसरों को मसीह के पास लाया और अंत में रिहा कर दिया गया | अंतिम रिपोर्ट के अनुसार वह सेवकाई के अध्ययन के लिए बाइबिल स्कूल जा रहा था |

सैमुएल और ग्लैडिस इंग्लैंड और वेल्स के मूल निवासी थे लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश व्ययस्क जीवन दक्षिण अमेरिका में मिशनरियों के रूप में बिताया था | अमेरिका में अपनी प्रतिनियुक्ती के दौरान, वे हमसे गली के उस पार रहते थे, और हम उनके और उनके तीन बच्चों के साथ घनिष्ठ हो गए | उनकी सेवानिवृत्ति के बाद हम उनके संपर्क में रहे |

जब मैंने सुना कि सैमुएल का निधन हो गया है | मैंने ग्लैडिस को फोन किया | अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए मैंने पूछा, "आप इन परिस्थितियों में ठीक है"?

अपने समृद्ध वेल्स उच्चारण के साथ, उसने कहा, "ओह भाई शेवर मैं परिस्थितियों में नहीं हूँ, मैं परिस्थितियों के शीर्ष पर हूँ |"

यह कैसे संभव है? मसीह के द्वारा जो हमें सामर्थ्य देता है |

.....

मार्च 21 **दिन - 80**

यदि तुम विश्वास करते हों

******

यदि तुम विश्वास करते हों तो तुम प्रार्थना में जो कुछ भी माँगोगे वह सब तुमको मिलेगा | मत्ती 21:22

हमारी बेटी, जो चर्च में पली-बढ़ी थी, ने अपने पति को तलाक दे दिया और एक अधर्मी जीवन शैली को अपना लिया | मैंने और मेरी पत्नी ने एक ही समय में पेट के अल्सर और टूटे हुए दिलों का सामना करना सीखा | पाँच साल तक हमने प्रार्थना की और कुछ आत्मिक हलचलें देखी लेकिन मसीह में स्पष्ट वापसी और एक नया जीवन नहीं देखा |

"विश्वास रखें" या "विश्वास करो" नए नियम में उत्तर दी गई प्रार्थना के लिए सबसे अधिक उद्धृत शर्ते हैं | क्या मेरी आस्था या विश्वास का मानवीय प्रयास ही सब कुछ है? जे. जी. मॉरीसन सिखाया करते थे कि बचाने वाले विश्वास और पवित्र करने वाले विश्वास के अलावा, प्राप्त करने वाला विश्वास भी होता है | इससे उनका तात्पर्य उसे विश्वास से था जिसका उपयोग परमेश्वर हमारी व्यक्तिगत आत्मिक आवश्यकताओं से परे चमत्कारी कारनामों को प्राप्त करने के लिए करता है |

पवित्र शास्त्र में परमेश्वर की प्रतीक्षा करने और उसके सामने प्रार्थना में समय बिताने के बारे में बहुत कुछ सिखाया गया है | यह अभ्यास परमेश्वर को हममें कार्य करने की अनुमति देते हैं | विश्वास परमेश्वर का एक उपहार और एक क्षमता दोनों है जिसे विश्वासी को अवश्य प्रयोग करना चाहिए | मत्ती 21:22 में, वाक्यांश "यदि आप विश्वास करते हैं", विश्वास का प्रयोग करने की आवश्यकता पर बल देता है | 1 कुरिन्थियों 12:9 में विश्वास, आत्मा के द्वारा परमेश्वर की ओर से एक उपहार हैं |

थियोफिलस लेसी को लिखे एक पत्र में, जॉन वेस्ली हमें एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि भी देते हैं : "जब हम किसी से विश्वास करने का आग्रह करते हैं, तो हमारा मतलब है, उस विश्वास को स्वीकार करें जो परमेश्वर अब देने के लिए तैयार है | वास्तव में विश्वास करना मनुष्य का कार्य है, लेकिन यह परमेश्वर का उपहार है | किसी ने तब तक कभी विश्वास नहीं किया जब तक कि परमेश्वर ने उसे सामर्थ्य नहीं दी |" 30

एक दिन, पाँच साल तक हमारी बेटी के लिए प्रार्थना करने के बाद, परमेश्वर ने मुझे विश्वास करने के लिए सक्षम बनाया, और मैंने एक दर्शन देखा कि मेरी बेटी प्रार्थना करने के लिए वेदी पर जा रही हैं |

यह इतना वास्तविक था कि मैं अपनी पत्नी को बताने के लिए सीढ़ियों से ऊपर की ओर दौड़ा, "मैंने अभी-अभी रेचल को बचाये जाते हुए देखा है" |

उस रात मुझे अपनी रोती हुई बेटी का फोन आया | "डैड", उसने कहा, "मैं आपके रूपांतरण की कहानी सुन रही हूँ और पिछले आधे घंटे से मैं प्रार्थना कर रही हूँ और अपने पापों को स्वीकार कर रही हूँ | मसीह मेरे दिल में वापस आ गये हैं और परमेश्वर पहले कभी भी इतना वास्तविक नहीं रहे जितना कि वह आज रात है | वह तब से बदल गई और आज तक यीशु की शक्तिशाली अनुयायी है|

30. जॉन वेस्ली, 'द वर्क्स ऑफ़ जॉन वेस्ली (कैनसस सिटी, एमओ : नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस, एनडी, XIII, 136)

.....

मार्च 22 **दिन - 81**

अवज्ञा करने से पहले मैं मर जाऊँगा

******

प्राण देने तक विश्वासी रह, तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा |
प्रकाशितवाक्य 2:10

यह मेरे मसीही जीवन का सबसे कठिन दिन था | यीशु मसीह के पूरी तरह से समर्पित अनुयायी बनने के कारण मेरे पिता मुझसे नाराज थे | शायद ऐसा इसलिए था क्योंकि मैंने अपने नए जीवन के बारे में उन्हें अच्छी तरह से बताया नहीं था | शायद यह उनकी अधर्मी जीवनशैली के कारण थी | या शायद यह उनकी निराशा थी कि मैं अपने जीवन के लिए उनका सपना पूरा नहीं कर सका |

जो भी हो, उन्होंने मुझ पर जो दबाव डाला जबरदस्त था | उन्होंने मुझे आर्थिक सहायता देना बंद कर दिया जब मैं अपना जूनियर वर्ष पूरा कर रहा था यह जानते हुए कि मैं कभी मेरे महंगे आइवी स्कूल में अपने सीनियर वर्ष के लिए पर्याप्त धन नहीं जुटा सकता था | उन्होंने एक दोस्त से कहा कि वह मेरा एक मसीही होने के बजाय एक अपराधी होना बेहतर मानेंगे | उन्होंने एक पति-पत्नी की कानूनी टीम, दोनों नास्तिक, को नियुक्त किया, मेरी एक भीषण प्रतिपरीक्षा लेने के लिए और यह साबित करने के लिए कि एक इंसान के लिए परमेश्वर को जानना असंभव है |

दोनों वकीलों ने मुझे उनके अपार्टमेंट में स्टेक खाने के लिए आमंत्रित किया। वे मेरे पिताजी के दोस्त थे, इसलिए मुझे लगा कि मुझे एक सुखद सामाजिक शाम के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने मुझसे मेरे प्रभावशाली रूपांतरण के अनुभव के बारे में सवाल करना शुरू कर दिया। हालांकि उन्होंने मेरे जवाब की प्रतीक्षा नहीं की - बल्कि उन्होंने मुझे अधीनता स्वीकार करने या उलझन में डालने के उद्देश्य से तेजी से एक के बाद एक प्रश्न पूछना आरंभ कर दिया।

अंत में, उनमें से एक ने मुझसे कहा, "हो सकता है आपको एक प्रभावशाली अनुभव हुआ हो, लेकिन यह सब सिर्फ मनोवैज्ञानिक है।"

दूसरे शब्दों में, "यह सिर्फ आपका भावनात्मक अनुभव था - यह परमेश्वर नहीं हो सकता।"

मैं प्रभु में केवल कुछ सप्ताह पुराना था, और मैं हिल गया था। यह घटना मेरे स्कूल वर्ष में एक छुट्टी के दौरान हुई थी। कुछ दिनों बाद, वापस अपने कॉलेज छात्रावास में, मैं परमेश्वर के साथ एक भक्तिमय समय बिता रहा था। मैं अभी भी वकीलों के जुबानी हमलों से परेशान था। जब मैंने वकीलों के साथ हुई बातचीत के बारे में सोचा, तो मैंने एक भयानक आवाज को यह दोहराते सुना, लेकिन यह सब सिर्फ मनोवैज्ञानिक है।

मैंने सोचा, क्या यह सच है? क्या मुझसे कोई गलती हुई है? क्या यह सिर्फ मेरे अपने व्यक्तित्व से उत्पन्न हुई एक भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक अनुभव है? क्या यह सच में परमेश्वर थे? क्या मुझे यह सब छोड़ देना चाहिए?

फिर मैंने एक प्यार भरी आवाज की फुसफुसाहट सुनी: चिक, तुम्हें पता है कि तुम्हें क्या हुआ था।

मेरे दिल ने जवाब दिया, हाँ प्रभु, मुझे पता है कि वह आप ही थे। मैंने पीछे मुड़कर उस पेज की ओर देखा जो मैं अपनी बाइबिल में पढ़ रहा था: "इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया और मेंह बरसा, और बाढ़े आई और आँधियाँ चली, और उस घर से टकराई, फिर भी वह नहीं गिरा, क्योंकि उसकी नींव चट्टान पर डाली थी। (मत्ती 7:24-25)

मेरा मन आनंदित हुआ। हाँ, मैंने सोचा, मेरा जीवन चट्टान पर है! मैं मसीह को जान गया हूँ! परमेश्वर वास्तविक है! मैं आपकी बातें सुनूंगा और उन पर अमल करूंगा! मैं पीछे नहीं हटूंगा!

वकीलों के साथ उस अनुभव और भयावह आवाज़ ने मेरे मन में घर कर लिया था। कोई मेरे साथ सबसे बुरा क्या कर सकता है? मुझे मार सकता है। इसलिए मैंने फैसला किया कि "मैं अवज्ञा करने से पहले मर जाऊंगा।" मैं प्रकाशितवाक्य का भाग बनूंगा: "प्राण देने तक विश्वासी रह, तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा"। (2:10)

उस दृढ़ संकल्प ने मुझे कभी नहीं छोड़ा।

.....

मार्च 23 **दिन - 82**

यह न्यायाधीश न्यायी है

******

मैंने केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया, और जो तेरी दृष्टि में बुरा है, वही किया है; ताकि तू बोलने में धर्मी और न्याय करने में निष्कलंक ठहरे। भजनसंहिता 51:4

"हे दाऊद, तू ही वह मनुष्य है," नातान भविष्यवक्ता ने कहा। और दाऊद ने तुरंत उस स्थान की यात्रा आरंभ की जहाँ परमेश्वर के अतिरिक्त किसी को बिना अनुमति के प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। वह बिना सुरक्षा की दीवार के, बिना आवरण के, बिना न्याय के, बिना किसी आवश्यकता या कर्तव्य के गया, जहाँ वह बिना किसी बहाने के प्रावरण के पूर्ण रूप से नग्न खड़ा रहा।

दाऊद ने यह नहीं कहा कि, "मेरे पिता के पापों ने मेरे जीवन पर दाग छोड़ दिया है।"

उसने यह नहीं कहा कि, "मैं राजा हूँ – मैं परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने से बड़ा हूँ।"

उसने यह नहीं कहा कि, "मैं उसका पीड़ित शिकार था।"

उसने यह नहीं कहा कि, "मैं किस प्रकार की बाजी खेलूँ कि परमेश्वर विश्वास करें कि यह मेरी गलती नहीं थी?"

उसने यह नहीं कहा कि, "तुम्हारा क्या, नातान?"

वह बस वही खड़ा था अपनी शर्म में नग्न और परमेश्वर के साथ में सहमत हुआ। उसने दया, करुणा और क्षमा की माँग की यह जानते हुए कि न्यायी न्यायाधीश के पास अटूट प्रेम है - यह जानते हुए कि भीतर शुद्धीकरण प्राप्त करने का कोई अन्य तरीका नहीं था।

जब परमेश्वर आए, तो दाऊद ने चिह्न थामे रखा था, जिसमें लिखा था, मैं दोषी हूँ।"

जब परमेश्वर आए, तो दाऊद ने एक चिन्ह को वापस पकड़ लिया जिस पर लिखा था, "मुझे क्षमा कर दिया गया है।"

आपकी उस सबसे आंतरिक जगह पर आपका चिन्ह क्या कहता है?

नैन्सी शेवर 31

---

31. इससे पहले "कम ये अपार्ट" मार्च-अप्रैल-मई (कैनसस सिटी: एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 26, में प्रकाशित हुआ। (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया)

.....

मार्च 24 **दिन - 83**

वास्तविक मसीही — बेहतर कार्यकर्ता

******

हे सेवकों, जो शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, सब बातों में उनकी आज्ञा का पालन करो, मनुष्य को प्रसन्न करने वालों के समान दिखाने के लिए नहीं, परंतु मन की सीधाई और परमेश्वर के भय से, जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिए नहीं परंतु प्रभु के लिए करते हो; क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इस के बदले प्रभु से मीरास मिलेगी; तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो। कुलुस्सियों 3:22-24

दासता रोमन साम्राज्य में स्थापित एक संस्था थी (और उन्नीसवीं शताब्दी में समाप्त कर दी गई अमेरिकी चैटल दासता प्रणाली से पूरी तरह से अलग)।

वास्तव में, शायद रोमन साम्राज्य की आधी आबादी गुलाम थी। कई दास सुशिक्षित लोग थे जो अमीर लोगों के घरों में बड़ी जिम्मेदारी निभाते थे, जिनमें बच्चों को शिक्षित करना शामिल था। इस पत्र में कुछ समय बाद स्वामियों को दासों के प्रति उनके उचित और निष्पक्ष व्यवहार की जिम्मेदारी के बारे में बताया गया है।

उस समय, मसीहत अल्प राजनीतिक शक्ति एक अल्पसंख्यक समूह था | जैसे-जैसे चर्च और उसका प्रभाव बढ़ता गया, अंततः चर्च गुलामी को समाप्त करने के लिए एक प्रमुख शक्ति बन गया।

आज दास-स्वामी का रिश्ता कार्यकर्ता-मालिक के रिश्ते के लिए आदर्श बन सकता है। वास्तव में, कार्यकर्ता की मसीहत उसे एक बेहतर और अधिक कुशल कार्यकर्ता बना देगा। मालिक के लिए काम करना, परमेश्वर के लिए काम करना माना जाता है।

मैं एक मसीही महिला को जानता हूँ जिसने अपनी कंपनी के लिए पच्चीस से अधिक वर्षों तक काम किया है और दो बार प्रेसिडेंड अवार्ड जीता है। वह अपने बॉस और सहकर्मियों के लिए और उनके साथ प्रार्थना करती है, करुणा के कार्य करती है (जैसे कैंसर से जूझ रहे सहकर्मी को एक उदारपूर्वक चेक देना) और अपने विश्वास को प्रभावी ढंग से साझा करती है।

हाल ही में, उसके मालिक ने उससे कहा, "कंपनी के प्रति आपकी वफादारी अभूतपूर्व है; सहकर्मियों के प्रति आपकी वफादारी भी ऐसी ही है। विक्रय प्रतिनिधि आपको प्यार करते हैं।"

इस कार्यकर्ता ने जवाब दिया, "यह मेरे लिए स्वाभाविक है क्योंकि मैं लोगों में निवेश करती हूँ।"

हाल ही में, जब यह महिला अपने सैंकड़ों इ-मेलों में से एक को पढ़ रही थी, उसने देखा कि उसका एक सहकर्मी सहायता माँग रहा था। उसने कहा कि वह तुरंत एक मेल भेज सकती थी और वह स्वीकार्य होता। इसके बजाय, उसने अपने सहकर्मी को फोन किया और पच्चीस मिनटों तक उसे अच्छे से स्नेहपूर्ण रूप से सलाह दी।

"काम के प्रति यह नैतिकता कहाँ से आई" मैंने उससे पूछा।

उसने जवाब दिया, "मैं एक मसीही घर में पली-बढ़ी। मैंने इसे अपने माता-पिता में देखा।"

मैं आपसे अपनी मसीही-जीवन शैली को अपने कार्यस्थल पर लागू करने का आग्रह करता हूँ।

पौलुस के पत्र के संदर्भ के अनुसार, दासों को संपत्ति रखने की अनुमति नहीं थी। लेकिन आश्चर्यजनक रुप से, परमेश्वर ने इन इमानदार मसीही कार्यकर्ताओं को "प्रभु से एक पुरुस्कार के रूप में मीरास" देने का वादा किया था" (3:24)। हाँ, यह प्रेसिडेंट के अवार्ड की तरह है, लेकिन इससे भी बड़ा — यह यीशु का पुरुस्कार है।

.....

मार्च 25 **दिन - 84**

सिद्ध

******

सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है। मत्ती 5:48

हर तीन सेकंड में हमारी रसोई का नल टपकता था। इसमें से उन लंबे हैंडलों में से एक था जो सभी दिशाओं में घूम सकता था। दायीं ओर घुमाने पर ठंडा पानी; बाई और घुमाने पर गर्म पानी आता था। जब आप पानी को बंद कर देते तो आप उसे सीधे नीचे नहीं खींच सकते थे - आपको थोड़ा दाहिनी ओर एंगल पर रखना पड़ता था। लेकिन वह हमेशा टपकता था।

जब मेरे बैकहो ऑपरेटर, मास्टर ट्रेंच डिगर और दोस्त, डेव ने मुझे बताया कि उसका एक अच्छा दोस्त, जिम एक ऐसा प्लंबर था, जिस पर मैं अपना जीवन दाँव पर लगा सकता था। मैं लगभग खुशी से चिल्ला उठा। डेव और जिम सोमवार को आए और हमने उन्हें घर का हर प्लंबिंग प्रोजेक्ट दिया (हम लंबे समय से बचत कर रहे थे)। लेकिन सबसे बड़ा प्रोजेक्ट रसोई का नल था।

मेरी पत्नी, नैन्सी ने स्थानीय स्टोर में से सभी फिटिंग के अनुसार, मध्य मूल्य में एक नल खरीदा। डेव और जिमी नें देर तक कड़ी मेहनत की, और नया नल फिट हो गया था। हमने इसे चालू किया — पानी का प्रवाह अच्छा था। लेकिन जब हमने इसे बंद किया, तो यह टपकने लगा।

हम वापस स्टोर में गये और एक नए, सीलबंद डिब्बे में उसी शैली का नल खरीदा। लेकिन जब हमने डिब्बे को खोला, तो हमने देखा कि नल क्षतिग्रस्त था, हैंडल निकला हुआ था। हम दूसरी बार वापस स्टोर में गए।

तीसरे नए नल को लगाने में अधिक कार्य करना पड़ा, लेकिन अंततः उसे लगा दिया गया। हमने उसे चालू किया — पानी बहने लगा। हमने उसे बंद किया — और नहीं टपका। मैंने सोचा, यह एकदम सिद्ध हैं। वह न तो सबसे महंगा न ही सबसे शानदार नल था लेकिन वह एकदम सिद्ध था क्योंकि उसने उस उद्देश्य को पूरा किया जिसके लिए उसे बनाया गया था।

क्या आपको आश्चर्य होता है जब परमेश्वर हमसे कहता हैं, "सिद्ध बनो, जैसे तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है" (मत्ती 5:48)? वचन 43 - 47 में यीशु ने हमें दूसरों से प्रेम करने को कहा जैसे पिता हमसे प्रेम करता है। विलियम बार्कले कहते हैं, "एक व्यक्ति सिद्ध है अगर वह उस उद्देश्य को जानता है जिसके लिए उसे बनाया गया था और दुनिया में भेजा गया था।"32

आप सबसे प्रतिभाशाली, सबसे मेघावी या सबसे महान संचारक नहीं हो सकते, लेकिन आप प्रेम के अपने उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। आप दूसरों को प्यार दिखाने में सिद्ध हो सकते हैं — वह उद्देश्य जिसके लिए आप और मैं बनाये गये थे। इस प्रकार का प्रेम उच्च-क्षमता वाला होता है, लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह से हम इसे कर सकते हैं।

वैसे, कुछ दिन हो गए हैं — नल अभी भी लिक या टपक नहीं रहा है। वह सिद्ध है! मुझे खुशी है कि वह अपने उद्देश्य की पूर्ति कर रहा है।

---

32. विलियम बार्कले, "द गास्पल ऑफ़ मैथ्यू" वाल्यूम 1 (फिलडेल्फिया: वेस्टमिनस्टर प्रेस, 1975), 177।

.....

मार्च 26 **दिन - 85**

यह बहुत विशिष्ट हो सकता है

******

और प्रभु ने उससे कहा, "हाँ, पीछा कर, क्योंकि तू निश्चय उसको पकड़ेगा, और नि:संदेह सब कुछ छुड़ा लाएगा!"1 शमूएल 30:8.

अल्जाइमर रोग का पता चलना एक परिवार के लिए बहुत सारी समस्याएं लाता है। इसने हमारे परिवार को प्रभावित किया है। हम बहुत बार सुनते हैं, "मुझे अपना..... नहीं मिल रहा है, यदि वह आपका क्रेडिट कार्ड हो तो आपके मन में भय पैदा हो जाता है।

एक मंगलवार को, नैन्सी ने मुझे यह बताने के लिए फोन किया कि वह दुकान छोड़कर घर जा रही थी। उस शनिवार, उसने मुझसे कहा, "मुझे अपना सेल फोन नहीं मिल रहा है"। हमने उसके (नैन्सी) द्वारा किये गए पिछले सभी गतिविधियाँ के बारे में सोचा। फोन स्टोर से कॉल करने के बाद से गायब था, लेकिन वह मुझे बताने से हिचक रही थी क्योंकि वह मुझे परेशान नहीं करना चाहती थी। शनिवार की रात तक मैंने चार पर्सो की अच्छी तरह से तलाशी ली और पूरे घर का चप्पा-चप्पा छान मारा। जितना अधिक मैंने खोजा उतना ही अधिक मैंने बेचैनी महसूस की।

रविवार के प्रात:काल के समय, मैं शमूएल से पढ़ रहा था। दाऊद के सिकलग नगर पर आक्रमण किया गया था और हमलावरों ने दाऊद और उसके सैनिकों की पत्नियों, पुत्रों और पुत्रियों को बंदी बनाकर ले गए थे। दाऊद ने परमेश्वर से मार्गदर्शन माँगा और दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं उन हमलावरों के दल का पीछा करूँ? क्या उसको जा पकडुंगा? और यहोवा ने उससे कहा, "पीछा कर, क्योंकि तू निश्चय उनको पकड़ेगा, और नि:संदेह सब कुछ छुड़ा लाएगा!" (1 शमूएल 30:8)

ये वचन, यह सत्य, मेरे लिए बहुत प्रभावशाली थे। मैंने अपनी डायरी में लिखा है, प्रभु, मैं दाऊद की तरह छोटा महसूस करता हूँ। नैन्सी ने अपना सेल फोन खो दिया है। क्या आप मेरा मार्गदर्शन करेंगे? क्या आप मुझे बताएंगे कि यह कहाँ है? क्या आप इसे खोजने में मेरी मदद करेंगे?

थोड़ी देर बाद, जब मैं अपनी कार से संडे स्कूल और चर्च जाने की तैयारी कर रहा था, तो मुझे महसूस हुआ कि मुझे अपनी दूसरी कार में भी खोजना चाहिए - जिसे नैन्सी मंगलवार को चला रही थी। मैंने आगे की सीटों के नीचे और स्टोरेज क्षेत्रों में खोजा - कोई फोन नहीं मिला। मैंने सोचा पिछली सीटों में भी खोजना चाहिए। सतह पर एक जगह में, सेंटर कंसोल के बगल में, फोन था। मैं नैन्सी को दिखाने के लिए फोन घर पर ले गया, और हम दोनों ने कहा, प्रभु का धन्यवाद है! क्या राहत मिली है।

कितना अद्भुत है कि जीवित परमेश्वर हमसे बात और हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं और करेंगे। वह हमें कल्याण की भावना प्रदान करते हैं और आश्वासन देते हैं कि वह हमारे साथ रहेंगे - और कभी-कभी उनका मार्गदर्शन हमारी आवश्यकताओं के लिए बहुत विशिष्ट हो सकता है।

.....

मार्च 27 **दिन - 86**

अलगाव को अलविदा कहो!

******

इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परंतु पवित्र लोगों के संग स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए। इफिसियों 2:19

अलगाव को अलविदा कहो!

क्या यह अच्छा लगता है? इसका मतलब है कि अंत में, शामिल होने, प्यार करने, मान्य करने और खुश होने के लिए एक जगह होना। इसका मतलब है कि दुनिया में एक सुरक्षित जगह - वहीं दुनिया जिसमें परमेश्वर के लिए जगह बनाना मुश्किल हो गया था।

मैंने देखा कि बहुत से लोग कई कारणों से उनके (परमेश्वर) राज्य में सदस्यता के बारे में पूछने से हिचकीचाते हैं। कुछ लोग यह नही मानते कि वे परमेश्वर के राज्य में रहने के योग्य हैं। कुछ लोग प्रेम किए जाने के आदी नहीं होते, कुछ इस बात से डरते हैं कि परमेश्वर उनसे क्या करने को कहेगा। कुछ दूसरों को गाली दे रहे हैं और शिकार बना रहे हैं: कुछ खुद शिकार है। कुछ का मानना है कि उन्हें हर समय नियंत्रण में रहना चाहिए; कुछ नियंत्रण से बाहर हैं। कुछ इंकार करते हैं कि उन्हें किसी चीज की जरूरत है - परमेश्वर के प्रेम की भी नहीं।

कुछ अपने द्वारा बनाई गई दीवारों के साथ आते हैं और अपने दरवाजे बंद और मोर्चाबंद रखते हैं। कुछ दर्द में हैं और मानते हैं कि कोई राहत नहीं है। कुछ आत्मिक रूप से मर चुके हैं और विश्वास नहीं करते कि वे मरने से पहले वास्तव में जी सकते हैं। कुछ क्रोध और शर्म से भरे हुए हैं। कुछ दुनिया के थके हुए केयरटेकर है।

"क्या परमेश्वर उन्हें अंदर जाने देंगे?" आप पूछते हैं। हाँ, अगर वे अपने दिल का दरवाजा खोलते हैं। आप देखें, मैं ऊपर बताए गए कई लोगों की तरह थी, और उसने मुझे अंदर जाने दिया। अलविदा, अलगाव।

नैन्सी शेवर 33

---

33. इससे पहले "कम ये अपार्ट" मार्च-अप्रैल-मई 1966 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 28 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग ऑफ़ गॉड" बन गया)

.....

मार्च 28 **दिन - 87**

स्वर्ग

******

फिर मैंने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा। फिर मैंने सिहासन में से किसी को ऊँचे शब्द से यह कहते हुए सुना, "देख, परमेश्वर का डेरा मनुष्य के बीच में है। वह उनके साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे। और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा। वह उनकी आँखों से सब आँसू पोछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रही।
प्रकाशितवाक्य 21:1, 3-4

"हे, सिरी!" मैंने कहा। कल का मौसम कैसा है? उसने जवाब दिया, "तूफान की चालीस प्रतिशत संभावना, उच्च तापमान अट्ठासी डिग्री, और कम से कम तापमान सतहत्तर"

अद्भुत! वह आपको कल का मौसम बता सकती है।

हे प्रकाशितवाक्य! हमारे अनंत काल का भविष्य क्या है?

अद्भुत, प्रकाशितवाक्य आपको स्वर्ग में आपके भविष्य के बारे में बता सकता है।

जब आज यदि एक मसीह की मृत्यु होती है, तो उसकी आत्मा तुरंत प्रभु के पास चली जाती हैं। पौलुस ने गवाही दी, "मेरे लिए जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है..... मैं तो चाहता हूँ कि कूच करके मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है" (फिलिप्पियों 1:21, 23)। वह आगे लिखता है, "इसलिए हम ढ़ाढ़स बाँधे रहते हैं और देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं। इसलिए हम उसे खुश करने के लिए इसे अपना लक्ष्य बनाते हैं।" (2 कुरिन्थियों 5:8-9)

इसके अलावा, एक दिन आ रहा है जब हमारे भौतिक शरीरों को छुड़ाया जाएगा। पहला थिस्सलुनीकियों 4:16-17 हमें बताता है, "क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार,और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फुँकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएंगे की हवा में प्रभु से मिले; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।"

जब किसी व्यक्ति से पूछा गया, "परमेश्वर को तुम्हें स्वर्ग में क्यों आने देना चाहिए"? जवाब था, "क्योंकि मैं अपनी माँ को फिर से देखना चाहता हूँ"।

यह एक अच्छी इच्छा हो सकती है, लेकिन यह स्वर्ग में प्रवेश का आधार नहीं है। प्रकाशितवाक्य हमें बताता है कि कौन प्रवेश करता है और कौन नहीं: "जो जय पाए वही इन वस्तुओं का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा और वह मेरा पुत्र होगा। परंतु डरपोकों और अविश्वासियों, और घिनौनों, और हत्यारों और व्यभिचारियों और टोंन्हो और मूर्तिपूजकों और सब झूठों का भाग — उस झील में मिलेगा जो आग और गंधक से जलती रहती है" (21:7-8) और, "परंतु उसमें कोई अपवित्र वस्तु, या घृणित काम करने वाला, या झूठ का गढ़नेवाला किसी रीती से प्रवेश न करेगा, पर केवल वे लोग जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में लिखे हैं।" (21:27)

और, "धन्य हैं वे जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के वृक्ष के पास आने का अधिकार मिलेगा और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। पर कुत्ते और टोन्हें, और व्यभिचारी और हत्यारे और मूर्तिपूजक और हर एक झूठ का चाहने वाला और गढ़नेवाला बाहर रहेगा।" (22:14-15)

प्रकाशितवाक्य कहता है कि यह स्वर्गीय शहर 1,400 वर्ग मील है: इसकी दीवारें 200 फीट मोटी है; बारह फाटकों पर इजरायल के बारह गोत्रों के नाम लिखे हैं; उसके रक्षक स्वर्गदूत है; इसकी नींव बारह प्रेरितों के नाम वाले पत्थरों से बनी है; इसकी दीवारों को जवाहारातों से सजाया गया है; उसके फाटक मोतियों के बने हैं; इसकी मुख्य सड़क सोने से बनी है; उसका मंदिर यहोवा परमेश्वर और मेम्ना है; उसका प्रकाश परमेश्वर की महिमा हैं। इसमें न आंसू होंगे, न मृत्यु, न रोना, न दर्द। इसमें जीवन का जल, जीवन का वृक्ष, फल की बारह फसलें, जातियों के लिए चंगाई और उज्जवल प्रकाश होगा।

मृत्यु से पहले मेरी आंटी मैरी के अंतिम शब्द थे, "ओह, ओह, ओह स्वर्गदूत, स्वर्गदूत मेरे चारों ओर है।" ओह, एक स्वर्ग है।

"आत्मा और दुल्हिन दोनों कहती है, "आ"! और सुननेवाला भी कहे, "आ"! जो प्यासा हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।" (प्रकाशितवाक्य 22:17)।

.....

मार्च 29 **दिन - 88**

मेरे पास जो है, मैं देता हूं

******

तब पतरस ने कहा, "चाँदी और सोना तो मेरे पास है नहीं,
परंतु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ; यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर।"
प्रेरितों के काम 3:6

इथियोपियाई मिशनरी हॉवई शुट ने बताया कि होलीनेस कांफ्रेंस के लिए एकत्रित एक हजार लोगों में से कुछ संशयवादी मुस्लिम थे जिन्होंने मसीह के सामर्थ्य पर संदेह किया था। जब पादरी प्रचार कर रहे थे, तब चार मुस्लिम व्यक्ति अपने दोस्त को ले आए जो जीवन भर विकलांग था और समुदाय में जाना जाता था। उन्होंने उसे वेदी पर रखा। प्रार्थना के दौरान उसकी मृत मांसपेशियों में जीवन आ गया और उसके पैर मजबूत हो गए और वह आदमी दौड़ने लगा और परमेश्वर की स्तुति करने लगा। चालीस मुस्लिम दौड़कर सामने आए और बोले "हमें यीशु की जरूरत है।"*

यह अभी भी होता है। आत्मिक सामर्थ्य मसीह की पूरी तरह से समर्पित अनुयायियों में उपस्थित होती है - आत्मा की परिपूर्णता से सामर्थ्य (प्रेरितों के काम 1:8, 2:4)। आज के वचन के संदर्भ में व्यक्ति विकलांग है और उसे भीख मांगने के लिए एक स्थान पर ले जाना पड़ता है (3:2) -

वह असहाय और निराश दोनों है। यदि केवल उनकी जेबें खाली नहीं होती, तो पतरस और यूहन्ना उस व्यक्ति को उसकी दिन भर की जरूरतों के लिए नगद दे सकते थे। लेकिन चूँकि वे मसीह की सामर्थ्य संपर्क में हैं, इसलिए वे उसे वह देते हैं जिसकी उसे सबसे अधिक आवश्यकता है, जिसके दीर्घकालिक परिणाम हैं।

हमेशा की तरह, यह चंगाई, यह दयालु कार्य, मसीह को उद्धारकर्ता इंगित करने के लिए किया गया है: गवाह चकित होते हैं (3:10), प्रचार और सुसमाचार प्रचार के अवसर खुलते हैं, और बहुत से लोग मसीह को स्वीकार करते हैं (4:4), इसी तरह, आत्मा की सामर्थ्य में हम वह दें जो हमारे पास है (3:6)।

*हॉवई द्वारा रिपोर्ट किया गया, होलीनेस समिट, कोलोराडो स्प्रिंग्स, कोलोराडो, 7 सितम्बर, 2008।[34]

---

34. इससे पहले "रिफ्लेक्टिंग गॉड" जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कं), 20 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया।

.....

मार्च 30 **दिन - 89**

वह इतना निम्न चले गए

******

जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो; जिसने परमेश्वर के स्वरुप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। वरन अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरुप धारण किया और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि - मृत्यु, हाँ, क्रूस की मृत्यु की सह ली। फिलिप्पियों 2:5-8

मास्को - मैं केवल एक सप्ताह के लिए सत्रह रूसियों को दिन के आठ घंटे यह सिखाने के लिए वहाँ था कि यीशु का बेहतर गवाह कैसे बना जाए। मुझे ठहरने के लिए एक छोटे से अपार्टमेंट में ले जाया गया। जब मैंने अपने सामानों को खोला, मैंने देखा कि वहाँ कचरे से भरा एक ही कचरा पेटी है। मुझे अपार्टमेंट परिसर के कचरे के निपटान के प्रोटोकॉल के बारे में पता नहीं था, इसलिए मैंने अपने मेजबान मिशनरी से कचरा पेटी के बारे में पूछा। लगभग प्यार से वह अपने हाथों और घुटनों पर आया, कचरे को हाथ से हटा दिया और कचरा पेटी को साफ किया।

मैं रो जाता। यहाँ एक आजीवन मिशनरी था जिसने रूसीयों को उद्धारकर्ता के पास लाने के लिए, यीशु की बुलाहट पर स्वयं को देने के लिए अमेरिका में अपनी मातृभूमि छोड़ दी थी। और इसके अलावा वह मेरे एक सप्ताह के दौरे के लिए चीजों को और अधिक आरामदायक बनाने के लिए अपने घुटनों पर मेरे कचरा पेटी की सफाई कर रहा था।

यीशु मसीह पर विचार करें, जो वास्तव में परमेश्वर है, लेकिन एक इंसान के रूप में पृथ्वी पर आए: जो स्वेच्छा से क्रूस पर मरने के लिए गए ताकि आपके और मेरे पास क्षमा किए जा सकें। खोई हुई मानवता की तरह और भी पूरी तरह से पहचाने जाने के लिए। वह दो चोरों के बीच लटक गए और जैसे वे मर रहे थे वैसे ही मर गए। ज़रा कल्पना कीजिए! ई. स्टेनली जोन्स ने कहा, "इसका मतलब था कि वह इतना निम्न चले गए थे कि वह सबसे निम्न पापी के नीचे आ सकते थे और उसे अकल्पित ऊंचाइयों तक उठा सकते थे।35

उन्होंने यह आपके और मेरे लिए किया!

---

35. एली स्टेनली जोन्स, हाउ टू बी अ ट्रांसफार्मड पर्सन (न्यू यार्क: एबींगड़न - कोक्सबरी प्रेस, 1951), 12।

.....

मार्च 31 **दिन - 90**

क्रूस पर चढ़ाया गया

******

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझमें जीवित है, और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया| गलातियों 2:20

यीशु मसीह को हमारे पापों के लिए सूली पर चढ़ाया गया था। मसीही हर जगह इस केंद्रीय सत्य को पहचानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके लिए भी सूली पर चढ़ना संभव है? पौलुस ने वास्तव में यह दावा किया: "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।"

ग्रीक में, "मैं" के लिए पौलुस का शब्द "अहंकार" है। जब हम किसी को यह कहकर वर्णन करते हैं कि "वह बहुत अहंकारी है" तो हमारा अर्थ है कि वह आत्मकेंद्रित है। इसीतरह, जब पौलुस कहता है, मैं मसीह के साथ उस पर चढ़ाया गया हूँ, और "मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ", का संदर्भ देता है, तो पौलुस का अर्थ है कि उसकी आत्म-केंद्रितता को मार दिया गया है। जब आप इसका अनुभव करते हैं तो आपकी आत्म-केंद्रीतता को सूली पर चढ़ा दिया जाता है, लेकिन आपके आवश्यक स्वार्थ को नहीं - फिर भी आपके पास एक व्यक्तित्व होगा। और आप अभी भी सीमाओं, कमजोरियों और प्रलोभनों का अनुभव करेंगे। आप "परमेश्वर के पुत्र में विश्वास के द्वारा जीवित" रहेंगे और मसीह-केंद्रित चुनाव करेंगे। पौलुस ने ऐसे सामर्थ्य का रहस्य प्रकट किया: "मसीह मुझ में रहता है"। वह सोता या आराम नहीं करता - वह वास करता है।

यदि आप उसे स्वयं को सूली पर चढ़ाने देते हैं, तो आप सभी चीजों को ढीला पकड़ेंगे, क्योंकि अपने हाथ में एक किल के साथ कुछ भी पकड़ना मुश्किल होता है। डेनिस किनलॉ ने मेरी नाम की महिला को सबसे उत्तम तरीके से और परमेश्वर की महिमा के लिए वायलिन बजाते हुए सुनने के बारे में बताया। मेरी ने उसे बताया कि उसके वायलिन के साथ उसका रिश्ता हमेशा परमेश्वर की महिमा करने वाला नहीं रहा है।

प्रभु ने उससे कहा, "मेरी, मुझे अपना वायलिन दे दो"।

उसने जवाब दिया, प्रभु मेरे पास बस यही है।

"मुझे अपना वायलिन दे दो"

"लेकिन प्रभु, यह मेरा जीवन है।"

"मैं जानता हूँ। मैं तुम्हारा जीवन बनाना चाहता हूं।

मेरी ने किनलॉ को बताया, "उस वायलिन ने मुझे अधीन किया हुआ था। मैंने उसे नहीं। इसलिए मैंने उसे प्रभु को दे दिया। पहली बार में स्वतंत्र थी। उन्होंने उसे वापस दे दिया - अब यह मेरे अधीन है क्योंकि मैं उनके (यीशु) अधीन हूँ और मैं स्वतंत्र हूँ।

क्रूस पर चढ़ाया गया, फिर भी बहुतायत से जीवित है। परिणाम - सबसे खूबसूरत संगीत।

.....

अप्रैल 1 **दिन - 91**

बुरे में से कुछ अच्छा आना

******

और यिशै से दाऊद राजा उत्पन्न हुआ, और दाऊद से सुलेमान उस स्त्री से उत्पन्न हुआ जो पहले ऊरिय्याह की पत्नी थी। मत्ती 1:6

मत्ती, यीशु मसीह की वंशावली का विवरण देता है, मसीहा, दाऊद का पुत्र, अब्राहम का पुत्र। वह अब्राहम के पास वापस जाता है, जिसने अपनी मातृभूमि को छोड़ने और एक नये राष्ट्र की स्थापना करने के लिए परमेश्वर की बुलाहट का पालन किया। मत्ती, दाऊद पर प्रकाश डालता है, जो इजराइल का सबसे बड़ा राजा बना।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि अपनी सेवकाई के दौरान, यीशु को बार-बार "दाऊद का पुत्र" कहा जाता है।

लेकिन ध्यान दें कि मत्ती क्या करता है: जब वह विवरण देता है कि दाऊद सुलैमान का पिता है, तो वह निर्दिष्ट करता है कि सुलैमान की माँ पहले ऊरीय्याह की पत्नी थी। अब यह बहुत उलझ जाता है - राजा दाऊद की कई पत्नियाँ थीं (2 शमुएल 5:13), जो उस समय स्वीकार्य माना जाता था।

फिर, एक दिन, अपने महल की छत से, दाऊद एक सुंदर महिला को नहाते हुए देखता है और उसे लाने के लिए एक नौकर भेजता है। वह स्त्री बतशेबा उसके पास आती है और दाऊद उसके साथ सोता है। वह उसे वापस घर भेज देता है और अंततः उसे खबर मिलती है कि वह उसके बच्चे से गर्भवती है।

यह जानने के बाद दाऊद, बतशेबा के पति ऊरीय्याह को युद्ध से वापस बुलाता है, और उसके घर लौटने की व्यवस्था करता है इस उम्मीद में कि वह अपनी पत्नी के साथ सोएगा। ऊरीय्याह घर जाने से इंकार कर देता है और इसके बजाय, अपने सैनिकों के साथ एकजुट होकर, राजा के सेवकों के साथ चटाई पर सोने का चुनाव करता है।

दाऊद, ऊरीय्याह को युद्ध में वापस भेज देता है और अपने सेनापति योआब से कहता है कि उसे अग्रिम पंक्ति पर खड़ा कर दो। जल्द ही, ऊरीय्याह मारा जाता है। दाऊद फिर बतशेबा से विवाह कर लेता है, और आखिरकार वह दाऊद के बच्चे को जन्म देती है। इसप्रकार दाऊद व्यभिचार और ऊरीय्याह की मृत्यु की व्यवस्था, दोनों करता है।

इसलिए, जब मत्ती यीशु मसीह की वंशावली का विवरण देता है, वह सच्चाई से दोषपूर्ण राजा दाऊद को रिश्तेदारों की पंक्ति में सूचीबद्ध करता है, और वह आगे बतशेबा को सुलेमान की माँ के रूप में पहचान कराता है। एक कारण जिससे मैं यह विश्वास करता हूँ कि पवित्र शास्त्र सत्य और विश्वसनीय है क्योंकि यह अप्रिय, पापपूर्ण वास्तविकताओं को ढकता नहीं है। यही, बुरे में से अच्छा आना है: दुनिया का उद्धारकर्ता एक ऐसे वंश से उतरा है जिसमें इस तरह के गंभीर पाप थे। यह मुझे बताता है कि परमेश्वर आपके या मेरे जीवन में से सबसे बुरे को निकाल सकता हैं और उससे कुछ अच्छा निकाल सकते हैं।

परमेश्वर दाऊद के पाप को हल्के में नहीं लेते - परमेश्वर के भविष्यवक्ता नातान ने दाऊद का सामना उसके पाप को प्रकट करने और उसे डांटने के लिए किया (2 शमुएल 12:7)।

इस मुलाकात के दौरान, दाऊद तुरंत अंगीकार करता है, "मैंने यहोवा के विरुद्ध काम किया है" (12:13)। नातान ने परमेश्वर की क्षमा के साथ जवाब दिया, लेकिन दाऊद से कहा कि उसका अजन्मा बच्चा मर जाएगा। दाऊद की पच्छताप की पूरी प्रार्थना भजन संहिता 51 में दर्ज है: अपना मुख मेरे पापों की ओर से फेर ले, और मेरे सारे अधर्म के कामों को मिटा डाल। हे परमेश्वर, मेरे अंदर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थित आत्मा नये सिरे से उत्पन्न कर" (वचन 9-10)।

इसके बाद दाऊद ईमानदारी से परमेश्वर का अनुसरण करता है। जब तक हम नये नियम में पहुँचते हैं, तब तक पतरस दाऊद के बारे में प्रचार करता है और उसके बारे में परमेश्वर के आंकलन को याद करता है: "मुझे एक मनुष्य, यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल गया है; वह मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा" (प्रेरितों के काम 13:22)। दाऊद इजराइल के इतिहास में सबसे महान राजा बन जाता है और अंततः दुनिया के उद्धारकर्ता के लिए माध्यम है।

बुरे में से कुछ अच्छा आना।

.....

अप्रैल 2 **दिन - 92**

उसने हमारे पापों को अपने ऊपर ले लिया।

******

"वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ गया", जिससे हम पापों के लिए मरकर धार्मिकता के लिए जीवन बिताएः "उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए", क्योंकि तुम पहले भटकी हुई भेड़ों के समान थे", पर अब अपने प्राणों के रखवाले और अध्यक्ष के पास लौट आए हो।

1 पतरस 2:24-25

यह एक मजाक की तरह लगा - मैंने सारी गर्मियों में काम किया और अपना अधिकांश वेतन बचाया। शरद ऋतु में, मैं एक और साल के लिए अपने आइवी लीग कॉलेज में लौट आया और ट्यूशन, फीस, कमरे और भोजन के लिए मैंने जो कुछ बचाया था, उसे खर्च कर दिया। फिर भी यह एक बड़े बाल्टी में, एक छोटी सी बूंद थी। मेरे शेष विशाल देय राशि का क्या?

एक मिनट रुकिए - मुझे याद आया कि मैंने अपनी जेब में अपने पिताजी द्वारा दिया गया एक बड़ा चेक रखा था। आपको पता है, उन्होंने कड़ी मेहनत की थी और बहुत कुछ बचाया था। अब, मेरे प्रति उनके अपार प्रेम के कारण उन्होंने मेरे कॉलेज की फीस खुद उठाई ताकि मैं पूरी तरह से आर्थिक रूप से मुक्त हो सकूं।

मानवता के पापों के लिये बहुत खून बहाया गया था। यदि आप पुराने नियम को पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि लोगों के पापों का प्रायश्चित करने के लिए हजारों-हजारों बैलों, मेंढों और मेमनों की बलि दी गई। फिर भी इस सारे खून ने पाप की समस्या का समाधान नहीं किया। इसे हल करने का एकमात्र तरीका प्रभु का आना था।

इसलिए परमेश्वर ने अपने अलौकिक पुत्र को भेजा। मसीह ने कहा, "देख मैं आ गया हूं ताकि तेरी इच्छा पूरी करु"....उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं (इब्रानियों 10:9-10)। एक बलिदान, एक बार हमेशा के लिए, फिर कभी दोहराया नहीं गया। मेरे पापों का पूरी तरह से प्रायश्चित हुआ। मेरे सारे पाप एक पल में क्षमा कर दिए गए, मेरा विशेषाधिकार - पाप के लिए मरना। मेरा भाग्य - धार्मिकता के लिए जीना। क्योंकि उसने हमारे पापों को अपने ऊपर ले लिया!

.....

अप्रैल 3 **दिन - 93**

लहू के द्वारा निकट हो गये

******

पर अब मसीह यीशु में तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हो।
इफिसियों 2:13

जब यीशु ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी, तो उन्होंने पाया कि वह कसकर बंद है। हालांकि मैं चाहता था कि वह अंदर आए लेकिन मुझे नहीं पता था कि उन्हें अंदर प्रवेश कैसे कराया जाए। मैंने दरवाजे के नीचे से उन्हें अपने सभी अद्भुत गुणों की सूची का एक संदेश भेज दिया - वे सभी कारण, जिन के कारण मैं राज्य के लिए एक संपत्ति दूंगा। ना कि एक जिम्मेदारी।

कोई जवाब नहीं आया। तो फिर मैंने अपनी कमियों की एक सूची भेजी - कि मैं परमेश्वर के प्रेम के योग्य क्यों नहीं था, क्यों मैं राज्य का सदस्य बनने के योग्य नहीं था। दुख की बात यह है कि यह सूची पहली सूची से ज्यादा लंबी थी। फिर भी कोई जवाब नहीं आया।

तब मैंने फोन किया और किसी ऐसे व्यक्ति से मुझे रास्ता दिखाने के लिए कहा जो पहले से ही सदस्य था। इस व्यक्ति ने मुझे एक क्रूस के बारे में बताया जिस यीशु ने मरकर एक बड़ी कीमत अदा की और अपना सबसे बड़ा उपहार दिया - अपने जीवन का खून - ताकि मैं उनके परिवार में शामिल हो सकूं।

वह क्षण बहुत कीमती था जब मैंने दरवाजे से पूछा, "मेरे लिए भी?

"हाँ, तुम्हारे लिए भी"।

मैंने दरवाजा पूरा खोल दिया, घंटी बजी, बैंड बजे और प्रेम भीतर आ गया।

क्या आप को रास्ता दिखाने के लिए किसी से पूछने की जरूरत है? क्या कोई है जो आपको उन्हें रास्ता दिखाने के लिए कह रहा है?

नैन्सी शेवर 36

---

36. पहले ये "कम ये अपार्ट" मार्च-अप्रैल-मई 1996 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 27 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया।

.....

अप्रैल 4 **दिन - 94**

बहुत महान

******

और पवित्रता के आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है। रोमियों 1:4

क्या आपने कभी ऐसी चीजों के बारे में सोचा है जो बहुत महान है? मैंने कुछ के बारे में सोचा है:

- रेड लॉज, मोंटेना से येलोस्टोन नेशनल पार्क में रॉकी माउंटेन, ड्राइव पर जाना।
- हर घंटे फूटने वाले, पानी के गर्म झरने को देखना।
- एक नर बाइसन प्राणी को, एक दर्जन माताओं और बच्चों के रोड़ पार करने के लिए रास्ता बनाते देखना।
- मसीहीयों को अन्य भाषाओं में प्रार्थना करते हुए सुनना।
- अपनी माँ का बचाया जाना देखना।
- अपनी शादी में परमेश्वर के अनुग्रह को जानना।

हम इतने महान उद्धारकर्ता की सेवा करते हैं - रोमियों 1 हमें उसकी एक तस्वीर दर्शाता है। आइए इसे वाक्यांशों में तोड़कर समझें:

- "जिस सुसमाचार की उसने पहले ही से अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा पवित्र शास्त्र में प्रतिज्ञा की थी" (रोमियों 1:2) - मसीह के आने से सैकड़ों साल पहले, भविष्यवक्ताओं ने हमें उसके बारे में बताया था।
- "वह शरीर के भाव से तो दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ" (1:3) - मसीह वास्तव में मानव थे, जैसा कि वादा किया गया था, इसराइल के सबसे महान राजा के वंशज थे।
- "पवित्रता की आत्मा के भाव से सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है" (1:4) - आत्मा - जो वास्तव में पवित्र है और दूसरों में पवित्रता का निर्माता है - सामर्थ्य के साथ काम करता है। मसीह वास्तव में परमेश्वर है।
- "मरे हुओं में से जी उठने के कारण" (1:4) पुनरुत्थान, पाँच सौ से अधिक गवाहों द्वारा एक महान तथ्य के रूप में स्थापित, मानवता के सबसे बड़े दुश्मन, मृत्यु पर विजय थी।
- "यीशु मसीह हमारे प्रभु" (1:4) - हमारा हृदय उनकी आराधना करने के लिए उमड़ पड़ता है।
- "उसके द्वारा" (1:5) -उसके द्वारा हमें बहुत कुछ मिलता है, केवल उस के द्वारा - वह हमें वह देता है जो कोई और नहीं दे सकता।
- "हमें अनुग्रह प्राप्त हुआ" (1:5) - हम इसे एक संक्षिप्त शब्द से समझ सकते हैं, जिसमें जी. आर. ए. सी. इ. का अर्थ है "गाड्स रिचेस एट क्राइस्ट्स एक्सपेंस" (परमेश्वर का धन मसीह के खर्च पर)। परमेश्वर हमारे लिए वह करता है जिसके हम योग्य नहीं - और उनका उपहार प्राप्त करने के योग्य हैं।

- "सभी अन्यजातियों को बुलाने के लिए प्रेरिताई मिली" (1:5) - हम मसीह के प्रतिनिधि हैं, जिन्हें दूसरों को उनके पास आने के लिए बुलाने का काम सौंपा गया है।
- "आज्ञाकारिता जो विश्वास से आती है" (1:5) - परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारी होना संभव है और हम इसे विश्वास की शक्ति से कर सकते हैं - किसी अन्य तरीके से नहीं।

यह वही है जिसे आप जानते और सेवा करते है - इतने महान यीशु मसीह, जो आपके साथ अभी हैं।

.....

अप्रैल 5 **दिन - 95**

मृत्यु से जी उठना

******

वह मृतकों में से जी उठा है, और वह तुमसे पहले गलील को जाता है। वहाँ उसका दर्शन पाओगे।
मत्ती 28:7

साठ से अधिक बार मैंने हर्षित मसीहियों को ईस्टर रविवार को, "अप फ्रॉम द ग्रेव ही अरोज, विद अ मायटी ट्रायंफ ओवर हिज फ़ोज"[37] या इस तरह के गीत गाते सुना है। यह घटना इतनी विशाल थी कि रोमियों 1:4 यीशु का वर्णन उसके रूप में करता है, "जो पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है।"

आपकी मृत्यु, मेरी मृत्यु एक भयानक बात हो सकती है। वास्तव में, पौलुस कहता है, "सब से अंतिम बैरी जो नष्ट किया जाएगा, वह मृत्यु है" (1 कुरिन्थियों 15:26)। हालांकि, एक अंतिम उत्तर भी है: "परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है" (वचन 57)।

मैंने अपने मसीही जीवन के सभी पहलुओं के माध्यम से परमेश्वर को स्वयं को महिमा लाने के लिए कहा है - यहाँ तक कि मेरे मृत्यु में भी। सच कहूं तो मुझे मरने के बारे में चिंता का अहसास हुआ है। मैंने अपने पैंसठ से अधिक वर्षों के मसीही जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है: वित्तीय चुनौतियाँ जिनके लिए प्रार्थना की गई, बीमारियों पर जय पाना, भयंकर विरोध के बावजूद विजय, मादक पदार्थों की लत से ग्रस्त लोगों का छुटकारा, अल्जाइमर के दौरान प्यार और धैर्य, और बहुत कुछ। इन पिछली जीतों में से प्रत्येक मुझे एक निश्चित पैटर्न देता है जब मैं उनका फिर से सामना करता हूं।

फिर भी, मरना - मैं अनुभव से पहले कभी नहीं गुजरा। लेकिन उस उद्धारकर्ता की याद आती है जो पूरी तरह से मानव बन गया - "क्योंकि जब उसने परीक्षा की दशा में दुख उठाया, तो वह उनकी भी सहायता कर सकता है जिन की परीक्षा होती है" (इब्रानियों 2:18)। क्योंकि प्रभु "हमारी सृष्टि जानता है; और उसको स्मरण रहता है कि मनुष्य मिट्टी ही है (भजन संहिता 103:14)। जैसा कि फ्रांसेस रिडले हैवरगल कहते है, "वह हर समय याद कर रहा है," और "हम पहले कभी इस रास्ते से नहीं गुजरे, लेकिन यीशु मसीह गुजरे हैं"।[38]

भले ही मैं कभी भी किसी ऐसी चीज से नहीं गुजरा जो मुझे वास्तव में मेरी मृत्यु के लिए तैयार कर सकें, मेरे प्रभु यीशु व्यक्तिगत रूप से मृत्यु से गुजरे हैं - और वह जी उठें। चूंकि मैं उनके साथ एक जीवित संबंध में हूं, वह मेरी मृत्यु में मेरे साथ चलेंगे: "हम उस मार्ग से पहले कभी नहीं गुजरे लेकिन यीशु मसीह गुजरे हैं" क्या आप भी वह आश्वासन प्राप्त करेंगे।

---

37. रॉबर्ट लॉरी, "क्राइस्ट अरोज" (1874), सिंग टू द लॉर्ड हयामनल (कैनसस सिटी, एमओ: लिलेनास पब्लिशिंग कं., 1993), # 258।

38. मिसेज चार्ल्स ई काउमैन में उद्धृत स्ट्रिम्स इन द डेजर्ट: 366 डेली डिवोशनल रीडिंग्स (ग्रैंड रेपिड्स: जोंडरवन, 1996), 112।

.....

अप्रैल 6 **दिन - 96**

यदि आप पीड़ा उठाते हैं

******

जो पाप को जोतते और दु:ख बोते हैं, वही उसको काटते हैं। अय्यूब 4:8

जोनी एक जीवंत, सक्रिय किशोरी थी। वह दो साल से मसीही थी। उसके जीवन में बहुत सी चीजें अच्छी चल रही थी, लेकिन वह अपने कुछ पुराने रवैयों के वापस आने से परेशान थी - क्रोध, ईर्ष्या, आक्रोश, अधिकार - इसलिए उसने परमेश्वर से उसे बदलने के लिए कहा।

30 जुलाई 1967 को, जोनी ने एक उथले झील में गोता लगाया, उसकी गर्दन टूट गई और वह गर्दन के नीचे से लकवाग्रस्त हो गई। उसे कड़वाहट, परमेश्वर के प्रति क्रोध और अनुत्तरित प्रार्थना का अनुभव होने लगा। धीरे-धीरे उसने महसूस किया कि, हालांकि परमेश्वर उसकी दुर्घटना का कारण नहीं थे, वह इसका इस्तेमाल उसका उन पर अधिक निर्भर होने के लिए कर रहे थे। उसने कहा कि परमेश्वर ने उस त्रासदी का इस्तेमाल "एक हठी, जिद्दी, विद्रोही बच्चे को एक युवा महिला में बदलने के लिए किया था, जो कुछ धैर्य, कुछ धीरज कुछ लंबे समय तक पीड़ा को प्रतिबिंबित करेगी"।[39] फलत: जोनी एरेकसन टाडा एक कलाकार जिसने अपने दांतो से ब्रश को पकड़कर पेंटिंग की। एक लेखक: विकलांगों के लिए सहायक; और परमेश्वर के लिए एक शक्तिशाली वक्ता बन गई।

लेकिन एक मिनट रुकिए! क्या जोनी की पीड़ा यह साबित नहीं करती कि उसके जीवन में अस्वीकृत पाप था? यह वह तर्क था जिसे अय्यूब के "सहायक" एलीपज ने जब कहा, "जो दु:ख बोते हैं उसे काटते हैं।" क्योंकि अय्यूब के सभी भेड़-बकरियाँ एक ही दिन में मृत्यु या अधिग्रहण के माध्यम से ले ली गई थी; क्योंकि उसके सभी बच्चे एक ही दिन में घर के ढह जाने से मर गए थे; क्योंकि अय्यूब सिर से लेकर पांव तक दर्दनाक घावों से पीड़ित हो गया था - इन सब के पीछे कोई गुप्त पाप होगा।

यह सच है कि गलतियों 6:7 कहता है, "मनुष्य जो कुछ बोता है वही काटेगा।" लेकिन वह वचन सत्य है जब हम अनंतकाल को शामिल करते हैं, न कि केवल इस जीवन को। मैं यह निष्कर्ष निकालता हूं कि हाँ, पाप करने वाले सभी पीड़ित होंगे - लेकिन सभी पीड़ित लोगों ने पाप नहीं किया है। यीशु ने यूहन्ना 9:2-3 में इस मुद्दे को स्पष्ट किया है जब उनके शिष्यों ने एक अंधे आदमी का जिक्र करते हुए पूछा, "हे रब्बी किसने पाप किया था कि यह अंधा जन्मा, इस मनुष्य ने या इसके माता-पिता ने।

यीशु ने उत्तर दिया, "न तो इसने पाप किया था, न इसके माता-पिता ने; परंतु यह इसलिये हुआ कि परमेश्वर के काम उसमें प्रगट हों।"

यहाँ कुछ कारण बताएं है कि लोग क्यों पीड़ित होते हैं:

- आपके पाप का परिणाम आपकी पीड़ा होती है। मेरे एक मित्र के पास एक अजनबी आया जिसने उसे मुक्का मारा और उसे बेहोश कर दिया। मुक्का मारने वाला शख्स अब जेल में है।

- आपके पाप का परिणाम दूसरों को पीड़ा होती है। एक किशोर के रूप में, मेरे पत्नी को चिंता और अस्वीकृति की भावनाओं का सामना करना पड़ा क्योंकि उसके पिता ने शराब और एक अन्य महिला के लिए परिवार छोड़ दिया था।
- आपका पाप एक राष्ट्र या संगठन के लिए दुख लाता है। इन वर्षों में हमने सुर्खियों में इसके कई उदाहरण देखे हैं, जहाँ एक व्यक्ति के कार्य - चाहे राजनेता हों या चर्च के अगुवे - लोगों के एक विशाल समूह के लिए पीड़ा का कारण बन सकते हैं।
- आदम और हव्वा ने पाप किया, और हमारा पूरा संसार तब से पीड़ित है। परमेश्वर ने आदम से कहा, "भूमि तेरे कारण शापित है" (उत्पत्ति 3:17)। हम इस पीड़ा को रोमियों 8:18-23 में भी देखते हैं, विशेषकर पद 22 में: "सारी सृष्टि अब तक मिलकर कराहती और पीड़ाओं में पड़ी तड़पती है।" सच है, एक दिन आ रहा है जब वह विनाश के दासत्व से छुटकारा पाएगा (8:21), लेकिन अभी के लिए, हम अभी भी बवंडर, सुनामी, आग, बाढ़, तूफान और बहुत कुछ से पीड़ित हैं।

चर्च के एक अगुवे डॉ. ओखल नीस, उन समस्याओं को लेकर बहुत वेदना में है जो दुर्गम हैं। उन्होंने अपने किंग जेम्स बाइबिल में रोमियों 8:28 पढ़ा: हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं।" उसका दुख इतना गहरा था कि उसकी बातें सच नहीं लगती थीं। उन्होंने अपना ग्रीक नया नियम उठाया और वचन को उसकी मूल भाषा में पढ़ा। इसमें लिखा था, "और हम जानते हैं कि हर चीज में परमेश्वर उन लोगों की भलाई के लिए काम करता है जो उससे प्यार करते हैं।" उस पल में, डॉ. निस को उजागर हो गया। उन्होंने महसूस किया कि ऐसा नहीं है कि "सब चीजें काम करती हैं" बल्कि "सभी चीजों में परमेश्वर काम करते हैं"।

परमेश्वर वह भी ले सकते हैं जो शैतान भेजता है, और सही समय में, इसे उन लोगों के अच्छे के लिए एक पैटर्न में बदल सकते हैं जो उससे प्यार करते हैं - जोनी के लिए, आपके लिए, और मेरे लिए।

रिक विलियमसन, "एडल्ट लीडर", माइक वोंच, में उद्धृत, एडिटर, जून-जुलाई-अगस्त 2014, वाल्यूम 37, नं. 4 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कं.), 74-75।

.....

अप्रैल 7 **दिन - 97**

नम्रता से आगे बढ़ना

******

जिससे हमको उस पर विश्वास करने से साहस और भरोसे के साथ परमेश्वर के निकट आने का अधिकार है। इफिसियों 3:12

जब मैं अपने स्वर्गीय पिता के साथ उस सुरक्षित स्थान पर होती हूँ जिसे हम घर कहते हैं, मैं उनसे कुछ भी बात कर सकती हूँ। मैं साहसपूर्वक आगे बढ़ सकती हूँ क्योंकि:

वह मुझे आमंत्रित करते हैं।

उनके पास एक खुले-दरवाजे की नीति है।

उन्होंने कभी नहीं कहा, "मत आओ"।

वह आखिरी बार वहीं थे।

वह कभी इतने व्यस्त नहीं होते कि हमारी न सुन सके।

उनके पास मेरी "टू - डू" लिस्ट है।

वह मेरा बोझ ले लेते हैं (यदि मैं उन्हें दूं)।

वह मेरे जख्मों पर मरहम लगाते हैं।

वह मुझे जीवन के बारे में सिखाते हैं।

मुझे पासपोर्ट की जरूरत नहीं है।

मुझे "पास-गो" करने की जरूरत नहीं है।

मुझे नापने की जरूरत नहीं है।

मुझे किसी सचिव के पास से गुजरने की जरूरत नहीं है।

मुझे महत्वपूर्ण होने की आवश्यकता नहीं है और मेरी बातचीत के विषय को भी महत्वपूर्ण होने की आवश्यकता नहीं है।

मुझे बातचीत के लिए एक विषय की आवश्यकता नहीं है - मैं परमेश्वर के पास बैठ सकती हूं और उसी तरह रह सकती हूं।

मैं साहसपूर्वक वहाँ जा सकती हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि वह मुझसे प्यार करते हैं, और सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है। तो जब मेरे पास परमेश्वर है तो मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?

नैंसी शेवर 40

---

40. पहले "कम ये अपार्ट" मार्च-अप्रैल-मई में प्रकाशित हुआ। (कैनसस सिटी एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 31 अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया)।

.....

अप्रैल 8 **दिन - 98**

साहस..... है।

******

"मेरा जी बहुत उदास है, यहाँ तक कि मेरा प्राण निकला जा रहा है। तुम यहीं ठहरो और मेरे साथ जागते रहो। मत्ती 26:38b

हे मेरे पिता, यदि हो सके तो यह कटोरा मुझ से टल जाए तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, परंतु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो। मत्ती 26:39b

"देखो घड़ी आ पहुंची है और मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। उठो चलें, देखो मेरा पकड़वाने वाला निकट आ चुका है।" मत्ती 26:45b - 46

गतसमनी में प्रार्थना करते हुए यीशु मसीह उपरोक्त सभी वचनों को बोलते हैं, यह जानते हुए कि वह जल्द ही हमारे पापों के लिए क्रूस पर चढ़ जाएंगे। यहां, हम यीशु की मानवता में अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, वह गहरा दु:ख महसूस करते हैं। वह परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने के लिए एक आसान, कम दर्दनाक तरीके को वरीयता देते हैं।

वह शायद डरे हुए हों। फिर भी वह विनम्रता और पीड़ा के बावजूद परमेश्वर की इच्छा को पूरी करना चाहते हैं: "चलो चलें"।

यीशु के अनुभव की यह झलक साबित करती है कि आप परमेश्वर के बहुत करीब हो सकते हैं और फिर भी आप जो मांगते हैं उसे प्राप्त नहीं कर पाते हैं। यह कठिन समय हमें प्रार्थना की आवश्यकता सिखाता है। यीशु एक ही प्रार्थना को तीन बार तब तक करते हैं जब तक कि वह अंतिम प्रार्थना पर पहुंच नहीं जाते: "तेरी इच्छा पूरी हो" (26:42)।

अपने मसीही जीवन की शुरुआत में, मैंने सोचा था कि कोई भी वास्तव में आत्मा से भरा मसीही भय की भावनाओं से मुक्त होगा। लेकिन अब मेरे पास साहस की एक नई परिभाषा है। नए नियम का साहस भय की अनुपस्थिति नहीं है - यह वह करना है जो परमेश्वर चाहता है कि आप भय के बावजूद भी करे।

यीशु ने दु:ख महसूस किया, और शायद डर भी, फिर भी उन्होंने परमेश्वर की इच्छा को चुना। इसी तरह आत्मा से भरे हुए प्रेरित पौलुस ने कहा, "मैं निर्बलता और भय के साथ, और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे साथ रहा" (1 कुरिन्थियों 2:3), लेकिन अगले ही वचन में, घोषणा करता है कि उसका संदेश कुरिन्थियों के लिए आया था "आत्मा और सामर्थ्य के प्रमाण के साथ"। अपने डर के बावजूद पौलुस ने परमेश्वर की इच्छा पूरी की।

एक युवा मसीही के रूप में, मेरे डर के बावजूद मुझे अपने पूर्व बॉस के पास वापस जाना पड़ा और मेरे द्वारा उनके बारे में की गई गप के लिए माफी मांगनी पड़ी। मेरे डर के बावजूद, मुझे यह समझाने के लिए इंटरफ्रेटरनिटी काउंसिल का सामना करना पड़ा कि मैं अपनी फ्रेटरनिटी को क्यों छोड़ना चाहता हूं। आज तक, जब भी मैं यीशु मसीह का गवाह हुआ हूं, तो मुझे अपने डर का बार-बार विरोध करना पड़ता है।

शुक्र है, हममें से उन लोगों के लिए मदद है जो भयभीत हैं। गतसमनी में यीशु के कष्टदायी समय में भी, लूका 22:43 इस छोटे से वाक्य में कहता है: "तब स्वर्ग से एक दूत उसको दिखाई दिया जो उसे सामर्थ्य देता था"। पौलुस वर्णित करता है, "इसलिए हे मेरे प्रियों, जिस प्रकार तुम सदा से

आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ, क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है" (फिलिप्पियों 2:12-13)। इसलिए अपने डर के बावजूद साहसी बनों। वह करो जो परमेश्वर चाहता है कि तुम करो।

.....

अप्रैल 9 **दिन - 99**

यीशु जीवित है

******

यीशु ने उससे कहा, "मुझे मत छू क्योंकि मैं अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गया, परंतु मेरे भाइयों के पास जाकर उनसे कह दे कि मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास ऊपर जाता हूँ।" मरियम मगदलीनी ने जाकर चेलों को बताया, "मैं ने प्रभु को देखा, और उसने मुझसे ये बातें कहीं।" यूहन्ना 20:17-18

वास्तविकता क्या है? सच क्या है? हमारी दुनिया पूरी तरह से वैज्ञानिक पद्धति पर निर्भर है कि हम मान सकते हैं कि केवल नापने योग्य चीजें ही सत्य हैं। गणित में, सामान्य जोड़ की समस्याओं से लेकर जटिल गणन फार्मूलों तक, हम बहुत विशिष्ट परिणामों पर निर्भर करते हैं। फिर भी विज्ञान और गणित पूरे जीवन का उत्तर नहीं देते। क्या आप मानते हैं कि न्याय जैसी कोई चीज होती है? क्या आप मानते हैं कि प्यार वास्तविक है?

तो कृपया मुझे न्याय का एक गज या एक पाउंड प्यार दिखाओ। आप नहीं कर सकते - क्योंकि ये सत्य न तो वैज्ञानिक रूप से और न ही गणितीय रूप से नापने योग्य है। अदालती मामलों में हम सबूत स्वीकार करते हैं। व्यक्तिगत गवाही अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। फैसले तब आते हैं जब साक्ष्य और किसी उचित संदेह से परे सबूत प्रदान करते हैं।

मसीहत अपने अगुवे, यीशु मसीह के बारे में एक अद्भुत दावा करती है, "और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र था ठहरा है" (रोमियों 1:4)। चार सुसमाचार यीशु मसीह के जीवन और सेवकाई का सावधानीपूर्वक विवरण है। मत्ती और यूहन्ना के सुसमाचार बारह प्रेरितों में से दो द्वारा लिखे गए थे जिन्हें यीशु ने सावधानीपूर्वक चुना था और जिनका उनके साथ तीन साल तक गहन संपर्क था। मरकुस मसीह का अनुयायी बन गया और उसने सामर्थ्यशाली मिशनरी कार्य करते हुए पौलुस और बरनबास के साथ यात्रा की; लूका एक सतर्क इतिहासकार था जिसने प्रत्यक्षदर्शियों का साक्षात्कार लिया और मसीह का एक व्यवस्थित इतिहास लिखा (लूका 1:1-4)। नए नियम की बाद की पुस्तकें प्रमुख मसीही अगुवों द्वारा लिखी गई जो मसीह के साथ जीवित संबंध में थे और जिन्होंने विश्वासपूर्वक उनके संदेश की घोषणा की।

मसीह ने बार-बार अपने अनुयायियों से कहा कि वह मार डाला जाएगा और मृतकों में से जी उठेगा। लूका 18:31-33 देखें: "फिर यीशु ने बारहों को साथ ले जाकर उनसे कहा, "देखो हम यरुशलेम को जाते हैं, और जितनी बातें मनुष्य के पुत्र के लिये लिखी गई हैं, वे सब पूरी होंगी। क्योंकि वह अन्यजातियों के हाथ में सौंपा जाएगा, और वे उसे ठट्ठों में उड़ाएंगे; और उसका अपमान करेंगे और उस पर थूकेंगे और उसे कोड़े मारेंगे और घात करेंगे और वह तीसरे दिन जी उठेगा।" यीशु ने अपनी मृत्यु, पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के बाद चेलों को पवित्र आत्मा वापस भेजने का भी वादा किया था ताकि यीशु के बारे में गवाही दी जा सकें (यूहन्ना 15:26-27)।

क्रूस पर यीशु ने कहा, "पूरा हुआ" और अपनी आत्मा को छोड़ दिया (19:30)। इसके कुछ ही समय बाद, जब सैनिक मसीह की जाँच करने आए तो उन्होंने "पाया कि वह पहले ही मर चुका है" (19:33)।

सुसमाचार के लेखक पारदर्शी हैं: वे उस संदेह को नहीं छिपाते जो यीशु के अनुयायियों ने अनुभव किया था। उनकी सभी शिक्षाओं के बावजूद, जब मरियम मगदलीनी ने पाया कि यीशु की कब्र खाली थी, तो उसने यह नहीं माना कि वह पुनर्जीवित हो गया था। इसके बजाय वह पतरस के पास दौड़ी और कहा, "वे प्रभु को कब्र में से निकाल ले गए हैं और हम नहीं जानते कि उसे कहाँ रख दिया है।" (20:2)। लेकिन अंत में मरियम ने यीशु को देखा।

बारह शिष्यों में से एक शिष्य थोमा ने यह मानने से इंकार कर दिया था कि यीशु जीवित थे जब अन्य शिष्यों ने उससे कहा, "हमने प्रभु को देखा है!" (20:25) केवल जब यीशु अपने शिष्यों के बीच एक बंद कमरे में प्रगट हुए, केवल जब उन्होंने थोमा को अपने हाथों और पंजर में घावों को छूने का मौका दिया, तो थोमा ने विश्वास किया (20:26-28)।

जब तक ये अलौकिक बैठकें समाप्त हो गई, सभी बारह शिष्यों (साथ में मरियम मगदलीनी और कई अन्य महिलाएं) ने प्रभु को देखा। यीशु के अपने पिता के पास वापस जाने के बाद, पिता और पुत्र ने पवित्र आत्मा को 120 प्रार्थना करने वाले शिष्यों पर उंडेला (प्रेरितों के काम 2:23)। जब यीशु के अनुयायियों ने उनकी कहानी सुनाई तो लोगों में एक महान आत्मिक लहर दौड़ पड़ी। बाद में जब भक्त स्तिफनुस को पत्थरवाह किया जा रहा था, उसने स्वर्ग की ओर देखा यीशु को "परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा देखा" (7:56)।

शाऊल मसीहियों को सताने के लिए दमिश्क जा रहा था कि अचानक उसके चारों और स्वर्ग से एक प्रकाश चमक उठा। वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द सुना, "मैं यीशु हूँ जिसे तुम सताते हो" (9:5)।

शाऊल प्रेरित पौलुस बन गया, एक विश्वव्यापी मसीह चलन का एक शक्तिशाली अगुवा। बाद में, पौलुस ने बताया कि पुनर्जीवित मसीह "एक ही समय में पाँच सौ से अधिक भाइयों और बहनों के सामने प्रकट हुआ था, जिनमें से अधिकांश अभी भी जीवित है" (1 कुरिन्थियों 15:6)।

हम क्या कह सकते हैं? केवल यही: यीशु जीवित हैं।

यीशु के पुनरुत्थान के तुरंत बाद, दो आदमी यरूशलेम से करीब सात मील दूर इम्माऊस गाँव जा रहे थे। यीशु उन दो आदमियों के साथ हो लिये और वे लंबी बातचीत में शामिल हो गए, लेकिन उन्होंने उन्हें नहीं पहचाना। बाद में जब वे सभी भोजन कर रहे थे तभी उनको अहसास हुआ कि ये जीवित यीशु थे। वे यरूशलेम लौट गए और ग्यारह को समाचार दिया, "यह सच है! प्रभु सच में जी उठा है और शमौन को दिखाई दिया है" (लूका 24:34)।

इस तथ्य के प्रकाश में कि यीशु जीवित हैं। आज कितने लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है जब वे अपने दैनिक जीवन में चलते हैं - उसे देखने के लिए जो हर कदम पर हमारे आगे जाता है? यह प्रार्थना करना बुद्धिमानी होगी, "मेरे सामने अपने आप को प्रकट करो, प्रभु यीशु।"

.....

अप्रैल 10 **दिन -100**

सिंहासन के लिए नियत किया हुआ

******

जो जय पाए मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊँगा: जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया। प्रकाशितवाक्य 3:21

आपके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य और उद्देश्य क्या है? आपके जीवन के लिए परमेश्वर की सबसे बड़ी भूमिका और उद्देश्य क्या है? परमेश्वर के छुटकारे की पूरी कार्यवाही द्वारा, वह लोगों को मसीह के साथ उसके सिंहासन पर बैठने के लिए तैयार कर रहा है। क्या आपको यह समझ में आया? परमेश्वर की योजना है कि आप मसीह के सिंहासन पर विराजमान हों।

पाप इस योजना का मुख्य रुकावट है। इसलिए मसीह के जीवन, मृत्यु, पुनरुत्थान और मध्यस्थता और पवित्र आत्मा की सेवकाई के माध्यम से हमें हमारे पापों और स्वार्थों से क्षमा करने और शुद्ध करने के लिए कार्य करता है - ताकि हम मसीह के साथ बैठ सकें। इस तथ्य को स्वीकार करें कि परमेश्वर आपको आपके भाग्य के लिए आकार देने और निर्मल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

इस सच्चाई पर परमेश्वर का वचन सुनें:

रोमियों 8:29: "क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों, ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे।"

इब्रानियों 2:10-11: "क्योंकि जिसके लिए सब कुछ है और जिसके द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा कि जब वह बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुंचाए, तो उनके उद्धार के कर्ता को दुख उठाने के द्वारा सिद्ध करें। क्योंकि पवित्र करने वाला और जो पवित्र किये जाते हैं, सब एक ही मूल से हैं; इसी कारण वह उन्हें भाई कहने से नहीं लजाता।"

इब्रानियों 11:16 - पर वे एक उत्तम अर्थात स्वर्गीय देश के अभिलाषी हैं; इसीलिये परमेश्वर उनका परमेश्वर कहलाने में उनसे नहीं लजाता, क्योंकि उसने उनके लिए एक नगर तैयार किया है।"

इब्रानियों 12:10-11: "वे (हमारे पिता) तो अपनी-अपनी समझ के अनुसार थोड़े दिनों के लिए ताड़ना करते थे, पर वह तो हमारे लाभ के लिये करता है, कि हम भी उसकी पवित्रता के भागी हो जाएं। वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनंद की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है; तौभी जो उसको सहते-सहते पक्के हो गए हैं; बाद में उन्हें चैन के साथ धर्म का प्रतिफल मिलता है।"

आप और मैं सिंहासन के लिए नियत किये गये हैं। परमेश्वर के पवित्र करने वाले आत्मा के प्रति हमारी संवेदनशीलता हमें तैयार करेगी।

.....

क्षमा करने की शक्ति

******

यह बात सारी मंडली को अच्छी लगी और उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था चुन लिया। प्रेरितों के काम 6:5a

वे स्तिफनुस पर पथराव करते रहे और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा, "हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर।" फिर घुटने टेककर ऊँचे शब्द से पुकारा, "हे प्रभु यह पाप उन पर मत लगा।" और यह कहकर वह सो गया। प्रेरितों के काम 7:59-60

यह आश्चर्यजनक है कि जिन लोगों के साथ इतना दुर्व्यवहार किया जाता है, उनके पास दुर्व्यवहार करने वालों को क्षमा करने की शक्ति होती है। स्तिफनुस ने किया! यीशु ने किया! क्रूस पर मरते हुए यीशु ने अपने घात करनेवालों और उपहास करने वाली भीड़ के लिए प्रार्थना की, "हे पिता, इन्हें क्षमा कर क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं" (लूका 23:34)।

हम इसे जैकब डेशेज़र की कहानी में भी देखते हैं, जिसे द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानियों द्वारा वर्षों तक कैद और प्रताड़ित किया गया था, फिर उसने अपने पहरेदारों को माफ कर दिया। जेल में उसने मसीह को प्राप्त किया, पवित्र आत्मा के द्वारा पवित्र किया गया और भर गया, और प्रचार के लिए बुलाहट महसूस की। युद्ध के बाद, वह क्षमा और मसीह के प्रेम का प्रचार करने के लिए एक मिशनरी के रूप में जापान लौटा।

और क्षमा की यह शक्ति आज भी काम करती है। कैथी कैग एक पवित्र आत्मा से भरी महिला ने वह क्षमा दी और प्राप्त की। यहाँ उसकी कहानी दी गई है:

2007 के अप्रैल में, मेरे भाई डेव ने कैनसस सिटी, मिसौरी में वार्ड पार्कवे शॉपिंग सेंटर में अंधाधुँध गोलियाँ चलाई। मेरे भाई सहित चार लोगों की जान चली गई, जिन्हें पुलिस द्वारा रोका जाना पड़ा था।

महीनों बाद तक, मैं डेव की मृत्यु का कोई दुख महसूस नहीं कर पा रही थी। मैं केवल उनके पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए दुख महसूस कर सकती थी। मेरे दिमाग में दौड़ रहा था, इतने लोगों के जीवन में इतना दर्द लाने की उसकी हिम्मत कैसे हुई!

मुझे अपनी जटिल भावनाओं को संसाधित करने में मदद करने के लिये परमेश्वर का हस्तक्षेप करना पड़ा। गोलीबारी के अगले दिन मैंने अपने चर्च के सामने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मेरे पादरी ने प्रार्थना की और फिर मैंने अपने भाई के हिंसा के कृत्य के लिए अपनी संवेदना और क्षमा माँगने के इरादे से कुछ बयान दिए। मेरे भाई के पीड़ित में से एक की माँ देख रही थी और मेरे उन बयानों को देखकर किसी तरह उसमें कुछ चंगाई होने लगी।

कई महीने बाद, वह मेरे पादरी के संपर्क में आई और मुझसे व्यक्तिगत मुलाकात का अनुरोध किया। हम पादरी के कार्यालय में मिले, गले मिले, रोए, बात की और गोलाबारी के स्थल पर एक साथ जाकर अपनी पारस्परिक चंगाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखा। मॉल की पार्किंग में सैंकड़ो कारों में, वह जगह खाली थी जहाँ कैरली की कीमती बेटी लेस्ली ने अंतिम सांस ली थी। हम उस जगह के बीच में खड़े थे और एक दूसरे को पकड़कर रो रहे थे। हमारी बातचीत के दौरान, उसने मुझसे कहा कि उसने मेरे भाई को माफ कर दिया, यह जानते हुए कि यीशु हमसे क्या चाहता है। उस

समय तक, मैंने अपने आप को क्रोध के उस स्तर को देखने की अनुमति नहीं दी थी जो मुझे अपने भाई के प्रति था।

तुरंत मैं जान गई कि मेरे सामने डेव को माफ करने का कार्य था। उस रात, घर में बिस्तर पर, मैंने परमेश्वर से मुझे क्षमा करने में मदद करने के लिए कहा, और उन्होंने किया। सामूहिक गोलाबारी से चार महीने पहले, मैं अपने बेड के पैर की तरफ सिर किये सो रही थी, इस बात से चिंतित की डेव मेरे बेडरूम की खिड़की से मुझे गोली मारने की कोशिश करेगा। मैंने तर्क दिया कि मेरे सिर के बजाय पैर में गोली लगना बेहतर है। गोलीबारी के बाद, मैं अपने सोने की मुद्रा को बदलने में सक्षम नहीं हो पाई थी। डेव को क्षमा करने के बाद में सक्षम थी, और उस रात मुझे सबसे अच्छी नींद आई - एक आज्ञाकारी बच्चे का शांतिपूर्ण विश्राम!

अपने क्रोध को पहचानने और क्षमा का चुनाव करने के बाद, मुझे अब भी दुख का सामना करना था। इसमें समय लगा, और अंत में, यह मुझे उस जगह ले गया जहाँ परमेश्वर ने मेरे चर्च में एक ग्रिफ रिकवरी की अगुवाई करने की बुलाहट को मेरे जीवन में दिया। दु:ख से आनंद की यात्रा में लोगों के साथ चलना एक अनमोल सम्मान और आशीष है। क्षमा लगभग हमेशा उनके उपचार का एक घटक है। जब हम यीशु के साथ अपने संबंध को दर्द से बड़ा बनाते हैं तो क्षमा एक चुनाव है जिसे करने की हमारे पास शक्ति है।

कैरली ने डेव को माफ कर दिया। कैथी ने भी उसे माफ कर दिया। और भी आश्चर्यजनक रूप से कैरली जिसकी बेटी की हत्या कर दी गई थी और हत्यारे की बहन कैथी अच्छी दोस्त बन गई। कैरली ने कैथी की संडे स्कूल की कक्षा में शामिल होने का फैसला किया। आप उन्हें उनके चेहरों पर परमेश्वर की चमक के साथ हर रविवार को एक साथ बैठे देखेंगे। उन्होंने क्षमा की शक्ति की खोज की।

.....

अप्रैल 12 **दिन - 102**

पुनरुत्थान की शक्ति

******

मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुम्हारे मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसकी बुलाहट की आशा क्या है और पवित्र लोगों में उसकी मीरास की महिमा का धन कैसा है और उसकी सामर्थ्य हम में जो विश्वास करते हैं, कितनी महान है, उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार जो उसने मसीह में किया कि उसके मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर बैठाया।
इफिसियों 1:18-20

जॉन का पालन-पोषण एक कोयला खनिक के परिवार में हुआ था। रातों को वह फुटबॉल अभ्यास के लिए स्कूल में देर से रुकता था, और घर आने पर अक्सर यह देखता था कि सारा खाना उसके परिवार के बाकी सदस्यों ने खा लिया है।

वह एक टॉप एथलीट बन गया। वह वर्ष के अंतिम टूर्नामेंट के लिए बास्केटबॉल में उच्च स्कोर बनानेवाला खिलाड़ी था। वह ट्रैक टीम में शामिल हो गया और जिला चैंपियनशिप में तीन जीत हासिल की: 220, 240 और रिले टिम में एंकर के रूप में! कोलारोडो राज्य में उसे ऑल कांफ्रेंस स्कलैस्टिक फुटबॉल टीम के लिए चुना गया था। वह अब, पेंसिल्वेनिया फुटबॉल हॉल ऑफ फेम, पूर्वी सम्मेलन में है। और तैंतीस साल तक उसने हाईस्कूल शिक्षक, फुटबॉल कोच और रेसलिंग कोच के रूप में काम किया।

नैन्सी और मैं जॉन और ग्लोरिया के सुंदर लॉन्ग केबिन में उनके स्थानीय चर्च में पुनरुद्धार सेवाओं के दौरान रुके थे। अब चौरासी साल के जॉन ने मुझे बताया कि नौवीं कक्षा तक वह केवल एक बार चर्च गया था। उसके बाद वह थोड़ा और शामिल हो गया। उसने मुझसे जो पहली बातें कहीं उनमें से एक थी, "धर्म को लेकर मेरी मदद करो।"

2 अप्रैल को, स्थानीय पादरी और मैंने जॉन के साथ यीशु मसीह का सुसमाचार साझा किया। हमारी चर्चा की शुरुआत में जॉन ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं प्रभु के पास जा सकता हूँ क्योंकि मेरा कुछ काम अभी अधूरा है।

उस सुबह, जॉन ने प्रार्थना की और यीशु मसीह को अपने दिल और जीवन में ग्रहण किया। अगले कुछ घंटों में, उसने निम्नलिखित कहा:

- "मैं अब अलग महसूस करता हूँ।"
- मैं अपनी अधिकांश समस्याओं को प्रभु के हाथों में रख सकता हूँ।"
- "क्योंकि जो परमेश्वर ने मेरे लिए किया है उसके कारण।"
- "मुझे लगा कि मेरे शरीर में कुछ आ गया है - केवल चर्च जाना पर्याप्त नहीं था।"
- "मैं अलग महसूस करता हूँ - मुझे लगता है कि मैंने उन्हें पा लिया है - उन्होंने मुझे पा लिया है।"
- "आपने मेरी बहुत मदद की।"

उस रात, उसने पुनरुद्धार सेवा में एक गवाही दी: "मैं पाँच फुट ग्यारह इंच का हुआ करता था, लेकिन मैं सिकुड़ कर पाँच फुट आठ इंच रह गया हूँ। अब मैं दोबारा पाँच फुट ग्यारह इंच का महसूस करता हूँ - मुझे महसूस हुआ कि मैं फर्श से ऊपर उठ गया हूँ।"

दो दिन बाद, शहर से बाहर की ट्रिप की योजना बनाते समय, जॉन डॉग - शिटिंग के लिए अपने दोस्त की मदद के लिए उसके पास गया। उसने कहा, "रे मेरे पास तुम्हें बताने के लिए कुछ बढ़िया है। मैं एक पुनर्जन्मा (बोर्न-अगेन) मसीही हूँ।"

ऐसा परिवर्तन कैसे हो सकता है? चौरासी वर्षों के बाद, जॉन पाप में मृत होने से यीशु मसीह में जीवित होने के लिए परिवर्तित हो गया था। यह सब उस महान शक्ति के कारण है जो हममें से उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो विश्वास करते हैं - वही शक्ति जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया। पुनरुत्थान की शक्ति जॉन के लिए, आपके लिए, मेरे लिए उपलब्ध है!

.....

अप्रैल 13 **दिन - 103**

घर जाने के लिए पैकिंग करना

******

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है। भविष्य में मेरे लिए धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा - और मुझे ही नहीं वरन उन सब को भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।

2 तीमुथियुस 4:7-8

हम अपना सामान पैक कर रहे थे - वह सब सामान जो हमने सोचा था कि हमने अपने प्रिय ट्रेज़र आईलैंड फ्लोरिडा में परिवार के बीस सदस्यों के साथ समय बिताने के लिए आवश्यक होगा।

कल सुबह जल्दी हम अपने घर की यात्रा शुरू करेंगे। यहाँ हमारे दो सप्ताह जितने अच्छे रहे हैं, मैं ईमानदारी से कह सकता हूँ कि घर वापस आना कितना अच्छा होगा।

जब प्रेरित पौलुस अपने स्वर्गीय घर जाने के लिए तैयार हो रहा था, तो उसकी गवाही मजबूत थी। उसने यह नहीं कहा, "अगर मैंने अच्छी कुश्ती लड़ी" या "शायद मैंने दौड़ पूरी कर ली" या "मैंने विश्वास बनाए रखने की कोशिश की"। बल्कि उसने घोषणा की कि उसने अच्छी कुश्ती लड़ी है, दौड़ पूरी कर ली है, विश्वास को बनाए रखा है।

जब पौलुस अपनी यात्रा की तैयारी कर रहा था, उसने कोई भौतिक सामान पैक नहीं किया। इसके बजाय, उसने उसके जीवन में परमेश्वर ने जो किया था उसका विवरण पैक किया। उसने पहले ही फिलिप्पियों के सामने इस मुद्दे को रख दिया था जब उसने लिखा, "क्योंकि मेरे लिए जीवित रहना मसीह है और मर जाना लाभ है.... जी तो चाहता है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूँ" (1:21, 23)।

जब हम स्वर्ग में पहुंचेंगे तो भौतिक वस्तुओं के लिए न तो समय होगा और न ही भंडारण। मसीह के भविष्य में आने पर, मसीह में मरे हुए फिर जीवित, हमेशा के लिए प्रभु के साथ रहने के लिए जी उठेंगे (1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17)। आज प्रभु के अनुयायी जो मसीह की वापसी से पहले मर जाते हैं उनकी उपस्थिति में प्रवेश करेंगे, जैसा पौलुस गवाही देता है।

नहीं, हम सामान नहीं ले जाएंगे - स्वर्ग में घर जाने से पहले हमें एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य ध्यान में रखना चाहिए। 1 यूहन्ना 3:2-3 हमें स्पष्ट रूप से बताता है, "इतना जानते हैं कि जब वह प्रगट होगा तो हम उसके समान होंगे, क्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आपको वैसा ही पवित्र करता है जैसा वह पवित्र है।" तो अपने स्वर्गीय घर के लिए सामान पैक न करें - बस सुनिश्चित करें कि आपका दिल शुद्ध हो।

.....

अप्रैल 14 **दिन - 104**

जब एक संत घर जाता है

******

जो जय पाए वही इन वस्तुओं का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा और वह मेरा पुत्र होगा। प्रकाशितवाक्य 21:7

डॉ. राबर्ट कोलमैन, परमेश्वर के एक करुणामय व्यक्ति, एक मसीही अगुवे और 'द मास्टर प्लान ऑफ इवांजलिज़्म' के लेखक ने 2017 में दोस्तों को एक पत्र लिखा था। यहाँ उस पत्र के अंश हैं:

मेरी प्रिय पत्नी मारिएटा, की मृत्यु 3 जनवरी की सुबह हुई।

जबकि केवल चार महीने पहले टर्मिनल कैंसर का पता चला तो मारिएटा ने शांति से डॉक्टर को देखा और कहा, "फिर मैं स्वर्ग में घर जा रही हूँ।"

इस प्रतीक्षा अवधि में, जब उसे अभी कुछ आराम था, हमने फिर से उसकी पसंदीदा किताब पढ़ी, 'द पिलीग्रिम्स प्रोग्रेस' एक मसीही के स्वर्ग की तीर्थयात्रा का एक दृष्टांत। जब तीर्थयात्री ने यात्रा की तो उससे बार-बार यह पूछा गया कि वह कहाँ से आया है और कहाँ जा रहा है। उसने हमेशा उत्तर दिया कि उसने विनाश के शहर को छोड़ दिया और स्वर्गीय शहर के रास्ते में था।

उसने अपनी यात्रा एक युवा लड़की के रूप में शुरू की जब उसे यीशु से प्यार हो गया। उसका शांत, गहरा मसीही विश्वास उसके जीवन से ताजा पानी के एक जलभृत झरने की तरह बहता था।

हमारा घर स्वर्ग का द्वार बन गया। आतिथ्य सत्कार उसका जुनून था और छात्रों, मिशनरियों, दोस्तों के अक्सर हमारी मेज पर बैठे रहने के साथ उसने हमारे घर को एक वास्तविक सराय बना दिया। पैंसठ वर्षों तक, मारिएटा और मैंने एक साथ सेवकाई की।

उसकी बीमारी के आखरी महीनों के दौरान, मैंने उसके साथ रहने के लिए सभी बैठके रद्द कर दीं। वह मेरी बाहों में घर पर मर गई। अब जब वह चली गई है तो मेरे लिए वापस काम करने, प्रचार करने और शिष्य बनाने का समय आ गया है। ओह, मैं अपने साथ में मारिएटा को कितना याद करूंगा। कभी-कभी मैं अपने हाथ पर उसके कोमल स्पर्श को लगभग महसूस करता हूँ। शुक्र है मेरी बेटी एंजी और उसका पति दस मिनट की दूरी पर रहते हैं। मैं जहाँ भी हूँ, मेरी आँखों में एक नजारा है, क्योंकि मैं स्वर्गीय शहर के रास्ते में हूँ जहाँ परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर एक अद्भुत पुनर्मिलन होने जा रहा है। आपकी प्रार्थनाओं और प्यार की स्मृतियों के लिए धन्यवाद।

राबर्ट कोलमैन

आप और मैं भी उस पुनर्मिलन का हिस्सा हो सकते हैं।

.....

अप्रैल 15 **दिन - 105**

नष्ट करना? कभी नहीं

******

इसलिये अपना हियाव न छोड़ो, क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा हैं। इब्रानियों 10:35

मैं बस वर्मकुड के दल में से एक को यह कहते हुए सुन सकती थी, "वह गिर गई है। मुझे नहीं लगता कि वह उठने वाली है। मैंने जो बर्छी फेंकी उसने उसके हृदय को सीधे भेद दिया और वह परमेश्वर के साथ खत्म हो गई।

जब मैं अपने दर्द, घबराहट और निराशा में लेटी थी, परमेश्वर साथ आए और मुझे उठा लिया। मैंने अपना सिर उनके सीने पर रख दिया, और उन्होंने मुझे थाम लिया।

"प्रभु मैंने सोचा था कि मेरा सारा दर्द अतीत में था"

"दर्द" उन्होंने कहा, "जीवन का हिस्सा है, लेकिन ऐसा ही आनंद है। मैं अपना प्यार किसी पर नहीं थोपता। हर कोई चुनने के लिए स्वतंत्र है। मुझे चुनने में तुमको थोड़ा समय लगा।"

"हाँ प्रभु, और आप मेरे विशेष खजाना हो। मेरा आपसे एक रिश्ता है जिसे कोई और नष्ट नहीं कर सकता। वर्मकुड के समूह को आज आश्चर्य हुआ, प्रभु। वह मुझे खोजने के लिए वापस आया, और उन्होंने आपके पैरों के निशान पाए। क्या वह नहीं जानते कि आप स्वयं अपना ख्याल रखते हैं चाहे यहा नीचे हो या ऊपर? मैं बेहतर महसूस कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं अब चल सकती हूँ। मुझे लगता है कि मैं किसी अन्य के घाव को भरने, किसी को जश्न मनाने में मदद करने के लिए तैयार हूँ क्योंकि उन्होंने आपके प्यार को खोज लिया है, उस व्यक्ति को एक कहानी बताएं या...."।

एक समय की बात है, परमेश्वर ने नीचे देखा —और अपने पुत्र को भेजा। नैन्सी शेवर[41]

---

41. पहले ये "कम ये अपार्ट" मार्च-अप्रैल-मई (कैनसस सिटी, एम मो: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 32, में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया)।

.....

अप्रैल 16 **दिन - 106**

क्लेशों के लिए अदायगी

******

वरन हम क्लेशों में भी घमंड करें, यह जानकर कि क्लेश से धीरज और धीरज से खरा निकलना और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है; और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है, उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है। रोमियों 5:3-5

यहाँ तक कि सबसे आम फुटबॉल के प्रशंसक भी इस खेल से अत्याधिक उत्साहित हो गए - दो टीम, हयूसटन कैनसस सिटी के साथ खेलते हुए - सुपर बॉल चैंपियनशिप के एक फाइनलिस्ट बनने की राह पर थी। पहले क्वार्टर के अंत में हयूसटन ने 24-0 से बढ़त बनाई।

कैनसस सिटी के युवा क्वार्टरबैक, पैट्रिक महोम्स, साइडलाइन पर अपने खिलाड़ियों के बीच में गए। अपने वर्षों के अनुभव से, उन्होंने उन्हें न डाँटा, न उन पर चिल्लाया, और न अपना आपा खोया। इसके बजाय, उन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया, उनका समर्थन किया और आशा व्यक्त की - शांत रहते हुए। उन्होंने टीम और भीड़ को इन शब्दों के साथ चुनौती दी, "हम अंत तक लड़ने जा रहे हैं" और "चलो कुछ खास करते हैं" महोम्स दृढ़ता और संयम की तस्वीर थे।

फिर उनके गलत प्रदर्शन और 24 पॉइंट से पीछे चल रही कैनसस सिटी फिर से जीवंत हो उठी, और सोलह मिनट के अंदर चार टचडाउन बनाए और 51-31 से खेल को जीत लिया।

उस प्लेऑफ खेल के दौरान प्रदर्शित होने वाली विशेषताओं को परमेश्वर के वचन में तुरही दी गई है। जब परमेश्वर की सहायता से उपयोग और प्रबंधन किया जाता है तो क्लेश दृढ़ता पैदा करता है, जो चरित्र पैदा करता है, जो आशा पैदा करता है। और यह आशा हमें शर्मिंदा या निराश नहीं करेगी, क्योंकि यह एक अविश्वसनीय फुटबॉल में जीत से कहीं बढ़कर ईनाम की उम्मीद करती है। यह हमें दिए गए पवित्र आत्मा (परमेश्वर की व्यक्तिगत उपस्थिति) के माध्यम से हमारे दिलों में (जहाँ हमें उसकी सबसे ज्यादा जरूरत है) परमेश्वर के प्रेम के उंडलने से (न टपकते हुए) के बारे में है।

हाँ, जब हम परमेश्वर की सहायता से सहयोग करते हैं, तो क्लेशों का प्रतिफल मिलता है। और फिर एक और बड़ी अदायगी है - परमेश्वर की महिमा की आशा, जिससे हम किसी दिन स्वर्ग में उसकी अनंत उपस्थिति में रहेंगे।

.....

अप्रैल 17 **दिन - 107**

एक वास्तविक जीवंत-पत्र

******

यह प्रगट है कि तुम मसीह की पत्री हो, जिसको हमने सेवकों के समान लिखा, और जो स्याही से नहीं परंतु जीवते परमेश्वर की आत्मा से, पत्थर की पटीयों पर नहीं, परंतु हृदय की मांसरूपी पटीयों पर लिखी है।2 कुरिंथियों 3:3

पत्र - हमें उनके ढेर मिलते हैं। आप किस तरह के पत्र प्राप्त करना पसंद करते हैं? शायद उस तरह का जो कहता है:

"हम एक विशेष कार्यक्रम कर रहे हैं - आइए और जश्न में हमारी मदद करें।"

"धन्यवाद, आपने बहुत अच्छा काम किया! हम आपके बिना इसे नहीं कर सकते थे।"

"मुझे खेद है। मुझे क्षमा करें।"

"आपका व्यवहार मुझे दुखी कर रहा है, लेकिन मैं अभी भी तुमसे प्यार करता/करती हूँ।"

"आखिर में आपको इस तूफान में कुछ अच्छा मिलेगा।"

"बस आपको यह बताना था : मैं आपके यीशु से मिला और मैं भी अब राज्य का सदस्य हूँ।"

"ठीक है - हम सभी गलतियाँ करते हैं। आपने इससे क्या सीखा।"

"कुछ भी असंभव नहीं है। परमेश्वर अबाध हैं। और उस पर विश्वास करें।"

"मुझे पता है कि मैं आप पर भरोसा कर सकता हूँ : मुझे पता है क्योंकि आप चट्टान पर खड़े हैं।"

"क्या मैंने आपको हाल ही में कहा है कि मैं आपको इतना प्यार करता हूँ जितना कि आप कभी जान पाओगे?

यदि ऐसा है, तो परमेश्वर का पत्र उठाओ। आपका नाम इसके पन्नों पर है।

"आज अपने हथियार पहन लो" (इफिसियों 6:13 में देखें)

"जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए हैं, उसकी तू पूर्ण शांति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है।" (यशायाह 26:3)

वैसे, क्या आप जानते हैं कि आप भी एक पत्र हैं? परमेश्वर का प्रेम जब हमारे दिलों में अंकित हो जाता है, तो पूरी दुनिया पढ़ने के लिए मौजूद होती है।

नैन्सी शेवर[42]

---

42. पहले यह 'कम ये अपार्ट' मार्च-अप्रैल-मई 1996 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 30 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)

.....

अप्रैल 18 **दिन - 108**

धुएं के संबंध में, आग को बुझा दो

******

कि तुम पिछले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट हो जाता है, उतार डालो और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, और नये मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेश्वर के अनुरुप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।
इफिसियों 4:22–24

कॉलेज के पादरी मुझसे नाराज थे। स्वैच्छिक चैपल सेवाओं में भाग लेने वाले छात्रों को अक्सर बोलने के लिए कहा जाता था, और उन्होंने मुझसे, एक बिल्कुल नए मसीही से पूछा। मैंने वचन "क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं, परंतु धर्म और मेल-मिलाप और वह आनंद है जो पवित्र आत्मा से होता है" (रोमियों 14:17) पर प्रचार किया। मैं मसीह में अपने नए, बदले हुए जीवन को व्यक्त करने से प्रसन्न था।

सेवकाई के बाद पादरी ने मुझसे बात की, "अगर तुम्हें लगता है कि तुम पहले से बेहतर हो, तो तुम अब पहले से भी बदतर हो।"

"वाह! जाहिर है, उन्होंने इस शिक्षा को अपनाया कि एक मसीही भी केवल पापी हो सकता है। क्या हुआ कि परमेश्वर ने हमें "जीवन भर उनके सामने पवित्रता और धार्मिकता में बिना किसी भय के उनकी सेवा करने" (लूका 1:74–75) के योग्य बनाया। फिर भी हमारे बाहरी पापों से परे, एक गहरा मुद्दा है।

ई.स्टेनली जोन्स गवाही देते हैं उन्होंने एक जीवन-परिवर्तन करने वाले रूपांतरण का अनुभव किया। वह लिखते हैं कि मसीह में, "जीवन में एक नया केंद्र है, जिसके चारों ओर घूमना है। लेकिन जीवन के सभी बल और लगाव मसीह के चारों ओर एकत्रित नहीं है। कुछ ऐसे भी हैं जो घुटने नहीं टेकते और इस नई निष्ठा को स्वीकार नहीं करते। ऐसे आग्रह है जो "अपने तरह से चीज़ें होने के आदी हैं – वे लंबे समय से अपनी तरह से चीज़ें करते आएं हैं।"[43]

पौलुस ने इफिसियों को लिखा, "तुम पिछले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को, उतार डालो"। न्यू लिविंग ट्रांसलेशन वचन 22 को इस तरह बताता है "अपने पुराने पापी स्वभाव और पुराने जीवन के तरीकों को, उतार फेंको"। तुम्हारे कार्यों के पीछे एक स्वभाव है; कार्यों के पीछे एक रवैया है;

गतिविधियों के पीछे एक मकसद है; पापों के पीछे, आत्म केंद्रितता है। इसका मुकाबला करने के लिए हमें कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए – "उतार फेंके" – और सकारात्मक कार्रवाई – "नये मनुष्यत्व को पहन लो जो परमेश्वर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।"

जब धुंए की बात आती है तो आग बुझा दें। जब आपके पुराने जीवन की बात आती है तो अपने पुराने स्वभाव को त्याग दें।

मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के कुछ समय बाद, रीसा हॉवेल्स, द वेल्श लेमैन जिन्होंने बाइबिल कॉलेज ऑफ वेल्श की स्थापना की, ने पवित्र आत्मा के साथ गहन मुलाकात की। उस अनुभव के बारे में उन्होंने कहा, "इसका अर्थ था कि मेरे पथभ्रष्ट स्वभाव का हर हिस्सा क्रूस पर चढ़ाया जाना था, और वह अपने नए जीवन और नए स्वभाव को लाएगा।"[44]

43. ई. स्टेनली जोन्स, अबंडेन्ट लिविंग (न्यू यार्क: अबींगडन,1942), 150

44. नोरमन ग्रब, रीस हॉवेल्स, इंटरसेसर: द स्टोरी ऑफ अ लाइफ लीव्ड फॉर गॉड (फिलाडेल्फिया क्रिस्चियन लिटरेचर क्रूसेड, 1952), 36।

.....

अप्रैल 19 **दिन - 109**

अपनी गवाही दें

******

यदि मैं आप ही अपनी गवाही दूँ तो मेरी गवाही सच्ची नहीं, एक और है जो मेरी गवाही देता है और मैं जानता हूँ कि मेरी जो गवाही वह देता है, वह सच्ची है। यूहन्ना 5:31–32

"सज्जनों, सुसमाचार उन लोगों द्वारा लिखे गए थे जो सोचते थे कि यीशु ही मसीहा है। हमें इसे प्रचार के रूप में मानना चाहिए। यह मेरे कॉलेज के बाइबिल प्रोफेसर का प्रारंभिक कथन था।

उनके शब्दों ने मेरी हाल ही में परिवर्तित आत्मा में सिहरन भर दिया। कितनी नकारात्मक गवाही है। कुछ सप्ताह पहले मैंने उस व्यक्ति से जो मुझे मसीह की ओर ले गए, उससे कहीं अधिक सत्य और प्रेरक शब्द सुनें: चिक, मैं पहले से अलग हूँ क्योंकि मैंने प्रभु को पा लिया।"

गवाही देने के लिए दूसरों को बताना है कि यीशु ने आपके लिए क्या किया है – गवाही देने के लिए वह सब पुष्टि करना है जो यीशु वास्तव में है।

अपने समय के विरोधी लोगों के साथ व्यवहार करते हुए यीशु ने कहा कि यदि वह केवल इस बात की गवाही देते हैं कि वह वास्तव में कौन है, तो यह पर्याप्त नहीं होगा – उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। यीशु ने तब अन्य लोगों और तथ्यों की सूची बनाना शुरू किया जिन्होंने उनकी असली पहचान की गवाही दी। क्या उनके विरोधियों का वश में करना संभव होगा?

उन्होंने सबसे पहले यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का उल्लेख किया, जो उस समय भविष्यवक्ता के रूप में जाने जाते थे: "तुमने यूहन्ना से पूछवाया और उसने सच्चाई की गवाही दी है। परंतु मैं अपने विषय में मनुष्य की गवाही नहीं चाहता: तौभी मैं ये बातें इसलिये कहता हूँ कि तुम्हें उद्धार मिले" (यूहन्ना 5:33–34)।

दूसरा उन्होंने उन कार्यों, चिन्हों और चमत्कारों का उल्लेख किया, जिन्हें उन्होंने वैध प्रमाण के रूप में किया था: "क्योंकि जो काम पिता ने मुझे पूरा करने को सौंपा है – अर्थात् यही काम जो मैं करता हूँ – वे मेरे गवाह हैं कि पिता ने मुझे भेजा है" (5:36)

तीसरा पिता ने आप ही मसीह के संदेश की गवाही दी: "और पिता जिसने मुझे भेजा है, उसी ने मेरे गवाही दी है" (5:39)।

अंत में पवित्र शास्त्र प्रमाण देता है: "ये वही पवित्र शास्त्र है जो मेरी गवाही देता है" (5:39)।

यीशु ने चार मजबूत, सम्मानित साक्ष्य प्रस्तुत किए जैसे कि वह कानून के अदालत में थे। और उनके श्रोताओं ने इन साक्ष्य के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दिखाई? यीशु ने उनके बारे में कहा। "मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते" (5:43)। कितने दुख की बात है!

फिर एक और गवाह सामने आया: जो आदमी चंगा हो गया था, उसने यीशु के विरोधियों को बताया। यूहन्ना 5:15 विवरण देता है कि "उस मनुष्य ने जाकर यहूदियों से कह दिया कि जिसने मुझे चंगा किया, वह यीशु है।"

जोलेन जैसे लोगों को सुनना कितना सुंदर है। 30 सितम्बर को उसने मसीह को स्वीकार किया और कहा, "यह अविश्वसनीय था। मैं तुरंत अलग थी।"

उस क्षण को याद करते हुए जब परमेश्वर ने प्रतिरोध की आखिरी दीवार को गिरा दिया, माइक ने कहा, "मुझे लगा कि मुझे उस रात लोगों से दूर जाना है: और अकेले ही रात 11:00 बजे, मैं रोया और अपने मसीह को अपने दिल में आने के लिए कहा।" बाद में, उसने कहा, "परमेश्वर ने अविश्वसनीय रूप से मदद की है।"

14 अप्रैल को शहरजाद इनकम टैक्स के कारण उदास थी। लेकिन जब कुछ मसीही मित्रों ने उसे बताया कि मसीह उसके हृदय के द्वार पर दस्तक दे रहे हैं, तो उसने प्रार्थना की और द्वार खोल दिया | वह आनंदित हुई और बोली, "ओह, ओह, ओह मुझे इतनी शांति मिली है, मुझे इतनी शांति मिली है।"

वह पूरे कमरे में दौड़ी और अपने पति को गले लगाते हुए बोली, "अल्बर्ट हम आगे क्या करें?"45। आइए उसके लिए जवाब दें – जाओं किसी अन्य को बताओ।

क्या आप गवाही देने वाले लोगों में शामिल होना चाहेंगे?

---

45. इस रिपोर्ट के कुछ अंश होलीनेस टुडे, अक्टूबर 2000 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 3 - 4 से हैं | (अनुमति द्वारा उपयोग किया गया)

.....

अप्रैल 20 **दिन - 110**

वादों पर कायम रहना

******

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।1 यूहन्ना 1:7

उत्कृष्ट गायक और एक कुशल पियानोवादक के रूप में, फ्रांसेस रिडले होवर्गल का उत्साही ही भीड़ के सामने एक शानदार करियर हो सकता था। हालांकि, वह आश्वस्त थी कि उसके वरदान प्रभु से ऋण पर थे। इस प्रकार, आत्माओं को जीतने के लक्ष्य के साथ, उसने केवल पवित्र संगीत गाया।

1836 में जन्मे फ्रांसिस ने सात साल की उम्र में लिखना शुरू किया था। उसने इंग्लैंड और जर्मनी में अध्ययन किया और बाइबल आधारित ग्रीक और इब्रानी में कुशल बन गई। 1874 में, वह एक ऐसे घर में गई जहाँ वहाँ रहने वाले दस लोग या तो प्रभु को नहीं जानते थे या हर्षित मसीही नहीं थे। जब तक उसने वह घर छोड़ा, तब तक वह सभी दस हर्षित मसीही बन गये। बाद में, वह इतनी खुशी से भर गई कि वह सो न सकी। उस रात उसने "एवर, ओनली, आल फार दी" लिखा, जो एक भजन का हिस्सा बन गया।

कई मसीही जो गहन आत्मिक जीवन की तलाश में होते हैं, प्रभावशाली पवित्रता का अनुभव करते हैं। फ्रांसेस की खोज कम प्रभावशाली थी। फ्रांसेस प्रभु को जानती थी और उनसे प्रेम करती थी फिर भी उनके साथ एक गहरे संबंध की अभिलाषा करती थी | धीरे-धीरे वह वहाँ पहुंची, जिसे वह एक "दूसरा अनुभव" कहती है।

2 दिसम्बर, 1873 को याद करते हुए फ्रांसेस ने लिखा:

मैंने पहली बार इसे अचानक देखा..... पूर्ण आशिषित होने से पहले पूर्ण समर्पण होना चाहिए..... मुझे दिखाया गया था कि उनके पुत्र यीशु मसीह का खून सभी पापों से शुद्ध करता है..... वह जिसने मुझे इस प्रकार शुद्ध किया था, उसके पास मुझे शुद्ध रखने की शक्ति थी... यह एक शब्द 'शुद्ध'..... मैंने पहले कभी काल के प्रभाव को नहीं देखा था, एक निरंतर वर्तमान, हमेशा एक वर्तमान काल, एक ऐसा वर्तमान नहीं जो अगले क्षण ही अतीत बन जाता है। वह शुद्ध करता है चला जाता है.... केवल फव्वारे में आने वाला ही नहीं बल्कि फव्वारे में शेष रहने वाला, ताकि वह शुद्ध करता रहे।

उसने हर्षित होकर अंत में कहा, "मैं सब देख रही हूँ और मेरे पास आशीष है।"[46]

अपने आत्मिक अतिप्रवाह से, उसने सैकड़ों भजन लिखें, और उसके हर्षित शब्द आज भी भजनों में पाए जाते हैं।

आप संघर्ष कर रहे होंगे; हो सकता है कि आप प्रभु से आपको पवित्र करने के लिए कह रहे हों। आप इस वादे पर कायम रहें कि वह ऐसा करेंगे - वह आपको शुद्ध करेंगे, आपको साफ करेंगे, आपको पवित्र करेंगे।

जब आप उसके वादों में कायम होते हैं तो उसके संपर्क में रहें।

---

46. जे. सिडलो, बैक्सटर, हिज डीपर वर्क इन अस (ग्रैंड रैपिड्स: जोन्डरवेन, 1967), 70

अप्रैल 21 **दिन - 111**

हर भावना मसीहा के कैद में है

******

इसलिये हम कल्पनाओं का और हर एक ऊंची बात का, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खंडन करते हैं: और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

2 कुरिन्थियों 10:5

यह कुछ आशंका के साथ है कि मैं एड की व्यक्तिगत गवाही को यहाँ शामिल कर रहा हूँ। भले ही उसकी कहानी अपरिपक्व और दर्दनाक है, यह परमेश्वर के शक्तिशाली उद्धार और निरंतर आत्म-अनुशासन की आवश्यकता को दर्शाती है।

मुझे पहली बार दस दिन की उम्र में चर्च में लाया गया था। उसके बाद, मेरे बचपन में, मेरे माता-पिता हर बार चर्च के दरवाजे खुले होने पर मुझे चर्च ले गए। मेरा पालन-पोषण संडे स्कूलों में हुआ और मेरी शिक्षा मसीही कॉलेजों में हुई: मैं अट्ठारह महीनों के लिए सेमिनरी में भी गया था। मैंने 1966 में चौदह साल की उम्र में अपना जीवन परमेश्वर को दे दिया था - लेकिन उससे पहले मैंने एक यौन व्यसन की नींव रखी।

अपनी किशोरावस्था के अंत तक, मैंने एक गुप्त जीवन बना लिया था। मेरी पहली शादी के मध्य तक, मेरा मन इतना विकृत हो गया था कि मुझे विश्वास हो गया था कि मेरे पापपूर्ण चुनाव उचित थे। मेरे अनियंत्रित यौन व्यवहार के कारण मुझे दो शादियों और एक करियर की कीमत चुकानी पड़ी। मैंने कई लोगों को चोट पहुँचाया है।

1992 की गर्मी तक, मैं इतना आत्मघाती हो चुका था कि, उसी सप्ताह के भीतर, मेरे पादरी ने मेरी बंदूक माँगी, और मेरे थेरेपिस्ट ने मुझे एक मनोरोग अस्पताल में रखने की पेशकश की। लेकिन परमेश्वर की अन्य योजनाएं थी।

मई 1996 मैं मैंने बारह-चरणों के एक रिट्रीट में भाग लिया और स्वीकार किया कि मैं एक सेक्स एडिक्ट हूँ। तब परमेश्वर ने मुझे चर्च से संबंधित सम्मेलनों और रिट्रीट के रूप में कई-कई उपचार अनुभवों के माध्यम से अगुवाई की। लेकिन क्योंकि मैंने सोचा था कि मैं उन्हें नियंत्रित कर सकता हूँ, मेरा नियंत्रण से बाहर यौन व्यवहार बढ़ता रहा।

जून 2000 में, मैंने यौन व्यसन के लिए अपने पहले रोग निवृत्ति सहायता समूह में भाग लिया। इस समय तक मुझे पता चल गया था कि मैं अपने यौन विचारों के सामने शक्तिहीन था और मेरा जीवन लगभग नष्ट हो गया था।

परमेश्वर के बारे में मेरी धारणा, न्याय और निंदा की थी - उस तरह का परमेश्वर मुझे मेरे द्वारा किए गए कार्यों के लिए कैसे क्षमा कर सकता है? लेकिन मेरे रोगनिवृत्ति समूह के भाइयों ने मुझे स्वीकार किया और मुझे प्यार किया। मैंने तय किया कि अगर वे मुझे स्वीकार कर सकते हैं तो शायद परमेश्वर भी स्वीकार कर सकते हैं।

मेरे रोगनिवृत्ति समूह और मेरे चर्च में बाइबिल के प्रचार के माध्यम से, मैंने सीखा कि पवित्र शास्त्र का परमेश्वर प्रेम, अनुग्रह, छुटकारे और स्वीकृति का परमेश्वर है। मुझे पता चला कि वह दूसरे, पाँचवें, दसवें और बिसवें अवसरों को देने वाले परमेश्वर है। लेकिन मेरी बाध्यकारी सोच ने अभी भी मेरी यौन व्यवहार को संचालित किया हुआ था।

2001 में, पाम संडे से पहले रविवार की रात को मेरे पादरी ने प्रभु-भोज की सेवकाई में चर्च की अगुवाई की। जैसे ही प्रभु-भोज के तत्व दिए गए, मैंने क्रूस पर मसीह की कल्पना की और उन्होंने कहा, "मुझे अपना अपराध और शर्म दे दो।"

एक सेक्स एडिक्ट के रूप में पैंतीस वर्षों के बाद, मैं बहुत अधिक दोषी और शर्मिन्दा महसूस कर रहा था। निर्णय लेने में संघर्ष कर रहा था, लेकिन मसीह मुझसे बात करते रहे। वह इसे ले नहीं सकते थे - मुझे इसे उन पर छोड़ना था।

जिस क्षण मैंने अपना अपराध बोध और लज्जा उस पर रख दी, उसी क्षण व्यसन की शक्ति टूट गई। पाप की जंजीरें टूट गई - मैं आज़ाद था!

लेकिन क्या मैं सच में आज़ाद था? पवित्र शास्त्र कहता है कि शैतान, सिंह की तरह इस खोज में रहता है कि फाड़ खाए। वह अभी भी मुझे फाड़ खाने की कोशिश कर रहा था। मेरे पास अभी भी विचार और मानसिक दृश्य हैं - मैंने उन्हें कई वर्षों में अपने दिमाग में जला दिया था। हर दिन, शैतान उन्हें मेरे खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश करता है।

लेकिन पवित्र शास्त्र मुझे बताता है कि मेम्ने के लहू और मेरी गवाही के वचनों के द्वारा ही मैं शैतान पर विजय प्राप्त कर सकता हूँ। मसीह ने पहले ही अपना लहू बहा दिया है, और मेरी गवाही के वचन 2 कुरिन्थियों 10:4-5 में पाया जाता है: "क्योंकि (मेरी) लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ो को ढ़ा देने के लिए परमेश्वर द्वारा सामर्थी है इसलिए (मैं) कल्पनाओं का और हर एक ऊंची बात का, जो परमेश्वर के पहचान के विरोध में उठती है, खंडन करता हूँ और (मैं) हर एक भावना का क़ैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देता हूँ।"

.....

अप्रैल 22 **दिन - 112**

प्रेम प्रभाव

******

जो प्रेम परमेश्वर हमसे रखता है, वह इस से प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं। 1 यूहन्ना 4:9

पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है। रोमियों 5:5

हे प्रियों जब परमेश्वर ने हमसे ऐसा प्रेम किया, तो हमको भी आपस में प्रेम रखना चाहिए। 1 यूहन्ना 4:11

बिल की माँ की मृत्यु चवालीस वर्ष की आयु में हुई, जब बिल पंद्रह वर्ष का था। अगले साल, उसके पिता की मृत्यु हो गई। बिल की बड़ी बहन बिल और उसके दो भाई-बहनों को अपने घर ले गई और सत्रह साल की उम्र में बिल काम की तलाश में कैनसस सिटी चला गया। उसे एक लकड़ी की कंपनी में नौकरी मिल गई और वह रात में अकाउंटिंग स्कूल जाने लगा।

डिक ने बिल से दोस्ती की और अपनी कंपनी से बिल को नौकरी पर रखने का आग्रह किया। बाद में, डिक ने बिल को मसीही व्यावसायिक पेशेवरों के लिए होने वाली सभाओं में ले जाना शुरू किया। एक रिट्रीट पर अपने सहयोगियों की गवाही सुनने के बाद, बिल अपने कमरे में गया और प्रार्थना की, "मेरे पापों को क्षमा करें। मैं आपके परिवार का हिस्सा बनना चाहता हूँ। मेरे जीवन का मार्गदर्शन करें।"

काम पर वापस आकर बिल ने डिक को जो अपनी बीमारी के कारण रिट्रीट पर नहीं आ पाया था, अपनी प्रार्थना के बारे में बताया।

बिल ने उस कंपनी में 1966 में शुरूआत की। जहाँ डिक ने उसे एक नौकरी दिलाई थी। 1976 में वह एक पार्टनर बन गया और 1986 में वह एकमात्र मालिक बन गया। बाद में, लगातार तीन वर्षो तक कैनसस सिटी बिजनेस जर्नल ने बिल की कंपनी को शीर्ष दस सबसे तेजी से बढ़ते कैनसस सिटी बिज़नेस में से एक के रूप में चित्रित किया।

बिल ने बाद में ग्वेन नाम की एक धर्मपरायण महिला से शादी की। 1990 में, आत्मिक विकास के वर्षों बाद, बिल ने परमेश्वर के पवित्र अनुग्रह का अनुभव किया।

बिल का अपने उद्धारकर्ता के साथ एक आशीषित संबंध है जिसे प्रेम द्वारा परिभाषित किया गया है:

- उसके लिए मसीह का प्रेम (1 यूहन्ना 4:9)
- उसमें मसीह का प्रेम (रोमियों 5:5)
- उसके द्वारा मसीह का प्रेम (1 यूहन्ना 4:11)

बिल लोगों में निवेश करता है, उन्हें आत्मिक रूप से सलाह देता है और आजीवन मित्रता बनाए रखता है। चालीस साल से भी अधिक समय पहले, वह और जिम दोस्त बन गए। जब भी जिम को मर्चेंट मरीन ड्यूटी से दो महीने की छुट्टी मिलती, तो वह बिल के पास रुकता। आज भी, वे प्रार्थना निवेदन को साझा करते है और बिल समय-समय पर जीम और उसकी पत्नी से मिलने न्यू जर्सी जाता है, जहाँ जिम एक मसीही स्कूल में कार्य करता है।

डेव और बिल दोस्त बन गए जब डेव ने सेमिनरी में भाग लिया। उन्होंने अपने स्थानीय चर्च में आगंतुकों को एक साथ बुलाया। डेव ने बिल का घर बनाने में मदद की;

बिल ने मेने में उसके पादरी स्थल का दौरा किया: और बिल ने डेव की वाशिंगटन मेवेथ से शादी में शामिल हुआ। आज भी जब-जब डेव जॉर्जिया (यूरोपिय देश) या पोलैंड में मिशनरी कार्य से वापस आता है, वह बिल के पास रुकता है।

बिल की एक सेमिनरी छात्र माइकल से दोस्ती हुई, जब वे चर्च के आगंतुकों को एक साथ फोन किया करते थे। माइकल अब एक पादरी है, और बिल सवाना, जॉर्जिया और मॉन्टेरी और कैलिफोर्निया में सैन्य कार्यों के दौरान उससे, उसकी पत्नी और उनके पाँच बच्चों से मिलने गया। बिल और माइकल प्रार्थना में एकदूसरे का समर्थन करते हैं।

बिल, लोगों के लिए मसीह का एक अद्भुत सुसंगत प्रवाह है। आप भी मसीह के प्रेम के एक प्रवाह हो सकते हैं।

.....

अप्रैल 23 **दिन - 113**

साहस से भरा हुआ

******

जब उन्होंने पतरस और यूहन्ना का साहस देखा, और जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य हैं, तो आश्चर्य किया, फिर उनको पहचाना कि वे यीशु के साथ रहे हैं। प्रेरितों के काम 4:13

जब वे प्रार्थना कर चुके तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गये और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे। प्रेरितों के काम 4:31

क्या आप कभी ऐसी असहज़ स्थिति में पड़े हैं जिसमें आप जानते थे कि आपके आस-पास के सभी लोग आपके विश्वास के प्रति सहानुभूति नहीं रखते हैं? क्या आपको कभी अपने विश्वासों के कारण धमकाया गया है?

यदि आप इनमें से किसी भी स्थिति में रहे हैं तो आप जानते हैं कि यीशु का अनुसरण करने के लिए पतरस, यूहन्ना और अन्य प्रारंभिक शिष्य किन स्थितियों से गुजरे। पतरस और यूहन्ना मंदिर में लंगड़े भिखारी से मिले और यीशु मसीह के नाम से वह चंगा हो गया।

जब उसने चलना, कूदना और परमेश्वर की स्तुति करना शुरू किया, तो उस व्यक्ति ने मंदिर के काफी लोगों का ध्यान आकर्षित किया (प्रेरितों के काम 3:1-10)। पतरस ने इस घटना का उपयोग यीशु के बारे में प्रचार करने के लिए किया। मंदिर के पहरेदारों का प्रधान याजक और सदूकी इस बात से बहुत परेशान हुए, और उन्होंने पतरस और यूहन्ना को पकड़कर जेल में डाल दिया।

अगले दिन अधिकारियों ने पतरस को खुद की सफाई देने के लिए कहा। पतरस ने एक गहरे संदेश की घोषणा की। कैसे? "आत्मा से परिपूर्ण" होकर, पतरस इतना सामर्थी हो गया था कि उसके सुनने वाले उसके साहस से चकित हो गए। अंततः पतरस और यूहन्ना को धमकी दी गई और रिहा कर दिया गया। वे अपने साथी शिष्यों के पास वापस गए और इन घटनाओं की सूचना दी। बड़ा समूह प्रार्थना करने गया और "वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहें" चाहे कोई मसीही आत्मा से परिपूर्ण अवस्था में रह रहा हो या आत्मा के नये सिरे से उंडेले जाने और भरने का अनुभव कर रहा हो, परिणाम साहस है। कभी-कभी आत्मा की परिपूर्णता शुद्ध करने के लिए होती है (प्रेरितों के काम 15:8-9)। लेकिन यहाँ यह साहस के लिए है।

अपने मसीही जीवन के आरंभ में मुझे; साहस के मुद्दे का सामना करना पड़ा। मैं अपने सीनियर वर्ष की शुरुआत अपने आइवी लीग कॉलेज में कर रहा था। कैंपस में लौटने से ठीक पहले, मैंने पवित्र आत्मा के पवित्रीकरण, सशक्तिकरण से भरने का अनुभव किया। प्रत्येक सीनियर को "महान मुद्दों" के कोर्स में भाग लेना जरूरी था, जिसमें प्रमुख व्यक्ति आए और व्यापार, सरकार, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, वित्त और धर्म के प्रमुख विषयों पर अपनी विशेषज्ञता के बारे में बात की।

प्रशासन ने प्रोटेस्टेंटवाद का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक यूनिटेरियन सेवक को चुना। मनोविज्ञान पर जोर देते हुए उन्होंने इस विचार को बढ़ावा दिया कि मानवता मूल रूप से अच्छी है। अगले दिन छात्र, वक्ता से प्रश्न पूछने के लिए कक्षा में वापस आए।

वापस मेरे कमरे में, परमेश्वर ने मुझे प्रेरित करना शुरू कर दिया: "तुम उसके संदेश को चुनौती दिए बिना कायम रहना नहीं दे सकते"। मुझे पता था कि अगले दिन मुझे सभी सीनियर के सामने वक्ता से एक प्रश्न पूछना था।

अगले दिन, मैंने प्रस्तुतकर्ता से निम्नलिखित प्रश्न किया: "आप कैसे कह सकते हैं कि मानवता मूल रूप से अच्छी है जबकि बाइबिल कहती है, "सभी ने पाप किया है; और जब फ्रॉएड कहते हैं, "मनुष्य के पास गंदगी से भरा एक खोकला ह्रदय हैं; और जब मेरे अपने अनुभव से जब तक यीशु को अपने ह्रदय और जीवन में नहीं ले गया, तब तक मैं पापी और आत्म-केंद्रित था?

भीड़ में मौजूद लोग असंवेदनशील रूप से चिल्ला रहे थे। वक्ता ने फिर मनोविज्ञान से उत्तर देने का प्रयास किया।

मैं मानता हूँ कि जिस क्षण में यह सवाल पूछने के लिए खड़ा हुआ, मैं डर गया था। लेकिन मैं वह करने को तैयार था जो परमेश्वर ने मुझसे करने को कहा था। आत्मा की शक्ति से साहस - यह आज संभव है।

.....

अप्रैल 24 **दिन - 114**

हाँ, व्यभिचार से दूर रहो

******

क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी, न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देने वाले, न अंधेर करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परंतु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे। 1 कुरिन्थियों 6:9-11

हालांकि स्टीव और जैकी केवल कुछ ही बार चर्च गए थे, वे रविवार सुबह की रिवाइवल सेवा में आए थे। सोमवार रात्रि सेवकाई के बाद, स्टीव मुझसे बात करने के लिए आया। उसने, कुछ इस तरह कहा, "मैं रविवार सुबह की सेवकाई में आपके द्वारा बताई गई कहानी से प्रभावित हुआ। मुझे लगता है कि मैंने एक अच्छा जीवन जिया है - कभी भी तंबाकू, शराब या ड्रग्स का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन, मैं गाली देता हूँ। बहुत ज्यादा। लेकिन जब मैंने आज अपने निर्माण कार्य स्थल पर गाली दी तो, मैंने बहुत दोषी महसूस किया। मेरे हाथों को देखो, काँप रहे हैं।"

मैंने स्टीव के साथ प्रार्थना करने की पेशकश की, लेकिन उसने इसका कोई जवाब नहीं दिया। उसने बस इतना कहा कि वह और अधिक सेवकाई में शामिल होने के लिए वापस आएगा।

स्टीव और जैक मंगलवार को वापस आए। सभी चीजों में से मैंने उस रात 1 कुरिन्थियों 6 पर आधारित "लोग, सेक्स और परमेश्वर" पर प्रचार किया। उस प्रचार में मैंने अनैतिकता को एक ऐसी महिला के साथ यौन संबंध में रहने वाले पुरुष के रूप में परिभाषित किया, जिससे उसकी शादी नहीं हुई थी - जो इस जोड़े की समान स्थिति थी।

बुधवार की रात वे फिर वापस आए। ऑल्टर कॉल के दौरान स्टीव और जैकी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और आगे आए। जब मैंने स्टिव के पास घुटने टेके, तो वह उत्साह से प्रार्थना कर रहा था। उसने मुझसे कहा, "मेरे पाप, मेरे पाप, वे सभी माफ हो गए। वे सभी चले गए।"

मैंने स्टिव से पूछा कि मसीह कहाँ थे, और उसने साहसपूर्वक उत्तर दिया, "वह मेरे दिल में है"।

हर्ष से भरे हुए स्टीव और जैकी ऑल्टर (वेदी) से दूर जाने लगे थे। जब कुछ कदम चलने के बाद, स्टीव घूमा और मेरे पास वापस आया। उसने पूछा, "और वे अन्य पाप – क्या उन सभी को भी क्षमा किया गया है?"

मुझे पता था कि वह किस बारे में बात कर रहा था — एक रात पहले मेरे प्रचार के विषय के बारे में। मैंने कहा, "हाँ, उन सब को भी माफ कर दिया गया है?"

"हम साथ रह रहे थे," स्टीव ने कहा। "हम विवाहित नहीं हैं – हम दोनों तलाकशुदा है। हालांकि, हम शादी करने की योजना बना रहे है, हमारे पास पहले से ही अंगूठियां है।"

जवाब में, मैंने स्टीव से अपने पादरी से बात करने और जैकी से जल्द से जल्द शादी करने का आग्रह किया।

ध्यान दें कि प्रेरित पौलुस ने कुरिन्थियों से क्या कहा: अपने पापपूर्ण व्यवहारों की सूची के बाद, उसने कहा, "और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परंतु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे" (वचन 11)।

हम सभी के लिए जो अतीत में यौन पापों में लिप्त हैं, हमें क्षमा किया जा सकता हैं; हमें बदल सकते हैं; हम साफ हो सकते हैं; हम नए हो सकते हैं। परमेश्वर की आत्मा ऐसा कर सकती है। उन्होंने (परमेश्वर) कुरिन्थियों के लिए किया; वह आपके और मेरे लिए यह कर सकते हैं।

मेरे सामने, मेरे पास स्टिव और जैकी की शादी समारोह के बाद चर्च से बाहर निकलते हुए की एक तस्वीर है। वेदी पर अपनी प्रार्थना के तीन सप्ताह बाद, उन्होंने रविवार की सुबह, आराधना के ठीक बाद शादी की। और जैकी के चेहरे पर क्या मुस्कान थी।

उनकी शादी के बाद, स्टिव ने बपतिस्मा लिया और दोनों चर्च में शामिल हो गए और "बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियंस" को पूरा किया। अब स्टिव गिटार बजाना सीख रहा है ताकि वह आराधना दल में योगदान दे सकें।

तो, हाँ हम कहते हैं "व्यभिचार से दूर रहो" (वचन 18)। यदि आपको लगता है कि ऐसा करना आपके लिए बहुत कठिन है, तो याद रखे कि आपका शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है (वचन 19), और वह आत्मा आपको महान शक्ति देती है।

.....

अप्रैल 25 **दिन - 115**

अनुग्रह दिखता है!

******

वह वहाँ पहुँचकर और परमेश्वर के अनुग्रह को देखकर आनंदित हुआ, और सबको उपदेश दिया कि तन मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहो। प्रेरितों के काम 11:23

जब परमेश्वर अंदर काम करता है तो अनुग्रह बाहर दिखता है। कभी-कभी हम देखते हैं कि कुछ दिल, दबे हुए, बंधन में, आहत, परेशान, छिपे हुए, थोड़ी सी उम्मीद को पकड़े हुए या हानि के रास्ते में जी रहे होते हैं। अन्य लोग आक्रोश रखते हैं और अभिमानी, चढ़े दिमाग वाले और यह मानने के लिए बहुत घमंडी होते हैं कि उन्हें परमेश्वर की आवश्यकता है। क्या वे माँगने के योग्य नहीं है? क्या वे माँगने के लिए बहुत ही अच्छे हैं? कई दीवारें हैं जो हमें परमेश्वर के प्रेम से दूर रखती हैं।

जब यीशु आते हैं तो वह जीवन की गंदगी और मैल को धो देते हैं और हमें सम्मानीयता तक ऊपर उठाते हैं। उनका प्यार हमें नया जीवन देता है और हमें यह जानते हुए जीने देता है कि वह हमें अगले दिन के लिए भी सामर्थ्य देता है। वह मायने रखते हैं और वह आपको भी मान्य रखते हैं। वह हमारे आंसू पोंछते हैं और हमारे डर को दूर करते हैं, और फिर वह हंसते हैं जब हमारे दिल उनसे परिपूर्ण हो जाते हैं।

नैन्सी शेवर[47]

---

47. पहले ये "कम ये अपार्ट" जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 90 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया)।

.....

अप्रैल 26 **दिन - 116**

वह एक दाता थी

******

मैं बंदीगृह में था, और तुम मुझसे मिलने आए। मत्ती 25:36

सूज़ी या तो बहुत स्पष्टवादी थी या अपने पादरी के बहुत करीब थी। एक दिन, बातचीत के बीच में, उसने उनसे (पादरी) से कहा, "क्या आप जानते हैं कि आप गंजे हो रहे हैं"? चिंता न करें उन्होंने इसे अच्छे हास्य के रूप में लिया - उन्होंने कहानी सुनाई।

सूज़ी की और कहानी सामने आई जब हमने उसके परिवार से उसके मेमोरियल सर्विस के बारे में बात की। उसका बहत्तर वर्ष की आयु में अचानक निधन हो गया।

जब सूज़ी लगभग बारह वर्ष की थी, तब प्रार्थना करने के लिए वेदी के पास गई, और उस दिन उसने यीशु को ग्रहण कर लिया। वर्षों बाद, शादी करने और तीन बच्चे होने के बाद, वह मुख्य रूप से घर पर रहने वाली माँ थी। एक प्रार्थना सभा में, सूज़ी ने परमेश्वर को उससे कहते हुए सुना, "मेरे पास तुम्हारे लिए बहुत सी चीज़े है"। जो लोग उसे जानते वे कहते हैं कि वह एक प्रार्थना सभा में पवित्र की गई थी - शायद ऐसी ही किसी एक में।

सूज़ी अंतत: प्रिजन फेलोशिप सेवकाइयों के लिए कैनसस सेक्रेटरी और एक दीक्षित सेवक बन गई। उसने "इन हिज़ सर्विस मिनिस्ट्रीज" की स्थापना की और एक नेटवर्क चलाया जिसने जेल के कैदियों और उनके परिवारों को नौकरी, आवास और परामर्श खोजने में मदद की।

कम से कम तीन अवसरों पर सूज़ी और उसके दोस्त पादरी विकी ने मुझे लॉसिंग, कैनसस की जेलों में प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया। मुझे आश्चर्य हुआ कि वे क़ैदियों को व्यक्तिगत रुप से कितनी अच्छी तरह से जानते थे। इन कैदियों के खुलेपन और श्रद्धा ने उन्हें महिलाओं के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया।

सूज़ी की चिंता यह थी कि कैदी मसीह को व्यक्तिगत रूप से अपने उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में जानें। और जो मसीह बन गये थे, उनके लिए उसने प्रार्थना की कि वे परमेश्वर के पवित्रीकरन का अनुभव करें। सूज़ी और विकी ने यह भी सुनिश्चित किया कि नए विश्वासी एक बाइबिल अध्ययन में शामिल हों ताकि वे अपने विश्वास में बढ़ते और परिपक्व होते रहें।

सूज़ी के पारिवारिक रिश्ते अविश्वसनीय रूप से प्यार भरे थे। उसके पति, हैरी ने कहा, "वह (सूज़ी) उनके साथ होने वाली सबसे अच्छी चीज़ थीं। वह हमेशा दूसरों के लिए कुछ न कुछ करती थी।"

उसके बेटे स्टीफन ने कहा, "हम अठारह साल तक हर दिन फोन पर बात करते थे। मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी दोस्त थीं।"

उसके बेटे पॉल ने अपनी माँ की खुशी के बारे में बात की जब वह अर्जेंटीना में एक मिशन ट्रिप में गया था।

2007 में सूज़ी को लीवर की एक गंभीर बीमारी हो गई। भले ही वह महीने में कम से कम एक बार अस्पताल में भर्ती होती थी, लेकिन वह कभी भी धीमी नहीं हुई, ना ही कभी खुद पर तरस

खाया। इसके बजाय उसने आस-पास के लोगों के लिए समय निकाला और उनकी बात सुनी। उसके पास देने के लिए बहुत हर्ष था।

उसके बेटे स्टीफन ने कहा, "मैं बड़े होते हुए एक क्षण भी नहीं बदलूँगा।"

उसके बेटे पॉल ने कहा, "जब उनका निधन हुआ, तो मेरे पास शांति थी; कोई सवाल नहीं है कि वह कहाँ है?"

एक व्यक्ति के बारे में इतने विस्तार से क्यों जाना? क्योंकि यह देखना महत्वपूर्ण है कि परमेश्वर एक जीवन के द्वारा कितना कुछ कर सकते हैं। पंद्रह साल बाद उसने प्रभु को यह कहते सुना, "मेरे पास तुम्हारे लिए बहुत सी चीज़े है",। सूज़ी की जेल की सेवकाई पूरी तरह से विकसित हो गई है। क्या दाता थी? आपको क्या लगता है कि परमेश्वर आपके जीवन से क्या करेंगे?

.....

अप्रैल 27 **दिन - 117**

बीस अच्छे वर्ष

******

अतः जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो, और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अधिकाधिक धन्यवाद करते रहो। कुलुस्सियों 2:6-7

हालांकि उसका पालन-पोषण चर्च में हुआ था, लेकिन एक किशोर के रूप में जॉन एक विद्रोही था। उसने बारह साल की उम्र में ड्रग्स और पंद्रह साल की उम्र में शराब पीना शुरू कर दिया था। उसने धूम्रपान पॉट का बीस साल का रिकॉर्ड स्थापित किया। अठारह वर्ष की आयु में उसने अपने पंद्रह वर्षीय प्रेमिका से शादी कर ली। उसने एक पति बनने के कई प्रयास किए, लेकिन उसे शीकार करना, मछली पकड़ना और देर रात तक पार्टी करना बहुत अच्छा लगता था।

एक दिन काम पर, जॉन ने देखा कि एक ड्राइवर अपने ड्रग्स टेस्ट में फेल हो गया और अपनी नौकरी खो दी। जॉन ने उसे वह ड्रग्स दिया था। इस घटना ने उसे जागृत कर दिया -

जॉन को अहसास हुआ कि उसके साथ भी ऐसा ही हो सकता है। इसलिए जॉन अपने ट्रक पर चढ़ गया और प्रार्थना किया। उस दिन वह बच गया था।

उस हफ्ते, उसकी पत्नी के चर्च में रिवाइवल हो रहा था। वहाँ जॉन पुनः पुष्टि के लिए और फिर पवित्रीकरण के लिए वेदी पर गया। उसने गवाही दी कि उसके पवित्रीकरण ने उसके पूर्व दोषों की इच्छाओं को दूर कर दिया है।

रिवाइवल के दौरान, प्रभु ने उसे अपने अंतिम 50 डॉलर को भेंट (ऑफरिंग) में देने की चुनौती दी। जॉन झिझका - वह उसके गैस के पैसे थे और उसे उसकी जरूरत थी लेकिन प्रभु ने उससे कहा, "मैं तुम्हारा ध्यान रखूँगा"। तो जॉन ने वैसा ही किया जैसा परमेश्वर ने कहा। अगले दिन उसे 120 डॉलर की अप्रत्याशित उपयोगिता (यूटिलिटी) प्रतिपूर्ति प्राप्त हुई।

जॉन ने तुरंत अपने जीवन में बदलाव देखा: वह ड्रग्स से मुक्त हो गया। उसने पहले ही तंबाकू छोड़ दिया था। वह अपने दो बच्चों सहित अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने लगा।

वह नियमित रुप से चर्च जाने, बाइबिल पढ़ने और प्रार्थना करने लगा। उसकी पत्नी ने कहा, "वह तभी एक अलग व्यक्ति बन गया"।

इन दिनों जॉन और उसकी पत्नी अभी भी चर्च के सभी रिवाइवल सेवाओं में भाग लेते हैं। वह अब कहता है, "ये बीस वर्ष अच्छे रहे हैं।" जॉन, मसीह का अनुसरण कर रहा है और लंबी दौड़ के लिए इसमें शामिल है।[48]

द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2014) से रूपांतरित।

.....

अप्रैल 28 **दिन - 118**

परमेश्वर हर गलत का समाधान क्यों नहीं करते?

******

तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को लेकर अदन की वाटिका में रख दिया, कि वह उसमें काम करे और उसकी रक्षा करें। और यहोवा परमेश्वर ने आदम को यह आज्ञा दी "तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है। पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना: क्योंकि जिस दिन तू उसका फल खाएगा उसी दिन अवश्य मर जाएगा।" उत्पत्ति 2:15–17

बिल और डोना सबसे प्रिय, सबसे प्यारे, सबसे ईश्वरीय जोड़ों में से एक थे जिनकी आप कल्पना कर सकते हैं। बिल एक पादरी और अंततः एक सांप्रदायिक अगुवा था जिसने व्ययस्क संडे स्कूल साहित्य का निर्माण किया जिसने सैकड़ों हजारों लोगों को आशिषित किया।

कुछ साल पहले संडे स्कूल के रास्ते में बिल और डोना चर्च से सिर्फ एक ब्लॉक दूर थे उनकी गाड़ी को एक शराबी ड्राइवर ने टक्कर मार दी थी, दुर्घटना के परिणामस्वरुप बिल और डोना दोनों की मृत्यु हो गई।

कितना अनुचित - कितना गलत। क्या परमेश्वर दुर्घटना को नहीं रोक सकते थे?

आरंभ में, जब परमेश्वर ने मनुष्यों को बनाया, तो उन्होंने कहा, "तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है; पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना"।

जब उनकी सर्वोत्तम रचना की बात आयी - मानव - परमेश्वर ने हमें स्वतंत्र इच्छा देकर अपनी शक्ति को सिमित करना चुना ("तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है")। उन्होंने मानवता कों चुनाव का विशेषाधिकार दिया। लेकिन निश्चित रूप से, हमारे चुनावों के परिणाम होते हैं।("पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना; क्योंकि जिस दिन तू उसका फल खाएगा उसी दिन अवश्य मर जाएगा") इस प्रकार, हमारी दुनिया परमेश्वर के प्यार और मानवता के चुनाव की एक उपज है।

दुनिया के लिए परमेश्वर की योजना ने अच्छे, स्वस्थ विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की - किसी को भी संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त से कई अधिक ("किसी भी वृक्ष से खाना")। केवल एक विकल्प प्रतिबंधित था।

संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेट के पादरी पिटर मार्शल ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने उपदेश में इन मुद्दों पर विचार किया। यहाँ उस उपदेश का एक अंश दिया गया है: इस मुद्दे से बचने की कोशिश करने का कोई फायदा नहीं है। ऐसे समय भी होते हैं जब परमेश्वर हस्तक्षेप नहीं करते – यह तथ्य की वह कुछ नहीं करते, मसीह जीवन में सबसे चौंकाने वाले रहस्यों में से एक है। यह एच.जी. वेल्स ही थे जिन्होंने उस दुविधा को आवाज़ दी जिसका युद्ध के समय कई परेशान दिलों ने सामना किया था: "या तो परमेश्वर के पास इन सभी नरसंहार और हत्या को रोकने की शक्ति है और उन्हें परवाह नहीं है, या फिर वह परवाह करते हैं और उनके पास इसे रोकने की शक्ति नहीं है" लेकिन यह उत्तर नही है..... जब तक संसार में पाप है। जब तक मनुष्यों के हृदय में लोभ, स्वार्थ और घृणा है, तब तक युद्ध होता रहेगा.....

यह केवल इसलिए ही है क्योंकि परमेश्वर, परमेश्वर हैं, कि उन्होंने मनुष्य को ऐसी स्वतंत्र इच्छा की अनुमति दी जो दुनिया को इस वर्तमान आपदा में लाया है। परमेश्वर युद्ध को रोक सकते

थे! क्या आपको एक पल के लिए भी संदेह होता है कि परमेश्वर में शक्ति नहीं है? लेकिन मान लीजिए यदि उन्होंने इसका इस्तेमाल किया होता?.....

.... मनुष्य तब अपनी स्वतंत्र साधन खो देते.... वे तब चुनाव करने की क्षमता रखने वाली आत्मा नहीं रहते.....वे, इसके बजाय, कठपुतली, रोबोट, मशीन, खिलौना, सैनिक बन जाते। नहीं, परमेश्वर इससे कई बड़ा खेल, खेल रहे हैं। वह अभी भी हर जगह पुरुषों और महिलाओं के दिलों में भाइचारे की जिम्मेदारी की एक जागृत भावना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वह हमारे लिए वह काम नही करेंगे जो हम अपने लिए कर सकते हैं।[49]

हमने अपनी दुनिया में जो गड़बड़ी की है, उसके बावजूद परमेश्वर की एक अन्य दुनिया होगी। वह हमें दो दुनियाओं के लिए योजना बनाना सिखाने का प्रयास करते हैं – यह और अगली। जहाँ पहले बगीचे में मानवता की अवज्ञा के कारण पृथ्वी पर अन्याय हुआ है, वहीं वह उन लोगों के लिए दूसरे बगीचे को संभव करेंगे जो उसे प्राप्त करेंगे। जो दूसरा बगीचा वह जगह है जहाँ गलत को सही किया जाएगा। प्रकाशीतवाक्य 22:1–5 इसका वर्णन करता है:

फिर स्वर्गदूत ने मुझे बिल्लौर कि सी झलकती हुई, जीवन के जल की नदी दिखाई, जो परमेश्वर और मेमने के सिंहासन से निकलकर उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी। नदी के इस पार और उस पार जीवन का वृक्ष था, उसमें बारह प्रकार के फल लगते थे और वह हर महीने फलता था, और उस वृक्ष के पत्तों से जाति-जाति के लोग चंगे होते थे।

फिर श्राप न होगा और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा और उसके दास उसकी सेवा करेंगे। वे उसका मुँह देखेंगे, और उसका नाम उनके माथों पर लिखा हुआ होगा। फिर रात न होगी, और उन्हें दीपक और सूर्य के उजियाले की आवश्यकता न होगी, क्योंकि प्रभु परमेश्वर उन्हें उजियाला देगा, और वे युगानुयुग राज्य करेंगे।

यह वह शहर, बगीचा है जहाँ बिल और डोना रहेंगे।

बहुत से लोगों ने अविश्वसनीय चीजों को पूरा करने के लिए अपने ईश्वर प्रदत्त स्वतंत्र इच्छा का उपयोग किया है। निम्नलिखित नायकों के बारे में सोचें:

- मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जिन्होंने नस्लीय मेल-मिलाप का आहवान किया।
- चार्ल्स कोलसन, एक जेल कैदी, जिन्होंने मसीह को पाया और जेल सुधार में दुनिया की अग्रणी शक्ति बन गए।
- विलियम और कैथरीन वूथ जिन्होंने गरीबों का उत्थान करने और उनकी आत्माओं को बचाने के लिए साल्वेशन आर्मी की स्थापना की।
- जॉन वेस्ली जिनके प्रभाव ने ब्रिटिश द्वीप समूह, अमेरिका और उससे आगे के देशों में लाखों लोगों को मसीह की ओर मुड़ने के लिए प्रेरित किया।

ये वे लोग हैं जिन्होंने अपनी स्वतंत्र इच्छा का उपयोग परमेश्वर के आदर्श इच्छा के साथ किया – आत्मा के साथ उनके सहयोग से, दुख चंगा हो। इसी तरह, आपके और मेरे पास यह तय करने का अवसर है कि हम अपनी स्वतंत्र इच्छा का उपयोग कैसे करें – अच्छी तरह से चुनाव करें।

---

49. कॅथरीन मार्शल, बीयोन्ड अवर सेल्वस (न्यू यॉर्क: मॅकग्रॉ हिल कंपनी, 1961),26, 27

.....

अप्रैल 29 **दिन - 119**

प्रेम व्यवस्था को पूरा करता है

******

प्रेम पड़ोस की कुछ बुराई नहीं करता, इसलिए प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा करना है।
रोमियों 13:10

मेरे वकील मित्र अल्बर्ट का अनुमान है कि अमेरिका की कानून की किताबों में लोगों को अच्छा बनाने के उद्देश्य से पचास मिलियन कानून है। लेकिन मसीही के पास केवल एक कानून है: "तुम प्रेम करो"।

जब एक व्यवस्थापक ने यीशु से पूछा, "व्यवस्था में कौन सी बड़ी आज्ञा है?" यीशु ने उत्तर दिया, "तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख"। बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है। और उसी के समान यह दूसरी भी है कि: "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख"। ये ही दो आज्ञाएं सारी व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं का आधार है"। (मत्ती 22:36-40)

परमेश्वर की किताब में, यह प्यार एक मैला प्यार नहीं है। यह कहने से पहले कि प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा करना है" (रोमियों 13:10), पौलुस ने दस आज्ञाओं (वचन 9) को उद्धृत किया। यदि आप अपने पड़ोसी से प्यार करते हैं, तो आप उसकी पत्नी के साथ व्यभिचार नहीं करेंगे।

यदि आप अपने पड़ोसी से प्यार करते हैं तो आप उसकी हत्या नहीं करेंगे, उसकी चोरी नहीं करेंगे या उसकी संपत्ति का लालच नहीं करेंगे। अगर आपके पास सच्चा प्यार है, तो आप स्वाभाविक रूप से सभी दस आज्ञाओं को पूरा करेंगे।

पौलुस गलातियों के मसीहियों से स्वीकार करता है कि हो सकता है उनके दिलों में अभी भी युद्ध उग्र हो। "क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है और ये एक दूसरे के विरोधी है इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ"। गलातियों 5:17

पौलुस फिर व्यवस्था और प्रेम के मुद्दे को आगे बताने के लिए बयानों की एक श्रृंखला देता है। गलातियों 5:14 में वह लिखता है, "क्योंकि सारी व्यवस्था इस एक ही बात में पूरी हो जाती है, "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।"

परंतु यदि शरीर या पापी स्वभाव पवित्र आत्मा के विरुद्ध युद्ध करता है और प्रेमहिन व्यवहार की ओर ले जाता है, तो हम क्या-क्या कर सकते हैं? पौलुस निम्नलिखित उत्तर देता है:

- गलातियों 5:24 - और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उस की लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।
- गलातियों 5:16 - "पर मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।"
- गलातियों 5:22-23 - "पर आत्मा का फल प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।"

यीशु के पास आलोचनात्मक यहूदी अगुवों के लिए कड़े शब्द थे जो स्वयं को व्यवस्था विशेषज्ञ मानते थे: "परंतु मैं तुम्हें जानता हूँ कि तुम में परमेश्वर का प्रेम नहीं" (यूहन्ना 5:42)। यह

बहुत अधिक पाखंड दिखाने वालों के खिलाफ एक वैध आरोप था। फिर भी कई कर्तव्यनिष्ठ मसीही जो दूसरों से प्रेम करने की आज्ञा को स्वीकार करते हैं, वे भी आंतरिक आत्मिक युद्ध के साथ संघर्ष करते हैं क्योंकि वे गैर-मसीह-समान व्यवहार और स्वभाव को जारी रखते हैं। वे अधिक प्रेमपूर्ण होने का प्रयास करते हैं लेकिन वे अपने बल पर पर्याप्त प्रेम उत्पन्न नहीं कर पाते है।

पहले उद्धृत गलातियों के अनुच्छेद के प्रति सतर्क रहें। पौलुस के बार-बार एक बाहरी शक्ति के संदर्भ:

एक अलौकिक स्रोत: पवित्र आत्मा के कार्य पर ध्यान दें। रोमियों 5:5 कहीं और, पौलुस हमे इस स्थिति का पूर्ण उत्तर देते हैं: "और आशा से लज्ज़ा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।" जब आप पर्याप्त प्रेम नहीं जुटा पाते हैं तो परमेश्वर का पवित्र आत्मा इसे आपके हृदय में उंडेल देगा।

बौस्टन विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर डॉ. डेनियल स्टील की गवाही इस बिंदु को दर्शाती है। जब वे अठारह वर्ष के थे, तब उन्होंने मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में जाना, लेकिन उन्होंने अपने मसीही जीवन में संघर्ष किया। उन्होंने महसूस किया कि वह "दोष और पाप के प्रभुत्व से मुक्त है, लेकिन मजबूत आंतरिक प्रवृत्तियों से नहीं जो मेरे स्वभाव का एक हिस्सा प्रतीत होती है। एक साल तक, वह इन प्रवृत्तियों से जूझते रहे, और अंत में वह और अधिक गंभीरता से परमेश्वर की खोज करने लगे। "फिर" उन्होंने कहा, "आत्मा ने अभी भी मेरे स्वभाव में छिपी हुई बुराई को मेरे नजर में लाया।"

एक नवम्बर की रात, वह ईमानदारी से परमेश्वर की तलाश कर रहे थे, जब वह विवरण देते हैं "अचानक मुझे अपनी संवेदनाओं पर एक रहस्यमय शक्ति के हावी होने का एहसास हुआ..

मानो कोई विद्युत धारा दर्दरहित झटके के साथ मेरे शरीर में से गुजर रही हो, मेरे पूरे अस्तित्व को प्रेम की ज्वलनशील धारा में पीघला रही हो। उन्होंने कहा कि इसे "पवित्र आत्मा द्वारा हृदय में स्वतंत्र रूप से बहाए गए परमेश्वर के प्रेम" के रूप में सबसे अच्छा वर्णित किया गया है।

वह अपने पैरों तले पृथ्वी के अस्तित्व की तुलना में, खुद के लिए परमेश्वर के प्यार के बारे में अधिक निश्चित हो गए। उन्होंने महसूस किया कि यह "पवित्र आत्मा की शुद्ध करने की सामर्थ्य द्वारा पाप-सिद्धांत का उन्मूलन था"। उन्होंने "उस पूर्ण प्रेम जो सभी भय को दूर कर देता है" का अनुभव किया। डॉ. स्टील जीत के नए स्तर पर चले गए और एक महान आत्मिक अगुवे और लेखक बने।[50]

जैसा की डॉ. स्टील की कहानी दर्शाती है, "प्रेम व्यवस्था को पूरा करता है"। पवित्र आत्मा की परिपूर्णता और उपस्थिति और शक्ति इसे आपके जीवन में भी घटित करेगी।

---

50. डेनियल स्टील के उद्धरण जे. सिडलॉ बॅक्सटर हिज डिपर वर्क इन अस रैड रैपिडस: ज़ोन्डरवन पब्लिशिंग हाउस, 1967), 71-73 से लिया गया है।

.....

अप्रैल 30 **दिन - 120**

पाखंडियों का क्या?

******

जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रूपये लाकर कहा, "यह अधिकार मुझे भी दो, कि जिस किसी पर हाथ रखूं, वह पवित्र आत्मा पाए।"
प्रेरितों के काम 8:18-19

तब आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले।" प्रेरितों के काम 8:29

क्या आपने कभी किसी को यह कहते हुए सुना है, "चर्च में पाखंडियों के बारे में क्या? सवाल आमतौर पर एक बहाना है कि वह व्यक्ति चर्च में क्यों नहीं जाता है। मैं इन लोगों से उनके कामों के बारे में पूछना चाहता हूँ: "क्या आपके आस-पास कोई ऐसे सहकर्मी जन है जो बड़ी-बड़ी बात करते हैं। इस बारे में कि वे कितनी मेहनत करते हैं, लेकिन आप उन्हें वाटर कूलर के आस-पास बातचीत करते, अपने डेस्क पर वीडियो गेम खेलते और आवारागर्दी में अच्छा खासा समय बिताते देखते हैं। वे वास्तव में पाखंडी हैं, है ना? क्या यह तथ्य की आपके कार्यस्थल में पाखंडी है, आपको काम पर जाने से रोकता है?" आमतौर पर वे समझ जाते हैं।

प्रेरितों के काम 8:14 - 40 में, हमारे पास दो आदमियों, शमौन और फिलिप्पुस की कहानी है। दोनों पवित्र आत्मा में रुचि रखते हैं, लेकिन उनके के बीच मतभेद हैं:

- शमौन पवित्र आत्मा का उपयोग करना चाहता था; फिलिप्पुस चाहता था कि पवित्र आत्मा उसका उपयोग करे।
- शमौन पवित्र आत्मा के लिए भुगतान करना चाहता था; फिलिप्पुस ने पवित्र आत्मा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
- पतरस शमौन को डांटता है और कहता है कि वह परमेश्वर के साथ ठीक नहीं है; वह पाप के बंधन में हैं और उसे पश्चाताप करना चाहिए। इसके विपरीत, परमेश्वर फिलिप्पुस का सम्मान करता है और उसका उपयोग करता है ताकि वह इथियोपिया के खजाने के सचिव को मसीह के पास ले जा सके।

ध्यान दें कि दोनों पुरुषों की कहानियाँ बाइबिल में है। बाइबिल स्पष्ट है, और शमौन की कहानी बताते हुए, स्वीकार करता है की चर्च में पाखंडी है।

वही बाइबिल फिलिप्पुस की कहानी को यह स्पष्ट करने के लिए भी बताती है कि चर्च में वास्तविक मसीही हैं। तो हमारा रुख क्या होना चाहिए?

हमारे पास एक परिभाषित दिशानिर्देश है: "उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे" (मत्ती 7:16)। हमें विवेक का प्रयोग करना चाहिए और पाखंडी और वास्तविक के बीच अंतर बताना सीखना चाहिए। फिर हमें यह तय करना चाहिए कि हम पाखंडी को अपने रास्ते में न आने दे और इसके बजाय सच्चे मसीही के मॉडल (आदर्श) का पालन करें। मैं ऐसे हजारों मसीहीयों को जानता हूँ और मैं उनके जैसा बनना चाहता हूँ।

.....

मई 1 **दिन - 121**

आपके मुंह से निकली बात

******

कोई गंदी बात तुम्हारे मुंह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही निकले जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उससे सुननेवालों पर अनुग्रह हो। परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। सब प्रकार की कड़वाहट, और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निंदा, सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। एक दूसरे पर कृपाल, और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो। इफिसियों 4:29 - 32

मुझे कुछ "ज्ञान" देने के प्रयास में, एक अयाजकीय व्यक्ति ने एक बार मुझे सलाह दी, "आप इस संप्रदाय में नहीं रह पाएंगे क्योंकि चर्च में आपका कोई रिश्तेदार नहीं है।" हो सकता है कि वह पीड़ित हो, शायद वह सनकी था; लेकिन उसने मुझे बिना किसी अनिश्चित शब्दों में कहा यदि आप चर्च कि सीढ़ियों में आगे बढ़ना चाहते हों, तो आपके परिवार के सदस्यों को सत्ता में होना होगा।

उसके शब्दों ने निश्चित रूप से मुझे आगे नहीं बढ़ाया, लेकिन उन्होंने मुझे तोड़ा भी नहीं - मुझे सीढ़ी चढ़ने की कोई चिंता नहीं थी। मैं जिस छोटे से चर्च में सेवा कर रहा था उसमें पादरी का कार्य करके मैं खुश था। एक और बार, उसी आदमी ने मुझे और शब्द बोले: “आप कब पदोन्नति प्राप्त करने जा रहे हैं?”

मुझे पता था कि हमारा चर्च एक सादी जगह में था - हम पुर्ननिर्मित घोड़े के अस्तबल में मिले। लेकिन नये लोग यीशु को खोज रहे थे; कुछ पवित्र किये जा रहे थे; हमारा चर्च बढ़ रहा था और हम एक सुंदर नवनिर्मित पवित्र स्थान और शैक्षिक इकाई बनने की राह पर थे। मैंने उत्तर दिया, "मैं परमेश्वर की इच्छा के केंद्र में हूँ। मैं इससे अधिक ऊपर नहीं जा सकता।"

इफिसियों 4:29-32 के उपदेशों के अनुसार जीने के लिए, हम अपने शब्दों के बारे में निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं:

1. क्या यह सच है?
2. क्या यह आवश्यक है?
3. क्या इसे साझा करना बुद्धिमानी है?
4. क्या यह सुनने वाले का निर्माण करेगा?
5. क्या यह किसी और की मदद करेगा या चोट पहुंचाएगा?

दूसरों के लिए हमारे शब्द पवित्र आत्मा को शोकित कर सकते हैं। जेसी पेन लुईस ने एक बार कहा था कि "शोक" एक प्रेम शब्द है। जब आप बहुमूल्य पवित्र आत्मा से प्रेम करते हैं; तो आप उसे शोकित नहीं करना चाहेंगे। कृपया ध्यान दें कि वचन 30 के पहले और बाद के वचनों में आत्मा को शोकित करने के तरीकों का वर्णन किया गया है।

मैं चौंक जाता हूँ जब मुझे अहसास होता है कि मेरे दिल या दिमाग में किसी की बात कब तक रहती है। ये शब्द, “आप चर्च में कभी नहीं कर पाएंगे। साठ साल से अधिक पुराने हैं। शब्द, “मैं

आपके और नैन्सी के लिए हर दिन प्रार्थना करता हूँ" चालीस से भी अधिक पुराने हैं। मैं प्रभावित हूँ कि एक वाक्य में इतना वजन कैसे हो सकता है।

मेरे सामने किसी के द्वारा भेजा गया एक पत्र है जिसमें उन्होंने मुझे मेरे द्वारा कहे गये शब्दों के लिए धन्यवाद दिया है:

प्रिय चिक,

पिछले पच्चीस वर्षों से, उस दिन सेमिनरी में आपके शब्दों ने मुझे आशा दी कि मैंने सही काम किया है। किसी और ने मुझे किसी प्रकार का समर्थन नहीं दिया - मैं विश्वास करती हूँ कि यह परमेश्वर थे जिन्होंने तुम्हें मुझसे बात करने के लिए भेजा था। मैं बहुत आभारी हूँ।

मेरे शब्दों ने उसे पच्चीस साल पहले आशिषित किया था, और उसका पत्र मुझे आज आशिषित करता है। अपने शब्दों से किसी और को खुश करें। अपने मुंह से निकलने वाली बात से पवित्र आत्मा को खुश करें।

.....

मई 2 **दिन - 122**

आप जो है कैसे हैं?

******

परंतु मैं जो कुछ भी हूँ, परमेश्वर के अनुग्रह से हूँ।उसका अनुग्रह जो मुझ पर हुआ, वह व्यर्थ नहीं हुआ; परंतु मैं ने उन सब से बढ़कर परिश्रम भी किया: तौ भी यह मेरी ओर से नहीं हुआ परंतु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर था। 1 कुरिन्थियों 15:10

यदि अनुग्रह को बोतलबंद और बेचा जा सकता, तो बहुत से लोग सब कुछ बेच देंगे और इसे खरीद लेंगे - लेकिन चूँकि यह मुफ़्त है, इसलिए वे विश्वास नहीं कर सकते कि इसका कोई मूल्य है। हम में से बहुत से लोग कह सकते हैं, "लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह के लिए मैं वहाँ जाता हूँ" जिसका अर्थ है कि अगर मैंने अनुग्रह के बारे में कभी नहीं सुना होता या उसकी और प्रतिक्रिया नहीं दी होती तो मैं अभी भी खो गया हुआ होता और अपने पुराने स्वामी की सेवा कर रहा होता।

जिम एलियट ने कहा था, "वह मूर्ख नहीं है जो वह हासिल करने के लिए जिसे वह खो नहीं सकता, वह दे देता है जिसे वह रख नहीं सकता" इसी तरह प्रेरित पौलुस ने कभी भी उस प्यार को देना बंद नहीं किया जिसे परमेश्वर ने उसके अंदर रखा था। उसने अपने पिछले अपराधों और असफलताओं को उसे वर्तमान क्षण में सेवा करने से रोकने नहीं दिया।

उसने वर्तमान बाधा, प्रतिरोध या पीड़ा के कारण स्वयं को अपने लक्ष्य से दूर होने नहीं दिया। उसने प्रतिदिन अपना सब कुछ दिया, यह विश्वास करते हुए कि अगर एक कल होगा, तो परमेश्वर पर्याप्त होंगे।

क्या परमेश्वर हमारे लिए पर्याप्त हैं? हाँ, क्योंकि उनका अनुग्रह कभी भी हमारे लिए अपर्याप्त नहीं है। वह चौबीस घंटे उपलब्ध है। विश्वासियों के रूप में, हम जो कुछ भी हैं उनके अद्भुत अनुग्रह के वजह से हैं।

नैन्सी शेवर[51]

---

51. पहले ये "कम ये अपार्ट" जुलाई-अगस्त-सितम्बर, 1964 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 93 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग हुआ। (यह पब्लिकेशन "रिफ्लेक्टिंग गॉड" बन गया)

.....

मई 3 **दिन - 123**

"मैं क्या प्राप्त कर सकता हूँ" से "मैं क्या दे सकता हूँ" तक

******

इस पर पतरस ने उससे कहा, "देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं, तो हमें क्या मिलेगा?" मत्ती 19:27

केवल पतरस ही मसीह का अनुयायी नहीं था जिसने सोचा कि मुझे क्या मिल सकता है? याकूब और यूहन्ना की माँ ने कहा, "यह वचन दे कि मेरे ये दो पुत्र तेरे राज्य में एक तेरे दाहिने और एक तेरे बाएं ओर बैठे" (मत्ती 20:21)। मरकुस विवरण देता है जब यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा कि वे किस बारे में बहस कर रहे थे, "वे चुप रहे क्योंकि मार्ग में उन्होंने आपस में यह वाद-विवाद किया था कि हम में से बड़ा कौन है" (मरकुस 9:34)। फिर भी उनके दिलों के गहरे स्तर में कुछ बदल गया होगा, क्योंकि कुछ महीने बाद इन्हीं शिष्यों का वर्णन करते हुए प्रेरितों के काम कहता है, "यहाँ तक कि कोई भी अपनी संपत्ति अपनी नहीं कह सकता था, परंतु सब कुछ साझे में था" (4:32)।

मैंने फ्रैंक और पैगी के जीवन में वही पैटर्न देखा। एक युवा जोड़े के रूप में, उन्होंने यीशु को स्वीकार किया। हमारे स्थानीय चर्च ने उन्हें प्यार और देखभाल से घेर लिया जब वे आत्मिक रूप से विकसित हुए।

अंततः फ्रैंक द्वारा घड़ी बनाने का प्रशिक्षण समाप्त करने के बाद, वे अपने मूल स्थान ओमाहा, नेब्रास्का वापस चले गए, ताकि फ्रैंक एक घड़ी की मरम्मत करने वाले के रूप में काम शुरू कर सके। ओमाहा में एक चर्च की तलाश में कई सप्ताह बीताने के बाद, उन्होंने हमें वापस संदेश भेजा: "हम यहाँ ओमाहा में आपके जैसा प्यार करने वाला चर्च नहीं पा सकते हैं?"

वे राज्य की रेखा के पार आयोवा में चले गए। वे वहाँ भी उतना प्यार करने वाला चर्च नहीं खोज पाए। मैं उनके लिए चिंतित हो गया गया। मैंने अपने चर्च के लोगों से उनके लिए प्रार्थना करने और उन्हें फोन करने का आग्रह किया।

अंत में फ्रैंक और पैगी ने कहा, "हमने आपके चर्च की तरह प्यार करने वाले चर्च की तलाश बंद करने का फैसला किया है। इसके बजाय, हम एक ऐसे चर्च को खोजने जा रहे हैं, जिसे प्यार की जरूरत है और हम उन्हें वैसा ही प्यार दें जैसा आपने हमें दिया"। उन्होंने वैसा ही किया – और वे उस कलीसिया में महान अगुवे बन गए।

हम सभी - पीटर, जेम्स, जॉन, फ्रैंक, पैगी, आप और मैं - आत्मिक सफलता प्राप्त करेंगे जब हम "मैं क्या प्राप्त कर सकता हूँ" से "मैं क्या दे सकता हूँ" तक जाएंगे।

.....

मई 4 **दिन - 124**

क्या एक किशोर – पवित्र किया जा सकता है

******

कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समजने पाए; पर वचन और चाल-चलन और प्रेम और विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिये आदर्श बन जा। 1 तीमुथियुस 4:12

जिसने हमारा उद्धार किया और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं: पर उसके उद्देश्य और अनुग्रह के अनुसार है जो मसीह यीशु में सनातन से हम पर हुआ है। 2 तीमुथियुस 1:9

एक वर्ष, मुझे आयोवा होलीनेस एसोसिएशन की 137 वीं वार्षिक शिविर बैठक में प्रचार और शिक्षण की जिम्मेदारियों का काम सौंपा गया था। मेरी दैनिक चुनौती पवित्रीकरण, पवित्रता और आत्मा से भरे जीवन की शिक्षा इस प्रकार देना कि हर कोई समझ सके।

एक रात डेविड नाम के एक किशोर ने गवाही दी, "मंगलवार को मैं वेदी के पास गया - आत्मसमर्पण किया, परमेश्वर से पवित्रीकरण और पवित्र आत्मा के लिए कहा। मैंने पिछले कई दिनों में पवित्र आत्मा का अनुभव किया है और मैं परमेश्वर को उनके पवित्रीकरण की सामर्थ्य के लिए धन्यवाद देता हूँ।"

मैं कैंप (शिविर) की शुरुआत में डौना नाम की एक सोलह वर्षीय लड़की से मिला। वह अपने परिवार में एकमात्र व्यक्ति थी जो चर्च जाती थी और पहले तो वह शर्मीली, झिझकती और अस्थिर लगती थी। कैंप के अंत में उसने यह विवरण दिया: आयोवा होलीनेस एसोसिएशन से कुछ हफ्ते पहले, मैं परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी कि एक महान आत्मिक जीत होगी और परमेश्वर मेरे जीवन को रूपांतरित और बदल देंगे। तब मैंने देखा कि रेव्ह. चिक शेवर पवित्रीकरण पर संदेश का प्रचार करेंगे और परमेश्वर ने मुझे बताया कि वह मेरे लिए था। सोमवार को, मैंने अपना दिल और जीवन पूरी तरह से प्रभु को दे दिया, और पवित्र आत्मा ने पूरे सप्ताह के दौरान मेरे हृदय को भर दिया। मैं इतनी भर गई थी कि मैं एक नई इंसान हूँ। मैं पुरानी डोना मर गई और मैं परमेश्वर और उनके पवित्र आत्मा में नई हूँ। फिर बाद में इस सप्ताह के दौरान, मैं परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी वह मुझे मेरे जीवन के लिए अपनी इच्छा से अवगत कराएं और बुधवार को परमेश्वर ने मुझसे कहा कि वह चाहते हैं कि मैं एक मिशनरी बनू। मैं अभी भी प्रार्थना कर रही हूँ कि परमेश्वर मुझे किस क्षेत्र में बुला रहे हैं। परमेश्वर की पवित्र आत्मा पूरे सप्ताह भर मेरे साथ रही। उनके पवित्र नाम की स्तुति करो। और हाँ, एक किशोर पवित्र किया जा सकता है।[52]

---

52. द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांज़लिज्म, न्यूज़लेटर (सितम्बर 2015)

.....

मई 5 **दिन - 125**

एक एकल मुद्दा, भाग 1

******

क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मंदिर है जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। 1 कुरिन्थियों 6:19 - 20

कभी-कभी एक संघर्ष पर काबू पाना आपको अपने मसीही जीवन के व्यापक क्षेत्रों में अधिक साहस और जीत के लिए प्रेरित करता है। उस बाधा का सामना करने, लड़ने और पूरी तरह से हरा देने से आपको और भी बड़ी चुनौतियों से पार पाने की शक्ति मिलती है।

एक बार जब हम दूसरों को जीत हासिल करते हुए देखते हैं, तो हम मानते हैं कि हमारे साथ भी ऐसा ही हो सकता है। जब यहोशू ने यरदन नदी, और शक्तिशाली नगर यरीहो का सामना किया, और उसके पीछे 20 लाख इजराइलियों ने अगुवाई के लिए उसकी ओर देखा,

तो परमेश्वर ने उसे किसी और के जीवन में उनके काम की याद दिलाते हुए प्रोत्साहित किया, "जैसे मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे साथ भी रहूंगा: और न तो मैं तुझे धोखा दूंगा और न तुझको छोडूंगा।" (यहोशू 1:5)

मैं एक ही मुद्दा चुनने जा रहा हूँ - तंबाकू की लत। मैं और भी विशिष्ट रूप से धूम्रपान को चुनूंगा। यह आपका संघर्ष हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, लेकिन मेरे साथ रहें। सुनें और देखें कि कैसे दूसरों ने उस एक क्षेत्र में जीत हासिल की और कई अन्य क्षेत्रों में फले-फूले।

जब जेरोल्ड एटचिसन एक युवा व्यक्ति था, उसने अपने स्वामी को बदलने का फैसला किया। वह शराब और तंबाकू में महारत हासिल कर चुका था: उसने अब मसीह यीशु को अपना स्वामी चुना। मसीह के लिए अपने निर्णय के बाद, उसने आसानी से शराब पीना छोड़ दिया, लेकिन धूम्रपान छोड़ना उसके लिए मुश्किल था। एक दिन, तंबाकू के लिए उसकी तीव्र इच्छा असामान्य रूप से अधिक हो रही थी और उसे डर था कि वह अपने आप को और अधिक नहीं रोक पाएगा और धूम्रपान कर लेगा। तभी फोन बज उठा, और एक नए मसीही मित्र ने उस पर अपना विश्वास व्यक्त किया। जेरोल्ड को एहसास हुआ कि वह असफल नहीं हो सकता जब परमेश्वर ने उसे इतना प्यार किया और उसके दोस्तों ने उस पर विश्वास किया है।

उसने अपनी बाइबिल में यहूदा की पुस्तक 1:24 खोला और पढ़ा, "अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है"। उसने भरोसा किया, परमेश्वर ने भरोसा कायम रखा और वह अपनी आदत में वापस कभी नहीं आया।[53]

वाल्टर जैक्सन एक वास्तविक तंबाकू व्यसनी था - वह एक दिन में लगभग तीन पैकेट धूम्रपान करता था। फिर उसने मसीह को अपने उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार किया और पाया कि उसके पास कोई है जिस पर वह पूरी तरह से निर्भर हो सकता है। उसने धूम्रपान छोड़ दिया, लेकिन उसकी पत्नी ने कहा कि दो सप्ताह तक वह बहुत चिड़चिड़ा था। दो सप्ताह के बाद, धुम्रपान पीने की लालसा खत्म हो गई - वाल्टर ने जीत हासिल की। उसने स्वीकार किया कि अभी भी कई

बार ऐसा होता है जब उसका हाथ सिगरेट के लिए उसकी शर्ट की जेब में स्वत: ही पहुँच जाता है। लेकिन उस पहुँच ने उसे हमेशा अपने दिल में बदलाव की याद दिला दी क्योंकि उसके दिल के ऊपर शर्ट की जेब में, उसने नये नियम की एक छोटी प्रति रख ली - सिगरेट के एक पैकेट के आकार का लेकिन बहुत अधिक शक्तिशाली। "सिगरेट क्यों लें जब मैं प्रभु के ज्ञान को श्वास में खींच सकता था?" वाल्टर ने कहा।

वाल्टर ने अपने नए नियम में उस स्थान को समझा जहाँ पौलुस ने लिखा था, "नहीं, मैं अपनी देह को मारता-कूटता और वश में लाता हूँ, ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके मैं आप ही किसी रीती से निकम्मा ठहरूँ।" (1 कुरिन्थियों 9:27)

---

53. चार्ल्स "चिक" शेवर, यू केन क्विट स्मोकिंग (कैनसस सिटी एमओ: बीकन हिल प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 1975), 18-19

54. शेवर, यू केन क्विट स्मोकिंग, 20-21

.....

एक एकल मुद्दा, भाग 2

******

क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मंदिर है जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। 1 कुरिन्थियों 6:19—20

पुलिस अधिकारी विन्सेंट हंचेस के लिए, यह हर तरह का एक चमत्कार था। बाईस साल तक वह दिन में दो से तीन पैकेट धूम्रपान करता था। लेकिन बिस वर्षों तक अपनी पत्नी को लगातार मसीही जीवन जीते हुए देखने के बाद, विन्सेंट ने अंततः विद्रोह छोड़ दिया और यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। परमेश्वर अब उसके लिए वास्तविक थे, और जो चीजें कभी महत्वपूर्ण लगती थीं, वे अपना महत्व खो चुकी थी। विन्सेंट के लिए सिगरेट इस श्रेणी में थी।

उसने छोड़ दिया, लेकिन यह आसान नहीं था। वह इतना आदि था कि जब उसके चमत्कारिक सामर्थ्य से उसे दृढ़ रहने के लिए कहा, उसने वह सहन कीया जो वह उसके वापसी के लक्षणों के रूप में वर्णित करता था।वास्तव में, परमेश्वर ने उसकी मदद करने के लिए छोटा सा शारीरिक चमत्कार प्रदान किया:

पहले, विन्सेंट की नींद अक्सर जागने से टूट जाती थी। अब वह अपनी रातें गहरी, अभाधित नींद में बिताता है। उसने परमेश्वर के हाथ से इस उपहार को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया। इसने उसे वह शारीरिक शक्ति दी जिसकी उसे आवश्यकता थी और उसके लिए जीत को बनाए रखना संभव बना दिया।[55]

विन्सेंट ने कुरिन्थियों के लिए पौलुस के वादों को पूरा किया: "तुम ऐसी किसी परीक्षा में नहीं पड़े जो मनुष्य के सहने से बाहर है। परमेश्वर सच्चा है और वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में पड़ने देगा, वरन् परीक्षा साथ निकास भी करेगा कि तुम सह सको।" (1 कुरिन्थियों 10:13)

जब रॉबर्ट फग्युसन ने मसीह को पाया, तो उसने अपनी चोरी कि लिए दोषी महसूस किया - उसने वर्षों तक एक बुक बाइंडरी में काम किया था और हर हफ्ते एक किताब चुराई थी। वह जानता था कि उसे अपने बॉस का सामना करना होगा, अपने अपराधों को कबूल करना होगा और किताबों के लिए भुगतान करना होगा। बेशक, रॉबर्ट डर गया था। लेकिन उसने किया।

बॉस उसकी इमानदारी पर चकित था और उसने उसके साथ शालीनता से व्यवहार किया।

रॉबर्ट प्रोत्साहित होकर बॉस के ऑफिस से बाहर निकला। उसने सोचा, अगर परमेश्वर मुझे ऐसा करने की हिम्मत दे सकते हैं तो वह मुझे एक अन्य तरह का साहस भी दे सकते हैं। इसके साथ, उसने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट निकाला, कमरे के कोने में फेंक दिया और फिर कभी धूम्रपान नहीं किया।

रॉबर्ट ने 1 यूहन्ना 4:4 की सच्चाई का अनुभव किया: "हे बालकों, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो कोई तुम में है वो उस से जो संसार में है, बड़ा है।" और इसके तुरंत बाद, रॉबर्ट ने एक और सच्चाई सीखा: "तू थोड़े में विश्वास योग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा" (मत्ती 25:23)।

रॉबर्ट की बुलाहट सेवकाई लीए थी और वह परमेश्वर के लिए एक महान बल बन गया।

हो सकता है - यह सिर्फ "एक एकल मुद्दा हो। लेकिन याद रखें कि आपका शरीर पवित्र आत्मा का एक मंदिर है। उसके साथ सही व्यवहार करें।

---

55. चार्ल्स "चिक" शेवर - यू कैन क्विट स्मोकिंग (कैनसस सिटी, एमओ: बिकन हिल प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 1975), 25-26।

.....

मई 7 **दिन - 127**

जहाँ वे टूटे दिलों को चंगा करते हैं

******

मैं तुम पर शुद्ध जल छिड़कूंगा, और तुम शुद्ध हो जाओगे; और मैं तुम को तुम्हारी सारी अशुद्धता और मूरतों से शुद्ध करूंगा। मैं तुम को नया मन दूँगा, और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूंगा; और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुम को मांस का हृदय दूंगा। मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उसके अनुसार करोगे। यहेजकेल 36:25-27

"क्या यह वह जगह है जहाँ वे टूटे हुए दिलों को चंगा करते हैं?" एक कोरियाई लड़की ने एक मिशन स्टेशन पर पूछा।[56] बहुत सारे हृदयों को चंगाई की आवश्यकता है - क्षमा, आशा, प्रोत्साहन सामर्थ्य, प्रेम, स्वीकृति।

मेरी अपनी माँ को टूटे हुए दिल से चंगाई की आवश्यकता थी। मेरे पिताजी की गाली-गलौज और शराब की लत ने उन्हें बरसों तक चोट पहुंचाई थी। दुनिया के दबावों और मांगों के किनारे पर चलने की कोशिश करते हुए, उन्होंने बड़े पैमाने पर पुनरुत्थान, ऑल्टर कॉल और कैंप मीटिंग की अपनी समृद्ध मेथोडिस्ट पृष्ठभूमि को त्याग दिया था। इस प्रक्रिया में उन्होंने कुछ गंभीर पाप किए। वह दोषी महसूस कर रही थी - क्योंकि वह थी।

उन्हें मदद की जरूरत थी। वह अक्सर अपने मसीही पड़ोसी से मिलने जाती थी, जिसे वह अपना सबसे अच्छा दोस्त मानती थी और वे घंटों बात करते थे। वह उसी पड़ोसी के साथ कई बार चर्च भी गई। एक रविवार को उन्होंने प्रार्थना निवेदन के लिए हाथ उठाने के लिए हिम्मत जुटाई।

गर्मियों में मेरे मसीह में रूपांतरण के बाद, मेरी माँ ने चर्च जाना शुरू किया। एक रात, एक युवा पुनरुत्थान सेवा के दौरान, उन्होंने पाया कि वह अब और टूटेपन को संभाल नहीं सकती। वह दौड़कर वेदी के पास गई और अपने पापों को उंडेल दिया और जीवित, प्रेममय, चंगा करने वाले यीशु को अपने हृदय और जीवन में ग्रहण किया। जैसे ही हम चर्च से बाहर आए, उन्होंने गुप्त रूप से बताया कि वह आत्महत्या करने पर विचार कर रही थी। तभी मुझे विश्वास हुआ कि उनका दिल कितना टूटा हुआ है।

यीशु ने तुरंत उनके हृदय को सुधारना आरंभ किया। वह जानती थी कि उनके सभी पाप माफ कर दिए गए हैं - क्या राहत है। उन्हें तुरंत आनंद, शांति और परमेश्वर की उपस्थिति प्राप्त हुई।

उन्होंने अपने पूरे जीवन का पुनर्गठित करना शुरु कर दिया। उन्होंने अपनी सिगरेट टॉयलेट में फेंक दी और तंबाकू-मुक्त हो गई।

उन्होंने शराब छोड़ दी। वह परमेश्वर के वचन में आ गई। वह परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा प्रभु को खोजने के लिए प्रार्थना करने लगी। वह अपने मसीही जीवन में गहराई तक गई और पाया कि परमेश्वर उसे अपनी आत्मा से भर सकते हैं। वह कई परिवार के सदस्यों के लिए गवाह बन गई और अपनी बहन को मसीह के लिए जीता।

परमेश्वर ने उनके दिल को ताकत दी और वह मेरे पिता के सामने प्यार और ज्ञान के साथ खड़ी हुई। जब मेरे पिता ने उन्हें कुछ मुद्दों पर अपने विश्वास से समझौता करने के लिए मनाने की

कोशिश की, तो उन्होंने जवाब दिया, "याद करें आप मुझे कहते थे कि मेरे पास अपना दिमाग नहीं है। पर, अब है। आखिरकार वह (मेरे पिता) उनके प्रेम और शक्ति के संयोजन को और नहीं ले सके - आखिरकार, उन्होंने प्रभु को स्वीकार लिया।

मेरी माँ कभी भी अपने पुराने रास्तों की ओर नहीं मुड़ी - वह जीवन भर यीशु के लिए उत्साहित रहीं। वह अपने चर्च में एक अगुवा, दूसरों के लिए एक गवाह और अपने अपार्टमेंट परिसर में प्रभाव बन गई। बयानवें साल की उम्र में उन्होंने प्रार्थना की, "जब मैं बूढ़ी हो जाऊं तो मुझे चिड़चिड़ा न होने दें। उस प्रार्थना का उत्तर दिया गया। 103 वर्ष की आयु में वह शांतिपूर्वक यीशु के साथ रहने चली गई। उन्हें वह जगह मिल गई थी -वह व्यक्ति यीशु, जो टूटे हुए दिलों को चंगा करता है।

.....

मई 8 **दिन - 128**

परिवार

******

हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिए दे दिया। कि उसको वचन के द्वारा जल के, स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाए। इफिसियों 5:25-26

पर तुम में से हर एक अपनी पत्नी से अपने समान प्रेम रखें, और पत्नी भी अपने पति का भय माने। इफिसियों 5:33

हे बालकों, प्रभु में अपने माता-पिता के आज्ञाकारी बनो क्योंकि यह उचित है। इफिसियों 6:1

हे बच्चेवालों, अपने बच्चों को रिस न दिलाओ, परंतु प्रभु की शिक्षा और चेतावनी देते हुए उनका पालन-पोषण करो। इफिसियों 6:4

जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र जिसके लिए आप अपने बच्चों को तैयार करते हैं वह शादी और परिवार है, और उनकी सबसे अच्छी तैयारी एक ऐसे पिता के साथ रहना है जो उनकी माँ से प्यार करता है"[57] क्राफर्ड लोरीटस कहते हैं। मैं इसमें जोड़ुंगा, "और एक ऐसी माँ के साथ रहना जो उनके पिता से प्यार करती है।"

इफिसियों 5:25 के अनुसार, मसीह पति के प्रेम का आदर्श है। वह बलिदानी, आत्मदान शुद्ध करने वाला प्रेम है। यह प्रेम नैतिक प्रकृति को नीचे नहीं गिराएगा, अपमानित नहीं करेगा ना धोखा देगा या कमजोर करेगा। जैसे मसीह ने चर्च को पवित्र बनाने के लिए खुद को दिया, वैसे ही पति को अपनी पत्नी की पवित्रता को प्रोत्साहित करना चाहिए। विचार प्रेम करते रहना है।

नैन्सी और मैं अपने शादी के तैंतीसवें वर्ष में एक चुनौतीपूर्ण स्तर पर पहुँच गये है। हम ने एकसाथ बात की और अपने चौंतीसवें वर्ष के लिए निम्नलिखित लक्ष्यों के विवरण के साथ आए:

क्योंकि हम मायने रखते हैं, हम अपने दिन एकदूसरे के साथ साझा करते हैं। एकसाथ आनंद करना एक उच्च प्राथमिकता है। हम रोमांटिक सेक्स का आनंद लेते हैं।

हम नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते और सुनते हैं, शब्दों और कार्यों में अपने गहरे प्यार का इजहार करते हैं और अपने गहरे विचारों और भावनाओं को व्यक्त करते हैं। हम कुछ मुद्दों पर इस बात से सहमत होते हैं कि असहमत होना ठीक है। हम करियर और व्यक्तिगत प्रयासों में एक दूसरे का समर्थन करते हैं। हम एक दूसरे की बदलती जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं। हम अपने जीवन में परमेश्वर को उनके सही स्थान पर रखने के लिए समय निकालते हैं और हम अभी भी एकदूसरे को हमारा सही स्थान देते हैं।

अब साठ से अधिक वर्षों के बाद, हमारी शादी समृद्ध और जीवित है।

आज, हम मानते हैं कि कई घरों में पति और पत्नी दोनों मौजूद नहीं होते हैं। एक मायने में, सभी शादीयाँ अस्थायी होती हैं - या तो किसी एक साथी की मृत्यु हो जाती है या दुख की बात है कि किसी का तलाक हो जाता है। इस प्रकार, मसीह की नींव पर विवाह का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। यदि आपका साथी चला गया है तो भी आपका अपना आधार है। यदि विवाह ही आपका आधार है, तो यह आपके साथी के जाने पर चला जाएगा।

बच्चे अपने माता-पिता के प्रति आज्ञाकारी बनना सीखें। यह अवसर मिलने पर परमेश्वर की आज्ञा मानने की उनकी पहल को सुधारता है। पिताओं, अपने बच्चों को अनुशासित करो, लेकिन उनका हौसला मत तोड़ो। उन्हें "तुम यह कर सकते हो"और "मुझे तुम पर गर्व है" कहकर प्रोत्साहित करें। हर ना के लिए, हाँ कहे। यीशु, माँ और पिता उनके सबसे बड़े प्रशंसक बनें।

एक किशोर के रूप में हमारा बेटा, पॉल बागी था। हम उससे प्यार करते थे और उसके लिए प्रार्थना करते थे। एक कैंप मीटिंग की रात में मैं कितना आनंदित था जब वह वेदी पर पहुँचा, प्रार्थना की, अपने पैरों पर कूदकर उसने कहा, "डैड, परमेश्वर ने मुझे बचा लिया" - और फिर गले लगाकर उसने कहा, "डैड, मैं आपसे प्यार करता हूँ।"

---

57. क्रॉफोर्ड डब्ल्यू लॉरिट्स, जूनियर, "टेन वेज़ टू बी अ बेटर फादर" (गारलैंड, टीएक्स: अमेरिकन ट्रैक्ट सोसायटी, 1993), https://jhfamilysolutions.com/10-ways-to-be-a-better-father/.

.....

कंगारू होल्ड

******

अत: जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो।
कुलुस्सियों 2:6

परख कर देखो कि यहोवा कैसा भला है। क्या ही धन्य है वह पुरुष जो उसकी शरण लेता है।
भजनसंहिता 34:8

प्रिया डॉ. राल्फ अर्ले सिखाते थे कि लोग मसीह जीवन को तीन तरीकों से समझते हैं: कैट होल्ड, मंकी होल्ड या कंगारू होल्ड।

मसीह धर्म की कैट-होल्ड थ्योरी बिल्ली की माँ के व्यवहार पर आधारित है। अगर उसे लगता है कि उसका बच्चा खतरे में है, तो वह बस उसे गर्दन के बल से उठाती है और उसे ले जाती है। बिल्ली का बच्चा पूरी तरह से लंगड़ा हो जाता है - वह खुद को खतरे से दूर करने के लिए कुछ नहीं करता है। कुछ मसीहत को इस तरह समझते हैं - परमेश्वर हमें उठाते हैं और हमें ले जाते हैं। हमें, इससे कोई लेना-देना नहीं है, न कोई जिम्मेदारी है और शायद हमारी इच्छा के विरुद्ध भी ले जाए जाते हैं - सब परमेश्वर करते हैं।

मंकी होल्ड थ्योरी एक बंदर के बच्चे को ले जाने के तरीके पर आधारित है।जब एक बंदर माँ यात्रा करने के लिए तैयार होती है, तो बच्चा उसकी पीठ पर चढ़ने और अपनी जान से ज्यादा भरोसा करके उसे पकड़ने के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होता है। कुछ मसीही परमेश्वर को पकड़े रहने के लिए विश्वास को ही अपनी सारी जिम्मेदारी मानते हैं - सब हमारा प्रयास है।

अंत में, कंगारू होल्ड थ्योरी इस तथ्य पर आधारित है कि एक कंगारू माँ के पास एक थैली होती है जो उसकी संतान को सुरक्षा, संरक्षण और पोषण प्रदान करती है, भले ही कंगारू बच्चा अपने आप चलने के लिए पर्याप्त परिपक्व हो गया हो, उसके पास जिम्मेदारी और खतरे में होने पर अपने माँ की थैली में लौटने का अवसर है। यह कंगारू के बच्चे का निर्णय और कार्य है, साथ ही माँ का पूर्ण संरक्षण और समर्थन - कंगारू का बच्चा विश्वास द्वारा थैली में कूद जाता है। यह मसीहत के लिए सबसे अच्छी समरुपता है: परमेश्वर हमारे समर्थन और सुरक्षा का स्रोत है, लेकिन साथ ही, हमें थैली में जाने (और रहने) का चयन करना चाहिए।

नि:संदेह पवित्रशास्त्र मसीही जीवन के विभिन्न प्रकार के दृष्टांतों को प्रस्तुत करता है।

चाहे वे पत्रियों में हों या यीशु के दृष्टांतों में, ये चित्रण दर्शकों की आवश्यकता के आधार पर भिन्न होते हैं। कभी-कभी वे परमेश्वर के अनुग्रह पर जोर देते हैं; कभी-कभी वे मानवीय इच्छा, जिम्मेदारी और आज्ञाकारिता को उजागर करते हैं। लेकिन पवित्रशास्त्र के समग्र संदेश के प्रकाश में, निश्चित रूप से कंगारू होल्ड इस संचालक शक्ति को सबसे अच्छी तरह से पकड़ लेता है।

यह सिखाने के बाद कि उसकी भेड़े वे हैं जो उसकी आवाज सुनती है और उसका अनुसरण करती हैं, यीशु ने वादा किया कि उनके झुंड को अनंत जीवन मिलेगा। वह अपने सुननेवालों से वादा करते है कि "कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता" (यूहन्ना 10:29)। हालांकि, व्यक्तिगत मसीही पिता का हाथ छोड़ने का विकल्प चुन सकता था।

पिता के हाथों में रहे! "उनमें अपना जीवन जियो" और "उनकी शरण लो"। कंगारू होल्ड।

मई 10 **दिन - 130**

एक सामग्री की कमी है

******

तब शमूएल शाऊल के पास गया, और शाऊल ने उससे कहा, "तुझे यहोवा की ओर से आशीष मिले; मैं ने यहोवा की आज्ञा पूरी की है।" शमूएल ने कहा, "फिर भेड़-बकरियों का यह मिमियाना, और "गाय-बैलों का यह रंभाना जो मुझे सुनाई देता है, यह क्यों हो रहा है?" 1 शमूएल 15:13-14

यह ओटमील-चॉकलेट-चिप कुकीज बनाने का उसका पहला प्रयास था। उसने पूरे विवरण के साथ नुस्खा निकाला और एक मिश्रण के कटोरे में सामग्री डालना शुरू कर दिया। ओह - उसके पास बेकिंग सोडा नहीं था। उसने उसे खरीदने के लिए परिवार के एक सदस्य को किराने की दुकान पर भेजा। आखिरकार, उसने सभी सामग्रियों को मिलाया, ओवन को पहले से गर्म किया और आटे की लोई को दो शीटों पर रख दिया। जब उसने ओवन में कुकीज की जाँच की तो उसे कुछ संदिग्ध लग रहा था। अंत में, उसने उन्हें ओवन में से निकाला और चखा - कुछ अजीब स्वाद लगा।

कहाँ गलती हो गई थी, उसने कुकीज की विधि को डबल-चेक किया। फिर उसने देखा - वह तीन - चौथाई कप सफेद चीनी डालना भूल गई थी। केवल एक सामग्री नहीं थी - फिर भी, अजीब स्वाद वाली कुकीज को कूड़ेदान में फेंका गया। केवल एक सामग्री!

जब सर्वशक्तिमान परमेश्वर को जानने, प्रेम करने और उनकी सेवा करने की बात आती है, तो हमें एक स्पष्ट निर्णय लेना होगा: यदि प्रभु ही प्रभु है, तो क्या हम उनके नुस्खे, उनके मार्गदर्शन, उनके निर्देशन को हृदय से लगाएंगे और उनका शत-प्रतिशत अनुसरण करेंगे?

अलौकिक अगुवाई द्वारा, शाऊल को इजराइल के पहले राजा के रूप में चुना गया था। सुंदर, असाधारण, योग्य, निपुण, अगुवाई कुशल उसमें ये सारे गुण थे।

भविष्यवक्ता शमूएल के द्वारा यहोवा की आज्ञा उसके पास पहुंची: "इसलिये अब तू जाकर अमालेकियों को मार, और जो कुछ उनका है उसे बिना कोमलता किये नष्ट कर। उन्हें न बख्श।" (1 शमूएल 15:3)। शाऊल और उसकी सेना बहुत सफल रहीं। परंतु शाऊल, राजा अगाग और भेड़ों और पशुओं में से उत्तम को बख्शता है। शाऊल दावा करता है कि उसने आज्ञा का पालन किया है। शमूएल उससे पूछता है कि फिर भेड़-बकरियों का मिमियाना मुझे क्यों सुनाई दे रहा है।

यह ऐसा है मानो शाऊल ने अपनी कल्पित बुद्धि को यहोवा की स्पष्ट आज्ञा से ऊपर रखा है। शमूएल उसे चुनौती देता है, "यहोवा ने तुझे एक विशेष कार्य करने को भेजा और कहां, "जाकर उन पापी अमालेकियों का सत्यानाश कर और जब तक वे मीट न जाएं तब तक उनसे लड़ता रह'.... तुमने यहोवा की आज्ञा क्यों नहीं मानी?" (15:18-19)। शाऊल दावा करता है कि उसने जानवरों को यहोवा को बलिदान करने के लिए रखा था। शमूएल जवाब देता है, "आज्ञा मानना बलिदान से बेहतर है" (15:22)। और "यहोवा ने तुझे इजराइल का राजा होने के लिए तुच्छ जाना है।" (15:26)

केवल एक सामग्री की कमी थी - पूर्ण आज्ञाकारिता।

हे परमेश्वर, हमें आप प्रभु पर, प्रभु के रूप में भरोसा करने में और आपको पूर्ण आज्ञाकारिता देने में हमारी मदद करें।

.....

मई 11 **दिन - 131**

आगे की पंक्ति के छह किशोर लड़के

******

अपनी जवानी के दिनों में अपने सृजनहार को स्मरण रख, इससे पहले कि विपत्ति के दिन और वे वर्ष आएँ, जिन में तू कहे कि "मेरा मन इन में नहीं लगता"। सभोपदेशक 12:1

बॉलिंग ग्रीन, मिसौरी में चर्च में रिवाइवल की समापन रात को उस असामान्य दृश्य के पीछे क्या था? मैं कहूंगा कि यह निक स्टंबाँध था, जो किशोरों में से एक था। पिछली गर्मियों में, जिले के कैंप मीटिंग में निक, को परमेश्वर के साथ एक गहरा अनुभव हुआ। जब वह घर लौटा तो उसके पादरी को लगा कि निक के साथ कुछ खास हुआ है। जब उनके पादरी ने 'बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर द स्पिरिट फील्ड एंड सेंटिफाइड लाइफ' के माध्यम से उसकी अगुवाई की तो निक ने महसूस किया कि परमेश्वर ने उसे पवित्र कर दिया और आत्मा से भर दिया है।

निक एक फुटबॉल खिलाड़ी, एक बास्केटबॉल खिलाड़ी और स्कूल में लोकप्रिय था।जब उसने स्कूल में अपने दोस्तों से सुसमाचार के बारे में बात करना शुरू किया, उसकी माँ ने कहा, "वह एक मिशन पर है"।

उसके पादरी ने कहा, "निक आत्मा से भरा हुआ है।"

उस रिवाइवल (पुनरुद्धार) सेवकाई के बाद, जब अन्य लोग वेदी पर घुटने टेकते थे, छह किशोर लड़के उसके चारों ओर खड़े थे और बात कर रहे थे। जब मैं जाने के लिए तैयार हो रहा था, उनमें से एक मेरे पास आया।

बहुत विनम्रता से नाथन नीब ने कहा, "मेरा मतलब आपको बाधित करने का नहीं है, डॉ. शेवर। मैं चाहता था कि आप यह जान लें कि मैंने आज रात मसीह को स्वीकार कर लिया है।" मैं आनंदित हुआ और उससे बाइबिल का अध्ययन शुरू करने का आग्रह किया।

12 अप्रैल को मैंने उस चर्च के पादरी से फिर बात की। उन्होंने बताया कि रिवाइवल के बाद से असाधारण चीजें हो रही थीं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पाँच किशोरों से मुलाकात की और उनकी प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने के लिए उनके साथ उद्धार की योजना की समीक्षा की। दो सप्ताह बाद, छह रिवाइवल उत्तरदाताओं ने बपतिस्मा लिया। किशोरों के माता-पिता चर्च में जाने लगे थे।निक समर्पण और उत्साह के साथ किशोरों की बुधवार रात की आराधना सेवा की अगुवाई कर रहा था। बोर्ड ने एक युवा पादरी को बुलाया था।

निक के लिए, आगे की पंक्ति में बैठे छह किशोर लड़कों और उनके जैसे अन्य लोगों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।[58]

क्या आप इस तरह की तस्वीर का हिस्सा बनना चाहेंगे?

---

58. द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर न्यूज़लेटर (जून 2010)

.....

मई 12 **दिन - 132**

अयाजकीय गवाही, डेनिस किन लॉ और पॉल

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3

सेवकाई के बाद, कमरा गवाहियों से भरा हुआ था।

विकी ने कहा, "मेरी परवरिश एक पवित्र संप्रदाय में नहीं हुई थी। मैं पूरी रात नोट्स लेती और घर की सफाई करती रही हूँ। बाद में उसने घोषणा की, "यह पवित्रीकरण है। मुझे पवित्र किया गया है! मुझे पवित्र किया गया है।"

मेलिसा ने गवाही दी, "मैं दस साल से मसीही हूँ, लेकिन आज रात, वह मेरे हृदय में आए। मैंने उन्हें अपना सब कचरा दे दिया और मैं पवित्र हो गई।"

इस विषय पर, विद्वान डेनिस किन लॉ ने लिखा है: "हम निश्चित रूप से अपने खुद के दिलों को साफ नहीं कर सकते, क्योंकि वह इच्छा जो साफ होना चाहती है वह स्वयं अशुद्ध है.... पवित्रता उतना ही विश्वास का परिणाम है जितना की प्रामाणिकता है क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो केवल परमेश्वर ही कर सकता है...

पौलुस थिस्सलुनिकियों से यही कह रहा था जब उसने उनके पवित्रीकरण के लिए प्रार्थना की। वह जानता था कि वह स्वयं को कभी भी पवित्र नहीं कर सकते।"[59]

पौलुस ने प्रार्थना की, "परमेश्वर स्वयं, शांति का परमेश्वर आपको पूर्ण रूप से पवित्र करें। हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन पर आपकी पूरी आत्मा, प्राण और देह निर्दोष रखें जाएं। जो तुम्हें बुलाता है वह विश्वासयोग्य है और वह यह करेगा। (1 थिस्सलुनिकियों 5:23-40)[60]

---

59. डेनिस किन लॉ, दिस डे विद मास्टर (ग्रैंड रेपिड्स: जोन्डेरवेन, 2002)

60. यह भक्तिमय रचना पहले 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांज़लिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2013) में प्रकाशित हुई थी।

.....

मई 13 **दिन - 133**

क्या करें जब परमेश्वर आपसे कहें....

******

फिर परमेश्वर ने कहा, "अपने पुत्र को अर्थात - अपने इकलौते पुत्र इसहाक को, जिसे तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा; और वहाँ उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊंगा होमबली करके चढ़ा।" उत्पत्ति 22:2

जब वे उस स्थान को जिसे परमेश्वर ने उसको बताया था पहुँचे: तब अब्राहम ने वहाँ वेदी बनाकर लकड़ी को चुन चुनकर रखा। और अपने पुत्र इसहाक को बांध कर वेदी पर की लकड़ी के ऊपर रख दिया। उत्पत्ति 22:9

छह फीट सात इंच के स्टिव ने फ्रांस में प्रो-बास्केटबॉल खेला। उसका पालन-पोषण एक गैर मसीही घर में हुआ था, लेकिन जब स्टिव एक मसीह कॉलेज में गया तो उसने खेलों में यीशु मसीह का प्रकाशन देखा। एक चर्च सेवा में, जब वह मसीह को अपना दिल देने के लिए वेदी पर पहुँचा तो वह आश्वस्त नहीं था। वह एक मसीही कॉलेज में मुख्य बॉस्केटबॉल कोच बन गया। वह अपने विद्यार्थियों को मसीह तक ले गया, शिष्यता की कक्षाएं आयोजित की और प्रार्थना सभा की अगुवाई की। स्टिव ने कहा यह जीवन पहले की तुलना में अधिक आनंददायक था। जाहिर है उसने अपना पूरा जीवन वेदी पर रख दिया था।

अब्राहम ने परमेश्वर के साथ एक घनिष्ठ संबंध विकसित किया, और उसने एक नए देश में जाने के लिए परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया (उत्पत्ति 12:1-3)। हालांकि अब्राहम एक बूढ़ा व्यक्ति था। परमेश्वर ने उससे एक पुत्र का वादा किया था (15:1-6)। इसके अलावा, अब्राहम के साथ अपनी वाचा में, परमेश्वर ने वादा किया कि इस पुत्र के माध्यम से, अब्राहम राष्ट्रों का पिता होगा (17:1-27)।

वर्षों बाद, परमेश्वर ने अब्राहम से अपने पुत्र की बलि चढ़ाने के लिए कहकर उसकी परीक्षा ली - उसी पुत्र का जिसका परमेश्वर ने उससे वादा किया था। जब परमेश्वर आपसे आपका सर्वश्रेष्ठ मांगता है, तो आप केवल तभी आज्ञापालन कर सकते हैं जब आप सुनिश्चित हो कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है, आपसे प्रेम करता है, आपकी परवाह करता है और आपके लिए एक उद्देश्य रखता है। अब्राहम ने इन सब पर विश्वास किया। लेकिन जैसे ही वह अपने बेटे की बलि देनेवाला था, परमेश्वर ने उसके बदले में एक मेढ़ा प्रदान किया। परमेश्वर ने कहा, "अब मैं जान गया हूँ कि तू परमेश्वर का भय मानता है क्योंकि तू ने अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी मुझसे दूर नहीं रख छोड़ा।" (22:12)

जैसा कि परमेश्वर ने वादा किया था, अब्राहम के पुत्र इसहाक के माध्यम से कई राष्ट्र आए। दुनिया के उद्धारकर्ता यीशु मसीह भी इसहाक के माध्यम से आए थे। स्वर्गीय पिता ने अपने इकलौते पुत्र, यीशु मसीह को मरने की अनुमति दी ताकि आपको और उन सभी को बचाया जा सके जो उसे ग्रहण करते हैं।

परमेश्वर आपको सब कुछ वेदी पर रखने के लिए कहेगा। फिर जब आप करते हैं, तो देखें कि वह कैसे प्रदान करता है।

एक मसीही घर में पले-बढ़े जिम ने एक करोड़पति बनने के लिए एकदम शून्य से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। वह अपना दशमांश देता था, लेकिन उसमें कोई ख़ुशी नहीं थी। वह खाली था। हालांकि उसने अपने पादरी में प्रतिबद्धता और प्रेम देखा। जिम ने महसूस किया कि वह गलत दृष्टिकोण अपना रहा है और अपना जीवन बर्बाद कर रहा है।

एक रात जब जिम अपने मर्सीडीज में बैठा था तो परमेश्वर ने उससे यह कहकर चुनौती दी, "जिम, क्या तुम सच में मुझसे प्यार करते हो?"

"बेशक"

"क्या तुम मुझसे प्यार करोगे यदि मैं यह सब कुछ ले लूँ? यदि मैं तुम्हारी क्षमताओं को ले लूँ?"

"परमेश्वर, मैं तैयार हूँ। मुझे वह सब दिखाएं जो आपको मेरे माध्यम से काम करने से रोकेगा।"

सोते समय, जिम ने एक सूची तैयार की, चीजें जो उसके द्वारा कार्य करने की परमेश्वर की क्षमता में बाधक थी, और वह उनके माध्यम से कार्य करने लगा। आखिरकार, सबकुछ वेदी पर था। जिम के परिवार ने उसके द्वारा किये जा रहे परिवर्तनों पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। परमेश्वर ने उसके लिए हर साल हजारों लोगों से बात करने के लिए दरवाजे खोलने शुरू कर दिए, और उसका स्थानीय चर्च 250 लोगों से बढ़कर 2000 लोगों का हो गया। जैसा कि जिम उन सभी तरीकों को याद करता है जिसमें परमेश्वर ने उसके माध्यम से काम किया, वह कहता है, "मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि यह इतना पूर्ण हो सकता है।"

.....

मई 14 **दिन - 134**

मेरा बिल्ला, लकी

******

जैसा पिता ने मुझसे प्रेम रखा, वैसा ही मैंने तुमसे प्रेम रखा; मेरे प्रेम में बने रहो। यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे; जैसा कि मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है और उसके प्रेम में बना रहता हूँ। यूहन्ना 15:9-10

लकी सबसे प्रिय, प्यारे स्वभाव वाला बिल्ला था, लेकिन वह कभी-कभी विद्रोही और अवज्ञाकारी भी हो सकता है। मैं लकी से तब मिली जब मेरी पड़ोसी चली गई और उसने लकी को अपने साथ नहीं ले जाने का फैसला किया। उसने लकी को घर से बाहर निकाल दिया था। वह मेरी खुली खिड़की पर आता रहा और अंदर आने के लिए रोता रहा। जब भी मैं बाहर होती वह दिखाई देता और ऐसा लगता जैसे कि घर और सुरक्षा के लिए भीख मांग रहा हो। मैंने लकी को गोद लेने और उसे अपने परिवार का हिस्सा बनाने का फैसला किया। वह अब लगभग पंद्रह वर्षों से मेरे साथ है।

कुछ हफ्तों पहले, लकी पूरे दिन विचित्र व्यवहार करता रहा और अवज्ञाकारी रहा था।

दैनिक जीवन के तनावों और दबावों से परेशान होकर, मैंने खुद को उसे यह भाषण देते हुए पाया: लकी, मैंने तुम्हारी जान बचाई। तुम्हारे पास कुछ भी नहीं था - न घर, न भोजन, न सुरक्षा, न संरक्षण। मैं तुम्हें सब कुछ प्रदान करती हूँ। मैं पैसे कमाने के लिए कड़ी मेहनत करती हूँ ताकि तुम को घर और भोजन मिले। मैं तुमको अपना समय, ऊर्जा और प्यार देती हूँ। मैंने तुम्हें सबकुछ दिया है। क्या तुम कम से कम वह नहीं कर सकते जो मैं चाहती हूँ कि तुम करो? क्या कम से कम तुम मेरी बात नहीं मान सकते?"

फिर, मौन - जैसे परमेश्वर की आत्मा मुझ पर प्रगट हुई और मुझे मेरे जीवन में एक स्पष्ट समानांतर दिखाया। परमेश्वर ने कहा, "क्या तुमको नहीं लगता कि मैं तुम्हारे बारे में भी ऐसा ही महसूस करता हूँ?"

ये कितना सच है। परमेश्वर ने मुझे बचाया और उन्होंने मुझे प्रावधान और मेरी जरूरत की हर चीज दी। वह हमेशा भरोसेमंद रहें। वह मुझे दिलासा देते हैं, मेरी रक्षा करते हैं और मेरी सभी जरूरतों को पूरा करते हैं। उन्होंने मेरे लिए अपनी जान भी दे दी।

मैं 100 प्रतिशत समय उनकी बात क्यों नहीं मानती? मैं क्यों नहीं हमेशा तुरंत उनकी आज्ञा का पालन करती हूँ और जानती हूँ कि वह मेरी परवाह करते हैं और मैं उन पर पूरा भरोसा रख सकती हूँ?

मिरियम बर्च

.....

मई 15 **दिन - 135**

उन्होंने अपनी स्वतंत्रता पाई - और अपनी जान गवां दीं

******

जो मेरे पीछे हो लेगा वह अंधकार में न चलेगा, परंतु जीवन की ज्योति पाएगा।
यूहन्ना 8:12

जब मैं सातवीं कक्षा में था तब मेरे एक्वेरियम में एंजेल फिश, सायमाज़ फाइटिंग फिश, किसिंग गोरामीज़ और अन्य तरह की मछलियाँ रहती थीं। मैं अपनी मछलियों को अच्छी तरह से रखता था - एक्वेरियम की रोशनी को चालू या बंद कर सकते थे, तापमान सत्तर और अठहत्तर डिग्री के बीच नियंत्रित हो सकता था और उन्हें ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए वायु-संचारण किया जा सकता था। मिस्ट्री स्नेल एक्वेरियम को साफ करता और अमेजन नदी की कैटफिश रेतीली सतह को साफ करती। मैं उन्हें सुखा खाना खिलाता, लेकिन मैंने अपनी मछलियों को खाने के लिए मच्छरों के लार्वा और सफेद कीड़ो को भी पैदा किए - जो मछली के लिए मांस और रिब के समान होता। मुझे यकीन है कि मछलियाँ खुश थीं।

आमतौर पर, एक्वेरियम में एक मछली एक्वेरियम के मालिक या धमकाने वाली मछली के रूप में उभरती, एक पसंदीदा स्थान का दावा करती हुई और अन्य मछलियों को दूर भगाती हुई। एक रात मैंने उस बॉस मछली को असहज अभिनय करते देखा लेकिन मैं यह नहीं बता सका कि क्यों।

रात में, बॉस मछली ने टैंक में सभी मछलियों की बैठक बुलाई, मुझे नहीं पता की मछलियाँ कैसे बात करती हैं लेकिन मुझे लगता है कि उसने ऐसा कुछ कहा: आप सभी जानते हैं कि शेवर ने हमारे साथ अच्छा व्यवहार किया है। हमारे पास रोशनी, गर्मी, ऑक्सीजन और नियमित सफाई, सेवा और सबसे अच्छा भोजन है। तुम्हें पता है कि मैं खुश हूँ, मैंने अपने सपनों की मछली से शादी की है, मेरे बच्चे हैं और अब पोते-पोतियाँ भी है। लेकिन शेवर के बारे में एक बात मुझे पसंद नहीं है - वह हमें इन कांच की दीवारों में बंद रखता है।

मैं इससे थक चुका हूँ और मैं इसे तोड़ने जा रहा हूँ। कौन मेरे साथ जुड़ना चाहेगा?

जब मैं अगली सुबह नाश्ते के लिए नीचे आया, तो मैंने पाया कि बॉस मछली और तीन अन्य मछलियाँ लिविंग रूम के फर्श पर सुखी और मरी पड़ी हैं। टैंक से बाहर कूदकर उन्होंने अपनी आजादी पा ली थी - लेकिन अपनी जान गवां दी थीं।

मैं दुखी था। एक्वेरियम की कांच की दीवारें कभी भी मछलियों को खुशी में बाधक नहीं थी। वे केवल सीमाएं थी जो मछलियों को एकमात्र ऐसे वातावरण में रखती थीं जहाँ वे जीवित रह सकती थीं - टैंक का गर्म पानी। मैंने यह सब उनकी अत्यंत देखभाल के लिए प्रदान किया था।

मैंने देखा कि कुछ लोग परमेश्वर की आज्ञाओं को अपनी खुशी के लिए कठोर बाधाओं के रूप में देखते हैं। सच्चाई यह है कि परमेश्वर अपने असीम प्रेम और ज्ञान में हमें उस वातावरण में रखने की कोशिश कर रहे हैं जहाँ हम जीवित रह सके और फल-फूल सकें। उनकी इच्छा के बाहर, हमारे भौतिक और आत्मिक जीवन के लिए घातक खतरे हैं।

मूसा के द्वारा प्रकट की गई दस आज्ञाएं, परमेश्वर की सीमाएं थी। (निर्गमन 20:1-17)। मूसा ने इजराइलियों से कहा, "जिस मार्ग पर चलने की आज्ञा तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुमको दी है उस

सारे मार्ग पर चलते रहो, कि तुम जीवित रहो और तुम्हारा भला हो, और जिस देश के तुम अधिकारी होंगे उसमें तुम बहुत दिनों के लिए बने रहो" (व्यवस्थाविवरण 5:33)।

पौलुस के द्वारा परमेश्वर ने निर्देश दिया, "(अनुग्रह) हमें चेतावनी देता है कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से 'मन फेरकर' इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं" (तीतुस 2:12)।

यीशु ने कहा, "जो मेरे पीछे हो लेगा (बाधा) वह अंधकार में न चलेगा, परंतु जीवन की ज्योति (आशीष) पाएगा" (यूहन्ना 8:12)।

झूठी आजादी और मृत्यु परमेश्वर की आज्ञा से बाहर है। उनकी आज्ञाओं में हम जीवन का प्रकाश पाते हैं।

.....

मई 16 **दिन - 136**

जब यीशु आपके लिए प्रार्थना करते हैं।

******

शमौन, शमौन! देख शैतान ने तुम लोगों को माँग लिया है कि गेहूँ के समान फटके, परंतु मैं ने तेरे लिये विनती की कि तेरा विश्वास जाता न रहे; और जब तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना।"
लूका 22:31-32

"मैं हर दिन तुम्हारे और नैन्सी के लिए प्रार्थना करता हूँ" एक दोस्त ने मुझसे कहा। फिर उसने बताया कि वह वर्षों से ऐसा कर रहा था। इससे मेरा दिल बहुत आनंदित हुआ।

यीशु ने शमौन पतरस का नाम तीन बार यह घोषणा करते हुए कहा कि उसने (यीशु) उसके लिए प्रार्थना की। कितना मार्मिक, कितना शक्तिशाली, यहाँ तक कि जब उन्होंने अपने कंधों पर पूरी दुनिया के भार के साथ क्रूस का सामना किया, तो यीशु ने एक विशिष्ट व्यक्ति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने यह जानने के बाद भी प्रार्थना की कि पतरस शीघ्र ही उनके साथ विश्वासघात करेगा। यीशु सभी शिष्यों के बिच शैतान के बुरे प्रभाव से भी अवगत थे।

यीशु ने विश्वास के साथ प्रार्थना की कि पतरस विश्वास की और लौटेगा, और इस कहानी का अंतिम परिणाम बेहतर होगा क्योंकी पतरस अपने मसीही भाइयों को मजबूत करेगा। गिरने और विश्वास में लौटने का उनका अनुभव उन्हें अन्य बारह सदस्यों के साथ व्यवहार करने के लिए ज्ञान और रणनीति देगा। इससे भी अधिक, यह उसे भविष्य के हजारों मसीही धर्मांतरित लोगों से व्यवहार करने के लिए तैयार करेगा क्योंकि वह नए चर्च के प्रमुख अगुवों में से एक बन गया था। कोई आश्चर्य नहीं कि पतरस ने बाद में लिखा, "सचेत हो और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए। विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उनका सामना करो कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं ऐसे ही दुख सह रहे हैं" (1 पतरस 5:8-9)।

जब यीशु ने क्रूस पर जाने से पहले अपनी उच्च-याजकीय प्रार्थना की, तो उन्होंने आपको शामिल किया। उन्होंने सबसे पहले अपने निकटतम शिष्यों के लिए बात कही: "मैं यह विनती नहीं करता कि तू उन्हें जगत से उठा ले; परंतु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख।जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं।

सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है। जैसा तू ने मुझे जगत में भेजा, वैसे ही मैं ने उन्हें जगत में भेजा (यूहन्ना 17:15-18)। लेकिन फिर, यीशु ने आपके लिए प्रार्थना कि जब उन्होंने कहा, "मैं केवल इन्हीं के लिए विनती नहीं करता, परंतु उनके लिए भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे कि वे सब एक हो; जैसा तू हे पिता मुझ में है, जिससे संसार विश्वास करे कि तू ही ने मुझे भेजा है।" (वचन 20:21)।

यीशु ने वादा किया था कि वह पवित्र आत्मा को अपने अनुयायियों के पास वापस भेज देगा, और पवित्र आत्मा उनका प्रतिनिधित्व करेगा। रोमियों 8:26 में हम पढ़ते हैं, "इसी रीती से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है: क्योंकि हम नहीं जानते कि प्रार्थना किस रीती से करना चाहिए,

परंतु आप ही ऐसी आहें भर-भरकर, जो बयान से बाहर हैं, हमारे लिए विनती करता है।" आत्मा, यीशु का प्रतिनिधि, हमारी सीमाओं के बावजूद प्रार्थना करने में हमारी मदद करता है।

अब यीशु अपने और हमारे पिता के पास उठा लिया गया है। यीशु आज क्या कह रहे हैं? इब्रानियों 8:1 बताता है, "हमारा ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग पर महामहिमन् के सिंहासन के दाहिने जा बैठा"। और उनका विशिष्ट कार्य? इब्रानियों 7:25 हमें बताता है, "इसी लिये जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं वह उनका पूरा पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिए विनती करने को सर्वदा जीवित है।"

क्या आप जान गए? यीशु आपके लिए प्रार्थना करते हैं।

.....

मई 17 **दिन - 137**

पश्चाताप और विश्रांति

******

इसीलिये मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रांति के दिन आएँ। प्रेरितों के काम 3:19

मैंने एक बार पाँच दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया जिसमें लगभग साठ लोगों ने भाग लिया था। कई प्रतिभागियों के साथ बैठकर बात करने के बाद, मैंने सोचा, वे धर्म और चर्च के खिलाफ इतने कटु क्यों है? जैसे-जैसे मैंने उनकी अधिक से अधिक कहानियाँ सुनी, मैंने आखिरकार इसका उत्तर जान लिया।

इन व्यक्तियों का पालन-पोषण उन चर्चो में हुआ था जहाँ यह प्रचार किया गया था, "तुमने पाप किया है और परमेश्वर तुम्हारा न्याय करेंगे।" बस यही - क्षमा का कोई वादा नहीं। कोई आश्चर्य नहीं कि वे इतने कटु थे।

पतरस का संदेश अलग था: "इसलिये मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाएँ जाए, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रांति के दिन आएँ" (प्रेरितों के काम 3:19)। इस कथन में, वह वादा करते हैं कि हमारे पापों को मिटा दिया जाएगा कि प्रभु हमें विश्रांति देंगे और हमारा पश्चाताप मसीह के दूसरे आगमन का मार्ग प्रशस्त करेगा (3:20-21)।

जब हमारे बेटे पॉल के कंधे पर एक मेलनोमा था तो सर्जन ने गहरा चीरा लगाया और उसके मांस का एक हिस्सा हटा दिया। क्या मैं डॉक्टर से नाराज था? क्या मैंने यह माँग की कि, "तुम्हें मेरे बेटे के शरीर पर आक्रमण करने का क्या अधिकार था?" बिल्कुल नहीं - मैं रोमांचित था कि सर्जन ने इस कठिन सर्जरी के माध्यम से सभी कैंसर को हटा दिया था। परिणामस्वरूप, मेरा बेटा जीवित रहा।

कोई आश्चर्य की बात नहीं कि रोमियों 2:4 यह कहता है, "परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव को सिखाती है"। मन फिराव के द्वारा परमेश्वर पाप के कैंसर को दूर करता है ताकि आप धन्य और विश्रांति पा सके।[61]

---

61. इससे पहले ये "रिफ्लेक्टिंग गॉड" जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 22 में प्रकाशित हुआ था। अनुमति द्वारा उपयोग।

.....

मई 18 **दिन - 138**

शक्ति जहाँ वह सबसे ज्यादा मायने रखती है

******

मैं प्रार्थना करता हूँ कि वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दें कि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवंत होते जाओ। इफिसियों 3:16

इफिसियों अच्छे मसीही थे। फिर भी पौलुस सामर्थ्यशाली पवित्र आत्मा के कार्य के माध्यम से सामर्थ्य से भरी वास्तविकता के लिए एक सामर्थ्यशाली प्रार्थना करता है। आत्मा उनके और आपके "आंतरिक अस्तित्व" में काम करेगा।

एक व्यक्ति ने इसे इस प्रकार वर्णित किया: "शक्ति उसके द्वारा सबसे ज्यादा मायने रखता और वहाँ जहाँ वह सबसे ज्यादा मायने रखती है"।

प्रत्येक सच्चे मसीही के पास पवित्र आत्मा है (रोमियों 8:9) और आत्मा से पैदा हुआ है। फिर भी उस कार्य के गहरे आयाम है जो आत्मा मसीही विश्वासी के हृदय में करना चाहता है। आत्मा आपको आंतरिक रूप से मजबूत करता है और यहाँ तक कि आपको उस बिंदु पर भी ला सकता है जहाँ आप "परमेश्वर की सारी परिपूर्णता से भरे हुए हैं"। (इफिसियों 3:19)

ग्रांट ने अपनी बुद्धि और अच्छे कार्यों से खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसके प्रयासों में बहुत अधिक पाप था। अंत में, एक दिन आया जब वह अपने कामों और पापों से फिरा और वेदी पर अनुग्रह से बचाया गया। उसके जीवन में अविश्वसनीय परिवर्तन हुए - फिर भी उसके विश्वास में एक असुरक्षा की भावना थी। उसके पास उद्धार का आश्वासन था लेकिन आत्मविश्वास की कमी थी। वह असफलता से डरता था। एक कैंप मीटिंग सेवा में उसने प्रचारक को फिलिप्पियों 1:6 उद्धरण कहते हुए सुना, "मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरंभ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा"।

आत्मा ग्रांट के हृदय में उतर गया। वह प्रार्थना करने के लिए आगे बढ़ा और उस रात, उसने पवित्र आत्मा के वरदान के प्रतिज्ञा को ग्रहण किया और पवित्र किया गया।

मैंने उसके जीवन को पच्चीस वर्षों से देखा है। वह लगातार पवित्र आत्मा के सामर्थ्य के साथ शांति से लेकिन वास्तविक आत्मविश्वास और ताकत के साथ रहा है। उसने दूसरों पर एक शक्तिशाली प्रभाव डाला है - उसके पास शक्ति है जहाँ वह सबसे अधिक मायने रखती है।

.....

मई 19 **दिन - 139**

जीवन का एक हिस्सा

******

हम ने प्रेम इसी से जाना कि उसने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए: और हमें भी भाइयों के लिए प्राण देना चाहिए। पर जिस किसी के पास संसार की संपत्ति हो और वह अपने भाई को कंगाल देखकर उस पर तरस खाना न चाहे, तो उसमें परमेश्वर का प्रेम कैसे बना रह सकता है?

1 यूहन्ना 3:16-17

कुछ देशों में, मृत्यु वह कीमत है जो कुछ लोग यीशु का अनुसरण करने के लिए चुकाते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ लोगों को जानता हूँ जिन्होंने कारावास की कीमत चुकाई है। मेरे देश में, यीशु का अनुसरण करने का परिणाम मौखिक या कानूनी उत्पीड़न हो सकता है - लेकिन शायद मृत्यु नहीं।

हमारे लिए अपना जीवन देने में मसीह के महान प्रेम की याद दिलाने के बाद यूहन्ना कहता है कि हमें दूसरों के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यूहन्ना फिर हमारी भौतिक संपत्ति का हिस्सा लेने और अधिक जरूरत वाले भाई या बहन को देने के महत्व पर जोर देता है। ऐसा करते हुए, यूहन्ना यह स्पष्ट करता है कि जब हमें सुसमाचार के लिए अपना भौतिक जीवन देने के लिए नहीं बुलाया जाता है, तब भी हमें "अपने जीवन का एक हिस्सा" देने के लिए बुलाया जाएगा।

मैंने इसे कई बार किया है। मेरे पास्टोरल कर्तव्यों और मसीह के रूप में मेरी रोजमर्रा की जिंदगी जीने के लिए दोनों में, मुझे अपने जीवन का एक हिस्सा देने के लिए बुलाया गया है।

मेरे पास्टोरल अनुभवों में से एक का ज्वलंत उदाहरण सामने आया। रॉय और नोरा नाम का एक बुजुर्ग जोड़ा हमारे स्थानीय चर्च में वफादार सहभागी थे। उनकी कोई संतान नहीं थी लेकिन उनकी भतीजी पर एक सामर्थ्यशाली आत्मिक प्रभाव पड़ा जो मसीह के पास आई थी। क्रिसमस के समय, नोरा को अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुरानी बीमारी के कारण उसका पैर काट दिया गया।

क्रिसमस की सुबह, हम अपने तीन बच्चों के साथ उपहार खोलने की तैयारी कर रहे थे, जिनमें से सभी छह साल से कम उम्र के थे। तभी फोन की घंटी बजी - रॉय को दिल का दौरा पड़ा था और वह उसी अस्पताल में थे जहाँ नोरा थी।

मुझे क्या करना चाहिए? क्या मुझे रॉय और नोरा के साथ रहने के लिए अपने बच्चों के साथ क्रिसमस की सुबह बिताना छोड़ देना चाहिए?

उनकी कोई संतान नहीं थी जो उनका साथ दे। मैंने अपनी पत्नी नैन्सी से बच्चों को यह समझाने के लिए कहा कि हम थोड़ी देर बाद दिन में उपहार खोलेंगे। मुझे रॉय और नोरा के पास जाना था।

अपने परिवार के समय का एक हिस्सा छोड़ने के बाद, मैंने रॉय और नोरा के साथ एक प्यारा, परमेश्वर-स्पर्शी समय बिताया। दोनों बच गए और जल्द ही फिर से चर्च में सक्रिय हो गए। नैन्सी, बच्चों और मैंने बाद में दिन में उपहारों को खोलने में एक मजेदार समय बिताया। आज तक, हमारे तीन व्ययस्क बच्चे बलिदान देने को दूसरों के लिए आशीष के रूप में समझते आए हैं।

इसके बारे में सोचें - हो सकता है कि आपको एक बार में अपना पूरा भौतिक जीवन देने के लिए नहीं बुलाया गया हो, लेकिन जीवन के किन हिस्सों को यीशु आपको उन्हें और दूसरों को देने के लिए बुलाएंगे?

.....

मई 20 **दिन - 140**

पवित्र आत्मा ने हमसे मुलाकात की

******

परमेश्वर कहता है कि अंत के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा। प्रेरितों के काम 2:17

कैनसस सिटी में नाज़रिन थियोलॉजिकल सेमिनरी की पचहत्तरवीं वर्षगांठ के लिए पूर्व छात्रों को स्कूल के बारे में कुछ कहने के लिए कहा गया। जब मैंने एक छात्र के रूप में अपने तीन वर्षों और सुसमाचारवाद के प्रोफेसर के रूप में अपने तीस वर्षों पर विचार किया तो उनमें से एक घटना अन्य सभी से अलग थी।

यह फरवरी 1970 में घटित हुई - मुझे वहाँ अपने अध्यापन के पहले वर्ष में आए हुए कुछ ही सप्ताह हुए थे। हम चैपल सेवा के लिए एकत्र हुए थे और रेव्ह. पॉल कनिंघम चैपल के वक्ता थे। वह एक सप्ताह के विशेष सेवकाई में प्रचार करके अभी -अभी लौटे थे। उन सेवकाई में केंटकी के विल्मोर में असबरी कॉलेज के दो छात्रों ने गवाही साझा की थी। इससे असबरी में एक हजार छात्रों के बीच पवित्र आत्मा क एक सामर्थ्यशाली चलन हुआ, इसमें एक चैपल सेवा भी शामिल है जो बिना रुके 185 घंटे तक चली।

जब रेव्ह. कनिंघम ने आत्मा के चलन पर विवरण दिया, पवित्र आत्मा सेमिनरी चैपल की भीड़ में उतर आयी। अचानक एक छात्र ने अपनी सीट छोड़ दी और अपने हाथों से अपने चेहरे को ढ़के हुए, रोते हुए, भीड़ की बांयी ओर के गलियारे में दौड़ा। यह देखने में असमर्थ की वह कहाँ जा रहा है, वह पियानो से टकरा गया: और उसे पूरा घूमाकर, प्रार्थना की वेदी पर रोते हुए गिर गया। दो मिनट के भीतर लगभग बीस अन्य छात्र वेदी पर आ गए थे, कई रो रहे थे। रेव्ह. कनिंघम ने सभापति की ओर ऐसे देखा मानो कह रहे हों, अब हम क्या करें? वह अपने संदेश के बीच में थे। उन्होंने आमत्रंण का एक गीत गाने का फैसला किया, और रेव्ह. कनिंघम ने दूसरों से आगे आने का आग्रह किया। करीब बीस और आ गए। वेदी पर अब कोई जगह नहीं बची थी, इसलिये छात्र भरी हुई वेदी और सीटों की पहली पंक्ति के बीच में घुटने टेक रहे थे।

एक फैकल्टी सदस्य के रूप में, मेरे लिए आगे जाना और छात्रों की प्रार्थना में मदद करना सामान्य होता। लेकिन उस दिन, मेरे पास इतनी पवित्र भावना थी, पवित्र आत्मा की उपस्थिति के बारे में ऐसी जागरूकता थी कि मैंने अपनी सीट छोड़ने की हिम्मत नहीं की, ऐसा न हो कि मैं आत्मा के कार्य में हस्तक्षेप करूँ। एक भी फैकल्टी सदस्य नहीं गया।

जो छात्र सबसे पहले सामने आया था, उसने प्रार्थना समाप्त की, माइक्रोफोन के पास गया और बोलने की अनुमति मांगी। उसने गवाही दी कि उसने अपने कॉलेज की पढ़ाई बाइबिल को बेचकर पूरी की, लेकिन उसने अपने द्वारा एकत्र किये गए राशि के अंतिम भाग को अपने पास रख लिया - उसने उस राशि को कंपनी में कभी नहीं भेजा। उसने भीड़ को आश्वस्त किया कि उसकी बेइमानी को माफ कर दिया गया है और कुछ घंटो के भीतर वह धनराशि को कंपनी में भेज देगा।

जब तक वह समाप्त करता, तब तक अन्य छात्र बोलने के लिए लाइन में लग गए। एक छात्र ने स्वीकार किया कि उसने एक पठन रिपोर्ट को पूरा करने के बारे में झूठ बोला था जो उसने कभी

नहीं किया था और उसने प्रोफेसर से क्षमा मांगी। एक अन्य छात्र ने एक प्रोफेसर के प्रति अपनी कठोर भावनाओं की बात कही। एक अन्य छात्र ने अंगीकार किया कि उसका एक अन्य छात्र के साथ संबंध टूट गया था, और उसने क्षमा मांगी। इससे पहले कि वह माइक्रोफोन से दूर हट पाता, नाराज छात्र मंच पर था और दोनों गले मिल गए। स्तुति, आराधना और आनंद था। हालांकि चैपल के समाप्त होने की घंटी बज चुकी थी, लेकिन सेवा दो घंटे तक जारी रही।

उस सेवा के बाद से पूरा सेमेस्टर अलग था। चैपल अच्छी तरह से होते थे और प्रशंसा से भरे हुए होते थे। कक्षाएं कभी-कभी प्रार्थना में इतनी लीन हो जाती थी कि उन्हें संदेश साझा नहीं कर पाते थे। अन्य कक्षाएं आराधना से भरी होती थीं। छात्रगण प्यार और ईमानदारी से काम किया करते।

वह सेवकाई अभी भी मेरे मन में उस सबसे बड़ी आराधना के रूप में है जिसका मैं कभी हिस्सा रहा था। मैंने कई घंटों के अध्ययन की तुलना में दो घंटे में पवित्र आत्मा के बारे में अधिक सीखा। पूरे सेमेस्टर के दौरान प्यार और समझ का माहौल बहुत उत्साहजनक था। पवित्र आत्मा हम से मिलने आया था।

.....

मई 21 **दिन - 141**

परमेश्वर जानेंगे

******

क्योंकि अवश्य है कि हम सबका हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए।

2 कुरिन्थियों 5:10

फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के सामने खड़े हुए देखा और पुस्तकें खोली गईं; और फिर एक और पुस्तक खोली गई; अर्थात जीवन की पुस्तक; और जैसा उन पुस्तकों में लिखा हुआ था वैसे ही उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग के झील में डाला गया।

प्रकाशितवाक्य 20: 12, 15

मैंने अपनी पत्नी का जन्म प्रमाण पत्र खो दिया था। क्योंकि उसे अन्य कानूनी दस्तावेज बनाने के लिए इसकी आवश्यकता थी, इसलिए इसे दोबारा बनाना जरूरी था। मैंने महत्वपूर्ण सांख्यिकी कार्यालय को फोन किया और अनुरोध किया तथा अपनी पत्नी के जन्म की जानकारी दी - लेकिन इतना पर्याप्त नहीं था। जिस विनम्र और मददगार क्लर्क से मैंने बात की, वह यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि मेरी पत्नी की जरूरतें और मेरा प्रतिनिधित्व करना जायज थे।

क्लर्क मुझसे अजीब तरह के सवाल पूछने लगी। उसने मेरे सामने पाँच गली के पते पढ़े और मुझसे पूछा कि क्या मैं कभी उनमें से किसी पर रहा हूँ। वे सभी पते मेरे लिए अनजान थे, इसलिए मैंने नहीं कहा।

फिर उसने टैक्सस के पाँच शहरों को सूचीबद्ध किया और मुझसे पूछा कि क्या मैं कभी उनमें से एक में रहा हूँ। जब उसने ह्युस्टन का नाम लिया तो मैंने जवाब दिया, "हाँ मैंने वहाँ चार महीने का असाइनमेंट किया था।" वह खुश थी और उसने हमें नए जन्म प्रमाणपत्र भेजने के सभी चरणों को पूरा किया।

इस बातचीत के बाद, मैंने टैक्सस के प्रश्न के बारे में सोचना शुरू किया। और मेरे सामने यह आया कि यह सरकारी एजेंसी मेरे जीवन को कितनी अच्छी तरह से जानती थी, रिकॉर्ड इतने पूर्ण थे, कि वे यह भी जानते थे कि मेरे पचहत्तर वर्षों के जीवन के दौरान, मैंने चार महीने ह्युस्टन में बिताए थे।

मुझे यह समझ में आ गया कि यदि सांख्यिकी कार्यालय मेरे बारे में इतना कुछ जानता है,

तो सर्वशक्तिमान परमेश्वर को मेरे पूरे जीवन के सभी विवरणों को जानने में कोई समस्या नहीं होगी। तो तुम्हारे जीवन के अंत में जो होगा, उसके लिए मेरे दोस्त तैयार रहें। पवित्र शास्त्र हमें बताता है, "जैसा उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, वैसे ही उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया" (प्रकाशितवाक्य 20:12) और, "क्योंकि अवश्यक है कि हम सब का हाल न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए"। (2 कुरिन्थियों 5:10)।

.....

मई 22 **दिन - 142**

यह किस प्रकार की व्यवस्था है

******

क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। रोमियों 8:2

आपकी नगर परिषद् बैठक कर रही है। लापरवाही ड्राइविंग से परेशान परिषद् के एक सदस्य का तर्क है कि स्टॉप साइन (रुकने के चिन्ह्) में चलाने के लिए जुर्माना 150 डॉलर से बढ़ाकर 300 डॉलर किया जाना चाहिए।

परिषद् इसे सात से छह वोट देती है कि गुरुवार की आधी रात को, स्टॉप साइन व्यवस्था बदल जाएगा और जुर्माना बढ़ाकर 300 डॉलर कर दिया जाएगा।

परिषद् का एक अन्य सदस्य एक अलग व्यवस्था (कानून) के बारे में चिंतित है जो उसे परेशान कर रहा है और अपने सहयोगियों को इसे पूरी तरह से निरस्त करने के लिए राजी करता है। इस प्रकार, परिषद् तेरह से शून्य वोट देती है कि, अगले गुरुवार आपका शहर गुरुत्वाकर्षण के नियम को निलंबित कर देगा।

निश्चित ही यह थोड़ा भी मायने नहीं रखता यदि वे गुरुत्वाकर्षण के नियम निलंबित कर देते हैं। जबकि स्टॉप साइन का कानून एक मानव-निर्धारित कानून है जिसका उद्देश्य सुरक्षित ड्राइविंग को प्रोत्साहित करना है, गुरुत्वाकर्षण का नियम लोगों द्वारा तय नहीं किया जाता है। यह केवल हमारी दुनिया में काम कर रहे एक बल का वर्णन है।

इसलिए हमें परेशान नहीं होना चाहिए कि रोमियों 7 के अंत में और रोमियों 8 के आरंभ में, प्रेरित पौलुस "व्यवस्था" शब्द का प्रयोग छह अलग-अलग तरीकों से करता है:

"परमेश्वर की व्यवस्था" (7:22); "दूसरे प्रकार की व्यवस्था मुझमें कार्य करती है" (7:23); "मेरे मन की व्यवस्था" (7:23); "पाप की व्यवस्था" (7:23); "आत्मा की व्यवस्था जो जीवन देती है" (8:2); और "पाप और मृत्यु की व्यवस्था" (8:2)। परमेश्वर की व्यवस्था दस आज्ञाओं में उल्लेखित है; अन्य व्यवस्था मानव व्यक्तित्व में काम करने वाली शक्तियों का उल्लेख करते हैं।

पाप और मृत्यु की व्यवस्था एक बल है, एक नियंत्रण शक्ति है, मानव व्यक्तित्व में संचालन की एक व्यवस्था है। इसे पाप और मृत्यु की व्यवस्था कहा जाता है क्योंकि पाप हमेशा यही पैदा करता है - मृत्यु। जैसा कि रोमियों 6:23 प्रमाणित करता है, "पाप की मजदूरी मृत्यु है"। जैसे गुरुत्वाकर्षण की व्यवस्था लोगों को गिराने का कारण होती है वैसे ही पाप और मृत्यु की व्यवस्था लोगों को पाप करने के लिए प्रेरित करती है।

जीवन देने वाली आत्मा की व्यवस्था एक कार्य करता हुआ बल है, एक नियंत्रण शक्ति है, अन्य व्यक्तियों में कार्य करती हुई, संचालन की व्यवस्था है। जैसा रोमियों 8:2 कहता है, जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने तुम्हें पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। कुछ अनुवाद कहते हैं "मुझे स्वतंत्र कर दो" जो इसे पौलुस की व्यक्तिगत गवाही बना देते हैं - हर तरह से, हम स्वतंत्र हैं।

यहेजकेल 36:27 आत्मा की इस व्यवस्था का वर्णन करता है: "मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उनके अनुसार करोगे"। पौलुस ने फिलिप्पियों 2:13 में इस व्यवस्था के प्रभाव को भी दर्शाया है: "क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।"

"मुक्त होना" का ग्रीक शब्द एक शक्तिशाली शब्द है। रोमियों 6:18 और 6:22 में, यह वाक्यांश "पाप से स्वतंत्र होना" में प्रकट होता है। रोमियों 8:2, में इसका क्रिया रूप कुछ ऐसे की ओर इंगित करता है जो उसी क्षण किया जाता है। रोमियों 8:2 का न्यू लिविंग अनुवाद यह है, "क्योंकि आप उसके हैं, जीवन देने वाली आत्मा की शक्ति ने आपको पाप की शक्ति से मुक्त कर दिया है जो मृत्यु की ओर ले जाती है।"

अधिकांश लोगों को यह पसंद नहीं है कि कोई उन्हें बताए कि उन्हें क्या करना है।

हालांकि, कल्पना कीजिए कि मैंने आपके चर्च में रविवार की सुबह 11:00 बजे से आरंभ करके दोपहर 3:00 बजे तक प्रचार किया, फिर आपको निम्नलिखित आदेश दिया "अभी लंच पर जाओ"। जो मैंने कहा उसे करने पर आप रोमांचित महसूस करेंगे - आपकी पेट की भूख आपको आदेश मानने के लिए मजबूर करेगी।

मैं कुछ मसीहियों से मिला हूँ जो आखिरकार अनिच्छा से, रुक-रुक कर, नाराजगी के साथ परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते हैं, क्योंकि एक स्वार्थी आंतरिक बल प्रभु का विरोध करता है। ये लोग घृणा के साथ कहते हैं, ठीक है परमेश्वर मैं ऐसा करूँगा"।

नहीं! यह परमेश्वर का तरीका नही है। उनकी पवित्र आत्मा तुम्हारे भीतर काम करेगी ताकि तुम भजनकार के साथ कह सको, "हे मेरे परमेश्वर मैं तेरी इच्छा पूरी करने से प्रसन्न हूँ; और तेरी व्यवस्था मेरे अंतःकरण में बसी है" (40:8)। आप हर्ष और खुशी से पालन करेंगे क्योंकि आपके अंदर कुछ हुआ है: "जीवन देने वाली आत्मा की सामर्थ्य ने मुझे पाप की शक्ति से स्वतंत्र कर दिया है जो मृत्यु की ओर ले जाती है।"

.....

मई 23 **दिन - 143**

आप कितने मुक्त हो सकते हैं?

******

क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। रोमियों 8:2

जैसे-जैसे मेरी माँ बुजुर्ग होती गई, मैंने उनसे अधिकांश बार मिलने का फैसला किया। वह सैनफोर्ड फ्लोरिडा में रहती थी और मैं लीवुड कैनसस में रहता था। एक जनवरी, कैनसस सिटी क्षेत्र में शून्य से छब्बीस डिग्री नीचे तापमान का अनुभव करने के बाद, मुझे लगा कि यह माँ से मिलने का समय है। मैंने अलग-अलग जगहों पर तीन हफ्तों की रिवाइवल सेवा बुक की थी और मेरे पास सिर्फ एक ही सप्ताह खाली बचा था।

मैंने सोचा, क्या एक सप्ताह के भीतर कैनसस से फ्लोरिड़ा जाना और फिर वापस आना - 26000 मील - उचित होगा। यदि मैं चल के जाता तो नहीं पहुँच पाता।यदि में जॉगिंग करके जाता तो भी नहीं पहुँच पाता। यदि मैं बच्चों के खेल "जॉइंट स्टेप्स" का व्ययस्क रूपांतरण करता तो भी यह नहीं हो सकता था। जब से मैं पैदा हुआ हूँ, मैं एक ऐसे नियम से बंधा हुआ हूँ जिसे मैं कभी नहीं तोड़ पाया - गुरुत्वाकर्षण का नियम।

उस नियम के नीचे खिंचाव का मतलब यह होगा कि मेरे सबसे बड़े और तेज कदम हमेशा इतने सीमित होंगे कि एक सप्ताह में 2600 मील की दूरी तय नहीं हो सकेगी। मुझे लगा कि मेरी माँ को देखने के लिए फ्लोरिडा जाने की कोशिश करने का भी कोई फायदा नहीं है।

उस समय, मेरे एक मित्र ने मेरा ध्यान इस ओर आकर्षित किया: "क्या आपने उस उच्च नियम-वायुगतिकीय का नियम नहीं सुना है? हमारे पास अब जेट विमान है।" उसने जारी रखा, "यदि आप इस नए नियम के लिए पूर्ण विश्वास में अपने आप को प्रतिबद्ध करेंगे, तुम पुराने नियम से मुक्त हो जाओगे। मैंने इसे आजमाने का फैसला किया।

जल्दी ही मैं एक शक्तिशाली जेट पर सवार था जो रनवे पर दौड़ रहा था। अचानक गुरुत्वाकर्षण के अधोमुखी खिंचाव ने अपनी शक्ति खो दी और वायुगतिकीय के नियम ने मुझे मुक्त कर दिया। पंद्रह मिनट में, मैं 32,000 फीट की ऊंचाई पर था और तीन घंटे में, आरलैंडो में मेरी सॉफ्ट लैंडिंग हुई। हाँ, वायुगतिकीय के नियम ने मुझे गुरुत्वाकर्षण के नियम से मुक्त कर दिया।

प्रेरित पौलुस चाहता है कि आप और मैं एक समान "मुक्त करने" की शक्ति को जानें।

- "पाप और मृत्यु की व्यवस्था (नियम)" - दिलों में काम करने वाली एक आत्मिक शक्ति।
- "आत्मा की व्यवस्था जो जीवन देती है" - मानव ह्रदयों में काम करने वाली एक आत्मिक शक्ति।
- "मुक्त होना" एक मजबूत शब्द, जो रोमियों 6:18 ("पाप से मुक्त होना") के समान है।
- "मुक्त होना" - कुछ ऐसा जो पल में होता है, थोड़ा-थोड़ा करके नहीं।

अगर मैं अंत में यह अनुभव करने के लिए उत्साहित था कि "वायुगतिकीय के नियम" ने मुझे "गुरुत्वाकर्षण के नियम" से मुक्त कर दिया तो यह इतना रोमांचक था कि 2 सितम्बर की रात, जब

मेरे नए मसीह जीवन के एक साल बाद और दृष्टिकोण और स्वभाव में शेष आत्म-केंद्रितता के नीचे की ओर खिंचाव के साथ संघर्ष के बाद - परमेश्वर की पवित्र आत्मा की व्यवस्था ने मेरे दिल को पाप और मृत्यु की व्यवस्था से मुक्त कर दिया।

.....

मई 24 **दिन - 144**

केवल, अगर आप चल रहे हैं तो

******

.... इसलिये कि व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए। रोमियों 8:4

.... जिससे कि हमारे द्वारा, जो देह की भौतिक विधि से नहीं, बल्कि आत्मा की विधि से जीते हैं, व्यवस्था की आवश्यकताएँ पूरी की जा सकें। रोमियों 8:4|

लोगों का केवल एक ही समूह है जो व्यवस्था की उचित आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा करता है (ध्यान दें रोमियों 8:4 "आंशिक रूप" से नहीं कहता है - यह "पूर्ण रूप से" कहता है)। यह वे समूह है जो आत्मा के अनुसार "जीते" या "चलते" हैं। एक बार जब आत्मा ने आपको "पाप और मृत्यु" की व्यवस्था से मुक्त कर दिया है, तो आपको उसके बाद आत्मा में कदम दर कदम चलने की आवश्यकता होगी या गलातियों 5:25 के अनुसार आपको "आत्मा के अनुसार चलने" की आवश्यकता होगी। कितने लोग जो कभी आत्मा से भरे हुए थे, आत्मा के अनुसार चलने में असफल रहे हैं?

चलिए कल के जेट विमान के चित्रण पर वापस आते हैं। कल्पना कीजिए कि वायुगतिकीय के नियम के मुझे गुरुत्वाकर्षण के नियम से मुक्त करने के बाद, मैं दो घंटे से 32,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा हूँ। जॉर्जिया राज्य के ऊपर से उड़ते समय, मैं कई बिंदुओं पर असंतुष्ट महसूस करने लगता हूँ:

- बारह लोगों ने मुझसे यह बताने के लिए संपर्क नहीं किया कि मैं कितना अद्भुत हूँ।
- विमान के आंतरिक भाग में एक बदलाव की जरूरत है।
- विमान के भोजन की गुणवत्ता में गिरावट आई है (यदि आप मूंगफली को भोजन कह सकते हो)।
- पायलट शायद मुझसे बेहतर महसूस करता है क्योंकि वह विमान को लाखो मिल उड़ा चुका है और मैंने कभी भी एक इंच नहीं उड़ाया है। मुझे लगता है कि उसका रवैया होशियारी वाला है।

मुझे ऐसा बनने की जरूरत नहीं है - मैं बहुत होशियार हूँ। मैंने कभी जेट नहीं उड़ाया है लेकिन मुझे यकीन है कि अगर मुझे करना होता तो मैं कर सकता था। तभी मैंने ध्यान दिया कि मेरी सीट के बगल में आपातकालीन निकास द्वार है।

मैं लाल हैंडल को हटाता हूँ, क्यूब को एक ओर खींचता हूँ, और यह घोषणा करते हुए विमान से कूदता हूँ, "मैं अपने दम पर ऑरलैंडों के लिए उड़ान भरने जा रहा हूँ।"

बेशक, मैं टकराकर मर जाता हूँ। क्यों? एक साधारण कारण से: जैसे ही मैं वायुगतिकीय के नियम से स्वयं को हटाता हूँ, गुरुत्वाकर्षण का नियम ही मेरे जीवन को नियंत्रित करने की एकमात्र शक्ति बचता हैं।

और ऐसा ही आत्मिक क्षेत्र में भी है। यह ऐसा ही है जैसे मैं परमेश्वर के कार्य में सक्रिय था, लेकिन निम्नलिखित कारणों से चर्च से असंतुष्ट हो गया:

- रविवार की सुबह बारह लोगों ने मुझे यह बताने के लिए संपर्क नहीं किया कि मैं कितना अद्भुत हूँ।
- चर्च में हरा कालीन बिछाया जबकि मैं जानता था कि बबलगम गुलाबी रंग सबसे अच्छा होगा।
- पॉटलक खाना वैसा नहीं होता जैसा पहले हुआ करता था।
- कलीसिया का अगुवा निश्चिंत है कि वह सही है। वह हमेशा किसी न किसी एंजेडे या अन्य को आगे बढ़ा रहा है (आपको यह तय करना होगा कि वह अगुवा प्रभु है या पादरी)।

यहाँ क्या हो रहा है? यह सरल है: जैसे ही हम अपने आपको "जीवन की आत्मा की व्यवस्था (नियम)" से हटाते हैं पाप और मृत्यु की व्यवस्था ही हमारे जीवन को नियंत्रित करने के लिए एकमात्र सकती बचती है।

क्या आप इसे देखते हैं? "व्यवस्था की धर्मी आवश्यकताएं" "तब ही" पूरी तरह से हम में पूर्ण हो सकती है यदि हम आत्मा में चल रहे हैं।

.....

मई 25 **दिन - 145**

मीठी सुगंध

******

क्योंकि हम परमेश्वर के निकट उद्धार पानेवालों और नाश होनेवालों दोनों के लिए मसीह की सुगंध है।
2 कुरिन्थियों 2:15

हमारे वार्षिक कुकिंग प्रतियोगिता में चिली व्यंजन के चौदह बर्तनों ने पूरे चर्च भवन में मुँह में पानी भरने वाली सुगंध फैला दी। दूसरी ओर रसोई के काउंटर से टूटे हुए अंडों की गंध आ रही थी, जो कई दिनों से वहाँ पड़े हुए थे - वह भयानक था।

प्रत्येक मामले में, उत्पन्न गंध इस बात पर आधारित थी कि गहरे स्तर पर क्या हो रहा था। हम में से जो, परमेश्वर के अनुग्रह से, विजयी रूप से मसीह का अनुसरण कर रहे है, "अपने ज्ञान की सुगंध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है" (2 कुरिन्थियों 2:14)। जब हम सबकुछ मसीह और उसके मिशन को गहरे दिल के स्तर पर सौंप देते हैं, तो सुगंध परमेश्वर और लोगों दोनों के लिए दृष्टिगोचर है। हमारे आसपास के लोग जो गंध महसूस करते हैं वह उनकी अपनी दिल की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है (2:16)।

इवान और जोडी द्वारा मसीह को स्वीकार किए ग्यारह दिन हो चुके हैं। इवान बताता है कि उसके पास शांति की एक नई भावना है, और जोडी का कहना है कि वह शांत महसूस करती है। जोडी ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि, "वर्षों से, मुझे यह सोचने पर मजबूर किया गया था कि आप अपने विश्वास को साझा नहीं कर सकते - क्योंकि यह एक निजी मामला है। लेकिन मैं पूरे सप्ताह काम पर लोगों को बता रहा हूँ कि प्रभु ने हमारे लिए क्या किया है और कोई भी क्रोधित नहीं हुआ है"।

इवान और जोडी के जीवन में एक मीठी सुगंध है, जैसे कि उनके पास जो उनके साथ मसीह को साझा करते हैं। आप किस तरह की सुगंध को छोड़ रहे हैं?[62]

---

62. पहले ये 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 15 में प्रकाशित हुई। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया।

.....

मई 26 **दिन - 146**

थोड़े में विश्वासयोग्य रहना, भाग - 1

******

उसके स्वामी ने उससे कहा, "धन्य, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनंद में सहभागी हो।
मत्ती 25:21

परमेश्वर के साथ विश्वासयोग्यता एक बड़ी बात है। इस बात को पवित्र शास्त्र में कई जगह दोहराया गया है:

- मत्ती 24:46-47 "धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते पाए। मैं तुम से सच कहता हूँ वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा।"
- लूका 16:10 - "जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी अच्छा है।"
- लूका 19:17 "तू बहुत ही थोड़े में विश्वासयोग्य निकला अब दस नगरों पर अधिकार रख।"

इन सभी मामलों में, वर्तमान विश्वासयोग्यता का परिणाम अधिक फलदाई होता है।

पॉल को सेवकाई करने करने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह सेमिनरी में संघर्ष कर रहा था।

अंत में उसने खुद को पूरी तरह से परमेश्वर को सौंप दिया, और परमेश्वर ने उसे पूर्ण रूप से पवित्र किया। ग्रेजुएशन पर, कई चर्चों ने उसे पादरी होने के लिए बुलाया। अंत में उसने बड़े चर्चो से आने वाले बुलावों को दरकिनार कर दिया क्योंकि उसने महसूस किया कि उसे छियालीस सदस्यों वाले चर्च की पादरी के रूप में अगुवाई करनी है।

चर्च में अद्भुत लोग थे - लेकिन वे कभी थोड़ा बढ़ते और कभी घटते। पॉल ने पूरे दिल से अपने काम में खुद को झोंक दिया और प्रार्थना करना, अध्ययन करना, प्रचार करना और बुलाना शुरू कर दिया। एक दिन उसने प्रार्थना में विनती की, हे परमेश्वर, इस चर्च को आशीष दें।"

प्रभु ने उसे उत्तर दिया: "यदि तुम वास्तव में चाहते हो कि मैं इस चर्च को आशिषित करूँ तो तुम मिशन के लिए कम से कम एक हजार डॉलर जुटाकर शुरू कर सकते हो।"

कई वर्ष बीत गए थे और चर्च ने मिशन के लिए कभी भी एक हजार डॉलर नहीं जुटाये थे। पॉल ने जवाब दिया, "लेकिन परमेश्वर यदि हमें मिशन के लिए एक हजार डॉलर जुटाना है, तो मुझे सौ डॉलर देने होंगे।" वह डर गया था - उसके पास सौ डॉलर नहीं थे।

परमेश्वर ने कहा नहीं, मैं तुमसे दो सौ डॉलर देने के लिए कहने जा रहा हूँ।

पॉल परेशान हो गया। उसके पास भी दो सौ डॉलर नहीं थे। लेकिन फिर उसने सोचा, यदि वह एक कार खरीदना चाहे और उसके पास पैसे न हो, तो वह लोन लेगा। यदि वह राजा यीशु का आदर करना चाहता है तो मिशन के लिए क्यों न लोन लिया जाए? वह अपने बैंक गया और उसका साक्षात्कार बैंक अध्यक्ष के साथ निर्धारित किया गया। अध्यक्ष ने उससे सवाल किया, "एक प्रचारक दो सौ डॉलर उधार क्यों लेना चाहेगा?"

आप एक बैंक के अध्यक्ष को कैसे समझाएंगे जिसका रुझान स्थानीय व्यापार निवेश है कि आप वह अपने चर्च को देंगे और वे इसका उपयोग मोजांम्बिक, पापुआ न्यू गिनी और पेरू में मिशनरी काम के लिए करेंगे। पॉल ने उसे 160 से अधिक देशों में अस्पतालों, स्कूलों, चर्चो और परमेश्वर द्वारा बदले गये जीवनों के बारे में बताया। बैंकर ने उसे लोन दिया और कहा, "मैं इस तरह के कार्यक्रम में विश्वास रखता हूँ। दान में देने के लिए यह रहा मेरा चेक।"

पॉल ने उसका चेक लिया, चर्च को चुनौती दी और उन्होंने एक हजार डॉलर से अधिक जुटाए। परमेश्वर देख रहे थे, और उन्होंने एक चर्च और एक पादरी को देखा जो थोड़े में विश्वासयोग्य था। अब वह उन पर बड़ी चीजों के लिए भरोसा रख सकते थे।

.....

मई 27 **दिन - 147**

थोड़े में विश्वासयोग्य रहना, भाग - 2

******

उनके स्वामी ने उससे कहा, "धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनंद में सहभागी हो।
मत्ती 25:21

मिशन की भेंट के बाद, पॉल का चर्च बढ़ने लगा - उपस्थिति सत्तर, अस्सी, नब्बे फिर बढ़कर एक सौ बीस हो गया। उन्हें जगह की कमी होने लगी। इसलिए पॉल ने चर्च के अगुवों को एक साथ इकट्ठा किया और पूछा, "क्या हमें अपने प्रयासों में कटौती करनी चाहिए या हमें बड़े सुविधाओं की तलाश करनी चाहिए"। अगुवे बढ़ना चाहते थे।

पॉल का संप्रदाय देश भर के प्रमुख स्थानों में मसीही लिबरल आर्ट्स कॉलेजों को स्थापित करने के लिए जाना जाता था,

और वे यूनाइटेड स्टेट्स के मध्य भाग में एक नया निर्माण करने की योजना बना रहे थे - वह क्षेत्र जहाँ पॉल का चर्च स्थित था। पॉल ने अपने बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात की और साथ में, उन्होंने स्थानीय बिजनेस नेताओं से नए कॉलेज के लिए भूमि दान करने के लिए कहने का फैसला किया। जल्द ही, स्थानीय लीडर जमीन के भू-भाग को दान देने के लिए तैयार हो गये - अस्सी एकड़ क्षेत्र अंतरराज्य से थोड़ा दूर स्थित, जिसकी कीमत लाखों डॉलर थी - संप्रदाय के लिए एक उपहार के रूप में ताकि वे उस पर अपना नया कॉलेज बनाएंगे।

सांप्रदायिक लीडरों से संपर्क किया गया, व्यवस्था की गई, इमारतों का निर्माण किया गया और पॉल के चर्च के लिए भूमि का हिस्सा देने का प्रावधान किया गया। चर्च ने एक बड़ी इमारत बनाने के लिए जगह का इस्तेमाल किया। नए कॉलेज का विकास हुआ, पॉल के चर्च का विकास हुआ, और जल्द ही उन्हें और बड़ी जगह की जरूरत हुई। बैंक के अध्यक्ष ने इसके लिए एक लाख डॉलर का उपहार दिया।

जैसे-जैसे कॉलेज बढ़ता गया, शहर बढ़ता गया और अधिक से अधिक लोग चर्च की ओर आकर्षित होते गए। पॉल की अगुवाई के उन्नीस वर्षों के बाद, सदस्यता बड़ी और चर्च संप्रदाय में सबसे बड़ा चर्च बन गया।

संप्रदाय की 1993 की महासभा में, पॉल, जो अपने जीवन में केवल एक चर्च के पादरी थे उन्हें महाअधीक्षक चुना गया - संप्रदाय में सबसे महत्वपूर्ण विश्वव्यापी अगुवाई का पद। उन्होंने सोलह वर्षों तक उस पर सामर्थ्यशाली अगुवाई की। परमेश्वर को एक आदमी मिला जो थोड़े में विश्वासयोग्य था, इसलिए परमेश्वर ने उसे कई चीजें सौंपी। पॉल एक ऐसा व्यक्ति था जिस पर परमेश्वर भरोसा कर सकते थे।

वह व्यक्ति पॉल कनिंघम थे; कॉलेज मिडअमेरिका नाज़रीन यूनिवर्सिटी है: और चर्च ओलाथे कैनसस में कॉलेज चर्च ऑफ द नाज़रीन था।

परमेश्वर आप पर कितना भरोसा कर सकते हैं?

.....

मई 28 **दिन - 148**

आत्मा आपके द्वारा जो करेगा

******

परंतु स्तिफनुस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखा। वे स्तिफनुस पर पथराव करते रहे और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा, "हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर"। फिर घुटने टेककर ऊँचे शब्द से पुकारा, "हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा।" और यह कहकर वह सो गया। शाऊल उसके वध में सहमत था। प्रेरितों के काम 7:55, 59-60, 8:1a

11 सितम्बर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ एक सुनियोजित हमले में आतंकवादियों द्वारा चार कमर्शियल विमानों का अपहरण कर लिया गया था। न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दो विमानों ने हमला किया और दो हजार से अधिक लोग मारे गए। एक और विमान वाशिंगटन डीसी में पेंटागन से टकराया।

सुबह 9:28 बजे, चौथा विमान, फ्लाइट 93, आतंकवादियों द्वारा अपहरण कर लिया गया, जो इसे देश की राजधानी में दुर्घटनाग्रस्त करने का इरादा रखते थे। 9:57 बजे यात्री टॉड बीमर चिल्लाया, "चलो शुरू करें।" और आतंकवादियों से विमान पर नियंत्रण हासिल करने के लिए उसने चार्ज लिया।

10:03 बजे, विमान 563 मील प्रति घंटे की रफ्तार से पेन्सिलवेनिया के शैक्सविल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सभी सवार मारे गए। वे उड़ान के समय वाशिंगटन डीसी से केवल अठारह मिनट दूर थे - अमेरिकी संसद भवन और उसके लोग बच गए।

ऐसा क्या है जो कुछ लोगों को इतना शक्तिशाली और महान काम करने में सक्षम बनाता है यहाँ तक कि वीरतापूर्ण कार्य भी? अब हम टॉड बीमर के बारे में निम्नलिखित विवरण जानें: उनका पालन पोषण एक ईश्वरीय मसीही घर में हुआ था। उसने एक मसीही स्कूल व्हीटन कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उसने एक धर्मपरायण महिला लिसा से विवाह किया। दुर्घटना से कुछ समय पहले, वह अपने पुरुषों के शिष्यता समूह के साथ 'अ लाइफ ऑफ इंटीग्रिटी' का अध्ययन कर रहा था। उसने शिकागो में, एक एयर-फोन ऑपरेटर लिसा जेफरसन को फोन किया और उन्होंने एक साथ लॉर्ड्स प्रेयर (प्रभु की प्रार्थना) की। विमान के अपहरण के मध्य में, उसने प्रार्थना की, "यीशु मेरी मदद करें"। उस प्रार्थना के कुछ ही समय बाद उसने कहा, "चलो शुरू करें" कॉकपिट हमले की अगुवाई की।

टॉड बिमर की वीरता के पीछे, हम एक संबंध की खोज करते हैं।

यद्यपि सभी कार्य इतने वीरतापूर्ण नहीं है, पवित्र शास्त्र हमें पवित्र आत्मा की सहायता और सामर्थ्य के द्वारा अच्छे कार्यों को पूरा करने वाले लोगों के कई उदाहरण दिखाता है:

- हम इसे पतरस (प्रेरितों के काम 4:8-12) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, उसने साहसपूर्वक, सताने वाले अधिकारियों का सामना किया और केवल मसीह के द्वारा ही उद्धार की घोषणा की।
- हम इसे स्तिफनुस (प्रेरितों के काम 7:55-60) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, उसने यीशु को स्वर्ग में देखा और उन लोगों की क्षमा के लिए प्रार्थना की जो उसे पत्थरवाह कर रहे थे।

- हम इसे मसीहीयों के एक समूह (प्रेरितों के काम 4:31-35) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, उन्होंने अपनी संपत्ति तब तक बाटी जब तक कि उनके बीच कोई जरूरतमंद व्यक्ति न बचा।
- हम इसे बरनबास (प्रेरितों के काम 11:24) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, उसने बड़ी संख्या में लोगों को प्रोत्साहित किया जो प्रभु के पास लाए गए थे।
- हम इसे पौलुस (प्रेरितों के काम 13:9-12) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, उसने सीधे दुष्ट इलीमास की ओर देखा और उसे डांटा।
- हम इसे फिलिप्पुस (प्रेरितों के काम 6:1-5, 8:26-30) में देखते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होकर, इथोपिया की रानी के खजांची को मसीह तक पहुंचाया।
- हम इसे शाऊल में देखते हैं, जिसने आत्मा से परिपूर्ण स्तिफनुस पर पत्थरवाह होते हुए देखा और इतना प्रभावित हुआ कि उसने मसीह को स्वीकार कर लिया और पौलुस बन गया।

सूची बहुत लंबी हो सकती है। पवित्र आत्मा लोगों को महान, भले और अनुग्रहकारी कार्य करने की शक्ति देता है।

यह आज जेनी पर सही बैठता है। जब वह दो महीने की थी तब उसके माता-पिता ने उसे छोड़ दिया था। उसने ग्यारह साल की उम्र में ड्रग्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। एक किशोर के रूप में, उसे चौबीस बार गिरफ्तार किया गया था।

जेनी को एफबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह आजीवन कारावास की सजा काट रही थी, जब मार्च 6, 2005 को वह एक आजीवन मसीही के माध्यम से यीशु से मिली। मसीह ने उसे उन्नीस साल की नशे की लत से छुड़ाया और परमेश्वर के अनुग्रह से उसे बदल दिया। अपने रूपांतरण के पाँच महीने बाद, जब जेनी "बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर द स्पिरिट फिल्ड एंड सेन्टीफाइड लाइफ" का अध्ययन कर रही थी और डिटॉक्स प्रोग्राम में अपने अंतिम तीस दिन बिता रही थी, तो उसने पवित्र आत्मा की पूर्णता के उपहार को ग्रहण किया और संपूर्ण पवित्रता का अनुभव किया।

आज जेनी, एक दीक्षित सेवक है और कैनसस सिटी चर्च में पादरी के रूप में कार्यरत है। इस लेखन के समय, उसने पवित्रीकरण अध्ययन के माध्यम से अभी-अभी बारह युवाओं की अगुवाई करना समाप्त किया है। उसने जिस सेमिनरी में भाग लिया, उसमें उसने इवांजलिज्म अवार्ड जीता। जेनी का जीवन और सेवकाई पवित्र आत्मा द्वारा संचालित है। पवित्र आत्मा आपके द्वारा क्या करेगा?

.....

मई 29 **दिन - 149**

सबसे अच्छा उपहार

******

"अतः जब तुम बुरे होकर अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा।" लूका 11:13
तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएं क्यों नहीं देगा! मत्ती 7:11

किसी अन्य व्यक्ति ने आपको अब तक का सबसे अच्छा उपहार क्या दिया है? परमेश्वर आपको उस प्रकार के उपहार से अधिक देगा - वह आपको पवित्र आत्मा देगा। मत्ती में हमारा समानांतर अवतरण हमें बताता है कि परमेश्वर "अच्छे उपहार" देते हैं। इस प्रकार, हम मान सकते हैं कि पवित्र आत्मा सभी अच्छे उपहारों में सबसे अच्छा है। इस पवित्र आत्मा से आप आत्मा द्वारा पैदा हो सकते हैं, आत्मा से भरे हुए हैं और आत्मा की अगुवाई में है।

प्रार्थना का अब तक का सबसे प्रभावशाली उत्तर का अनुभव मुझे तब हुआ जब मैं अपने पहले चर्च में पास्टोरिंग (पुरोहिताई) कर रहा था। हमारा चर्च विकसित हो रहा था, और मैंने बेव और फ्लोयड में बहुत निवेश किया था। फ्लोयड को बचा लिया गया था, वह चर्च में शामिल हो गया था और बोर्ड के लिए चुन लिया गया था।

एक साल से अधिक समय तक चर्च में पूरी तरह से शामिल रहने के बाद, फ्लोयड ने एक रविवार दोपहर मुझसे मिलने के लिए कहा। मुझे पूर्णतया सदमा देते हुए, उसने कहा, "बेव और मैं चर्च छोड़ रहें हैं"।

"क्यों" मैंने पूछा। "क्या तुम मुझसे किसी बात को लेकर नाराज हो?"

फ्लोयड ने कहा, "हाँ, लेकिन मैं आपको इस बारे में नहीं बता रहा हूँ।"

मैंने कहा, यदि आप मुझे नहीं बताओगे कि यह किस बारे में है, तो मैं इसे कैसे ठीक करूंगा। मैं सिर्फ यह कह सकता हूँ कि मैं इसके बारे में प्रार्थना करूँगा"।

"आप जो चाहे प्रार्थना कर सकते है। हम जा रहे हैं"। ऐसा कहकर फ्लोयड ने मुझे हमारे सहायक संगठन में से एक के कोषाध्यक्ष के रिकॉर्ड सौंपे।

मैं उदास हो गया था। मैं वापस पारसोनेज में गया और अपनी पत्नी को बताया। हमें हाल ही में एक बड़े चर्च के पादरी होने के लिए आमंत्रित किया गया था - आकार से दोगुना, पारसोनेज दोगुना, वेतन दोगुना। मैंने इसे ठुकरा दिया था, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर की इच्छा हमारे लिए हमारे वर्तमान कार्य को जारी रखने के लिए थी। लेकिन फ्लोयड के साथ मेरी बातचीत के बाद, मैंने नैन्सी से कहा, "अगर यहाँ के लोग हमारे बारे में ऐसा महसूस करते हैं तो शायद यह हमारे लिए आगे बढ़ने का समय है।

नैन्सी ने उत्तर दिया, "मैं शैतान को आपको यह सोचने के लिए चाल चलने नहीं दूंगी कि हर कोई कैसा महसूस करता है। ऐसा दो लोगों को लगता है"।

मुझे एहसास हुआ कि वह सही थी। मैं अपने प्रार्थना कक्षा में गया और दरवाजा बंद कर मैंने प्रार्थना की,

"प्रभु, मैं इस चर्च को अपमान में छोड़ने के लिए तैयार हूँ अगर यह आपके राज्य को आगे बढ़ाएगा - या मैं रहूँगा और लड़ूँगा। मुझे बताएं कि क्या करना है।"

उस क्षण में, एक बुलडॉग की छवि मेरे मन की आँखों से होकर गुजरी। मैं बुलडॉग के बारे में जानता हूँ: वे चाहे कुछ भी हो जाए कायम रहते हैं।

"ठीक है, प्रभु मैं रहूंगा", मैंने कहा। "लेकिन फ्लोयड के बारे में क्या?"

प्रभु ने मुझसे कहा, मैं फ्लोयड से बात करूंगा।

"अच्छा" मैं चिल्लाया।

तब परमेश्वर ने मुझे एक और निर्देश दिया: सात दिनों तक किसी को भी इसके बारे में मत बताना।

निश्चय ही, सातवें दिन फ्लोयड मेरे पास आया। "क्या आपने किसी को बताया कि मैंने चर्च छोड़ दिया है?" उसने पूछा।

मैंने उससे कहा कि मैंने नहीं बताया है।

फ्लोयड ने कहा, "यदि आपने किसी को भी नहीं बताया है तो, बेव और मैंने रुकने का फैसला किया है। मैं अपने कोषाध्यक्ष के रिकॉर्ड वापस ले जाऊंगा"।

मैं उस चर्च में तीन और साल रहा। पिछले वर्ष तक चर्च अपनी उच्चतम स्थिति, उच्चतम सदस्यता और उच्चतम वित्तीय देने के स्तर पर था। फ्लोयड चर्च कार्य में गहराई से लीन हो गया और हमारे निर्माण कार्य में एक प्रमुख शक्ति बन गया। अगले वर्ष, हमारे पास एक सुंदर आराधना स्थल और शैक्षिक यूनिट था।

मुझे खुशी है कि मैं रुका और सात दिनों तक इंतजार किया। मैं आभारी हूँ कि परमेश्वर ने फ्लोयड से बात की। और जब से मैं प्रार्थनाओं से भर गया हूँ, मैंने परमेश्वर को कई प्रार्थनाओं का उत्तर देते हुए देखा है।

.....

मई 30 **दिन - 150**

पवित्र आत्मा का कार्य समाप्त नहीं हुआ था

******

और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है कि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ। अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है।

इफिसियों 3:19-20

मैंने फ्लॉयड और बेव पर आत्मा की अगुवाई को देखकर बहुत कुछ सीखा। जब आप उदास होते हैं तो राय बना लेना आसान होता है। जब उन्होंने मुझे बताया कि वे चर्च छोड़ रहे है, तो मैंने सोचा, क्या लोग हमारे बारे में ऐसा सोचते हैं - जबकि वास्तव में, केवल फ्लॉयड और बेव को ही ऐसा लगता था। मैंने सीखा कि जब आप थके हुए, घबराए हुए बीमार या उदास होते हैं तो आपको कभी भी एक बड़ा निर्णय नहीं लेना चाहिए। (हालांकि जैसा कि किसी ने एक बार मजाक में कहा था "ऐसा हर बार होता है")

मेरी प्रार्थना का एक हिस्सा, "फ्लॉयड के बारे में क्या"? रहता था। जब हमने नये चर्च भवन का निर्माण समाप्त किया, फ्लॉयड ने मेरे पास आकर कहा, "पास्टर, मुझे मुझे मिशीगन में एक अच्छी नौकरी की पेशकश हुई है।

मुझे लगता कि मुझे इसे लेने की आवश्यकता है। अब हमारे तीन बच्चे हैं। मैं अच्छी तरह से शिक्षित नहीं हूँ, और यहाँ मेरा वेतन कम है। हमें आगे बढ़ने की जरूरत है।"

"फ्लॉयड मुझे तुम्हें जाते हुए देखना पसंद नहीं है - तुम मेरे लिए एक बेटे की तरह हो। लेकिन मैं समझता हूँ।"

फ्लॉयड और बेव के जाने से पहले, वे हमें एक बेहतरीन रेस्टोरेंट में ले गए जहाँ कैनसस सिटी में आने के बाद हमने पहले कभी खाना नहीं खाया था। पार्सोनेज (पादरी का निवास स्थान) में फ्लॉयड घबराकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया। कुछ पलों के बाद, उसने आखिरकार मुझसे कहा, "पास्टर शेवर, आप सबसे महान व्यक्ति हैं जिन्हें मैं जानता हूँ"। यह सच नहीं था लेकिन यह जानकर कि उन्होंने मेरे बारे में पहले कभी ऐसा सोचा था, मुझे खुशी हुई कि उसे ऐसा लगा था।

फ्लॉयड का परिवार मिशीगन चला गया और फ्लॉयड ने अपनी नई नौकरी शुरू की। कुछ ही दिनों के भीतर उसे, अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी। नौकरी उससे उच्चतम स्तर की थी। उसने बेव के साथ शोक व्यक्त किया - उन्हें अब आगे क्या करना चाहिए? उसने महसूस किया कि उसके कौशल सीमित थे।

फ्लॉयड बैंक गया और बैंक आवर्स के बाद उसे फर्श की सफाई करने का काम मिल गया। फिर उसे बैंक तक रासायनिक संसाधित ट्रैक रग्स (कालीन) को सप्लाई करने का कांट्रेक्ट मिला। उसे कालीनों को लॉन्ड्रोमैट ले जाना पड़ा क्योंकि वे बेव की वाशिंग मशीन में धोने के लिए बहुत भारी थे। जब वह वहाँ था, उसने लॉन्ड्रोमैट की स्तिथि पर ध्यान दिया और उसे उनके फर्शों को साफ करने और ट्रैक रग्स के सप्लाई करने का कांट्रेक्ट मिल गया। इसके बाद, उसे हार्डवेयर और किराने की दुकान का भी काम मिला।

इस बीच वह परिवार अपने स्थानीय चर्च में शामिल हो गया, जो मेरे चर्च से दोगुना बड़ा था। फ्लॉयड को चर्च बोर्ड और एक प्रमुख समिति की अगुवाई करने के लिए चुना गया।

जब मैंने उन्हें यह जानने के लिए फोन किया कि वे कैसा कर रहे हैं, बेव ने कहा कि फ्लॉयड चर्च में बहुतायत से दे रहा था। मैंने फ्लॉयड से पूछा कि उसका सफाई का कारोबार कैसा चल रहा था।

"ओह," उसने कहा, "मैंने उसे बेच दिया। अब मैं इस शहर में शॉपिंग मॉल का मालिक हूँ। मॉल में कपड़ों के स्टोर को संचालित करता हूँ। मेरे पास शहर में, यहाँ से उत्तर दिशा में एक और कपड़ों की दुकान है।"

कुछ समय पहले मैं मिशिगन कैंप की एक बैठक में बेव और फ्लॉयड से मिला। वे दोनों खुश थे और यीशु के लिए जोशपूर्ण थे।

अपने प्रारंभिक प्रार्थना में मैंने परमेश्वर से पूछा था, "फ्लॉयड के बारे में क्या"? जवाब में प्रभु, "जितना हम माँग सकते या कल्पना कर सकते हैं उससे कहीं अधिक बहुतायत से देने में सक्षम हैं"। पवित्र आत्मा का फ्लॉयड के साथ कार्य अभी तक समाप्त नहीं हुआ था। उसका कार्य आपके साथ भी समाप्त नहीं हुआ है।

.....

मई 31 **दिन - 151**

आपको पवित्र आत्मा के सामर्थ्य की जरूरत है

******

जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है; मैं उसको तुम पर उतारूँगा और जब तक स्वर्ग से सामर्थ्य न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो। लूका 24:49

डी. एल. मूडी के चर्च के सामने की सीट पर दो महिलाएं बैठी थीं। सेवा के अंत में, उन्होंने उनसे (डी. एल. मूडी) से कहा, "हम आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं"।

मूडी ने पूछा, "आप लोगों के लिए प्रार्थना क्यों नहीं करते?"

महिलाओं ने जवाब दिया, "क्योंकि आपको पवित्र आत्मा की सामर्थ्य की जरूरत है।" वे मूडी से बात करने के लिए आई और प्रार्थना की कि वह पवित्र आत्मा से भर जाए।[63]

यीशु को अपने शिष्यों के लिए भी ऐसी ही चिंता थी। उन्होंने पहले ही उन्हें प्रतिज्ञा की हुई पवित्र आत्मा आने के बारे में बताया था (यूहन्ना 14-16)। यीशु का अनुसरण करने में उनकी विश्वासयोग्यता अस्थिर थी। कभी-कभी वे सभी सहमत होते थे: अन्य बार, वे इस पर बहस करते कि उनमें से कौन बड़ा था, उच्च सम्मान आशा रखता था, या दबाव पड़ने पर मसीह को त्याग देता था।

लूका 24 में यीशु का पुनरुद्धार हुआ और उन्होंने शिष्यों को कुछ अंतिम निर्देश दिए। वे जानते थे कि उनके लिए एक विशिष्ट स्थान पर जाना और परमेश्वर के सामने प्रतीक्षा करना सबसे अच्छा था - उनके गवाह होने के महान कार्य के लिए उन्हें मसीह की सामर्थ्य की आवश्यकता होगी। उन्होंने आज्ञा मानी और पवित्र आत्मा की सामर्थ्य परिपूर्ण हो गए (प्रेरितों के काम 1:8 और 2:1-4)।

अठारह साल की उम्र के आसपास, ड्वाइट मूडी को उनके संडे स्कूल के शिक्षक मिस्टर कीमबॉल द्वारा जूते की दुकान के पीछे जहाँ मूडी काम करते थे, मसीह के पास लाया गया। उसके बाद उनका सारा जीवन बदल गया। उन्होंने कहा, "मेरे रूपांतरण से पहले मैंने क्रूस की ओर काम किया, लेकिन तबसे मैंने क्रूस से काम किया है, फिर मैंने बचाए जाने के लिए काम किया, अब मैं काम करता हूँ क्योंकि मैं बचाया गया हूँ।"[64]

मूडी शिकागो चले गए और उन्होंने एक संडे स्कूल शुरू किया जो बढ़कर 1,500 हो गया। आखिरकार उन्होंने प्रचार करना शुरु कर दिया।

वह उस देश में मसीही कार्यकर्ताओं के तरीकों का अध्ययन करने के लिए इंग्लैंड चले गए।

हेनरी वर्ली को यह कहते हुए सुनकर वह गहन मसीही अनुभव के लिए तीव्र इच्छा रखने लगे, "दुनिया को अभी यह देखना बाकी है कि परमेश्वर उस व्यक्ति के साथ और उसके लिए और उस के माध्यम से और उसमें और उसके द्वारा क्या करेंगे[65] जो पूर्ण रूप से उन्हें समर्पित है।"

मूडी शिकागो में आग लग जाने के बाद उसके पुनर्निर्माण के लिए धन इकट्ठा करने के न्यूयार्क शहर गये। लेकिन उनका दिल काम में नहीं था। उन्होंने बाद में बताया, "मैं हर समय रो रहा था कि परमेश्वर मुझे अपनी आत्मा से भर देंगे। खैर, एक दिन न्यूयार्क शहर में.... मैं केवल इतना कह सकता हूँ कि परमेश्वर ने खुद को मुझ पर प्रकट किया, और मुझे उनके प्यार का ऐसा अनुभव हुआ कि मुझे उनसे उनके हाथ को बनाए रखने के लिए कहना पड़ा। मैं फिर से प्रचार करने लगा। उपदेश अलग नहीं थे..... फिर भी सैकड़ों रूपांतरित हुए।"[66]

मूडी ने ब्रिटिश द्वीपों और संयुक्त राज्य अमेरिका बीच आते-जाते रहे। ग्लासगो में उन्हें चालीस हजार लोगों ने प्रचार करते सुना। उनका अंतिम क्रूसेड कैनसस सिटी में था;

वहाँ उनके दिल में कुछ परेशानी होने लगी और वे घर लौट आए, जहाँ उनकी मृत्यु हो गई। 1899 में उनके कुछ अंतिम शब्द थे, "यह मेरी जीत है। यह मेरा राज्याभिषेक दिवस है। मैं वर्षों से इसका इंतजार कर रहा हूँ।"[67]

पवित्र आत्मा की सामर्थ्य यीशु के शिष्यों के लिए; ड्वाइट मूडी के लिए; आपके और मेरे लिए उपलब्ध है।

---

64. लॉसन, डीपर एक्सपीरियंस ऑफ़ फेमस क्रिश्चियनस, 342
65. लॉसन, डीपर एक्सपीरियंस ऑफ़ फेमस क्रिश्चियनस, 345-46
66. लॉसन, डीपर एक्सपीरियंस ऑफ़ फेमस क्रिश्चियनस, 348

.....

जून 1 **दिन - 152**

इसे अपना ही घर समझें

******

....और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे | इफिसियों 3:17a

यहाँ एक वाक्यांश है जिसने मुझे इफिसियों के लिए पौलुस की महान प्रार्थना ने परेशान किया, (3:14-21)। इफिसियों की कलीसिया कोई समस्या वाली कलीसिया नहीं थी; ये लोग अच्छे और सच्चे मसीही थे। पौलुस ने उनके लिए आत्मा के द्वारा बलवंत होने के लिए (3:16) और प्रेम में स्थापित होने के लिए (3:17) प्रार्थना की। यह समझ में आता है, लेकिन यह प्रार्थना करना कि "मसीह तुम्हारे हृदय में बसे" उन लोगों के लिए जो पहले से ही मसीह को स्वीकार कर चुके हैं, समझ में नहीं आता है।

इसका उत्तर "बसना" शब्द की समृद्धि को समझने में निहित है। बाइबिल के विद्वान विलार्ड टेलर कहते हैं: "ग्रीक में "बसना" के लिए शब्द, एक शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है "वास करना", "स्थायी निवास करना"। मसीह इसलिए अतिथि के रूप में, अस्थीर रूप से ठहरने के लिए, नहीं आते हैं बल्कि एक स्वामी के रूप में अपने उचित घर में रहने के लिए आते हैं।[68]

हम अपने देश में एक अभिव्यक्ति का उपयोग करते है: "इसे अपना ही घर समझें।" यह मेहमानों को खुद को उतना ही आराम से और सुखद रहने की अनुमति देता है जितना वे अपने-अपने घरों में होते हैं।

एक सुसमाचार प्रचारक के रूप में मैंने बहुत यात्राएं की हैं। मैंने कई सूटकेस पैक किए हैं और कई अयाजकीय लोगों के घरों में रहा हूँ। मैं उन सैकड़ों लोगों का आभारी हूँ जिन्होंने नि:स्वार्थ प्रेम से मेरे लिए अपने घर खोले हैं। अक्सर मेरे पहुंचने पर, मुझे गेस्ट बेडरूम दिखाया गया और कहा गया, "डॉ. शेवर, कृपया इसे अपना ही घर समझें"। मैंने सामान को खोलना शुरू किया और एक सूट और दो स्पोर्ट कोट को अलमारी में टांगने के लिए निकाला, तब मुझे पता चला की अलमारी मौसम के अगले बदलाव में परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले कपड़ों से भरा हुआ था। मैंने अपना सूट और स्पोर्ट कोट को बिस्तर पर तब तक रखा जब तक कि मुझे कोई समाधान नहीं मिल गया। मैंने अपनी कमीजों को अनपैक किया, उन्हें सावधानीपूर्वक फोल्ड किया ताकि उनमें शिकन न हो।

मैं चार कमीजों को रखने के लिए दराजों को खोलता हूँ और देखता हूँ कि सभी दराज़, सामानों से भरे हुए हैं। मैं क्या करूं? जब रिवाइवल सभा समाप्त हो जाती है और मैं अपने घर लौट जाता हूँ तो यह भरी हुई अलमारी या एक भरा हुआ दराज़, कोई समस्या नहीं होती है। घर के मालिक के रूप में, मुझे जगह बनाने के लिए अलमारी या दराज़ से कपड़े हटाने की पूरी स्वतंत्रता है। इस जगह मैं स्वयं को सचमुच घर में महसूस करता हूँ।

पौलुस इसलिए प्रार्थना कर रहा है कि जिन इफिसियों ने मसीह को अपने हृदयों में ग्रहण कर लिया है, वे और गहरे उतरें - कि वे विश्वास के द्वारा उन्हें अपने भीतर निवास करने और उनके हृदयों में पूर्णतया बसने देंगे। किसी ने कई मसीहीयों के जीवन में एक बार कहा था कि "मसीह निवासी है, लेकिन वह अभी तक स्वामी नहीं है।" इसे दूसरे तरीकें से कहें तो - क्या मसीह एक मेहमान है, या वह घर के स्वामी हैं?

इस प्रकार, मसीहीयों को मसीह जीवन के एक गहरे आयाम में प्रवेश करना है जिसमें वे आत्मा द्वारा सशक्त है (3:16) और परमेश्वर की परिपूर्णता से भरे हुए हैं (3:19) - वे मसीह को अपने दिल और जीवन का पूर्ण स्वामित्व देना चाहते हैं। क्या आप यीशु से ईमानदारी से कह सकते हैं, "मेरे हृदय को अपना घर समझें?

.....

जून 2 **दिन - 153**

हॉल कोठरी को सौंपना

******

की विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे। इफिसियों 3:17a

मैंने जिन ईश्वरीय प्रोफेसरों के अधीन काम किया है, उनमें से एक रॉबर्ट बॉयड मंगर हैं। वह कई कारणों से प्रसिद्ध हैं, लेकिन वह अपनी पुस्तिका माई हार्ट - क्राइस्ट्स होम में मसीही जीवन के उनके ज्वलंत वर्णन के लिए जाने जाते हैं।

माई हार्ट - क्राइस्ट्स होम में, एक आदमी मसीह को अपने दिल में आमंत्रित करता है, फिर मसीह को अपने दिल के कमरों के दौरे पर ले जाता है। पुस्तकालय, वैचारिक जीवन को; भोजन कक्ष, भूख और इच्छाओं को; बैठक कक्ष, भक्तिमय जीवन को; कार्यशाला, प्रतिभाएं और योग्यता को और मनोरंजन कक्ष, सामाजिक जीवन दर्शाता है। वह व्यक्ति अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को मसीह को समर्पित कर देता है।

अंत में, वहाँ एक हॉल कोठरी है जिसमें ताला लगा हुआ है, जिसके अंदर मृत और सड़ी चीजें रखी हैं। आखिरकार, वह व्यक्ति सफाई और स्वामित्व के लिए उसे भी मसीह को सौंप देता है। फिर, वह पूरी संपत्ति को मसीह को मेहमान के रूप में नहीं बल्कि स्वामी के रूप में सौंप देता है। यह एक सशक्त संदेश देता है।

एक दिन कक्षा के बाद, डॉ. मंगर ने मुझे दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया। भोजन के दौरान डॉ. मंगर ने मुझसे प्यार से सवाल किया: "आप कैसे कहते हैं कि पवित्रीकरण एक चरम बिंदु है जबकि अन्य सुसमाचार प्रचारक जानते हैं कि यह एक प्रक्रिया है?"

"डॉ. मंगर," मैंने जवाब दिया, क्या आपको याद है। जब वह आदमी मसीह को उसके हृदय के हॉल कोठरी पर स्वामित्व की अनुमति दे देता है।

"हाँ", उन्होंने कहा।

मैंने जारी रखा, "क्या यह एक पल में होता है या यह एक प्रक्रिया है?

"ओह," उन्होंने जोर देकर हाँ, "यह एक पल में होता है!"

डॉ. मंगर, यही हम बात कर रहे हैं - यह एक पल में होता है। इतना ही नहीं मैंने पूरे देश में आपकी कहानी का प्रचार किया है और सैकड़ों लोगों को एक पल में आगे आते, घुटने टेकते, प्रार्थना करते और अपने हॉल कोठरी को मसीह को सौंपते देखा है।"

तुरंत ही, डॉ. मंगर की आँखों से आंसू छलक पड़े - इतने जोर से कि मुझे लगा कि वे मुझ पर आ पड़ेंगे उस पल में हम दोनों जान गएं कि जब उस पर प्यार में बात करते हैं तो हम दोनों एक ही बात को मानते हैं - समर्पण और सफाई एक पल में होती है, पहले और बाद में एक प्रक्रिया के साथ।

दोपहर के भोजन के बाद, मैं वापस गया और हॉल कोठरी की कहानी को फिर से पढ़ा। "(मसीह) दरवाजे के पास गये, उसे खोला, उसमें प्रवेश किया, उन सड़ने वाले सामान को बाहर निकाला जो वहाँ सड़न पैदा कर रही थीं और उन्हें दूर फेंक दिया। फिर उन्होंने कोठरी को साफ किया, उसे रंग दिया और एक पल में सब कुछ ठीक कर दिया"।69

क्या यह समय है कि आप अपने हृदय की कोठरी को मसीह को शुद्धिकरण और पूर्ण स्वामित्व के लिए समर्पित करें? यह अभी हो सकता है - यह आपके चुनाव पर निर्भर करता है।

---

69. रॉबर्ट बॉयड मंगर, माई हार्ट - क्राइस्ट्स होम (डाउनर्स ग्रोव, आईएल: इंटरवर्सिटी प्रेस, 1986), 25 - 26

.....

जून 3 **दिन - 154**

हमारे माँगने या कल्पना करने से अधिक

******

अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है...इफिसियों 3:20

एक बार, एक स्थानीय चर्च के पादरी ने मुझे अयाजकीय लोगों की सूची दी, जिनमें से प्रत्येक एक निश्चित क्षेत्र में उत्कृष्ट था। प्रत्येक पंक्ति "हर कोई नहीं" के साथ शुरू होती है।

हर कोई कैथी की तरह कॉफी केक नहीं बना सकता है।

हर कोई एड की तरह चीजों को ठीक नहीं कर सकता है।

हर कोई स्टेसी और शर्ली की तरह रात्रिभोज का आयोजन नहीं कर सकता है।

हर कोई हमारी स्तुति दल की तरह गा और बजा नहीं सकता है।

हर कोई केन की तरह मछली नहीं पकड़ सकता है।

हर कोई सुजेन की तरह बच्चों को नहीं पढ़ा सकता है।

हर कोई केविन की तरह लोगों का अभिवादन नहीं कर सकता है।

हर कोई जॉन और लेस्टर की तरह लोगों से मिलने नहीं जा सकता है।

लेकिन पिन्तेकुस्त के दिन, पवित्र शास्त्र यीशु के 120 अनुयायियों के बारे में कहता है, "वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए" (प्रेरितों के काम 2:4) हर कोई नहीं कर सकता.... लेकिन वे सभी पवित्र आत्मा से भरे हुए थे।

क्या आप जानते हैं कि हर कोई जो मसीह के पास आया है और आत्मा से पैदा हुआ है, वह गहराई तक जा सकता है और आत्मा से भर सकता है? इससे पहले, हमारे इफिसियों 3:14-21 की प्रार्थना में, वचन 19 का अनुवाद इस प्रकार किया गया है, "ताकि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक पूर्ण हो जाओ"।

एक बार, जब मैंने मसीहियों से आग्रह किया कि वे आगे बढ़े और "आत्मा से भरें", तो एक कुछ हद तक क्रोधित युवक ने मुझे चुनौती दी। वह चिल्लाया, "आपका, आत्मा से भरें कहने का क्या मतलब है"? क्या आपको लगता है कि पवित्र आत्मा विभाजित है? क्या आपको आधा पवित्र आत्मा तब मिलता है जब आप परिवर्तित होते हैं और पूर्ण पवित्र आत्मा तब मिलता है जब आपका पवित्रीकरण होता है?"

"नहीं", मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं लगता कि पवित्र आत्मा विभाजित है। आपके परिवर्तन के क्षण से, आत्मा आप सभी को अपने अधिकार में लेना चाहता है। लेकिन जब तक आपके दिल का एक हिस्सा उसके पूर्ण नियंत्रण से दूर है, आप भरे नहीं जा सकते। यह समस्या पवित्र आत्मा की समस्या नहीं है – यह आपकी समस्या है।"

उन सभी प्रार्थनाओं के बारे में सोचें जो पौलुस ने इफिसियों के मसीहियों के लिए और आपके लिए की हैं:

- ताकि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवंत होते जाओ (3:16)।

- ताकि विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे (3:17)।
- ताकि तुम समझ सको कि मसीह के प्रेम की चौड़ाई और लंबाई और ऊंचाई और गहराई कितनी है (3:18)।
- ताकि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ (3:19, एनआएसवी)।

ये सभी क्रियाएं इंगित करती है कि परमेश्वर एक पल में क्या करेंगे।

आपकी प्रतिक्रिया कुछ इस तरह हो सकती है, "यह बहुत अधिक है — मैं अपनी आत्मिक जीवन में उस स्थान तक कभी नहीं पहुंच सकता"। हालांकि, वचन हमें बताता है, "अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है" (3:20)। वह यह कर सकते हैं — जितना आप मांगते है या कल्पना करते है उससे भी ज्यादा।आप उस पर कब भरोसा करेंगे?

.....

जून 4 **दिन - 155**

मैं तुम्हारा मार्गदर्शन करूँगा

******

मैं तुझे बुद्धि दूँगा जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उस में तेरी अगुवाई करूँगा। मैं तुझ पर कृपा दृष्टि रखूंगा और सम्मति दिया करूँगा।भजन संहिता 32:8

कुछ हद तक डर के साथ, मैं अपने नए शिक्षण कार्य पर चर्चा करने के लिए डीन के कार्यालय में बैठ गया। अध्यक्ष विलियम ग्रेटहाउस ने कुछ महीने पहले मुझे फोन किया था और मुझे सुसमाचार प्रचार सिखाने के लिए सेमिनरी आने के लिए आमंत्रित किया था।

एक पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में हर हफ्ते एक नये चर्च में प्रचार करने के कार्य से, मैं प्रसन्न था। फिर भी जब फोन आया, मुझे तुरंत यह लगा कि यह मेरे लिए परमेश्वर की इच्छा थी।

अब, मैंने डीन मेंडेल टेलर के साथ वास्तविकता का सामना किया। मैंने कहा, "मैंने कभी भी पढ़ने की योजना नहीं बनाई। मैंने कभी भी शिक्षण की कोई भी कक्षा नहीं ली है — फिर भी मुझे लगता है कि परमेश्वर चाहता है कि मैं यह करूँ।

डीन ने पवित्र शास्त्र के वचनों से भरा हुआ एक डिब्बा मेरी ओर खिसकाया। "इसमें से एक निकालो" उन्होंने कहा। समझो, मेरे पास दो सेमिस्टर जितनी लंबी कक्षाएं थी और एक ही लेक्चर तैयार नहीं था। मैंने अव्यवस्थित ढंग से एक वचन निकाला। जिसमें लिखा था, "मैं तुझे बुद्धि दूंगा और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उसमें तेरी अगुवाई करूंगा: मैं तुझ पर कृपादृष्टि रखूंगा और सम्मति दिया करूंगा।"

और क्या परमेश्वर ने कभी मेरा मार्गदर्शन किया। देर रात अपनी मेज पर और स्पष्ट अलौकिक अगुवाई के साथ, मैंने अपने लेक्चर तैयार किएं। और क्या छात्रों ने कभी प्रतिक्रिया दी। इसके बाद तीस अनुग्रह से भरे हुए, आनंदमय शिक्षण के वर्ष बीते।

उस दिन डीन के कार्यालय में जो हुआ उसने आत्मा से भरे जीवन की एक बुनियादी विशेषाधिकार को दर्शाया - परमेश्वर की आत्मा द्वारा मार्गदर्शित होना। जैसा कि रोमियों 8:4 कहता है, "इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा द्वारा चलाए जाते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं"।

फिलिप्पुस को कूशियों की ओर मार्गदर्शन करने में, "आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले" (प्रेरितों के काम 8:29) फिलिप्पुस का वर्णन पहले से ही प्रेरितों के काम 6:3 में किया गया था: "हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो"।

क्या आप पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हैं? क्या आप जानते हैं कि इसका क्या मतलब होता है जब परमेश्वर कहते हैं, मैं तुम्हारा मार्गदर्शन करूंगा"?

.....

सहायक

******

मैं पिता से विनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे - अर्थात सत्य का आत्मा। यूहन्ना 14:16-17

फ्लोरिडा के ट्रेजर द्वीप पर वार्षिक पुनर्मिलन (रीयूनियन) के लिए बीस पारिवारिक सदस्य एकत्रित हो रहे थे। कुछ गाड़ी चला कर आ रहे थे, कुछ विमान द्वारा आ रहे थे। चैड का परिवार - दो वयस्क और चार बच्चे - विमान से पहुंचे। मेरे बेटे ने मुझे फोन किया और पूछा कि क्या मैं चैड को अपनी कार कुछ समय के लिए दूंगा ताकि वह किराने का सामान खरीद सके। मेरा बेटा, जो चैड की तुलना में मुझसे अधिक घनिष्ठ संबंध रखता था, चैड और उसके परिवार की ओर से विनती कर रहा था - वह उनकी वकालत कर रहा था।

यीशु जल्द ही अपने शिष्यों को छोड़ने वाले थे इसलिए उन्होंने अपने पिता से उन्हें पवित्र आत्मा देने के लिए कहा, जिसे उन्होंने अपने शिष्यों को "तुम्हारी मदद करने के लिए एक और सहायक" के रूप में वर्णित किया। चूँकि यीशु ने अपने शिष्यों की ओर से पिता से विनती की, पवित्र आत्मा यीशु की जगह ले लेगा और जिस प्रकार यीशु उनकी मदद करते थे उसी प्रकार वह भी करेगा।

पवित्र आत्मा को दुनिया के (परमेश्वर के बिना रहने वाले लोग) द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता था लेकिन केवल उन लोगों द्वारा स्वीकार किया गया जो मसीह का अनुसरण करते थे। वास्तव में, यह आत्मा उनमें वास करेगा।

इसके अलावा यीशु ने कहा, "परंतु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा" (यूहन्ना 14:26)। बाद में उन्होंने और अधिक विस्तार से बताया: "परंतु जब वह सहायक आएगा, जिसे मैं तुम्हारे पास पिता की ओर से भेजूंगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, तो वह मेरी गवाही देगा" (15:26)।

"सहायक" शब्द 1 यूहन्ना 2:1 में फिर से प्रयोग किया गया है: "हे मेरे बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसीलिए लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के समान हमारा एक सहायक है - अर्थात् धर्मी यीशु मसीह।" अब मसीह हमारा सहायक है। मसीहियों को पाप पर विजय में जीने की उम्मीद करनी चाहिए - लेकिन अगर पाप होता है, तो हम मामले को तुरंत यीशु के पास ले जा सकते हैं, जो पिता के सामने हमारे लिए विनती करेंगे।

हम निश्चिंत हो सकते हैं, "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)।

कल्पना कीजिए - पवित्र आत्मा आपका सहायक है। यीशु मसीह आपका सहायक है।

.....

जून 6 **दिन - 157**

तुम जान सकते हो

******

मैंने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिए लिखा है कि तुम जानो की अनंत जीवन तुम्हारा है। 1 यूहन्ना 5:13

मेरे कॉलेज का रूममैट लैरी सच्चाई की खोज में था। हालांकि उसका पालन-पोषण चर्च में हुआ था, उसके संस्कार उच्च थे और वह आत्मिक बातों की परवाह करता था, लेकिन वह निश्चित नहीं था कि वह एक मसीही था। एक कॉलेज बाइबिल अध्ययन समूह में भाग लेने के बाद, उसने देखा कि समूह के कई लोगों को उनके उद्धार का आश्वासन मिला था।

एक शोध वैज्ञानिक बनने की योजना बनाते हुए लैरी ने तर्कसंगत रूप से परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते को अपनाया। पुस्तकालय में अपने अध्ययन कक्ष में उसने लाइट बंद कर दी ताकि कोई और न देखें, और घुटने टेक दिए। वह परमेश्वर के वादों को पढ़ने लगा जैसे, "जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूंगा" (यूहन्ना 6:37), और "देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ" (प्रकाशितवाक्य 3:20)।

लैरी ने प्रार्थना की, "यदि आप वास्तव में वही हैं जो सुसमाचारों में होने का दावा करते हैं, तो मैं आपको अपने जीवन में खुद को प्रकट करने की अनुमति देता हूँ। और मैं कोई समय सीमा निर्धारित नहीं कर रहा हूँ।"

छह महीने बाद, लैरी ने कहा, "मेरे पास सभी आवश्यक सबूत थे। प्रार्थना परमेश्वर के साथ एक जीवंत बातचीत बन रही थी, और बाइबिल एक रोमांचक, जीवन बदलने वाली किताब बन गई, जैसे कि परमेश्वर मुझसे व्यक्तिगत रूप से बात कर रहे थे। मेरा पूरा दृष्टिकोण और चरित्र रूपांतरित हो रहा था"। परमेश्वर के वचन, एक बदले हुए जीवन और मसीह के उसके जीवन में काम करने के प्रमाणों के साथ, लैरी को पता चला कि वह एक वास्तविक मसीही था।

आज वह सुसमाचार का सेवक और उल्लेखनीय आत्मिक शक्ति का एक व्यक्ति है।

परमेश्वर चाहता है कि आप ये जानें कि आप एक मसीही हैं। यह 1 यूहन्ना में एक प्रमुख विषय है, जैसा कि 5:13 में लिखा है: "मैंने तुम्हें जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनंत जीवन तुम्हारा है।"

आप निम्नलिखित के द्वारा जान सकते हैं कि आप एक मसीही हैं:

- वचन की गवाही : "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है (1 यूहन्ना 1:9)। ध्यान दें कि परमेश्वर क्षमा करने और शुद्ध करने में विश्वासयोग्य है।
- इच्छा की गवाही: "पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है" (1 यूहन्ना 1:7)। जब मेरी इच्छाशक्ति की मेरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता यह

कह सकेगी कि "मैं उस ज्ञात प्रकाश में चल रहा हूँ जो परमेश्वर ने मुझे दी है," तब मुझे आत्मविश्वास होगा कि मैं एक मसीही हूँ।

- अनुसरण करने की गवाही – "उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे" (मत्ती 7:20)। आपका जीवन इसे दर्शाएगा।
- आत्मा की गवाही – "आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं" (रोमियों 8:16)। आत्मा आंतरिक आश्वासन, शांति और परमेश्वर के प्रति जागरूकता देता है ताकि आप जान सकें कि आप परमेश्वर की संतान हैं।

चौदह हफ्ते पहले इस लेखन के रूप में, रोब ने यीशु मसीह को ग्रहण कर लिया। कुछ दिन पहले, मैंने रोब से पूछा कि वह कैसे जानता है कि वह एक मसीही है। जो शब्द उसने कहें वह इस प्रकार हैं -

मैंने अपना हृदय मसीह को दे दिया। मैं इसे अपने दिल में जानता हूँ। मेरे पास शांति और आत्मविश्वास है। मैं यीशु के साथ चल रहा हूँ और बात कर रहा हूँ। मेरा चलना अलग है। मैंने 19 फरवरी के बाद से कभी संदेह नहीं किया।

अदभुत, आश्चर्यजनक सत्य यह है कि आप जान सकते हैं कि आप एक मसीही हैं, कि आप बच गए हैं, और यह कि आप परमेश्वर के साथ सही हैं।

यह सबसे अच्छा है जब सभी चार गवाह एक साथ जीवन में शामिल हो जाते हैं।आपका यह आश्वासन पाना परमेश्वर को प्रसन्नता करता है"।

---

70. यह पहले 'स्टैंडर्ड, जून 5, 2016 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग) में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया।

.....

पवित्रीकरण का आश्वासन भी

******

तुम्हारा बुलाने वाला सच्चा है, और वह ऐसा ही करेगा। 1 थिसस्लुनिकियों 5:24

पिछले सौ वर्षों में, मेथोडिस्ट चर्च की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक ई. स्टेनली जोन्स थे। मसीह में रूपांतरित होने के बाद एक वर्ष तक वह बहुत आनंद में रहे। फिर उन्होंने पाया कि उनके प्राण के तह से बदसूरत गुस्सा, चिड़चिड़ापन और गहरे संघर्ष उठने लगे। उन्होंने एक गहरे संबंध के लिए परमेश्वर की तलाश की।

प्रभु ने उनसे कहा, "क्या तुम मुझे अपना सब कुछ दोगे"?

जोन्स ने उत्तर दिया, "हाँ प्रभु, निश्चित रूप से मैं दूंगा। मैं आपको अपना सब कुछ दूंगा - जो कुछ मैं जानता हूँ और जो कुछ मैं नहीं जानता हूँ।"

प्रभु ने उत्तर दिया, "फिर मेरा सब ले लो - पवित्र आत्मा ले लो।"

जोन्स ने इसे 'उनके सब कुछ के लिए मेरा सब कुछ' के रूप में देखा। उन्होंने उत्सुकतापूर्वक उत्तर दिया, "मैं पवित्र आत्मा ले लूंगा।" इस वादे के बिना किसी और सबूत के सिवाय परमेश्वर के वचन के वह प्रार्थना से उठे। संदेह उत्पन्न होने लगे लेकिन उन्होंने प्रार्थना के द्वारा उन्हें पीछे धकेल दिया।

जब वह कमरे में घूम रहे थे, परमेश्वर की आत्मा ने उनके दिल को देखा। बाद में उन्होंने गवाही दी, "अचानक मैं भर गया था - पवित्र आत्मा से भर गया था। एक के बाद एक लहर शुद्ध करने वाली आग की तरह आप मेरे ऊपर से गुजरती हुई प्रतीत हो रही थी..... मुझे पता था कि यह कोई गुजरने वाली भावना नहीं थी; पवित्र आत्मा हमेशा के लिए मेरे साथ रहने आया था। [71]

जॉन वेसली ने कहा, "इसलिए किसी को भी तब तक विश्वास नहीं करना चाहिए कि काम पूरा हो गया है जब तक कि पवित्र आत्मा द्वारा उसके पूरे पवित्रीकरण को उसके प्रमाणिकता के समान स्पष्ट रूप से देखने की गवाही न जुड़ जाए।[72] जब पतरस इस तथ्य को स्थापित कर रहा था कि परमेश्वर ने उन अन्यजातियों को भी स्वीकार किया जो उनसे डरते थे, पतरस ने वह भी बताया जो आत्मा ने यीशु के पहले के अनुयायियों के लिए किया था: "मन के जांचनेवाले परमेश्वर ने उनको भी हमारे समान पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी और विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध करके हम में और उनमें कुछ भेद न रखा" (प्रेरीतों के काम 15:8–9)। बाद में, यूहन्ना ने घोषणा की, "इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में; क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमें दिया है" (1यूहन्ना 4:13)।

गैरी स्थानीय किराने की दुकान का मैनेजर था वह एक साल से मसीह को जानता था, और उसका पादरी उसके मसीही विकास से खुश थे। चर्च के आत्मिक नवीनीकरण सेवाओं के दौरान, उसने 1 थिसस्लुनिकियों 5:23–24 में से संपूर्ण पवित्रीकरण पर एक उपदेश सुना। इसके बाद, वह प्रार्थना करने के लिए आगे आया।

"आप क्या चाहते हैं कि परमेश्वर आपके लिए करें?" प्रचारक ने पूछा।

"मैं चाहता हूँ कि वह मुझे पवित्र करें" गैरी ने जवाब दिया।

उन्होंने 1 थिस्सलुनिकियों 5:23-24 को पढ़ा: "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करें; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा।"

प्रचारक ने गैरी से आग्रह किया कि वह अपना पूरा क्षमा किया हुआ जीवन वापस परमेश्वर को सौंप दे और परमेश्वर से उसे किसी भी शेष आत्म-केंद्रितता से शुद्ध करने के लिए कहें। उन्होंने उसे विश्वास और बढ़ने और विश्वास करने के लिए कहा कि परमेश्वर ऐसा करेंगे। गैरी ने पूछा कि विश्वास का क्या मतलब है।

प्रचारक ने पूछा, "गैरी, तुम यहाँ प्रार्थना करने के लिए क्यों आए हो?"

"परमेश्वर ने मुझे बुलाया", गैरी ने उत्तर दिया।

"परमेश्वर ने तुम्हें क्यों बुलाया?"

"मुझे पवित्र करने के लिए"

"ठीक है, बाइबिल कहती है कि जिसने तुम्हें बुलाया है वह वफादार है, और वह ऐसा करेंगे। तुम्हें क्या लगता है कि वह कब करेंगे?"

"अभी इसी वक्त"! गैरी ने कहा।

तीस सेकंड और प्रार्थना करने के बाद, गैरी दमक रहा था। "ओह", उसने कहा, "मैं इसे जानता हूँ। यह बहुत बढ़िया है।"

ई. स्टेनली जोन्स, जॉन वेस्ली और गैरी के समान, आप जान सकते हैं कि परमेश्वर आपको पवित्र करते हैं: आप जान सकते हैं कि आत्मा अब आपको भरता है। मुझे अभी भरें।[73]

---

71. ई. स्टेनली जोन्स, अ साँग ऑफ ए सैंट्स (नैशविले: एबिंगडन प्रेस, 1968), 52-53

72. एच. आर्टन विले में उद्धृत, क्रिश्चियन थियोलॉजी ॥ (कैनसस सिटी, एमओ: बीकन हिल प्रेस, 1953), 514

73. पहले यह स्टैंडर्ड, जून 5, 2016 में प्रकाशित हुआ (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग)। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया।

.....

जून 8 **दिन - 159**

परमेश्वर ने इस मूसा को भेजा

******

जिस मूसा को उन्होंने यह कहकर नकारा था, "तुझे किसने हम पर हाकिम और न्यायी ठहराया है?" उसी को परमेश्वर ने हाकिम और छुड़ानेवाला ठहराकर, उस स्वर्गदूत के द्वारा जिसने उस झाड़ी में दर्शन दिया था, भेजा। (प्रेरितों के काम 7:35)

विडंबना है, है न, कैसे लोग परमेश्वर के चुने हुए प्रतिनिधियों को मना कर देते हैं? इजराइलियों ने मूसा को इंकार कर दिया: बहुत से भविष्यवक्ताओं ने पाया कि किसी ने उनकी नहीं सुनी; लोगों ने स्तिफनुस को भी ठुकरा दिया, यहाँ तक कि उसने उन्हें याद दिलाया कि यीशु को, जिसे उन्होंने क्रूस पर चढ़ाया था, परमेश्वर की ओर से भेजा गया था।

जॉन वेस्ली को पता था कि सुनने से इंकार किया जाना कैसे होता है। एक बार पत्थरवाह हुआ था; दूसरी बार उसके दुश्मनों ने उसे डंडे से पीटने की कोशिश की थी। अक्सर, उसे सेवक या अयाजकीय अगुवों से एक नोट प्राप्त होता था, जिसमें लिखा होता था, "श्रीमान, आपको अब इस स्थान पर प्रचार नहीं करना है।" फिर भी, जिन्होंने उसे सुना, वे बच गए। और अब, इतिहास हमें बताता है कि वेस्ली के उपदेश के बाद हुए रिवाइवल ने इंग्लैंड को भयानक क्रांति से बचाया।

हिंसक विरोध के बावजूद, एक व्यक्ति जो वास्तव में परमेश्वर की ओर से भेजा गया है, संदेश को पहुँचाने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लेता है। मूसा ने अपनी प्रजा को बँधुवाई से छुड़ाया; स्तिफनुस ने अपने अंतिम शब्दों को एक आश्चर्यजनक गवाह बनाया; वेस्ली ने उनके खिलाफ शत्रुता के बावजूद प्रचार किया।

वेदी से बोलने के लिए भेजे जाने वाले लोगों की उपेक्षा करके परमेश्वर के संदेश को अनदेखा करने के दोषी न हों।[74]

---

74. पहले ये "कम ये अपार्ट" जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 18 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)।

.....

परमेश्वर देरी क्यों करते हैं

******

प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कुछ लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले। 2 पतरस 3:9

तुम्हें पवित्र चाल चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए और परमेश्वर के उस दिन की बाट किस रीती से जोहना चाहिए और उसके जल्द आने के लिए कैसा यत्न करना चाहिए।

2 पतरस 3:11b -12a

कम से कम दो कारण, जिनके कारण परमेश्वर ने अपने दूसरे आगमन में देरी की है:

1. अधिक लोगों को पश्चाताप करने के लिए समय देने के लिए, उन लोगों सहित जिनके लिए आप गवाह होंगे।

2. हमें "पवित्र और ईश्वरीय जीवन जीने का अवसर देने के लिए।"

मुझे बहुत खुशी है कि यीशु ने अपने आगमन में थोड़ी देर कर दी है।

मुझे लगता था कि वह 1954 में आ सकते हैं - लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मैंने उन्हें 1955 में एक बीस-वर्षीय कॉलेज छात्र के रूप में ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया, क्योंकि अगले साल, बयालीस साल की उम्र में मेरी माँ ने मसीह को ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि चार साल बाद मेरे पिताजी ने उनसठ साल की उम्र में मसीह को ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मेरे दादाजी ने अठासी साल की उम्र में मसीह को ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मेरी दादी ने बयानवें साल की उम्र में मसीह को ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मेरे बेटे ने सतरह वर्ष की उम्र में मसीह को ग्रहण किया।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मेरे बेटी सत्ताइस साल की उम्र में प्रभु में वापस आई।

मुझे खुशी है कि उन्होंने इंतजार किया क्योंकि मेरी दूसरी बेटी तीस साल की उम्र में प्रभु के पास लौट आई।

कोई आश्चर्य नहीं पतरस ने कहा, "हमारे प्रभु के धीरज को उद्धार समझो" (2 पतरस 3:15)। यह निश्चित रूप से मेरे परिवार के लिए सच है।

लेकिन दूसरा तत्व भी है: "परमेश्वर के आगमन के दिन की प्रतीक्षा करते हुए आपको पवित्र और ईश्वरीय जीवन जीना चाहिए। पतरस ने इस मुद्दे को पहले ही स्थापित किया जब उसने लिखा, "पवित्र बनो क्योंकि मैं पवित्र हूँ" (1 पतरस 1:16)। लेकिन मेरे हृदय को कैसे पवित्र छिप जाने के

उन्मुख, गहरे छिपे स्वार्थ से अनजान - बनाया जा सकता है? एक बार फिर पतरस बोलता है: "मन के जांचनेवाले परमेश्वर ने उनको भी हमारे समान पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी और 'विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध करके' हम में और उनमें कुछ भेद न रखा (प्रेरितों के काम 15:8-9)।

आत्मा मेरे हृदय की गहराई में उतर गया और उसने विश्वास के द्वारा उसे शुद्ध किया। अब प्रतिदिन मैं "उसके साथ निष्कलंक, निर्दोष और शांति से रहने का हर संभव प्रयास" करता हूँ (2 पतरस 3:14) और अनुग्रह में बढ़ता हूँ (3:18) धन्यवाद, प्रभु प्रतीक्षा करने के लिए।

.....

जून 10 **दिन - 161**

निश्चित रूप से..... कुछ बचाए

******

तब यदि मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरें, तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूंगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूंगा। 2 इतिहास 7:14

1949 में, स्कॉटलैंड के तट पर हेब्राइड्स द्वीपों में स्थित बरवास नामक एक समुदाय में, छह प्रेस्बिटेरियन अयाजकीय लोग और उनके पादरी मिले। उन्होंने आस-पास के शहरों के आत्मिक जागरण के लिए प्रार्थना की, जहाँ के युवा लोग शायद ही कभी चर्च जाते हों। उनका वादा 2 इतिहास 7:14 था।

महीनों तक, सप्ताह की तीन रातों में प्रति रात छह घंटों के लिए, उन लोगों ने बिना किसी स्पष्ट परिणाम के परमेश्वर की तलाश की। अंत में, एक रात, समूह के एक व्यक्ति ने उन्हें याद दिलाया कि केवल शुद्ध हाथों और शुद्ध ह्रदय वाले लोगों को ही प्रभु से आशीष प्राप्त होगा (भजन संहिता 24)। वे फिर से अपने घुटनों पर आए और अपनी जरूरत को अंगीकार किया - और फिर परमेश्वर और पुनरुद्धार आया।

दो सप्ताह बाद, उनकी पुनरुद्धार सेवाओं की पहली रात को, कोई परिणाम नहीं निकला - लेकिन मसीही विश्वास में बने रहे। अगली रात की सेवा में एक पुलिसकर्मी ने बाधा डाली, उसने प्रचारक से कहा कि वह पुलिस स्टेशन आकर वहाँ रोती हुई भीड़ में सेवकाई करे। उस रात, उस पुलिस स्टेशन के पास लगभग छह सौ लोगों ने परमेश्वर को खोजा - जिन लोगों की आत्माओं को उस सेवा में जाते हुए दोषी ठहराया गया था। पाँच हफ्तों तक उस जगह में एक जागृति प्रवाहित होने लगी। फिर वह दूसरे शहरों में फैल गयी।

शराबखाने में शराब पीने वाले चौदह युवक रूपांतरित हो गये। एक गाँव में, बारह से बीस वर्ष के बीच के लगभग हर युवा ने अड़तालिस घंटे के भीतर मसीह के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

1952 तक, लगभग हर घर में पारिवारिक आराधना में पुनरुद्धार के परिणाम देखे जा सकते थे। आत्मा की पहली लहर में मसीह की ओर मुड़ने वाले सैकड़ों लोगों में से केवल चार ने प्रार्थना सभाओं में भाग लेना बंद कर दिया।

रूपांतरित लोगों द्वारा अस्सी से अधिक भजनों की रचना की गई। एक जगह, जागृति द्वारा प्रार्थना सभा में रविवार की सुबह लोगों की उपस्थिति 27 से 875 तक वृद्धि का कारण बना: "यदि मेरे लोग...[(75)]

---

(75) पहले ये 'हेरल्ड ऑफ होलीनेस' (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस, सितम्बर 30,1970), 20 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया (यह पब्लिकेशन 'होलीनेस टुडे' बन गया)।

.....

जून 11 **दिन - 162**

इंतजार करना

******

परमेश्वर ने कहा, "मैं तुझे कभी न छोड़ूंगा और न कभी तुझे त्यागूंगा।"
इब्रानियों 13:5
मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे संग हूँ। मत्ती 28:20
मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा; और उसने मेरी ओर झुककर मेरी दोहाई सुनी।
भजन संहिता 40:1

सर्जन को देरी हो रही थी। रोगी तैयार था लेकिन सर्जरी के लिए अभी भी तीसरे नंबर पर था। वह केवल इंतजार ही कर सकता था।

उसकी बेटी ने उसे मधुर और सुकून देने वाले संदेश को भेजा: "देरी के बहुत खेद है। यीशु आपके साथ प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

बार-बार, यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वह उनके साथ रहेंगे, अक्सर पवित्र आत्मा की उपस्थिति के माध्यम से। अपने आगामी सूली पर चढ़ाए जाने के आलोक में, उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनकी सभी परिस्थितियों में उनके साथ रहेंगे। वह आज मेरे साथ एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के साथ दोपहर के भोजन के दौरान एक महत्वपूर्ण, प्रार्थना सभा के लिए जाने का इंतजार कर रहे थे।

हम दोनों की प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया - हमें धैर्यपूर्वक प्रभु की प्रतीक्षा करनी है जब हम प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा करते हैं, तो यह उन्हें हमारे दिलों में गहरे हिस्सों को खोजने का अवसर देता है। और जब हम प्रतीक्षा कर रहे होते हैं तो हम उसकी आवाज सुन सकते हैं। ई. स्टेनली जोन्स ने मसीहीयों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वे 'मसीह की आवाज' को सुनें।

प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा करना विशेष रूप से मसीही के लिए महत्वपूर्ण है जो पवित्र करने वाली आत्मा की पूर्णता की तलाश में है। बहुत से लोग परमेश्वर का उत्तर प्राप्त करने से पहले इस बारे में प्रभु को खोजने में बिताये लंबे समय के बारे में बताते हैं। उसी प्रकार यीशु ने अपने समय के शिष्यों से कहा, "यरूशलेम को न छोड़ो, परंतु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो, जिसकी चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो। क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है परंतु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे"। (प्रेरितों के काम 1:4-5)।

यीशु आपके साथ इंतजार कर रहे हैं; परमेश्वर आपका इंतजार कर रहे हैं। आप प्रभु की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

.....

जून 12 **दिन - 163**

फुसफुसाने की दूरी

******

परंतु जब वह सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा परंतु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा, और आने वाली बातें तुम्हें बताएगा।यूहन्ना 16:13

फिर भूकंप के बाद आग दिखाई दी; तौभी यहोवा उस आग में न था; फिर आग के बाद एक दबा हुआ धीमा शब्द उसे सुनाई दिया यह सुनते ही एलिय्याह ने अपना मुंह चद्दर से ढांपा और बाहर जाकर गुफा के द्वार पर खड़ा हुआ। फिर एक शब्द उसे सुनाई दिया, "हे एलिय्याह तेरा यहाँ क्या काम?"? 1 राजाओं 19:12-13

हमारे वरिष्ठ वर्षों में, मेरी पत्नी और प्रिय नैन्सी को याददाश्त कमजोर होने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हम रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करने की कोशिश कर रहे थे।

हमने तय किया कि हम दोनों के लिए मेडिकअलर्ट ब्रेसलेट ऑर्डर करना सबसे अच्छा है, जिसमें चौबीस घंटे का फोन नंबर होता है अगर कोई हमें संकट में पाता है तो फोन करने के लिए। कई वेबसाइट पर पता करने और हमारी योजनाओं पर चर्चा करने के दस सप्ताह के बाद वह दिन आ गया जब मैं आर्डर करके ब्रेसलेट मंगाऊँगा। लेकिन इससे पहले मुझे एक विस्तृत प्रश्नावली भरनी थी और कैलिफोर्निया कार्यालय में एक फोन करना था। मैं इस फ़ोन कॉल के लिए तनाव महसूस कर रहा था, लेकिन तेजी से, मैं रोजमर्रा के मामलों में भी हर चीज के लिए प्रार्थना करना सीख रहा हूँ। इसलिए मैंने प्रार्थना की कि परमेश्वर मुझे फोन पर सही परामर्शदाता दें। एक सकारात्मक, करुणामय, एक घंटे की बातचीत में, एक अद्भुत दाता ने मुझसे आवश्यक जानकारी प्राप्त की और मेरे प्रश्नों का उत्तर दिया। एक हफ्ते से भी कम समय में हमारे पास हमारे उत्किर्ण ब्रेसलेट थे।

हर वसंत के मौसम में, नैन्सी हमारे लॉन और बगीचे को सजीव फूलों से सजाती है जिसे वह खरीदती और रोपित करती है। इस वसंत में अच्छी तरह से ऐसा करने के बाद जब भी वह देखती की सेल लगी है उसे और फूल खरीदने की एक अनिवार्यतता महसूस होती। कई दिनों तक ऐसी खरीदारी करने के बाद, वह मुझे एक और फूल दिखाने के लिए घर आई। मुझे लगा कि मैं उसे बहुत सारे फूल, अतिरिक्त कार्य और फूल पर खर्च किए बजट के बारे में बताऊं। बजाय ऐसा करने के मैं रुक गया और परमेश्वर से पूछा कि मुझे क्या कहना है। फिर मैंने एक धीमी आवाज सुनी "उसके फूल पर उसके साथ आनंद मनाओ। उसे बताओ कि वे कितने सुंदर हैं। एक और फूल की चिंता मत करो। यह उसे खुश कर देगा। और इसके अलावा, इतना अधिक खर्च नहीं हुआ है।"

और हम एक साथ हर्षित हुए। मैंने सैमुअल लोगन ब्रैंगल की भक्तिमय पुस्तक, टेक टाइम टू बी होली: "अब यदि आप आशीष (संपूर्ण पवित्रीकरण) रखना चाहते हैं तो आपको अपने हृदय को लगातार प्रकाश के लिए परमेश्वर की ओर उठाना होगा, न केवल जीवन के संघर्षों में बल्कि उसकी हर छोटी से छोटी चीज में। अभ्यास से, आप इसकी ऐसी आदत में पड़ जाएंगे कि यह आपके लिए सांस लेने की तरह स्वाभाविक हो जाएगा..... परमेश्वर से हमेशा फुसफुसाने की दूरी बनाए रखें।" [76]

यही मैं कहना चाहता हूँ: "परमेश्वर से हमेशा फुसफुसाने की दूरी बनाए रखें।"

---

(76) सैमुअल लोगन ब्रैंगल, टेक टाइम टू बी होली, ईडी. बॉब हॉस्टेटलर (कैरल स्ट्रीम, ॥; टिंडेल मोमेंटम, 2013), 200

.....

जून 13 **दिन - 164**

परिपूर्ण हो - परिपूर्ण रहो

******

दाखरस से मतवाले न बनों, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।
इफिसियों 5:18

आफ्टरग्लो: द एक्साइटमेंट ऑफ बीइंग फील्ड विद द स्पिरिट, बिली ग्राहम संगठन के लिए डिसीजन मैगजीन के पूर्व संपादक शेरवुड वर्ट की एक उत्कृष्ट पुस्तक का शीर्षक है। यह आत्मा से भरे होने के उनके स्वयं के अनुभव की और उन अन्य लोगों की जिनके साथ उन्होंने संगति की है या जिनकी उन्होंने सेवा की है, की कहानी है।

इफिसियों 5:18 में पौलुस का उपदेश, "आत्मा से परिपूर्ण हो जाओ" वर्तमान काल में है। विचार आत्मा से परिपूर्ण रहने का है। बेशक, आप तब तक भरे नहीं रह सकते जब तक कि ऐसा कोई क्षण न हो जब आप पहली बार भरे जाएं। लेकिन एक बार जब आप पहली बार भर जाएं, तो यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप भरे रहें। शेरवुड वर्ट उस समय के बारे में निश्चित हैं जब वह भर गए थे: जब मैंने पवित्रशास्त्र पढ़ा, मेरे रूपांतरण पर परमेश्वर की शक्ति के सभी संसाधन मुझे उनकी आत्मा द्वारा उपलब्ध कराए गये थे। मैं बस उनका इस्तेमाल नहीं कर रहा था!

और क्या मुझे पता है कि मैं कब पवित्र आत्मा से भर गया था? निश्चित रूप से, हाँ। यह तब हुआ जब मैंने प्रभु से मुझे मार्ग से हटाने के लिए, मुझे सूली पर चढ़ाने के लिए और मुझे अनेक प्यार से भरने के लिए कहा।

"मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है" (गलतियों 2:20)[77]

शेरवुड वर्ट ने प्रेरितों के काम 1:8 की सच्चाई को महसूस किया: "परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और मेरे गवाह होगे।" वर्ट ने यह गवाही भी दी: "एक युवक जो सूर्यास्त के बाद आया,

उसने परमेश्वर से उसे अजनबियों के लिए मसीह का एक बेहतर गवाह बनाने के लिए कहा। अगले दिन वह एक रेस्तरां में नाश्ते के लिए रुक गया। काउंटर पर उसके पास बैठे व्यक्ति ने उससे कहा, "आप ऐसे लग रहे हैं जैसे कल रात आपने बहुत अच्छा समय बिताया है' यह एक खुला आमंत्रण था और उसने उसे स्वीकार किया।"[78]

वर्ट आत्मा द्वारा प्रदान की गई प्रेम शक्ति से प्रभावित हुए: "परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा; यदि हम आपस में प्रेम रखें, तो परमेश्वर हम में बना रहता है और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है। इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में क्योंकि उसने अपनी आत्मा में से हमें दिया है" (1 यूहन्ना 4:12-13)। वर्ट कहते हैं: "अगर यह सच है, तो पवित्र आत्मा प्रेम है। आत्मा की शक्ति प्रेम की शक्ति है। आत्मा की साँस प्रेम की साँस है। आत्मा का अभिषेक प्रेम का अभिषेक है, आत्मा का बपतिस्मा, प्रेम का बपतिस्मा है, प्रेम का बपतिस्मा है। आत्मा का भरना प्रेम का भरना है।[79]

यह प्रेम पास्टोरल अगुवाई का प्रमुख कारक भी है।वर्ट लिखते हैं, "जब एक सेवक अपनी मंडली से प्यार करता है, वास्तव में लोगों से प्यार करता है, और उस प्यार का संचार करता है ताकि उन्हें संदेश मिले, तो वह अपनी किस्मत खुद लिख सकता है। मेरा मतलब है उस चर्च की प्रभावी क्षमता की कोई सीमा नहीं है।"[80]

आत्मा से परिपूर्ण होना बहुत महत्वपूर्ण है। वर्ट एक पादरी के बारे में निम्नलिखित कहानी बताते हैं:

मेरे एक पादरी मित्र जिन्होंने पुनरुद्धार पाया था उनसे उनके चर्च के एक सदस्य ने पूछा, रेवरन, आप हर समय आत्मा से भरे रहने के बारे में बात करने पर क्यों जोर देते हैं?

मेरा मित्र गंभीर था! "क्योंकि" उसने कहा, "मैं रिसता हूँ।"[81]

रोमियों 5:5 कहता है, "क्योंकि पवित्र आत्मा हमें दिया गया है, उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में उंडेला गया है"। इस वचन ने भी वर्ट पर एक जबरदस्त प्रभाव डाला। उन्होंने इसे इस तरह समझाया:

मैं उस अभिव्यक्ति 'उंडेला गया' के बारे में सोचने लगा। मुझे ऐसा लग रहा था कि मेरे जीवन को एक गिलास के रूप में वर्णित किया जा सकता है (पुराने दिनों में इसे शायद "पात्र" कहा जाता था)। मैंने देखा कि परमेश्वर के पास एक सुनहरा घड़ा है, और वह उस गिलास को जीवित जल से भरने का प्रस्ताव करते हैं। वह इसे भरना चाहते हैं और इसे तब तक भरते रहते हैं जब तक कि लबालब न हो जाए। वह चाहते हैं कि यह आसपास के अन्य गिलासों में छलक जाए और वह गवाही है....

जब पानी ऊपर से बहने लगे, तो यीशु के बारे में बात करना आसान हो जाता है। परमेश्वर सब कुछ तैयार करते हैं; वह मिलने का समय निर्धारित करते हैं, साक्षात्कार की व्यवस्था करते हैं, रुचि को उजागर करते हैं, परिणाम लाते हैं।

समस्या यह थी कि परमेश्वर मेरा गिलास नहीं भर सके। स्रोत को लेकर, कोई समस्या नहीं थी; अनंतता के फव्वारी कुएँ कभी खत्म नहीं होते। समस्या मेरे साथी थी। मेरे गिलास में पहले से ही पानी था और वह प्रदूषित था। तल पर तलछट पड़ी थी। इसे उल्टा करके खाली करना जरूरी था।

यीशु ने यूहन्ना 7:38, 39 में कहा था जो उन पर विश्वास करते हैं, उनमें से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी। वह पवित्र आत्मा के बारे में बात कर रहे थे।

पर परमेश्वर शुद्ध पानी को अशुद्ध पानी के साथ नहीं मिलाएंगे। वह अपने सुनहरे घड़े में से तब तक नहीं उंडेलेंगे।

जब तक कि हमारा गिलास सुख नहीं जाता। वह अपने प्रेम को उस दिल में नहीं भेजेंगे जो पहले से ही स्वयं से प्रेम करता है, या अपनी शक्ति को मानव शक्ति के तहत संचालित जीवन में नहीं भेजेंगे।

अब मैंने और अधिक रूप से जाना कि पौलुस का यह कहने का क्या अर्थ था, "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।"[82]

प्रेम और परिपूर्णता का जीवन आपका इंतजार करता है जब आप आत्मा से भरे जाते हैं - जब आप आत्मा से भरे जाते हैं।

77. शेरवुड वर्ट, 'आफ्टरग्लो: द एक्साइटमेंट ऑफ बिइंग फील्ड विद द होली स्पिरिट (ग्रैंड रेपिड्स) जोन्डरवेन, 1976), 39

78. वर्ट, आफ्टरग्लो, 65

79. वर्ट, आफ्टरग्लो, 93

80. वर्ट, आफ्टरग्लो, 95

81. वर्ट, आफ्टरग्लो, 71

82. वर्ट, आफ्टरग्लो, 114 -115

.....

जून 14 **दिन - 165**

लोगों ने विश्वास किया

******

और लोगों ने उनका विश्वास किया; और यह सुनकर कि यहोवा ने इजराइलियों की सुधि ली और उनके दु:खों पर दृष्टि की है, उन्होंने सिर झुकाकर दण्डवत किया। निर्गमन 4:31

वह सिर्फ एक युवा प्रचारक था, और उसका प्रचार करने वाला सहयोगी उससे थोड़ा सा ही बड़ा था। सच कहूँ, तो वे डरे हुए थे। यह केवल सप्ताहांत का रिवाइवल ही था - ज्यादा समय नहीं था। लेकिन उन्होंने देखा कि लोग रिवाइवल के बारे में बात कर रहे हैं। और प्रार्थना की सामर्थ्य बहुत स्पष्ट थी। किशोर प्रार्थना और उपवास कर रहे थे।

शनिवार को दोनों ने प्रचार किया, और विजय प्राप्त हुई। रविवार की सुबह युवा प्रचारक ने बात की।जब वह लोगों को वेदी पर आमंत्रित करने की बात पर आया, उसने सोचा, मैं यह भी नहीं जानता था कि ऑल्टर कॉल कैसे देते हैं। लेकिन कांपते हुए उसने निमंत्रण दिया।

अंतिम भजन के पहले पाँच नोट्स से पहले, पहला अन्वेषक आया - एक बड़ा आदमी जो वेदी पर इतनी जोर से आया कि वह किरचों में टूट गया। फिर हर जगह से लोग आए - भजन के सभी वचनों पर - तब भी जब गीत तीसरी बार गाया गया। सभी वेदियाँ भर गई। और उनके पीछे, आगे की सीटें भी भर गई। उस सुबह, अनुग्रह से छह तलाक रूक गये - उन जोड़े ने परमेश्वर और एक दूसरे को प्यार किया। बहुतों को बचाया गया और उनके हर पाप क्षमा किये गए - और उन्होंने विश्वास किया"।

मूसा और हारून बहुत पहले प्रचार करने वाले लोग थे। वे युवा नहीं थे, लेकिन डरे हुए थे। लेकिन एक मिनट रुकिए। जिस परमेश्वर ने उन्हें बुलाया था उसने (परमेश्वर) लोगों को और मार्ग को तैयार किया। उन्होंने विश्वास किया - और वहाँ एक छुटकारा हुआ।[83]

---

83. पहले ये 'कम ये अपार्ट' जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 17 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया। (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)

.....

जून 15 **दिन - 166**

बम से प्रेम तक

******

और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है। रोमियों 5:5

7 सितम्बर, 1941 को - "एक दिन जो निन्दनीय रहेगा", जैसा कि राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने प्रसिद्ध रूप से कहा - कमांडर मित्सुओ फुचिदा ने पर्ल हार्बर में अमेरिकी जहाजों में की गई बमबारी में 360 जापानी विमानों का नेतृत्व किया। 18 अप्रैल 1942 को डूलिटल रेडर्स ने जापान पर बमबारी करने के लिए यूएसएस हार्नेट से उड़ान भरी। स्टाफ सार्जेंट जैकब डेशेज़र ने बम गिराए और हवा में तेरह घंटे के बाद, जापान -अधिकृत चीन पर पैराशूट द्वारा उतरे। उसे पकड़ लिया गया और चालीस महीने तक जेल में प्रताड़ित किया गया।

हालांकि उनका पालन-पोषण एक मसीही घर में हुआ था, लेकिन डेशेज़र लापरवाह, उदासीन, संशयवादी और आत्म नियंत्रण और इच्छाशक्ति दोनों में कमजोर थे। किसी समय पहरेदारों में से एक ने उनके हाथों में एक बाइबिल खिसका दी।

तीन सप्ताह तक उसने उसे बड़े चाव से पढ़ा, फिर उसे दूसरे कैदी को देना पड़ा। उसके पापों के लिए मसीह के बलिदानी मृत्यु के ज्ञान से उसे प्रभावित किया। 8 जून 1944 को उसने परमेश्वर से प्रार्थना की: "मैं अपने पापों का पश्चाताप करता हूँ। भले ही मैं घर से दूर हूँ और जेल में हूँ, मुझे माफी माँगनी चाहिए"।[84]

उसकी आत्मा को एक अलौकिक आनंद मिला - एक आंतरिक गवाह कि परमेश्वर ने, मसीह के खातिर उसे माफ कर दिया था। डेशेज़र ने कहा, "यह जानकर बहुत खुशी हुई कि मैं बचा लिया गया था।"[85] भूखमरी या एक जमा देने वाली ठंडी जेल की कोठरी में उसके लिए भयावहता नहीं थी। अब एक मसीही के रूप में, डेशेज़र जानता था कि उसे दूसरों से प्यार करना हैं - यहाँ तक कि अपने दुश्मनों से भी। वह जानता था कि परमेश्वर आज्ञाकारिता की अपेक्षा करते हैं।

एक दिन, एक गार्ड ने उसे उसके जेल की कोठरी में ले जाकर उसके नंगे पैर पर दरवाजा जोर से मार दिया। इसके बाद गार्ड ने अपने जूते की कील से डेशेज़र के पैर पर लात मारी। बाद में, उसने गार्ड के लिए नाराजगी और नफरत महसूस की।

डेशेज़र जानता था कि उसे अपने मसीही जीवन में एक गहरे स्तर पर जाना है - इसलिए उसने गार्ड से दोस्ती करने का फैसला किया। उसे लगा कि उसका स्वभाव बदल गया है। उसने महसूस किया कि, एक मसीही के रूप में, वह एक विजयी जीवन जी सकता है।

बाद में, जब जेल में बीमारी ने उसके शरीर को नष्ट कर दिया तो डेशेज़र मौत के करीब पहुंच गया। जब उसने प्रार्थना की, तो उसने यह कहते हुए एक आवाज सुनी, "पवित्र आत्मा ने तुम्हें पाप से मुक्त कर दिया है"।[86]

वह परमेश्वर के साथ एक असामान्य सहभागिता का अनुभव करने लगा। कई दिन बीते, और उसे शांति के लिए प्रार्थना का मार्गदर्शन मिला। फिर आवाज ने उससे फिर से बात की: "तुम्हारी बुलाहट जापानी लोगों के पास जाने और उन्हें सुसमाचार बताने की है।[87]

इस मुलाक़ात के बारे में, डेशेज़र ने बाद में कहा, "मैं जानता हूँ कि मुझे पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया गया और यह कि प्रेम की एक बहुत बढ़ी बाढ़ मेरे हृदय में आई थी।"[88]

28 दिसम्बर 1948 को डेशेज़र, उसकी पत्नी फ्लोरेंस और उनके बच्चों ने जापान में अपनी मिशनरी सेवा शुरु की। 1950 की शुरुआत में, डेशेज़र ने महसूस किया कि देश में आत्मिक जागृति के लिए चालीस दिन उपवास करना चाहिए।

उपवास का पहला फल 14 अप्रैल 1950 को मिला, जब कमांडर मित्सुओ फुचीदा मसीह में रूपांतरित हुए। अगले महीने, फुचिदा और डेशेज़र एक साथ थे, ओसाका के सबसे बड़े सभागर में अपनी गवाही दे रहे थे। पाँच सौ लोग मसीह की खोज में आगे आए। कल्पना कीजिए - पर्ल हार्बर में बम बरसाने वाले और जापान में बम बरसाने वाले, दोनों को क्षमा किया गया, मसीह में नया बना दिया और क्षमा और प्रेम का उपदेश दिया गया।

क्या आप ऐसा कर सकते थे? केवल पवित्र आत्मा की पूर्णता की शक्ति और पवित्रता ही ऐसा कर सकती है।

---

84. सी. होएट वॉटसन, डेशेज़र: द डूलिटल रेडर हू टर्नड मिशनरी (विनोना लेक, आई एन: लाइट एंड प्रेस,1950), 95

85. वॉटसन डेशेजर, 96

86. वॉटसन डेशेजर, 118

87. वॉटसन डेशेजर, 123

88. वॉटसन डेशेजर, 142

.....

साहसी एकल

******

लेकिन जब यूसुफ बंदीगृह में था, यहोवा उसके संग रहा; और उस पर करुणा की, और बंदीगृह के दारोगा के अनुग्रह की दृष्टी उस पर हुई। उत्पत्ति 39:20-21

वह कड़वा हो सकता था। दो बार उसके साथ गंभीर दुर्व्यवहार किया गया: पहले, उसके भाइयों ने उसे गुलामी में बेच दिया; फिर पोतीपर की पत्नी ने उस पर झूठा आरोप लगाया। यह एकल आदमी अब जेल में था।परंतु यहोवा उसके साथ था। यहोवा का अनुसरण करके वह मिस्र का प्रधानमंत्री बन गया और उसने एक खाद्य कार्यक्रम नेतृत्व किया जिसने देश और उसके अपने रिश्तेदारों को अकाल से बचाया।

आइए साहसी एकल लोगों को नमन करें। लिज़ा एक अप्रिय तलाक से गुजरी थी; उसका पति उसे बच्चों और एक कुर्सी के साथ छोड़ गया था। उस रविवार वह एक नाजरीन चर्च गई, और सप्ताह के अंत तक, चर्च ने उसे फर्नीचर दिया। लिज़ा ने कहा, "यह समान रंग का भी था।" परमेश्वर बहुत दयालु हैं।

मैं उनके हाथों को अपने चारों ओर महसूस कर सकती थी। क्या मैं इसे आर्डर करती? नहीं, लेकिन परमेश्वर इसका उपयोग कर रहे थे।" शोकमय होने के बजाय, लिज़ा ने बेहतर होने का फैसला किया। अपने शेष जीवन का सामना करने के लिए।

केली की शादी टूटने के बाद वह और उसका बेटा चर्च जाने लगे। युवाओं के पादरी ने ब्रायन में विशेष रूचि ली। केली ने कहा, "हमारा कोई परिवार नहीं था लेकिन अब मुझे एक परिवार मिल गया है।"

डच घड़ीसाज़, कोरी टेन बूम को नाजी एकाग्रता शिविर में ले जाया गया क्योंकि उसका परिवार युद्ध के दौरान यहूदियों को छुपा रहा था और उनकी रक्षा कर रहा था। शिविर में अपने पिता और बहन की मृत्यु के बाद, कोरी परमेश्वर के इतने अनुग्रह के साथ शिविर से बाहर आ गई कि वह उसे बंधक बनाने वालों को माफ कर चुकी थी। उसने 'द हाइडिंग प्लेस' नामक एक शक्तिशाली पुस्तक लिखी, और अस्सी वर्ष की आयु तक, उसने दुनिया के साठ देशों में काम और प्रचार किया। अकेले होने के कारण वह सब कर पा रही थी जो वह शायद नहीं कर पाती यदि उसके पति और बच्चे होते।

परमेश्वर कुछ एकल लोगों का विशेष तरीकों से उपयोग करते हैं। तैंतालीस साल की उम्र में पादरी ओसवाल्ड चेंबर्स की एपेंडिसाइटिस से मृत्यु हो गई। उनकी अब एकल पत्नी ने उनके उपदेशों के लिखित नोट्स एकत्र किए और उन्हें 1927 में 'माई अटमोस्ट फोर हिज़ हाइएस्ट' के रूप में प्रकाशित किया। यह पुस्तक अभी भी दुनिया में सबसे लोकप्रिय दैनिक भक्तिमय पुस्तक के रूप में है।

मसीही इतिहास स्पष्ट नहीं है कि प्रेरित पौलुस ने कभी विवाह किया था या नहीं। पर्याप्त प्रमाण बताते हैं कि उसने ऐसा कभी नहीं किया। और निश्चित रूप से, वह अपने दिनों में यीशु के संदेश को फैलाने में प्रमुख शक्ति बन गया।

.....

जून 17 **दिन - 168**

सुसमाचार प्रचार को समझना

******

इसलिए हम मसीह के राजदूत हैं: मानो परमेश्वर हमारे द्वारा विनती कर रहा है। हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं कि परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर लो। 2 कुरिंथियों 5:20

मुझे शादी के चार "पी" से मदद मिली है:

प्रेजेंस (उपस्थिति) - दयालुता, करुणा और अच्छे कार्यों का जीवन जीना; उस (जीवन साथी) पर ध्यान देना, और उसके साथ एक संबंध विकसित करना।

प्रोक्लेमेशन (उद्घोषणा) - "मैं तुमसे प्यार करता हूँ।"

परसूएशन (अनुनय) - "क्या तुम मुझसे शादी करोगी?"

प्रेजर्वेशन (संरक्षण) - जीवन भर वैवाहिक संबंधों को पोषित करना और बढ़ाना।

इसी तरह यह चार "प (p)" हितकारी और समग्र सुसमाचार प्रचार का एक हिस्सा है :

प्रेजेंस - दयालुता, करुणा और अच्छे कार्यों का जीवन जीना; बचाये नहीं गए व्यक्ति पर ध्यान देना और उसके साथ संबंध विकसित करना।

प्रोक्लेमेशन - "परमेश्वर तुमसे प्यार करते हैं"; प्रचार और व्यक्तिगत गवाही दोनों में सुसमाचार के तथ्यों को साझा करना।

परसूएशन - "क्या आप यीशु मसीह को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करेंगे?"

प्रिजर्वेशन - मसीही को परिपक्वता और सेवा में पोषित करना, बढ़ाना और विकसित करना।

ऐसा कोई भी अमेरिकी नहीं है, जिनसे मैं मिला हूँ, जिसने बिना इस अनुनय के प्रश्न के शादी की है: "क्या तुम मुझसे शादी करोगे/ करोगी?" प्यार का जीवन जीने और उस प्यार की घोषणा, निर्णय के सवाल पूछे बिना करने से, शादी नहीं होगी। और इस साभिप्राय प्रश्न के पूछे बिना - "क्या आप मसीह को उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में ग्रहण करना चाहेंगे?" - एक मिशनरी या शिष्यता की रणनीति हमारे मसीही मिशन को रोक देगी।

हितकारी बाइबिल आधारित सुसमाचार प्रचार में चारों "पी (p)" शामिल होंगे। पौलुस ने 2 कुरिंथियो 5: 11-21 में मेल-मिलाप की सेवकाई के लिए अनुरोध किया।

अपनी अपील में उसने कहा, "इसलिए हम जानते हैं कि प्रभु का भय मानना क्या होता है, हम दूसरों को समझाने की कोशिश करते हैं" (वचन 11)। उसने यह भी कहा, "मसीह का प्रेम हमें विवश कर देता है" (वचन 14), और "हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं कि परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर लो" (वचन 20)।

इसलिए, मैं आपसे मेरे मसीही भाइयों और बहनों, "अनुनय" को शामिल करने का आग्रह करता हूँ - सभी चार "पी" को शामिल करें![89]

---

89. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूजलेटर (मार्च 2012) में प्रकाशित हुआ।

जून 18 **दिन - 169**

फिशबोल में - "उन्हें देखने दें"

******

परंतु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवा को पूरी करूं - जो मैंने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिए प्रभु यीशु से पाई है। प्रेरितों के काम 20:24

वह 400 मीटर की दौड़ दौड़ती है, लॉन्ग जंप करती है और ट्रैक और फील्ड के बारे में सुविज्ञ है। लेकिन इससे परे, वह उस दौड़ को पूरा करने के लिए दृढ़ है जिस पर मसीह ने उसे नियत किया है।

केली सत्रह वर्ष की, एक हाईस्कूल सीनियर और पब्लिक हाईस्कूल में कई कक्षाओं के साथ-साथ मुख्य रूप से होमस्कूलड हैं। उसके माता-पिता दोनों सेवक है और उन्होंने चौदह वर्षों तक ग्रामीण पेंसिलवेनिया में प्रेमपूर्वक और प्रभावशाली ढंग से प्रचार किया। केली आठ बच्चों में सबसे छोटी है, जिनमें से सभी कॉलेज ग्रैजुएट, कॉलेज छात्र हैं और केली के मामले में, वह अगले साल कॉलेज शुरू करेगी। वह आपको मुस्कुराते हुए, खुश चमकदार, शांतिपूर्ण और शांति सामर्थ्य से भरी हुई होने के रूप में प्रभावित करेगी।

केली सप्ताह में चार दिन सुबह 2:15 बजे उठती है, मसीह के साथ भक्तिमय समय बिताती है और सुबह 3 बजे तक काम पर लग जाती है। एक सहायक के साथ वह 130 गायों का दूध निकालती है। उसका काम 7 बजे तक खत्म होता है। वह ऐसा कठिन काम क्यों करती है? वह कहती हैं, "मुझे मददगार बनना पसंद है, ऐसा काम करना जो कोई और नहीं करना चाहता और जानवरों के साथ काम करना और पैसा मदद करता है"।

केली ने वेकेशन बाइबिल स्कूल में चार साल के बच्चे के रूप में मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में पाया। इन वर्षों में, मसीह के साथ उसके संबंध में विश्वास बढ़ा है। वह इस तथ्य से प्यार करती है कि वह कभी भी परमेश्वर के साथ संपर्क कर सकती है और परमेश्वर उसे कभी निराश नहीं करते हैं। वह इस बात में मान्यता पाती है कि परमेश्वर प्रार्थनाओं का उत्तर, उस प्रकार नहीं देते जैसा वह चाहती है - क्योंकि यह उसे परमेश्वर के पास वापस आने देता है।

"लोग जानते हैं कि मैं एक मसीही हूँ और मेरे आस-पास अलग तरह से व्यवहार करते हैं" उसने कहा। उसने हाल ही में उसका प्रमाण अपने कार्यस्थल में देखा और जब उसके सहकर्मी ने जवाब दिया कि उसके पास चर्च आने का समय नहीं है, तो केली ने जवाब दिया, "यदि तुम अपने समय के साथ प्रभु पर भरोसा रखो, तो वह तुम्हें आशीषित करेंगे।"

सत्रह वर्ष की उम्र में पेरू में उसकी मिशन यात्रा उसके युवा जीवन की एक विशिष्टता थी। उसने एक सभा में प्रचार किया, डर पर काबू पाने के बारे में, यह कहानी बताते हुए की कैसे उसकी यात्रा की लागत 1550 डॉलर होते हुए भी, उसने कभी भी धन की उगाही नहीं की - लोग बस उसके पास आए और उसे पैसे दिए।

उसने अपनी पहली पेंटिंग के साथ फेस्टिवल ऑफ लाइफ इवेंट में प्रथम पुरस्कार जीता। वह बाइबिल क्वीज (प्रश्नोत्तरी) पसंद करती है और उसका पसंदीदा याद किया गया वचन प्रेरितों के काम 20:24 है।

वह हाईस्कूल में डेट करने की आवश्यकता नहीं देखती है। वह कहती है कि जब वह अधिक परिपक्व होगी तब वह डेट करेगी: यह भी हो सकता है कि वह जिस पहले लड़की के साथ डेट करेगी उससे शादी करेगी। केली के लिए सातवीं कक्षा के छात्रों को स्कूल में हाथ पकड़े हुए देखना अनुचित लगता है।

उसके भविष्य के सपनों में से एक राष्ट्रीय उद्यानों में काम करना है। पार्को में मसीही सेवकाई करने का विचार उसे आकर्षित करता है।

वचन, जो उसके माता-पिता ने उसके शिशु समर्पण के समय चुना था वह थिस्सुलुनीकियों 4:11-12 थे: "और जैसी हम ने तुम्हें आज्ञा दी है, वैसे ही चुपचाप रहने और अपना-अपना काम काज करने और अपने अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करो; ताकि बाहर वालों से आदर प्राप्त करो, और तुम्हें किसी वस्तु की घटी न हो।" तुम इसे जी रही हो, केली!

हाल ही में, अपने स्थानीय चर्च में पुनरुद्धार सेवा के दौरान, केली प्रार्थना करने और परमेश्वर को गहरे स्तर पर खोजने के लिए आगे बढ़ी। उसने अभी हाल ही में रॉबर्ट बॉयड मंगर के माई हार्ट - क्राइसट्स होम का नाटकीयकरण सुना था। केली ने गवाही दी: मैंने कल रात सब कुछ प्रभु को दे दिया। मैंने उनसे मेरे दिल के सभी कमरों को साफ करने के लिए कहा। मैंने उन्हें सबकुछ दे दिया और मुझे अच्छा महसूस हुआ।

यह जानकर कि मैं पवित्र हो गई थी, मुझे एक शांति का अनुभव हुआ। अब भविष्य की आत्मिक स्थिरता और विकास के लिए, मैं पूछूंगी, "किन कमरों में मैं और प्रभु आज विशेष रूप से कार्य करें?"

केली की पिछली सभी आत्मिक चमक और प्रभाव उसके पूर्ण समर्पण और परमेश्वर की पूर्ण शुद्धिकरण से बहुत बढ़ जाएगा।

जब किसी ने टिप्पणी की कि पादरी के परिवार में रहना मछली के कटोरे (फिश बॉउल) में रहने जैसा है, तो केली के भाई ने कहा, "उन्हें देखने दो!"

केली ने कहा, "मुझे फिश बॉउल में रहना अच्छा लगता है।"

.....

तुम्हारा स्वर्गीय पिता

******

अतः जब तुम बुरे होकर, अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएँ क्यों न देगा। मत्ती 7:11

हमारी दुनिया का एक स्वर्गीय पिता है जो आपसे प्यार करता है और आपके लिए सबसे अच्छा चाहता है। वह आपके करीब रहना चाहता है और आपको अच्छे उपहार देना चाहता है।

लिंडा की कहानी में शामिल हो जाएं: चौदह और सोलह साल की उम्र के बीच, वह चाचा और चाची के जोर देने से केवल दो या तीन बार चर्च गई थी। जब वह पाँच वर्ष की थी तब उसकी माँ उसे छोड़कर चली गई। उसके पिता ने उसकी बूढ़ी दादी की मदद से उसे पालने की कोशिश की।

एक रात जब वह रसोई में अपनी दादी की मदद कर रही थी। लिंडा ने गिरने की आवाज सुनी। वह लिविंग रूम में पहुंची तो उसने देखा कि उसके पिता फर्श पर गिरे पड़े हैं, और अखबार उनके नीचे मुड़ा पड़ा था - उनकी उनकी हार्ट-अटैक से बयालीस साल की उम्र में मौत हो गई थी।

उस रात उसने चर्च के पादरी को फोन किया और उनसे पूछा, "क्या आप मेरे पिता का अंतिम संस्कार करेंगे?"

बाद में, उसने लिखा, "मुझे लगा कि मैं अब जीवित नहीं रह सकूंगी क्योंकि मेरे पिता ही मेरे सब कुछ थे।"

अंतिम संस्कार में, पादरी ने भजन संहिता 23:4 को उद्धृत किया: "चाहे मैं घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ तौभी हानि से न डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शांति मिलती है।" उन्होंने समझाया कि ये वचन केवल तभी सच हो सकते हैं जब हम प्रभु को अपने चरवाहे के रूप में स्वीकार करेंगे।

लिंडा ने उस सच्चाई को अपना लिया। वह और उसकी आंटी, अंकल, दादा-दादी और चचेरे भाई-बहन अगले रविवार की रात की सेवकाई में आए। सेवकाई के अंत में, लिंडा और उसके छह रिश्तेदार प्रभु को खोजने के लिए वेदी पर आए। अर्थहीन जीवन से पूरी तरह निराश, लिंडा ने कहा, "पहली बार मसीह वास्तव में मुझे वास्तविक लग रहे थे"।

कुछ हफ्ते बाद, जब पादरी ने उससे पवित्रीकरण के गहरे जीवन के बारे में बात की तो लिंडा ने उन्हें बताया कि उसने अभी-अभी उस अनुभव को प्राप्त किया है। जल्द ही लिंडा और उसके दो कज़न अपने विश्वास का अंगीकार करके चर्च में शामिल हो गए।

जब लिंडा की दादी शहर से बाहर चली गई, तो लिंडा अपनी एक आंटी के साथ रहने चली गई। उसे उस पुरानी फोर्ड गाड़ी की देखभाल करनी थी जो उसे उसके पिता से विरासत में मिली थी और अपनी पिता की सामाजिक सुरक्षा के तहत नाबालिक के रूप में प्रतिमाह प्राप्त होने वाले 96.80 डॉलर में से अपने रहने के खर्चों का भुगतान करना था। जब कॉलेज जाने की योजनाओं का समय आया, तो लिंडा और उसकी दोस्त लोइस (जिसे लिंडा मसीह में लाई थी) को बेथनी ओक्लाहोमा में एक मसीही कॉलेज में एक छात्र मोटरकड के लिए पैसा कमाने के लिए अल्पकालिक नौकरी मिल गई। कुछ ही समय बाद, लिंडा वहाँ एक छात्र थी।

लिंडा चुप नहीं रह सकी कि यीशु ने उसके लिए क्या किया। वह किसी और की तुलना में अपने चर्च में अधिक नये लोगों को लाई।

पाँच दिवसीय युवा पुनरुद्धार सेवा के दौरान, वह ग्यारह अलग-अलग किशोरों को लाई - चर्च में सभी नए थे - और उनमें से चार ने पुनरुद्धार सेवाओं में परमेश्वर को खोजा।

लिंडा, पॉल से कॉलेज में मिली; उन्हें प्यार हो गया और उन्होंने शादी कर ली। पॉल एक संगीतात्मक परिवार से था, और जल्द ही लिंडा एक सुसमाचार समूह में गाने लगी जिसने अमेरिकी दक्षिण-पूर्व का दौरा किया। वे अंततः फ्लोरिडा में बस गये और अपने स्थानीय चर्च में सक्रिय हो गये, जहाँ पॉल ने संगीत का नेतृत्व किया और लिंडा ने टूटे हुए घरों के बच्चों और किशोरों को पढ़ाया।

जब लिंडा अपने जीवन को देखती है, वह घोषणा करती है, "मैंने अपने सांसारिक पिता को खो दिया है, लेकिन मैंने अपने स्वर्गीय पिता को पाया है।" वह पिता आपसे प्यार करता है और चाहता है कि आप भी उसे सही मायने में पाएं।

.....

जून 20 **दिन - 171**

सफलता का स्रोत

******

वह एक भला मनुष्य था, और पवित्र आत्मा और विश्वास से परिपूर्ण था; और अन्य बहुत से लोग प्रभू मे आ मिले। प्रेरितों के काम 11:24

थॉमस एडिसन के पास एक हजार से अधिक पेटेंट थे – शायद इतिहास के किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अधिक – लेकिन उन्हें प्रकाश बल्ब के आविष्कार के लिए सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है। जब आप फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में उनके घर और संग्रहालय जाते हैं तो आप आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकते – आंतरिक प्रेरणा, आंतरिक शक्ति, व्यक्तिगत कर्मशक्ति क्या थी, जिसने उन्हें इतना महान आविष्कारक बना दिया?

हम बाइबिल के नायकों की आंतरिक प्रेरणा और आत्मिक जीवन के बारे में इसी तरह के प्रश्न पूछ सकते हैं। जब हम महान परिणाम, महान फल, महान गुण और महान उपलब्धि देखते हैं तो हम पूछते हैं – इसके पीछे क्या है?

बरनबास को देखे, जो नव परिवर्तित शाऊल (बाद में पौलुस) को कलीसिया द्वारा स्वीकार किए जाने का मुख्य स्रोत बना (प्रेरितों के काम 9:26-28)। बरनबास को "प्रोत्साहन का पुत्र" (4:36) के रूप में जाना जाता था और उसने बार-बार दूसरों को प्रोत्साहित किया। वह नए मसीहियों के "अनुकरण करने" के बाइबिल के सबसे अच्छे उदाहरणों में से एक हैं। वह एक उदार दाता और सचमुच में "भला" था। प्रेरितों के काम 11:24 इस तरह के जीवन के स्रोत को प्रकट करता है: वह एक भला मनुष्य था, पवित्र आत्मा और विश्वास से परिपूर्ण।"

फिलिप्पुस पर विचार करें। वह एक अयाजकीय और एक महान व्यक्तिगत प्रचारक था। उसने इथोयोपिया देश के खजांची को मसीह तक पहुँचाया और वह व्यक्ति मसीहत को वापस इथोयोपिया ले गया। वह पहली स्थानीय कलीसिया बोर्ड का हिस्सा था, एक करुणामय सेवकाई के साथ जो विधवाओं को खाना खिलाने के लिए समर्पित थी। प्रेरितों के काम 6 में, हम उसकी शक्ति के आंतरिक स्रोत के बारे में सीखते हैं: "अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो चुन लो... उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था चुना और फिलिप्पुस को भी" (वचन 3, 5)।

यह वचन स्तिफनुस की ओर भी हमारा ध्यान आकर्षित करता है। वह प्रारंभिक कलीसिया का पहला अभीलिखित शहीद था जो मसीह के खातीर मरा। जब उस पर यीशु का प्रचार करने के लिए पथराव किया जा रहा था, उसने प्रार्थना की, "हे प्रभु यह पाप उन पर मत लगाना" (7:60), उसने अपने हत्यारों को वैसे ही माफ कर दिया जैसा कि मसीह ने किया था। पवित्र शास्त्र हमें बताता है कि क्रोधित भीड़ द्वारा हमला किए जाने से पहले किस बात ने उसका ध्यान खींचा: "परंतु स्तिफनुस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखा" (7:55)।

फिर प्रेरित पौलुस है, दमिश्क के मार्ग का चमत्कारिक रूप से परिवर्तित शाऊल। उसने चर्च को विस्तारित करने में इतिहास में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अधिक कार्य किया।

उसका स्रोत क्या था? हम देखते हैं जब वह दुष्ट इलीमास का सामना करता है: "तब शाऊल ने जिसका नाम पौलुस भी था, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो उसकी ओर टकटकी लगाकर देखा और कहा, "हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा? अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है; और तू कुछ समय तक अंधा रहेगा और सूर्य को न देखेगा।" (13:9-11)

हाल के इतिहास में आपके पास मेथोडिस्ट चर्च के सबसे शक्तिशाली अगुवों में से एक ई. स्टेनली जोन्स हैं। उन्होंने अपने पीछे कई उपलब्धियों को छोड़ा है, जिन में उनकी किताबें, हाउ टू बी अ ट्रांसफॉर्म्ड पर्सन; क्रिश्चियन मेच्योरिटी; वे टू पावर एंड पोइज; विक्टोरियस लिविंग; विक्ट्री थ्रू सरेंडर; अबन्डेंट लिविंग; अनशेकेबल किंगडम; सॉन्ग ऑफ असेंट्स; और द डिवाइन यस शामिल हैं। मसीह में उनके रूपांतरण के एक वर्ष बाद, जोन्स ने गवाही दी, "अचानक मैं भर गया था - पवित्र आत्मा से भर गया था। एक के बाद एक आत्मा की लहर, शुद्ध करने वाली आग की तरह मेरे ऊपर गुजरती हुई प्रतीत हो रही थी। [90]

विश्वास के इन सभी नायकों ने अपनी शक्ति, दृढ़ता और आशा को परमेश्वर की आत्मा से प्राप्त किया।

---

90. ई. स्टेनली जोन्स, अ सॉन्ग ऑफ़ अ सैन्टस (नैशविल: अबिंगडन प्रेस, 1968), 53

.....

जून 21 **दिन - 172**

साभिप्राय परवरिश

******

ये आज्ञाएं जो मैं आज तुझ को सुनाता हूँ वे तेरे मन में बनी रहे। और तू इन्हें अपने बालबच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग पर चलते, लेटते, उठते इनकी चर्चा किया करना।
व्यवस्थाविवरण 6:6-7

अपने बच्चों के खातिर माता-पिता से एक सांप्रदायिक अगुवे की एक भावुक दलील सुनें। आपकी धार्मिक पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो, उसके दिल की सुनें।

"हे इजराइल, सुन यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है। तू अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे मन, और सारे जीव, और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना" (व्यवस्थाविवरण 6:4-5)। यीशु ने निश्चित रूप से 'शेमा' (महाआज्ञा) को उद्धृत करते हुए पूछा, "सबसे बड़ी आज्ञा क्या है?" "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो" (लैव्यव्यवस्था 19:18) की आज्ञा को मिलाते हुए, यीशु ने प्रकट किया कि अन्य सभी आज्ञाएं इन दो आज्ञाओं से आती हैं।

ये दो आज्ञाएं आज भी लोगों के पवित्र ह्रदयों में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। नाज़रीन के रूप में, हम संपूर्ण पवित्रीकरण के कार्य में विश्वास में दृढ़ हैं। प्रोटेस्टेंट चर्चो के सागर में - यह आज भी हमारा धार्मिक विशिष्टता का बिंदु बना हुआ है और 1908 में नाज़रीन चर्च के जन्म के कारण का हिस्सा था। 'नाज़रीन चर्च की विवरणिका' में कहा गया है, "हम विश्वास करते हैं कि संपूर्ण पवित्रीकरण परमेश्वर का कार्य है जो पुनर्जीवन के बाद होता है जिसमें विश्वासी मूल पाप या भ्रष्टता से स्वतंत्र किए जाते हैं। तथा उनमें परमेश्वर के प्रति पूर्ण विकास की दशा और प्रेम की पवित्र आज्ञाकारिता सिद्ध की जाती है" (विश्वास के कथन X)। परमेश्वर से प्रेम करना और दूसरों से प्रेम करना एक पूरी तरह से पवित्र विश्वासी के जीवन की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।

अपने छब्बीस वर्ष के पादरी के कार्य में, मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मैंने नाजरीन माता-पिता में ऐसा जोश और इरादा नहीं देखा है, जब उनके बच्चों को परमेश्वर के पवित्रीकरण के उपहार का अनुभव करने में मदद करने के बात आती है। जबकि हम अनुग्रह के इस दूसरे कार्य में विश्वास करते हैं, दुख की बात है कि हम अपने बच्चों को परमेश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के ऐसे रिश्ते में चलने के आनंद का अनुभव करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं दिखाई देते हैं। मैंने माता-पिता को अपने बच्चों को पूरी तरह से पवित्र करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करते नहीं सुना। मैं कदाचित ही कभी उन बच्चों की गवाही सुनता हूँ जिन्होंने मसीह में भरपूर जीवन के इस अद्भुत रिश्ते में प्रवेश किया है। एक पल के लिए, इस बारे में सोचें: क्या हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे पापों की क्षमा को जानें लेकिन कभी भी "प्रेम की पवित्र आज्ञाकारिता की सिद्धता का अनुभव न करें?

हमने शिष्यता के लिए एक नया वैश्विक ढांचा तैयार किया है। यह रूपरेखा अभिप्रायपूर्ण रूप से हमारे शिष्यता के प्रयासों का मार्गदर्शन करने का काम करेगी। हमारा नया ढांचा नाज़रीन शिष्यता को अनुग्रह की यात्रा के रूप में परिभाषित करता है। हम मानते हैं कि शिष्यता एक यात्रा है जो जीवन भर चलती है। उस यात्रा के दौरान, हम परमेश्वर के अनुग्रह का सामना करते हैं और उनके अनुभव पर प्रतिक्रिया करने के लिए बुलाए जाते हैं। अनुग्रह की यात्रा में पूर्ववर्ती अनुग्रह, बचाने वाला

अनुग्रह और पवित्र करने वाला अनुग्रह शामिल है। पूर्ववर्ती अनुग्रह के माध्यम से परमेश्वर रास्ता बनाने और हमें एक संबंध में लाने के लिए हमारे आगे चलते हैं। बचाने वाले अनुग्रह के माध्यम से यीशु हमें पाप से बचाते हैं और हमें उस सत्य की ओर ले चलते हैं, जो हमें स्वतंत्र करता है। पवित्र करने वाले अनुग्रह के माध्यम से, आत्मा हमें पूर्ण रूप से परमेश्वर के प्रति समर्पित जीवन जीने के लिए सशक्त करती है। जैसे नाज़रीन इस दुनिया में परमेश्वर के मिशन में भाग लेते हैं, हम दूसरों को अनुग्रह से अनुग्रह की यात्रा में अनुग्रह के माध्यम से शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मेरी पत्नी जैनी और मैं, अपनी दोनों बेटियों, बेकाह और सारा को लेकर अपनी इच्छा को प्रकट करना चाहते हैं कि वे न केवल मसीह में उद्धार के अनुग्रह का अनुभव करें बल्कि विश्वास के माध्यम और अनुग्रह द्वारा पवित्र आत्मा के संपूर्ण पवित्रीकरण का भी अनुभव करें।

हम प्रार्थना करते हैं कि हमारी बेटियाँ, "परमेश्वर की सारी भरपुरी तक परिपूर्ण हों" (इफिसियों 3:19)। हम नम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हैं, "रात और दिन.... ताकि हम (उनके) विश्वास की घटी को पूरा करें" (1 थिस्सुलुनिकियों 3:10)। हम प्रार्थना करते हैं कि "शांति का परमेश्वर पूरी रीती से (हमारी बेटियों को) पवित्र करेगा। (उनकी) आत्मा और प्राण और देह प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें" (1 थिस्सुलुनिकियों 5:23)। हम अपने बच्चों को इससे प्रभावित करने के लिए और अन्य माता-पिता को भी ऐसा करने के लिए कहने में प्रतिबद्ध हैं। हम स्थानीय चर्च के बच्चों की सेवकाई पर आशीषित नहीं होंगे कि वह उन्हें परमेश्वर के साथ इस संबंध में लाएं, पर अपने चर्च समुदाय से प्राप्त समर्थन के लिए आभारी होंगे। हम माता-पिता के रूप में व्यक्तिगत रूप से यह जिम्मेदारी प्राप्त करते हैं और हम अनुग्रह की पूरी यात्रा के माध्यम से अपने बच्चों को शिष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्या आप अभिप्रायपूर्ण पालन-पोषण के प्रति इस प्रतिबद्धता को पूरा करने में हमारे साथ शामिल होंगे?[91]

---

91. द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2020) से अनुकूलित।
स्कॉट रैनी

.....

जून 22 **दिन - 173**

शादी के पचास वर्षों के सबसे बड़े सबक

******

"इस कारण मनुष्य अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे दोनों एक तन होंगे। इफिसियों 5:31

संडे स्कूल में, नैन्सी और मैंने शादी के पचास वर्षों में हमने जो दस महानतम सबक सीखे हैं पढ़ाया। यह सबक बहुत संक्षिप्त रूप से है (पहले चार नैन्सी द्वारा हैं और बाकी मेरे द्वारा हैं:

1. अपने पूरे वैवाहिक जीवन के दौरान, उत्साह को जीवित रखें।
2. वैवाहिक जीवन के लिए एक सुरक्षा की भावना की आवश्यकता होती है, और यह हम एक-दूसरे के लिए प्रदान करते हैं - लेकिन प्रभु पर भरोसा करने में और भी अधिक सुरक्षा पाएं।
3. ऐसी आत्मीयता बनाएं जो आपके दिल के स्तर पर वास्तव में एक-दूसरे के करीब आने की अनुमति दें।
4. प्रतिबद्धता - एक-दूसरे के प्रति, अपनी आखिरी सांस तक साथ रहना - सबसे ज्ञानपूर्ण और स्वास्थ्यप्रद मार्ग है। लेकिन सबसे बढ़कर प्रभु के प्रति समर्पण, विवाह में गहरे प्रेम का सबसे बड़ा रहस्य है।
5. शादी एक बड़ी योजना का हिस्सा है - परमेश्वर की। आपकी नींव यीशु मसीह है, ना कि आपकी शादी।
6. उसे (जीवनसाथी) हल्के में न लें। हर दिन धन्यवाद कहें; उसकी तारीफ करें; मैं तुमसे प्यार करता हूँ/करती हूँ कहें; और एक दिन में सात बार गले मिलें।
7. एक अश्लील दुनिया के प्रलोभनों के बीच, प्रभु ने मुझसे कहा, "तुम्हें किसी अन्य शरीर को देखने का अधिकार नहीं है (न तो तस्वीर में और न ही व्यक्तिगत रूप से) सिवाय नैन्सी के।"
8. जब कठिन समय आया, जैसे हमारी बेटी के तलाक की तरह, नैन्सी और मैंने एक ही समय में टूटे हुए दिल और पेट के अल्सर का अनुभव किया। हमने यह भी सिखा, "टूटे हुए सपनों के अंत में, वह (परमेश्वर) एक खुला दरवाजा है।" परमेश्वर द्वारा हमारे दिलों को चंगा करने के बाद, हमने पाया कि इस प्रक्रिया में, उन्होंने हमारे दिलों को विस्तारित भी किया है। आज हम प्रेम और परमेश्वर को पहले से कहीं अधिक थामे हुए हैं।
9. एक-दूसरे के लिए एक नोट-लेखन की सेवकाई बनाएं - एक सूटकेस में, रसोई की मेज पर एक कार्ड में।
10. जब आपको अपने जीवनसाथी को समझने में कठिनाई होती है, तो इस प्रश्न को अपनी बातचीत का मार्गदर्शन करने दें: "यीशु मसीह उसके (जीवनसाथी) साथ कैसा व्यवहार करेंगे?"

11. बोनस: हम लगातार एक ऐसा खेल खेलते हैं जिसमें मैं उसके प्रति अधिक अच्छा बनने की कोशिश करता हूँ जितना वह मुझसे है। वह मेरे प्रति मुझसे अधिक अच्छा बनने की कोशिश करती है (नैन्सी कहती है कि मैं जीत रहा हूँ)।

और यह रहे - पचास वर्षों में ग्यारह सबक। ऐसी अद्भुत महिला के साथ क्या रोमांच है। आप सभी को धन्यवाद जिन्होंने इस यात्रा में हमारा समर्थन किया है, और यीशु मसीह को धन्यवाद जिन्होंने हमें इतना आशीषित किया है कि वह सफल रहा।[92]

---

92. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2009) में प्रकाशित हुआ है।

.....

जून 23 **दिन - 174**

फल जो बना रहे, भाग 1

******

तुम ने मुझे नहीं चुना परंतु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें नियुक्त किया कि तुम जाकर फल लाओ और तुम्हारा फल बना रहे - कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो, वह तुम्हें दें।
यूहन्ना 15:16

यह लगभग 1989 की बात रही होगी, जब फर्स्ट चर्च ने नेबर टू नेबर प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू किया। इसका लक्ष्य प्रत्येक दरवाजे पर छोड़े गए पैकेट के माध्यम से अपना परिचय देना और आस-पास के पड़ोसियों को चर्च में आमंत्रित करना था। नैन्सी और उसकी बेटी जेनिफर ने प्रतिक्रिया दी। अब वही जेनिफर और उसके पति जोनाथन, चर्च में एक कक्षा को पढ़ाते हैं। यह तीस से अधिक वर्षों की अवधि में कैसे हुआ? पेश है कहानी उन्हीं के शब्दों में:

जेनिफर

मेरी कहानी तब शुरू होती है जब मैं लगभग पाँचवी और छठी कक्षा के बच्चों की उम्र की थी। मेरे माता-पिता ने मेरे पाँचवी कक्षा के दौरान कैनसस सिटी में एक नए घर में जाने का फैसला किया, और ऐसा हुआ कि हमारा नया घर, फर्स्ट चर्च नामक एक चर्च के उत्तर-पूर्व में कुछ गलियों पर बनाया गया था।

उस समय, चर्च ऐसा नहीं दिखता था जैसा अब है, इसमें कोई मीनार या आराधना स्थल नहीं था, और मेरी माँ ने मुझे यह भी बताया कि, थोड़ी देर के लिए उन्होंने सोचा कि यह एक इलेक्ट्रिक कंपनी हो सकती है। अपने जीवन में इस समय तक, मैं केवल कुछ ही बार चर्च गई थी।

फिर एक दिन मैं और मेरी माँ जब घर लौटे तो हमें दरवाजे पर एक साधारण सा पैकेट दिखा। जब हमने इसे खोला, तो हमने पाया कि यह सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, फर्स्ट चर्च से था। मुझे याद है कि यह मेरी माँ के मन में इस विचार को जगाने के लिए पर्याप्त था कि फर्स्ट चर्च में एक बार जाकर देखना चाहिए।

चूँकि पिताजी रविवार को काम करते थे, इसलिए सिर्फ मेरी माँ और मैं ही थे जिन्होंने चर्च में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि उस पहले रविवार को हमने इतना स्वागत और ऐसी गर्मजोशी महसूस की जिसने हमें घर जैसा महसूस कराया।

उन पहले महीनों में हमारी उपस्थिति के दौरान हमारे पादरी किथ राइट थे, और रविवार को उनके उपदेशों को उत्सुकता से सुनना और उनके संदेशों को संतृप्त करना यह सोचते हुए कि चर्च बिल्कुल भी उबाऊ नहीं था, मुझे याद है। कुछ हफ्तों के बाद मैंने संडे स्कूल में जाना शुरू किया। मुझे याद है कि मैं बच्चों के विभाग में गई और मैंने अपने स्कूल की मेरी पाँचवी कक्षा की लड़की को तुरंत पहचान लिया। मेरे पहले संडे स्कूल के शिक्षकों में से एक बिउला पोस्ट लवेट थे, जिन्होंने मेरे बेटे जैक्सन को भी पढ़ाया है, और वर्तमान में चार साल के बच्चों की कक्षा में मेरी बेटी हैडली को पढ़ा रहे हैं। फर्स्ट चर्च में उस पहले वर्ष के दौरान, मेरा मन, परमेश्वर ने मेरे लिए जो योजनाएं बनाई थी, उनके प्रति खुल रहा था।

इस समय के दौरान, मेरी माँ से एक पादरी ने संपर्क किया जो हमारे घर आने और हमारे बारे में अधिक जानने में रुचि रखते थे। मुझे याद है कि उन्होंने हमें एक कार्ड दिखाया जिसमें यीशु दरवाजे पर खड़े थे और खटखटा रहे थे। उन्होंने समझाया कि दरवाजा हमारे ह्रदय के द्वार का प्रतिनिधित्व करता है और यीशु इसमें आमंत्रित होना चाहते थे। मैं ऐसा करने के लिए उत्साहित महसूस कर रही थी, और मैं और मेरी माँ दोनों ने पादरी शेवर के साथ प्रभु को हमारे ह्रदय में आमंत्रित करने की प्रार्थना की। तब से यह एक अद्भुत यात्रा रही है।

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि परमेश्वर पूरे समय हमारे शुरुआती कदम, हमारे दरवाजे पर मिले पैकेट और फर्स्ट चर्च के कई अद्भुत लोगों के माध्यम से उनकी और हमारी अगुवाई और मार्गदर्शन कर रहे थे।[93]

---

93. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2017) में प्रकाशित हुआ था।

.....

जून 24 **दिन - 175**

फल जो बना रहे, भाग 2

******

तुम ने मुझे नहीं चुना परंतु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें नियुक्त किया कि तुम जाकर फल लाओ और - तुम्हारा फल बना रहे - कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो, वह तुम्हें दे।
यूहन्ना 15 :16

जॉनथन

यीशु मसीह को अपने दिल में स्वीकार करने की मेरी कहानी तब हुई जब मैं इक्कीस वर्ष का था - मेरी पत्नी की कहानी से थोड़े समय बाद।

मेरा पालन-पोषण कैथोलिक की तरह हुआ था। मेरा परिवार कुछ समय के लिए नियमित रूप से चर्च जाता था, लेकिन किसी कारणवश, मेरे प्राथमिक विद्यालय के बाद के वर्षों में वह धीरे-धीरे बंद हो गया।

जब मैं जेनिफर से मिला, तब मैंने फिर से चर्च जाना शुरू किया। मैंने हमारे डेटिंग वर्षो के दौरान में उसके साथ चर्च आना-जाना शुरू किया। उस समय, मैं यह नहीं कहूँगा कि मैं एक धार्मिक व्यक्ति था, लेकिन मैं उसके साथ उपस्थित होने के लिए तैयार था। फर्स्ट चर्च में हम जिन सेवाओं में शामिल हो रहे थे वे अक्सर मेरे लिए प्रभावशाली और अर्थपूर्ण थे, और मेरा विश्वास बढ़ रहा था, लेकिन मैं अभी भी पूरी तरह से प्रभु के प्रति समर्पित नहीं था।

2000 की गर्मियों में जब मैंने जेनिफर को प्रपोज किया, हम जानते थे कि हम फर्स्ट चर्च में शादी करना चाहते हैं। हमने अपनी शादी कराने के लिए पादरी शेवर को चुना और अपने विवाहित जीवन में जाते हुए हमारे आत्मिक जीवन और हमारे समारोह के विवरण पर चर्चा करने के लिए हमने उनसे कई बार मुलाकात की। चूँकि मैंने उस समय तक मसीह को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया था, इसलिए पादरी ने हमें एक अन्य जोड़े फेबियन और कैंडी पियरसन के साथ उनके घर में, बाइबिल अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। फेबियन का वित्तीय उद्योग में मेरे जैसा ही कैरियर था, और वह पादरी बनने के लिए सेमिनरी से कोर्स कर रहा था, इसलिए पादरी ने सोचा कि हम अच्छे मेल होंगे। कई महीनों के हमारे पाठ्यक्रम के बैठकों के दौरान, मुझे समझ में आया कि एक मसीही होने और यीशु को अपने जीवन में जीवन के केंद्र के रूप में रखने का क्या मतलब होता है।

उन बैठकों में से एक के दौरान, पीयरसन के रसोई की मेज पर बैठकर, मैंने प्रार्थना करने और यीशु को अपने जीवन और हृदय में स्वीकार करने की पुकार को महसूस किया। उस पल, मैंने एक आंतरिक संतोष और एक गर्मजोशी महसूस की जो मैंने पहले महसूस नहीं की थी। मैं उस पथ के लिए बहुत आभारी हूँ जिस पर परमेश्वर ने मुझे रखा है और मेरे भविष्य में जो कुछ भी है अच्छा और बुरा, उसके लिए तत्पर हूँ, क्योंकि मुझे पता है कि मैं मार्गदर्शन के करने के लिए उस पर भरोसा कर सकता हूँ।

जरा सोचिए - एक पाँचवी कक्षा में पढ़ने और चर्च न जाने वाला, जो मसीह के पास आया अब तीस साल से अधिक समय बाद पाँचवी कक्षा के बच्चों को यीशु के बारे में पढ़ा रहा है।

आउटरीच और गवाही में सम्मिलित चर्च की क्या अदायगी है। या जैसा यीशु ने कहा, "तूने मुझे नहीं चुना परंतु मैं ने तुझे चुनकर नियुक्त किया है कि तुम जाकर फल लाओ फल जो सदा बना रहेगा।[94]

94. पहले ये 'द गुड न्यूज: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूजलेटर (मार्च 2017) में प्रकाशित हुआ था।

.....

जून 25 **दिन - 176**

परखा जाना - लेकिन निष्पाप

******

क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दु:खी न हो; वरन् वह सब बातों में हमारे समान परखा तो गया, तौभी निष्पाप निकला। इब्रानियों 4:15

हमारे प्यारे दोस्त, अपने नए खरीदे गए अपार्टमेंट में जा रहे थे। उन तीस मिनट के दौरान जब वे उधार लिए गये ट्रक को वापस करने के लिए निकल गये थे। उनके अपार्टमेंट में आग लग गई, और कई यूनिट नष्ट हो गए। होमओनरस् एसोशिएशन की सलाह पर उन्होंने एक ठेकेदार को काम पर रखा। मलबा साफ करने और मुश्किल से शुरू हुए पुनर्निर्माण के बाद, ठेकेदार उनके मरम्मत के पैसों के साथ गायब हो गया। मुकदमे चले, और मैंने अपने वकील मित्र से उनकी मदद करने के लिए कहा। जब उसे पता चला कि राज्य का जिला वकील शामिल हैं तो मेरे वकील मित्र ने उनके साथ रहने के लिए कहा - उसके पास किसी भी अन्य वकील की तुलना में अधिक दबदबा था जिसे वे हायर करते।

यीशु मसीह, परमेश्वर के सामने हमारे महायाजक है, और हमारे केस को प्रस्तुत करने के लिए उनके पास किसी और से अधिक ताकत है।

कहीं ऐसा न हो कि आप सोचें कि वह इतने उच्च और पवित्र हैं कि वह आपको नहीं समझ सकते हैं, कृपया जान लें कि उनकी मानवता में, यीशु उन सभी तरह से परखे गये जिनसे आप परखे गये। वे एक बार भी नहीं गिरे: उन्होंने कभी पाप नहीं किया। परीक्षा और पाप के बीच अंतर है। यीशु सहित, हर कोई परखे जाते हैं, लेकिन उन्होंने पाप नहीं किया और आपको भी पाप करने की आवश्यकता नहीं है।

कुछ परीक्षाएं ऐसे ही आ जाती हैं और बहुत प्रबल होती हैं जैसे कि जब शैतान ने जंगल में यीशु की परीक्षा ली थी (लूका 4)। कभी-कभी शैतान निर्लज होता है और गरजते हुए शेर की तरह हमला करता है (1 पतरस 5:8)। अन्य बार, वह धूर्त और भ्रामक है और ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है (2 कुरिन्थियों 11:14)।

लेकिन परीक्षाएं भीतर से भी आ सकती हैं। परमेश्वर ने हमें स्वस्थ मजबूत मानवता के हिस्से के रूप में कुछ निश्चित इच्छाओं और अभिलाषाओं के साथ बनाया है। अनुशासित और निर्देशित होने पर ये इच्छाएं स्वस्थ और अच्छे हैं।

एक सामाजिक इच्छा है - लोगों की आपको पसंद करने की एक स्वस्थ अभिलाषा। लेकिन अगर उस इच्छा को नियंत्रण से बाहर होने दिया जाता है, तो आप लोगों द्वारा आपको पसंद किये जाने के लिए परमेश्वर की अवज्ञा कर सकते है।

यौन इच्छा है, जो मानव जाति के प्रजनन के लिए, परमेश्वर की योजना का हिस्सा है और इसका मतलब एक विवाहित पुरुष और विवाहित महिला के बीच प्रेम का अनुभव होना है। लेकिन अगर यह इच्छा अनुशासनहीन है, और आप इसे केवल अपने आनंद की बात मानते हैं, तो यह पाप बन जाता है।

सुरक्षा इच्छा वह होती है जो आपके जीवन की रक्षा करती है। यह इच्छा आपको तेज रफ्तार से आ रही कार के आगे से हट जाने का कारण बनती है। लेकिन यह विकृत भी बन सकती है और आपको एक लोभी, अंकुश रखने वाला, स्वार्थी व्यक्ति बना सकती है। इस मामले में, फिर से, एक अच्छी इच्छा बन गई है।

होशियार रहें। सतर्क रहें। आपकी आंतरिक इच्छाएं अच्छी हैं - उन्हें विकृत न होने दें। जबकि यीशु हमारा महायाजक है, उपस्थित पवित्र आत्मा "हमारी कमजोरियों में हमारी सहायता करता है" (रोमियों 8:26)।

पौलुस ने 1 कुरिन्थियों 9:27 में कड़े शब्द का प्रयोग किया जब उसने लिखा, "मैं अपनी देह को मारता कूटता और वश में लाता हूँ, ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके मैं आप ही किसी रीती से निकम्मा ठहरूँ।" परखा जाना हाँ, भीतर से भी - लेकिन परमेश्वर के अनुशासन के साथ, आपको पाप करने की आवश्यकता नहीं है।

.....

जून 26 **दिन - 177**

अचानक से

******

वहाँ उसे अक्विला नामक एक यहूदी मिला, जिसका जन्म पुन्तुस में हुआ था। वह अपनी पत्नी प्रिसकिल्ला के साथ इटली से हाल ही में आया था, क्योंकि कलौदियुस ने सब यहूदियों को रोम से निकल जाने की आज्ञा दी थी। इसलिए वह उनके यहाँ गया। पौलुस उनसे मिलने गया और उसका और उनका एक ही उद्यम था इसलिये वह उन के साथ रहा और वे काम करने लगे; और उनका उद्यम तंबू बनाने का था। प्रेरितों के काम 18:2, 3

"अचानक से" एक अभिव्यक्ति है जिसका उपयोग हम पूरी तरह से अनापेक्षित घटना या वाकया का वर्णन करने के लिए करते हैं। परमेश्वर दुनिया में अपना काम कर रहे हैं, और हालांकि हम परमेश्वर की इच्छा को समझने और उसका पालन करने की कोशिश करते हैं, वह कभी-कभी हमें आश्चर्यचकित करेंगे।

आप अक्विला और प्रिसकिल्ला के साथ पौलुस की मुलाकात का वर्णन "अचानक से" के रूप में कर सकते हैं। पौलुस ने इस जोड़े से कुरिन्थ में मुलाकात की क्योंकि सम्राट क्लोदियुस ने सभी यहूदियों को रोम छोड़ने का आदेश दिया था - परमेश्वर अपने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक और सामाजिक घटनाओं, यहाँ तक कि बुरी घटनाओं का उपयोग भी करेंगे। इन तीन लोगों का पहला संबंध तंबू बनाने वालों के रूप में उनके धर्मनिरपेक्ष कार्य में था।

यहूदियों के विरोध के कारण पौलुस ने कुरिन्थ में अपने आराधनालय में प्रचार करना छोड़ दिया। फिर, अप्रत्याशित रूप से आराधनालय के सरदार क्रिसपूस ने अपने सारे घराने समेत प्रभु को ग्रहण किया (प्रेरितों के काम 18:7-8)।

इसके तुरंत बाद, "प्रभु ने पौलुस से बात की" - फिर अचानक से प्रतीत होता है - उससे न डरने के लिए कह रहे थे क्योंकि उनके पास "इस नगर में बहुत से लोग थे" (वचन 9-10)।

उस के नए तंबू बनाने वाले मित्र, प्रिसकिल्ला और अक्विला, अब पौलुस के साथ उसकी सेवकाई में काम करते थे और उसके साथ इफिसुस की यात्रा पर जाते थे। अंत में, उसने उन्हें सेवक के पास छोड़ दिया (वचन 18-19)। प्रिसकिल्ला और अक्विला ने शक्तिशाली वक्ता अप्पुल्लोस को शिष्य बनाया, जो अंततः यीशु को मसीहा घोषित करने के लिए अखाया को गया (वचन 26-28)। इस तरह के घटनाक्रम शायद अचानक लग रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घटने दिया।

इसी तरह, परमेश्वर के लिए आपके कार्य अचानक से परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं। नैन्सी और मैं एक स्थानीय चर्च में गाने, सिखाने और प्रचार करने के लिए गए। जब हम वहाँ थे, हम पास्टोरल स्टॉफ के सदस्यों से मिले। एक समय पर पादरियों में से एक पादरी गैरी ने हमसे मुलाकात की और हमें हमारी पहली मुलाकात की याद दिला दी। उन्होंने कुछ इस तरह कहा:

जब हम पादरी के पास एक छोटे से चर्च में पहुँचे तो शायद ही किसीने हमसे कुछ बात की। केवल आप ही थे जिन्होंने हमारा स्वागत किया। आप और श्रीमती शेवर हमें दोपहर के भोजन के लिए बाहर ले गए।"

मुझे यह संबंध याद नहीं था - गैरी करीब पचपन साल पहले हुई एक बैठक की बात कर रहे थे। मैं यह जानकर चकित और नम्र था कि हमारी सरल दयालुता ने ऐसा प्रभाव डाला है। यह रिपोर्ट अप्रत्यशित रुप से हमारे सामने आई।

प्रभु की ओर से अपने अचानक अनुभव के लिए तैयार हो जाइए; परमेश्वर के लिए ऐसा प्रभाव बनने के लिए तैयार हो जाइए कि इस तरह की रिपोर्ट अचानक से आपके पास वापस आ जाएंगी।

.....

जून 27 **दिन - 178**

अनुग्रह - अनुग्रहकारी

******

पर जैसी अपराध की दशा है, वैसी अनुग्रह के वरदान की नहीं, क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध से बहुत लोग मरे, तो परमेश्वर का अनुग्रह और उसका जो दान एक मनुष्य के, अर्थात यीशु मसीह के, अनुग्रह से हुआ बहुत से लोगों पर अवश्य ही अधिकाई से हुआ। रोमियों 5:15

एक दस सेकंड का तूफान 4 मई 2003, को शाम 6:45 बजे मिसौरी के पियर्स सिटी में आया। एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। इसके अतिरिक्त, सिटी हॉल, शहर के पैंतालीस व्यवसायों में से बयालीस और इक्यासी घर ध्वस्त हो गये।

शहर के सुपरमार्केट के मालिक को तूफान के दौरान स्प्रिंगफील्ड में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने और उसकी पत्नी ने सोलह साल तक उस दुकान को चलाया था। जब वह उस जगह पर वापस लौटा जहाँ एक समय पर उसका स्टोर हुआ करता था, वह स्टोर के मलबे को निकाला जा रहा था और कूड़े में फेंका जा रहा था।

आखिरकार, एक बार जब शहर थोड़ा सा बस गया तो किराने की दुकान के मालिक ने बैपटिस्ट चर्च से संपर्क किया और पूछा कि क्या वह उनकी संपत्ति को खरीद सकता हैं। चर्च के पहले शहर के बाहर एक नया आराधना स्थल बनाने की योजना बनाई थी। चर्च बोर्ड की बैठक के बाद, उन्होंने किरानेवाले को बेचने से मना कर दिया - इसके बजाय उन्होंने उसे सामान्य रूप से संपत्ति दे दी। आखिर शहर को एक किराना स्टोर की जरूरत थी।

शहर के फार्मासिस्ट (औषधि विक्रेता) को भी एक नई संपत्ति की जरूरत थी, इसलिए उसने किराने की दुकान के मालिक से उसकी पुरानी संपत्ति को खरीदने के बारे में संपर्क किया और पूछा क्या वह उसकी संपत्ति खरीद सकता है। किरानेवाले ने उसे नहीं बेचा; उसने उसे सामान्य रूप से दे दिया।

सिटी हॉल को फिर से बनाना था इसलिए मेयर ने फार्मासिस्ट को उसकी पुरानी संपत्ति को बेचने के बारे में संपर्क किया। फार्मासिस्ट ने कहा कि शहर उसे मुफ्त में ले सकता है।

यह कितना आश्चर्यजनक है कि विनाश के स्थान पर अनुग्रहकारी कार्यों का प्रसार हुआ। इनमें से कुछ भी बलपूर्वक नहीं हुआ।

जब हम बाइबिल में परमेश्वर के अनुग्रह को चित्रित करते हुए देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बदले में अपने प्राप्तकर्ताओं को अनुग्रहकारी बनाता है। परमेश्वर का अनुग्रह और यीशु मसीह का अनुग्रह आज बहुतों पर उमड़ रहा है। क्या आप उस प्रवाह में फंस गए हैं?[95]

---

95. मर्लिन मेबर्ग, इंश्योरेंस फॉर अ लाइफटाइम (नैशविले: डब्ल्यू पब्लिशिंग ग्रुप 2004), 55-57 में एक रिपोर्ट से मुख्य रूप से लिया गया है।

.....

जून 28 **दिन - 179**

वह स्थान पवित्र भूमि है

******

फिर उस ने कहा, "मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ।" तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर देखने से डरता था, अपना मुँह ढ़ाप लिया।
निर्गमन 3:6

उसे परमेश्वर को बेहतर जानने की तीव्र अभिलाषा थी। कभी-कभी उसके भीतर कुछ अपवित्र अभी भी उत्तेजित होता है। वह हर घर पर अकेले बैठकर प्रार्थना कर रहा था।

फिर परमेश्वर उसके पास आग के रुप में आए - "संघनित प्रकाश" के रूप में। उसके प्राण बदल दिये गये, नई आत्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाये गये, और उसकी जरूरतों को पूरा किया गया।

वह परमेश्वर की पवित्रता और लोगों की पवित्रता की आवश्यकता का प्रचार करने लगा जैसा पहले कभी नहीं हुआ था। उसके बाद जिन चर्चो में वह पादरी रहा, वे अद्भुत जीवनशक्ति के साथ विकसित हुए - एक से अधिक बार, उसके चर्च की सदस्यता एक वर्ष में दोगुनी हो जाती।

डॉ. फीनीस एफ. ब्रेसी इस प्रकार परमेश्वर के लिए लोगों को छुड़ाने के लिए परमेश्वर के आदमी बन गए। बहुत पहले, अमेरिकी महाद्वीप में, चर्च ऑफ द नाज़रीन नामक एक समूह में पवित्र आग प्रज्वलित हुई।

जिस व्यक्ति ने परमेश्वर के हाथ से दस आज्ञाएँ प्राप्त की, उसने सबसे पहले सीखा कि परमेश्वर पवित्र हैं। बंधन में पड़े लोगों की पुकार का उत्तर देने के लिए (निर्गमन 2:24) यहोवा ने मूसा से उनकी उपस्थिति से पवित्र की गई भूमि पर आग में से बात की (निर्गमन 3:5) ओह, यह कि आज और अधिक लोग परमेश्वर की आवाज सुनकर और उस आग को महसूस करके अपने जूते उतारेंगे। फिर वे लोगों की अगुवाई कर सकेंगे।[96]

---

96. पहले ये 'कम ये अपार्ट' जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 14 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)।

.....

जून 29 **दिन - 180**

परमेश्वर की इच्छा को कैसे जानें

******

इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ - यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। इस संसार के सदृश न बनो; परंतु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली-भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।
रोमियों 12:1-2

चेरी ने रोते हुए कहा, "मुझे डर है कि परमेश्वर उसे मुझे नहीं देंगे।" किशोर लड़की एक संघर्ष के बीच में थी: परमेश्वर की इच्छा बनाम चेरी की इच्छा।

परमेश्वर की इच्छा को पाने के लिए पहला कदम यह सुनिश्चित करना है कि आपने अपने आप को उन्हें (यीशु) एक जीवित बलिदान के रूप में अर्पित कर दिया है। एक बार जब आप उस समर्पण की स्थिति में होते हैं, तो परमेश्वर की इच्छा को समझने के पाँच व्यावहारिक तरीके हैं:

1. बाइबिल: परमेश्वर का वचन कुछ व्यापक सिद्धांत प्रदान करता है, जैसे कि रोमियों 12:1-2। बाइबिल आपको यह नहीं बताती कि आपको एक डॉक्टर बनना चाहिए या एक ट्रक ड्राइवर -
   हालांकि यह स्पष्ट करता है कि आपके द्वारा किये गए चुनाव पूरी तरह से परमेश्वर के प्रति समर्पित जीवन से उत्पन्न होने चाहिए।
2. प्रार्थना में आत्मा की अगुवाई: यह वह जगह है जहाँ आत्मा आपको अधिक विशिष्ट मार्गदर्शन दे सकता है: कौन सा काम, कौन सा व्यक्ति, कौन सा विकल्प। आत्मा की आवाज कैसी होती है? ए. जे. रसेल के अनुसार, "अलौकिक आवाज हमेशा श्रव्य शब्दों में व्यक्त नहीं होती। वह एक हृदय-चेतना के रूप में जानी जाती है।[97]
3. खुले और बंद दरवाजे: इन्हें आत्मा की अगुवाई का समर्थन करना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप एक इंजीनियर बन गए हैं, लेकिन अपने सभी गणित और विज्ञान पाठ्यक्रमों में असफल रहे हैं, तो यह बंद दरवाजे की तरह लगता है।
4. परिपक्व मसीही मित्रों की सलाह: जब मुझे सेमिनरी में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया। मैंने पाँच भरोसेमंद मसीही मित्रों से उनकी राय पूछी। चार ने कहा कि मुझे पद स्वीकार कर लेना चाहिए (बेशक मैंने पवित्र शास्त्र से भी परामर्श किया और निर्णय के बारे में प्रार्थना की)
5. पवित्र किया गया विवेक: आपको स्थिति के तथ्यों को समझने के लिए अपने तर्क और समझ का उपयोग करना चाहिए। यह "पवित्र किये गये" विवेक का अभ्यास है - जो कि परमेश्वर के लिए प्रमुख स्थान रखता है। अभी, मेरा एक प्रिय जन यह तय करने की कोशिश कर रहा है कि उसे अपने गिरवी रखे गये घर को रिफाइनेंस करना चाहिए या नहीं। इस प्रक्रिया में, वह सभी वित्तीय विकल्पों की सूची बनाने के लिए अपने पवित्र किये गये विवेक का उपयोग कर रहा है।

इन संसाधनों की समीक्षा करते हुए, मुझे एक मित्र की याद आ रही है, जिसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने थे। इस प्रक्रिया में उसने, परमेश्वर की इच्छा को समझने के लिए सभी पाँच दिशानिर्देशों का उपयोग किया है। परिणामस्वरुप, वह परमेश्वर की इच्छा - उसकी अच्छी प्रसन्न करने वाली और सिद्ध इच्छा को आजमाने और उसे स्वीकार करने में सक्षम होता है। और यह बहुत अच्छा है।

---

97. ए. जे. रसेल, गॉड कॉलिंग (न्यूयार्क: अर्थर जेम्स लिमिटेड, 1953)

.....

जून 30 **दिन - 181**

"सिद्ध" - क्या आप मजाक कर रहे हैं?

******

उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं। इब्रानियों 10:10

क्योंकि उसने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किये जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है। इब्रानियों 10:14

सिद्ध अच्छे शब्दों, वाक्यांशों या विचारों के बारे में भ्रम पैदा करना संभव है। यह सिएटल के पाँचवी कक्षा के बच्चे की तरह है जिसने मानव शरीर पर विज्ञान की परीक्षा दी है। यूरेनियम, थोरेक्स और एबडोमिनल कैविटी की पहचान करने के बजाय उसने "ब्रेनियम" "बोरैक्स" और "एबोमिनेबल कैविटी" लिखा।

"सिद्ध" शब्द का एक कष्टमय इतिहास रहा है। मेरे किशोर बेटे का गलत काम करने का लगातार बहाना था, "कोई भी सिद्ध नहीं है, डैड"।

इब्रानियों ने पुराने बलिदान प्रणाली के लिए मसीह के बलिदान की श्रेष्ठता को चित्रित किया है - "एक ही बार में हमेशा के लिए" बनाम "बार-बार"। पुराने नियम का याजक खड़े होकर प्रतिदिन सेवा करता करता है;

मसीह पापों के बदले एक ही बलिदान को सर्वदा के लिए चढ़ाकर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। (इब्रानियों 10:11-13)

ऐसा प्रगट होता है कि परमेश्वर की इच्छा का पहला भाग हमेशा पवित्र किया जाना है (वचन 10) - लेकिन हम अपने लिए ऐसा नहीं कर सकते। यह केवल मसीह के देह के माध्यम से ही हो सकता है। उनकी सिद्ध बलिदान उन लोगों के लिए सिद्धता लाया है जो पवित्र किए गए हैं। वचन 16-17 में, वह पापों का फिर स्मरण नहीं रखता (अर्थात वह पाप को क्षमा करता है): वचन 16 में, वह अपनी व्यवस्था को हमारे में रखता है। इस प्रक्रिया में, वह मसीह की समानता में हमारे हृदयों को शुद्ध और अंकित करता है। अब परमेश्वर हमारे आंतरिक स्वयं को बदलने के लिए बाहरी व्यवहार से परे चले गए हैं।

नए नियम में, "सिद्ध" शब्द का अर्थ पूर्ण है; एक वांछित स्तर पर लाया गया; उस उद्देश्य को पूरा करते हुए जिसके लिए वह नियत या डिजाइन किया गया था। यह हमें एक पूर्ण प्रेम में लाता है, जिसमें हम अपने पूरे हृदय, मन और आत्मा से प्रेम करते हैं। पहला यूहन्ना 4:17-18 इस प्रकार के प्रेम का वर्णन करता है, जब वह कहता है, "इसी से प्रेम हम में सिद्ध हुआ कि हमें न्याय के दिन हियाव हो:

क्योंकि जैसा वह है वैसे ही संसार में हम भी हैं। प्रेम में भय नहीं होता, वरन् सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है।

यह सिद्धता सीमित है। यह सिद्ध सामर्थ्य, सिद्ध ज्ञान, सिद्ध समझ, सिद्ध संचार, सिद्ध निर्णय नहीं है – बल्कि सिद्ध प्रेम है। आज के वचन में "एक ही बार में हमेशा के लिए" और "हर बार के लिए" शब्द मसीह के बलिदान की श्रेष्ठता पर जोर देते हैं। कल्पना कीजिए की एक छोटा लड़का लंबी

और कड़ी मेहनत करने के बाद अपनी वर्तनी (स्पेलिंग) परीक्षा में 100% अंक अर्जित करता है। वह अपना टेस्ट पेपर घर लाता है और अपने पिता को दिखाता है उसके शिक्षक ने शीर्ष पर "एक सिद्ध पेपर" लिखा है। पिता इसे एक पल के लिए देखते हैं, फिर कहते हैं, "लेकिन बेटा, क्या तुम्हें नहीं लगता कि तुम अपनी लेखन शैली में सुधार कर सकते हो?" बेशक, यह मुख्य बिंदु से पूरी तरह से अलग होगा - बेटा उस क्षेत्र में सिद्ध था जिसमें उसकी परीक्षा हुई थी।

कोई आश्चर्य नहीं कि रोमियों 13:10 कहता है, "प्रेम रखना व्यवस्था को पूरी करना है" और रोमियों 5:5 कहता है, "पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है, उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मनों में डाला गया है"। परमेश्वर ने हमें उन्हें और दूसरों से प्रेम करने के लिए बनाया है - अब जिस उद्देश्य के लिए हमें बनाया गया था वह पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा पूरा किया जा रहा है।

हम मजाक नहीं कर रहे हैं। जैसा कि इब्रानीयों 10:14 बताता है, परमेश्वर ने "उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिए सिद्ध कर दिया है।"

.....

जुलाई 1 **दिन - 182**

प्रभु, मन छुने वाला

******

फारस के राजा कुस्रू के पहले वर्ष में यहोवा ने फारस के राजा कुस्रू का मन उभारा कि यहोवा का जो वचन यिर्मयाह के मुँह से निकला था वह पूरा हो जाए, इसलिये उसने अपने समस्त राज्य में यह प्रचार करवाया और लिखवा भी दिया: "फारस का राजा कुस्रू यों कहता है: स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा ने पृथ्वी भर का राज्य मुझे दिया है, और उसने मुझे आज्ञा दी कि यहूदा के यरूशलेम में मेरा एक भवन बनवा।" एज्रा 1: 1: 2

1948 में जब राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने इज़राइल को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दी, तो दुनिया भर के यहूदी अपने पुनःस्थापित राष्ट्र में वापस आ गए। क्या यह प्रभु द्वारा राष्ट्रपति के मन को उभारने का मामला हो सकता है?

हमारा अनुच्छेद हमें बताता है कि प्रभु ने एक अन्यजाति के राजा कुस्रू के मन को उभारा। 586 ईसा पूर्व में यहूदा पर बेबीलोन की विजय ने कई यहूदियों को बाबुल में निर्वासित कर दिया था। यहूदा अपने पाप के कारण गिर पड़ा; फिर फारस के राजा कुस्रू ने बेबीलोन को हरा दिया।

लेकिन 538 ईसा पुर्व में, कुस्रू ने एक फरमान जारी किया जिसमें इज़राइल के लोगों को अपने वतन लौटने और मंदिर का पुनर्निर्माण करने की अनुमति दी गई थी। बयालीस हजार लोग लौटे।

भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि परमेश्वर अपने लोगों को उनके देश वापस लाएंगे। यिर्मयाह 32:37 कहता है, "मैं उन्हें इस स्थान पर वापस ले आऊंगा और उन्हें निडर करके बसा दूँगा।" इसी प्रकार, यशायाह 45:13 कहता है, "मैं ही ने कुस्रू को धार्मिकता में उभारा है..... वह मेरे नगर को फिर बसाएगा और मेरे बंदियों को बिना दाम या बदला लिए छोड़ देगा।" हाँ, परमेश्वर मन को उभारने वाला है, महान लोगों के मन को भी उभारने वाला - यहाँ तक कि उन लोगों का भी जो अभी तक उनकी सेवा नहीं करते हैं।

मैं एक महिला को जानता हूँ जिसका वर्तमान का नियोजक का व्यवसाय बिक चुका है - अब वहाँ एक नया, बड़ा शोरूम, एक विस्तारित योजना और एक नया मालिक है। जल्द ही वह कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों, घंटो और वेतन पर चर्चा करने के लिए नये मालिक से मिलेगी। उसके दोस्त प्रार्थना कर रहे हैं कि प्रभु नए मालिक के मन को छुएंगे कि वह कर्मचारी के प्रति उचित और विचारशील परिवर्तन रखे।

एक शुक्रवार की सुबह मैं पुरुषों के प्रेयर ब्रेकफास्ट में एक दर्जन पुरुषों के साथ था। उस समय, मैं नाज़रीन थियोलॉजिकल सेमिनरी में सुसमाचार प्रचार के प्रोफ़ेसर के रूप में सेवकाई कर रहा था। मेरे बगल में बैठा आदमी, शहर के एक प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थान का उपाध्यक्ष मेरी ओर झुका और फुसफुसाया, "मैं एक चैरिटेबल ट्रस्ट के बोर्ड में हूँ, और हम मसीही कारणों, विशेष रुप से सुसमाचार प्रचार के लिए पैसा देना पसंद करते हैं। हमें सुसमाचार प्रचार के स्कॉलरशिप के लिए एक अपील करें।" फिर उसने ट्रस्ट के अध्यक्ष से मिलने के लिए एक अपाइंटमेंट लिया। अंत में, पाँच लाख और दस लाख डॉलर स्कॉलरशिप के बीच, पैसे कई छात्रों को दिए गए, जो आज कई लोगों को यीशु

मसीह के लिए जीत रहे हैं। मैं उस पल में चकित हो गया, लेकिन नाश्ते में मेरे बगल वाले आदमी के मन को परमेश्वर ने छुआ।

आपको किसके लिए प्रार्थना करने की जरूरत है - कि परमेश्वर उनके मन को छुए?

.....

जुलाई 2 **दिन - 183**

जब एक मसीही आपको निराश करता है

******

परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में हैं, अर्थात् उनके नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिए बुलाये गए हैं और उन सब के नाम भी जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से प्रार्थना करते हैं। 1 कुरिन्थियों 1:2

इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें, जिसने उस आनंद के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्ज़ा की कुछ चिंता न करके, क्रूस का दुख सहा, और परमेश्वर के सिंहासन की दाहिने जा बैठा। इब्रानियों 12:1-2

कुरिन्थुस की कलीसिया को लिखते हुए, पौलुस ने उन्हें "पवित्र किये गये" कहा। "पवित्र किये गये" के दो मूल अर्थ है: पवित्र सेवा के लिए अलग रखा जाना; और साफ या शुद्ध किया जाना।

फिर भी कुरिन्थियों के साथ चीजें कुछ सही नहीं थीं - कुछ वचनों के बाद, पौलुस उनसे निराश होकर अपील करता है कि "तुम में कोई फूट न हो" (1 कुरिन्थियों 1:10)। हम उनके अनुभव को "प्रारंभिक पवित्रीकरण" कह सकते हैं - अलगाव और सफाई का वह स्तर जो तब आता है जब एक व्यक्ति रूपांतरित होता है और मसीह को स्वीकार करता है।

लेकिन कुरिन्थियों को गहराई में जाने की और उनके भीतर शेष आत्म-केंद्रितता से निपटने की जरूरत थी। जब पौलुस ने थिस्सलुनीकियों के गहरे पवित्रीकरण के बारे में संबोधित किया, उसने प्रार्थना की, "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करें" (1 थिस्सलुनीकियों 5:23)। इसे "संपूर्ण पवित्रीकरण" कहा जाता है। आज, जब प्रचारक लोगों को पवित्र होने के लिए बुलाते हैं, तो उनका आमतौर पर अर्थ, "संपूर्ण पवित्रीकरण" होता है। स्पष्ट रुप से कुरिन्थियों को यही चाहिए था, और आज बहुत से मसीहियों को इसकी आवश्यकता है।

एक मसीही विश्वासी सबसे अधिक कठिन चीजों में से एक से होकर तब गुजर सकता है जब एक साथी मसीही अपने लापरवाह जीवन शैली के निर्णयों द्वारा या प्रभु से दूर होकर, आपको निराश करता है।

मेरे साथ यह हुआ है: एक व्यक्ति जिसे मैंने सबसे अधिक धार्मिक व्यक्ति माना, एक प्रिय मित्र और एक व्यक्ति जिसे मैं अगुवाई के लिए देखता था, प्रभु से दूर हो गया। मैं व्यथित था, लेकिन मैं जानता था कि यीशु मसीह मेरे लिए इतने वास्तविक थे कि मैं प्रभु से दूर नहीं हटूंगा। मैंने अपनी आँखें यीशु पर लगा दी और दौड़ लगाता रहा।

वर्षों से, मैं इस दोस्त के संपर्क में रहा - उसने मुझे बताया कि मैं ऐसा करने वाले कुछ लोगों में से एक था। वर्षों बाद, वह प्रभु के पास वापस आया और महान आत्मिक सामर्थ्य और प्रभाव का जीवन व्यतीत किया।

अगर किसी ने आपको निराश किया है, तो अपनी नजर यीशु पर रखें - वह आपको कभी निराश नहीं करेगा। और अपना सारा ध्यान उस व्यक्ति पर देने के बजाय जो गिर गया है, क्यों न उन लोगों की ओर दें जो अब भी खड़े हैं? आखिरकार, हम गवाहों के एक बड़े बादल से घिरे हुए हैं।

.....

जुलाई 3 **दिन - 184**

प्रभु उसके साथ थे

******

पर यहोवा यूसुफ के संग-संग रहा और उस पर करुणा की, और बंदीगृह के दारोगा के अनुग्रह की दृष्टि उस पर हुई। उत्पत्ति 39:21

सुबह-सुबह पुरुषों की प्रार्थना सभा में किम ने बताया कि उसके पेट का कैंसर, उसके फेफड़ों और यकृत (लीवर) में चला गया है। वह अगले प्रायोगिक दवा परीक्षण में भाग लेने पर विचार कर रहा था। लेकिन उसने यह भी बताया, "पिछले तीन वर्षों में, मैं सबसे अच्छा महसूस कर रहा हूँ।" मैं हर चीज के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ। "जीवन अच्छा है।"

मेरे बेटे पॉल ने तैंतीस से पचपन आयु के बीच, पाँच प्रमुख कैंसर सर्जरी से होकर गुजरने के बाद, फोन पर एक कर्कश आवाज में कहा, "कैंसर से पहले मुझ पर परमेश्वर की आशीष थी। मेरे वॉइस बॉक्स हटाने के बाद भी परमेश्वर की आशीष मुझ पर थी। परमेश्वर की आशीष आज भी मुझ पर है।"

जब मेरी पत्नी नैन्सी और मैंने अपनी बेटी के तलाक और अधर्मी जीवन-शैली के बाद हमारे जीवन के सबसे दुखद दौर में प्रवेश किया, तो परमेश्वर ने बार-बार स्टीव ग्रीन के एक गीत के शब्दों के माध्यम से हम से बात की जो इस प्रकार थे, "पीपल नीड द लॉर्ड": "एट द एंड ऑफ ब्रोकन ड्रीम्स, ही इज द ओपन डोर।"

मेरा दोस्त टीम ने अपनी जेल की कोठरी से सूचना दी कि एक मसीही मित्र "उसी दिन मुझसे मिलने आया, जब मैंने अपनी माँ के अंतिम संस्कार का संस्कार का वीडियो देखा, जो मेरे लिए भावुक था। फिर से, यह मसीही भाई परमेश्वर के प्यार और समय के माध्यम से मुझे सांत्वना में मदद देने के लिए वहाँ उपस्थित था। कुछ लोग इसे संयोग कहेंगे। मैं इसे कोई इत्तेफाक नहीं कहता। परमेश्वर का प्रेम और समय उत्तम है। जेल एक तनहा स्थान हो सकता है लेकिन परमेश्वर के प्रेम के द्वारा मैं एक मसीही के रूप में बढ़ता रहा हूँ। यद्यपि मेरी स्वतंत्रता एके रेजर डायर की बाड़ से बंधी हुई है लेकिन मैंने इससे पहले कभी भी एक स्वतंत्र व्यक्ति जैसा अधिक महसूस नहीं किया और ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरा दिल परमेश्वर के प्यार से भरा गया है।"

जीवन के कठिन स्थानों में, प्रभु आपके साथ रहेगा। कठिन स्थानों से गुजरने का यह अर्थ नहीं है कि परमेश्वर आपके जीवन से चला गया है - वह उन कठिन स्थानों में उपस्थित और वास्तविक हो सकता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि उत्पत्ति 39:3 में "पोतीपर... ने देखा कि यहोवा यूसुफ के संग रहता है, और जो काम वह करता है उसको यहोवा उसके हाथ से सफल कर देता है।" (एनएलटी) पोतीपर ने यह देखा जब यूसुफ गुलाम था, जो निश्चित रूप से यूसुफ के जीवन एक अनुचित और कठिन समय था। बाद में उत्पत्ति 39:21 इसकी पुष्टि करता है: "यहोवा बंदीगृह में यूसुफ के साथ था और उन्होंने उसे अपना विश्वासयोग्य प्रेम दिखाया।"

इसी तरह, प्रभु हर स्थिति में आपके साथ हो सकता है। प्रभु की जीवित उपस्थिति पूरे जीवन में सबसे महत्वपूर्णकारक है।

.....

जुलाई 4 **दिन - 185**

दो-सेकंड का नियम

******

इसलिये हे भाइयों, जो जो बातें सत्य हैं, और जो जो बातें आदरणीय हैं, और जो जो बातें उचित हैं, और जो जो बातें पवित्र हैं, और जो जो बातें सुहावनी हैं, और जो जो बातें मनभावनी हैं, अर्थात् जो भी सद्गुण और प्रशंसा की बातें हैं उन पर ध्यान लगाया करो। फिलिप्पियों 4:8

लगभग नौ सौ रिवाइवल सेवा और हजारों मील की यात्रा में, मुझे कई घरों और मोटेल में रहने का सौभाग्य मिला। यदि एक मोटेल में रहता तो, शाम के प्रचार के बाद अपने कमरे में आना, परमेश्वर की तलाश करने वाले लोगों के साथ प्रार्थना करना और दूसरों को परामर्श देने वाला मेरा लक्ष्य बहुत ही आराम और शांतिदायक था।

पैंसठ वर्षों से मैं यह कर रहा हूँ, हमारी दुनिया ने प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) में कई बदलाव और प्रगति देखी है। हमारे घरेलू जीवन में एक समय में, हमारे पास एक साधारण टीवी था जिसमें एंटीना के द्वारा छह या आठ चैनल आते थे। लेकिन जब मैं कुछ मोटेल में रहा तो पहली बार मैं केबल चैनलों से रूबरू हुआ।

हाथ में पकड़े जाने वाले के रिमोट के द्वारा मैं कम समय में कई चैनलों में जा सकता था। विश्राम के लिए मेरे पसंदीदा कार्यक्रम खेल और पशु शो थे। कुछ बिंदु पर, अनियोजित रूप से, मुझे ऐसे केबल चैनल मिले जो यौन रूप से विचारोत्तेजक थे। मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि मैं इनमें से कुछ कार्यक्रमों पर रुका रहा।

प्रभु के साथ मेरे संबंध पर एक बादल उतरने लगा। एक बिंदु पर, मुझे ऐसा लगा जैसे प्रभु ने मुझे कहा है, "यदि तुम इसमें बने रहते हो तो तुम अपने प्राण को खोने वाले हो।'

मैंने तुरंत क्षमा और शुद्धिकरण के लिए कहा। मुझे पता था कि मेरा विलंब करना स्वीकार्य नहीं है और मुझे निर्णायक कार्यवाही करनी चाहिए। मैंने तब दो-सेकंड नियम स्थापित किया (और अभी भी बनाए रखा है): अगर मुझे टीवी पर कुछ भी अश्लील लगता है, तो मुझे दो-सेकंड के भीतर चैनल बदलना होगा। रिमोट का यह कितना अच्छा उपयोग है।

प्रेरित पौलुस यह नहीं जान सकता था कि केबल टीवी, इंटरनेट, फेसबुक, स्मार्टफोन या अन्य आधुनिक उपकरण होंगे जो अब वीडियो प्रसारण में सक्षम हैं।

लेकिन वह समझ गया था कि जो कुछ भी आपकी दृष्टी या आपके मन को जकड़ता है वह अंतत: आपके मन, आपके कार्यों पर कब्जा कर लेगा। इसलिए उसने गुणों की एक सूची बनाई - सच्चा, सज्जन, सही, शुद्ध, प्यारा, प्रशंसनीय - और कहा, "ऐसी चीजों के बारे में सोचो"। जो कुछ भी आपके मन में जाता है, वह आप में जाता है - इसलिये अपने प्राण के लिए, शुद्ध, सज्जन और सच्चा चुनें। पिछले वचनों (4:6-7) में पौलुस ने चिंता का समाधान प्रदान किया। इसका कारण यह है कि वचन 8 (वैचारिक जीवन) और वचन 6 और 7 (चिंता मुक्त जीवन) के बीच एक संबंध होना चाहिए।

मेरे द्वारा अब तक चुने गए सर्वोत्तम चुनावों में से एक, दो-सेकंड नियम को अपनाना था। आज मैं, परमेश्वर के साथ सबसे मधुर, सबसे आत्मीय, प्रेरणाप्रद संबंध में जी रहा हूँ और आनंदित हूँ जिसे मैंने पहले नहीं जाना था। धन्यवाद प्रभु! क्या आपको दो-सेकंड का नियम या इसी तरह की रणनीति अपनाने की जरूरत है?

.....

जुलाई 5 **दिन - 186**

हम इसमें कुछ नहीं कर सकते

******

क्योंकि यह तो हम से हो नहीं सकता कि जो हम ने देखा और सुना है, वह न कहें।
प्रेरितों के काम 4: 20

मसीही अधिक साक्ष्य क्यों नहीं देते? 250 से अधिक 'विटनेसिंग विदाउट फीयर' सेमिनार जिसमें मैंने पढ़ाया है, दो सबसे प्रचलित उत्तर निम्नलिखित है:

- लोग मुझे अस्वीकार कर सकते हैं।
- मैं नहीं जानता कि मैं क्या कहूँ।

दोनों, आंशिक रूप से, डर के मुद्दे हैं। तौभी पतरस और यूहन्ना अपने साहस के लिए जाने जाते हैं (प्रेरितों के काम 4:13)।

फिर भी एक और बड़ा कारण है कि मसीही साक्ष्य नहीं देते। वे इस बारे में पर्याप्त उत्साहित नहीं हैं कि यीशु ने उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या किया है।

हॉबी वर्षों से एक चर्च का हिस्सा रहा है और अधिकांश मानकों के अनुसार, एक सच्चा और सभ्य जीवन जीता है।

फिर भी, साठ वर्ष की आयु में, उसने व्यक्तिगत रूप से मसीह को अपने हृदय में आमंत्रित किया। पहली बार परमेश्वर उसके लिए वास्तविक थे।

जब हम चर्च के लिए लाइट फिक्सर (झूमर) खरीदने के लिए एक साथ गये, तो वह मेरी खरीददारी पूरी करने से पहले विक्रेता को एक तरफ ले गया। बाद में, जब मैंने उससे पूछा कि क्यों, हॉबी ने कहा, ओह मुझे उसे यह बताने का मौका मिला कि परमेश्वर ने हमारे परिवार के लिए क्या किया है।" हॉबी लबालब भरा हुआ था या जैसा कि पतरस ने कहा, "यह तो हमसे हो नहीं सकता कि जो हमने देखा और सुना है वह न कहें" (4:20)।[98]

पहले यह 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग, 24 में प्रकाशित हुआ था। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है।

.....

धोखाधड़ी!

******

(शैतान) तो आरंभ से हत्यारा है और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता है, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है वरन् झूठ का पिता है।
यूहन्ना 8:44 ब

एक ही दिन में, मुझे पाँच फोन कॉल आए:

- हैलो, दादाजी... मेरा एक्सीडेंट हो गया है और मैं मेडिकल सेंटर में हूँ....."
- एप्पल फोन के आर्डर के लिए आपके खाते से 999$ का शुल्क चार्ज किया गया है, जब तक कि आप रद्द नहीं करते...."
- मैं ए टी एंड टी की ओर से फोन कर रहा हूँ। क्या आप छूट चाहेंगे?
- एप्पल फोन के आर्डर के लिए आपके खाते से 599 डॉलर का शुल्क लिया गया है...."
- क्या आप अपनी क्रेडिट कार की दर कम करवाना चाहेंगे?

अगर मैंने इनमें से किसी भी एक कॉल का जवाब दिया होता, तो मैं गारंटी देता हूँ कि वे मेरी जानकारी लेने की कोशिश करते या मुझसे किसी तरह की प्रतिबद्धता कराने की कोशिश करते,

जिसका अंतिम परिणाम मेरा पैसा चुराना होता। यह अनुरोध मुझे फायदेमंद लगता। लेकिन यह सब धोखा है - अंतिम परिणाम हमेशा उनके लिए कुछ फायदेमंद पाना होता है, चाहे मुझे इससे कितना भी नुकसान हो।

यह मुझे याद दिलाता है कि शैतान कैसे कार्य करता है। वह एक अपील करता है, या तो आपकी सहानुभूति के लिए बुलाता है या आपको लाभ का वादा करता है। उसे आपसे झूठ बोलने में कोई दिक्कत नहीं है। अंत में, उसका लक्ष्य चोरी करना, मारना और नाश करना है (यूहन्ना 10: 10)। आप अंत में आहत होंगे, हो सकता है कि आपका बैंक खाता खाली हो जाये या आपका क्रेडिट कार्ड अधिकतम सीमा पार कर जाए।

शैतान शातिर हो सकता है - 1 पतरस 5:8 कहता है, "क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।" शैतान अच्छा दिखाई दे सकता है, यहाँ तक कि ईश्वरीय भी। लेकिन 2 कुरिन्थियों 11:14 हमें चेतावनी देता है, "शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।"

इसलिये, सचेत और संयम से रहो" (1 पतरस 4:7)। शैतान को आप को धोखा न देने दें।

.....

जुलाई 7 **दिन - 188**

पावर गैप को कम करना, भाग 1

******

मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, वरन् इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।

यूहन्ना 14:12

यदि आपने पिछले साठ वर्षों से अमेरिकी राजनीति और सांस्कृतिक जीवन का अनुसरण किया है तो आपने शायद मिसाइल गैप, क्रेडिबिलिटी गैप और जेनरेशन गैप के बारे में सुना होगा। मैं एक और शब्द का सुझाव देना चाहता हूँ - वैल्यू गैप। लेकिन शायद सबसे महत्वपूर्ण अंतर (गैप) चर्च में शक्ति का अंतर (पावर गैप) है। यीशु ने जो वादा किया था और मसीही जीवन में प्रदर्शित शक्ति के बीच यह अंतर है।

यीशु ने वादा किया था कि जो लोग उस पर विश्वास करते हैं वे उससे भी बढ़कर काम करेंगे जो उसने (यीशुने) किया था। जहाँ उनके वादे की व्याख्या करने के कई तरीके हैं, हम यह जानते हैं, चूँकि यीशु के परिवर्तित लोगों की संख्या अंको में थी, पतरस ने अपने प्रचार के तहत हजारों को परिवर्तित होते देखा और पौलुस द्वारा रोपित चर्चो के माध्यम से हजारों लोग मसीह के पास आए।

यीशु ने इस आत्मिक सामर्थ्य को खोलने के लिए तीन कुंजीयाँ दी है:

1. प्रार्थना की कुंजी: "जो कुछ तुम मेरे नाम से मांगोगे, वही मैं करूंगा" (यूहन्ना 14:13)।
2. प्रेमपूर्ण आज्ञाकारिता की कुंजी: "यदि तुम मुझसे प्रेम रखते हो तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे" (14: 15)।
3. पवित्र आत्मा की सेवकाई की कुंजी: "मैं पिता से बिनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे-अर्थात् सत्य की आत्मा"(14:16-17)।

मैं अपने जीवन में पावर गैप को कम करना चाहता था।इस प्रक्रिया में परमेश्वर ने मुझे एक पाठ पढ़ाया: जब मैंने एक चर्च न जाने वाले घर में पास्टोरल कॉल दी। तो मैं क्लार्क से मिला। वह इतना परिपक्व, इतना बड़ा, इतना मांसल था कि मुझे लगा कि वह परिवार का पिता है। वह बेटा निकला और वह हाईस्कूल फुटबॉल टीम में खेलता था। वह चर्च आने लगा। जल्द ही उसने परमेश्वर को पाया, बपतिस्मा लिया और चर्च में शामिल हो गया। उसने एक उत्साही जीवन जिया और यहाँ तक कि अपने कजिन भाई बहनों को चर्च में लाना शुरू कर दिया। स्कूल के बाद वह सेना में भर्ती हो गया और यूरोप में तैनात था। छह साल तक, मैंने उसे नहीं देखा - मैंने केवल पत्राचार के माध्यम से संपर्क किया। जब वह घर आया तो वह रहोंडा नाम की एक जर्मन लड़की को अपने साथ लाया। वह एक अनुवादक थी, और चार भाषाओं में पारंगत थी। वे शादी करना चाहते थे।

मैंने क्लार्क से पूछा कि वह आत्मिक रूप से कहाँ है। उसने जवाब दिया, "मैं सब ठीक कर रहा हूँ। मैं कुछ भी गलत नहीं कर रहा हूँ। मैं वह सब कुछ कर रहा हूँ जो मुझे करना चाहिए।" उसके शब्द सपाट थे: उत्साह चला गया था। रहोंडा ने मुझे आश्वासन दिया कि वह ठीक थी क्योंकि वह जर्मन स्टेट चर्च की सदस्य थी।

अपनी शादी के बाद क्लार्क और रहोंडा रविवार की सुबह उपस्थित हुए लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। मैंने उन्हें बुलाया, प्रार्थना की और उपदेश दिया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उस समय, एक सुसमाचार प्रचारक ने मेरे साथ साझा किया, "यदि आप वास्तव में लोगों तक पहुंचना चाहते हैं, तो आपकी उन्हें प्रेम और प्रार्थना से घेरना होगा"। यही वह गहन मार्ग था जिसकी मुझे आवश्यकता थी। ताकि प्रभु एक महान कार्य कर सकें।

एक दिन मुझे रहोंडा के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में एक फोन आया। वे एक बच्चे की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वह प्रसव में नहीं थी - उसके पेट की सर्जरी हो रही थी।

मैं अस्पताल में रहोंडा से मिलने गया। वह व्याकुल थी। बच्चा कुछ ही देर में होने वाला था, लेकिन सर्जरी के बाद वह प्रसव पीड़ा को सहन करने योग्य नहीं रहेगी। ऐसा लग रहा था कि उसका अनियोजित - सी सेक्शन करना होगा।

मैंने समझाया कि प्रभु ने उसकी स्थिति को समझा और सुझाव दिया कि हम प्रार्थना करें।

यदि परमेश्वर उस दिन अस्पताल के किसी कमरे में गए थे तो वह रहोंडा का कमरा था। उसने प्रार्थना करते हुए ऊपर देखा और अपने जर्मन उच्चारण में कहा, "परमेश्वर आ गए, परमेश्वर आ गए। जैसे ही मैं कमरे से बाहर गया, उसने कहा, "धन्यवाद, धन्यवाद पादरी शेवर।"

.....

जुलाई 8 **दिन - 189**

पावर गैप को कम करना, भाग - 2

******

जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, वरन् इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।

यूहन्ना 14:12

मैंने प्यार और प्रार्थना के साथ क्लार्क और रहोंडा को घेरना जारी रखा। बाद में, जब मैं अस्पताल लौटा, तो रहोंडा को डिनर में उसके सामने रखें एक फ्राइड चिकन को खाने के लिए बैठे देखा। उसकी डिलीवरी नॉर्मल हुई थी और वह ऑपरेशन और प्रसव दोनों के तरह मुक्त थी। हम सहमत थे कि यह एक चमत्कार था।

अगले दिन, जब मैं चर्च के कार्यालय में अध्ययन कर रहा था, मैंने एक शोर सुना। चर्च की लॉबी में क्लार्क गर्व से अपनी बेटी की तारीफ कर रहा था। हम एक साथ आनंदित हुए। प्रार्थनापूर्वक, मैंने उसके चारों ओर प्यार का एक और फंदा फेंका और पूछा, "क्लार्क आप आत्मिक रूप से कैसा कर रहे हैं?"

उसने उत्तर दिया, "परमेश्वर उस तरह वास्तविक नहीं है, जैसे हुआ करते थे।"

उस क्षण में, पवित्र आत्मा ने मुझे विवेक का उपहार दिया। मैं जानता था कि किस पाप ने क्लार्क का परमेश्वर के साथ संबंध तोड दिया था। मैंने कहा, "क्लार्क मुझे पता है कि तुम्हारा पाप क्या है, लेकिन अगर मैं तुमसे कहूँ तो तुम मुझ पर क्रोधित हो जाओगे।

उसने कहा, "नहीं, मैं क्रोधित नहीं हूँगा पादरी शेवर। आप मेरे दोस्त है, इसलिए आप मुझे बता सकते हैं।" तो मैंने उसके पाप का नाम लिया।

अचानक, शक्तिशाली फुटबॉल खिलाडी फूट-फूट कर रोने लगा। उसने कहा, "मैं बहुत बुरा रहा हूँ, मैं प्रार्थना करने से डरता हूँ।"

हम दोनों पवित्र स्थान की वेदी की ओर चल दिए। वहाँ, क्लार्क ने अपना ह्रदय उंडेल दिया और परमेश्वर के पास वापस आ गया। फिर वह कूदने लगा, जोर से मुट्ठी हवा में उछाला और कहा, "अब मुझे विश्वास है कि मैं एक वास्तविक मसीही हूँ।"

फिर उसके चेहरे पर आश्चर्य का भाव आया। उसने कहा, "लेकिन मुझे दशमांश देना है, लेकिन मैं दशमांश नहीं दे सकता, लेकिन मुझे दशमांश देना है।" वह खुद से आगे-पीछे बहस करने लगा।

अंत में घर के भुगतान, कार के भुगतान और नए बच्चे के बावजूद क्लार्क ने खुशी-खुशी दशमांश देना शुरू करने का संकल्प लिया। जब मैंने पूछा कि क्या वह अपनी पत्नी को यह बताने जा रहा है कि उसके साथ क्या हुआ था, तो उसने उससे आगे बढ़कर कहा, "मुझे माँ और पिताजी को बताना है"।उसके माता-पिता भी चर्च में शामिल हुए।

इसके साथ ही, वह चर्च से बाहर निकला, अपनी छोटी काली स्पोर्ट्स कार में सवार हुआ, और अपने मिशन पर निकल पड़ा।

जल्द ही मुझे एक और फोन आया। चर्च की एक महिला ने रहोंडा से बात की थी: जिसमें उससे यह पूछा था कि, "मेरे पति को क्या हो गया है? वह कल रात मुझसे मिलने आया था, लेकिन

मेरा कमरा लोगों से भरा हुआ था, और हमें बात करने का अच्छा मौका नहीं मिला, लेकिन वह अलग तरह से बर्ताव कर रहा है, अलग तरह से बात कर रहा है।"

जब मैंने यह सुना, मैं रहोंडा के कमरे में लौटा और उससे कहा, "क्लार्क ने प्रभु को पा लिया है।"

रहोंडा रोने लगी, उसने अपने चेहरे पर चादर खींची और कहा, "ओह, मैंने रोककर रखा था।"

अगले रविवार क्लार्क, रहोंडा और बच्चा सभी चर्च में थे। उस सुबह रहोंडा ने पहली बार वेदी पर घुटने टेके और यीशु मसीह को स्वीकार किया।

कुछ हपतों के बाद रहोंडा विश्वास को अपनाकर चर्च में शामिल हो गई और क्लार्क ने अपनी तोड़ी हुई सदस्यता की प्रतिज्ञा की पुनः पुष्टि की। वे आत्मिक सेवा और सामर्थ्य का जीवन जीने लगे।

रहोंडा ने मसीह को पाया; क्लार्क को वापस उत्साह मिला; और दूसरों को प्रेम और प्रार्थना से घेरकर, मैं पावर गैप को कम कर सकता हूँ।

.....

जुलाई 9 **दिन - 190**

मुझे सहायता कहाँ से मिलती है?

******

मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा, मुझे सहायता कहां से मिलेगी? मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है, जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है।

भजन संहिता 121:1-2

सचमुच मैं चुपचाप होकर परमेश्वर की ओर मन लगाए हूँ; मेरा उद्धार उसी से होता है। सचमुच वही, मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है, मैं अधिक न डिगूंगा।

जब शाऊल दाऊद की हत्या करने के इरादे से क्रोधपूर्ण आचरण में था।

जब इजराइल, मिस्र से भाग रहा था, लाल समुद्र में पहुंचने पर उन्होंने महसूस किया कि फिरौन की सेना उनका पीछा कर रही थी -

जब यहोशू इजराइल को प्रतिज्ञा किए गए देश में ले जाने की कोशिश कर रहा था और दीवार और गढ़वाले शहर यरीहो का सामना कर रहा था -

जब पौलुस को यीशु का प्रचार करने के लिए कैद किया गया था -

- उन सभी ने प्रभु में अपनी सहायता पाई।

जब इजराइल ने प्रतिज्ञा किए गए देश के बारे में यहोशू और कालेब की जानकारी को अस्वीकार कर दिया, तो परमेश्वर का न्याय उन दस अन्य भेदियों पर आ पड़ा जिन्होंने इजराइल को देश में प्रवेश करने से हतोत्साहित किया था। न्याय के बाद, इजराइल ने प्रतिज्ञा किए गए देश में फिर से प्रवेश करने और उसके अधिकारी होने का फैसला किया, लेकिन मूसा ने चेतावनी दी, "यहोवा तुम्हारे मध्य में नहीं है, मत चढों, नहीं तो शत्रुओं हार जाओगे" (गिनती 14:42) निश्चित रूप से उनके तर्क में इजराइली पराजित किए गए थे (वचन 44-45)।

दूसरों द्वारा किये गए चुनावों के कारण, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का नागरिक हूँ, जिसके पास दुनिया के इतिहास में सबसे उन्नत राष्ट्र होने की प्रतिष्ठा है। हमारे पास विशाल तकनीकी कौशल, एक उत्कृष्ट चिकित्सा प्रणाली, जबरदस्त वित्तीय ताकत, महान शैक्षिक अवसर और वैज्ञानिक उन्नति के अवसर है।

फिर भी, जिस समय मैंने यह लिखा, दिसम्बर 2019 में शुरू हुआ एक घातक कोरोनावायरस दुनिया भर में फैल गया। स्कूल बंद हो गए व्यवसाय बंद हो गए, लोगों की नौकरियाँ चली गई और शेयर बाजार गिर गया और दुनिया की अधिकांश आबादी ने लॉकडाउन और क्वारंटाइन का अनुभव किया।

मेरे पास एप्पल आईफोन है। "हे सिरी" शब्दों को कहकर मैं फोन से सभी प्रकार के जवाबों को पा सकता हूँ। अब तक उसने मुझे आज का तापमान; कल का मौसम; मेजर लीग बेसबॉल सीजन शुरू होने का समय; नेपल्स से प्लोरिडा और वापस कैनसस सिटी के लिए सबसे अच्छा रास्ता और यहाँ तक कि "कोरोनावायरस" को कैसे लिखा जाए, बताया है। वह (सिरी) इतनी स्मार्ट है कि मैंने उससे पूछने का फैसला किया "अरे सिरी कोरोनावायरस का इलाज क्या है?"

उसने उत्तर दिया कि वर्तमान में, "कोरोनावायरस का कोई इलाज नहीं है।"

परमेश्वर ने अपनी दया से, कुछ उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को एक वैक्सीन विकसित करने का कौशल दिया, जिसे 2021 की शुरुआत में वितरित किया जाना शुरू हुआ, और शायद एक अधिक निश्चित इलाज या उपचार क्षितिज पर है। लेकिन इन सबसे ऊपर, हमें यह याद रखना चाहिए कि हम चाहे जितने भी समझदार या सक्षम हों, ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें हम नियंत्रित या हल नहीं कर सकते - हमें यह नहीं मानना चाहिए कि हम इसे अपने दम पर कर सकते हैं।

तब "मुझे सहायता कहां से मिलेगी? मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है" वास्तव में जैसा कि भजनकार लिखता है, "सचमुच वही मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है, मैं अधिक न डिगूंगा।"

.....

जुलाई 10 **दिन - 191**

मूसा मिद्यान भाग गया

******

उसने इधर उधर देखा कि कोई नहीं है, तो उस मिस्री को मार डाला और बालू में छिपा दिया।
निर्गमन 2:12

उसने अपने भाले से बारह हत्याएं की थीं। लेकिन अब इक्वाडोर के हुआ ओरानी जनजाति के सदस्य गिकिटा अपने अतीत से खुश नहीं था। उसने अच्छा नहीं किया था। अब जब वह परमेश्वर को जान गया तो उसकी आँखों में आँसू आ गए।

अतीत में, उसके क्रोध ने उसे पाम बीच पर पाँच मिशनरियों पर हमला का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया था। हमले में नेट सेंट की मौत हो गई थी। लेकिन अब नेट की बहन, रेचल ने एक शक्तिशाली गवाही सुनी - गिकिटा अन्य हुआ ओरानी लोगों को मसीह की ओर ले जा रहा था।

यह पहली बार नहीं था जब परमेश्वर ने "मानव क्रोध..... उसकी स्तुति का कारण" बना दिया (भजन संहिता 76:10)। मूसा, जिसने एक मिस्री को मार डाला था, मिद्यान देश में परमेश्वर से मिला।

मिस्र में उसने कानून को अपने हाथ में लेकर अन्याय को ठीक करने की कोशिश की थी। लेकिन पवित्र परमेश्वर से मुलाकात के बाद, मूसा एक गैर देश में चालीस साल तक परिपक्व हुआ। जब तक परमेश्वर की इच्छा उसके साथ पूरी हो गई, तब तक मूसा मिस्र में एक इब्रानी को अपने ही हाथ के बल से छुड़ाने के अलावा और भी बहुत कुछ कर चुका था - अब वह उसके द्वारा काम कर रहे, परमेश्वर के हाथ के सामर्थ्य से, एक पूरे राष्ट्र को बंधन से मुक्त करने वाला था।

क्या तुम नहीं देखते? परमेश्वर तुम्हारी पिछली हारों, पापों - हाँ, यहाँ तक कि तुम्हारे क्रोध को भी लेना चाहता है - और एक नई सृष्टि का निर्माण करना चाहता है जो उसकी स्तुति करेगी।[99]

पहले यह 'कम ये अपार्ट' जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी, एम ओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस),13 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया। (यह प्रकाशन, 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)।

.....

जुलाई 11 **दिन - 192**

यह फिट बैठता है

******

एक एक परदे की लंबाई अट्ठाईस हाथ और चौड़ाई चार हाथ की हुई; सब परदे एक ही नाप के बने। उसने पाँच परदे एक दूसरे से जोड़ दिए, और फिर दूसरे पाँच परदे भी एक दूसरे से जोड़ दिए। और जहाँ ये परदे जोड़े गए वहाँ की दोनों छोरों पर उसने नीले-नीले फंदे लगाए।उसने दोनों छोरों में पचास पचास फंदे इस प्रकार लगाए कि वे एक दूसरे के सामने थे।और उसने सोने के पचास अंकडे बनाए, और उनके द्वारा परदों को एक दूसरे से ऐसा जोड़ा कि निवास मिलकर एक हो गया।
निर्गमन 36:9-13

क्या संभावना है कि आप बयालीस फीट लंबे और छह फीट चौड़े परदे बनाए, प्रत्येक पर पचास फंदे लगाए, पचास सोने के अंकड़े के साथ फंदे को फंदे से जोड़े, और सब फिट बैठे? यह उतना ही आश्चर्यजनक है जितना कि परमेश्वर छह लाख से अधिक की वयस्क पुरुष आबादी में से बारह पुरुषों को जनगणना की गणना में मदद करने के लिए बुलाते हैं (देखें गिनती 1:5-7)।

इस तरह के जटिल निर्माण का विवरण क्यों निर्दिष्ट करें? एक पवित्र परमेश्वर, जिसने दस पवित्र आज्ञाएँ दी थी, अब पवित्र कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए, पवित्र तंबू के लिए निर्देश देता है। हाँ, परमेश्वर ने मजदूरों को भी चुना: "सुनो, यहोवा ने यहूदा के गोत्रवाले बसलेल को, जो ऊरी का पुत्र और हूर का पोता है, नाम लेकर बुलाया है। और उसने उसको परमेश्वर के आत्मा से ऐसा परिपूर्ण किया है कि सब प्रकार की बनावट के लिये उसको ऐसी बुद्धि, समझ, और ज्ञान मिला है"(निर्गमन 35:30-31)।

जैसा कि मूसा ने निवास स्थान की स्थापना की पवित्र शास्त्र विवरण देता है "मूसा ने, जो जो आज्ञाएँ यहोवा ने उसको दी थी उसी के अनुसार किया"(40:16)।कदम-दर-कदम, आज्ञाकारिता पर बल दिया गया और वाक्यांश "जो जो आज्ञाएँ यहोवा ने उसको दी" निर्गमन 40:19, 21, 23 में प्रकट होता है।

हम मूसा और श्रमिकों में परमेश्वर के स्पष्ट निर्देशों के प्रति निहित आज्ञाकारिता को देखते हैं, जिसमें निर्माण कार्य भी महत्वपूर्ण हैं यहाँ तक कि पचास फंदे और पचास अंकड़े भी यह सब फिट बैठता है।

हमारे पादरी ने एक बार निम्नलिखित उदाहरण दिया: क्या आपने कभी पहला बटन गलत बटन होल में लगाकर स्वेटर या कमीज पहने की कोशिश की है? जब जब तक आप आखिरी बटन तक पहुंचते हैं तब आपको महसूस होता है कि आखिरी बटन के लिए कोई जगह नहीं है - यह फिट नहीं बैठता है।" उन्होंने जोर दिया कि यीशु मसीह के साथ हमारा सही संबंध जीवन के सभी तत्वों को उनके सही स्थान पर फिट करने की नींव है। जैसा कि पादरी अभी भी बता रहे थे, एक युवा महिला जो हमारे चर्च में नई थी, मेरी ओर झुकी और कहा, "मुझे लगता है कि मेरे पास एक बटन है जो फिट नहीं बैठता है।" युवा महिला और उसके पति ने बाद में मसीह की तलाश की।

कल्पना करें - यदि परमेश्वर श्रमिकों की परदे के निर्माण के लिए अगुवाई कर सकते हैं ताकि "पहले परदे" के पचास फंदे "दूसरे परदे" के पचास फंदो से पूरी तरह से जुड़ जाएँ, और वे पूरी तरह से सोने के पचास अंकड़ों के साथ जुड़े हुए हों - वह आपके जीवन के साथ क्या कर सकते हैं जो उन्हें समर्पित किया गया है? केवल वही इसे फीट बैठा सकते हैं।

.....

जुलाई 12 **दिन - 193**

दुष्टता के बीच में चमत्कार

******

ओम्री के पुत्र अहाब ने उन सबसे अधिक जो उससे पहले थे, वह कर्म किए जो यहोवा की दृष्टि में बुरे थे।1 राजाओं 17: 2 - 4

तब यहोवा का यह वचन उसके पास पहुँचा, कि "यहाँ से चलकर पूर्व की ओर जा और करीत नामक नाले में जो यरदन के पूर्व में है छिप जा।उसी नाले का पानी तू पिया कर, और मैंने कौओं को आज्ञा दी है कि वे तूझे वहाँ खिलाएँ।" 1 राजाओं 17: 2 - 4

दुष्ट नाजी सैन्यदलों ने डच घर में घुसकर पूरे परिवार को गिरफ्तार कर लिया। उनका अपराध क्या था? वे यहूदियों को सताव से बचाने के लिए अपने घर के गुप्त पैनल में छुपा रहे थे।

एकाग्रता शिविर में, कोरी टेन बूम को जल्द ही पता चला कि उसके पिता की कोठरी में मृत्यु हो गई है। बाद में उसने अपनी बहन बेट्सी को मरते देखा। कोरी अकेली बच गई। क्या ऐसी दुष्टता के बीच कोई चमत्कार हो सकता है?

पहले भी ऐसी दुष्टता हो चुकी थी - अहाब के नाम इजराइल के सबसे दुष्ट राजा का रिकार्ड है। दुष्टता के जवाब में, परमेश्वर ने अपने प्रतिनिधि एलीय्याह को एक भारी अकाल का निर्णय सुनाने के लिए भेजा। दुष्टता, सूखे और सताव के बीच में, परमेश्वर ने एक चमत्कार किया: उसने अपने भविष्यवक्ता को संरक्षित किया और उसे करीत नामक नाले में भेज दिया, जहाँ वह नाले में से पानी पी सकता था। परमेश्वर ने कौओं को निर्देश दिया कि वे एलिय्याह को सुबह शाम खिलाएं।

महीने बीत गए, और बारिश नहीं हुई। नाला सूख गया, और परमेश्वर ने एलिय्याह को सारपत में एक विधवा के पास भेजकर उसके लिए फिर से काम किया। जब एलिय्याह ने विधवा से थोड़ा पानी और रोटी मांगी, तो उसने बताया कि उसके पास स्वयं के और उसके बेटे के लिए आखिरी भोजन बनाने के लिए मुट्ठी भर मैदा और तेल है - फिर उसके बाद, वे भूख से मर जाएंगे। एलिय्याह ने उसे आश्वासन दिया कि जब तक बारिश नहीं होती तब तक न तो उस घड़े का मैदा समाप्त होगा और न उस कुप्पी का तेल घटेगा। निश्चित रूप से एलिय्याह और विधवा के परिवार के लिए प्रतिदिन भोजन था - एक और चमत्कार।

जब विधवा का पुत्र बाद में बीमार हुआ और मर गया, तब एलिय्याह ने लड़के के लिए प्रार्थना की, और

परमेश्वर ने उसे जिलाया। एक चमत्कार! एलिय्याह के जीवन की कुंजी यह थी, "इसलिये उसने वही किया जो यहोवा ने उससे कहा था" (17: 5)। हाँ, दुष्टता और न्याय के बीच में भी, परमेश्वर उन लोगों के लिए विशेष हस्तक्षेप कर सकता है जो उसके हैं।

नाज़ी जेल कैंप में कोरी और उसकी बहन के साथ किया गया बर्ताव आपको रुला देगा। और फिर भी, उन्होंने वहाँ चमत्कार देखा। बेट्सी बीमार थी और कोरी ने उसे प्रतिदिन तरल विटामिन की एक छोटी सी बोतल से खुराक दी। लेकिन शिविर के अन्य लोग भी बीमार थे। जल्द ही, एक दिन में एक दर्जन महिलाएं इसे ले रही थी; जल्द ही पच्चीस महिलाएं लेने लगी और फिर भी, जब भी कोरी

ने बोतल को झुकाया उसमें से एक और बूंद निकलती। उसने कहा कि यह सारपत की विधवा के समान है।100

अपने कारावास के दौरान भी कोरी और बेट्सी ने सभी चीजों के लिए प्रभु को धन्यवाद दिया।

एक समय पर, वे समझ नहीं पा रहे थे कि गार्ड ने उनके कमरे में आना क्यों बंद कर दिया था - उन्हें जल्द ही पता चला कि ऐसा इसलिए था क्योंकि उनके चारपाई और कमरे में पिस्सू थे। और इसलिए, उसने पिस्सू के लिए भी परमेश्वर का धन्यवाद दिया।

उन टेन बुम बहनों को पता चला कि कोई गड़ढ़ा इतना गहरा नहीं था और यह कि परमेश्वर वहाँ थे। जेल में मरने से पहले बेट्सी के एक सुंदर घर का सपना था जहाँ वे युद्ध के बाद पीड़ित लोगों की सेवा करेंगे। उसने कोरी से कहा, "हमें उन्हें (लोगों को) बताना चाहिए कि हमने क्या सीखा है।"[101]

चमत्कारिक रूप से, कोरी को बाद में एक लेखन - संबंधी त्रुटि की वजह से एकाग्रता शिविर से रिहा कर दिया गया था। बाद में हालैंड में, धनी श्रीमती डे हान ने शिविर में बचे लोगों के लिए एक आश्रय के रूप में उस को अपना घर देने की पेशकश की।

पेशकश सुनने के बाद, कोरी ने तुरंत घर की विशेषताओं का वर्णन शुरू कर दिया। "आप पहले यहाँ आ चुकी है फिर।"[102] श्रीमती डे हान ने आश्चर्य के साथ कहा।

कोरी वहाँ पहले नहीं आई थी - लेकिन वह बेट्सी के दर्शन से जानती थी कि यह कैसा दिखता है। चौवन कमरोंवाला घर जल्द ही दूसरों की सेवा कर रहा था।

बाद में, मुन्सी में एक चर्च सेवा में, कोरी अपने एक पूर्व जेल गार्ड से मिली। यह जानते हुए कि वह अपनी सामर्थ्य से ऐसा नहीं कर सकती, उसने यीशु से उसे क्षमा करने में मदद करने के लिए कहा। कोरी ने बाद में गवाही दी कि यह ऐसा था जैसे उसके हाथ से एक करंट उससे (गार्ड से) होकर गुजरा हो। और उसके दिल में उस व्यक्ति के लिए प्रेम उमड़ पड़ा जिसने पहले उसे और उसके परिवार को सताया था।[103]

कोरी ने लोगों को वह सब बताना शुरु किया जो परमेश्वर ने किया था। अस्सी साल की उम्र तक उसने इकसठ देशों में काम किया और सीखाया।[104] उसकी 1971 की किताब 'द हाइडिंग प्लेस' और उस पर आधारित फिल्म ने लाखों लोगों में क्षमा की शक्ति फैला दी।

कोरी टेन बूम की कहानी, एलिय्याह की कहानी, परमेश्वर कहानी में - हम दुष्टता के बीच चमत्कार देखते हैं।

---

101. टेन बूम, शेरिल एंड शेरिल, द हाइडिंग प्लेस, 211
102. टेन बूम, शेरिल एंड शेरिल, द हाइडिंग प्लेस, 213
103. टेन बूम, शेरिल एंड शेरिल, द हाइडिंग प्लेस, 215
104. टेन बूम, शेरिल एंड शेरिल, द हाइडिंग प्लेस, 219

.....

जुलाई 13 **दिन - 194**

अल्जाइमर में सकारात्मकताएं

******

हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो, यह जानकर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो, कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ, और तुम में किसी बात की घटी न रहे।

याकूब 1:2-4

एक दिन, मेरी पत्नी, नैन्सी और मैंने एक साथ दोपहर का भोजन किया। फिर लगभग एक घंटे बाद उसने मुझसे पूछा, "क्या आप चाहते हैं कि मैं आपके दोपहर के भोजन का प्रबंध कर दूँ? अफसोस की बात है कि उसे याद नहीं आया कि हम पहले ही खा चुके हैं।

और भी चुनौतियाँ आने लगी। वह घर आई और मुझे बताया; "प्रिय मैंने स्टोर पर शॉपिंग कार्ट में अपने किराने के सामान का भुगतान किए बिना छोड़ दिया। मुझे अपना क्रेडिट कार्ड नहीं मिला। पाँच दिनों के बाद, हमें अपने घर में क्रेडिट कार्ड मिला।

मेरी पत्नी लगभग एक दशक से अल्जाइमर से पीड़ित है। उन कठिनाइयों के बावजूद जिनका हमने अनुभव किया है हमें इस बीमारी का सामना करने में कुछ सकारात्मक अनुभव भी मिले हैं।

याकूब परीक्षाओं की बात करता है। हमारी कुछ परीक्षाएं हमारे विश्वास के कारण उत्पीड़ित हो सकते हैं; अन्य केवल चुनौतियाँ हो सकती हैं जो हमारे दिमाग या शरीर की थकान से आती है। किसी भी तरह से परिणाम वे परीक्षाएं होती है, जो हमारे विश्वास को आजमाती है, जो धीरज उत्पन्न करती है। जो परिपक्वता उत्पन्न करती है। लेकिन यह स्वचलित नहीं है - हम तय करते हैं। याकूब कहता है "धीरज को अपना पूरा काम करने दो।"

मैंने अपनी अधीरता की प्रवृत्ति को अपने मसीही जीवन की सबसे बड़ी कमजोरियों में से एक माना है। अंदाजा लगाओ क्या? हमारे परिवार में अल्जाइमर से उत्पन्न हुई घटनाएं मुझे धैर्य सिखा रही है जिसे मैं पहले कभी नहीं जानता था। मुझे विश्वास है कि मैं परिपक्व और हो रहा हूँ।

यहाँ कुछ विचार दिए गए है जिससे मेरी मदद हुई हैं।

1. उसके (नैन्सी) के शब्द या कार्य एक क्षतिग्रस्त दिमाग से आ रहा हैं।
2. वह आहत करने का इरादा नहीं रखती है।
3. हम उसकी हालत के बारे में खुलकर बात करते हैं और कुछ बातों पर एक साथ हँस भी पाते हैं।
4. मुझे अपनी शादी में लिए गए वादे, "बीमारी में और स्वास्थ्य में, चाहे भला हो या बुरा" को जीने का सौभाग्य मिल रहा है।

जब नैन्सी पहली बार अल्जाइमर से पीड़ित हुई, तो वह उदास, उत्तेजित, चिंतित और गुस्से में थी (जो पूरी तरह से उनके सामान्य व्यवहार के विपरीत था)। जब मैंने उसका मार्गदर्शन करने की कोशिश की, उसने कहा, "तुम मेरा हर छोटी चीज में नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हो।"

मैंने कहाँ, हाँ मैं कर रहा हूँ, क्योंकि तुम उन चुनौतियों का सामना कर रही हो जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यकता है।"

हमने उसकी बीमारी को संभालने के लिए मिलकर काम करना शुरू किया। अद्भुत डॉक्टरों, अल्जाइमर एसोसिएशन के साझा करने वाले समूहों, दवाई, लोगों की प्रार्थनाओं और प्रभु के अनुग्रह के द्वारा चीजें बेहतर के लिए बदल गई है। रोग में सुधार नहीं हुआ है - वह अभी भी प्रगति पर है - लेकिन उसके प्रति हमारी प्रतिक्रिया में जरूर हुआ है।

लगभग डेढ़ साल पहले, नैन्सी और मैं बिस्तर पर लेटे हुए थे, एक दूसरे के हाथों को पकड़े हुए थे और बस बातें कर रहे थे। नैन्सी ने कहा, "मुझे लगता है मैं बहुत खुश हूँ जितना मैं पहले कभी नहीं थी। और मैं तुम्हें पहले से कहीं ज्यादा प्यार करती हूँ।

वाह। मैं इसे बैंक ले जा रहा हूँ। हम अपनी शादी के कुछ बेहतरीन दिन बिता रहे हैं। मेरा मानना है कि परीक्षाएं मुझे बेहतर मसीही बना रहे हैं।

आप किन परीक्षाओं का सामना कर रहे हैं?

.....

जुलाई 14 **दिन - 195**

दो आदमी और इकलौती पवित्र आत्मा

******

जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रूपये लाकर कहा, "यह अधिकार मुझे भी दो, कि जिस किसी पर हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा पाए।" प्रेरितों के काम 8:18-19

तब आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले।"

"मैं चर्च नहीं जाता क्योंकि वहाँ बहुत सारे पाखंडी है" आज के समाज में यह एक आम बहाना है। क्या आप जानते हैं? यह सच है - कलीसिया में पाखंडी होते हैं।बाइबिल इसे स्वीकार करती है; वास्तव में बाइबिल इस बारे में इतनी स्पष्ट है कि इसमें शमौन जैसे कुछ पाखंडीयों का भी वर्णन है। हालांकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि पाखंडीयों के प्रति हमारी जिम्मेदारी चर्च से बचना नहीं है, बल्कि चर्च में उन लोगों के बारे में विचार करना है।

प्रेरितों के काम 8: 9–40 में (जिसे मैं आपको पढ़ने का सुझाव देता हूँ), दो पुरुषों को चित्रित किया गया है। दोनों पवित्र आत्मा में रुचि रखते हैं।

जब आप प्रेरितों के काम का लेखा-जोखा पढ़ते हैं, तो आप बता सकते हैं कि कौन असली है और कौन नकली।

असली के साथ जुड़े।

यह अवतरण महत्वपूर्ण शिक्षाओं से भरा है:

"शमौन ने स्वयं भी विश्वास किया और बपतिस्मा लिया"(8: 13)। हो सकता है कि उसने यीशु के बारे में कुछ तथ्यों पर विश्वास किया हो, लेकिन वह वास्तव में उनके प्रति समर्पित नहीं था। बपतिस्मा आपको बचा नहीं सकता।

- जब शमौन ने प्रेरितों को नये विश्वासियों को पवित्र आत्मा देते हुए देखा, तो उसने उस सामर्थ्य को खरीदने के लिए पैसे की पेशकश की। पतरस ने शमौन को डांटा और कहा कि उसका मन परमेश्वर के प्रति ठीक नहीं है। उसने शमौन से कहा कि वह दुष्टता से पश्चाताप करे, क्योंकि वह "कड़वाहट से भरा हुआ और बाप के बंधन में" था। (8:21-23)
- शमौन ने तब उसे न्याय से बचाने के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा (8: 24)। उद्देश्य परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है, और यह स्पष्ट है कि शमौन अपनी व्यक्तिगत महिमा के लिए आत्मा चाहता था; वह आत्मा का उपयोग करना चाहता था।
- फिलिप्पुस एक धार्मिक अयाजकीय अगुवा है, और पहले स्थानीय चर्च बोर्ड के लिए चुने गए लोगों में से एक है। प्रेरितों ने केवल उन्हीं को चुनने के लिए कहा था जो "आत्मा से परिपूर्ण हो" (प्रेरितों के काम 6:3,5) यह अवतरण उन विश्वासयों के बीच अंतर करता है जो आत्मा से भरे हुए हैं और जो आत्मा से भरे हुए नहीं है - केवल "आत्मा से भरे हुए" मसीही ही इस पद के लिए चुने जा सकते हैं।

- फिलिप्पुस आत्मा से परिपूर्ण था और आत्मा की अगुवाई में था (8:29)। आत्मा ने उसका उपयोग किया।
- फिलिप्पुस इथियोपिया के लोगों को मसीह में बचाने वाले विश्वास की ओर ले गया (8:38)। उसकी व्यक्तिगत गवाही आत्मा द्वारा नेतृत्व की गई थी।
- फिलिप्पुस ने दूसरों की सहायता करने और परमेश्वर की महिमा करने के लिए अपने जीवन में आत्मा की शक्ति पर भरोसा किया।

शमौन और फिलिप्पुस दोनों पवित्र आत्मा में रुचि रखते थे। एक सही था: और एक गलत था। दोनों ने एक विरासत छोड़ी।

शमौन की कहानी में, हम शमौन के पाप को देखते हैं - एक शक्तिशाली धार्मिक पद पर नियुक्ति प्राप्त करने के लिए पैसे देना।

फिलिप्पुस ने इथियोपिया के लोगों को मसीह तक पहुँचाया। यह आदमी इथियोपिया की रानी के खजाने का सचिव था (8:27), और वह मसीहत को वापस इथियोपिया ले गया। उन्नीस सौ साल बाद, 1966 में जर्मनी के बर्लिन शहर में वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ इवांजलिज्म में, इथियोपिया के सम्राट हैली सेलासी ने उदघाटन भाषण दिया और यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। पवित्र आत्मा में आपकी क्या रुचि है? आप क्या विरासत छोड़ेंगे?

.....

जुलाई 15 **दिन - 196**

इथियोपियाई

******

वह उठकर चल दिया और देखो कूश देश का एक मनुष्य आ रहा था जो खोजा और कूशियों की रानी कन्दाके (जिसका अर्थ "इथियोपिया वासियों की रानी है) का मंत्री और खजांची था। वह आराधना करने को यरूशलेम आया था। प्रेरितों के काम 8:27

क्या इसका मतलब वही है जो मुझे लगता है?

हाँ "खोजा" का अर्थ है शारीरिक रूप से नपुंसक व्यक्ति।

ये लोग अक्सर हरम के रखवाले के रूप में सेवा करते थे, और अक्सर उच्च राज्य के पदों पर पहुँच जाते थे। क्योंकि यह इथियोपियाई एक खोजा था, वह शादी की खुशियों को कभी नहीं जान पाएगा; उसके कभी बच्चे या नाती-पोते नहीं होंगे। वह गुलाम रहा होगा, उसकी शारीरिक स्थिति उस पर थोपी गई थी; यह उसका चुनाव नहीं था। हालांकि वह यहूदी मंदिर गया था, लेकिन कभी भी यहूदी धर्म का पूर्ण-विकसित सदस्य नहीं बन सकता था। कड़वाहट विकसित होने की क्या ही अवस्था है।

लिज़ा के साथ भी ऐसा ही था – वह एक बहुत ही अप्रिय तलाक से गुजरी थी जिसमें उसके पति ने उसे एक कुर्सी और दो बच्चों के साथ छोड़ दिया था। वह रविवार को चर्च गई और एक सप्ताह के भीतर, चर्च ने उसे फर्नीचर वितरित कर दिया – उसने कहा कि वह समान रंग का भी था। लिज़ा ने कहा, "परमेश्वर बहुत दयालु हैं। मैं उनके हाथों को अपने चारों ओर महसूस कर सकती हूँ।क्या मैं इसका आर्डर करती? नहीं – लेकिन परमेश्वर इसका उपयोग कर रहे थे।"

लिज़ा और इथियोपियाई दोनों ने एक चुनाव किया: कड़वा होने के बजाय, वे बेहतर बनेंगे।

इथियोपियाई के सामने एक और चुनौती थी। वह इथियोपिया की रानी के खजाने का खजांची था, जिसका अर्थ है कि उसने पूरे राष्ट्र में किसी और की तुलना में अधिक धन संभाला था। वह सोच सकता था, "मैं पहुंच गया हूँ" और गर्वित हो जाता। वह एक स्थानीय व्यवसायी से मिल सकता था जो उसकी अपनी कंपनी का अध्यक्ष था और कह सकता था, "मैं जीविका कमाने में इतना व्यस्त था कि मेरे पास जीवन जीने का ही समय नहीं था।"

व्यवसायी और इथियोपियाई दोनों ने फैसला किया कि अभिमान और पद पर्याप्त नहीं थे; वे परमेश्वर को खोजेंगे।

इथियोपियाई खोज रहा था – वह इथियोपिया से यरूशलेम, यहूदी मंदिर में आराधना करने के लिए गया था। घर आते समय उसने अपना रथ गाजा पट्टी में खड़ा किया और अपना पुराना नियम पढ़ रहा था। फिर भी उसका मन संतुष्ट नहीं था।

लेकिन परमेश्वर की दिलचस्पी उस इथियोपियाई व्यक्ति में थी। परमेश्वर ने अपने दूत को आत्मा से भरे हुए अयाजकीय व्यक्ति फिलिप्पुस के पास भेजा, ताकि वह यरूशलेम से गाजा तक रेगिस्तानी रास्ते पर जा सके। तब परमेश्वर की आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले" (प्रेरितों के काम 8:29)

इथियोपियाई व्यक्ति और फिलिप्पुस बातचीत करने लगे। जब फिलिप्पुस ने इथियोपियाई व्यक्ति से पूछा कि क्या वह उस अवतरण को समझ रहा है जिसे वह पढ़ रहा था, उसने उत्तर दिया,

“जब तक कोई मुझे न समझाए तो मैं कैसे समझूं?” (8:31)। उसका उत्तर स्पष्ट रूप से एक गवाह की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

फिलिप्पुस इथियोपियाई व्यक्ति को मसीह की ओर ले गया और उसे बपतिस्मा दिया। नव परिवर्तित व्यक्ति आनंदित हुआ जब उसने इथियोपिया वापस जाने की यात्रा की, जहाँ वह मसीही संदेश फैलाएगा।

न तो कटुता और न ही अभिमान इथियोपियाई व्यक्ति को रोक सका – न ही इसके कारण आपको रुकना चाहिए।

.....

जुलाई 16 **दिन - 197**

उस अंधेरे पर विश्वास न करें जो परमेश्वर ने आपसे प्रकाश में कहा

******

देखो, मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे संग हूँ। मत्ती 28:20

मार्शा का अपने मंगेतर के साथ एक बड़ा विवाद हो गया था। वह रो रही थी जब वह इन सब से दूर जाने के लिए शहर जा रही थी। तब उसे एक वचन याद आया जिसे उसने संडे स्कूल में सुना था: "उदास मत रहो क्योंकि यहोवा का आनंद तुम्हारा दृढ़ गढ़ है।" (नहेम्याह 8:10)। मार्शा ने खुद को शांत किया और घर चली गई।

हम सभी जीवन में अंधेरे स्थान का सामना करेंगे। यदि आप इस तरह की चुनौतियों का ज्ञान के साथ सामना करना चाहते हैं तो परमेश्वर द्वारा प्रकाशित क्षणों में आपको कहे गए, दिखाए गए और अगुवाई किए गए बातों को याद करें। हमें बनाए रखने के लिए सबसे बड़ा स्थायी सत्य पुनरुद्धार पाए हुए यीशु का अपने शिष्यों से किया गया वादा है: "मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ"।

यह तथ्य के किसी भी कथन से बढ़कर है - वह उन सभी के लिए अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति का वादा करता है जो उसका अनुसरण करते हैं।

चाहे कितना भी अंधेरा हो, प्रभु के साथ और उनके द्वारा आपकी पिछली सभी जीतें नई जीत के लिए आपके प्रारंभिक प्रयास हो सकते हैं। अन्य विश्वासियों की जीत भी आपको प्रोत्साहित कर सकती है। जैसा कि यहोशू ने अपने जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का सामना किया - यरदन नदी के पार बीस लाख इजराइलियों को वादा किए गए देश में ले जाना - प्रभु ने उनसे एक वादा किया: "जैसा मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे संग भी रहूंगा" (यहोशू 1:5)।

वे कौन से क्षण है जिनमें परमेश्वर ने आपको प्रकाश दिखाया? शायद उनमें निम्नलिखित में से कुछ शामिल है:

- जब परमेश्वर ने आपको बचाया और आपको एक नया जीवन दिया (2 कुरिन्थियों 5:17)।
- जब परमेश्वर ने आपको पूरी तरह से पवित्र किया और आपको शुद्ध हृदय दिया (1 थिस्सुलीनीकियों 5:23)।
- जब परमेश्वर ने आपको भारी वित्तीय आवश्यकता से छुड़ाया (फिलिप्पियों 4:19)।
- जब परमेश्वर ने एक बड़ा निर्णय लेने में आपका मार्गदर्शन किया (भजन संहिता 32:8)।
- जब परमेश्वर ने एक रिश्ते को टूटने से बचाया (फिलिप्पियों 4:2)।

मेरे कुछ अंधकार समय तब रहे हैं, जब मेरे पिताजी ने मेरी आर्थिक मदद बंद कर दी थी क्योंकि मैं एक मसीही बन गया था; जब एक कार ने हमें टक्कर मार दी जब हम हरी बत्ती होने पर चौराहे से गाड़ी चलाकर जा रहे थे; जब हमारी बेटी ने अपने पति और प्रभु को छोड़ दिया; जब मुझे एक चर्च के पादरी के रूप में वापस बुलाने के लिए नकारात्मक वोट मिले; जब मेरी पत्नी को

अल्जाइमर हो गया; और जब मेरे बेटे ने पाँचवीं कैंसर सर्जरी की सूचना दी, इस बार उसके वॉइस बॉक्स को हटाने के लिए। फिर भी, हर मामले में, हमने उन संसाधनों का उपयोग किया जो परमेश्वर ने हमें तब दिए थे जब उन्होंने हमसे प्रकाश में बात की थी। परिणामस्वरूप, हम उनकी नई जीत के साथ। उन सब से बाहर आ गए।

जब हमारे बेटे ने कहा कि उसके वॉइस बॉक्स को हटा दिया जाएगा, हमने फिलिप्पियों 4:6-7 पढ़ा।तुरंत ही परमेश्वर की शांति मिसिसिपी में मुझ पर, लीवुड, कैनसस में मेरी पत्नी नैन्सी पर; और मुन्सी इंडियाना हमें हमारे बेटे पर उतरी। और वह बनी रही - आज हम सब उस आशीष में जी रहे हैं।

उसे याद रखें जो परमेश्वर ने आपसे प्रकाश में कहा है।

.....

जुलाई 17 **दिन - 198**

उनको जो उसकी आज्ञा मानते हैं

******

और हम इन बातों के गवाह हैं और वैसे ही पवित्र आत्मा भी, जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया है जो उस की आज्ञा मानते हैं। प्रेरितों के काम 5:32

विश्वासी, मसीही जीवन में जितनी चाहें उतनी गहराई का अनुभव कर सकते हैं। कुछ लोग प्रतिदिन पाँच मिनट के प्रार्थना के स्तर पर रह सकते हैं: "हे प्रभु मेरे बच्चों को आशीषित करें और इसे एक सुखद दिन बनाएं।"

कुछ अन्य हैं जो परमेश्वर के साथ गहरे स्तर तक जाते हैं। मदान च्यांग काई-शेक की माँ ने लगातार प्रभु के साथ इतना समय बिताया कि यदि आप उनसे सलाह मांगते हैं तो वह कहती, "आपको कल तक इंतजार करना चाहिए ताकि मैं अपने स्वामी से इसके बारे में पूछ सकूँ और उनका मार्गदर्शन प्राप्त कर सकूँ"।[105]

यीशु के 120 अनुयायी चालीस दिनों तक निरंतर प्रार्थना में लगे रहे, और पिन्तेकुस्त के दिन, वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए (प्रेरितों के काम 1:3,15; 2:4)।

परिणामस्वरूप, यरूशलेम में एक शक्तिशाली आत्मिक चलन का उदय हुआ। बहुत से लोगों ने प्रभु में विश्वास किया, और बहुत से लोग चंगे हो गए। यहूदी अधिकारियों ने ईर्ष्या से भरकर शिष्यों को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया।

अगले दिन, शिष्यों को महासभा के सामने बुलाया गया, और महायाजक ने उन्हें यीशु के बारे में शिक्षा देना बंद करने का आदेश दिया। पतरस ने उत्तर दिया, "मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।" (प्रेरितों के काम 5:29) एक बार फिर उसने अधिकारियों से यीशु के बारे में बात की।

फिर पतरस ने आगे कहा, "हम इन बातों के गवाह हैं और वैसे ही पवित्र आत्मा भी, जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया है, जो उस की आज्ञा मानते हैं"(5:32)।

शिष्य पुर्नजीवित यीशु और कई अन्य साक्ष्यों के चश्मदीद गवाह थे। इसके अलावा, परमेश्वर पिता इन सत्यों को पवित्र आत्मा की गतिविधि द्वारा देख रहे थे – चंगाई, चमत्कार, परिवर्तन। यह वैसा ही था जैसा पतरस ने पहले प्रचार किया था।

"उन दिनों मैं अपने आत्मा में से उंडेलूँगा.....मैं ऊपर आकाश में अद्भुत काम और नीचे धरती पर चिन्ह् दिखाऊंगा" (प्रेरितों के काम 2:18-19)।

कृपया वचन 5:32 में ध्यान दें कि यह पवित्र आत्मा केवल उन्हें दिया जाता है जो उसकी आज्ञा का पालन करते हैं। कोई व्यक्ति जिसने मसीह को ग्रहण किया है, जो आत्मा से पैदा हुआ है, और वर्तमान में यीशु मसीह का अनुसरण कर रहा है और उसकी आज्ञा का पालन कर रहा है, वह पवित्र आत्मा को पूर्णता से प्राप्त कर सकता है।

मेरे दोस्त चाड ने मसीह को स्वीकार कर लिया था लेकिन वह सतही स्तर पर दूषित मसीही जीवन जी रहा था। जब वह अंत में अपनी स्थिति के प्रति जागा, तो उसने मसीह के साथ अपने संबंध को नवीनीकृत किया और आज्ञाकारिता में चलने लगा। तब उसने आत्मा के गहरे कार्य के लिए

अपनी आवश्यकता को समझा — अपने आंतरिक उद्देश्यों को शुद्ध करना, अपने हृदय को पवित्र करना, और उसे आत्मा से भरना। एक विशिष्ट दिन पर, वह स्पष्ट रूप से पवित्र आत्मा से भरा हुआ था।

क्या अपने मसीह को ग्रहण किया है? क्या आप आज्ञाकारिता के पैटर्न में जी रहे हैं? फिर आत्मा से भरे हुए मसीही बनने के लिए अपने विशेषाधिकार को समझें (5: 32)!

---

105. मिसेज चार्ल्स ई. कॉवमैन, स्ट्रीम्स इन द डेर्जट: 366 डेली डिवोशनल रीडिंग्स (ग्रैंड रैपिड्स: जान्डरवेन, 1996), 169।

.....

जुलाई 18 **दिन - 199**

एक बड़ा दिल

******

विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नेव डालकर, सब पवित्र लोगों के साथ भली-भाँति समझने की शक्ति पाओ कि उसकी चौड़ाई, और लंबाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी है। इफिसियों 3:17-18

यदि एक मसीही आत्मा से भर गया है, और उस आत्मिक कार्य ने पवित्रता उत्पन्न की है - या जैसा कि पतरस कहता है, "आत्मा का पवित्र करने का कार्य" (1 पतरस 1:2) – आगे क्या? हम समझते हैं कि आत्मा के कार्य को कभी-कभी शुद्धिकरण के रूप में वर्णित किया जाता है। प्रेरितों के काम 15:8-9 पर ध्यान दें: "मन के जाँचनेवाले परमेश्वर ने उनको भी हमारे समान पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी और विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध करके हम में और उन में कुछ भेद न रखा"। यदि मैं आत्मा से भर गया हूँ, और मुझे पवित्र किया गया है, और मेरा हृदय शुद्ध हो गया है, तो आत्मिक विकास के लिए जगह कहाँ है?

उत्तर के लिए इफिसियों के अवतरण पर जाएं - देखें कि मसीह के व्यापक प्रेम की पकड़ "प्रभु के सभी पवित्र लोगों के साथ" है। प्रभु के अधिक पवित्र लोगों के साथ मेरे संबंध में, मेरा हृदय बड़ा हुआ है और मेरी प्रेम क्षमता का विस्तार हुआ है।

मैं विशेष रूप से कुछ पवित्र लोगों के बारे में सोचता हूँ - जैसे पीटर, जिसने घंटों मुझे यह बताते हुए बिताया कि मैं मसीह को कैसे जान सकता हूँ। रौल्फ और बर्निस की तरह, जिन्होंने मेरे कॉलेज के छात्रावास में एक पिकनिक लंच के साथ आए और यीशु का अनुसरण करते रहने के लिए मजबूत प्रोत्साहन दिखाया। क्लाइड की तरह जो मुझे चर्च के बाद छब्बीस मील की दूरी पर घर कार चलाकर लेकर गया तब मैं एक छात्र था और मेरे पास कार नहीं थी। रौल्फ और माबेल की तरह जिन्होंने मुझे डिनर पर आमंत्रित किया जब मैं ब्लॉक में नया बच्चा था। बेंगट की तरह, जिसने मुझे सेमिनरी में रहने के लिए मदद करने के लिए अपने बैपटिस्ट चर्च से फंड भेजने का आग्रह किया। बिल की तरह, जो मेरी पत्नी और मेरे लिए रोज प्रार्थना करता है। जुआनिता की तरह, जो पूरी तरह से प्रभु के संपर्क में रहती है और मुझसे अपनी गुप्त बातें साझा करती है।

फिल और जॉय की तरह, जिन्होंने पैंतालिस साल तक उसे संडे स्कूल में पढ़ाते हुए मेरी सेवानिवृत्ति के विवरण को व्यवस्थित किया ताकि मैं प्यार, महसूस कर सकूं। एलन और मार्था की तरह, जो परमेश्वर की ओर उन्हें अग्रसर करने के लिए मुझे धन्यवाद देते हैं, अपनी शारीरिक चुनौतियों और सर्जरी का सामना करते हुए। मेरी पत्नी नैन्सी की तरह जो मुझसे कहती है, "मैं तुमसे पहले से भी कहीं ज्यादा प्यार करती हूँ।" और भी कई सारे लोग।

ये सभी पवित्र लोग मुझे विकसित करते रहते हैं - उनके द्वारा, मैं मसीह के प्रेम को पहले से भी कहीं अधिक गहराई से जानता हूँ। इसलिए मैं बढ़ रहा हूँ। परमेश्वर के कुछ पवित्र लोगों के बारे में सोचें जिन्हें आप जानते हैं; उनके नाम लें, और उनके द्वारा आप विकसित हों।

एक बार जब आप परमेश्वर की आत्मा से भर जाते हैं, पवित्र और शुद्ध हो जाते हैं, तो यह यह अंत नहीं है - बल्कि यह अनुग्रह में जबरदस्त वृद्धि की शुरुआत है। आप पाएंगे कि परमेश्वर आपके चरित्र और व्यक्ति को निखार रहा है।

उस 2 सितम्बर को, जब परमेश्वर की आत्मा ने मेरे इक्कीस-वर्षीय हृदय को भर दिया और पवित्र किया, तो मेरा पूरा हृदय 100% शुद्ध और परमेश्वर से भर गया। हालांकि, यह एक छोटा सा दिल था। अब कई संतों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर और दिल टूटने, दर्द और दुख से गुजरने से कुछ अद्भुत हो रहा है। जैसे-जैसे परमेश्वर अपने संतों के माध्यम से मुझ पर और प्यार बरसाते हैं और मेरे दुखों को चंगा करते हैं, मैंने ध्यान दिया कि वह मेरे हृदय को विस्तारित करते रहते हैं। इसलिए, आज मेरे पास एक बड़ा हृदय है।

आत्मा की परिपूर्णता और हृदय की पवित्रता अनुग्रह में वृद्धि को नहीं रोकती; यह इसे बढ़ाती है। तो मेरे साथ बड़े-हृदय-क्लब में शामिल हों।

.....

जुलाई 19 **दिन - 200**

आत्मा के द्वारा जयवंत

******

मृत्यु का डंक पाप है, और पाप का बल व्यवस्था है।परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है। 1 कुरिंथियों 15:56-57

जब आपकी पसंदीदा टीम जीत हासिल करती है तो आप कितने उत्साहित होते हैं? जब मैं विस्मयकारी स्पोर्ट्स जीत के बारे में सोचता हूँ तो मुझे याद आता है कि जब अमेरिका ने लेक प्लेसिड, न्यूयॉर्क में 1980 के शीतकालीन ओलंपिक में हॉकी में रूस को हराया था, तो अमेरिकी कितने उत्साहित थे।

क्या आप पाप पर विजय का अनुभव करने के लिए इतना उत्साहित होंगे? परमेश्वर चाहता है कि आपको पूर्ण विजय मिले और पवित्र आत्मा उसका विशेष एजेंट है जो आपको वह विजय दिलाएगा।

इन वादों पर विचार करें:

".....हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह, जिसने अपने आप को हमारे लिये दे दिया कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले,

और शुद्ध करके अपने लिए एक ऐसी जाति बना ले जो भले-भले कामों में सरगर्म हो।"

(तीतुस 2:13-14)

- "परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम पवित्र बनो .....क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिये नहीं, परंतु पवित्र होने के लिये बुलाया है। इस कारण जो इसे तुच्छ जानता है, वह मनुष्य को नहीं परंतु परमेश्वर को तुच्छ जानता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है" (1 थिस्सलुनिकियों 4:3,7-8)।
- मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझसे प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया (गलतियों 2:20)।
- "उन्होंने (मसीह) ने मुझे परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचार करने का याजकीय कर्तव्य दिया, जिससे अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना, पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए" (रोमियों 15:16)।
- जिनके (अन्यजातियों) पास मैं अब तुझे इसलिए भेजता हूँ कि तू उनकी आँखें खोलें कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें, कि पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएँ।" (प्रेरितों के काम 26:17-18)

यहाँ मारिडेल से एक वर्तमान समय की गवाही दी गई है:

मेरी माँ की मृत्यु 2003 में अग्न्याशय कैंसर (पेनक्रियेटिक कैंसर) से हुई थी। उन्होंने मुझसे वादा करने के लिए कहा कि मैं उनसे स्वर्ग में मिलूंगा। मैंने वादा किया और दिल से किया - मैं

अज्ञेयवादी था, लेकिन मैंने खोजना शुरू किया। मैं मसीही किताबों की दुकान में गया और लीस्ट्रोबेल की किताबें खरीदीं और पढ़ी। मैंने लोगों से पूछा कि क्या वे किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसने स्वर्ग जाने का अनुभव किया हो और वापस लौट आया हो। जैसे-जैसे स्वर्ग मेरे लिए और अधिक वास्तविक होता गया, मेरा मानना था कि इसे चलाने के लिए एक परमेश्वर होना चाहिए। मैंने परमेश्वर से कहा कि मुझे उनकी उपस्थिति को महसूस करने की अनुमति दें। मैंने खुद को फिनिक्स के एक चर्च में पाया। प्रभु-भोज परोसा जा रहा था और मुझे लगा कि मैं इसे लेने के योग्य नहीं हूँ। परमेश्वर की उपस्थिति मुझ पर छा गई और मैं प्रभु को स्वीकार करते हुए बहुत रोया। मुझे पता था कि मुझे और गहराई में जाना होगा। मैंने संपूर्ण पवित्रता की माँग की। 2003 में नवम्बर महीने के एक दिन, मैं स्वयं के लिए मर गया और परमेश्वर ने मुझे अपनी आत्मा से भर दिया। मैं ईमानदारी से कह सकता हूँ कि तब से मुझे कभी खुशी या शांति की कमी नहीं हुई। और संदेह का एक क्षण भी नहीं आया। अज्ञेयवाद से सकारात्मक तक पवित्र विश्वास की ओर कदम![106]

पवित्र आत्मा आप में परमेश्वर की विजय उत्पन्न करे।

---

106. पहले यह 'द गुड न्यूज़; द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलीज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2016), में प्रकाशित हुआ था।

.....

जुलाई 20 **दिन - 201**

आत्मा के पीछे चलना, भाग 1

******

.....क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। रोमियों 8:2

इसलिये कि व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए। रोमियों 8:4

स्पष्ट निराशा में किसी ने मुझसे कहा, "तुम एक चलते-फिरते संत तो नहीं बन सकते, बन सकते हो क्या"?

जब मैंने इसके बारे में सोचा, मैंने निष्कर्ष निकाला, "हाँ आप बन सकते हैं। वास्तव में, यही संत का एकमात्र प्रकार है जो आप बन सकते हैं - एक चलता फिरता संत - रोमियों 8:4 कहता है कि व्यवस्था की विधि हममें, जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए।"

चलना, एक समय पर एक कदम चलने की गतिविधि है। कुछ लोग भ्रमित होते हैं जब वे मसीही जीवन को एक चलने की यात्रा के रूप में सोचते हैं।

वे उस जगह को अनुग्रह की दूसरी आशीष के रूप में नहीं देख पाते। हालांकि आशीष के दो अनुभव रोमियों 8 में ग्रहण और निहित किए जाते हैं। वचन 1 में, पौलुस उस निंदा से मुक्ति की बात करता हैं जो गलत कामों के साथ आती है - यानि वह शांति जो औचित्य के साथ आती है (5:1)।

परंतु पौलुस एक दूसरी आशीष की भी बात करता है: "क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में स्वतंत्र कर दिया" (8:2)। यहाँ पौलुस पाप के अस्तित्व से छुटकारे का वर्णन करता है। उसका छुटकारा कैसे हुआ था? उत्तर एक ही है, अनुग्रह की आशीष से जैसा कि ग्रीक काल यहाँ कहता है। पौलुस "स्वतंत्र होना" के लिए उसी शब्द का उपयोग करता है जैसा कि वह 6:18 और 22 में कहता है: "और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए"; और "परंतु पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर तुम को फल मिला जिससे पवित्रता प्राप्त होती है, और उसका अंत अनंत जीवन है।"

परमेश्वर के साथ हमारा चलना हमारे कई मानवीय संबंधों के समान है। शादी के रिश्ते को ही ले लीजिए।

सगाई का समय होता है जब एक व्यक्ति प्रस्ताव रखता है - यह एक आशीष है - और दूसरा कहता है, "मैं करूंगा/ करूंगी।" फिर, शादी की वेदी पर एक-दूसरे के संपूर्ण प्रतिष्ठान में, दोनों कहते हैं, "मुझे मंजूर है।"

एक दिन, मेरी पत्नी और मेरी शादी के लगभग पाँच साल बाद, उसने मुझसे पूछा, "प्रिय, क्या तुम मुझे प्यार करते हो?" आश्चर्यचकित, कि उसे यह पूछना पड़ा, मैंने उत्तर दिया, "बेशक! जब हमारी शादी हुई थी तब मैंने तुमसे कहा था कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ। क्या मुझे तुम्हें फिर से बताने की जरूरत है?"

क्या उसने एक हास्यास्पद सवाल नहीं पूछा? आप सोच रहे हैं कि मैं हास्यास्पद हूँ - और निश्चित रूप से आप सही हैं। हम सभी जानते हैं कि दिन-ब-दिन और पल-दर-पल एक दूसरे के प्रेम

में बने रहना चाहिए। केवल अधर्म की अनुपस्थिति ही काफी नहीं है - जब तक मैं सक्रिय रूप से अपने निरंतर प्यार और विश्वास को हर दिन प्रकट नहीं करता, तब तक संबंध आहत होता है। बहुत से मसीही यह सोचने की गलती करते हैं कि एक बार जब उन्हें संपूर्ण पवित्रता की आशीष का अनुभव प्राप्त हो गया है, तो वे आत्मिकता में आ गए हैं। लेकिन संपूर्ण पवित्रीकरण, परमेश्वर के साथ एक निरंतर, दिन-प्रतिदिन के संबंध की सिर्फ शुरुआत होता है। पवित्रता अंत नहीं है बल्कि उसकी शुरुआत है जो परमेश्वर हमें बनाना चाहता है।[107]

---

107. पहल यह चार्ल्स "चिक" शेवर, कीपिंग स्पिरिचुअल विक्टरी (कैनसस सिटी एमओ: बेकन हिल प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 1972), 5, 8-10 में प्रकाशित हुआ है।

.....

जुलाई 21 **दिन - 202**

आत्मा के पिछे चलना, भाग 2

******

इसलिये की व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए। रोमियों 8:4

परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। इफिसियों 4:30

पवित्रीकरण केवल या प्राथमिक रूप से प्राप्त करने के लिए एक अनुभव ही नहीं है बल्कि एक संबंध है जिसे जारी रखा जाना है। अपने अनुभव को "रखने" या "पकड़े रहने" के बारे में बात करना खतरनाक है। एक ऐसा अर्थ है जिनमें इन शर्तों की अनुमति होती है - फिर भी वे पूरी तरह से सटीक नहीं हैं। हम एक अनुभव "रखते" हैं, लेकिन एक व्यक्ति के साथ "चलते" हैं - परमेश्वर के साथ। पौलुस चाहता है कि हम न केवल उस सटीक समय को जानें, जब हमें "पाप और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र" किया गया था (रोमियों 8:2)। बल्कि आत्मा के पीछे वर्तमान में और आदतन चलें भी, जैसा कि क्रिया का वर्तमान काल कहता है (8:4)।

परमेश्वर के साथ हमारा रिश्ता दिन-ब-दिन महत्वपूर्ण होना चाहिए। हमें उसमें पूर्ण रूप से इतना स्थिर रहना चाहिए कि हर कठिन परिस्थिति में भी हम मधुर बने रहें। पवित्र होना कोई यांत्रिक चीज नहीं है जिसे चालू किया जाता है - इसका अर्थ है परमेश्वर के साथ एक गतिशील संबंध में प्रवेश करना जो निरंतर होना चाहिए। परमेश्वर के साथ हमारे संबंध को पल-पल की घटना के रूप में रखते हुए, यूहन्ना 15:1-8 में, यीशु के दाखलता और शाखाओं के दृष्टांत में चित्रित किया गया है: "तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में। जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो न ही फल सकते"। (वचन 4)

रिश्ते संवेदनशील होते हैं; उन्हें आसानी से क्षतिग्रस्त किया जा सकता है। एक खूबसूरत दोस्ती को बर्बाद करने के लिए उपेक्षा ही काफी है। लेकिन भरोसे की कमी परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते को खराब कर सकती है, क्योंकि यह उनकी इच्छा और हमारी मदद करने की क्षमता, दोनों को दर्शाता है। "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है" (इफिसियों 4:30); और "आत्मा को न बुझाओ" (1 थिस्सलुनीकियों 5:19), "इसलिये की व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए"। (रोमियों 8:4)

.....

जुलाई 22 **दिन - 203**

अनुसार चलना

******

और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के अनुसार जीवित हैं तो आत्मा के अनुसार चलें भी।
गलातियों 5:24-25

एक स्वचालित पिछे चलने वाली घास काटने की मशीन मेरे कटीने से काटे गए लॉन का साधन है। इसको चलाने की प्रक्रिया सरल है: टैंक को गैस से भरे, इग्निशन चालू करें, लीवर को समायोजित करें, जो गैस की आपूर्ति और मोटर की गति को नियंत्रित करता है, चलने की गति को समायोजित करें, एक्टिवेशन कंट्रोल को दबाएं - और आप घास काटने के लिए तैयार हैं। गैस बिजली की आपूर्ति करती है, और मैं चलते-चलते घास काटता हूँ।

जब मैं हमारे सामने की अपनी सदाबहार पौधों के किनारों पर घास काटता हूँ, तो उभरी हुई शाखाएं कभी-कभी गैस को नियंत्रण करने वाली लीवर पर अटक जाती हैं और गैस की आपूर्ति को बंद करने के लिए पर्याप्त दबाव डाल देती है।

फिर मोटर बंद हो जाती है और घास काटने की मशीन बंद हो जाती है। जब ऐसा होता है तो मुझे चलना बंद करना पड़ता है।

आत्मा से भरे जीवन के क्षेत्र में, पवित्र आत्मा पर निर्भर रहने और सुनने के लिए निरंतर झुकाव होना चाहिए। वह आत्मिक शक्ति का स्रोत है, और उसकी आपूर्ति तब तक स्थिर रहती है जब तक हम उसके अनुसार चलते हैं। उसके अनुसार न चलो, अपना संपर्क तोड़ दो तो कठिनाई उत्पन्न होती है। एक समय ऐसा आता है जब आप आत्मा से भर जाते हैं, लेकिन निरंतर जीत के लिए आत्मा पर निर्भरता और स्थिरता की आवश्यकता होती है।

पवित्र शास्त्र इस सत्य पर कई तरह से जोर देता है। कुलुस्सियों 1:22-23 कहता है, "उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक और निर्दोष बनाकर उपस्थित करें - यदि तुम विश्वास की नींव पर निरंतर बने रहो"। मुख्य शब्द "निरंतर" पर ध्यान दें।

यूहन्ना 15:5-6 में दाखलता और डालियों की सादृश्यता पर विचार करें: "मैं दाखलता हूँ, तुम डालियाँ हो। जो मुझमें बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते। यदि कोई मुझमें बना न रहे, तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं और वे जल जाती है"।

प्रेरितों के काम 2:4 में चेलें, उस समय में आत्मा से भरे हुए थे। जब यही चेलें दवाब में और भयभीत थे तो उन्होंने प्रार्थना की और उन्हें साहस देने के लिए आत्मा के एक नए सिरे से भरने का अनुभव किया (प्रेरितों के काम 4:31)। बाद में इफिसियों 5:18 में मसीहियों को पौलुस की नसीहत में - "आत्मा से परिपूर्ण हो जाओ" - उसने वर्तमान काल का उपयोग किया, जिसका अर्थ "आत्मा से भरते रहो" है।

कुछ लोग आश्चर्य में पड़ सकते हैं कि अगर आप पवित्र किए गए हैं, आपका हृदय शुद्ध किया गया है और आप आत्मा से भर गए हैं, तो क्या विकास के लिए कोई जगह होती है? ओह हाँ, और भी अधिक! कृपया इन दो गिलासों पर ध्यान दें और मान लें कि वे दोनों पानी से भरे हुए हैं।

दोनों गिलास पूरी तरह भरे हुए हैं - फिर भी बड़े गिलास में अधिक पानी होता है। क्या ऐसा हो सकता है कि एक जवान मसीही परमेश्वर की आत्मा से भरा हो?

हाँ - लेकिन फिर कल्पना कीजिए कि परीक्षणों, चुनौतियों और कठिनाइयों के माध्यम से उनका दिल खिंच जाता है। उनका दिल अभी भी पूर्ण तरह से भरा हुआ है, लेकिन उनकी क्षमता अधिक बढ़ गई है - वे विकसित हो गए हैं।

1865 में चीन अंतर्देशीय मिशन की स्थापना करनेवाले महान ब्रिटिश मिशनरी हडसन टेलर ने परमेश्वर पर निरंतर निर्भरता की आदत की खोज की और अनुभव किया। उन्होंने यूहन्ना 6:35 के दृष्टांत में इस सिद्धांत को देखा, जिसे उन्होंने इस तरह से व्याख्यायित किया: "जो मेरे पास आदतन आता है, वह कभी भूखा न होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा न होगा"।[108] या इसे दूसरे तरह से कहें तो - आत्मा के अनुसार चलना।

---

108. डॉ. एंड मिसेज हॉवर्ड टेलर, हड़सन टेलरस्, स्पिरिचुअल सीक्रेट (शिकागो: मूडी प्रेस, एन. डी), 182

.....

जुलाई 23 **दिन - 204**

वह केवल बारह वर्ष की थी

******

बड़े घर में न केवल सोने-चाँदी ही के, पर काठ और मिट्टी के बरतन भी होते हैं; कोई-कोई आदर और कोई-कोई अनादर के लिये।यदि कोई अपने आप को इनसे शुद्ध करेगा, तो वह आदर का बरतन और पवित्र ठहरेगा; और स्वामी के काम आएगा और हर भले काम के लिए तैयार होगा।

2 तीमुथियुस 2:20-21

एक मिशनरी ने पाँच अलग-अलग देशों के पाँच नए शहरों में स्थापित की गई नई सेवकाइयों पर रिपोर्ट करने के लिए फोन किया - जिनमें से सभी पूर्व सोक्यित संघ का हिस्सा रहे थे। और फिर उसने मुझे अपनी बेटी बेका के बारे में बताया।

बेका हमेशा आत्मिक रूप से संवेदनशील रही है। जब वह तीन साल की थी, तब उसके परिवार ने ह्युस्टन में जीसस फिल्म का एक प्रदर्शन देखा, वहाँ उसने यीशु के बपतिस्मा के दृश्य देखें। जब उसने पिता को यीशु के बारे में बोलते हुए सुना, "यह मेरा प्रिय पुत्र है", उसने पूछा, "यीशु परमेश्वर हैं, है ना? तो परमेश्वर कैसे बोले? वह पहले से ही त्रियेक को समझने की कोशिश कर रही थी।

चार साल की उम्र में, बेका और उसकी माँ ने पाप पर चर्चा करना शुरू कर दिया। बेका के अनुरोध पर, उसकी माँ ने गाड़ी रोकी, उन्होंने एक साथ प्रार्थना की, और बेका ने यीशु को स्वीकार किया।उसके माता-पिता ने उसके व्यवहार में तत्काल परिवर्तन देखा - विशेष रूप से, नकारात्मक हठ की उसकी पूर्व आदत यीशु का अनुसरण करने के लिए दृढ़ संकल्प में बदल गई।

कुछ समय पहले, अपने दैनिक प्रार्थना में बेका ने उस धनी व्यक्ति के बारे में पढ़ा, जिसने यीशु से पूछा कि अनंत जीवन प्राप्त करने के लिए उसे क्या करना चाहिए।वह यीशु की प्रतिक्रिया को समझ गई, "तुम्हें मुझे सबकुछ देना होगा"। उसे लगा कि उसने एक धीमी आवाज सुनी: "तुम्हें मुझे सबकुछ देना होगा"।

कुछ ही समय बाद, बेका ने अपने पवित्र होने की आवश्यकता व्यक्त की। वह, उसकी माँ और उसके पिता ने अपने घुटनों पर बैठकर प्रार्थना की, और परमेश्वर ने बेका को पवित्र किया। बाद में उसके पिता ने पूछा, "इस आवश्यकता का एहसास क्यों हुआ?"

बेका ने उत्तर दिया, "मैं चाहती हूँ कि परमेश्वर मुझे जो कुछ भी करने के लिए बुलाएं उसके लिए मेरा दिल तैयार हो"।

हाँ, सम्मान का एक बरतन स्वामी के लिए पवित्र किया गया और उपयोगी, हर अच्छे काम के लिए तैयार किया गया - और वह केवल बारह वर्ष की थी।

.....

जुलाई 24 **दिन - 205**

आत्मा के द्वारा प्रचार करना, आत्मा के द्वारा सुनना

******

वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ्य दी, वे अन्य-अन्य भाषा बोलने लगे। प्रेरितों के काम 2:4

तब पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हुआ और ऊँचे शब्द से कहने लगा। प्रेरितों के काम 2:14a

तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे, "हे भाइयों, हम क्या करें?" प्रेरितों के काम 2:37

यह एक यादगार दिन था - यीशु के 120 अनुयायियों पर परमेश्वर की आत्मा का उंडेला जाना।

आत्मा की उपस्थिति के साथ चमत्कारिक घटनाएं हुए - एक ध्वनि जैसी उग्र हवा की तरह, शक्ति का प्रतीक; अग्नि की जीभों की तरह, पवित्रता का प्रतीक; अन्य भाषाओं में बोलने वाले लोगों की तरह, पवित्रता का प्रतीक। 120 लोगों ने परमेश्वर के चमत्कारों की घोषणा की; कई राष्ट्रों के लोगों ने इन गवाहियों को अपनी मूल भाषाओं में सुना; और इस आत्मा-अभिषिक्त वातावरण में, पतरस ने प्रचार किया।भीड़ ने सुना और उसी आत्मा द्वारा दोषी ठहराए जाने पर पूछा, "हम क्या करें?"

और यह आज भी हो रहा है। यहाँ नैन्सी की रिपोर्ट है जब वह अंतत: अपने भाई क्रेग के निमंत्रण पर चर्च में शामिल हुई थी:

तुम्हारे प्रचार के दौरान, मुझे ऐसा लगा जैसे तुम मुझसे व्यक्तिगत रूप से बात कर रहे थे - जैसे वहाँ कोई और नहीं था। मुझे याद है कि तुम्हारे संदेश ने मुझे इतना अधिक प्रभावित किया कि मुझे आँसूओं को रोककर रखना पड़ा। आखिरकार, सेवा के अंत में, जब तुमने लोगों को आगे आने और प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित किया, तो मेरा दिल जोर से धड़कने लगा.... मैं पूरी तरह से कांप रही थी, और मैंने अपने भाई को देखा। उसने कहा, "क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे साथ जाऊं?"

मुझे वास्तव में प्रार्थना करने के लिए आगे जाना भी याद नहीं है। लेकिन...जब मैंने उधार की प्रार्थना को करना शुरू किया तो मेरे कंधों से एक भारी बोझ हट गया था। मैं ईमानदारी से यह नहीं बता सकती कि मैंने उस रात कैसे गाड़ी चलाई - मैं बहुत आराम से थी और प्रभु के साथ शांति में थी, मुझे याद है कि मैं अंदर गई और अपने पति को बताने लगी कि मेरे साथ क्या-क्या हुआ था। उन्होंने कहा, "यह अच्छी बात है। मुझे लगता है कि तुम अब उस चर्च में जाना शुरू करोगी"।

छह महीने बाद, मैं और मेरे पति चर्च के आखिरी बेंच पर बैठे थे, और हम सब एक शक्तिशाली संदेश सुनने के बाद, "अमेजिंग ग्रेस" गीत गा रहे थे। और वह (मेरे पति) रोने लगे। उन्होंने मुझे बताया कि उनके ऊपर से बहुत भारी बोझ हट गया और उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि चारों ओर शांति छा गई। 4 अक्टूबर को मेरे पति ने अपना हृदय प्रभु के लिए खोल दिया।

उनके बच्चे चर्च के क्रिश्चियन स्कूल में शामिल हो गए। 19 जनवरी को उनकी बेटी ने अपने माता-पिता को यह नोट लिखा: "आज क्रिश्चियन स्कूल में मेरा दूसरा दिन था, और यह बहुत अच्छा रहा। उनके यहाँ बहुत अच्छे बच्चे हैं। पिछले रविवार, बच्चों के चर्च में, मैंने यीशु को अपने दिल में

आमंत्रित किया। मैं आप दोनों को बहुत प्यार करती हूँ। मुझे एक क्रिश्चियन स्कूल में डालने के लिए फिर से धन्यवाद"।

आत्मा के द्वारा प्रचार करें। आत्मा के द्वारा सुनें।

.....

जुलाई 25 **दिन - 206**

उनका क्या उद्देश्य है

******

हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है अर्थात उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं। क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों, ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे। रोमियों 8:28-29

तुम्हारा उद्देश्य क्या है? अपने जीवन के विभिन्न चरणों में, मैंने विभिन्न उद्देश्यों को अपनाया है। कॉलेज में, मेरा उद्देश्य प्रत्येक कक्षा में अच्छी तरह से सीखना और सफलतापूर्वक स्कूल खत्म करना था। जैसा कि मैंने सोचा था कि मेरा कामकाजी जीवन क्या होगा, मेरा एक उद्देश्य था कि मैं सही नौकरी ढूंढू जो मेरे लिए उपयुक्त हो।मेरे जीवन का एक व्यापक उद्देश्य दूसरों की मदद करने के लिए कुछ करना था।

शादी के संबंध में, सही महिला से मिलना और ऐसी शादी में प्रवेश करना जो संगत हो, हम दोनों को पूर्ण करता हो, सच्चा प्यार - यही उद्देश्य था।

एक पल के लिए अपनी सोच बदलें: परमेश्वर का क्या उद्देश्य है? रोमियों के अनुच्छेद में, हम सीखते हैं कि परमेश्वर हमारे रास्ते में आने वाली सभी चीजों को लेते हैं, चाहे वह अच्छी हों या बुरी, और उन्हें हमारे भले के लिए एक नमूने के रूप में कार्य करते हैं। हालांकि एक शर्त है: वह यह उन लोगों के लिए करते हैं जो उनसे प्यार करते हैं, जिन्हें उनके उद्देश्य के अनुसार बुलाया गया है। जिन्हें परमेश्वर पहले से ही जानते थे (जिन्हें वह जानते थे कि उनके अनुग्रह का जवाब देंगे) उन्हें, उन्होंने अपने पुत्र की छवि के अनुरूप होने के लिए पूर्वनिर्धारित किया। दूसरे शब्दों में वह आपको और अधिक यीशु जैसा बनाना चाहते हैं। यहाँ तक कि वह इच्छा भी यीशु को और अधिक महिमा देने के संदर्भ में निहित है। ताकि मसीह अकेले न हो - बल्कि, वह परमेश्वर के अनुग्रह से मसीह के समान बनाए गए, कई लोगों में से पहिलौठे हों।

जरा सोचिए! परमेश्वर आपको और मुझे यीशु के समान बनाना चाहते हैं।

दूसरा पतरस 1:3-4 इस पर जोर देता है: "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और से संबंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ दी हैं: ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर, जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव में समभागी हो जाओ।" हम यीशु की तरह बनने के लिए अलौकिक प्रकृति में भाग ले सकते हैं।

शैमुएल लोगान ब्रैंगल, द साल्वेशन आर्मी में एक अधिकारी थे। उनकी पुस्तकों की एक लाख से अधिक प्रतियों ने दुनिया को आशिषित किया है। यहाँ उनकी कहानी का एक अंश है:

9 जनवरी 1885 को सुबह करीब नौ बजे परमेश्वर ने मेरी आत्मा को पवित्र किया। मैं उस समय अपने कमरे में था, लेकिन कुछ ही मिनटों में मैं बाहर गया और एक आदमी से मिला और उसे बताया कि परमेश्वर ने मेरे लिए क्या किया है। अगली सुबह, मैं सड़क पर एक और दोस्त से मिला

और उसे धन्य कहानी बताई। वह चिल्लाया और परमेश्वर की स्तुति की और मुझसे पूर्ण उद्धार का प्रचार करने और हर जगह इसे स्वीकार करने का आग्रह किया।

परमेश्वर ने उसे मुझे प्रोत्साहित करने और मेरी मदद करने के लिए इस्तेमाल किया। इसलिए अगले दिन इस विषय पर यथासंभव स्पष्ट और जबरदस्त प्रचार किया और अपनी गवाही के साथ समाप्त किया।

परमेश्वर ने वचन द्वारा दूसरों को शक्तिशाली रूप से आशिषित किया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने इसके द्वारा सबसे अधिक मुझे आशिषित किया। इस अंगीकार ने मुझे रिकॉर्ड में डाल दिया। इसने मेरे पीछे के पुलों को काट दिया। तीन संसार अब मुझे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देख रहे थे जिसने यह दावा किया था कि परमेश्वर ने उसे एक स्वच्छ हृदय दिया है। मैं अब वापस नहीं जा सकता था। मुझे आगे जाना था। परमेश्वर ने देखा कि मेरा इरादा 'मृत्यु तक' ईमानदार रहना था। तो उसके दो सुबह बाद, जैसे ही मैं बिस्तर से उठा और यीशु के कुछ वचनों को पढ़ने लगा, उन्होंने मुझे ऐसे आशिषित किया जैसा मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक आदमी को स्वर्ग के इस तरफ मिल सकती है। वह प्रेम का स्वर्ग था जो मेरे दिल में आया था। मैं नाश्ते से पहले बोस्टन कॉमन से बाहर चला गया, खुशी से रोते और परमेश्वर की स्तुति करते हुए।

ओह, मैं किस प्रकार प्यार किया गया था। उस घड़ी में मैं यीशु को जानता था और मैं उनसे इतना प्यार करता था कि ऐसा लगा कि मेरा दिल प्यार से भरकर टूट जाएगा। मुझे चिड़ियों से प्यार था, मुझे कुत्तों से प्यार था, मुझे घोड़ों से प्यार था, मुझे गलियों पर छोटे बच्चों से प्यार था, मुझे उस अजनबियों से प्यार था जो मेरे पास से गुजरते थे, मुझे अन्य जातियों से प्यार था - मैं पूरी दुनिया से प्यार करता था।

क्या आप जानते हैं की पवित्रता क्या है? यह एक शुद्ध प्रेम है। क्या आप जानते हैं कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है? यह मात्र भाव नहीं है। यह कोई सुखद अनुभूति नहीं है जो एक रात में चली जाती है। यह प्रेम का बपतिस्मा है जो प्रत्येक विचार को प्रभु यीशु की अधीनता में लाता है (2 कुरिन्थियों 10:5); और सब भय दूर कर देता है (1 यूहन्ना 4:18); वह शंका और अविश्वास को ऐसे जला देता है जैसे आग रस्सी को जला देती है; और जो व्यक्ति को नम्र और दीन बना देता है (मत्ती 11:29); जो व्यक्ति को अशुद्धता से, झूठ और छल से, और चापलूसी करने वाली जीभ से, और सब प्रकार के बुरे मार्गो से पूरी तरह बैर रखना सिखाता है;

जो स्वर्ग और नर्क को शाश्वत वास्तविकता बनाता है; जो ढीठ और पापी के प्रति, व्यक्ति को धैर्यवान और कोमल बनाता है; जो व्यक्ति को "शुद्ध.....शांतिप्रिय..., विनती करने में आसान, दया और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपट रहित बनाता है (याकूब 3:17); जो एक खोए हुए और विद्रोही संसार को परमेश्वर के पास लाने के लिए व्यक्ति को उसके परिश्रम और कष्ट में प्रभु यीशु मसीह के साथ पूर्ण और अटूट सहानुभूति में लाता है।

परमेश्वर ने मेरे लिए वह सब किया, उनके पवित्र नाम की स्तुति हो![109]

अपने पुत्र की छवि के अनुरूप! तुम्हें यीशु की तरह बनाएं!

---

109. एस. एल. हेल्पस टू होलीनेस (लंदन: साल्वेशनिस्ट पब्लिशिंग एंड सप्लाईज, लिमिटेड, 1955), 9-10।

.....

जुलाई 26 **दिन - 207**

अभी भी परेशानी में

******

कि तुम पिछले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, और नये मनुष्यत्व को पहन लो जो परमेश्वर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है। इफिसियों 4:22-24

वे अपने बर्तन हाथ से धोते हैं क्योंकि डिश वॉशर (बर्तन धोने वाली मशीन) टूट गया है। वे कभी-कभी इसकी मरम्मत करने या बदलने की बात करते हैं लेकिन हमेशा प्रतीक्षा करने का निर्णय लेते हैं क्योंकि एक और समस्या है: घर की जल निकासी व्यवस्था बहुत अच्छी तरह से काम नहीं करती है। अपशिष्ट जल को घर से बाहर निकालने वाली भूमिगत पाइप में पेड़ों की जड़े विकसित हो गई हैं।समय-समय पर घर से बाहर जाने वाला पानी बेसमेंट में वापस आ जाता है। अगर उन्हें नया डिश वॉशर मिल भी जाए तो भी परेशानी होगी।

इसी तरह, कई मसीहियों के जीवन में, परमेश्वर के पूर्ण आशीष को अवरुद्ध करने वाली गहरी आंतरिक परेशानी है।

एक मसीही ने इस प्रकार खेद व्यक्त किया, "मेरे प्राण के तह से बदसूरत गुस्सा पैदा हो रहा था"। पौलुस ने इफिसुस के मसीहियों से पुराने पापी स्वभाव के साथ-साथ जीवन के पुराने तरीके को फेंकने का आग्रह किया। उन्हें परमेश्वर के समान एक नए धर्मी और पवित्र स्वभाव को धारण करना था।

पौलुस कुरिन्थुस के मसीहियों को चेतावनी देते हैं: "क्योंकि तुम अब तक शारीरिक हो इसलिए कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? (1 कुरिन्थियों 3:3), उसने कहा कि वे आत्मा के द्वारा नहीं जी रहे थे (3:1)।

पौलुस ने गलातियों के मसिहीयों को एक आंतरिक आत्मिक युद्ध के बारे में चेतावनी दी: "क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है, और ये एक-दूसरे के विरोधी हैं, इसलिए कि जो तुम करना चाहते हो वह न करते पाओ" (गलातियों 5:17)।बाद में उसने एक उपाय सुझाया: "और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है" (5:24)। 5:16 में उसने लिखा, "आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे"।

इफिसियों 2:2-3 में, पौलुस ने उन लोगों के बारे में बात की जो पापों में मरे हुए थे। फिर उसने लिखा, "इनमें हम भी सब के सब पहले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर और मन की इच्छाएं पूरी करते थे" (2:3)। ऐसा प्रतीत होता है कि वह कहता है कि पापों के पीछे लालसाएं और इच्छाएं होती है और उनके पीछे "शरीर" होता है - या जैसा कि कुछ अनुवाद कहते हैं, "पापपूर्ण प्रकृति"।

अक्सर, मसीही अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन प्रदर्शित करते हैं, फिर भी एक ऐसा रवैया या स्वभाव रखते हैं जिसे अभी भी बदलने की आवश्यकता है। शायद इसलिए याकूब ने कहा, "हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो, और हे दुचित्ते लोगों, अपने हृदय को पवित्र करो" (4:8)।

हो सकता है कि हम इस मुद्दे को इस तरह समझ सकें: एक मसीही के रूप में आप गाली नहीं दे सकते, लेकिन जब आप अपना रास्ता नहीं पाते हैं तो आप कुड़कुड़ाते और शिकायत करते हैं। एक मसीही के रूप में, शायद आप चोरी नहीं करेंगे, लेकिन आपको जलन होती है कि आपके मित्र के पास कुछ नया है और आपके पास नहीं है। मसीही होने के नाते आप उसे सार्वजनिक रूप से नीचा नहीं दिखाएंगे, लेकिन आपको यह परेशान करता है कि आपके मित्र को पहचान मिली और आपको नहीं।

शायद जॉन ऐलन वुड के जीवन पर एक नजर डालने से हमें मदद मिलेगी। यद्यपि वे स्पष्ट रूप से परिवर्तित हो गये थे और सेवकाई के जीवन की तैयारी कर रहे थे, वुड ने अपने पुराने स्वभाव (उनकी आत्म-केंद्रितता) को उनकी सबसे बड़ी बाधा पाया। उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में लिखा:

इस अवधि के दौरान अक्सर दिल के शेष दूराचरण और पवित्रता की मेरी आवश्यकता के लिए मुझे दोषी ठहराया गया। मैं....अक्सर गहरी जड़े वाली भीतर की बुराईयों के प्रति सचेत रहता था... उन्होंने मेरी शांति को भंग कर दिया। उन्होंने मेरे आत्मिक दर्शन को अस्पष्ट कर दिया। वे गंभीर प्रलोभन के साधन थे। उन्होंने परमेश्वर के साथ में मेरी बातचीत को बाधित किया। उन्होंने अच्छा करने के मेरे प्रयासों को अपंग कर दिया....उन्होंने मेरे दिल में उस जगह पर कब्जा कर लिया जहाँ मैं जानता था कि पवित्र आत्मा का कब्जा होना चाहिए था... मुझे अक्सर अपनी क्षमा की आवश्यकता से कई अधिक दृढ़ता से अपनी आंतरिक शुद्धता की आवश्यकता के बारे में दोषी ठहराया जाता था।[110]

अंत में, वुड ने एक निर्णय लिया। उन्होंने गवाही दी: "परमेश्वर की जय हो। निर्णय का क्षण विजय का क्षण था। एक पल में मैंने अपने दिल में इतना समझदार और शक्तिशाली महसूस किया कि यह आत्मिक के बजाय भौतिक प्रतीत हुआ; एक पल के बाद मैंने मेरे पूरे अस्तित्व में व्याप्त एक अवर्णनीय मिठास को महसूस किया।"[(111)]

जॉन ऐलन वुड ने पहली बार पवित्र आत्मा के पवित्रीकरण और भरने का अनुभव किया, साथ ही साथ आत्मा की पाप– विरोधी शक्ति का भी अनुभव किया। उन्हें अब प्रेरित पौलुस के वाक्यांश में शामिल किया जा सकता है, "ताकि अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना, पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए" (रोमियों 15:16) - किसी भी क्षेत्र की परेशानी का उत्तर।

---

110. बी रेमंड एडमेन, दे फाउंड द सीक्रेट (ग्रैंड रेपिड्स जोन्डरवेन, 1960), 131-132।

111. एडमेन, दे फाउंड द सीक्रेट, 133।

.....

जुलाई 27 **दिन - 208**

तुम्हारे प्राण का आंतरिक युद्ध

******

पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में, और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है, और ये एक दूसरे के विरोधी हैं, इसलिए कि जो कुछ तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। गलातियों 5:16-17

वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त और वह व्यक्ति था जिसने मुझे मसीह तक पहुँचाया। वह अपनी कार चला रहा था और मैं उसके बगल पर बैठा था, कुछ अच्छे विचार का प्रस्ताव रख रहा था। हालांकि, वह इतना प्रभावित नहीं लग रहा था। अचानक मेरे भीतर आक्रोश का एक भाव उमड़ पड़ा। जब उसने मेरे चेहरे का भाव देखा, तो उसने पूछा, "क्या बात है?" इस तथ्य से कि उसने मुझे पकड़ लिया था, मुझे उसके प्रति और भी नकारात्मक महसूस हुआ।

एक मिनट रुको - यह आदमी मेरे उद्धार के लिए मानवीय साधन था। मैं उसके प्रति यह भाव क्यों रख रहा था? यद्यपि मैं मसीह को जान गया था, मेरे भीतर एक आंतरिक युद्ध चल रहा था - शरीर (या पापी स्वभाव) बनाम आत्मा।

गलातियों मसीही इस युद्ध का अनुभव कर रहे थे, और पौलुस ने इसे शब्दों में बयाँ किया। शरीर के कृत्यों के पीछे (5:19) स्वयं शरीर होता है – मानव हड्डीयों पर लगा मांस नहीं बल्कि एक स्वार्थता, एक पापी शक्ति जिसे कभी-कभी "पापपुर्ण प्रवृत्ति" के रूप में अनुवादित किया जाता है। पौलुस ने गलातियों से शरीर को सूली पर चढ़ाने (5:24), आत्मा के अनुसार जीने और आत्मा के अनुसार चलने (5:25) के द्वारा इस स्वभाव का मुकाबला करने का निर्देश दिया।

किसी ने एक बार मसीही जीवन के बारे में कहा था, "प्रार्थना पाप को दबा देगी या तो पाप प्रार्थना को दबा देगा। शरीर और आत्मा के बारे में भी यही कहा जा सकता है। आत्मा में जीने के लिए, इस रिश्ते को जीने के लिए, आपको इसमें प्रवेश करना होगा - जब वह आपका पूरी तरह से मार्गदर्शन करेगा तो आप आत्मा को उसकी पूर्णता में जानेंगे। जैसे-जैसे यह युद्ध आपके भीतर बढ़ेगा, आप एक स्पष्ट निर्णय ले लेंगे कि आपकी निष्ठा किस तरफ है।

बड, वास्तविक असल क्षमता वाला एक सक्रिय युवक था और एक बड़े-सीने वाले प्रभावी लाइमन के रुप में, उसका एक बड़ा प्रभावशाली व्यक्तित्व था। हालांकि उसका उतार-चढ़ाव का इतिहास रहा है। उसके पास एक समय स्थानीय सेवक का लाइसेंस हुआ करता था लेकिन उसके चर्च द्वारा इसे नवीनीकृत नहीं किया गया था। साथ ही वह अमेरिकी नौ सेना का एक सदस्य रहा था, जिसने घरों का पुनर्वास किया हुआ था, और बाड़ों के खंभों का निर्माण किया हुआ था। वह प्रत्येक रिवाइवल सेवाओं में था, लेकिन अपनी सभी शारीरिक क्षमताओं के बावजूद, वह आत्मिक रूप से हारा हुआ था - वह शरीर से युद्ध हार रहा था। उसने कहा कि वह परमेश्वर की प्रतीक्षा कर रहा था कि वह उसे पवित्र करें। फिर किसी ने उससे कहा, "बड, वह तैयार हैं।वह तुम्हारे तैयार होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

उस रात, बड वेदी पर आया। आंसुओं के बीच, वह अपने "शरीर" को क्रूस पर ले गया और पवित्र आत्मा कार्य करने लगी। बाद में, उसने अपनी पत्नी से कहा, "मैं आजाद हूँ। मैं आजाद हूँ।"

फिर उसने मुझे दोहराया: "चिक, मैं आजाद हूँ; मैं आजाद हूँ"। अंतत: आत्मा जीत गई थी।

जुलाई 28 **दिन - 209**

परमेश्वर का एक कार्य

******

कि मैं अन्यजातियों के लिये मसीह यीशु का सेवक होकर परमेश्वर के सुसमाचार की सेवा याजक के समान करूँ, जिससे अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना, पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए। रोमियों 15:16

कुछ चीजें हैं जो आप कर सकते हैं - आप प्रार्थना कर सकते हैं, अपना जीवन समर्पित कर सकते हैं, अपने भीतर की सफाई के लिए कह सकते हैं, और विश्वास में परमेश्वर के पास जा सकते हैं। लेकिन जब पवित्र किए जाने की बात आती है, तो यह परमेश्वर ही करते हैं - यह परमेश्वर का एक चमत्कारिक कार्य है।

पवित्र शास्त्र हमें यह बताता है। उदाहरण के लिए, अपने अनुयायियों की ओर से अपने महायाजकीय प्रार्थना में, यीशु ने प्रार्थना की, "सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है" (यूहन्ना 17:17)। ध्यान दें कि उन्होंने (यीशु) परमेश्वर से इस उपलब्धि को पूरा करने के लिए कहा था। मूल पाठ में, हम यह भी देखते हैं कि शब्द "पवित्र" एक क्रिया है जो तात्कालिक क्रिया का संकेत देती है।

यीशु तब प्रार्थना करते हैं, "और उनके लिये मैं अपने आप को पवित्र करता हूँ, ताकि वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किये जाएँ" (17:19)। हम सब जानते हैं कि यीशु जितने पवित्र थे उससे अधिक पवित्र नहीं हो सकते थे। जब उन्होंने खुद को पवित्र करने की बात की, तो उनका मतलब था कि वह क्रूस पर बलिदान की मृत्यु के लिए खुद को अलग कर रहे थे। और जब उन्होंने कहा कि उनके शिष्य "सत्य के द्वारा पवित्र" किये जाएंगे, तो उनका अर्थ "अलग किया गया" और "शुद्ध किया गया" दोनों था। आज हमारे लिए, "पवित्र किया गया" शब्द एक निरंतर स्थिति या सबंध को भी संदर्भित करता है।

इब्रानियों 13:12 यीशु के महान बलिदान के बारे में बताता है, "इसी कारण यीशु ने भी लोगों को अपने ही लहू के द्वारा पवित्र करने के लिए फाटक के बाहर दु:ख उठाया।" यहाँ एक बार फिर "पवित्रीकरण" एक तात्कालिक कार्य है जिसे यीशु करते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 9:23-24 में, पौलुस ने प्रार्थना की, "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है, और वह ऐसा ही करेगा।" ध्यान दें कि यह स्पष्ट रूप से स्वयं परमेश्वर है जो आपको पूरी तरह से पवित्र करेंगे।

फिर पौलुस विश्वासियों के पवित्र होने के बाद उन्हें बनाए रखने के लिए परमेश्वर के संरक्षण की शक्ति के लिए प्रार्थना करता है। अंत में वह इस बात पर बल देता है कि परमेश्वर उस पवित्रीकरण को पूरा करेगा जिसके लिए उसने उन्हें बुलाया है। पौलुस स्पष्ट है: वह (परमेश्वर) ऐसा करेंगे। और अब, पवित्र किये गए लोग अनुग्रह में बढ़ोत्तरी का आनंद ले सकते हैं।

प्रेरितों के काम 26:17-18 में, पौलुस अलौकिक आदेश की व्याख्या करता है जिसके तहत वह रहता है: "मैं तुम्हें उनके पास इसलिए भेजता हूँ कि तू उनकी आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति

की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मिरास पाएँ"। इस अनुग्रह को प्राप्त करने का मानवीय भाग यीशु में विश्वास का अभ्यास है, लेकिन परमेश्वर अभी भी पवित्रीकरण करते हैं।

चूँकि पवित्रीकरण परमेश्वर का एक चमत्कारिक कार्य है, यह एक पल में होता है। 1700 के दशक में इंग्लैंड और दुनिया के अधिकांश हिस्सों में फैले महान होलीनेस रिवाइवल के अगुवे जॉन वेस्ली ने इसकी पुष्टि की: "समाज के 652 सदस्यों के साक्षात्कार के बाद जो अपने अनुभव में हद से अधिक स्पष्ट थे, और जिनकी गवाही में मुझे संदेह करने का कोई कारण नहीं दिख रहा था... सभी जो मानते हैं कि वे पवित्र है, एक स्वर से घोषणा करते हैं कि परिवर्तन एक पल में किया गया था। मैं केवल यही विश्वास करता हूँ कि पवित्रीकरण यदि सदैव नहीं तो सामान्य रूप से तात्कालिक कार्य है।[112]

यहाँ एक युवा महिला डेनिएल की गवाही है, जो चर्च में नई थी:

जब मैं पाँच वर्ष की थी, मैंने अपना हृदय मसीह को दे दिया था। तेरह साल की उम्र में मैंने अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दिया। मुझे अब भी ऐसा लग रहा था कि मेरे जीवन में कुछ कमी है। रविवार, अक्टूबर 13, 2019, में पवित्र की गई। पवित्रीकरण के बारें में सब कुछ मुझे भयभीत करता और डराता था। रेव्ह. शेवर का उपदेश सुनने के बाद, मैं समझ गई कि मेरे मसीही जीवन में क्या कमी थी। उस रविवार की शाम, मैंने अंत में सब कुछ मसीह के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और सब कुछ स्पष्ट और उज्वल हो गया। चीजों के प्रति मेरा रवैया और दृष्टिकोण बेहतर के लिए बदल गया। मैंने अपने जीवन में पहले से कहीं अधिक स्वतंत्र, परमेश्वर के करीब और स्वच्छ महसूस किया है। मैं अंत में पूर्ण महसूस करती हूँ और मेरे जीवन में एक उद्देश्य है।

उसके स्पष्ट कथन पर ध्यान दें: "रविवार 13 अक्टूबर, 2019 को मैं पवित्र की गई थी"। परमेश्वर का क्या ही अद्भुत कार्य। वह इसे कर देंगे।

---

112. जॉन वेस्ली, "ऑन पेर्सेंस", ग्रेट होलीनेस क्लासिक्स, वॉल्यूम 2: द वेस्ली सेंचुरी, टी. क्रिचटन मिशेल, ईडी (कैनसस सिटी, एमओ: बीकन हील प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 1984), 147।

.....

जुलाई 29 **दिन - 210**

केवल वहाँ खड़े मत रहो - चलो!

******

पर जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। 1 यूहन्ना 1:7

क्या आप एक नई फैंसी कार खरीदने, उसे घर लाने, अपने गैरेज में पार्किंग करने, फिर उसे वहीं पर पड़े रहने देने पर विचार करेंगे? क्या आप अपने दोस्तों के आगे डिंग मारेंगे कि, "मैंने एक सुंदर नई कार ली है।" लेकिन उसे कभी भी गैरेज से बाहर न निकालेंगे? निश्चित रूप से नहीं - आप उसे चलाएंगे! कार के यही तो उद्देश्य हैं।

फिर भी कुछ लोग मसीहत के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं: वे एक पल में मसीह को स्वीकार करते हैं, और दूसरों को भी इसके बारे में बताते हैं। फिर रिश्ता रुक जाता है क्योंकि वे कुछ नहीं करते। यूहन्ना कहता है, "केवल वहाँ खड़े मत रहो - चलो। प्रकाश में चलो"। प्रकाश वह हर सत्य है जो परमेश्वर आपको दिखाता है - कुछ भी जो उसे प्रकट करता है, पाप को उजागर करता है या जोश, विकास, शुद्धता, धार्मिकता, पवित्रता उत्पन्न करता है। आप एक जीवित प्रभु के साथ एक गतिशील संबंध में रहने के लिए बने हैं।

मैं एक मसीही कॉलेज के छात्र को जानता था जिसने परमेश्वर के साथ अपने अनुभव में वह चमक खो दी थी। लेकिन एक दिन, परमेश्वर की आत्मा ने उसके मन में प्रकाश डाला और उसे याद दिलाया कि जब वह अपने स्कूल का भुगतान करने के लिए बाइबिल बेचता था, तब उसने अंतिम भुगतान कंपनी को कभी नहीं भेजा। उसने तुरंत अपने पाप को परमेश्वर के सामने स्वीकार कर लिया, भुगतान भेज दिया और शांति, आनंद और विजय के साथ चलने लगा।

इस चलने के लिए ईमानदारी आवश्यक होती है। यदि हम पाप रहित होने का झूठा दावा करते हैं, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं। मैंने इसे पहले सुना है: "मैं एक मसीही बच्चा हूँ, मैं थोड़ी सी मूर्खता करता हूँ, थोड़ी सी शराब पीता हूँ, थोड़ा ड्रग्स लेता हूँ, थोड़ा सेक्स करता हूँ - लेकिन वह असल में, मैं नहीं हूँ। मैं दिल का बहुत अच्छा हूँ"। ऐसा धोखा!

इस चलने का परिणाम असीम होता है: यह "सभी" पापों से शुद्ध कर देता है"। इसमें मिलावट न होने दें - इस शुद्धिकरण के लिए प्रकाश में आनंदमय होकर निरंतर चलने की आवश्यकता होती है। वह हमें पवित्र बनाता है, हमें शुद्ध रखता है, हमें शुद्ध करता रहता है, हमें साफ करता है, जब भी हमें इसकी आवश्यकता होती है - फिर से, यदि हम प्रकाश में चलते हैं।

तो यदि आप पाप में पड़ जाते हैं तो आपको क्या करना चाहिए?

एक छोटे लड़के ने एक बार बूढ़े आदमी से पूछा, "क्या पानी में गिरने से आप डूब जाओगे?"

"नहीं", बूढ़े आदमी ने कहा, "पर वहाँ रहने से"

दूसरे शब्दों में यदि आप पाप करते हैं तो इसे तुरंत प्रार्थना और अंगीकार में परमेश्वर के पास ले जाएं।

चार्ल्स का पालन-पोषण एक मसीही घर में हुआ था, लेकिन वयस्क होने पर वह लापरवाह हो गया। उसे लगा कि उसे हर सप्ताहांत पर अपनी नाव को अपने कॉटेज पर ले जाना चाहिए और

उसने अपनी बेटियों को चर्च से दूर रखा जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने भी उसकी जीवनशैली को अपना लिया। उसने स्वीकार किया कि वह वास्तव में प्रार्थनाओं के उत्तर में विश्वास नहीं करता था। अपनी सोच में, उसने कहा, आप एक बार वेदी के पास जाते हैं, और उसके बाद से एक अच्छा जीवन जीने की कोशिश करते हैं। लेकिन पिछले हफ्ते चार्ल्स को अपनी किडनी की बीमारी और आगामी सर्जरी की पुष्टि मिली।

बीमारी का पता चलने के बाद, चार्ल्स ने मुझसे कहा, "मैं बहुत प्रार्थना कर रहा हूँ। मैंने परमेश्वर को अपनी नाव, अपना कॉटेज, अपना सप्ताहांत और स्वयं को दे दिया है। अंत में, उन्होंने मुझे बचाया और परमेश्वर वास्तविक हैं। मैंने अस्थायी चंगाई का अनुभव किया है, मैं पुनरुद्धार के सप्ताह में भाग लेने में सक्षम रहा हूँ, मेरे दोस्त यूजीन को बुधवार को बचाया गया था। फ्रेड रविवार को दोबारा विश्वास में आया और मैं अस्पताल जाने के लिए तैयार हूँ। मैंने पहले के अपने पूरे जीवन की तुलना में अधिक प्रार्थना के उत्तर इस सप्ताह में देख लिए हैं।

हाँ, चार्ल्स, मसीहत एक जीवन है, केवल एक पल नहीं। इसलिए सभी तक यह बात पहुँचाएं: "केवल वहाँ खड़े मत रहो - चलो"।

.....

जुलाई 30 **दिन - 211**

सही मार्ग

******

धर्म के मार्गों में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है। भजनसंहिता 23:3

सातवीं कक्षा में, मैंने क्लास प्ले (नाटक) के लिए ऑडिशन दिया। कुछ बार कोशिश करने के बाद, नाटक की कोच मुझे एक तरफ ले गई और कहा, "तुम नीरस हो। तुमसे यह नहीं हो पाएगा"।

मुझे आश्चर्य है कि ऐसा सुनकर मैं सदमे में नहीं आया। मैं काफी संवेदनशील बच्चा था लेकिन किसी तरह की बातों ने मुझे आहत नहीं किया।

आठवीं कक्षा में, मैंने एक और नाटक के लिए प्रयास किया। आश्चर्यजनक रूप से मुझे मुख्य भूमिका मिल गई। उन्हीं ड्रामा कोच ने कहा, "तुम्हें क्या हो गया है?" वह मेरे सुधार से चकित थी, लेकिन मैं उसका कारण नहीं बता सका। मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया।

हाई स्कूल में एक अन्य नाटक में मेरी मुख्य भूमिका थी। उस नाटक ने रीजनल ड्रामा फेस्टिवल, फिर स्टेट फेस्टिवल में, फिर न्यू इंग्लैंड ड्रामा फेस्टिवल में शीर्ष रेटिंग हासिल की।

आखिरकार, वह नाटक हमें डार्टमथ कॉलेज के क्षेत्र में ले गया। हमारे कनेक्टीकट हाई स्कूल के एक स्नातक, जो अब डार्टमथ के एक छात्र थे, ने हमें पूरा कैंपस दिखाया। मैं येल में आवेदन करने की सोच रहा था, लेकिन डार्टमथ के कैंपस को देखने के बाद मैं समझ गया कि मैं वही जाना चाहता था।

जब मैं डार्टमथ में एक छात्र बन गया तो मैं उसी कनेक्टीकट हाई स्कूल स्नातक, पीटर की उपलब्धियों से चकित रह गया। अपनी फ्रेटरनिटी के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के सॉकर टीम के खिलाड़ी, 'ग्रीन की' सोसाइटी के सदस्य और एक अव्वल वर्ग के छात्र (जब वह कोशिश करता) के रूप में वह हाई स्कूल में अपनी पहचान बना रहा था। फिर खबर आई: पीटर के शराब के सेवन ने उसे बर्बाद कर दिया। उसे स्कूल से निष्कासित किया गया और वह अपमान के साथ चला गया।

डार्टमथ में अपने जूनियर वर्षों में, जब मैं अपने जीवन के उद्देश्य को लगातार खोज रहा था, मैंने सोचा कि क्या मुझे परमेश्वर के साथ एक व्यक्तिगत संबंध प्राप्त हो सकता है। मेरी खोज के बीच में, पीटर एक कॉलेज चैपल सेवा में वापस आया। उसने मुझसे हाथ मिलाया और कहा, "चिक, मैं पहले की तुलना में अलग हूँ, क्योंकि मैंने प्रभु को पा लिया है"।इसके तुरंत बाद, पीटर ने मेरे साथ अपनी प्रभावशाली गवाही साझा की और मुझे अपने चर्च में आमंत्रित किया, जहाँ मैं जीवित यीशु से मिला और उसे ग्रहण किया।

एक प्री-लॉ मेजर के रूप में, मैंने सोचा था कि मैं लॉ स्कूल जाऊँगा और एक वकील बनूंगा। लेकिन जैसे ही मैं कॉलेज के समापन में आया, परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए बुलाया। मैंने तब कैनसस सिटी सेमिनरी में भाग लिया। कुछ ही समय में मुझे प्रचार करने का आमंत्रण मिलने लगा। हालांकि सेमिनरी के मेरे कई दोस्त, सार्वजनिक रूप से बोलने से डरते थे, मैं नहीं डरता था, नाटक के मेरे प्रशिक्षण और अनुभव के लिए धन्यवाद।

अब मैं सेवकाई में एक पादरी, सेमिनरी प्रोफेसर, सुसमाचार प्रचारक और लेखक के रूप में अपना पूर्ण जीवन खुशी से पीछे मुड़कर देखता हूँ।

इससे पहले कि मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता, परमेश्वर मेरा मार्गदर्शन कर रहे थे। इसे ही हम "पूर्ववर्ती अनुग्रह" कहते हैं - रूपांतरण से पहले का अनुग्रह। और जब से मैंने उन्हें जाना है, परमेश्वर मेरा मार्गदर्शन करते रहते हैं।

यह आपके लिए भी सच हो सकता है। परमेश्वर आपका मार्गदर्शन करने के लिए बेकरार है "धर्म के मार्गों में अपने नाम के निमित्त"। इसके बारे में क्या सोचते हैं?

.....

जुलाई 31 **दिन - 212**

मैं यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ

******

क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है कि जो कोई पुत्र को देखें और उस पर विश्वास करें, वह अनंत जीवन पाए; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँगा।" यूहन्ना 6:40

मैं डॉ. कार्टर में विश्वास करता हूँ। वह मेरी नेत्र चिकित्सक हैं और इस सप्ताह उन्होंने मेरी दाहिनी आँख का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया। वर्षों से डॉ. कार्टर ने हमारे परिवार को आँखों की जाँच, चश्मा और आँखों की बीमारी के इलाज में मदद की है। क्योंकि मैं उन पर विश्वास करता हूँ, मैं इस सर्जरी से गुजरने की उनकी सलाह पर सहमत हो गया - मैंने नाजुक उपकरणों का उपयोग करके अपनी आँखों से मोतियाबिंद को हटाने और एक नया लेंस स्थापित करने के लिए उन पर भरोसा किया।

डॉ. कार्टर ने मुझे इस सर्जरी की तैयारी के लिए कई निर्देश दिए। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- सर्जरी से पहले, दिन में तीन बार आँखों में, स्टेरॉइड-एंटीबायोटिक ड्रॉप का उपयोग करें, सर्जरी के बाद चार सप्ताह तक लगातार इसे थोड़े अंतराल पर जारी रखें।
- सर्जरी से एक रात पहले और सर्जरी की सुबह चेहरे को अच्छी तरह से धो लें।
- सर्जरी से पहले की रात्रि में 11:59 बजे के बाद कोई भोजन या पानी न लें (केवल मुख्य दवाओं को छोड़कर)।
- उपचार प्रक्रिया में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए, सर्जरी के अगले दिन और फिर सर्जरी के एक सप्ताह बाद डॉक्टर से दोबारा जाँच कराएं।

क्योंकि मैं डॉ. कार्टर पर विश्वास करता हूँ, मैंने खुशी-खुशी इन निर्देशों का पालन किया।

सर्जरी सेंटर में तैयारी के लिए काफी समय था - रक्तचाप की जाँच, हृदय और फेफड़ों की जाँच, बेहोश करने की क्रिया, ऑक्सीजन, विस्तारण के लिए ड्रॉप्स, आँखों के चारों ओर सुन्न करने का इंजेक्शन। वास्तविक सर्जरी में तीस मिनट लगे।

इतिहास में एक समय था जब मोतियाबिंद के लिए कोई ज्ञात उपचार नहीं था। अब, यह विश्वास करना कठिन है कि आँख में एक चीरा लगाया जा सकता है, मोतियाबिंद को तोड़ने के लिए आँख में एक उपकरण डाला जा सकता है, फिर मोतियाबिंद को आँख से बाहर निकाल दिया जाता है और एक नया लेंस डाला जाता है जो सही जगह में तीस मिनट में स्थापित हो जाता है।अविश्वसनीय!

अगले दिन चेकअप के समय, मैं डॉ. कार्टर को बहुत-बहुत धन्यवाद, प्रशंसा दे रहा था। मैंने वह देखना शुरू कर दिया था जो मैं ने वर्षों से नहीं देखा था। मैं डॉ. कार्टर में विश्वास करता हूँ।

मैं यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ। बहुत से लोग मसीह में विश्वास करने की नसीहत का सीधा अर्थ लेते हैं, "मुझे विश्वास है कि वह मौजूद है"। लेकिन "विश्वास" का, जैसा कि मसीह द्वारा उपयोग किया गया है और अर्थ इससे कहीं अधिक है:

- याकूब 2:19 “तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है; तु अच्छा करता है। दुष्टात्मा भी विश्वास रखते और थरथराते हैं”।
- यूहन्ना 6:36 “तुमने मुझे देख भी लिया है तौ भी विश्वास नहीं करते।”
- यूहन्ना 8:31 “यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे।”
- यूहन्ना 14:23 “यदि कोई मुझसे प्रेम रखेगा तो वह मेरे वचन को मानेगा।”

तो, यीशु मसीह में “विश्वास” करने का अर्थ होता है कि आप उनका सम्मान करते हैं; खुद को लेकर उन पर विश्वास करते हैं, उनसे प्यार करते हैं, उनका पालन करते हैं और उनके निर्देशों का अनुसरण करते हैं। पहली बार उन्हें स्वीकार करने के बाद आप की नियमित बैठक भी होती है (जिसे भक्ति कहा जाता है) और अगर यह आश्चर्यजनक है कि डॉ. कार्टर तीस मिनट में मेरा मोतियाबिंद हटा सकती है तो यह महसूस करना कहीं अधिक आश्चर्यजनक है कि यीशु चमत्कार कर सकते हैं। और जब आप वास्तव में यीशु में विश्वास करने लगते हैं तो यह स्वाभाविक है कि आप उनका धन्यवाद करेंगे, उनकी प्रशंसा करेंगे, और खुशी-खुशी उनके साथ अनंत काल बिताएंगे।

.....

अगस्त 1 **दिन - 213**

साधारण

******

शमौन की सास को ज्वर चढ़ा हुआ था, और उन्होंने उसके लिए उससे विनती की। उसने उसके निकट खड़े होकर ज्वर को डांटा और ज्वर उतर गया और वह तुरंत उठकर उनकी सेवाटहल करने लगी।

लूका 4:38-39

यीशु ने शमौन से कहा, "गहरे में ले चल, और मछलियाँ पकड़ने के लिये अपने जाल डालो। शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी हमने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा, तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा। जब उन्होंने ऐसा किया तो बहुत मछलियाँ घेर लाए और उनके जाल फटने लगे। लूका 5:4-6

बड़ी तस्वीर में हमारी चिंता बहुत छोटी थी। फिर भी हमें यह बड़ा लग रहा था।

हमारे घर में तीन टीवी हैं। किसी भी टीवी ने तीन सप्ताह से अधिक समय तक काम नहीं किया। हमने अपने रिमोट पर सभी सही (और कुछ गलत) बटन दबा दिए। हमने वह सब कुछ किया जो हम जानते थे। अंत में, गीक स्क्वाड को फोन किया कि वे किसी को उन्हें ठीक करने को भेजे।

मैंने फोन प्रतिनिधि से किसी ऐसे व्यक्ति को भेजने का अनुरोध किया जो वृद्ध लोगों के प्रति समझदार हो।

मेरे द्वारा सही मरम्मत करने वाले, सभी टीवी के लिए सही समाधान और कम खर्च और समय में सही मरम्मत होने की प्रार्थना करने के बाद डौमिनिक ने फोन करके कहा कि वह हमारा रिपेयरमैन होगा। डौमिनिक के आने से ठीक पहले, हमने पाया कि पहले टीवी का केबल बॉक्स का प्लग नहीं लगा था। साठ सेकंड के भीतर यह फिर से काम कर रहा था।

समझदार डौमिनिक ने दूसरे टीवी के केबल बॉक्स में एक समायोजन किया, और पाँच मिनट में यह भी काम कर रहा था।

तीसरे टीवी में स्क्रीन पर लाइने चल रहीं थी और एक अजीब, रासायनिक जलती हुई गंध छोड़ रही थी। डौमिनिक ने कहा कि यह पुराना टीवी मरम्मत के लिए बहुत महंगा होगा - इसे बदलना बेहतर होगा। हमने स्पष्ट किया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान, भीड़ में खरीदारी के बारे में सरकार की चेतावनियों के कारण, हम सार्वजनिक रूप से बाहर नहीं जाना चाहते थे।

"डौमिनिक", मैं ने पूछा, "अगर हम आपको बताएं कि हम क्या चाहते हैं, तो क्या आप इसे खरीद सकते हैं और हमारे लिए स्थापित कर सकते हैं?" डौमिनिक ने हाँ कहा।

जैसे ही हमने सेल अवधि 149.99 डॉलर वाले का चयन किया, डौमिनिक स्टोर पर लौटा, टीवी और आवश्यक उपकरण उठाए, और दो घंटे के भीतर उसे स्थापित कर दिया। उसने हमारे पुराने टीवी को भी मुफ्त में हटा दिया। हमारे लिए कितना राहतदायक था - और प्रार्थना का क्या उत्तर था। धन्यवाद, प्रभु। ऐसे परमेश्वर का अनुसरण करना और उसकी सेवा करना कठिन नहीं है जो हमारे जीवन के साधारण मामलों की भी परवाह करता है।

यदि आपको लगता है कि मैं बहुत ढीठ हूँ तो कृपया हमारे पवित्र शास्त्र के अंश को याद रखें: यीशु ने शमौन की सास को तेज बुखार से चंगा किया। वह शमौन और उसके साथी मछुआरों को भी मछली पकड़ने के सबसे अच्छे स्थान पर ले गया, जब उन्होंने पूरी रात कुछ नहीं पकड़ा था। यीशु के

मार्गदर्शन से, उन्होंने इतनी मछलियाँ पकड़ी कि उन्होंने दो नावें भर दीं।इन मुलाकातों में, यीशु ने एक व्यक्ति, शमौन के परिवार, स्वास्थ्य और काम की चिंताओं को संबोधित किया। यह बड़ी तस्वीर में व्यक्तिगत सामान था -

लेकिन यह वह सामान था जो इस आदमी के दिल और जीवन के लिए मायने रखता था।

मछुआरों की सफलता के तुरंत बाद, "यीशु ने शमौन से कहा, 'मत डर, अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा'। इसलिए वे अपनी नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए' (लूका 5:10-11)। शमौन, जिसे बाद में पतरस कहा गया, प्रारंभिक चर्च के सबसे महान अगुवों में से एक बन गया।

क्या आप समझते हैं कि यीशु आपके जीवन की साधारण घटनाओं की कितनी परवाह करते हैं? फिर उनका अनुसरण क्यों नहीं करते? या दूसरा तरीका देखें, यदि तुम खाने, पीने या वस्त्रों की तलाश में हो, तो "पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी" (मत्ती 6:33)।

.....

अगस्त 2 **दिन - 214**

उसने एक सीमा को पार कर दिया

फिर दूसरी बार उसे शब्द सुनाई दिया, "जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है उसे तू अशुद्ध मत कह"।
प्रेरितों के काम 10:15

बरसों पहले, हमारे शहर में नस्लीय दंगे हो रहे थे, और मैं व्यथित था।

पतरस एक कर्तव्यनिष्ठ यहूदी था, लेकिन उसने यीशु मसीह को जान लिया, प्रेम किया और उनका अनुसरण किया। उसकी यहूदी पृष्ठभूमि ने उसे अन्यजातियों से अलग रहना सिखाया था। अब एक दर्शन में, परमेश्वर उसे एक सीमा पार करने के लिए अगुवाई कर रहा था - सुसमाचार के साथ अन्यजातियों, साथ ही यहूदियों तक पहुँचने के लिए। जब पतरस अभी भी जो कुछ उसने देखा था उसे संसाधित कर रहा था। तीन लोगों ने उसके दरवाजे पर दस्तक दी और उसे अन्यजातियों के रोमन सूबेदार कुरनेलियुस के घर में आमंत्रित किया। आत्मा ने पतरस से कहा, "मैं ही ने उन्हें भेजा है" (प्रेरितों के काम 10:20)। इसलिए पतरस चला गया, और ऐसा करते हुए, उसने और सुसमाचार ने एक सीमा पार की (10:23-48)।

मेरे शहर में नस्लीय दंगों के दौरान, मैं सोच रहा था कि मैं क्या कर सकता हूँ। मुझे नहीं लगता कि एक जवाबी-विरोध एक उपचारात्मक उत्तर था। तो मेरे पास एक विचार आया: क्या होगा अगर मैंने एक साधारण काम किया? मेरा नाई अफ्रीकी-अमेरिकी था, और उससे मेरा संबंध बाल काटने के लिए था। क्या होगा अगर नैन्सी और मैंने अर्बे (मेरे नाई) और उसकी पत्नी जॉयस को रात के खाने के लिए आमंत्रित किया? हमने आमंत्रित किया, और हमने अच्छे भोजन, गर्मजोशी भरी संगति और आपसी समझ और सम्मान से भरी एक शाम का आनंद लिया। यह एक छोटी सी चेष्टा थी - लेकिन क्या होगा अगर मेरे शहर के दस हजार नागरिक दो सप्ताह की अवधि में ऐसा ही काम करें?

सांस्कृतिक सीमाओं को लांघकर मेरा जीवन समृद्ध हुआ है। सेवकाई के छात्रों के साथ बातचीत करना और कई पुष्ठभूमि के लोगों के साथ आजीवन मित्रता को बढ़ावा देना, एक आशीष रहा है। सीमाओं को पार करना एक आशीष है।

.....

अन्य

******

तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख। लूका 10:27

यदि तुम वही करते हो जो आज का पवित्र शास्त्र निर्देश देता है, तो तुम अनंत जीवन के वारिस हो जाओगे (लूका 10:25-27)। "परमेश्वर से प्रेम" और "अपने पड़ोसी से प्रेम" दोनों ही महत्वपूर्ण है। आइए "अपने पड़ोसी से प्रेम करें" भाग के बारे में सोचें।

जब टीम हमारे चर्च और हमारे संडे स्कूल की कक्षा में आया, तो वह अपने अपराधों के लिए पहले ही गिरफ्तार हो चुका था और सजा का इंतजार कर रहा था। पहले तो वह झिझका हुआ और सजग था, लेकिन लोगों के प्यार, बहुतों की गवाही और शक्तिशाली उपदेश ने उसका वहा आना सफल कर दिया। टीम ने कुछ दिन पहले काउंटी जेल में अपने पापों का पश्चाताप किया और क्षमा प्राप्त की। फर्स्ट चर्च में, उसने अपना जीवन पूरी तरह से परमेश्वर को दे दिया और आत्मिक रूप से विकसित हुआ। आखिरकार, उसे जेल की सजा सुनाई गई और उसे छह साल की कैद हुई।

हर क्रिसमस पर, हमारे संडे स्कूल की कक्षा तीस या उससे अधिक लोगों को वित्तीय उपहार भेजती है। टीम ने अपने अधिकारी खाते में सौ डॉलर प्राप्त किए। जीवन के इतने कम साधन के साथ मुझे लगा था कि वह इसे अपने ऊपर खर्च करेगा। लेकिन फिर मुझे उसका निम्नलिखित पत्र प्राप्त हुआ:

मैं एक आशीषित व्यक्ति हूँ! क्या यह सुधारगृह में रह रहे एक कैदी के मुँह से एक अद्भुत वाक्यांश नहीं है? कई बार मेरे मन में संदेह पैदा हो जाता है। फिर मुझे एक पत्र, बाइबिल अध्ययन, एक भेंट यहाँ तक कि पैसे भी मिलते हैं और संदेह दूर हो जाता है।

क्रिसमस पर मुझे याद करने के लिये मैं संडे स्कूल कक्षा को धन्यवाद देना चाहता हूँ। कक्षा ने दिया, इसलिए मैं देने में सक्षम था। हम में से कुछ ऐसे थे जिन्होंने हमारे विंग के सभी पचास लोगों के लिए क्रिसमस ट्रीट के लिए दान दिया। कुछ लोग थे जो इसे नहीं चाहते थे, लेकिन अधिकांश आभारी थे। मैंने एक सज्जन की प्रतिक्रिया का एक पत्र शामिल किया है। कृपया सुनिश्चित करें कि कक्षा को पता है कि मैं आभारी हूँ और उपहार की बहुत सराहना करता हूँ।

वह व्यक्ति जो चैपल सेवा चलाता है, मैं अक्सर उससे कहता हूँ, "हमें गिरफ्तार नहीं किया गया था, हमें बचाया गया था"। सभी मसीही कह सकते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें बचाया है और परमेश्वर हर उस पापी को बचाने के लिए तैयार है, जो उसे मांगता है।

नीचे एक अन्य कैदी से टीम को प्राप्त पत्र का हिस्सा है:

आप सभी ने सबको इतना अच्छा भोज देने के लिए इतनी कठिन मेहनत की है, इसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से आप लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मुझे याद है आपने पिछले साल भी ऐसा ही किया था। आप लोग वास्तव में उस पर खरे उतरे हैं जो बाइबिल एक सच्चे मसीही के बारे में बताती है...आप सभी लोग वह चमकते हुए प्रकाश साबित हुए हैं जिसके बारे में बाइबिल बताती है। मैं आपकी सराहना करता हूँ और आपकी भलाई के लिए प्रार्थना करता हूँ।

हमारे संडे स्कूल की कक्षा का अर्ल अपने पड़ोसी से प्रेम करने का मतलब दर्शाता है।

लगभग हर छह सप्ताह में अर्ल, राज्य के दूसरी ओर गाड़ी चलाकर जाता है, एक मोटल में रात भर रहता है, टीम को देखने जाता है, जैसा कि जेल द्वारा अनुमति है, टीम के लिए घर का बना खाना लाता है।

इसलिये, चाहे वह जरूरतमंद लोगों को उपहार भेजने वाली कक्षा हो, या कैदी टीम द्वारा अपने विंग में पचास अन्य पुरुषों की देखभाल करना हो, या अर्ल का टीम को देखने के लिए सप्ताहांत की यात्रा करना हो, दुनिया में ऐसे मसीही हैं जो दूसरों को प्यार कर रहे हैं। आज आपके प्यार की जरूरत किसे है?

.....

अगस्त 4 **दिन - 216**

क्या होगा अगर परमेश्वर मुझसे पूछें....

******

अनंत जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूँ? लूका 10:25

वह एम्सटर्डम से दक्षिण पूर्व एशिया के लिए मलेशियाई फ्लाइट 17 में सवार होने ही वाला था कि अचानक एक डच युवक को परेशानी महसूस हुई और वह अपनी माँ के पास वापस भागकर गया। उसने कहा, "मुझे डर है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा। अगर मैं मर गया तो क्या होगा? उसकी माँ ने उसे आश्वासन दिया कि वह पहले भी सवार हो चुका है और उसका भाई उसके साथ होगा।

वह और प्रश्न पूछने लगा:

1. अगर मैं मर गया तो क्या होगा?
2. क्या होगा यदि परमेश्वर मुझसे एक प्रश्न पूछें?
3. मुझे उनसे क्या कहना चाहिए?

यह कहानी युवक की माँ के साथ हुई एक टेलीविजन साक्षात्कार से आई है जब मलेशियाई फ्लाइट को यूक्रेन के ऊपर मार गिराया था - विमान 2014 में रुसी अलगाववादियों और यूक्रेनी सेना के बीच गोलीबारी में फंस गया था। सभी सवार - लगभग तीन सौ लोग मारे गए।

कितनी दुखद कहानी है! और युवक द्वारा पूछा गया एक महत्वपूर्ण प्रश्न: "क्या होगा यदि परमेश्वर मुझसे एक प्रश्न पूछें?"

क्या होगा यदि परमेश्वर ने आपसे एक प्रश्न पूछा? डॉ. जेम्स कैनेडी ने लिखा, "मान लीजिए कि आप आज रात मर जाते हैं और परमेश्वर के सामने खड़े होते हैं और वह आपसे कहते हैं, "मैं तुम्हें अपने स्वर्ग में क्यों जाने दूँ? आप क्या कहेंगे?"[113]

प्रश्न जितना आप सोच सकते हैं उससे कहीं अधिक गहरा है। लूका 10 में, धार्मिक व्यवस्था के विशेषज्ञ ने यीशु से पूछा, "अनंत जीवन का वारिस होने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?" यीशु ने उसे उत्तर दिया: "तू अपने पूरे अस्तित्व के साथ परमेश्वर से प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने सामान प्रेम रख।

अनंत जीवन स्वर्ग से भी बढ़कर है, लेकिन क्योंकि यह "अनंत" है, इसमें स्वर्ग भी शामिल है। यीशु ने कहा, "और अनंत जीवन यह है: कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें" (यूहन्ना 17:3)। अनंत जीवन, 'पिता परमेश्वर को जानना' और 'यीशु मसीह को जानना' है - एक रिश्ता है।

परमेश्वर से प्रेम करना और अपने पड़ोसी से प्रेम करना वह शर्त है जिसे यीशु ने अनंत जीवन प्राप्त करने के लिए निर्दिष्ट किया है। लेकिन अकेले मानव प्रयास से ऐसा कौन कर सकता है? ऐसा प्रेम केवल अलौकिक सहायता से ही संभव है। इसलिए पौलुस हमें रोमियों 5:5 में बताता है, "क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।"

स्वर्ग में प्रवेश के प्रश्न का उत्तर प्रसिद्ध यूहन्ना 3:16 द्वारा दिया गया है: "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परंतु अनंत जीवन पाए"। हमें यहाँ समझना चाहिए कि यहाँ "विश्वास" शब्द का अर्थ बौद्धिक स्वीकृति से अधिक है; इसका अर्थ है यीशु के प्रति प्रतिबद्धता। यह हमें मसीह के साथ एक निरंतर संबंध में ले जाता है।

शुक्र है, आप आश्वासन प्राप्त कर सकते हैं और जान सकते हैं कि आप परमेश्वर के साथ सही हैं।

रोमियों 8:16 वादा करता है, "आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की संतान है।"

रेथियॉन कॉरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष टॉम फिलिप्स, निश्चित रूप से यह जानते थे। वाटरगेट से संबंधित अपराधों के लिए कोल्सन को जेल की सजा दिए जाने के बाद, उन्होंने पूर्व अध्यक्ष रिचर्ड निक्सन के सहायक चार्ल्स कोल्सन के साथ अपनी कहानी साझा की। कोल्सन बाद में एक मसीह अनुयायी और जेल सुधार का एक चैंपियन बन गया। यहाँ फिलिप्स ने जो कहा दिया गया है:

मेरे पास ऐसा कुछ नहीं था जो मायने रखता था। यह सब सतह पर था। जीवन में सभी भौतिक चीजें व्यर्थ होती हैं यदि कोई व्यक्ति यह ना खोजें कि उनकी नीचे क्या है!

..... एक रात मैं व्यापार के सिलसिले में न्यूयॉर्क में था और मैंने देखा कि बिली ग्राहम, मैडिसन स्क्वायर गार्डन में क्रूसेड कर रहे थे। मैं - जिज्ञासापूर्ण हो गया था, मुझे लगता है - ऐसा करते हुए मुझे कुछ जवाब मिल जाएं। ग्राहम ने उस रात जो कहा, उसने मेरे लिए सब कुछ ठीक कर दिया। मैंने जाना कि किसकी कमी थी, यीशु मसीह के साथ व्यक्तिगत संबंध की, इस तथ्य की कि मैंने कभी उनसे अपने जीवन में आने के लिए नहीं कहा था, कभी अपना जीवन उनकी तरफ नहीं मोड़ा था। इसलिए मैंने कर दिया - उसी क्रूसेड में।

.... मैंने मसीह को अपने जीवन में आने के लिए कहा और मैं उनकी उपस्थिति को स्वयं में महसूस कर सकता था। उनकी शांति को मेरे अंदर। मैं वहाँ अपने साथ उनकी आत्मा को महसूस कर सकता था। फिर मैं न्यूयॉर्क के सड़क पर अकेले टहलने के लिए निकल गया। मुझे न्यूयॉर्क पहले कभी पसंद नहीं आया, लेकिन यह रात बहुत खूबसूरत थी। मैं कई ब्लॉकों तक चला। मुझे सब कुछ अलग लग रहा था। धीरे-धीरे बारिश हो रही थी, और शहर की रोशनी ने एक सुनहरी चमक बिखेर दी थी। मुझमें कुछ हुआ था और मैं वह जानता था।[114]

---

113. डी. जेम्स कैनेडी, इवांजलिज्म एक्सप्लोजन (बीटन, आई एल: टिनडेल हाउस, 1996), 33।

114. चार्ल्स डब्ल्यू. कोल्सन, बोर्न अगेन (ओल्ड टप्पन, एन जे, फ्लेमिंग एच, रेवेल,1977), 110।

.....

अगस्त 5 **दिन - 217**

आइए हम दृढ़ता से थामे रहें

******

आओ हम अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें, क्योंकि जिसने प्रतीक्षा की है, वह सच्चा है। इब्रानियों 10:23

मेथोडिस्ट चर्च में कैंप-मीटिंग के तहत पली-बढ़ी, वह मसीह के साथ एक व्यक्तिगत संबंध के महत्व को जानती थी। फिर भी, वर्षों तक उसने उन्हें अपने जीवन से बाहर कर दिया। फिर, जब वह पचास वर्ष के करीब थी, उसने उद्धारकर्ता को ग्रहण किया।

उसके आस-पास की हर चीज़ ने उस पर, यीशु मसीह से मुँह मोड़ने का दबाव डाला। उसने अपनी स्थिति पर विचार किया। परमपवित्र स्थान में प्रवेश करने के हियाव दिए जाने के कारण (इब्रानियों 10:19) और एक महायाजक के साथ, (इब्रानियों 10:21) वह जानती थी कि उसकी जीत के लिए प्रावधान प्रर्याप्त है। इसलिए वह परमेश्वर के समीप आ गई (10:22), अपने विश्वास को दृढ़ता से थामे हुए (10:23) और यहाँ तक कि दूसरों को उनकी आपसी संगति में प्रेम और भले कामों के लिए प्रोत्साहित किया (10:24-25)। अन्य शब्दों में, वह परमेश्वर के अनुग्रह को अभ्यास में लाई।

हालांकि, यह मुद्दा तब सामने आया, जब अन्य लोगों ने लगातार अवज्ञा की जीवन शैली में लाने के लिए उस पर दबाव डालना शुरू कर दिया (10:26)। जब इन लोगों ने उसे मसीह से दूर होने का आग्रह किया, वह और धर्मी हो गई और अपने दृढ़ संकल्प को यह कहते हुए प्रकट किया, "मैं अवज्ञा कर नरक में नहीं जाऊंगी।" उसने आत्मिक जीत में जीवन पाया।[115]

---

115. पहले ये 'कम ये अपार्ट' मार्च-अप्रैल-मई 1971 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 87 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)।

.....

अगस्त 6 **दिन - 218**

जब परमेश्वर प्रकट होते हैं

******

याकूब ने भी अपना मार्ग लिया और परमेश्वर के दूत से आ मिले। उत्पत्ति 32:1

उसका (याकूब का) ससुर उससे क्रोधित था, उसका भाई उससे क्रोधित था, और याकूब बीच में फंस गया था, अपने बच्चों, अपनी पत्नियों और खुद की रक्षा करने की कोशिश कर रहा था। क्रोधित लाबान और क्रोधित एसाव के बीच फंसने पर, याकूब परमेश्वर के प्रति और खुल गया, पहले से कहीं अधिक संवेदनशील हो गया। उस बिकट समय में परमेश्वर के दूत उससे मिले।

प्रेरितों के कामों के समय तक, प्रारंभिक चर्च ने उम्मीद की थी कि परमेश्वर प्रकट होंगे - हस्तक्षेप करने के लिये, नियमित रूप से बोलने के लिए। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, उनतीस उदाहरण हैं जहाँ हम आत्मा के अलौकिक अगुवाई को देखते हैं। प्रेरितों के काम 13:2 इसका एक उदाहरण है: "पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिए बरनबास और शाऊल को, उस काम के लिये अलग करो जिसके लिए मैंने उन्हें बुलाया है।"

मैं अक्सर प्रार्थना और प्रार्थना करता रहता हूँ और कोई जवाब नहीं मिलता। कभी-कभी मैं चाहता हूँ कि जब मैं प्रार्थना करूँ तो परमेश्वर प्रकट हों और मुझसे बात करें। रीस हॉवेल्स कहा करते थे, "प्रार्थना का अर्थ उत्तर है"। हालांकि हॉवेल्स ने यह भी कहा, "प्रभावी प्रार्थना, निर्देशित प्रार्थना होनी चाहिए"।(116) जे. जी. मॉरिसन ने "विश्वास प्राप्त करने" के बारे में लिखा और इसकी तुलना एक तार से की "जो प्राण को परमेश्वर से जोड़ती है, जिस पर वह अपनी शक्ति को विश्वासी तक पहुंचाने के लिए काम करता है, उस चीज के लिए जिसके लिए उसका विश्वास है"। [(117)]

जब हम अपने पहले पादरी पद, एक चर्च रोपण पर थे, हमारी आय बहुत कम थी। मैंने प्रार्थना की, "प्रभु मुझे एक नई कार चाहिए। मैं दूसरी कार खरीदने के लिए बहुत गरीब और जो मेरे पास है उसे ठीक करने के लिए बहुत असमर्थ हूँ"। उस प्रार्थना के बाद, परमेश्वर की आत्मा ने मुझे विश्वास दिलाया, और मुझे यह आश्वासन दिया कि एक कार मिलने वाली है। कुछ ही मिनटों में फोन की घंटी बजी और मेरी माँ ने बताया कि एक दोस्त ने मुझे अपनी नई कार देने का फैसला किया है।

कभी-कभी आत्मा आपके दिल पर एक बोझ या एक सपना रख देता है जो दूर नहीं होता। मैंने अपनी आँखों के सामने एक मुस्लिम महिला शहरजाद को मसीह को उद्धारकर्ता और परमेश्वर के रूप में स्वीकार करते देखा। वह और उसका पति अल्बर्ट, मेरे प्रिय मित्र बन गए। उनकी शादी की बीसवीं सालगिरह पर (उनके वायदों का नवीनीकरण अब जबकि वे मसीही थे), मैं उनके मुस्लिम दोस्तों से मिला। इसके बाद के महीनों में, मेरे दिल पर एक बोझ पड़ा: "इन मुस्लिम दोस्तों के लिए बाइबिल अध्ययन का नेतृत्व करना"। मेरी पत्नी और मेरे अलावा, हर कोई मुस्लिम पृष्ठभूमि से आया था या उन्होंने मुस्लिम पृष्ठभूमि वाले से शादी की थी।

ओह, मैं उम्मीद करता हूँ कि परमेश्वर प्रकट होंगे - और आत्मा मुझे परमेश्वर के उत्तरों में विश्वास करने के लिए प्रेरित करें।

116. पहले ये 'कम ये अपार्ट' मार्च-अप्रैल-मई 1971 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 87। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)।

117. जे. जी. मॉरिसन, अचिविंग फेथ (तीतुसविले, पीए: द एलहोनी वेसलियन मेथोडिस्ट कनेक्शन, एन. डी.), 34-35।

.....

फल उत्पादन

******

इसी प्रकार हर एक अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है और निकम्मा पेड़ बुरा फल लाता है। इस प्रकार उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे। मत्ती 7:17, 20

हाँ, उसने कहा था! यीशु ने कहा था कि हम लोगों के जीवन में जो कार्य देखते हैं, वे उनके हृदय की वास्तविक स्थिति को प्रकट करते हैं। अधर्मी कार्यों के होते हुए धर्मी वचनों की गणना नहीं की जाएगी।

जो और कैरल हमारे संडे स्कूल की कक्षा में भाग ले रहे थे। एक दिन, मैं उनके घर उनसे मिलने गया, और जब मैं वहाँ था, तो हम उनके आत्मिक जीवन के बारे में चर्चा करने लगे। एक उपयुक्त तरीके से मैंने जो से पूछा कि क्या उसे यकीन है कि वह स्वर्ग जाएगा। उसने कुछ इस तरह उत्तर दिया, "ओह हाँ, मुझे पता है कि मैं स्वर्ग जाऊंगा। लगभग सत्ताईस साल पहले, मैंने मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया था। बेशक, मैं मानता हूँ कि मैं अन्य महिलाओं के साथ अनैतिक रहा हूँ, मैं बुरी भाषा का प्रयोग करता हूँ, मैं परमेश्वर का नाम व्यर्थ में लेता हूँ, मैं - वह रुक गया। "तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है, है ना?"

मैं चौंक गया था। मैंने एक भी शब्द नहीं कहा था। मुझे लगता है कि मेरे चेहरे के भाव ने अविश्वास व्यक्त किया। अंत में, मैंने कहा, जो बात यह नहीं है कि क्या मैं तुम पर विश्वास करता हूँ। तुम दावा करते हो कि तुम स्वर्ग जाओगे और फिर तुम मुझे अपने जीवन के फल की एक सूची देते हो। यीशु ने कहा, "उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे'। इससे ज्यादा मैं क्या समझ सकता हूँ?" इसकी तुलना इस घटना से करें। एक प्रोटेस्टेंट पादरी जो हमारे लिए नया था, एक कैथोलिक समुदाय के मरणासन्न लोगों के अस्पताल में काम कर रहा था और उसने हमारे चर्च के कार्यालय में रुककर यह रिपोर्ट किया कि जैक विल्सन मरणासन्न लोगों के अस्पताल में देखरेख में था। पादरी ने सोचा कि हम जैक से संपर्क करना चाहेंगे।

कार्यालय के कर्मचारी हक्के-बक्के थे। उन्हें नाम जाना पहचाना नहीं लगा। उन्होंने तलाश शुरू की। एक सेवानिवृत्त सेवक को नाम याद आया। जैक आखिरी बार पंद्रह वर्ष से अधिक समय पहले चर्च में शामिल हुआ था। दिन खत्म होने से पहले हमारे चर्च का एक सेवक, जैक के बिस्तर के पास पवित्र शास्त्र लिए हुए प्रार्थना कर रहा था और सांत्वना दे रहा था।

पादरी ने बाद में अपना अनुभव बताया। उसने बताया कि, "उसके कार्यालय में तीन महिलाएं थीं। बहुत अच्छा काम करती थीं। अद्भुत! उनमें से एक काउंटर के पीछे से बाहर आई और उसने मेरे साथ प्रार्थना की। यह वास्तविक मसीहत है। मैं कुछ चर्चो में जाती हूँ और उनसे किसी व्यक्ति के हाल-चाल जानने के लिए कहती हूँ। वे कहते हैं कि 'वह हमारे रिकॉर्ड में नहीं है'। उस व्यक्ति के बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं है। मैं आपके चर्च से बहुत प्रभावित हूँ।"

"अच्छा काम" - "अद्भुत" - "वास्तविक मसीहत" - "बहुत प्रभावित"। यह अच्छे फल है। यह ईश्वरीय फल है। यह इस बात का प्रमाण है कि मसीहत वास्तविक है। आप किस तरह का फल उत्पन्न कर रहे हैं?

अगस्त 8 **दिन - 220**

अपराधी से मसीह तक

******

क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिये कि वह हर एक विश्वास करने वाले के लिये, पहले तो यहूदी फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है। रोमियों 1:16

उद्धार के लिये परमेश्वर की सामर्थ्य - वह कितनी महान है? जो को बदलने के लिए पर्याप्त है।

जो का पालन-पोषण कैथोलिक रीति से हुआ था। कई बार परमेश्वर ने उससे बात करने की कोशिश की। एक बार, परमेश्वर ने जो को मंच के पीछे दर्शन दिखाया। नौ से पैंतालीस साल की उम्र तक उसने ड्रग्स का सेवन किया, ड्रग्स बेचा और चुराया। "अपनी सारी जिंदगी भर मैं एक संपूर्ण अपराधी था", उसने स्वीकार किया।

अपनी जीवन शैली के कारण उसने अपना घर खो दिया। उसने अपनी शादी गँवा दी।कुछ समय तक नशीले पदार्थों से मुक्त रहने के बाद, वह वेश्याओं के पास गया और ड्रग्स बेचने लगा क्योंकि उसे पैसे की जरूरत थी।

2009 में, जो को गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जब पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा तो उन्हें उसके घर से भारी मात्रा में हेरोइन मिली और वे उसे जेल ले गए। एक रात अचानक वह अपनी जेल की कोठरी में नींद से जाग गया। उसने सुना कि परमेश्वर ने उससे पूछा, "क्या अब तुमने सब देख लिया? क्या तूम मेरे पीछे आने के लिए तैयार हो?" उसी क्षण, उसने मसीह का अनुसरण करने के लिए प्रतिबद्धता की, और उसके बाद के वर्षों में उसका जीवन बदल गया।

जो ने अगस्त 2017 में अपना प्रमाणीकरण पुरी की। उसे उसके चर्च द्वारा दीक्षा दिया गया और वह एक शक्तिशाली शहर के बचाव मिशन में एक बाइबिल सलाहकार बन गया। अब जो सैकड़ों हताश लोगों को महान शक्ति की ओर ले जाता है "परमेश्वर की सामर्थ्य जो उद्धार लाती है।" क्या वह सामर्थ्य आपको उस चुनौती से मुक्त करने के लिए पर्याप्त है जिसका आप आज सामना कर रहे हैं?

.....

अगस्त 9 **दिन - 221**

ओह, कि मेरे लोग सुनें!

******

तेरा परमेश्वर यहोवा मैं हूँ, जो तुझे मिस्र देश से निकाल लाया है। तू अपना मुँह पसार, मैं उसे भर दूँगा। परंतु मेरी प्रजा ने मेरी न सुनी; इजराइल ने मुझ को न चाहा। भजनसंहिता 81:10-11

उसने यीशु को स्वीकार किया और परमेश्वर ने उसे बहुत से छुड़ाया:

- अपराधबोध का बोझ
- अनुशासनहीनता से उधार पर खरीदने की अराजकता
- एक बहस करने वाली आत्मा की कठोर-क्रोधित चिल्लाहट
- प्रति सप्ताह बियर के सौ कैन्स
- घबराहट की पीड़ा

मेरे आश्चर्य की कल्पना कीजिए जब वह उस परमेश्वर से दूर जाने लगा जिसने उसके लिये बहुत कुछ किया था। "तुम मुझे बताना अगर तुम कभी भी मुझे मसीहत को त्यागते हुए देखो तो, उसने मुझसे कहा था। लेकिन जब मैंने उसे माना और वैसा किया तो वह मानने को तैयार न था।

आखिरकार, उसने अपना जीवन पूरी तरह से अपने हाथों में ले लिया। वह अपनी मर्जी पर चला। अंत में, चूँकि वह जिद पर अड़ा रहा। परमेश्वर ने उसे उसके मन के हठ पर छोड़ दिया। (भजनसंहिता 81:12)

फिर एक रात, फोन की घंटी बजी और उसने मुझे तुरंत आने के लिए कहा - उसे गिरफ्तार किया गया था।

काश, उसने सुन लिया होता।[118]

---

118. पहले ये 'कम ये अपार्ट' मार्च-अप्रैल-मई 1971, (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 84 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)।

.....

अगस्त 10 **दिन - 222**

क्या आपका चेहरा कभी चमकता है?

******

जब मूसा साक्षी की दोनों तख्तियाँ हाथ में लिए हुए सीनै पर्वत से उतर रहा था तब यहोवा के साथ बातें करने के कारण उसके चेहरे से किरनें निकल रही थीं, परंतु वह यह नहीं जानता था कि उसके चेहरे से किरनें निकल रही हैं। निर्गमन 34:29

अंत में मिस्र के विरुद्ध न्याय के दस भारी विपत्तियों के दौरान फिरौन के सामने खड़े होने के बाद, मूसा को मिस्र छोड़ने की अनुमति मिली। उसने लाल सागर के खुले पानी के द्वारा अपने 15 लाख से अधिक लोगों को समुद्र पार करने में अगुवाई की, और मिस्र की सेना जो उनके बाद समुद्र में पार करने की कोशिश कर रही थी, डूब गयी। चालीस वर्ष तक, वह परमेश्वर के चमत्कारी भोजन मन्ना, बटेर और चट्टान के पानी के द्वारा जंगल में इजराइलियों का मार्गदर्शन करता रहा। अंत में, मूसा उन्हें यरदन के पास ले आया और प्रतिज्ञा के देश में उनकी अगुवाई करने के लिए यहोशू को अगुवाई प्रदान की।

मूसा की समस्त शक्तिशाली अगुवाई परमेश्वर के साथ उसके घनिष्ठ संबंध के कारण थी।

सीनै पर्वत पर, मूसा ने दस आज्ञाओं को दूसरी बार देने के लिए परमेश्वर से मुलाकात की। यहाँ उनके मुलाकात का विवरण दिया गया है:

तब यहोवा ने बादल में उतरकर उसके संग वहाँ खड़ा होकर यहोवा नाम का प्रचार किया। यहोवा उसके सामने होकर यों प्रचार करता हुआ चला, "यहोवा, यहोवा, ईश्वर दयालु और अनुग्रहकारी, कोप करने में धीरजवंत और अति करुणामय और सत्य। हजारों पीढ़ियों तक निरंतर करुणा करने वाला, अधर्म और अपराध और पाप का क्षमा करने वाला, परंतु दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा; वह पितरों के अधर्म का दंड उनके बेटों वरन् पोतों और परपोतों को भी देने वाला है।" (निर्गमन 34:5-7)

यहोवा ने फिर मूसा से वादा किया, "तेरे सब लोगों के सामने मैं ऐसे आश्चर्यकर्म करूँगा जैसा पृथ्वी पर और सब जातियों में कभी नहीं हुए" (34:10)।

इस प्रकार, हम समझ सकते हैं कि सीनै पर्वत से नीचे आने पर मूसा का चेहरा क्यों चमक रहा था: "उसके चेहरे से किरनें निकल रही थी क्योंकि उसने यहोवा से बात की थी।"

क्या मसीह के आने के बाद किसी का चेहरा चमकता है? क्या कुछ, हालांकि शायद मूसा की तरह महान नहीं है, फिर भी चमक सकते हैं?

प्रारंभिक चर्च में विधवाओं को भोजन वितरित करने के लिए चुने गए सात अयाजकीय लोगों में से स्तिफनुस एक था। वह यीशु के लिए इतने साहस के साथ खड़ा हुआ की मसीहत का विरोध करने वालों ने उसे पत्थरवाह करके मार डाला। उसका रहस्य क्या था? सात लोगों में उसके चुनाव के बारे में रिकॉर्ड बताता है, "उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को चुना जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था" (प्रेरितों के काम 6:5)।

उसकी मृत्यु से ठीक पहले, जैसा कि लोगों ने स्तिफनुस के बारे में तर्क दिया और उसके खिलाफ झूठे गवाहों को खड़ा किया, रिकॉर्ड बताता है, "तब सब लोगों ने जो महासभा में बैठे थे, उस पर दृष्टी गढ़ाई तो उसका मुख स्वर्गदूत सा देखा" (प्रेरितों के काम 6:15)। वह चमक रहा था।

अंत में जब उस पर पत्थरवाह होने वाला था, हम पढ़ते हैं, "परंतु उसने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखा" (प्रेरितों के काम 7:55)।

मैं एक बार एक ईश्वरीय घर में गया और पाया कि वह चमक रहा था। मैं पीटर, जुआनिता, केली और अन्य लोगों को जानता हूँ जिनके ईश्वरीय चेहरे चमकते हैं। क्या आप यहोवा से बात करते हैं, और क्या आप पवित्र आत्मा से भरे हुए हो? क्या आपका चेहरा कभी चमकता है?

.....

अगस्त 11 **दिन - 223**

जीवन जल की नदियाँ

******

जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, 'उसके हृदय से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी। उसने यह पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने पर थे; क्योंकि आत्मा अब तक न उतरा था क्योंकि यीशु अब तक अपनी महिमा को न पहुँचा था।
यूहन्ना 7:38-39

"क्या यह सच है? क्या यह सच में कहता है कि जीवन जल की नदियाँ बहेंगी?" उसने सेवक से पूछा। उसने उसे उत्तर दिया कि यह केवल एक नदी नहीं है बल्कि नदियाँ हैं।

यूहन्ना 4:14 में यीशु ने वादा किया था "एक पानी का सोता जो अनंत जीवन के लिए उमड़ता रहेगा।" अब वह मात्रा बढ़ाकर "नदिया" कहता है।

जब रोजर ने एक फिलिपिनी वेदी पर घुटने टेका और परमेश्वर से उसे पूरी तरह से पवित्र करने और पवित्र आत्मा से भरने के लिए प्रार्थना किया, तो परमेश्वर ने उत्तर दिया। चमकते हुए चेहरे के साथ रोजर ने गवाही दी, "मेरा हृदय शुद्ध हो गया है। मैं बहुत खुश हूँ। मैं गा सकता हूँ। मैं चिल्ला सकता हूँ। मैं अपने मसीही भाई-बहनों के साथ रहना चाहता हूँ।"

उसके अगले हफ्ते, उससे बहने वाली आत्मा उसके मसीही दोस्तों से भी आगे फैल गई। दस साल तक रोजर का भाई एक व्यापारिक सौदे पर असहमति के कारण उसका दुश्मन था। आत्मा से परिपूर्ण होने के बाद से रोजर अपने भाई के लिए प्रार्थना कर रहा था।

एक दिन घर पहुँचने पर उसने पाया कि उसका भाई उसकी प्रतीक्षा कर रहा है। उसके भाई ने माफी मांगी और उनका सुलह हो गया। तब रोजर ने उसकी गवाही दी, और उसके भाई ने मसीह को स्वीकार कर लिया। अगले हफ्ते रोजर अपने भाई के घर डिनर पर था।

रोजर ने दूसरों के साथ अपनी बातचीत में अन्य परिवर्तनों के बारे में बताया: "पहले मैं लोगों से मसीह के बारे में बात करने से डरता था। अब मुझमें साहस है। मैं चकित हूँ - मैंने प्रभु के बारे में तीन लोगों से बात की है, और वे सभी परिवर्तित हो गए। मुझे ऐसा लगता है कि मैं परमेश्वर के साथ एक विजेता हूँ।"

जीवन जल की नदियाँ बह रही हैं। सुनिश्चित करें कि आप प्रवाह में हैं!

.....

अगस्त 12 **दिन - 224**

किसके हाथ

******

दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं इस दल का पीछा करूं? क्या उसको जा पकड़ूँगा?" उसने उससे कहा, "पीछा कर; क्योंकि तू निश्चय उसको पकड़ेगा, और नि:संदेह सब कुछ छुड़ा लाएगा।"

1 शमूएल 30:8

हुआओरानी जनजाति के लिए एक साहसिक मिशनरी बनने या अपने शहीदी खून से कुरारी नदी को रंगने से पहले, जिम एलियट कॉलेज के एक छात्र थे। उस समय के दौरान उन्होंने आने वाले नए छात्र से एक बात की थी जिसे उन्होंने वर्णित किया कि "जो मैं एक जूनियर के रूप में सोचता हूँ काश किसी ने मुझे तब बताया होता जब मैं एक नया छात्र था।" उस भाषण में जिम ने वह साझा किया जो उसने सीखा था: कि विश्वास और व्यवहार से भी आगे होता है एक अस्तित्व, और आप केवल तभी 'आप' हो सकते हैं जब आपने अपना सारा जीवन परमेश्वर के हाथों में देना सीख लिया हो। इस सच्चाई को विफलता के सबसे सामान्य कारणों में से एक के रूप में रखा जाना चाहिए: "मैंने वह अपने हाथों में ले लिया"।

शाऊल ने दाऊद को एक खतरा माना। यद्यपि दाऊद ने अपने संगीत से शाऊल के प्राण को शांत किया था और इजराइलियों को जीत के लिए दृष्टों को मार डाला था, शाऊल ने बार-बार दाऊद से झूठ बोला और उसे मारने की कोशिश की।

पलिश्ती राजा ने दाऊद को उसके सैनिक पद से हटा दिया और उसे दूर भेज दिया। तीन दिनों (पचास मील) की यात्रा के बाद, दाऊद अपने आदमियों समेत सिकलग पहुँचा। वहाँ उन्होंने देखा कि अमालेकियों ने नगर को जला दिया है और उनकी सभी पत्नियों और बच्चों को बंदी बना लिया है। दाऊद के जन, दाऊद से कटु हो गए, लेकिन दाऊद उस मार्ग पर नहीं गया; उसने यहोवा में सामर्थ्य पाना अधिक अच्छा जाना (1 शमूएल 30:6)। वहाँ प्रार्थना में प्रभु के पास गया और समस्या को प्रभु के हाथों में सौंप दिया। जब उसने परमेश्वर से सुना तो दाऊद ने उनके निर्देशों का पालन किया। परिणामस्वरूप, दाऊद और उसकी सेना ने परिवार के सभी सदस्यों और लूट को पुनः प्राप्त कर लिया (वचन 18- 20)। अध्याय 31 तक शाऊल जिसने बार-बार मुद्दों को अपने हाथ में लिया था, स्वयं को मार डाला।

रहोंडा काफी रोने के बाद परमेश्वर के पास गई थी। फिर भी वह अपने कार्यालय के अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं को लेकर घबराई हुई थी, जहाँ उसे एक दुनिया की महिला के रूप में जाना जाता था। वह शराब पीने और उत्तेजक भरे अपने व्यवहार की प्रतिष्ठा से कैसे निपटेगी? क्या उसे स्थिति को अपने हाथों में लेकर समझौता करना चाहिए। अंततः उसने फिलिप्पियों 4:6-7 के वादे को देखते हुए इसे परमेश्वर के हाथों में देना, चुना: किसी भी बात की चिंता मत करो.... अपनी प्रार्थना परमेश्वर के सम्मुख ले जाओ। तब परमेश्वर की शांति.... तुम्हारे ह्रदय और तुम्हारे विचारों को यीशु में सुरक्षित रहेगी।

ऐन ने रुथ और कैथी जैसी नर्सों को उस अस्पताल में देखा जहाँ वह काम करती थी। उनकी जीवन स्तर की शक्ति का स्रोत था। तब उसने डॉ. जॉन कैशमैन को देखा, जो बुद्धिमान, विनम्र और

ईश्वरीय थे। वह एकमात्र डॉक्टर थे जिनके लिए नर्सों ने सेवानिवृत्ति कार्ड पर हस्ताक्षर किए - उन्होंने उन्हें एक जीवित संत कहा। ऐन उनके चर्च में शामिल हुई क्योंकि अपने कार्यस्थल पर ऐसे लोगों से मिली जिन्होंने अपना काम परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया।

आपने अपने आप को किन हाथों में सौंप रखा है? मदर टेरेसा ने एक बार कहा था, "मेरे लिए प्रार्थना करो कि यीशु के हाथों पर मेरी पकड़ ढीली न हो - गरीबों की मदद करते हुए भी नहीं"।

.....

अगस्त 13 **दिन - 225**

बिल्कुल अकेला,अरे नहीं!

******

मेरे माता-पिता ने मुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा। भजन संहिता 27:10

हाजिरा दूसरी पत्नी थी और वह गर्भवती थी। पहली पत्नी सारै, इस समय तक बाँझ थी। जब हाजिरा उसे यह बोलती रही तो सारै उसे बर्दाश्त नहीं कर पाई - आखिर, हाजिरा सारै की दासी थी। सारै ने हाजिरा के साथ दुर्व्यवहार किया और हाजिरा भाग गई।

हाजिरा ने जो कुछ भी गलत किया था। वह अब एक हताश स्थिति में थी। कनान से मिस्र की ओर भागते हुए वह शुर के मार्ग में मरुभूमि में एक सोते पर रुकी। एक महिला के लिए अकेले यात्रा करना दुर्लभ था: वह गर्भवती थी; वह मिस्र की एक दासी थी।

अब्राम और सारै के संबंध में उसका जो भी परिवार था वह बिखर गया था। क्या वहाँ उसकी कोई मदद करेगा? वह अकेली थी - बिल्कुल अकेली।

वहीं, उस स्थान पर, उस समस्या में, उस निराशा में, वह प्रकट हुआ। यहोवा का दूत हाजिरा से मिला" (उत्पत्ति 16:7)। स्वर्गदूत ने उसे वापस सारै के पास जाने के लिए कहा, लेकिन उसे एक पुत्र - इश्माएल देने का और "बड़ी संख्या में" वंशज देने का वादा किया (16:10)। जहाँ पहले वह अकेला महसूस करती थी, अब वह बोली, "वह परमेश्वर है जो मुझे देखता है" और "मैंने अब उसे देखा है, जो मुझे देखता है" (16:13)।

एक कॉलेज जूनियर के रूप में, मैं यीशु मसीह से मिला, रोमांचित हुआ, मैं उनका अनुसरण करने लगा। प्रभु के साथ अपने रिश्ते में तीन महीने से भी कम समय में, मैंने अपनी प्रेमिका से मुलाकात की। आखिरकार, जिस लड़की से मैंने शादी करने की योजना बनाई थी, उसके सवालों ने मेरी मसीह की खोज को प्रेरित किया। जब मैंने उसे बताया कि मेरा जीवन कैसे बदल गया है, तो उसने कहा, 'कुछ बदलाव मुझे पसंद आए - कुछ बदलाव मुझे पसंद नहीं आए'।

जब मैं अपने माता-पिता को बताने के लिए घर गया, तो मेरी माँ परेशान थी; मेरे पिताजी गुस्से में थे। कृपया समझें कि उस समय मेरे जीवन में तीन महत्वपूर्ण लोग मेरी माँ, मेरे पिताजी और मेरी प्रेमिका थे।

एक दिन, जब मैं वापस आया तो दो पत्र आए। उनमें से एक पत्र जो मेरी प्रेमिका था उसमें उसने मुझसे कहा, "मुझे लगता है कि तुम पागल हो गए हो। मैं तुम्हें फिर से नहीं देखना चाहती"।

सदमे में, मैंने अपनी माता और पिता के पत्र को खोला। मेरे पिताजी के शब्द थे "तुमने जो निर्णय लिया है, उसके कारण मैं तुमको वित्तीय सहायता से वंचित कर रहा हूँ"।

मैं रोया, मैं अकेला था - बिल्कुल अकेला।

अपने विश्वास में अभी भी नया, मैं अपनी बाइबिल को अच्छी तरह से नहीं जानता था, फिर भी मुझे पता था कि मुझे वचन पर जाना है। यह नहीं जानते हुए कि ऐसी पंक्ति बाइबिल में है, मैंने भजन संहिता 27:10 पढ़ा, "मेरे माता-पिता ने तो तुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा।" कुछ घंटों बाद मैं दैनिक चर्च सेवा में था। मैं चकित था जो पवित्र शास्त्र पढ़ने वाले ने यह वचन पढ़ा, "मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा।" बाद में उस दोपहर, मैं

दैनिक प्रार्थना सभा में शामिल हुआ। एक छात्र (जो मेरी स्थिति के बारे में कुछ नहीं जानता था) ने कहा कि उसे यह वचन पढ़ने की अगुवाई मिली है, "मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा"।

न तो हाजिरा - ना ही मैं - ना ही आप। आप आज किसी भी परिस्थिति से गुजर रहे हैं, आप अकेले नहीं हैं!

.....

अगस्त 14 **दिन - 226**

परमेश्वर ने इसे यहाँ रखा है

******

जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी सच्चा है: और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है, वह बहुत में भी अधर्मी है। इसलिये जब तुम अधर्म के धर्म में सच्चे न ठहरे, तो सच्चा धन तुम्हें कौन सौंपेगा? और यदि तुम पराए धन में सच्चे न ठहरे तो जो तुम्हारा है, उसे तुम्हें कौन देगा? लूका 16:10-12

यह मेरा पहला पादरी था। जब लोग मसीह के पास आ रहे थे, तो मैंने परमेश्वर की महिमा के लिए उन्हें एक अनुशासित जीवन में ले जाने का प्रयास किया। उचित समय पर, मैंने इनमें से कुछ नए मसीहियों से तंबाकू की लत से मुक्त होने का आग्रह किया।

मिस्टर मिशेल हमारे उपस्थित लोगों में से एक थे। वह यीशु में अपने विश्वास के बारे में मुखर थे लेकिन अपनी व्यक्तिगत आदतों से लापरवाह थे। मैंने उनसे उनके तंबाकू सेवन के बारे में बात नहीं की थी, लेकिन जाहिर तौर पर वह जानता था कि मैं कुछ अन्य विश्वासियों को क्या सिखा रहा था। एक दिन, उन्होंने मुझसे संपर्क किया और कहा,

"पास्टर शेवर, मुझे पता है कि यहाँ तंबाकू परमेश्वर ने रखा है। यह एक उपहार है, उपयोग करने के लिए। इसलिए मेरा धूम्रपान करना ठीक है।

मैं उसके तर्क पर चौंक गया। तब मैंने अपने अनुभव के बारे में सोचना शुरू किया जब मैं एक किशोर था। उस समय, हमें सोलह वर्ष की आयु से पहले कनेक्टिकट में कृषि कार्य करने की अनुमति दी गई थी। यह मेरे जीवन में एक समय था जब मेरे परिवार में से कोई भी यीशु को नहीं जानता था। मैंने गर्मियों में तंबाकू बिनने की नौकरी की। गर्म और नम मलमल की टेन्टीग के तहत बनाया गया सिगार में लिपटने वाला तंबाकू, एक बड़ा उद्योग था। मैंने पत्तियों को चुनने की सही प्रक्रिया का पालन किया - तंबाकू के डंठलों के बीच की पंक्तियों में बैठना और दाएं और बाएं दोनों तरफ से सबसे निचली पत्तियों को चुनना। जैसे ही मैंने तोड़ा, तंबाकू का रस मेरे हाथों पर मौजूद मस्सों में चला गया। कुछ ही दिनों के भीतर, मस्से चले गए और मेरी त्वचा साफ हो गई।

तंबाकू - पत्ती की कटाई के अंत में किसान वापस खेतों में चले गए और डंठलों की कटाई करने लगे। इन्हें दो फुट लंबाई में काटा गया और घर के मालिकों को उनके लॉन में लगाने के लिए बेच दिया गया।

डंठलों में उपस्थित शक्तिशाली जहर (विशेष रूप से निकोटीन) लॉन के अवांछित कीड़े-मकोड़ों को मार देते थे, और जैसे-जैसे डंठल सड़ता जाता वह लॉन को उपजाऊ करता जाता था।

इसलिए मैं मिस्टर मिशेल के पास वापस गया और कहा, "परमेश्वर का तंबाकू को यहाँ रखने का उद्देश्य धूम्रपान के लिए सिगरेट बनाना नहीं था। इसका उपयोग हमारे शरीर के मस्से को हटाना, कीड़े-मकोड़ों को मारना और हमारे लॉन को उपजाऊ करना था। यदि तुम इसे अपने मुँह में डालने का फैसला करते हो, तो यह तुम्हारा चुनाव है।"

मुझे शक्तिशाली रूप से याद दिलाया गया था कि सिर्फ इसलिए कि कुछ उपलब्ध है इसका मतलब यह नहीं हैं कि मुझे इसका उपयोग किसी भी तरह से करना चाहिए। या तो मैं विनाशकारी

तरीकों से किसी चीज का उपयोग करने का फैसला कर सकता हूँ और झूठा दावा कर सकता हूँ कि परमेश्वर ने इसे आशीष के रूप में दिया है - या मैं इसे अच्छे के लिए उपयोग कर सकता हूँ।

यीशु ने लूका 16 में एक भंडारी के बारे में एक दृष्टांत सिखाया जो अपने मालिक की संपत्ति को बर्बाद कर रहा था।

चालाक मैनेजर ने नौकरी से निकालने के लिए उसके स्वामी के इरादों को पहले से ही भाँप लिया और अपने पक्ष में करने के लिए उसने अपने स्वामी के देनदारों के सौदे में कटौती की। यीशु ने उसके चतुराई के बारे में बात की और कहा कि ज्योति के लोगों को अपने धन के साथ इस तरह का व्यवहार करना चाहिए कि उनका अनंत निवासों में स्वागत किया जाए। फिर यीशु ने एक सिद्धांत सिखाया जो मिस्टर मिशेल और हम पर लागू होता है: "जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी सच्चा है: और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी हैं, वह बहुत में भी अधर्मी है" (लूका 16:10)।

इस प्रकार, तंबाकू की मात्र उपस्थिति, आपकी साप्ताहिक तनख्वाह, आपका वातावरण, आपका कौशल, किसी अन्य व्यक्ति का जीवनसाथी, आपके पड़ोसी के लॉन की घास काटने वाली मशीन, आपके जीवन के वर्ष -सभी को इस तरह से प्रबंधित किया जाना चाहिए जो परमेश्वर की महिमा करे और मानवता के लिए अच्छा करे। अन्य शब्दों में, हमें हमारे सामने उपस्थित सभी अवसरों के बारे में समझदारी से निर्णय लेना होगा। और अगर हम पर छोटी-छोटी बातों पर भरोसा किया जा सकता है, तो हम पर बड़ी-बड़ी बातों पर भी भरोसा किया जा सकता है, क्या आप परमेश्वर के उपहारों का बुद्धिमानी से उपयोग करेंगे।

.....

अगस्त 15 **दिन - 227**

यीशु वापस आ रहे हैं.... इसलिए

******

देखो, वह बादलों के साथ आने वाला है; और हर एक आँख उसे देखेगी, वरन् जिन्होंने उसे बेधा था वे भी उसे देखेंगे और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हाँ, आमीन। प्रकाशितवाक्य 1:7

परंतु प्रभु का दिन चोर के समान आ जाएगा, उस दिन आकाश बड़ी हड़हड़ाहट के शब्द से जाता रहेगा और तत्व बहुत ही तप्त होकर फिघल जाएंगे और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएंगे।

2 पतरस 3:10

हाँ, मुझे विश्वास है कि चरनी में पैदा हुआ यीशु एक शक्तिशाली राजा के रूप में, फिर से पृथ्वी पर आ रहा है। मैं यह प्रचार करता हूँ।

मुझे यह आभास होता है कि कुछ लोग जो मुझे यह प्रचार करते हुए सुनते हैं; यह निष्कर्ष निकालते हैं कि मैं बैठकर प्रतीक्षा करूंगा"।

या, जब वे मुझे विश्वासयोग्यता, भंडारीपन और सेवा पर प्रचार करते हुए सुनते हैं, तो वे सोचते हैं, "यह कैसे ठीक है? आपने पिछले ही सप्ताह तो हमें बताया था कि यीशु वापस आ रहे हैं।"

वही पतरस जिसने कहा था कि प्रभु का दिन चोर की तरह आएगा, उसने भी कहा, "तुम्हें पवित्र और ईश्वरीय जीवन जीना चाहिए जब आप परमेश्वर के दिन और उसके जल्द आने की बाट जोहते हैं" (2 पतरस 3:11-12)।

1 पतरस 4:7 में, वह लिखता है:

सब बातों का अंत तुरंत होनेवाला है इसलिये संयमी होकर प्रार्थना ले लिए सचेत रहो। सब में श्रेष्ठ बात यह है कि एक दूसरे से अधिक प्रेम रखो, क्योंकि प्रेम अनेक पापों को ढांप देता है। बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे का अतिथि-सत्कार करो। जिसको जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के भले भंडारियों के समान एक दूसरे की सेवा में लगाए। यदि कोई बोले, तो ऐसा बोले मानो परमेश्वर का वचन है; यदि कोई सेवा करें; तो उस शक्ति से करें जो परमेश्वर देता है; जिससे सब बातों में यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर की महिमा प्रगट हो।

यदि मैं एक अयाजकीय व्यक्ति होता और मुझे पता होता कि यीशु वापस आ रहे हैं तो मैं 1 पतरस के उपरोक्त वचनों के अनुसार जीता। मेरे दैनिक कार्य में प्रारंभिक बाइबिल अध्ययन और प्रार्थना, परिवार के साथ प्रार्थना और अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना जब वे स्कूल जाते हैं, शामिल होता। अपनी नौकरी पर, मैं हमें सफल बनाने के लिए अच्छा काम करता। मैं एक को गवाही के कुछ शब्द बोलता, दूसरे के लिए प्रार्थना करता, किसी अन्य के लिए चिंता व्यक्त करता, जिसके परिवार का सदस्य बीमार होता। घर पर मैं अपने पति/पत्नी और बच्चों को समर्थन और प्रोत्साहन देता। मैं शायद हाल ही में चर्च में आए किसी आगंतुक को फोन करता जिससे मैंने मित्रता की होती या हमारे चर्च के सदस्यों में से किसी को मिलने अस्पताल का दौरा करता।

यीशु वापस आ रहे हैं। इसलिए मैं उनके लिए यहाँ और अभी, दिन-ब-दिन, पल-पल, जैसे पतरस ने कहा - गहराई से प्यार करो, आतिथ्य-सत्कार की पेशकश करो, और दूसरों की सेवा करो। और मैं तैयार हूँ।

.....

अगस्त 16 **दिन - 228**

एक सक्रिय कैथोलिक के चार लक्षण

******

सब से मेल मिलाप रखो, और उस पवित्रता के खोजी हो जिसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा। इब्रानियों 12:14

मैथ्यू केली की पुस्तक में, उपरोक्त शीर्षक से, वह कहते हैं:

- "एक सक्रिय कैथोलिक के चार लक्षण इस प्रकार हैं:
  1. प्रार्थना
  2. अध्ययन
  3. उदारता
  4. सुसमाचार प्रचार" (18)
- एक बार में एक व्यक्ति को रूपांतरित करना, दुनिया के लिए परमेश्वर की योजना का केंद्र है"(36)।
- केली लिखते हैं कि उन्हें एक विचार का सामना करना पड़ा जिसने उनके जीवन को उल्टा कर दिया: परमेश्वर आपको पवित्रता के लिए बुलाते हैं और आपके जीवन में जो कुछ भी होता है हर जीत, परीक्षा और त्रासदी, पवित्रता में बढ़ने का अवसर है" (77)।
- केली पवित्रता की खोज की व्याख्या करने के लिए एक अन्य वाक्यांश का प्रयोग करते हैं: "स्वयं का सबसे अच्छा संस्करण बनने की खोज"(78)।[119]

---

119. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2014) में साझा हुआ है।

.....

अगस्त 17 **दिन - 229**

जालें और टिड्डें

******

क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है; और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है - और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमंड करें। इफिसियों 2:8-9

कई बार जब मैं अपने बगीचे में सैर करती हूँ तो मकड़ी के जाले के रेशे के पार जाती हूँ। मैं नही जानती कि यह एक नष्ट हुए जाल का बचा हिस्सा है या एक मकड़ी द्वारा नया जाल बनाने का हिस्सा है। जो भी हो, यह मुझे रोक देता है और मैं इसे अपने ऊपर से हटाने की कोशिश करती हूँ और सुनिश्चित करती हूँ कि मकड़ी अभी भी इसमें फंसी हुई ना हो।

एक दिन, परमेश्वर ने मुझसे कहा, "जब लोग तुम्हारे रेशों के पार निकल जाते हैं तो वे कैसी प्रतिक्रिया करते हैं? क्या वे अपने ऊपर से हटाने की कोशिश करते हैं? तुम इन एकल रेशों को किससे बुन रही हो? क्या तुम उन्हें गपशप या जलन या ईर्ष्या से बाँधती हो? या उनका सामना एक ऐसे रेशे से होता है, तो क्या उसमें इतना प्यार और अनुग्रह होता है कि वे उसमें घिर जाते हैं और तुम्हारी ओर खींचे चले जाते हैं।

तुम किस तरह के जाल बुन और छोड़ रही हो? रेचल यदि तुम अपने आत्मा के बगीचे में समय बिताओगी? तो तुम अनुग्रह और दया के जाल को बुनोगी जो दूसरों को मेरी ओर खीचेंगे।

उस समय तक मैं सब कुछ समझ चुकी थी जो परमेश्वर ने मुझसे कहा था। लेकिन फिर मैं टिड्डियों पर उलझ गयी। मैं वहाँ बहुत देर तक लेटी रही लेकिन मैं टिड्डियों का अर्थ नहीं समझ सकी। जवाब मुझे कुछ दिनों बाद मिला जब मेरे ब्रदर-इन-लॉ चार्ली ने मुझे बताया कि जब वह मेरे बगीचे में था, उसके मकड़ी के जाले में टिड्डा फेंक दिया था। मकड़ी दौड़कर नीचे आई और टिड्डे को पकड़ लिया और बाद में खाने के लिए उसे घुमाकर लपेट दिया। टिड्डा वहाँ लटका हुआ था, जाल में बुरी तरह फंस गया था, मकड़ी के निर्णय पर मरने की प्रतीक्षा कर रहा था। अचानक चार्ली को यह विचार आया कि यह उचित नहीं है, इसलिए उसने एक छोटी टहनी ली और उससे टिड्डे को हटा दिया, जाले को खींच लिया और उसे मुक्त कर दिया। यह सुनते ही मुझे टिड्डे का अर्थ समझ में आ गया। टिड्डा मैं थी। एक समय पर, मैं पाप के जाल में फंस गई थी लेकिन यीशु साथ आए और नम्रता से मुझे शैतान के जाल से निकाल दिया और मुझे आज़ाद कर दिया।

उस दिन टिड्डे ने अनुग्रह का अनुभव किया। मैं परमेश्वर के अनुग्रह का अनुभव करती हूँ, और वह मुझे मेरे आत्मा के बगीचे में अधिक समय बिताने के लिए बुला रहे हैं।

मैं जानती थी कि परमेश्वर मुझे इस सबक को कागज पर उतारने और किसी के साथ साझा करने के लिए पर्याप्त रूप से अति संवेदनशील होने के लिये बुला रहे थे। फिर उन्होंने मुझे अपनी आत्मा के बगीचे में उनके साथ अधिक समय बिताने के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए कहा। आज इस दृष्टांत को आपके साथ साझा करते हुए, मैं आपको मुझे जवाबदेह ठहराने की अनुमति दे रही हूँ - यह पूछने के लिए कि क्या मैं अपनी आत्मा के बगीचे में समय बिता रही हूँ।

और मैं यह निमंत्रण आपको देती हूँ। इस सप्ताह, कुछ समय परमेश्वर के साथ अपनी आत्मा के बगीचे में बिताएं।

रेचल रॉवली

अगस्त 18 **दिन - 230**

आपकी आत्मा के बगीचे में

******

हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा।
भजन संहिता 5:3

यदि आप मेरे घर आए हैं तो आपने शायद एक बड़ी बगीचे की मकड़ी देखी होगी। वह काले और पीले रंग की है और उसने एक सदाबहार के पेड़ और एक नीलम की झाड़ी के बीच एक जाल बुना है। जाल का केंद्रक लगभग तीन फीट चौड़ा था, और इसके कोनों पर एंकर लगे थे जो लगभग छह फीट बाहर की ओर निकले थे। उस मकड़ी ने कई टिड्डे पकड़े थे और वह एक बड़ी, मोटी, खुश मकड़ी थी। लगभग दस दिनों तक मकड़ी, को देखने के बाद मुझे एक अनोखा और कुछ हद तक परेशान करने वाला अनुभव हुआ। गुरुवार को प्रात: 3 बजे थे, जब मैं परमेश्वर की सबसे असामान्य उपस्थिति में जगी। एक घंटे तक परमेश्वर ने मकड़ी उसके जाले और टिड्डे के बारे में एक दृष्टांत में मुझसे बात की।

मुझे सुबह अपने बगीचे में दालचीनी, हेजलनट वाली कॉफी के एक गर्म कप के साथ घूमना और परमेश्वर की रचनाओं को देखना पसंद है।

इस घर में आने से पहले तक, मैं मकड़ियों से बहुत ज्यादा डरती थी। वे अभी भी मेरी पसंदीदा चीजों की सूची के शीर्ष दस जगहों में नहीं है, लेकिन मैं उन्हें अलग नजरों से देखना सीख रही हूँ। मैं उन्हें अपने जालों को बनाते हुए देखती हूँ - वे जटिल चित्रपट, प्रत्येक का एक अलग डिजाइन। जालों के बारे में मेरा पहला विचार यह होता है कि उनमें कितना काम किया जाता है। वे मकड़ियाँ अपने जाले बनाती है और अपना भोजन पकड़ती है और फिर सुबह तक, एक तेज हवा या एक डाली हिलकर उन जालों को नष्ट कर देती हैं या कुछ मकड़ियाँ अपने स्वयं के जालों को जानबूझकर तोड़ देती है। इसलिए वे एक दूसरा जाला बनाती है - एक और अलग डिजाइन - और कहानी खुद को दोहराती है। सच कहूँ तो मैं यह सोचकर ही थक जाती हूँ कि वे कितनी मेहनत करती हैं, कैसे उनका काम केवल एक दिन या दो दिन के लिए रह पाता है और फिर कैसे उन्हें दोबारा शुरू करना होता है।

मैं यही सोच रही थी, जब परमेश्वर ने मेरे विचारों को बाधित किया और कहा, "मकड़ीयाँ इसे काम के रूप में नहीं सोचती; वह करना जिसके लिए उनकी रचना की गई थी उन्हें नहीं थकाता।रेचल जब तुम्हारे पास किसी के लिए जुनून होता है, तो क्या उनमें समय का निवेश करना तुम्हें थका देता है? क्या उनके लिए खाना बनाना तुम्हें थका देता है? क्या यह व्यर्थ होता है, जब तुम उन्हें अपने घर में रखती हो?

"नहीं", बिल्कुल नहीं

"क्यों"?

"क्योंकि मैं उनसे प्यार करती हूँ। क्योंकि मुझे आशीषित किया गया है और मैं उस आशीष को दूसरों के साथ साझा करना चाहती हूँ।"

परमेश्वर ने बताना जारी रखा, "रेचल, यदि तुम अपनी आत्मा के बगीचे में समय बिताती हो, तो मैं तुम्हें ऐसे जाले बनाना सिखाऊंगा जो तुम्हें थका हुआ या सुस्त महसूस नहीं होने देंगे।" तुम्हारे जाले ओस की तरह चमकेंगे क्योंकि वे एक प्यार के दिल से बहेंगे।"

हाँ, प्रभु मुझे अपनी आत्मा के बगीचे में अधिक समय बिताने की जरूरत है।

रेचल रॉवली

.....

अगस्त 19 **दिन - 231**

अवज्ञा आपदा लाती है

******

इस कारण यहोवा का क्रोध अपनी प्रजा पर भड़का है और उसने उनके विरुद्ध हाथ बढ़ाकर उनको मारा है, और पहाड़ कांप उठे; और लोगों के शव सड़को के बीच कूड़ा-से पड़े हैं। इतने पर भी उसका क्रोध शांत नहीं हुआ और उसका हाथ अब तक बढ़ा हुआ है।

यशायाह 5:25

दो डरे हुए छात्रों के रूप में, हमने परिचित होने की कोशिश की। जिम के साथ बहुत कुछ हो रहा था - उसने हाई स्कूल में शीर्ष अंक प्राप्त कीए, और कुछ ही हफ्तों में वह नये छात्रों के फुटबॉल टीम का लीडर बन गया।

हालांकि उसकी जीवन शैली उसके मानसिक या शारीरिक अभ्यासों की तरह अनुशासित नहीं थी। वह "शराब पीने में वीर" (यशायाह 5:22) था और जब पीने के साथ ताश भी खेलता तो उसका शराब पीना "बड़ी रात तक जारी रहता" (5:11)। उसने बस इसे "संतुलित शराब पीना" कहा। उसने अपनी यौन कारनामों की ढिंगे मारी, और दस साल से "नई नैतिकता" की आशंका जताई। वह उन लोगों में से था, "जो बुरे को भला और भले को बुरा कहते हैं"(5:20)।

जब मैंने मसीह को स्वीकार किया, उसकी प्रतिक्रिया उपहासपूर्ण थी, क्योंकि उसने "यहोवा के कार्य की ओर दृष्टि नहीं की" (5:12)।

मैंने देखा कि उसका शरीर लंबी रातों से थका हुआ, जल्द ही टूट गया। परीक्षा के सप्ताह के दौरान, वह एक सुबह बिस्तर से उठने में असमर्थ था - उसे गठिये का बुखार था। इस वजह से उसका स्कूल का एक साल भी छूट गया। बीमारी से उसका दिल टूट गया था - फुटबॉल स्टार कुछ सीढ़ियाँ भी नहीं चढ़ सकता था। तैंतीस साल की उम्र में, वह मर गया था। जहाँ अपने स्वयं के पाप के अलावा व्यक्तिगत त्रासदी के अन्य स्रोत भी होते हैं। व्यक्तिगत अवज्ञा हमेशा व्यक्तिगत आपदा लाती है (5:25)।[120]

---

120. पहले ये 'कम ये अपार्ट' मार्च-अप्रैल-मई, 1971 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 83 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है।

.....

वह बहुत छोटी सी बात प्रतीत हुई।

******

तब फिरौन की बेटी नहाने के लिए नदी के किनारे आई। उसकी सखियाँ नदी के किनारे-किनारे टहलने लगी। तब उसने कांसों के बीच टोकरी को देखकर अपनी दासी को उसे ले आने के लिए भेजा। जब उसने उसे खोल कर देखा कि एक रोता हुआ बालक है, तब उसे तरस आया और उसने कहा, "यह तो इब्री का बालक होगा। निर्गमन 2:5-6

फिरौन के दिमाग में, इब्रानियों के साथ उसकी समस्या का एकमात्र समाधान पैदा हुए सभी इब्री लड़कों को मार डालना था। इब्री जन मिस्र में तब आए थे जब युसूफ अपने परिवार को इसराइल में अकाल से बचाने के लिए वहाँ ले आया था। एक पिछला फिरौन जिसने यूसुफ को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था, वह यूसुफ के परिवार के प्रति सहानुभूति रखता था। अब एक नया राजा था जो इब्रीयों की तीव्र जनसंख्या वृद्धि से डरता था।

नए फिरौन ने इब्री धाइयों से जन्म के समय लड़कों को मारने की आज्ञा दी। हालांकि, धाइयों ने उसके आदेश का चतुराई से सामना किया और ऐसा नहीं किया। तब फिरौन ने एक आदेश जारी किया: "इब्रीयों के जितने बेटे उत्पन्न हों उन सभों को तुम नील नदी में डाल देना और सब बेटियों को जीवित रहने देना"। (निर्गमन 1:22)

एक दिन फिरौन की बेटी स्नान करने के लिए नील नदी के पास गई और उसने देखा कि एक टोकरी कांसों के बीच तैर रही है। उसने उसे लेने के लिए अपनी दासी को भेजा। जब फिरौन की बेटी ने टोकरी खोली और एक रोते हुए इब्रानी बच्चे को देखा, तो उसे तरस आया और उसने उसे बचाने का फैसला किया।

यह फिरौन की बेटी द्वारा दया का एक कृपालु कार्य था। यह हमेशा एक बड़ी बात होती है जब कोई दूसरे इंसान की जान को बचाता है। हालांकि, चूँकि इब्री आबादी तेजी से बढ़ रही थी, और फिरौन ने अपने संहार के आदेशों को सार्वजनिक कर दिया था, हम मान सकते हैं कि पैदा हुए सैंकड़ो लड़के नदी में फेंके जा रहे थे। इस प्रकार, राष्ट्र के समग्र जीवन में एक बच्चे को बचाया जाना एक छोटी सी बात लग रही थी।

बच्चा टोकरी में तैर रहा था क्योंकि तीन महीने तक उसे छुपाने के बाद उसकी माँ ने निश्चय किया कि वह उसे अब और नहीं छिपा सकती। उसने सरकंडो की एक टोकरी तैयार की, उस पर चिकनी मिट्टी और राल लगाकर उसे जलरोधी किया और उसके अंदर बच्चे को रखकर उसे कासों के बीच रख दिया। उस बच्चे का क्या होगा यह देखने के लिए बच्चे की बहन कुछ दूरी पर खड़ी थी।

जब फिरौन की बेटी को पता चला की टोकरी के अंदर बच्चा है तो बच्चे की बहन ने उसके पास जाकर पूछा कि क्या वह चाहती है कि कोई इब्री महिला बच्चे की देखभाल करे। जब फिरौन की बेटी ने हाँ कहा, तो बहन ने उसकी अपनी माँ को ही नियुक्त कर दिया। जब बालक बड़ा हुआ, तब उसकी माँ उसे फिरौन की बेटी के पास ले गई और उसने उसका नाम मूसा रखा (निर्गमन 2:1-10)।

तब मूसा व्ययस्क हो गया। तो आगे क्या हुआ?

- परमेश्वर ने कहा, "मैं तेरे संग रहूँगा" (निर्गमन 3:12)।
- मूसा इब्रीयों का अगुवा बन गया।
- उसने फिरौन का सामना किया और उसे अपने लोगों को रिहा करने के लिए कहा और मिस्र के विरुद्ध दस महान न्यायदंडों के दौरान परमेश्वर के लिए खड़ा हुआ।
- वह इजराइल को मिस्र से निकालकर लाल समुद्र के पार ले गया, जबकि फिरौन की पीछा करनेवाली सेना डूब गई।
- उसने अपने लोगों और दुनिया के लिए सीनै पर्वत पर परमेश्वर की दस आज्ञाओं को प्राप्त किया।
- वह इजराइल को जंगल के पार प्रतिज्ञा किए हुए देश में ले गया।
- वह उन्हें यरदन नदी के पास ले आया और उन्हें प्रतिज्ञा कीए हुए देश में प्रवेश करने के लिए तैयार किया।
- 120 वर्ष की आयु में, प्रतिज्ञा किए हुए देश में इजराइल की अगुवाई करने के बाद, मूसा परमेश्वर की उपस्थिति में चला गया (व्यवस्था विवरण 34:7-12)।

पहले तो ऐसा लगा कि राजकुमारी को नदी से एक टोकरी निकालने में कुछ मिनट लगे। लेकिन जब परमेश्वर ने अपने लोगों के जीवन को आकार देने के लिए स्थिति का इस्तेमाल किया तो हम अंतिम परिणाम देखते हैं। एक गीत है जो कहता है, "लिटिल इज़ मच व्हेन गॉड इज़ इन इट"।आपको क्या लगता है कि परमेश्वर आपके जीवन में किसी ऐसी चीज के साथ क्या करेंगे जो बहुत छोटी सी बात प्रतीत होती है?

.....

अगस्त 21 **दिन - 233**

अंदर लाने के लिए बाहर निकाला

******

और हम को वह वहाँ से निकाल लाया, इसलिये कि हमें इस देश में पहुँचाकर, जिसके विषय में उसने हमारे पूर्वजों से शपथ खाई थी, इसको हमें सौंप दें। और यहोवा ने हमें यह सब विधियाँ पालन करने की आज्ञा दी, इसलिये कि हम अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानें और इस रीति सदैव हमारा भला हो और वह हमको जीवित रखे, जैसा कि आज के दिन है। और यदि हम अपने परमेश्वर यहोवा की दृष्टि में उसकी आज्ञा के अनुसार इन सारे नियमों के मानने में चौकसी करें, तो यह हमारे लिए धर्म ठहरेगा। व्यवस्थाविवरण 6:23-25

जीवन उन परिस्थितियों से भरा हुआ होता है जहाँ आपको अंदर लाने के लिए बाहर निकाला जाता है। सेमिनरी में अंदर आने के लिए मुझे अपने लॉ कॉलेज जाने की योजना से बाहर निकलना पड़ा था। परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए बुलाया था।

मुझे एक प्रेमिका के साथ अपने रिश्ते से बाहर लाना पड़ा था ताकि मैं नैन्सी के साथ अपने रिश्ते में जा सकूँ जो मेरी पत्नी बनी।

आप शायद इस बात से सहमत होंगे कि यह पैटर्न आपके जीवन का भी हिस्सा है।

प्रतिज्ञा किए देश में लाए जाने के लिए इजराइल को गुलामी से बाहर निकालना पड़ा। हरे प्याज, प्याज और लहसुन से लेकर उस भूमि तक जिसमें दूध और शहद की नदियाँ बहती है, क्रूर दारोगा के द्वारा कोड़े मारे जाने से लेकर, यरीहो जैसी महान लड़ाई जीतने तक; तेज धूप में इटें बनाने से लेकर अपनी निजी संपत्ति रखने तक। "अंदर लाने के लिए" उन्हें "बाहर निकालने के द्वारा परमेश्वर ने इजराइल के लिए वह किया जो वे (इजराइली) अपने लिए नहीं कर सकते थे। इसे पूरा करने के लिए परमेश्वर ने चमत्कार किए - उन्होंने मिस्र में विपत्तियों को फैलाया, लाल समुद्र को दो भाग में कर दिया; मरुभूमि में चलने के दौरान बादल के खंभे और आग के खंबे द्वारा इजराइलियों की अगुवाई की; उन्हें नाश्ते के लिए मन्ना और रात के खाने के लिए बटेर दिया। यह नई भूमि उन्हें तब तक समृद्धि दिलाएगी जब तक वे उस परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते हैं जिसने उन्हें यह दिया था। वास्तव में, प्रभु के प्रति उनकी आज्ञाकारिता ही उनकी धार्मिकता होगी।

और यीशु मसीह अधीन नए युग में हमारे लिए वही रहता है। पतरस ने प्रचार किया, "मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रांति के दिन आएँ" (प्रेरितों के काम 3:19)। हमें हमारे पापों से बाहर लाया गया है और परमेश्वर के साथ एक ताजा संबंध में लाया गया है। यीशु ने पौलुस से कहा, "मैं तुम्हें उनके पास इसलिये भेजता हूँ ताकि तू उनकी आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरे: कि पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मिरास पाएँ" (प्रेरितों के काम 26:17-18)। हमें अंधकार से निकालकर प्रकाश में लाने के लिए लाया गया है। हम शैतान की शक्ति से बाहर निकाले गए ताकि परमेश्वर के पास लाए जाएँ - और इससे भी अधिक, यीशु में विश्वास के द्वारा पवित्रता में लाए जाने के लिए।

क्या यह अंदर लाने के लिए बाहर निकालना आपके आत्मिक जीवन में कार्य कर रहा हैं?

अगस्त 22 **दिन - 234**

आत्मा की आवाज कैसी सुनाई पड़ती है

******

पतरस जो उस दर्शन पर सोच ही रहा था, कि आत्मा ने उससे कहा, "देख तीन मनुष्य तेरी खोज में हैं।" प्रेरितों के काम 10:19

मेरे जीवन के एक विशेष चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, मुझे यह नोट एक पूर्व छात्र और सहकर्मी से मिला। "मैं आशा करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि आप और नैन्सी दोनों ठीक हैं। मैं पिछले कुछ हफ्तों से, कई कारणों से आपके बारे में सोच रहा हूँ और मुझे लगा कि मुझे उन विचारों पर काम करना चाहिए। जैसे आपने हमें सिखाया है और आप तक पहुँचना चाहिए।

अर्ल ली ने मुझे सिखाया, "यदि कोई विचार दूर न जाए, तो मुझे उसे अलौकिक अगुवाई माननी चाहिए। अर्ल ली एक ईश्वरीय, संतुलित, मसीही व्यक्ति थे, जो शक्तिशाली सेवकाई और प्रभाव में आगे बढ़ते रहें। नया नियम, विशेष रूप से प्रेरितों के काम की पुस्तक, ईश्वरीय अगुवाई के कई संदर्भों से भरी हुई है - ये मुलाकातें थोड़ी नाटकीय हो सकती है; जैसे कि एक दर्शन या सुनाई देने वाली एक अलौकिक आवाज। आज के वचन में ध्यान दें कि पतरस अभी भी उस प्रभावशाली दर्शन के बारे में सोच रहा था जो परमेश्वर ने उसे दिया था जब उसने आत्मा की आवाज सुनीं।

जब पतरस उस दर्शन के बारे में सोच रहा था, तो क्या वह उस प्रकार था जैसा कि मेरा मित्र जो मेरे बारे में सोच रहा हो और मुझे प्रोत्साहित कर रहा हो, यह जाने बिना कि मैं एक चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा हूँ। ये दोनों परिदृश्य अर्ल ली की उस विचार की धारणा की तरह है जो दूर नहीं जाते।

कभी-कभी हमें ऐसा आभास होता है जिसे कुछ मसीही पवित्र आत्मा का प्रेरित करना कहते हैं। बेशक जब यह निर्धारित करने के बात आती है कि कोई आभास आत्मा की ओर से है या नहीं तो हमें कुछ दिशानिर्देशों और सावधानियों पर ध्यान देना चाहिए - अन्यथा एक व्यक्ति अपने जीवन का संतुलन खो सकता है (इन सावधानियों पर बाद में चर्चा की जाएगी)।

गर्मियों की शुरुआत में हमें एक उत्कृष्ट चिकित्सक के साथ अपॉइंटमेंट लेना था, जिसने उस स्थिति में विशेषता प्राप्त कर रखी थी जिसका हम इलाज करवा रहे थे। जब हमने अपॉइंटमेंट के लिए डॉक्टर के कार्यालय में फोन किया, तो हमें पता चला कि सबसे पहले मिलने की तारीख 9 दिसम्बर थी। हालांकि, समय-सूची बनाने वाले ने हमें बताया कि हम समय-समय पर फोन करके पता कर सकते हैं कि किसी अपॉइंटमेंट के रद्द होने के कारण क्या हमें जल्दी अपॉइंटमेंट मिल सकता है।

कुछ महीने बाद, 4 अगस्त को मुझे यह आभास हुआ कि मुझे कार्यालय में फोन करना चाहिए और पूछना चाहिए कि क्या कोई रद्दीकरण हुआ था (यह एकमात्र समय था जब मैंने ऐसा किया था)। आश्चर्यजनक रूप से डॉक्टर की अभी-अभी एक अपॉइंटमेंट रद्द हुई थी। शेड्यूल बनाने वाले ने पूछा कि क्या हम अगली सुबह 8:30 बजे वहाँ पहुँच सकते हैं। इस तरह हम मूल रूप से निर्धारित समय से चार महीने पहले उस बहुत जरूरी विशेषज्ञ से अपॉइंटमेंट लेने में सक्षम हुए।

किसी ने एक बार कहा था, “अलौकिक आवाज अक्सर श्रव्य शब्दों में व्यक्त नहीं की जाती, उसे एक ह्रदय चेतना के रूप में जाना जाता है”। हे परमेश्वर, मेरे दिल और दिमाग को अपनी अगुवाई के प्रति संवेदनशील बनाएं, चाहे आप इसे किसी भी रूप में दें।

.....

अगस्त 23 **दिन - 235**

नास्तिकता से मसीह तक

******

कोई मेरे पास नहीं आ सकता जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न लें; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा। यूहन्ना 6:44

एंजेला स्थानीय चर्च में नियमित रूप से उपस्थित रहने वाली विश्वासी थी, लेकिन उसका पति स्टेफन को चर्च में कोई दिलचस्पी नहीं थी। यहाँ तक कि उसने खुद के नास्तिक होने का दावा किया। आखिरकार, जैसे-जैसे उनकी शादी बिगड़ती गई और वे अलग-अलग रास्ते पर जाने लगे, स्टेफन, एंजेला के पादरी से विवाह पर परामर्श लेने के लिए सहमत हो गया। उनके परामर्श के सत्रों के दौरान, वह चर्च जाने, इसे एक मौका देने और अपनी स्थिति पर पुनर्विचार करने के लिए सहमत हुआ।

"मैं चर्च आना चाहता हूँ" स्टेफन ने कहा, "लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैं कभी विश्वास करूँगा।"

फिर भी, स्टेफन ने बाइबिल, मार्क काहिल की पुस्तक 'वन हार्ट बीट अवे - योर जर्नी इन ईटरनिटी' और लिस्ट्रोबेल की पुस्तक 'द केस फॉर द क्राइस्ट' पढ़ना शुरू कर दिया।

जैसे वह चर्च की सेवाओं में भाग लेने लगा, स्टेफन का रवैया नरम होने लगा। यहाँ तक कि वह एंजेला के साथ स्प्रिंग रिवाइवल सेवाओं में भाग लेने में शामिल हुआ।

एक बुधवार को, पादरी ने स्टेफन को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। मैं उनके साथ शामिल हो गया, और अपने भोजन के दौरान, मैं स्टेफन के साथ नास्तिकवादी से विश्वास तक की अपनी यात्रा को साझा करने में सक्षम था। आखिरकार, स्टेफन को यह अहसास हुआ कि निर्णय लेने से पहले उसे हर प्रश्न का उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है। उसने यह भी महसूस किया कि उसे तुरंत पूर्ण होने की आवश्यकता नहीं है।

जल्द ही स्टेफन को यकीन हो गया कि वह तैयार था। अंत में, पादरी के कार्यालय में, स्टेफन ने मसीह को प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की। उसने तुरंत राहत महसूस किया, जैसे दुनिया का भार उसके कंधों से उतर गया हो। वह जानता था कि कोई उसके साथ है; जिस पर वह भरोसा कर सकता था, वह सुन रहा था। वास्तव में उसने महसूस किया कि मसीह ने उसके हृदय में प्रवेश किया है।

जब उसने एंजेला को बताया कि क्या हुआ, तो वह हैरान और खुश थी। रिवाइवल सेवाओं के आखिरी रात में वे एक साथ वेदी पर आए। अन्य लोग उनके आसपास जमा हो गए स्टेफन ने उनके समर्थन को महसूस किया। उसने कहा, "मुझे पता था कि मैंने सही काम किया है। यह वास्तविक है - यीशु वास्तविक हैं"।

आज उनके रूपांतरण के पैंतीस साल बाद, मैंने स्टेफन से फोन पर बात की। उसने मुझे बताया कि जब उसने और एंजेला ने पहली बार परामर्श लेना शुरू किया था तब से उनकी शादी में एक 180 डिग्री का बदलाव आया है - अब उनकी शादी यथासंभव सिद्ध है।

स्टेफन ने अपने चर्च के लोगों के साथ पाँच बार 'बेसिक बाइबिल फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स' का अध्ययन किया है और मत्ती, मरकुस, लूका और प्रेरितों के काम को पढ़ा है। उसने

चर्च के लिए नई झाड़ियाँ लगाई है और उसका भूनिर्माण किया है। उसने और एंजेला ने दशमांश देना शुरू कर दिया है क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि पैसा प्रथम रूप से परमेश्वर का ही है। वह एक दोस्त के साथ गवाही साझा कर रहा है।

उसके पादरी का कहना है कि स्टेफन अब एक बड़ी मुस्कुराहट रखता है और वह अक्सर किसी भी चर्च सेवकाई के बाद, दरवाजे से निकलने वाला आखिरी व्यक्ति होता है। कल्पना करें - नास्तिकता से मसीह तक। और चर्च से बाहर निकलने वाला सबसे आखिरी व्यक्ति होना, उससे कम नहीं। [121]

---

121. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2009) में प्रकाशित हुआ है।

.....

अगस्त 24 **दिन - 236**

एक खोजी उद्धारकर्ता और बाइबिल का एक वचन

******

क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और उनका उद्धार करने आया है। लूका 19:10
इसलिये पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी। मत्ती 6:33

यीशु एक खोजी उद्धारकर्ता हैं!

मेरे पिता को मसीही घर में पलने-बढ़ने और चर्च जाने की आशीष नहीं मिली। जब वह एक युवा आदमी थे, वे अक्सर अपने होमटाउन के पास बोर्ड देखते थे जिसमें बाइबिल का वचन मत्ती 6:33 लिखा हुआ था - "पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी।" वह कई सालों तक इन शब्दों के बारे में सोचते रहे। इस प्रकार, इससे पहले कि मेरे पिता यीशु का अनुसरण करना शुरू करते, वे बाइबिल का एक वचन जानते थे - और वह यूहन्ना 3:16 नहीं था। वह मत्ती 6:33 था।

1972 के वसंत ऋतु में, माइक नाम के एक पड़ोसी के निमंत्रण पर, मेरे पिताजी ने पहली बार एक चर्च में प्रवेश किया। उस समय मेरे पिता खोए हुए, टूटे हुए और पाप में जी रहे थे। उस रविवार को एक सुसमाचार प्रचारक प्रचार कर रहा था। मेरे पिताजी ने बताया कि ऐसा लगा कि वक्ता ने जीवन भर उनका अनुसरण किया है और उस दिन 'ठीक उन्हीं' पर प्रचार कर रहे थे। क्या आप जानते हैं उस पहले रविवार को जब मेरे पिता चर्च गए थे उस प्रचारक ने कौन सा अवतरण प्रचार किया? मत्ती 6:33 - वह एक वचन जिसे मेरे पिता जानते थे! यीशु मेरे पिता को खोज रहे थे!

उस पहली सेवा के अंत में, मेरे पिता वेदी पर यीशु से मिले। वह एक चंगाई प्राप्त व्यक्ति थे। उनकी लज्जा और अपमान परमेश्वर की दया और अनुग्रह में बदल गई थी। मेरे पास एक नये पिता थे।

यीशु एक खोजी उद्धारकर्ता है!

डॉ. स्कॉट रैनी

अंतरराष्ट्रीय रविवारीय स्कूल और शिष्यता सेवकाई के वैश्विक निदेशक

चर्च ऑफ द नाज़रीन

चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म के सह निदेशक[122]

---

122. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2020) में प्रकाशित हुआ है।

.....

अगस्त 25 **दिन - 237**

मेरा कोई भी दिन बुरा नहीं रहा है

******

सदा आनंदित रहो। निरंतर प्रार्थना में लगे रहो। हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिए मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:16-18

मसीह के अनुयायियों के बारे में कुछ है - विशेष रूप से आत्मा से भरे और पवित्र किये गए मसीह - जो उन्हें जीवन की कठिनाइयों के बावजूद विजयी रूप से जीने में सक्षम बनाता है। वे सभी परिस्थितियों के लिए धन्यवाद नहीं देते हैं, लेकिन सभी परिस्थितियों में धन्यवाद देने में सशक्त हैं। मैं यह दावा नहीं करता कि सभी मसीही उस जीत में जीते हैं - लेकिन कुछ जीते हैं, और वह जीवन सभी के लिए उपलब्ध है।

मैंने अपने बेटे पॉल में इस विजयी जीवन को देखा है (आप इस पुस्तक के भक्तिमय रचना # 20 और # 21 में उसके बारे में और अधिक पढ़ सकते हैं)।

वह एक पति और चार बच्चों का पिता है और उसकी कई कैंसर सर्जरी हो चुकी है: डॉक्टरों ने उसके कंधे से एक मेलेनोमा को हटाया जब वह एक युवा व्ययस्क था; जब वह अपने तीसवें दशक में था तो उसके सीने से बेसल-सेल कार्सिनोमा को हटाया; जब वह अपने चालीसवें के दशक के अंत में था तो उसके कान के पास और जबड़े के निचले हिस्से से बेसल-सेल कार्सिनोमा को हटाया; और उसके पचासवें के दशक के शुरुआत में एक अति आक्रामक बेसल-सेल कार्सिनोमा को हटाया। अंतिम सर्जरी में उसका वॉइस बॉक्स और उसकी गर्दन का अधिकांश भाग निकाला गया।

पॉल की चौथी कैंसर सर्जरी में तेरह घंटे लगे और यह उन सभी में से सबसे गंभीर थी। अतिरिक्त सर्जरी के बाद, वह अंततः धीमी, रुकी हुई आवाज में बोलने में सक्षम हो गया। जब हमने उसकी सर्जरी के लगभग छह महीने बाद उसके साथ कुछ समय बिताया, तो हमारे पास उससे पूछने के लिए कई प्रश्न थे। उसने हमें निम्नलिखित प्रतिक्रियाएं दी:

"मेरा क्षेत्र संकुचित हो गया है, इसलिए मैं शब्दों को ध्यान से चुनता हूँ।"

"उस समय जब डॉक्टर ने "कैंसर" और "वॉइस बॉक्स" को हटाने की आवश्यकता हो सकती है" कहा, मुझ में यह शांति थी, और मैंने महसूस किया कि मुझे यही चाहिए। मैंने महसूस किया कि मैं इसे संभाल सकता हूँ"।

जब हमने उसके सूजे हुए गर्दन के बारे में पूछा जो कि उसके सीने की पेशी से पुर्ननिर्मित किये जाने के कारण था, उसने कहा "मैं चाहता था कि वहाँ ज्यादा सूजन न हो, और अब यह एक छोटी सी चीज़ प्रतीत होती है"।

जिन प्रश्नों का उसके पास कोई उत्तर नहीं होता, वह उसका उत्तर बार-बार यह कहकर देता, "परमेश्वर अभी भी मेरा नाम जानते हैं"।

और फिर वह रोया।

कुछ महीने बाद हमारे पारिवारिक वोकेशन तक उसके गले में कुछ खराबी हो गई थी, और पॉल ने अपनी वह कमजोर आवाज भी खो दी। उसे एक और सर्जरी का सामना करना पड़ा। फिर भी किसी न किसी तरह वह हर कठिनाई के पार आशा देख सकता था। उसकी बहन मिरियम ने उससे

पूछा, "कैंसर की चार सर्जरी, अपने वॉइस बॉक्स के हटाये जाने और अब अपनी आवाज के जाने और कुछ भी तुम्हारे साथ हुआ उसके बाद, तुम कैसा महसूस करते हो?"

क्योंकि वह बोल नहीं सकता था, उसने अपना उत्तर लिखा: "मेरा कोई भी दिन बुरा नहीं रहा है"।

यदि आप उसे जोर देते तो पॉल कहता, "मैंने अपना वॉइस बॉक्स खोया है, लेकिन मैं अभी भी जीवित हूँ"।

हमेशा हर्षित; लगातार प्रार्थना करते हुए; सभी परिस्थितियों में धन्यवाद देते हुए।

.....

अगस्त 26 **दिन - 238**

सौदेबाजी के तहत जीना

******

यह सुन यीशु ने उससे कहा, "तुझ में अब भी एक बात की घटी है, अपना सब कुछ बेचकर कंगालों को बाट दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा, और आकर मेरे पीछे हो ले"। वह यह सुनकर बहुत उदास हुआ, क्योंकि वह बड़ा धनी था। लूका 18:22-23

पतरस ने उससे कहा, "देख हम तो घर-बार छोड़कर तेरे पीछे हो लिये हैं"। उसने उनसे कहा, "मैं तुमसे सच कहता हूँ कि ऐसा कोई नहीं जिसने परमेश्वर के राज्य के लिए घर, या पत्नी, या भाइयों या माता-पिता या बाल-बच्चों को छोड़ दिया हो; और इस समय कई गुणा अधिक न पाए और आने वाले युग में अनंत जीवन"। लूका 18:28-30

जब मैं बच्चा था तब केक के ऊपर की फ़्रॉस्टिंग मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। हमारे परिवार के खाने में नियमित रूप से मांस, आलू और सब्जियाँ शामिल होती थीं। मेरी माँ की तारीफ करता हूँ जो एक अच्छी रसोईयां थीं। अपनी प्लेटों को साफ करने के बाद, लगभग हमेशा कुछ मीठा व्यंजन होता था - एक घर का बना पाई या केक। मेरा पसंदीदा, वह सफ़ेद केक था जिसमें मोटी चॉकलेट आईसिंग होती थी।

मैं नियमित रूप से आइसिंग काट कर अलग करता और पहले केक खाता और फिर अंत में सिर्फ आइसिंग खाता, हर निवाले का स्वाद लेते हुए। मुझे नहीं पता कि यह कहाँ से आया है, लेकिन मैंने इस छोटे से दर्शन को विकसित किया था: सर्वश्रेष्ठ को अंत के लिए बचा के रखना।

मैंने उस दर्शन को वयस्क जीवन में उतारा। हालांकि मैं अब एक तत्काल संतुष्टि के युग में जी रहा हूँ। कुछ लोग नि:संदेह मांस या सब्जी का एक निवाला खाने से पहले ही अपनी फ़्रॉस्टिंग खा लेते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि मेरा दर्शन अच्छी तरह से काम करता है - इसने मुझे लंबी दूरी को ध्यान में रखते हुए चुनाव करने में सक्षम बनाया है।

एक धनी शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अनंत जीवन का अधिकारी होने के लिए मुझे क्या करना चाहिए"? (लूका 18:20)

यीशु ने दस आज्ञाओं में से पाँच को सूचीबद्ध करके जवाब दिया। जब शासक ने उन सभी को मानने का दावा किया, तो यीशु ने जवाब दिया, "तुझ में अब भी एक बात की घटी है, अपना सब कुछ बेचकर कंगालों को बांट दें; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा, और आकर मेरे पीछे हो ले" (18:22)।

शासक की क्या प्रतिक्रिया थी? वह "बहुत दुखी" हो गया। क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि यीशु ने सभी मसीहियों को अपनी सारी संपत्ति बेचने और गरीबों को देने के लिए कहा है? शायद नहीं, हालांकि समय के साथ मसीहियों ने गरीबों की विशेष मदद करना सीख लिया है। इस मुलाकात में, यीशु ने युवा शासक के जीवन के सबसे संवेदनशील चीज़ और उसके प्रिय प्रेम - उसके धन - को छुआ, और उसे भी आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। इसी तरह, मसीह भी हमारी भलाई और उसकी महिमा के लिए अपने प्रिय प्रेम को समर्पित करने के लिए हमारी परख करेंगे।

फिर मसीह ने शासक को एक और निर्देश दिया: "आकर मेरे पीछे हो ले"। इन शब्दों के साथ, यीशु ने युवा शासक से न केवल अपना धन, बल्कि अपना पूरा जीवन आत्मसमर्पण करने के लिए कहा।

जो कुछ हो रहा था, उसे जानने के बाद अन्य लोगों ने फिर यीशु से पूछा, "तो फिर किसका उद्धार हो सकता है?" (18:26)

मसीह ने उन्हें आश्वासन दिया कि मसीह के साथ उद्धार संभव है। पतरस ने तब जोर देकर कहा, "हम तो घर-बार छोड़कर तेरे पीछे हो लिए हैं"!

यीशु ने तब जवाब दिया कि उनके प्रत्येक अनुयायी, चाहे उनका बलिदान कुछ भी हो, "इस युग में और आने वाले युग में अनंत जीवन" से कई गुना अधिक वापस प्राप्त करेंगे (18:30)। बहुत खूब! क्या सौदा है - लंबे समय के लिए।

जब मसीह का अनुसरण करने की बात आती है तो मैं "सौदेबाजी" शब्द का प्रयोग करने से हिचकीचाता हूँ। मैं ईमानदारी से कह सकता हूँ कि मेरा जीवन मसीह के साथ एक दैनिक, व्यक्तिगत निरंतर, आनंदमय, प्रेमपूर्ण, शांति-उत्पादक संगति है; और यह दोतरफा रिश्ता इतना समृद्ध है कि उनकी आराधना करना, उनकी सेवा करना, उनकी आज्ञा का पालन करना खुशी की बात है। इस प्रकार, मेरे दिमाग में इनाम की धारणा शायद ही आती है। क्या यह हम सबके लिए सच नहीं होना चाहिए?

मेरा बेटा, पॉल, अक्सर अपने जीवन के बारे में कहता है, "मैं आशीष के तहत जी रहा हूँ"! मुझे लगता है कि हम उसमें यह जोड़ सकते हैं, मैं सौदेबाजी के तहत जी रहा हूँ।" भले ही हमें यह सुनिश्चित होना चाहिए कि हमारे इरादे शुद्ध है, यीशु ने हमें आश्वासन दिया कि वह अंत के लिए सबसे उत्तम बचा रहे हैं।

.....

अगस्त 27 **दिन - 239**

'यदि' का महत्व

******

'यदि' मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरें, तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूंगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूंगा। 2 इतिहास 7:14

कल्पना कीजिए कि मैं अपनी सबसे बड़ी बेटी से वादा करता हूँ कि उसके सोलहवें जन्मदिन के दिन, मैं उसका ड्राइविंग टेस्ट लेने और उसका लाइसेंस प्राप्त करने के लिए उसे मोटर वाहन विभाग ले जाऊंगा। फिर अपने जन्मदिन से एक हफ्ते पहले, उसकी रीढ़ की हड्डी में मेनिनजाइटिस रोग हो जाता है और पूरे दो हफ्ते तक वह गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती रहती है।

मैं वादा की गई तारीख को छोड़ देता हूँ क्योंकि उसके लिए मेरे प्यार में, मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा कि अपनी बेटी को उस अस्पताल के बिस्तर से खींचकर बाहर निकालूँ ताकि उसे ड्राइविंग टेस्ट लेने दिया जा सके। कोई भी मुझ पर परीक्षा में देरी के लिए वादा तोड़नेवाला होने का आरोप नहीं लगाएगा - आसपास की स्थितियों में एक बड़ा बदलाव आया है। इसलिये मेरे प्रेम का चरित्र, तारीख में परिवर्तन करना निर्धारित करता है और कुछ महीने बाद मेरी बेटी एक खुश लाइसेंसधारी ड्राइवर बन जाती है।

परमेश्वर का एक अपरिवर्तनीय, पवित्र चरित्र है। जैसा कि याकूब 1:17 घोषणा करता है, परमेश्वर "बदलती छाया की तरह नहीं बदलता है"। परमेश्वर ने सुलैमान से कहा कि जब उसने बारिश को रोक दिया और पवित्र न्याय में टिड्डीयाँ और विपत्तियाँ भेजी, तो भी वह अपने कार्यों को बदल देंगे 'यदि' उनके लोग निम्नलिखित करेंगे:

- खुद को विनम्र करना
- प्रार्थना करना
- उसके चेहरे को खोजना
- अपने दृष्ट मार्गों से फिरना

यह परिवर्तन कैसे हो सकता है? लोगों की स्थिति में एक बड़े बदलाव से - जो परमेश्वर के प्रति उनके दृष्टिकोण और मुद्रा में बदलाव है।

क्योंकि परमेश्वर पवित्र है, उन्हें अवश्य ही पाप का न्याय करना चाहिए। जैसा कि रोमियों 6:34 चेतावनी देता है, "पाप की मजदूरी मृत्यु है"। लेकिन जब प्रार्थना और पश्चाताप द्वारा अपवित्र मानव स्थिति को क्षमा और पवित्र जीवन में बदल दिया जाता है, तो परमेश्वर अलग तरह से कार्य करते हैं: वह "उनके पापों को क्षमा करेंगे और उनके देश को ज्यों का त्यों कर देंगे"।

हम पवित्र परमेश्वर को जितना जानते हैं उसके अनुसार 'यदि' के महत्त्व को याद रखें।

सर्वशक्तिमान यहोवा ने अपने भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से घोषणा की, "यरूशलेम खण्डहर हो जाएगा" (यिर्मयाह 26:18)। फिर क्या हुआ? यिर्मयाह 26:19 कहता है, "क्या हिजकिय्याह राजा ने यहोवा का भय न माना और उससे विनती न की? तब यहोवा ने जो विपत्ति उन पर डालने के लिये कहा था, उसके विषय क्या वह न पछताएगा?" यहाँ किससे बदलाव हुआ? किसी ने प्रार्थना की।

जब आप पवित्र शास्त्र में "यदि" शब्द देखते हैं तो ध्यान से देखें (मैं जोर देता हूँ):

- 'यदि' हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)।
- पर 'यदि' जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक-दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है" (1 यूहन्ना 1:7)।
- उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक और निर्दोष बनाकर उपस्थित करें - 'यदि' तुम विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो और उस सुसमाचार की आशा को जिसे तुमने सुना है न छोड़ो" (कुलुस्सियों 1:22-23)।

हाँ! यदि!

.....

अगस्त 28 **दिन - 240**

एक वाक्य की शक्ति

******

हे प्रिय, बुराई के नहीं पर भलाई के अनुयायी हो। जो भला करता है; वह परमेश्वर की ओर से है।
3 यूहन्ना 1:11

यह आश्चर्यजनक है कि एक या दो वाक्यों का क्या परिणाम हो सकता है - खासकर जब किसी को सलाह देने की बात आती है। स्वयं शब्दों से अधिक महत्वपूर्ण वह कार्य होता है जो वह प्रेरित करते हैं। बेशक उन शब्दों को सुनने वाले लोगों को स्वयं उस पर विचार करना चाहिए, निर्णय लेना चाहिए और अमल करना चाहिए। फिर भी मूल शब्दों में एक निश्चित शक्ति और प्रभाव होता है।

सर्प ने अदन की वाटिका में हव्वा से कहा, "क्या सच है कि परमेश्वर ने कहा, "तुम इस वाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना?" (उत्पत्ति 3:1) हालांकि उसके शब्द एक प्रश्न थे, उसका तात्पर्य था कि हव्वा को अगर वह ठीक समझे तो खाना चाहिए। हव्वा और फिर आदम ने वर्जित फल खाकर परमेश्वर की सीधी आज्ञा का उल्लंघन किया। तब वे लज्जित हुए और परमेश्वर से छिप गए और अपने ऊपर और सारी पृथ्वी पर श्राप लाए।

अपनी राजनीतिक शक्ति के बारे में चिंतित, राजा हेरोदेस ने यहूदियों के नवजात राजा की तलाश करने वाले बुद्धिमान पुरुषों से कुछ वाक्य बोले: "जाओ, उस बालक के विषय में ठीक-ठीक मालूम करो, और जब वह मिल जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर उस को प्रणाम करूँ" (मत्ती 2:8)। बुद्धिमान पुरुषों ने बालक को बैतलहम में पाया, लेकिन सपने में चेतावनी मिलने के बाद, वे राजा हेरोदेस के पास नहीं लौटे (2:12)। यह सुझाव के शब्दों को अस्वीकार करने का एक उदाहरण है क्योंकि वे परिणामस्वरूप बुराई करेंगे।

लिडिया, एक धनी व्यवसायी महिला, ने मसीह के संदेश के लिए अपना दिल खोल दिया था। जब उसने पॉल और उसकी टीम को यह वाक्य बोला: "यदि तुम मुझे प्रभु की विश्वासिनी समझते हो, तो चलकर मेरे घर में रहो"। (प्रेरितों के काम 16:15) वे मान गए और ईश्वरीय संगति विकसित हुई। लिडिया, यीशु के लिए एक मजबूत लीडर बन गई।

पौलुस ने अपने युवा मित्र और साथी तीमुथियुस को निम्नलिखित शब्दों के साथ प्रोत्साहित किया। "पर हे परमेश्वर के जन, तू इन बातों से भाग, और धर्म, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज और नम्रता का पीछा कर" (1 तीमुथियुस 6:11)। तीमुथियुस ने अनुसरण किया और अनंत जीवन को थाम लिया। अब, उसके लिए पौलुस के दो पत्र हमारी पवित्र बाइबिल का हिस्सा बन गई हैं।

इसकी शुरुआत एक साधारण वाक्य से हुई। फिल ने मुझ से कहा, "तुम्हें स्कॉट को सेमिनरी आने के लिए आमंत्रित करना चाहिए"। इसलिए मैंने स्कॉट को फोन किया और सेमिनरी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, मैंने उसे इवांजलिज्म छात्रवृत्ति और अपने स्थानीय चर्च में मेरी जिम्मेदारियों में मेरी सहायता करने का मौका भी दिया। उस ने भाग लिया, सेवा की और विकसित हुआ।

ग्रेजुएट होने के बाद स्कॉट ने मजबूत चर्च में सुसमाचार प्रचार के सेवक के रूप में एक पद ग्रहण किया।

उसके बाद, उसने आठ वर्षों तक एक अन्य चर्च के प्रमुख पादरी के रूप में कार्य किया। उसके कार्यकाल के दौरान चर्च की उपस्थिति चार सौ से बढ़कर सात सौ हो गई।

फिर स्कॉट, उसकी पत्नी और उसकी बेटियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ने और मिशनरी बनने के लिए परमेश्वर की पुकार सुनी। स्कॉट एक क्षेत्रीय रणनीति समन्वयक (फील्ड स्ट्रेटजी कोऑर्डिनेटर) बन गया। और और आठ अलग-अलग देशों में नए चर्चों के रोपण का प्रबंध किया।

आखिरकार उसके संप्रदाय के अगुवों ने उन्हें दुनियाभर में सभी संप्रदाय के चर्चों के लिए संडे स्कूल और डिसाइपलशिप के लिए अंतरराष्ट्रीय निदेशक बनने के लिए बुलाया।

मुझे पता है कि कई लोगों और ईश्वरीय प्रभावों ने स्कॉट का गठन किया है लेकिन फिर भी, मैं फिल के उस वाक्य के लिए बहुत खुश हूँ: "आपको स्कॉट को सेमिनरी आने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।"

और फिर यूहन्ना कि अपने मित्र गयुस को सलाह है: "हे प्रिय, बुराई के नहीं पर भलाई के अनुयायी हो। जो भलाई करता है, वह परमेश्वर की ओर से है" (3 यूहन्ना 1:11)।

हाल ही में किसी ने आपसे क्या वाक्य कहा है?

आपने किसी और को क्या वाक्य कहा है?

परिणामस्वरूप भविष्य में क्या होगा?

.....

अगस्त 29 **दिन - 241**

दूसरे का भार उठाओ

******

तुम एक दूसरे का भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो। गलातियों 6:2
हम भले काम करने में साहस न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढ़िले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। गलातियों 6:9

हैरी रिच की विरासत सेवकाई का एक शक्तिशाली और विशिष्ट जीवन है - कॉलेज के ठीक बाद एक चर्च रोपण करने से लेकर, चौदह वर्षों तक हैती में एक मिशनरी के रूप में सेवा करने; दो अन्य चर्च में पास्टरिंग करने; क्यूबेक में अपने चर्च के जिला अधीक्षक के रूप में सेवा करने, रवांडा और कांगो में फ्रांसीसी भाषी सेवकाइयों की स्थापना करने तक। युद्ध में 6,500 विश्वासियों ने शहीद होने के बाद, हैरी रिच ने स्कूलों का निर्माण किया, एक थियोलॉजिकल स्कूल शुरु किया और शरणार्थी शिबिरों में तैंतालीस चर्च रोपित किए। वह अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं और वेन्सबर्ग, पेनसिल्वेनिया में रहते हैं।

वेन्सबर्ग में, हैरी ने अपने स्थानीय चर्च में एक जोड़े की सहायता की जो विकलांग थे - उन्होंने (हैरी) आवागमन को आसान बनाने के लिए उनके सामने के दरवाजे पर एक ढलान (रैंप) बनाया। अपने पति की मृत्यु के बाद, पत्नी एक असिस्टेड लिविंग अपार्टमेंट में रहने लगी। जब वह अस्पताल में भर्ती हुई तो अपार्टमेंट प्रबंधन ने उसे दूसरी इकाई में स्थानांतरित कर दिया। किसी प्रकार उसने स्थानांतरण के दौरान उसका खाना और रसोई के बर्तन गुम हो गए। हैरी रविवार की दोपहर की नियमित सेवाओं को आयोजित करके असिस्टेड लिविंग फैसिलिटी में सेवा करता था। जब वह ऐसा कर रहा था तो उसे लगा कि उसे अपने दोस्त की मदद करनी चाहिए।

पहले तो हैरी ने उसके लिए बर्तन और भोजन खरीदने के लिए दुकान पर जाने की योजना बनाई। हालांकि, यह कोरोनावायरस महामारी के लिए 2020 के राष्ट्र के बंद के दौरान था। हैरी ने फैसला किया कि उसे (महिला) जिस भी चीज की जरूरत थी वह उसके घर में पर्याप्त में है। वह अपने कुछ बर्तन और भोजन को उसके लिए ले गया।

मैंने यह कहानी हैरी के बेटे, ड्वाइट से सुनी जिसने अपनी पत्नी कैरलिन के साथ, पिछले पैंतीस वर्षों से इक्वाडोर में एक मिशनरी के रूप में सेवा की है। हैरी रिच - क्या महान जीवन है। दूसरों का बोझ उठाने और अच्छा करने में कभी न थकने की क्या विरासत है। हैरी बयानवें साल के हैं - उस असिस्टेड लिविंग अपार्टमेंट के किसी भी निवासी से बड़े, जहाँ उन्होंने सेवा की थी।

मैं लगातार मसीह के सैकड़ों अनुयायियों से चकित हो जाता हूँ जो इस तरह की विश्वासयोग्यता के साथ अपना जीवन जीते हैं। आप भी, इस वीरतापूर्ण भीड़ का हिस्सा बन सकते हैं।

.....

अगस्त 30 **दिन - 242**

परमेश्वर सच में लोगों को बदलते हैं

******

उसने उत्तर दिया, "मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं; मैं एक बात जानता हूँ कि मैं अंधा था और अब देखता हूँ।" यूहन्ना 9:25

निम्नलिखित गवाही 31 अक्टूबर, 2010 को बोइस आयडाहो, के एक पुनरुद्धार सेवा में साझा की गई थी:

लगभग तीन साल पहले, मेरा जीवन ड्रग्स और शराब से नष्ट हो गया था। मैं एक अनुचित रिश्ते में थी, कई बार कॉलेज छोड़ चुकी थी, काम पर लगातार देरी करती थी या छुट्टी करती थी और मुश्किल से जीवन जी रही थी। मैं अकेली थी। हताशा के एक क्षण में, मैं अपने घर के पास एक चर्च में गयी और सेवक से मेरी लत से मुक्ति के लिए मेरे साथ प्रार्थना करने को कहा। उस रात मैं घर गयी और मुझे पहले जैसा ही महसूस हुआ, इसलिए मैं अपना जीवन वैसे ही जीने लगी जैसे मैं पहले थी। मैंने उस भयानक जीवन को जीना जारी रखा इस बात से अंजान कि परमेश्वर ने मेरी प्रार्थना सुन ली थी। छह महीने बाद मुझे गिरफ्तार कर लिया गया। यह उन कई घटनाओं में से पहली थी जो मुझे परमेश्वर के पास वापस ले आयी। स्टेट ने मुझे कहा कि मुझे ए ए (एल्कोहोलिक्स एनोनिमस फैलोशिप) और काउंसलिंग लेनी होगी वरना जेल जाना होगा। मैं डर गई थी।

फिर परमेश्वर मेरे जीवन में एक व्यक्ति (जो मेरा पति है) को लाए, जिसने मेरा हाथ थाम लिया और मेरे साथ पचास से अधिक एल्कोहोलीक्स एनोनिमस बैठकों में गया, जब तक कि मैं स्वयं वहाँ पर जाने के लिए पर्याप्त रूप से सहज नहीं हो गई।

फिर उन बेठकों के माध्यम से, परमेश्वर मेरे जीवन में एक महिला को लाए जिसने मुझे सिखाया कि कैसे प्यार करना और खुद को माफ़ करना और हर दिन प्रार्थना करना है।

फिर परमेश्वर मेरे जीवन में एक और व्यक्ति को लाए जिसने मुझे धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया, और एक और को जिसने मुझे स्कूल जाने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया।

जब एंड्रयू और मैंने शादी करने का फैसला किया, तो हम इस चर्च में ऐसा करना चाहते थे। फिर परमेश्वर मेरे जीवन में पादरी को लाए जो धैर्यवान और समझदार थे और जो परमेश्वर के वचन को समझने में मेरी मदद कर रहे थे। परमेश्वर ने मेरे जीवन में जितना मैं गिन सकती हूँ उससे कहीं अधिक तरीकों से काम करना जारी रखा।

परमेश्वर के अनुग्रह से, मैंने 22 अप्रैल 2008 के बाद से न तो शराब पी है और न ही कोई ड्रग्स लिया है। और मैंने 19 मार्च, 2009 से सिगरेट नहीं पी है। मैंने 27 अगस्त 2010 को अपना जीवन मसीह की ओर मोड़ लिया।

तो हाँ शायद परमेश्वर ने मेरी प्रार्थना का उत्तर उस तरह से नहीं दिया जैसा कि मैंने सोचा था कि वह करेंगे - लेकिन उन्होंने इसका जवाब ठीक उसी तरह दिया जिससे मैं बेहतर हो सकूं। फिर उन्होंने मेरे जीवन में ऐसे लोगों को लाना जारी रखा जिन्होंने मुझे उसी तरह रहने में मदद की।

अब मुझे आशा है कि किसी दिन मैं अपनी कहानी साझा करके किसी को प्रेरित कर सकती हूँ और उन्हें परमेश्वर को जानने में ठीक उसी तरह मदद कर सकती हूँ जिस तरह से कई अन्य लोगों ने मेरी मदद की है। मुझे पता है कि मेरा अतित सुंदर नहीं हैं, लेकिन इसने मुझे उस मुकाम तक पहुँचाया है जहाँ में आज हूँ, और इसके लिए मैं आभारी हूँ।

ट्रिस थॉमस

---

123. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2011) में प्रकाशित हुआ है।

.....

अगस्त 31 **दिन - 243**

हमारा अद्भुत लाभ

******

इसलिये कि परमेश्वर के विषय का ज्ञान उनके मनों में प्रगट है; क्योंकि परमेश्वर ने उन पर प्रगट किया है। रोमियों 1:19

व्यक्तित्व, इतिहास या पृष्ठभूमि के बावजूद, जब अधिकांश लोग सुसमाचार प्रचार के बारे में सोचते हैं तो उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया आमतौर पर भय, चिंता, आत्मविश्वास की कमी और तनाव होती है।

हालांकि पवित्र शास्त्र हमें एक ऐसा छोर देता है जो शिष्यों के लिए उनके सुसमाचारीय कार्य में मार्ग तैयार करता है। यह आत्मिक छोर है जिसे वेस्लीयन लोग "पूर्ववर्ती अनुग्रह" कहते हैं। जो एक पूर्व-मसीही के दिल को ईश्वर के बारे में जागरूकता के साथ कोमल करता है।

रोमियों 5:8 में, पौलुस लिखता है, "जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा"। रोमियों 1:19-23 में वह हमें याद दिलाता है कि सारी सृष्टि परमेश्वर की उपस्थिति से अवगत है। पौलुस के अनुसार, परमेश्वर के बारे में यह जागरूकता सबसे अंधेरे और सबसे पापपूर्ण स्थानों में भी मौजूद है। इसके अतिरिक्त, यूहन्ना 6:44 में यीशु हमें याद दिलाते हैं कि कोई भी पिता के पास नहीं आ सकता जब तक पिता जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले।

व्यक्तिगत रुप से, विश्वास में आने से पहले मैंने ईश्वरीय और अनंतकाल के बारे में इस गहरी जागरूकता का अनुभव किया था। मैंने इसे महसूस किया जब मैंने अपने भाई के खोने का शोक मनाया जो केवल उन्नीस वर्ष की उम्र में मर गया था। इस कठिन समय में, मैंने महसूस किया कि मेरे पास एक चुनाव था कि मैं कैसे अनंतकाल बिताऊंगा - मुझे पता था कि मुझे परमेश्वर को जवाब देने की जरूरत है। परमेश्वर की ओर बढ़ने की मेरी इच्छा थी। इसके अतिरिक्त मुझे याद है कि संकट के समय में, मैं या तो कभी रेडियो पर किसी सेवक को सुन रहा होता था या मुझे कोई चर्च का चिन्ह् दिख जाता था जो मुझे अनंतकाल की याद दिलाता था। हर बार, मेरी आत्मा परमेश्वर के विचार की ओर खींची चली जाती थी। ये पूर्ववर्ती अनुग्रह के क्षण थे।

मैं परमेश्वर के उस पूर्ववर्ती अनुग्रह के लिए उनकी स्तुति करता हूँ, जिसने मुझे 1976 में उस क्षण के लिए तैयार किया जब एक युवक ने मुझसे पूछा कि क्या मैं स्वर्ग जाऊंगा। इसके बाद के क्षणों में, वर्जीनिया समुद्र तट से विलियम्सबर्ग, वर्जीनिया तक की चालीस मिनट की ड्राइव पर, परमेश्वर के पूर्ववर्ती अनुग्रह के ये सभी उदाहरण मेरे स्मृति के आगे आ गये थे। उस महत्वपूर्ण क्षण में, उस युवा मसीह ने एक जोखिम उठाया और मुझ तक पहुँचा। मेरे लिए यह स्पष्ट हो गया था कि मेरे जन्म के समय से परमेश्वर की आत्मा, मेरी आत्मा को उस मुलाकात के लिए तैयार कर रही थी। जब मैं गाड़ी चला रहा था, तब बचपन से लेकर मेरे जीवन में परमेश्वर की उंगलियों के निशानों की यादें, हर मिल के साथ और अधिक वास्तविक होती गई। घर पहुँचने पर, आत्मा का निवेश और युवा मसीही द्वारा लिया गया जोखिम विश्वास के क्षण में परिणत हो गया जिसने मेरे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया।

मेरा मानना है कि परमेश्वर अपना कार्य निम्नलिखित तरीकों से करने में विश्वासयोग्य हैं:

- उन्होंने हमें अपना वचन दिया।
- उन्होंने हमारे लिए अपना बेटा भेजा।
- उन्होंने हमें अपनी पवित्र आत्मा दी।
- इस समय, उनका पूर्ववर्ती अनुग्रह हर पूर्व-मसीही के दिलों और जीवन में सक्रिय है, उन्हें गवाहों के साथ मुलाकात के लिए तैयार कर रही है।
- यीशु ने हमें जाओ और शिष्य बनाओ, कहा।

यह जानना कितना उत्साहजनक है कि परमेश्वर का पूर्ववर्ती अनुग्रह हमारे आगे चलता है। जाओ, अपने विश्वास को साझा करो और उसकी कटनी काटो, यह जानते हुए कि परमेश्वर हमारे आगे चले गए है और हमारे साथ चलते हैं।

मार्क बैन

इवांजलिज्म और न्यू चर्च डेवलपमेंट के निदेशक

यू एस ए/कनाडा क्षेत्र, चर्च ऑफ द नाज़रीन[124]

---

124 पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2019) में प्रकाशित हुआ है।

.....

सितम्बर 1 **दिन - 244**

बचाव मिशन के तथ्य

******

क्योंकि में भूखा था और तुमने मुझे खाने को दिया; मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पानी पिलाया; मैं परदेशी था, और तुमने मुझे अपने घर में ठहराया; मैं नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े पहनाए; मैं बीमार था और तुमने मेरी सुधी ली, मैं बंदीगृह में था, और तूम मुझसे मिलने आए।

मत्ती 25:35-36

अमेरिका में, बेघर आबादी से बड़ा बहिष्कृत लोगों का समूह और कोई भी नहीं है। निम्नलिखित आंकड़ों पर विचार करें:

- 90 - 95 प्रतिशत बेघर पुरुष और 60 प्रतिशत महिलाएं मादक द्रव्यों का सेवन करते हैं।
- एक बेघर वयस्क की औसत आयु पैंतीस है।
- बेघरों में 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं।
- आधे से अधिक बेघर व्ययस्कों ने बारह वर्ष की आयु से पहले शराब या नशीले ड्रग्स का सेवन शुरू किया था।
- अधिकांश बेघर लोग बचपन में शारीरिक और/या यौन शोषण के शिकार थे।

हर दिन, संडे ब्रेकफ़ास्ट मिशन, भूखे पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को आठ सौ से अधिक भोजन उपलब्ध कराता है। कुछ रातों को तीन सौ से अधिक पुरुष, महिलाएं और बच्चे हमारी छत के नीचे रहते हैं। लगभग दो सौ पुरुषों और महिलाओं ने हमारे अठारह महीने के डिसायपलशिप प्रोग्राम से स्नातक किया है। लेकिन हम अपना सबसे बड़ा आनंद उन दस हजार लोगों में पाते हैं जिन्होंने पिछले वर्षों में अपना जीवन मसीह के लिए समर्पित कर दिया है।

रेव्ह. टॉम लेमॉन, सीनियर

संडे ब्रेकफास्ट मिशन के निदेशक

विलमिंगटन, डेलावेयर [125]

---

125. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2017) में प्रकाशित हुआ है।

.....

सितम्बर 2 **दिन - 245**

ज्यादा बुढ़ा नहीं

******

और अब मैं पचासी वर्ष का हूँ। जितना बल मूसा के भेजने के दिन मुझ में था उतना बल अभी तक मुझ में हैं; युद्ध करने या भीतर बाहर आने जाने के लिए जितनी उस समय मुझ में सामर्थ्य थी उतनी ही अब भी मुझ में सामर्थ्य है। यहोशू 14:10-11

मार्क एक युवा पति, पिता और अपने चर्च में अंशकालिक पास्टोरल स्टाफ सदस्य है। अभी पाँच साल पहले तक वह और उसकी पत्नी चर्च में शामिल नहीं हुए थे। सब कुछ बदल गया, जब एक दिन एक स्थानीय एप्पल बी रेस्टोरेंट में एक संयोगवश मुलाकात के दौरान, एक व्यक्ति ने जो अपने सत्तर के दशक में था, उसे एक सेवा में आमंत्रित किया।

हनोक एक युवा कांट्रेक्टर है जिसने पिछले कई वर्षों में कई सारे चर्चों का निर्माण और पुनर्निर्माण किया है। वह अपना "धर्म निरपेक्ष" पेशा चर्चों की सेवा के लिए समर्पित करता है। एक युवा वयस्क के रूप में हनोक ने चर्च छोड़ दिया था। जब वह लौटा, तो एक आदमी ने बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स का उपयोग करके उसे शिष्य बनाया। यह व्यक्ति जो अपने सत्तर के दशक में था। बाद में हनोक की शादी में बेस्ट मैन के रूप में खड़ा हुआ।

अपनी पत्नी के बहुत कम उम्र में मरने के बाद, टैरी ने अपने जीवन में पहली बार मसीह का अनुसरण करने का निर्णय लिया। उसने अपने पूर्व छठी कक्षा के शिक्षक से संपर्क किया, जो अब सेवानिवृत्त हो चुके थे और - आपने अनुमान लगा लिया - वह अपनी आयु के सत्तर के दशक में थे। इस सेवानिवृत्त शिक्षक ने टैरी को प्रभु तक पहुँचाया और फिर 'बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स' के माध्यम से उसकी अगुवाई की।

इन तीन युवकों में क्या समानता है? आप पहले से ही जानते हैं - वही सेवानिवृत्त शिक्षक, जिनके पास कोई सेवकाई की प्रमाणिकताएं नहीं थी, जिसने उन प्रत्येक के जीवन में आत्मा को जीतने वाले और चरवाहे की भूमिका निभाई। क्या युवाओं को जीतने के लिए हमारा युवा होना जरूरी है? मेरे पिता, जॉन पी. शेरवुड को यह सुझाव न दें - वह भी नहीं जानते। मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर, जॉन की तरह अनजान, एक सेना खड़ी करने में हमारी मदद करें।

डॉ. स्कॉट शेरवुड[126]

जिला महाअधीक्षक नॉर्थवेस्ट इलिनॉय जिला

चर्च ऑफ द नाज़रीन

---

126. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2018) में प्रकाशित हुआ है।

.....

सितम्बर 3 **दिन - 246**

क्या आपने यीशु को पार्किंग स्थल में छोड़ दिया?

******

मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने के लिए सेवा न करो, पर मसीह के दासों के समान मन से परमेश्वर की इच्छा पर चलो और उस सेवा को मनुष्यों को नहीं परंतु प्रभु की जानकर सच्चे हृदय से करो। इफिसियों 6:6-7

कीथ मिलर सेमिनरी गए थे, दो चर्च बोर्डों की सेवा करते थे और संडे स्कूल में पढ़ाते थे। एक दिन, एक सहकर्मी ने जो कीथ के साथ एक वर्ष से अधिक समय से एक ही कार्यालय में था, कहा, "कीथ मुझे नहीं पता था कि तुम एक मसीही हो"। कीथ ने महसूस किया कि हालांकि उसने मसीह को स्वीकार किया था, लेकिन जब वह अपने कार्यस्थल में आता तो मसीह को पार्किंग स्थल में छोड़ देता था।

आज के शास्त्र के वचन दासों के लिए निर्देशित थे - आइए, उन पर ध्यान दें। रोमन राज्य में साठ करोड़ गुलाम थे। कुछ डॉक्टर या शिक्षक थे: अन्य आम मजदूर थे। मसीहत के प्रभाव ने अंततः दासों को मुक्त कर दिया, लेकिन इतिहास में इस स्तर पर, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह था कि कार्यस्थल में कैसे कार्य किया जाए। हम इस अवतरण से सीख सकते हैं जब हम इसे श्रमिकों और मालिकों के संदर्भ में पढ़ते हैं: श्रमिकों अपना काम अच्छी तरह से करो - केवल तभी नहीं जब आपका मालिक आपको देख रहा हो - जैसे कि आप मसीह के लिए काम कर रहे हो न कि अपने मालिक के लिए। परमेश्वर की इच्छा है कि आप अपना काम अच्छी तरह से करें। आधिकारिक व्यक्तियों के साथ अपने संबंधों में मसीह को दर्शाएं। परेशान व्यक्ति को प्यार और प्रार्थना से घेरें।

अपना काम ऐसे करो जैसे यहोवा के सामने हो। उस काम को यहोवा को दिखाओ। मेरी कार में गलत तरीके से एयर-कंडीशन होज लगाने वाले असेंबली लाइन कर्मचारी को जरूर पता होगा।

जब मेरी पत्नी के पैरों पर पानी टपकने लगा और कार का फर्श भीग गया, मुझे समस्या को ठीक कराने के लिए बार-बार डीलरशिप पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इंस्टॉलर के खराब काम ने मेरा समय बर्बाद कर दिया।

कॉफी मशीन या पीने के पानी के नल तक के रास्ते अपने कर्मचारियों के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर उन्हें आप से ऐसे प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें ताकि आप मसीह के सुसमाचार को साझा कर सकें।

हे स्वामियों, तुम भी धमकियाँ देना छोड़कर उनके साथ वैसा ही व्यवहार करो; क्योंकि तुम जानते हो कि उन का और दोनों का स्वामी स्वर्ग में है, और वह किसी का पक्ष नहीं करता (6:9)।

जब काम की अप्रिय परिस्थितियों की बात आती है, तो आप उनसे बचने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन आप उन्हें जीत सकते हैं। जब प्राधिकरण की बात आती है, मसीह के सेवक के रूप में काम करें। जब काम की बात आती है, इसे परमेश्वर को दिखाएं। जब उन लोगों की बात आती है जो आपके अधीन है, लाभ न उठाएं।

भारत में सी. टी. वेणुगोपाल ने सरकारी रेलमार्ग के लिए अपने काम में मसीह को शामिल किया।

आखिरकार वे रेलरोड पर एक शीर्ष अधिकारी बन गए। उन्होंने अपने सहकर्मीयों से कहा, "मैं एक मसीही हूँ लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप मुझे बेहतर बनने में मदद करें"। उन्होंने (वेणुगोपाल) ने उनसे कहा कि जब मैं अपेक्षा के अनुरूप न रहूँ तो मुझे बताएं।

इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। भारत का दृष्टिकोण पाकिस्तान को पाकिस्तान द्वारा दिये गए प्रत्येक लिखित प्रमाण के लिए एक लिखित प्रमाण देने का था। लेकिन भाई वेणु, जैसा कि उन्हें बुलाया जाता था, ने पाकिस्तान को बिना किसी शर्त के सारे लिखित प्रमाण दे दिए।

वेणु से लिखित प्रमाण प्राप्त करने पर, पाकिस्तान में मुसलमानों ने कहा, "हम हिंदुओं को हमसे बेहतर नहीं होने दे सकते"। इसलिए उन्होंने भारत को और अधिक लिखित प्रमाण दे दिए।

जब वेणु ने खुलासा किया कि सौदे में पाकिस्तान पर भारत का 2, 200, 000 रुपए का बकाया है, तो किसी ने कहा, "इसे जांचें"।

दूसरे ने कहा, "अगर श्री वेणु ऐसा कहते हैं तो ऐसा ही है"।

उनकी प्रतिष्ठा और मसीही चरित्र उनसे पहले थे।

इसे एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करने दे: यीशु को पार्किंग स्थल में न छोड़े।

.....

सितम्बर 4 **दिन - 247**

यहोवा का हाथ मुझ पर था

******

मेरे परमेश्वर यहोवा की कृपादृष्टि जो मुझ पर हुई, इसके अनुसार मैं ने हियाव बांधा और इजराइल में से मुख्य पुरुषों को इकट्ठा किया कि वे मेरे संग चलें।एज्रा 7:28

जब मैं एक बच्चा था, मैंने अपने पिता से जो सबसे अच्छे शब्द सुने थे, वे थे, "बेटा, मुझे तुम पर गर्व है"। उन शब्दों में, मुझे जीवन में अगली चुनौती के लिए आगे बढ़ने का साहस मिला। अनोखे तरह से उन शब्दों ने मुझे ऐसा अहसास कराया जैसे उनका हाथ मेरे कंधे पर था। मानो कह रहे हो, अच्छा काम किया, या, अच्छा किया; मानो कह रहे हो, तुम यह कर सकते हो या मैं तुम्हारा मार्गदर्शन करूंगा; मानो कह रहे हो यह रहा रास्ता अज्ञात में जाने का।

एज्रा ने भी अपने कंधे पर एक अनदेखा हाथ महसूस किया - यहोवा का हाथ। यहोवा ने फारस के राजा कुस्त्रु के मन को प्रेरित किया था कि यरुशलम में मंदिर के पुनर्निर्माण का आदेश दें और बंधुओं को लौटाने की अनुमति दें (एज्रा 1:2-4)। अब राजा अर्तक्षत्र ने एज्रा को चांदी, सोना, मंदिर के सामान और लोगों को मंदिर की आपूर्ति करने और परमेश्वर की व्यवस्था सिखाने के लिए नियुक्त किया। चार महीने की यात्रा के बाद एज्रा यरुशलेम पहुँचा। अपने पूरे मिशन के दौरान, एज्रा ने बार-बार परमेश्वर के हाथ को महसूस किया क्योंकि उसने एज्रा को निम्नलिखित प्रदान किया था: वह सब जो एज्रा ने कहा था (7:6); एक सुरक्षित यात्रा (7:9); मुख्य पुरुषों को इकट्ठा करने का साहस (7:28); सक्षम अगुवे (8:18); सड़क पर सुरक्षा (8:22); शत्रुओं से सुरक्षा (8:31)।

मैंने अपनी भक्तिमय डायरी में निम्नलिखित प्रविष्टि लिखी है: आपकी प्रेममयी और शक्तिशाली उपस्थिति में रहना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। अक्सर, मैं कहता हुँ, "अपना हाथ मुझ पर रखें"। मैं आपकी पूर्ण उपस्थिति के महान आनंद को कम नहीं करना चाहता; यह मेरे कहने का शॉर्टकट तरीका है, "परमेश्वर, एक निश्चित प्रयास में मेरे साथ रहे। मुझ पर आपका हाथ स्थिरता, शक्ति, उत्थान, प्रोत्साहन, मार्गदर्शन की बात है।

प्रभु आप पर अपना हाथ रखना चाहते हैं।

.....

सितम्बर 5 **दिन - 248**

केवल एक डॉलर

******

हमारे कार्यों का स्रोत मसीह का प्रेम है।2 कुरिन्थियों 5:14

हमारा एकमात्र बचाव, हमारा एकमात्र हथियार, एक ईमानदारी का जीवन है, चाहे हमें सम्मान या अपमान या प्रशंसा या दोष मिले। "पाखंडी" कहे जाने पर भी हमें सच्चा रहना चाहिए, "कोई नहीं" कहे जाने पर भी, हमें जनता की नजरों में रहना चाहिए। मृत्यु से कभी दूर नहीं होते। फिर भी यहाँ हम जीवित हैं, हमेशा "उससे गुजर रहे होते" हैं, फिर भी कभी "उसके अंतर्गत नहीं होते"।

2 कुरिन्थियों 6:7-9

क्रिसमस आने वाला था, और हमारी वित्त सीमित थे। हम अपने तीन बच्चों के लिए कुछ उपहार खरीदेंगे लेकिन नैन्सी और मैं एक दूसरे पर सिर्फ एक डॉलर खर्च करने के लिए सहमत हुए।

मैंने पूर्णकालिक इवांजलिज्म में प्रवेश लिया था, जिसका अर्थ था हर हफ्ते एक अलग शहर और चर्च की यात्रा करना था। अक्सर मुझे नहीं पता होता कि एक चर्च मुझे कितना भुगतान करेगा। परमेश्वर के प्रति अपने पूर्ण समर्पण की अभिव्यक्ति के रूप में, मैंने कभी न्यूनतम निर्धारित नहीं किया।

एक मसीही के रूप में ऐसे समय होते हैं जब मुझे दूसरों के अधिकारों के लिए लड़ना पड़ता है। लेकिन मेरे लिए, परमेश्वर के प्रवक्ता के रूप में, मेरा मानना था कि अगर मुझे अपने अधिकारों के लिए लड़ना है, तो परमेश्वर मुझे ऐसा करना दे सकते हैं। हालांकि मेरा यह भी मानना था कि अगर मैंने सभी का सेवक बनने के लिए अपने अधिकारों का समर्पण कर दिया, तो मुझे बुलाने वाले परमेश्वर को मेरे लिए लड़ना होगा। मैं वास्तव में यूहन्ना 12:25 के वचनों पर विश्वास करता हूँ: "जो अपने प्राण को प्रेयर जानता है, वह उसे खो देता है; और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है, वह अनंत जीवन के लिए उस की रक्षा करेगा"।

हमारे आर्थिक रूप से तंग क्रिसमस से ठीक पहले मैंने एक छोटे से चर्च में रिवाइवल बैठक के लिए एक लंबी दूरी की यात्रा की। मैंने खुद को बैठक में झोंक दिया और वास्तविक पुनरुद्धार हुआ। जब मैं अंतिम रात को चर्च से निकला, तो पादरी ने मुझे एक चेक दिया, जिसे बाद में मैंने देखा जो कि सप्ताह के मेरे वास्तविक खर्चे से कम था। मैंने उसे धन्यवाद दिया। अपनी सेवकाई की शुरुआत में, मुझे दिये गये हर दान (ऑफरिंग) के लिए होने के लिए प्रतिबद्ध हूँ चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो।

सप्ताह के दौरान मैंने कभी भी अपनी व्यक्तिगत वित्तीय जरूरतों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की थी।

जैसे ही मैं अपनी कार की ओर चला पड़ा, एक महिला जिसने सप्ताह के दौरान आत्मिक सहायता प्राप्त किया था, ने मुझे रोका। उसने मेरे हाथ में कागज का एक टुकड़ा दबाया और मुझे अपनी कार के पिछले हिस्से में देखने को कहा। कार के पिछले हिस्से में, मुझे किराने के सामान से भरा एक थैला, सब्जियों का एक डिब्बा, क्रिसमस के कागज में लिपटा एक डिब्बा मिला जिस पर "नैन्सी के लिए, चिक की तरफ से" लिखा था और एक पैक किया हुआ डिब्बा जिस पर, "चिक के

लिए, नैन्सी की तरफ से" का लेबल लगा हुआ था। जब हमने बाद में डिब्बे खोले, तो हमने पाया कि "मेरी तरफ से" नैन्सी के डिब्बे में दो सुंदर ड्रेस थीं, और "नैन्सी की तरफ से" मेरे डिब्बे में एक महंगी सामयिक बाइबिल थी जिसे मैं लेना चाहता था परंतु वहन नहीं कर सकता था। जब मैंने उस कागज के टुकड़े को खोला जो उस महिला ने मुझे दिया था, मुझे एक व्यक्तिगत चेक मिला जो उस राशि का दो-तिहाई था तो चर्च ने मुझे भुगतान किया था।

"बस एक डॉलर"। क्रिसमस के लिये मैं नैन्सी पर और नैन्सी मुझ पर इतना ही खर्च करेंगे। चर्च में कोई भी इस बारे में नहीं जानता था। फिर भी, हमारा एकमात्र बचाव, हमारा एकमात्र हथियार एक ईमानदारी का जीवन है। और, "हम हमेशा उससे गुजर के जाते हैं।" फिर भी कभी "उसके अंतर्गत नहीं आते"।

.....

सितम्बर 6 **दिन - 249**

एक ईश्वरीय स्वामी

******

पौलुस की ओर से जो मसीह यीशु का कैदी है, और भाई तीमुथियुस की ओर से हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन और बहन अफफिया और हमारे साथी योद्धा अरखिप्पुस और फिलेमोन के घर की कलीसिया के नाम। फिलेमोन 1:1-2

मैं प्रार्थना करता हूँ कि विश्वास में तेरा सहभागी होना, तुम्हारी सारी भलाई की पहचान में, मसीह के लिए प्रभावशाली हो। फिलेमोन 1:6

उसका व्यवसाय बड़ा नहीं था, लेकिन वह उसका अपना था। और उस गैस स्टेशन इंटरप्राइज से क्लाइड ने यीशु के लिए अपना प्रकाश चमकने दिया।

पुराने फिलेमोन की तरह क्लाइड की जीवन शैली को दो वाक्यांशों द्वारा वर्णित किया जा सकता है: "चर्च जो आपके घर में होती है" (1:2) और "विश्वास में हमारे साथ आपकी साझेदारी" (1:6) फिलेमोन ने मसीह से इतना प्यार किया कि उसने नि:स्वार्थ भाव से प्रभु के प्रत्येक दिन की आराधना करने के लिए अपना सुंदर घर छोड़ दिया।

जबकि क्लाइड के अपने घर में चर्च सेवाओं का आयोजन नहीं होता था, उसने और उसकी उत्साही पत्नी ने कई चर्च सेवा के बाद आतिथ्य में परमेश्वर के लोगों के लिए अपना घर खोला। उस घर में हुई कुछ प्रार्थनाओं ने उस स्थान को इस प्रकार पवित्र कर दिया मानो वह कोई चर्च हो।

क्लाइड की सेवकाई वर्णन: "चर्च जो आपके गैस स्टेशन में होता है" कथन द्वारा भी किया जा सकता है। जब उसने रविवार को पहली बार अपना स्टेशन बंद किया, तो लोगों ने कहा कि वह मूर्ख था; लेकिन क्लाइड परमेश्वर की आज्ञा मानकर खुश था। संयोग से उसका कुल लाभ परमेश्वर के साथ छह दिनों में परमेश्वर के बिना सात दिनों की तुलना में अधिक था।

"विश्वास में भागीदारी" - क्लाइड ने उसे भी समाविष्ट किया। वह यीशु के लिए उत्साहित था। उसने लोगों को मसीह के बारे में बताया; यहाँ तक कि उसने अपने एक कर्मचारी के परिवार को भी कलीसिया में पहुँचाया।

जब फिलेमोन या क्लाइड की बात आती है, तो हर युग के पौलुस उनकी विश्वासयोग्यता में आनंदित होते हैं। हे प्रभु, इनकी संख्या बढ़ा दें।[127]

---

127. पहले ये 'कम ये अपार्ट' अक्टूबर-नवम्बर-दिसम्बर 1964 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 75 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन बाद में 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया)।

.....

सितम्बर 7 **दिन - 250**

अगर उन्हें पीनट बटर सैंडविच चाहिए होता तो

******

जब दिन ढलने लगा तो बारहों ने आकर उससे कहा, "भीड़ को विदा कर कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर टिकें और भोजन का उपाय करें क्योंकि हम यहाँ सुनसान जगह में है"। उसने उनसे कहा, "तुम ही उन्हें खाने को दो"। उन्होंने कहा, "हमारे पास पाँच रोटी और दो मछलियों को छोड़ और कुछ नहीं; परंतु हाँ, यदि हम जाकर इन सब लोगों के लिये भोजन मोल लें, तो हो सकता है" (वे लोग तो पाँच हजार पुरुषों के लगभग थे)। तब उसने अपने चेलों से कहा, "उन्हें पचास-पचास करके पाँति-पाँति बैठा दो"। उन्होंने ऐसा ही किया, और सब को बैठा दिया। तब उसने वे पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और तोड़-तोड़कर चेलों को देता गया कि लोगों को परोसें। तब सब खाकर तृप्त हुए, और चेलों ने बचे हुए टुकड़ों से बाहर टोकरियाँ भरकर उठाई। लूका 9:12-17

एक बहुत ही चतुर अयाजकीय व्यक्ति अपने पादरी के साथ सप्ताहांत में एक अयाजकीय गवाह के रूप में काम कर रहा था।

पाँच हजार को खिलाने के चमत्कार पर चर्चा करने लगे (याद रखें, जब हम महिलाओं और पुरुषों का हिसाब लगाते हैं तो पाँच हजार पुरुषों का मतलब दस या पंद्रह हजार लोगों से कुछ अधिक हो सकता है)। अपने अलौकिक शक्ति से, यीशु ने उन सभी को मछली सैंडविच दिए।

इस बिंदु पर चर्चा में, अयाजकीय व्यक्ति ने कहा, "क्या होता यदि वे पीनट बटर सैंडविच चाहते?"

उसने मजाक में कहा, लेकिन उसके शब्द यीशु के अनुग्रहकारी कार्य के प्रति कई लोगों के रवैये का वर्णन करते हैं। उनकी छोटी-छोटी व्यक्तिगत इच्छाएं परमेश्वर के कार्यों पर प्रधानता लेती हैं, और वे कुछ महानतम आशीषों से चूक जाते हैं जिन्हें परमेश्वर उनके जीवन में उंडेलना चाहते हैं। इस कहानी के लिए अपना हृदय खोलें:

आइए कुछ संदेशों की जांच करें जो हम इस शास्त्र के हिसाब से देखते हैं:

1. शिष्यों ने कहा, "भीड़ को विदा कर...."
   (लोगों को अपना श्रेष्ठ देने दें)
2. उन्होंने (यीशु) कहा, "तुम ही उन्हें खाने को दो"
   (तुम भीड़ की जिम्मेदारी लो)
3. उन्होंने (शिष्यों) कहा, "हमारे पास पाँच रोटी और दो मछलियों को छोड़ और कुछ नहीं"। (हमारे संसाधन इतने सीमित है - कि यह असंभव है)
4. उन्होंने (यीशु) कहा, "उन्हें पचास-पचास करके पाँति-पाँति बैठा दो" (मुझे उत्तर मिल गया है, अब तुम देखो!)
5. "शिष्यों ने ऐसा ही किया"। (यह शिष्यों का सबसे अच्छा कदम था - उन्होंने यीशु की बात मानी। और उन्होंने अभी तक सभी विवरणों को जाने बिना ऐसा किया)

6. तब उसने पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, और "स्वर्ग की ओर देखकर" धन्यवाद किया। (उन्होंने उन्हें दिखाया की एकमात्र उत्तर परमेश्वर की शक्ति से था)
7. उसने भोजन चेलों को लोगों में बांटने के लिए दिया"। (अंत में परमेश्वर की इच्छा के अनुरूप होना कितना अच्छा है)
8. तब सब खाकर तृप्त हुए, और चेलों ने बचे हुए टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भरकर उठाई ("कोई कमी नहीं, कोई अपव्यय नहीं, कोई कूड़ा नहीं")

इस कहानी में हम, चेलों के तरीके और मसीह के तरीके के बीच का अंतर देखते हैं। क्या आप किसी ऐसे स्थान पर आये हैं जहाँ आपने महसूस किया है कि मसीह का तरीका सबसे अच्छा है? "सभी ने खाया और तृप्त हुए" और यह इतना बहुतायत से था कि बच भी गया था।

.....

सितम्बर 8 **दिन - 251**

आह! विश्राम!

******

क्योंकि यदि यहोशू उन्हें विश्राम में प्रवेश करा लेता, तो उसके बाद दूसरे दिन की चर्चा न होती। अतः जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है। क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है। अतः हम उस विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करें, ऐसा न हो कि कोई जन उन के समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े। इब्रानियों 4:8-11

जब मैं डैन को काम से छुट्टी होने के ठीक बाद देखता हूँ, तो मुझे थकान दिखाई देती है। वह जो पैकेज उठाता है वह 75 पाउंड तक हो सकता है, और वह अपनी शिफ्ट में 1,200 पैकेज संभालता है। यूपीएस चौबीस घंटे की अवधि में उसके विशेष गोदाम से लगभग 1,60,000 पैकेज़ वितरित करता है। जब डैन घर आता है, तो वह सबसे प्यारी जो चीज अनुभव कर सकता है वह है विश्राम। आह! विश्राम!

परमेश्वर का वचन परमेश्वर के लोगों के लिए विश्राम प्रदान करता है। इब्रानियों 4:1-11 में, हम चार प्रकार के विश्रामों के बारे में पढ़ते हैं: सृजन विश्राम, सब्त विश्राम, कनान विश्राम और अलौकिक विश्राम। पहले तीन, अलौकिक विश्राम के लिए दृष्टांत और नमूने हैं।

इजराइल की दो सबसे बड़ी सफलताएं लाल सागर और यरदन नदी को पार करना था। उनका गंतव्य, प्रतिज्ञा की भूमि, उनका घर होना था, लाल सागर को पार करने के तुरंत बाद, वे प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश करने के करीब थे। लेकिन उस महत्वपूर्ण क्षण में, उन्होंने विश्वास के ऊपर संदेह को चुना - उन्होंने दो वफादार जासूसों की रिपोर्ट को खारिज कर दिया उनसे देश में प्रवेश करने का आग्रह किया था।

उनकी अवज्ञा के कारण, वे चालीस वर्ष तक जंगल में भटकते रहे, अंत में यहोशू ने उनकी अगुवाई की।

परमेश्वर इजराइल को मिस्र से बाहर ले आया ताकि वह उन्हें प्रतिज्ञा किए गए देश में ले जा सके। कई बाइबिल विद्वानों का मानना है कि मिस्र की गुलामी से मुक्त होना उद्धार का प्रतीक है, और आशीषित भूमि में प्रवेश करना पवित्रता का प्रतीक है। जहाँ यहोशू ने लोगों को जंगल में भटकने से विश्राम दिया था वहीं आज भी परमेश्वर के लोगों के लिए एक अन्य विश्राम होता है - एक अलौकिक विश्राम; एक सब्त विश्राम। यह इतना महत्वपूर्ण है कि परमेश्वर हमसे आग्रह करते हैं, "उस विश्राम में प्रवेश करने का हर संभव प्रयास करें" (4:11)।

आज कितने मसीही, हालांकि वास्तव में मसीह को स्वीकार कर चुके हैं और कुछ हद तक उनका अनुसरण कर रहे हैं, अपने आप को संघर्षरत, अशांत, व्याकुल, बोझिल पाते हैं?

इतिहास में से एक सबक हमारी मदद करेगा। ए. बी. अर्ल एक बैपतिस्ट सुसमाचार प्रचारक थे, जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और ब्रिटिश द्विपों में 1830 से 1880 तक की अवधि में सेवकाई की। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा तक 3,25,000 मील की यात्रा की, 19,780 उपदेशों का प्रचार किया और अपनी सभाओं में 1,50,000 रूपांतरणों को देखा।

अर्ल को सेवकाई का काम पसंद था, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्होंने "एक लंबे समय से आंतरिक अशांति महसूस की थी, मेरी आत्मा में एक रिक्तता थी, जो भरी नहीं थी.....तब मुझे शांति मिलती तो मुझे डर लगता था कि यह ज्यादा देर तक नहीं रहेगी, और ऐसा ही होता"। इस बीच उनके मसीही जीवन में उतार-चढ़ाव चल रहा था - एक पल खुश तो एक पल दुखी। उन्होंने कहा "यीशु में वह विश्राम जिसके लिए मैं तरस रहा था वह अभी भी प्राप्त नहीं हुआ था"। एक पाप जो उन्हें विशेष रूप से परेशान कर रहा था, वह था उनका चीजों को अपने तरह से करने का दृढ़ संकल्प। उन्होंने महसूस किया कि "इससे पहले कि मैं मसीह के प्रेम की परिपूर्णता से भर पाऊँ, मुझे स्वयं से खाली होना होगा। कैप कॉड में एक बैठक के दौरान, वर्षों की प्रार्थना, खोज और पुर्नसमर्पण के बाद, अर्ल ने निम्नलिखित गवाही दी: "मैं मेरे कमरे में अकेला था, मसीह के प्रेम की परिपूर्णता के लिए याचना करते हुए, जब अचानक एक मीठी स्वर्गीय शांति ने मेरी आत्मा के खालीपन को भर दिया, मेरे हृदय में कोई लालसा, कोई अशांति, कोई असंतुष्ट भावना नहीं छोड़ा.....तब मेरे जीवन में पहली बार, मेरे पास वह विश्राम था जो शांति से अधिक है..... यह परिवर्तन नवम्बर 1863 के दूसरे दिन लगभग पाँच बजे हुआ.... शांति और विश्राम का स्वर्ग मेरी आत्मा को भर देता है। दिन और रात उद्धारकर्ता मुझमें दिखाई देता है"।[(128)]

ए. बी. अर्ल अपने सेवकाई में आगे जाकर एक नई ताकत और बड़ी जीत के प्राप्त की। उनका निजी जीवन आंतरिक शांति और विश्राम से उल्लेखनीय था। उन्होंने 'ए रेस्ट ऑफ़ फेथ' नामक एक पुस्तक भी लिखी। कोई अचरज नहीं!

आह! विश्राम! जान लें कि आप भी इसका अनुभव कर सकते हैं।

---

128. जेम्स गिलक्रिस्ट लॉसन, डिपर एक्सपीरियंस ऑफ़ फेमस क्रिस्चियन्स (एंडरसन, आइएन: वार्नर प्रेस, 1911), 301-09

.....

सितम्बर 9 **दिन - 252**

वापस प्रभारी होना

कि वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवंत होते जाओ। इफिसियों 3:16

जब एंडी और हीथर अपने पहले चर्च कार्य में चुनौतियों का सामना कर रहे थे, हिथर ने मुझे निम्नलिखित नोट भेजा:

कहने की जरूरत नहीं है, हमारे जीवन में बहुत बदलाव आया है और इसने मुझे हमारे सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य से विचलित करने का काम किया है - इस चर्च को फिर से जीवंत करने का। हालांकि आपके संदेशों को सुनने के बाद मैंने महसूस किया है कि हालांकि मैं कई साल पहले पूरी तरह से पवित्र किया गया था पर तब से मैंने मसीह को अपने दिल के सिंहासन से हटा दिया है और खुद अपने आप पर शासन करने के लिए आगे आ गया हूँ। मैंने ऐसा करने के परिणामों को महसूस करना शुरू कर दिया: अवसाद, चिंता, निराशा और चर्च के शुरू होने से पहले ही हार की वास्तविक भावना।

आपके संदेश पवित्र आत्मा से सीधे मेरे दिल और दिमाग में थे, और मैंने प्रभु यीशु से एक बार फिर मेरे दिल में सर्वोच्च शासन करने के लिए कहा है।

मैंने प्रार्थना करना और अपनी बाइबिल पढ़ना शुरू कर दिया है, और जबकि मैं अभी भी नहीं जानता कि प्रभु इस चर्च में कैसे प्राण फूंकने वाले हैं या हम वह सब कुछ कैसे करने जा रहे हैं जो करने की आवश्यकता है, मैं निश्चित रूप से जानता हूँ कि वह अब वापस प्रभारी है, जैसा कि उन्हें होना चाहिए, और हम एक बार फिर उनके निर्देश को सुनने के लिए प्रयास कर रहे हैं। मैं एक बार फिर प्रभु के लिए जोश में हूँ और इस सेवकाई में वह क्या करने जा रहे हैं, उसके लिए उत्साहित हूँ।

आइए हम निश्चित करें कि प्रभु यीशु हमारे दिलों में सर्वोच्च शासन करें। [129]

---

129. पहले ये 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2006) में प्रकाशित हुआ है।

.....

सितम्बर 10 **दिन - 253**

दबाव के अधीन

******

उसने कहा, "तेरा नाम अब याकूब नहीं, परंतु इजराइल होगा, क्योंकि तू परमेश्वर से और मनुष्यों से भी युद्ध करके प्रबल हुआ है।उत्पत्ति 32:28

क्या आपने कभी दबाव महसूस किया है?

याकूब ने किया है।

डरपोक, बेईमान, धोखेबाज। अपने जुड़वा भाई की एड़ी पकड़कर पैदा हुआ, उसका नाम याकूब रखा गया, जिसका अर्थ है "एड़ी पकड़नेवाला" या लाक्षणिक रूप से, "धोखेबाज" (उत्पत्ति 25:26)। एक युवा वयस्क के रूप में, उसने अपने भूखे और लापरवाह भाई एसाव को, एक कटोरे दाल के बदले एसाव के पहिलौठे का अधिकार बेच डाला। इस पहिलौठे के अधिकार में उनके पिता के विरासत का सबसे बड़ा हिस्सा शामिल था। बाद में, जब उनके पिता इसहाक बूढ़ा और अंधा हो गया तो याकूब और उसकी माँ ने उसे एसाव का आशीर्वाद लेने के लिए धोखा दिया।

जब एसाव को यह पता चला, तो वह गुस्से से चिल्लाया, "क्या उसका नाम याकूब यथार्थ नहीं रखा गया? उसने मुझे दो बार अड़ंगा मारा: मेरा पहिलौठे का अधिकार उसने ले ही लिया था; और अब देख उसने मेरा आशीर्वाद भी ले लिया है!" (उत्पत्ति 27:36)। अपने क्रोध में, एसाव ने याकूब को मारने की धमकी दी। यह सुनकर, याकूब भाग गया।

इस समय तक, हालांकि इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया था, इस बात का कोई संकेत नहीं है कि परमेश्वर के साथ याकूब का एक व्यक्तिगत संबंध है। अपने भाई के धमकियों के दबाव में, याकूब रात को बेथेल में रुकता है। वहाँ परमेश्वर स्वयं में याकूब के सामने प्रकट करते हैं, उससे कहते हैं, "मैं तेरे साथ हूँ"। पहली बार, याकूब का सर्वशक्तिमान परमेश्वर के साथ संबंध है।

याकूब पद्दनराम में पहुँचता है और अपने मामा लाबान के लिए चौदह वर्ष काम करके दो पत्नियाँ प्राप्त करता है। आखिरकार याकूब और उसके परिवार के साथ लाबान का व्यवहार इतना कठोर हो जाता है कि याकूब अपनी पत्नीयों, बच्चों और भेड़-बकरियों को घर वापस ले जाने का फैसला करता है। लाबान याकूब का पीछा करता है, लेकिन अंत में वे एक संधि करते हैं।

अब जैसे ही वह अपने देश के निकट आता है, याकूब को उस भाई का सामना करना था, जिसने उसे मारने की धमकी दी थी।

पनीएल में सारी रात, याकूब परमेश्वर के साथ मलयुद्ध करता है; वह प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पी है। अंत में, परमेश्वर उसके दिल के सबसे गहरे हिस्से को छूते हैं और उसका नाम "याकूब" से बदलकर "इजराइल" रख देते हैं, जिसका अर्थ है, "ईश्वर से युद्ध करनेहारा"। नाम का यह परिवर्तन चरित्र में बदलाव का प्रतीक है।

इस अलौकिक मुलाकात के बाद, इजराइल और एसाव, क्षमा और प्रेम से फिर से मिले। याकूब अपने परिवार का आत्मिक अगुवा और इजराइल के बारह गोत्रों का पिता बन जाता है।

परमेश्वर के साथ इजराइल के दो महान अनुभव आज की हमारी आत्मिक यात्रा के प्रतीक हैं। सबसे पहले, आप मसीह को स्वीकार करते हैं और परमेश्वर के साथ संबंध में प्रवेश करते हैं। बाद में,

परमेश्वर आपके हृदय की, गहराई तक जांच करते हैं और आत्म-केंद्रीतता प्रकट करते हैं जिसके लिए शुद्धिकरण और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है। जैसा कि याकूब की कहानी में है, परिस्थितियों का दबाव अक्सर हमें उस स्थान पर ले आता है।

हाँ, दबाव! और हमारे दिनों में!

एक युवा व्यक्ति के रूप में, डिक फील्ड्स, नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस में काम करने गए। वह मसीह का अनुयायी था, लेकिन उसकी नौकरी का कुछ भाग मुश्किल था और उस पर दबाव डालता था। उस जमाने में कपड़े के साधन के माध्यम से बड़ी प्रिंटिंग प्रेसज़, प्रेस द्वारा कपड़ों को खींचती थी। कई बार कपड़ा फट जाता था। डिक को प्रेस के नीचे धूल और मलबे के बीच अपने पीठ के बल रेंगकर जाना और कपड़े को एक साथ सिलना पड़ता था, जहाँ उसके शरीर पर तेल टपक रहा होता था। उसने कहा, "मैं जीवन भर ऐसा नहीं करना चाहता।" फिर वह चुप हो गया। डिक ने प्रार्थना की, "प्रभु, यदि आप चाहते हैं कि मैं जीवन भर ऐसा ही करूं, तो मैं करूँगा।"

बाद में, डिक ने कहा, "मेरा मानना है कि परमेश्वर ने मुझे तब पवित्र किया"।

डिक ने नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस (जो 2018 में 'द फाउंड्री पब्लिशिंग' बन गया) के लिए चौवन साल काम किया। वह अंततः प्रोडक्शन मैनेजर बन गया। उसके काम ने लाखों लोगों के लिए मसीही साहित्य मुहैया कराने में योगदान दिया। दबाव में, प्रेस के नीचे, तेल के नीचे, परमेश्वर के प्रति उसके समर्पण ने उसके चरित्र में एक पवित्र उपस्थित ला दी। उसके अंतिम संस्कार में, डिक फील्ड्स को निम्नलिखित शब्दों का उपयोग करके वर्णित किया गया था:

1. संक्रामक गर्मजोशी
2. गरिमा, शिष्ट, निष्ठापूर्ण आचरण
3. लंबे समय तक चलने वाली आज्ञाकारिता
4. एक पूर्व पादरी ने कहा, "तेइस वर्षों में मैंने डिक को कभी भी मसीह की समानता से डगमगाते नहीं देखा।"
5. एक अन्य व्यक्ति ने गवाही दी, "परमेश्वर ने हमें डिक फील्ड्स दिया ताकि तुम जान सको कि परमेश्वर कैसे हैं।"

क्या आप उन दबावों को अनुमति देंगे जो आपको परमेश्वर की तलाश करने के लिए प्रेरित करते हैं जब तक कि वह आपका नाम; आपका चरित्र; आपकी योजनाएं; आपका भविष्य नहीं बदल देते?

.....

सितम्बर 11 **दिन - 254**

यीशु थक गए थे

******

और याकूब का कुआँ भी वहीं था। अतः यीशु मार्ग का थका हुआ उस कुएँ पर यों ही बैठ गया। यह बात छह घंटे के लगभग हुई। यूहन्ना 4:6

संभवत: संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में सबसे महान राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन थे। गृहयुद्ध के बीच में लिंकन के बारे में हमारे पास निम्नलिखित विवरण हैं: लिंकन कई रातों तक शायद ही सोए क्योंकि वह विभाजनों का पता लगाने और युद्ध के तेज गति वाले प्रवाह का पालन करने की कोशिश कर रहे थे"। लिंकन ने एक यूनियन सेना को बुरी तरह से पराजित होते, एक जनरल की प्रतिष्ठा को बिखरते हुए, वाशिंगटन को दुश्मनों द्वारा जोखिम में डालते हुए देखा। [131]

6 मई,1863 को, व्हाइट हाउस को यह सूचना मिली कि चांसलर्सविले की लड़ाई में पोटोमैक की सेना को बुरी तरह से पराजित किया गया है। उस समय व्हाइट हाउस में मौजूद एक अखबार के रिपोर्टर ने देखा कि राष्ट्रपति का चेहरा पीला पड़ गया था; वह इतने टूटे और निराश कभी नहीं दिखाई दिए थे। सिर झुकाये, हाथों को अपने पीछे कसकर बांधे हुए, वह अपने कार्यालय में चहलकदमी करने लगे, यह कराहते हुए, 'मेरे परमेश्वर! मेरे परमेश्वर! देश क्या कहेगा? देश क्या कहेगा?"[132]

हाँ, हम में से सबसे अच्छे और महानतम लोग अपने अति मानवीय क्षणों को महसूस करते हैं - अनेक दबाव और चिंता के क्षणों में, जब उनके दिमाग और शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यीशु मसीह, दुनिया के उद्धारकर्ता और प्रभु ने भी उन क्षणों का अनुभव किया था।

यूहन्ना 4 में, जब यीशु यहूदिया से गलील की यात्रा कर रहे थे। (शायद चल रहे थे), वह सामरिया से होकर जाते हैं, जो यहूदियों के लिए अमित्रतापूर्ण क्षेत्र है। अपने यात्रा से थके हुए, सुखार नगर में, वह कुएँ के पास बैठ जाते हैं। बहुत सरल, बहुत स्वाभाविक - सर्वशक्तिमान यीशु थक गए हैं, इसलिए वह बैठते हैं। बाइबिल के लेखक इस ओर ध्यान आकर्षित करने में सावधानी बरतते हैं कि यीशु पूर्ण रूप से मानव और पूर्ण रूप से परमेश्वर, दोनों थे। इब्रानियों 4:14-15 हमें बताता है कि, "इसलिये जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है, जो स्वर्गों से होकर गया है, अर्थात परमेश्वर का पुत्र यीशु, तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें। क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दु:खी न हो सके, वरन् हम सब बातों में हमारे समान परखा तो गया, तौ भी निष्पाप निकला।"

यीशु द्वारा अनुभव की गई कुछ पीड़ाओं और सीमाओं को समझना महत्वपूर्ण है। मत्ती 13:57 में, वह अपने ही नगर में अपमानित होते हैं। मत्ती 26:38-40 में, जब वह क्रूस पर मृत्यु का सामना करते हैं तो वह बहुत दुख का अनुभव करते हैं और अपने शिष्यों के समर्थन की कमी से परेशान होते हैं।

लूका 4:1-2 में, उपवास के कारण भूख का अनुभव करते समय, शैतान उनकी परीक्षा करने के लिए प्रलोभन देता है, लूका 19:45 में, वह मंदिर में व्यापार पर क्रोधित हो जाते हैं। यूहन्ना 11:35 में, वह एक प्रिय मित्र की मृत्यु पर रोते हैं। इन सभी क्षणों में, हम उनकी मानवता और हमारे बारे में

उनकी समझ को महसूस करते हैं। वह थके हुए हैं, अपमानित हैं, दुखी है, परेशान है, परीक्षा में हैं, भूखे हैं, क्रोधित हैं - वही अनुभव हमें हर दिन होता है।

भले ही वह थके हुए हो और एक कुएँ के पास बैठे हों, तब भी यीशु दूसरों पर अपना प्रभाव डालते हैं। वह एक प्यासी, पापी सामरी स्त्री से मिलते हैं और उसे जीवन जल देते हैं। वह अपने नगर में वापस जाती है, यह घोषणा करते हुए कि उसे मसीहा मिल गया है। अन्य सामरी नगर से बाहर आते हैं, विश्वासी बन जाते हैं और कहते हैं, "यही आदमी सचमुच में जगत का उद्धारकर्ता है" (यूहन्ना 4:42)।

इसी प्रकार, हालांकि हम थके हुए हैं और कई तरह से परखें गए हैं, क्या फिर भी हम अपने आस-पास की दुनिया पर अपना आत्मिक प्रभाव भी डाल सकते हैं? हाँ, संसार के उद्धारकर्ता के साथ अपने संबंध के कारण हम ऐसा कर सकते हैं।

---

130. बेंजामिन थॉमस, अब्राहम लिंकन (न्यूयॉर्क: अल्फ्रेड ए. नोपफ, 1952), 336।

131. थॉमस, अब्राहम लिंकन, 338

132. थॉमस, अब्राहम लिंकन, 369-70

.....

सितम्बर 12 **दिन - 255**

परमेश्वर आप पर कितना भरोसा कर सकते हैं?

******

अंतः वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास कौन है, जिसे स्वामी ने अपने नौकर-चाकरों पर सरदार ठहराया कि समय पर उन्हें भोजन दें? धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते पाए। मैं तुमसे सच कहता हूँ, वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा। मत्ती 24:45-47

यीशु ने हमें "तैयार रहने के लिए कहा, क्योंकि मनुष्य का पुत्र उस घड़ी आएगा, जिस घड़ी के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो" (मत्ती 24:44)। इस प्रकार, परमेश्वर द्वारा आपको दिए गए कार्य के प्रति विश्वास ही मसीह से मिलने के लिए आपकी तत्परता की एकमात्र गारंटी है। इसके अलावा, छोटी जिम्मेदारियों में विश्वास भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियों का द्वार है।

एड अपने स्थानीय चर्च का एक वफादार सदस्य था। उसके पादरी ने उसकी धार्मिकता और उसकी प्रतिभा दोनों से प्रभावित होकर भविष्यवाणी की कि वह अंतत: यूएस स्टील का उपाध्यक्ष होगा। निश्चित रूप से, उसकी कंपनी ने उसे एक बड़ी पदोन्नति और वेतन वृद्धि की पेशकश की। हालांकि, जिस युवा चर्च रोपण के लिए एड ने खुद से प्रतिबद्धता की थी, उसे उसकी सख्त जरूरत थी, इसलिए उसने परमेश्वर के राज्य की खातिर पदोन्नति को अस्वीकार कर दिया। नतीजतन, उसका चर्च मजबूत हो गया।

बाद में, यूएस स्टील ने एड को इटली में एक सयंत्र का प्रबंधन करने के लिए कहा, जहाँ उसके अधीन 3,500 कर्मचारी होंगे। अधिकारियों ने महसूस किया कि यह मसीही मान्यताओं वाले एक प्रबंधक को नियुक्त करने का समय था। खासकर जब से कम मान्यता वाले कई प्रबंधकों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। एड के संप्रदाय ने शहर में एक चर्च भी स्थापित किया था जहाँ एड सेवा करेगा। स्थानीय चर्च में अपने मसीही प्रबंधक को परमेश्वर की सेवा करते हुए देखने पर उन 3,500 श्रमिकों पर इसका किस तरह का आत्मिक प्रभाव पड़ेगा।

हालांकि उन्होंने कभी भी चर्च की सेवा नहीं छोड़ी थी, एड और उसकी पत्नी एवलिन ने अपने घर की बिक्री को पूरा किया, अपने सामानों को पैक किया और इटली के लिए अपनी फ्लाइट के लिए तैयार हो गए, जबकि उनके स्थानीय चर्च ने अपने रिवाइवल सेवाओं का आयोजन किया।

उस रविवार की सुबह, एवलिन आँखों में आँसूओं लिए हुए मेरे पास आई। उसका पुत्र और उसकी पत्नी प्रभु की सेवा नहीं कर रहे थे। और उन्होंने सुबह की सेवा में परमेश्वर के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। मैंने एवलिन से प्रभु के साथ धैर्य रखने का आग्रह किया।

निश्चित रूप से, उस रात की सेवा में एड और एवलिन के बेटे और बहू ने प्रभु को पाया। उनके लिए क्या ही सुंदर विदाई उपहार है।

एड और एवलिन एक छोटी सी चीज में वफादार थे, और परमेश्वर उन्हें बड़ी चीज़े सौंप रहे थे। मत्ती 24:47 का मूल विषय - "वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा" - पवित्र शास्त्र में कहा और दोहराया गया है:

- मत्ती 25:21 "तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा।"

- लूका 16:10 “जो थोड़े से थोड़े में अच्छा है, वह बहुत में भी सच्चा है।”
- लूका 19:17 “तू बहुत ही थोड़े में विश्वासयोग्य निकला, अब दस नगरों पर अधिकार रख।”

क्या आपको बात समझ में आई? जैसा कि प्रभु ने एक दिन मुझसे कहा, “यदि मैं आज तुम पर एक छोटी सी चीज़ पर भरोसा कर सकता हूँ, तो कल बड़ी चीज़ के लिए मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ।” परमेश्वर आप पर कितना भरोसा कर सकते हैं?

.....

सितम्बर 13 **दिन - 256**

अगला कदम उठाएं

******

हम भले काम करने में साहस न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढ़ीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। गलातियों 6:9

जिमी कार्टर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति थे, ईरान के शाह को उनके पद से हटा दिया गया था, और कई ईरानी, अमेरिकी सरकार पर नाराज थे। युवा इरानियों की भीड़ ने तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर धावा बोल दिया और सभी अमेरिकी राजनयिक कर्मियों को पकड़ लिया। जल्द ही, अर्ल और हेज़ल ली जो पासाडेना, कैलिफोर्निया में एक शक्तिशाली चर्च के पादरी थे, उनके पास यह समाचार आया कि उनका बेटी गैरी, कैदियों में से था। लेकिन गैरी से उनका कोई संपर्क नहीं था। हेज़ल को नहीं पता था कि उसका बेटा जिंदा है या मर गया है, प्रताडित है या सुरक्षित है, भूखा है या भोजन दिया गया है। उसे बेचैनी, चिंता और स्तब्धता महसूस हुई।

रविवार की सुबह थी। उसे क्या करना चाहिए? जैसे ही उसने प्रार्थना कि, उसने प्रभु की आवाज को यह कहते सुना, "अगला कदम उठाओ"। हेज़ल के लिए इसका मतलब था कि उसे वह करना है जो वह आमतौर पर रविवार की सुबह करती थी - अपना संडे स्कूल का पाठ समाप्त करना, चर्च भवन में जाना, अपनी कक्षा को पढ़ाना, आराधना करना और परमेश्वर को आदर देना। वह स्तब्धता महसूस कर सकती थी, और वह भविष्य नहीं जानती थी, लेकिन वह अगला कदम उठा सकती थी।

महीनों तक, जो एक साल में बदल गये, अर्ल और हेज़ल को अभी भी नहीं पता था कि गैरी को क्या हुआ था। लेकिन उन्होंने परमेश्वर पर निर्भर रहना और "अगला कदम उठाना" जारी रखा। स्थानीय टीवी स्टेशन ने अर्ल और हेजल की स्थिति में दिलचस्पी ली और कहानी को कवर करने के लिए एंकर जनीन तार्तालिया को नियुक्त किया। जनीन ने सोचा की कहानी को अच्छी तरह से बयां करने के लिए, उसे उनके चर्च में यह देखने के लिए जाना चाहिए कि वे एक सार्वजनिक परिस्थिति में दबाव में कैसे व्यवहार करते हैं। जैसे ही उसने डॉ. ली का प्रचार सुना, उसने महसूस किया कि परमेश्वर उसके दिल से बात कर रहे हैं। जनीन तार्तालिया यीशु को अपना उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार किया। दूतावास पर धावा बोलने के चार सौ चौवालिस दिन बाद, जब राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने पदभार ग्रहण किया, तो बंदी बनाए गए सभी अमेरिकी राजनयिक कर्मचारियों को रिहा कर दिया गया। अर्ल और हेजल आनंदित हुए और प्रभु को धन्यवाद दिया।

परमेश्वर के सामने हमारा रिश्ता हर दिन प्रभावशाली रूप से उच्च नहीं होगा। लेकिन जैसा ओसवाल्ड चेम्बर्स ने लिखा है, "हमें बुरे दिन को उसके अनुसार जीना है जो हमने अच्छे दिन में देखा था"।[133] वैसे जो काले दिन जनीन तार्तालिया और लीज़ को एक साथ लाये। उन्होंने और भी फल उत्पन्न किये हैं। वह युवा रूपांतरित बढ़ी हुई और आज जनीन तार्तालिया मेटकाफ एक शक्तिशाली प्रचारक, शिक्षक और सुसमाचार की सेवक है - सिर्फ इसलिए क्योंकि किसी ने "अगला कदम" उठाया था।

133. ओसवॉल्ड चेंबर्स, माई अटमोस्ट मोस्ट फॉर हिज़ हाईएस्ट (टोरंटी: मैक्सीलैंड एंड स्टीवर्ड लिमिटेड, 1935), 107

सितम्बर 14 **दिन - 257**

असत्यता को प्रोत्साहन से प्रतिस्थापित कर दें

******

कोई गंदी बात तुम्हारे मुँह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही निकले जो उन्नति के लिए उत्तम हो, ताकि उससे सुननेवालों पर अनुग्रह हो। इफिसियों 4:29

शब्द! वे कितने महत्वपूर्ण होते हैं? हम उन्हें कितनी शक्ति देते हैं? आपकी दुनिया आपसे क्या कह रही है? क्या वे आपके सक्षम न होने के बारे में क्रोधित, निर्णयात्मक शब्द हैं? क्या आप उन पर विश्वास करते हैं? क्या वह आपको वह सब बनने से रोकते हैं जो परमेश्वर आपके लिए चाहता था? क्या वे आपको बढ़ने से रोकते हैं, बिना उपजाऊ भूमि के?

आप कब "नहीं" कहते हैं और अपनी शक्ति वापस ले लेते हैं? आप लोगों को कैसे सिखाते हैं कि आप अपने प्रति उनसे मूल्य और सम्मान का स्वभाव चाहते हैं।

दूसरी ओर शायद आपकी दुनिया सकारात्मक पुष्टि से भरी है। शायद कोई आपको धैर्यपूर्वक प्रोत्साहित कर रहा है और आपको सिखा रहा है कि जीवन का खेल कैसे खेलें जब तक कि आप सफल नहीं हो जाते।

शायद आप, आप हमारे स्वर्गीय पिता के शर्त रहित प्यार और अनुग्रह से ढके हुए हैं, जहाँ नई चीजों को आजमाना ठीक है और गलतियाँ करना भी ठीक है। यदि ऐसा है तो, आप धन्य हैं और औरों को जीवन देने वाले उन शब्दों को सुनने की जरूरत है।

एक बार, अपनी बेटी के जन्मदिन पर हमने फूलों के बजाय, उसे मौखिक और लिखित गुलदस्ते दिए, जिसने उसका दिल कई दिनों के लिए भर दिया। आप अपनी दुनिया में कौन से शब्द बोल रहे हैं?

नैन्सी शेवर[134]

---

134. पहले ये 'कम ये अपार्ट' सितम्बर-अक्टूबर-नवम्बर 2001 (कैनसस सिटी एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 81 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है। (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)

.....

सितम्बर 15 **दिन - 258**

वह चढ़ गया

******

वहाँ जक्कई नामक एक मनुष्य था जो चुंगी लेनेवालों का सरदार था और धनी था। वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है। परंतु भीड़ के कारण देख न सकता था क्योंकि वह नाटा था। तब उसको देखने के लिए वह आगे दौड़कर गूलर के पेड़ पर चढ़ गया क्योंकि यीशु उसी मार्ग से जाने वाला था। लूका 19:2-4

वह चुंगी लेनेवालों का सरदार था, इसलिए ज्यादातर लोग उसे पसंद नहीं करते थे। वह शायद रोमन सरकार के लिए कार्य करता था और इजराइल में यह अलोकप्रिय था। आवश्यक रोमन कर से परे, चुंगी लेनेवाले अपने लिए जितनी अतिरिक्त फीस ले सकते थे, वसूल लेते थे। इस कारण से, वास्तव में वे अलोकप्रिय थे। उन्हें पापी भी माना जाता था। लूका 19:7

आपको जक्कई को श्रेय देना चाहिए। लोग उसके बारे में जो भी सोचते थे, उसके बावजूद उसने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति को देखने के लिए अपनी आत्म-छवि की परवाह नहीं की। "वह देखना चाहता था कि यीशु कौन था" - उसकी एक इच्छी, हितकारी जिज्ञासा थी। इसके अलावा, उसने कार्यवाही भी की - वह आगे भागा और चूँकि वह नाटा था, वह एक पेड़ पर चढ़ गया।

जाहिर है, यीशु ने जक्कई में कुछ खास देखा - एक ग्रहणशील हृदय और भीड़ में से उसे चुन लिया। यीशु ने स्वयं को जक्कई के घर रात के खाने के लिए आमंत्रित किया - "जैक" - मुझे उसको एक उपनाम देने दें - काफी समझदार था, जो उसने यीशु के करीब आने के उस मौके को हासिल कर लिया। निश्चित ही, जब अन्य लोगों ने उसे उद्धारकर्ता के करीब आते देखा, वे कुड़कुड़ाने और आलोचना करने लगे।

जैक (जक्कई) ने गहरा पश्चाताप किया होगा - जिसका अर्थ था कि वह अपने पापों के लिए खेदित था और उनसे फिरने के लिए पर्याप्त रूप से खेदित था। उसने घोषणा की कि वह अपनी आधी संपत्ति गरीबों को दे देगा और यदि उसने किसी का अन्याय करके ले लिया है तो उसे चौगुना फेर देगा (19:8) इसे क्षति-पूर्ति कहा जाता है। परमेश्वर आपको आपके सभी पापों के लिए क्षमा कर सकते हैं, लेकिन अनिवार्य रूप से, उनमें से कुछ पापों में दूसरों के साथ गलत करना शामिल है। उन लोगों के पास वापस जाना और चीजों को ठीक करना उचित है जिन्हें आपने चोट पहुंचाई है। जब आप ऐसा करते हैं, तो आपसे क्षमा याचना प्राप्त करने वालों को पता चल जाएगा कि आप परमेश्वर के साथ वास्तव में बदलकर सही हो गए हैं।

जब वह (यीशु) जक्कई से मिले तो यीशु यरीहो से होते हुए यरुशलेम जा रहे थे ताकि दुनिया के पापों के लिए क्रूस पर मर सकें। जल्द ही वह पूरी दुनिया के लिए क्या प्रदान करेंगे, इसकी एक लघु अभिव्यक्ति में, यीशु ने कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है" (19:9)। यीशु के प्रति उसकी प्रतिक्रिया के कारण जक्कई और उसका पूरा परिवार आशिषित हो गया। उस तरह यीशु की ओर प्रतिक्रिया देकर, जैक (जक्कई) सही अर्थ में अब्राहम का पुत्र बन गया।

फिर यीशु अपने बड़े मिशन को बताते हैं: "क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और उनका उद्धार करने आया है" (19:10)। नये नियम के विद्वान और बाइबिल अनुवादक डॉ. राल्फ अर्ल

ने कहा कि यह लूका सुसमाचार का मुख्य वचन था। कितना अच्छा है यदि हम इस प्रस्ताव का प्रत्युत्तर देते हैं; कितना अद्भुत है यदि हम यीशु के साथ जुड़ते हैं क्योंकि वह खोए हुए को अपने पास लाता है।

मेरी अपनी माँ ने उनतालीस वर्ष की उम्र में मसीह को अपना उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार किया। वह उनमें (माँ) क्या अंतर लाए। उनके जीवन में कई बदलावों में से एक था जो उन्हें वापस उनके बचपन में ले आया।

मेरी माँ का पालन-पोषण न्यूयार्क शहर से दूर के इलाके में गरीबी में हुआ था। जब वह छठी कक्षा में थी, तब उनकी कक्षा की न्यूयार्क शहर की यात्रा पर जा रही थी। वह अपने स्कूल शिक्षक के पास गई और यात्रा के भुगतान में मदद के लिए ऋण रूप में पाँच डॉलर मांगे। 1919 में, यह बहुत ज्यादा पैसा होता था। अब, एक नए मसीही के रूप में मेरी माँ को अहसास हुआ कि उन्होंने कभी ऋण नहीं चुकाया था। उन्होंने परिवार से मिलने के लिए उत्तरी न्यूयार्क की समय-समय पर यात्राएं की, तो उनमें से एक यात्रा में, वह अपने पूर्व स्कूली शिक्षक से मिलने गई और छियालिस साल बाद - पाँच डॉलर का ऋण चुकाया। यह क्षति-पूर्ति था और लोगों का मानना था कि वेरा शेवर के पास वास्तविक चीज थी।

आइए जक्कई और यीशु की कहानी को आपके लिए बनने दें:

- जीवन में आपकी स्थिति जो भी हो, किसी को भी या किसी भी चीज को, आपको परमेश्वर को खोजने से न रोकने दें।
- कार्रवाई के साथ अपनी आत्मिक जिज्ञासा का अनुसरण करें; यीशु के साथ जुड़ने के लिए जो आवश्यक है वह करें।
- जान लें कि यीशु आपमें कुछ खास देखते हैं। उस अगले कदम की ओर प्रक्रिया करें जिसे वह आपको उठाने के लिए आमंत्रित करते हैं।
- अपने पापों से पूर्णतया फिरें और उन लोगों के साथ चीजों को ठीक करें जिनके साथ आपने गलत किया है।
- यीशु ढूंढना और बचाना चाहते हैं - आपको बचाने के लिए, उन पर भरोसा करें।

धन्यवाद जक्कई, चढ़ने के लिए। यह जानना कि यीशु हमें कितना चाहते हैं, चढ़ाई करना सफल हो गया।

.....

सितम्बर 16 **दिन - 259**

परमेश्वर के अनुग्रह से एक सेवक

******

मैं परमेश्वर के अनुग्रह के उस दान के अनुसार, जो उसकी सामर्थ्य के प्रभाव के अनुसार मुझे दिया गया, उस सुसमाचार का सेवक बना। इफिसियों 3:7

शाऊल का उस परमेश्वर से संबंध था जिससे वह कभी नहीं मिला था। उन अयोग्य मसीहियों को नाश करने की उसकी यात्रा, एक तीव्र चमक के द्वारा एकाएक रुक गई, जिससे उसका सामना हुआ। उसे संवेदनशील बनाया और उसे हमेशा के लिए बदल दिया। वह अब "उनमें" से एक था और परमेश्वर ने अनुग्रहपूर्वक हनन्याह को उसके पास एक चंगा करनेवाला सेवक बनने के लिए भेजा।

पौलुस, जैसा कि वह अब जाना जाता था, के भीतर अपने अतीत और खोए हुए समय की पूर्ति करने के लिये एक महान आंतरिक प्रेरणा और जोश था। उसे परमेश्वर के प्रेम के महान रहस्य को सबके सामने प्रकट करने के लिए चुना गया था। वह एक सफल पापी था, और अब वह एक सफल संत था उसने सेवा करने का एक ऐसा पैटर्न बनाया जो आत्मिक शक्ति के बिना असंभव था।

क्या हम उस शक्ति से जुड़े हैं ताकि हम वहाँ सेवा कर सकें जहाँ हमें रखा गया? क्या हम चकित और विनम्र होते हैं, जब परमेश्वर हम जैसे सामान्य लोगों का उपयोग प्रेम का पुल बनाने के लिए करता है ताकि अनुग्रह आर-पार चल सके? ऐसा ही हो।

नैन्सी शेवर [135]

---

135. पहले ये 'कम ये अपार्ट' सितम्बर-अक्टूबर-नवम्बर 1988 (कैनसस सिटी, एमओ, नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 92 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)

.....

सितम्बर 17 **दिन - 260**

एक व्यक्ति जिसका नाम पतरस था

******

जैसे हरिणी नदी के जल के लिए हाँफती है, वैसे ही, हे परमेश्वर, मैं तेरे हाँफता हूँ।
भजन संहिता 42:1

'अ मैन कॉल्ड पीटर', कैथरीन मार्शल द्वारा अपने प्रसिद्ध प्रचारक पति पीटर मार्शल की कहानी बताने के लिए लिखी गई एक किताब (और बाद में, उस कीताब पर आधारित एक फिल्म बनी) का नाम है।

अमेरिका में एक स्कॉटिश अप्रवासी पीटर ने सेमिनरी में भाग लिया और अंततः वाशिंगटन, डी सी में ऐतिहासिक न्यूयार्क एवेन्यू प्रेसबेटेरियन चर्च के पादरी बन गए। तब उन्हें संयुक्त राज्य सीनेट में पादरी नियुक्त किया गया था। वह छियालिस साल की उम्र में समय से पहले मर गए।

पीटर ने "कंधे पर थपथपाना" महसूस करने की गवाही दी। उन्होंने इसे इस तरह से समझाया: "कंधे पर थपथपाना" परमेश्वर की सर्वशक्तिमान शक्ति है जो बिना किसी मदद या बाधा के एक चुने पापी पर काम कर रही है, ताकि एक नया प्राणी उत्पन्न हो, और उस विशेष कार्य में अगुवाई करें जो परमेश्वर के पास उसके लिए है"।[136]

मेरे जीवन में पीटर नाम का एक और व्यक्ति था। मैनचेस्टर, कनेक्टिकट में हमारे हाई स्कूल में वह मुझसे कुछ साल आगे था। वह छात्र संघ का अध्यक्ष था: एक उत्कृष्ट छात्र, जब वह कोशिश करता था; हालांकि वह बचपन में असक्षम था, वह स्कूल की सॉकर टीम में गोलकीपर के रूप में खेलता था। इसी तरह, डॉर्टमथ में वह अपनी फ्रेटरनिटी का अध्यक्ष था, विश्वविद्यालय में सॉकर खेलता था और वह स्कूल के सर्वोच्च माननीय संगठन 'ग्रीन की' का हिस्सा था। परंतु अंत में पीटर को शराब पीने की इतनी बुरी आदत हो गई कि उसने कॉलेज छोड़ दिया।

मैं भी डॉर्टमथ में गया था, और वहाँ मुझे परमेश्वर के लिए भूख महसूस हुई। मुझे नहीं पता था कि उन्हें कैसे खोजा जाए, और कोई भी मुझे बताने योग्य प्रतीत नहीं हो रहा था - इसलिए मैं चर्च गया। मुझे झटका लगा, जब मैंने पीटर को चर्च में भी देखा। एक साल से अधिक अनुपस्थिति के बाद उसे कॉलेज में फिर से भर्ती कराया गया था। जब हमने एक-दूसरे को देखा, तो उसने मुझसे कहा, "चिक, मैं पहले की तुलना में अलग हूँ क्योंकि मैंने परमेश्वर को पा लिया है।" मुझसे मिलनेवाला वह पहला व्यक्ति था जिसने इस तरह बात कि जैसे परमेश्वर वास्तविक में है।

कुछ हफ्ते बाद, पीटर मेरे छात्रावास में आया और मुझे पहले - और - बाद की एक उत्तम कहानी सुनाई जो मैंने कभी नहीं सुनी थी। पहले, वह अपनी कार की पिछली सीट पर सोता था और छह अलग-अलग राज्यों की पुलिस की नजर में था। परंतु फिर वह यीशु के द्वारा व्यक्तिगत रूप से परमेश्वर से मिला; उसके सभी पाप माफ कर दिए गए थे; उसे शराब से तुरंत छुटकारा मिल गया था; और उसने बहुत खुशी और शांति का अनुभव किया। पीटर ने मुझे पास के चर्च में आमंत्रित किया, जहाँ मसीह मेरे लिए वास्तविक हो गए और मुझे नया जीवन दिया।

जैसे-जैसे मैं आत्मिक रूप से बढ़ता गया, पीटर ने मुझे सिखाया कि कैसे प्रार्थना करना और बाइबिल पढ़ना है और मेरे संघर्षों के दौरान मेरी मदद की।

हम दोनों अंततः कैनसस सिटी में सेमिनरी के लिए पहुँच गये। जब मैं कैनसस सिटी पहुँचा, तो केवल एक ही व्यक्ति जिसे मैं जानता था, वह पीटर था, जो अब कैनसस सिटी रेसक्यू मिशन का अधीक्षक बन गया था। उसने मुझे सोने के लिए जगह दी और हम अक्सर एक टीम के रूप में प्रचार करने के लिए एक साथ बाहर जाते थे। पीटर का पसंदीदा वचन भजनसंहिता 42:1 था - और वास्तव में, उसने परमेश्वर के लिए हाँफने कि उस छवि को प्रस्तुत किया। जब नैन्सी और मेरी शादी हुई तो उसने गवाह के रूप में हमारे विवाह प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर किए और फिलिप्पियों 4:19 को उसमें शामिल किया।

पीटर ने मैरी नाम की एक अद्भुत महिला से शादी की, और उनके चार बच्चे थे जिनके बारे में उसने मुझे अनगिनत बार प्यार से बताया। पीटर आत्मिक संघर्ष के दौर से गुजरा, लेकिन हम संपर्क में रहे। वह प्रभु के लिए मजबूत होकर वापस आया और संडे स्कूल में पढ़ाया और पादरियों को प्रशिक्षित किया और वह अपने स्थानीय चर्च में प्रभावशाली व्यक्ति था।

वह परमेश्वर की उपस्थिति से चमकता है और दृढ़ता से पवित्र आत्मा के पवित्रीकरण के कार्य को बढ़ावा देता हैं। मैरी के अंतिम वर्षों में, उसने बड़े प्रेम से उसकी देखभाल की।

कोविड-19 महामारी के दौरान, पीटर वायरस के संपर्क में आया, जिससे उसे निमोनिया हो गया। वह ऑक्सीजन पर था और सात सप्ताह से अस्पताल में था। आखिरकार, एक रविवार को उसने फोन करके बताया कि उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है – यह मेरे जीवन के सबसे खुशी के दिनों में से एक था। हालांकि वह अब भी कमजोर था, उसने पूछा कि वह मेरे लिए किस प्रकार प्रार्थना कर सकता है।

पीटर उन ईश्वरीय लोगों में से एक है जिन्हें मैं जानता हूँ और मैं आज उसकी गवाही के कारण एक मसीही हूँ। यही कारण है कि मैं 'ए मैन कॉल्ड पीटर' के बारे में बात करता हूँ।

---

136. डॉ. पीटर मार्शल, मिट जोन्स, मिट द मास्टर: सरमनस एंड प्रेयरस ऑफ पीटर मार्शल (वेस्टवुड, एन जे फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी, 1950), 31

.....

सितम्बर 18 **दिन - 261**

दो स्वर्गदूत

******

क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे? 1 कुरिन्थियों 6:3
क्या वे सब सेवा टहल करनेवाली आत्माएं नहीं, जो उद्धार पानेवालों के लिए सेवा करने को भेजी जाती है? इब्रानियों 1:14

इब्रानियों 1:14 में स्वर्गदूतों का वर्णन "उन सेवा टहल करनेवाली आत्माओं के रूप में किया गया है जो उद्धार पानेवालों के लिए सेवा करने के लिए भेजी जाती है"।

मुझे विश्वास है कि ये "निश्चित" स्वर्गदूत हैं जिनका हम एक दिन न्याय करेंगे: "क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे?" (1 कुरिन्थियों 6:3)।

एक बार, जब कैनसस सिटी रेस्क्यू मिशन ने प्रति रात्रि सेवा में नब्बे लोगों की सेवा की, तो एक निर्धारित चर्च समूह, सेवा का संचालन करने के लिए नहीं आ पाया। इसका मतलब था कि हम में से किसी एक को जो मिशन में रहता था, प्रचार करना जरूरी था। तो मैंने भजन और बाइबिल उठाया और आगे बढ़ गया।

पूरी सभा में केवल पुरुष ही थे और एक आदमी बार-बार गायन में बाधा डाल रहा था। मैंने उस पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन इससे पहले कि मैं उपदेश के लिए वचन पढ़ता, उसने अपना बाधा डालना जारी रखा। मैंने उससे कहा, "कृपया शांत रहें और प्रभु के वचन का सम्मान करें।" फिर भी, उसने जारी रखा। उस आदमी को शांत करने के तीन और प्रयासों के बाद, मैं नीचे गया और उससे कहा कि उसे सभा छोड़ देनी चाहिए।

वह एक बड़ा आदमी था। मैंने उसे खड़े होने में मदद की और उसे दरवाजे तक ले गया। पगडंडी पर उसने मेरी दोनों कलाइयों को पकड़ा और घुमा दिया। दर्द की लहर मेरी बाँह से गुजरी और मेरे घुटने झुक गए। तभी एक हरी, दो-यात्री वाली कार हमारे बगल के फुटपाथ में आकर रुकी।

उस वाहन में दो विशालकाय आदमी थे। उन्होंने बड़ी कावबॉय हैट पहनी हुई थी, और उनके बीच में एक हाई पावर वाली बंदूक खड़ी थी। उन दोनों ने सीधी आगे की और देखा, पगडंडी पर हम दोनों की ओर नहीं देखा।

कार में सवार आदमियों की कोई हलचल न दिखने के साथ यात्री की तरफ की खिड़की थोड़ी नीचे सरकी। यात्री सीट पर बैठे आदमी ने, तब भी सीधा आगे की ओर देखते हुए, अपना मुँह खोला और तीन शब्द कहे: उसे जाने दो।

उस आदमी ने तुरंत मुझे जाने दिया और चला गया। मैं वापस मिशन सभा में गया और सेवा पूरी की। मैंने उस हरी कार को फिर कभी नहीं देखा जिसमें दो विशालकाय आदमी कावबॉय हैट में हो। लेकिन वर्षो भर, मैंने अक्सर उनके बारे में सोचा है और निष्कर्ष निकाला है कि वे स्वर्गदूत थे।

इसके एक साल बाद, मेरी कलाइयों को मोड़नेवाला आदमी वापस आया और मुझसे, उसे उसकी बहन के घर ले जाने के लिए कहा, जो मैंने किया। वह अपनी पापमय जीवनशैली से थक गया था। मैंने उसे एक मुस्कान और हाथ मिलाने और एक प्रार्थना करने के साथ विदा किया। मैं उसे स्वर्ग में

देखने की आशा करता हूँ। हम दोनों को वह घटना और उसने हमें कैसा महसूस कराया था, याद है। क्या यह संभव है कि एक स्वर्गदूत उसकी देख-रेख कर रहा हों और दूसरा स्वर्गदूत मेरी देख-रेख कर रहा हों? हम में से प्रत्येक न्याय करने के लिए अच्छी तरह से योग्य है कि इन स्वर्गदूतों ने स्वयं को कैसे संचालित किया।

पीटर गनास

(यही वह व्यक्ति है जो चिक शेवर को मसीह के पास लाया था)

.....

सितम्बर 19 **दिन - 262**

आप कौन सा बीज बो रहे हैं?

******

मैं ने (पौलुस) ने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा, परंतु परमेश्वर ने बढ़ाया। इसलिये न तो लगाने वाला कुछ है और न सींचनेवाला, परंतु परमेश्वर ही सब कुछ है जो बढ़ानेवाला है। लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं; परंतु हर एक व्यक्ति अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा। क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो।
1 कुरिंन्थियों 3:6-9

धोखा न खाओ; परंतु ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है वही काटेगा। क्योंकि जो अपने शरीर के लिए बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा; और जो आत्मा के लिए बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनंत जीवन की कटनी काटेगा। हम भले काम करने में साहस न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। गलातियों 6:7-9

उनके अंग्रेजी और वेल्श बोलने के लहजे ने नैन्सी और मुझे चकित कर दिया। हम जानकर उत्तेजित थे कि हीप मिशनरी परिवार ने उस मिशनरी घर को किराए पर लेने का फैसला किया, जो उस चर्च के पवित्र स्थान के सामने था जहाँ हम सबसे पहले पादरी के रूप में नियुक्त थे। ग्लेडिस हीप के तीन बच्चे थे: क्रिस्टियाना, सोलह वर्ष की; स्टिवन, तेरह वर्ष का; और फिलिप आठ वर्ष का।

हम इस परिवार के काम करने के तरीके से चकित थे। हम जानते थे कि माता-पिता ने अपने बच्चों में धार्मिकता, पवित्रता और प्रेम के बीज़ बोए थे। उनके माता-पिता ने अमेरिका की यात्रा करने और मिशन के क्षेत्र का ब्यौरा, प्रतिनियुक्ति सेवाओं को देने के लिए बच्चों को हफ्तों के लिए अकेले छोड़ दिया। क्रिस्टियाना घर का संचालन करती थी, खाना बनाती थी, बिलों का भुगतान करती थी, लड़कों को स्कूल भेजती थी, और खुद अपनी पढ़ाई पत्राचार पाठ्यक्रम से करती थी। बच्चों ने कभी कोई संडे स्कूल या चर्च की सेवा नहीं छोड़ी और क्रिस्टियाना दशमांश दिया करती थी। उनके माता-पिता ने हमें बताया कि बच्चे इस तरह से कार्य कर सके क्योंकि उन्होंने मिशन क्षेत्र में विश्वास और निर्भरता सीखी थी।

वर्षों बीत गए, और सैमुअल और ग्लेडिस दोनों स्वर्गवासी हो गए। क्रिस्टियाना एक पादरी की पत्नी बन गई और उनके पास चर्चों में एक समृद्ध सेवकाई थी। स्टीवन और उसकी पत्नी ब्रेंडा, ब्राजील में मिशनरी बन गए और सेवानिवृत्त होने के बाद वहीं बस गए। फिलिप वाशिंगटन डीसी, क्षेत्र में एक पादरी है और उसकी अपनी अंतर्राष्ट्रीय मंडली है और वह उस क्षेत्र के अन्य स्पेनिश बोलने वाली कलीसियाओं की निरंतर सेवकाई करता है। सैमुअल और ग्लेडिस ने अपने बच्चों के जीवन में कितनी अच्छी कटनी काटी है।

रेव्ह. और श्रीमती हीप ने कोलंबिया और पेरू में अपने मिशनरी सेवकाई को बिताया। 1940 से 1954 तक, उनके कोलंबिया में रहने के वर्षों के दौरान उन्होंने अपने पहले पुत्र की मृत्यु; भीड़ द्वारा उनकी पिटाई; और शारीरिक और आर्थिक परेशानी देखी। जब वे पेरू के अपने कार्य-नियुक्ति में चले गए तो वे अपने पीछे कोलंबिया में एक छोटी सी मंडली छोड़ गए।

कुछ समय बाद इंडियानापोलिस में एक मैकडॉनल्ड्स की लाइन में हुई एक मुलाकात पर आते हैं, जहाँ उनका बेटा स्टीवन ऑर्डर देने के लिए प्रतीक्षा कर रहा था:

मेरे सामने बैठा जोड़ा स्पेनिश में बात कर रहे थे और यह तय करने की कोशिश कर रहे थे कि क्या ऑर्डर करना है। उन्होंने मेरा नेमटैग देखा और पूछा कि क्या मैं डॉन (श्री) सैमुअल और डोना (श्रीमती) ग्लेडिस हिप को जानता हूँ। जब मैंने जवाब दिया कि वे मेरे माता-पिता हैं, तो उन्होंने कसकर गले लगा लिया जो कि मेरे माता-पिता को मिलना चाहिए था। उन्होंने मुझे बताया कि मेरे माता-पिता के विश्वासपूर्ण गवाही के कारण उस महिला के दादा-दादी मसीह में विश्वास में आए थे। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने कोलंबिया में क्या किया। उनके उत्तर से मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए था, परमेश्वर के वचन के वादों के आधार पर - एक रोपता है, दूसरा सिंचता है और प्रभु बढ़ोतरी देता है - लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ जब उन्होंने बताया कि वे कैली, कोलंबिया में एक चर्च के पादरी हैं।

यह 1940 से 1954 तक हीप द्वारा लगाए गए बीज़ के अधिक फल थे। मैं यीशु के कार्य के लिए बहुत सारे बीज बोना चाहता हूँ। आप जीवन भर कौन सा बीज बोने का इरादा रखते हैं।

.....

सितम्बर 20 **दिन - 263**

पति और पत्नी का प्रेम

******

हे पतियो, अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रखो जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया कि उसको वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाएं और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करें, जिसमें न कलंक, न झुर्री, न कोई और ऐसी वस्तु हो वरन् पवित्र और निर्दोष हो। इफिसियों 5:25-27

पर तुम में से हर एक अपनी पत्नी से अपने समान प्रेम रखे, और पत्नी भी अपने पति का भय माने। इफिसियों 5:33

'उससे (पत्नी से) इस प्रकार प्रेम रखो जैसा मसीह ने कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिए दे दिया।' इसका मतलब है एक बलिदान प्रेम; एक पवित्रता-उत्पादक प्रेम। मैं उसकी देखभाल करने, उसकी मदद करने और उसे प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने के लिये बहुत कुछ करता हूँ। मैं उसके साथ ऐसा व्यवहार करता हूँ जो उसे अशिष्ट नहीं करेगा, उसे नीचा नहीं करेगा, या उसे छोटा नहीं दिखाएगा बल्कि उसे सक्षम करेगा, उसका विकास करेगा, एक पवित्र हृदय और जीवन पैदा करेगा और उसे और अधिक मसीह के समान बना देगा।

"उसे पवित्र बनाएं....." न्यू किंग जेम्स संस्करण कहता है, "कि वह उसे पवित्र और शुद्ध कर सके"। अमेरिकन स्टैंडर्ड संस्करण इसे इस प्रकार प्रस्तुत करता है, "इसे शुद्ध करके, इसे पवित्र करें"। पौलुस पति पत्नी के रिश्ते को चर्च के लिए मसीह के प्रेम और उसे शुद्ध करने और उसे पवित्र बनाने के लिए उसके बलिदान के सादृश्य के रूप में उपयोग कर रहा है। वह पति और पत्नीयों को एक-दूसरे से प्रेम करना सिखाने के लिए कलीसिया के लिए मसीह के प्रेम और बलिदान का उपयोग कर रहा है।

अपनी शादी में नैन्सी को दिये गए शादी के वादों में, मैंने वादा किया था कि "बीमारी और स्वास्थ्य दोनों में उसे प्यार, आराम, सम्मान दूंगा और उसकी देखभाल करूंगा; और अन्य सभी को छोड़कर, स्वयं को सिर्फ उसके लिए रखूंगा, जब तक हम दोनों जीवित रहेंगे"। मैंने प्रतिज्ञा की कि मैं "उसके साथ रहूंगा और उसे थामें रहूंगा, अच्छे और बुरे दोनों दिनों में भी, अमीरी और गरीबी में भी, बीमारी और स्वास्थ्य में भी उससे प्रेम और उसका ध्यान रखूंगा, जब तक मृत्यु हमें अलग न करें"।

नैन्सी का वर्तमान स्वास्थ्य अल्जाइमर से प्रभावित है। किसी तरह, सभी अतिरिक्त देखभाल के बीच, प्रभु हमें एक दूसरे के लिए एक सुंदर प्रेम रखने के लिए सशक्त कर रहे हैं। नैन्सी मेरे लिए उस कुर्सी के पास बहुत सारे नोट्स छोड़ती है जहाँ में हर सुबह अपनी बाइबिल पढ़ता हूँ। यहाँ वह नोट है जो मुझे 15 मार्च, 2020 को मिला:

पॉल और रिवाइवल के लिए हमारी अद्भुत यात्रा के लिए तुम्हें धन्यवाद – परमेश्वर ने वास्तव में आशिषित किया, और कई लोग परमेश्वर के करीब आ गए।

तुम अद्भुत हो - उन सभी कार्य करने के लिए जो तुम करते हो, और मेरी देखभाल करने के लिए भी।

मैं बहुत खुश हूँ और अभी भी तुमसे प्यार करती हूँ - मेरे हैंडसम पति!!

XX00

हमेशा प्यार

नैन

क्योंकि परमेश्वर आपकी मदद करते हैं, आप अपने जीवनसाथी से अपनी शादी के दौरान प्यार कर सकते हैं - न केवल स्पष्टता से, बल्कि शक्तिशाली रूप से।

.....

सितम्बर 21 **दिन - 264**

तुम्हारा जीवित बलिदान

******

इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। रोमियों 12:1

डॉटी ने उसे काम पर देखा। हेनरी पब्लिक स्कूल का प्रिंसिपल था और उसने (डॉटी ने) देखा कि माता-पिता और नागरिकों के साथ सार्वजनिक बैठकों में प्रतिरोधी पूछताछ के तहत उसका व्यवहार मधुर था। डॉटी इतनी प्रभावित हुई कि उसने अपना जीवन उसी मसीह को दे दिया जिसकी हेनरी सेवा करता था। यहाँ एक व्यक्ति जीवित बलिदान के रूप में काम पर था।

पुराने नियम की तरह मृत बलिदान नहीं - बल्कि एक जीवित बलिदान। पौलुस आग्रह करता है कि चूँकि परमेश्वर ने हमें इतनी स्वतंत्र रूप से और पूरी तरह से दया दी है, कम से कम हम अपने शरीर को बलिदान के रूप में परमेश्वर को वापस दे सकते हैं। और यह मसीही भाइयों और बहनों के लिए एक बुलाहट है।

क्या आपने कभी महसूस किया है कि परमेश्वर ने आपको उन्हें कुछ वापस देने के लिए बुलाया है? हमारे परमेश्वर सिर्फ "कुछ चीजों" के लायक नहीं हैं - वह सभी कुछ चाहते हैं। सिर्फ हाथ या पैर या आवाज़ या ताकत या दिल या दिमाग ही नहीं.... उन्हें अपना पूरा शरीर दें। यह हमेशा के लिए, सिर्फ एक बार का बलिदान है, एक निर्णायक क्षण।

एक जीवित बलिदान का परिणाम एक गतिशील निरंतर क्रिया होती है जिसमें हम सभी उसके होते हैं - फिर भी जीवित, जीवंत होते हैं और लगातार चुनाव करते हैं और परमेश्वर को खुश करने के लिए जीवन जीते हैं।

वह उत्तरी कैरलाइना में एक जून की रात थी जब लिंडा ने अपना पूरा मसीही जीवन वापस परमेश्वर को सौंप दिया। उन्होंने (परमेश्वर) उसके समर्पण को स्वीकार कर लिया और उसके समर्पित हृदय को अपनी पवित्रता की पूर्णता प्रदान की। उसका पति बहुत चकित हुआ और बोला, "तुम बहुत खुश हो"।

लिंडा ने उस विशेष सप्ताह में सभी चर्च सेवाओं में भाग लिया। उसने कहा, "गुरुवार की रात से अब तक मैं जितनी प्रार्थना कर रही हूँ वह मेरे पिछले चार सालों में की गई प्रार्थनाओं से कहीं अधिक है, और आपको मेरे कार्यालय का वह मूर्ख याद है? मैंने उसके बारे में शिकायत करना बंद कर दिया है"? उसने मुझे यह आश्वासन भी दिया कि वह प्रभु के समक्ष उसके भविष्य के वित्तों को भी संभाल लेगी। वह आनंद कर रही थी और परमेश्वर की "भली और भावती और सिद्ध इच्छा" को उनके जीवित बलिदान के रूप में स्वीकार कर रही थी।

.....

सितम्बर 22 **दिन - 265**

दुनिया को आपको विवेचना करने दें

******

अपने आस-पास की दुनिया को आपको आपने सांचे में ढालने में विवश न करने दें। बल्कि परमेश्वर को आपके मन को भीतर से फिर से ढ़ालने दें, ताकि आप अभ्यास में साबित कर सके कि आपके लिए परमेश्वर की योजना अच्छी है, उसकी सभी मांगों को पूरा करती है और सच्ची परिपक्वता के लक्ष्य की ओर बढ़ती है। रोमियों 12:2

मैं एक एमआरआई (MRI) करवा रहा था। इससे पहले कि वे मुझे मशीन के अंदर ले जाते, तकनीशियन ने कहा, "क्या आपको क्लौस्ट्रफ़ोबिया है"?

मैंने कहा, "नहीं"।

लेकिन जब यह प्रक्रिया खत्म हो गयी, मुझे अहसास हुआ कि मुझे हाँ कहना चाहिए था। ट्यूब का ऊपरी मेहराब (आर्च) लगभग मेरी नाक को छू रहा था - मुझे बहुत विवशता महसूस हुई।

बेशक, रोमियों में जब पौलुस ने मसीहियों को चेतावनी दी थी कि दुनिया उनके मन को विवश कर देगी, तो उसका मतलब कुछ अधिक सूक्ष्म था। दुनिया (परमेश्वर के बिना रहने वाली ताकतें) आपको परमेश्वर के लिए खड़ा होते देख नहीं पाती - आपका अलग होना उन्हें दोषी ठहराता है। दुनिया आपके मन को उनके सदृश कर देना चाहती है। लेकिन परमेश्वर आपके मन को बदलना चाहता है।

एक चर्च भोज में, सेवक डॉ. डेनीस किन लॉ के पुत्र मेडिकल डॉक्टर डेनी किन लॉ ने, दुनिया की विवश करने वाली शक्ति की गवाही दी।

जब मैं सात साल का था, मेरी माँ ने मेरे साथ मसीह को प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की। मेरे पास उसके बाद की कुछ बहुत कीमती यादें है, जिसमें वह मेरे लिए बहुत वास्तविक थे। लेकिन जब मैंने दिनता की उस महान खाई के पास जाना शुरू किया जिसे हम किशोरावस्था कहते हैं - जब मेरा कंठ पूरी तरह से बड़ा हो गया था और मेरी मांसपेशियां पर्याप्त रूप से बड़ी नहीं थी - मैं उनसे (यीशु) ज्यादा अपने बारे में जागरूक होने लगा...।

अततः मैंने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। मैंने फैसला किया, आह, अब मैं उन लोगों के साथ हूँ जो खुले और स्वतंत्र हैं। मैं यह देखकर चौंक गया कि वे न तो खुले थे और न ही स्वतंत्र... वे मुझ पर वास्तविकता का एक दृष्टिकोण थोपना चाहते थे जो न तो मैंने अपने परिवार से सीखी थी और न ही मैंने स्वयं सीखी थी।

फिर मैंने अपनी अस्पताल की इंटर्नशिप और रेजीडेंसी शुरू की। मैंने पाया कि मैं बिना रुके, बिना सोए, छत्तीस घंटो तक कार्य कर सकता था, ठीक वैसे ही जैसे दूसरे लोग कर सकते थे। लेकिन मेरे पास परमेश्वर के लिए समय नहीं था। मैंने यह भी पाया कि जब मैंने परमेश्वर से बात नहीं की, तो उन्होंने मुझसे बात नहीं की। वह फिर से मेरे जीवन के किनारे पर चले गये।

जब किनारे पर चले गये तो जो रिक्त स्थान बचा था, वह खाली नहीं रहा। वह स्थान जो उन्होंने खाली किया था स्वाभाविक इच्छा और जुनून से भर गया था। धीरे-धीरे मुझे पता चला कि वे वहाँ थे और मुझे नियंत्रित कर रहे थे। मुझे अपने आप पर तरस आने लगा। मैंने उन अन्य डॉक्टरों

को उनके प्राइवेट विमान और गर्मियों और सर्दियों के घर और समुद्र तट पर अपनी जगह और बड़े ऑटोमोबाइल और शान-शौकत का जीवन यापन करते देखा और मैंने सोचा, 'बस मुझे उपनगर से बाहर निकलने दो, मैं कुछ पैसे कमाऊँगा और उन चीजों में से कुछ का आनंद लूंगा। धीरे-धीरे, मुझे अहसास होने लगा कि वे इच्छाएं मुझे नियंत्रण कर रही थीं। मुझे अहसास हुआ कि एक चमत्कार के बावजूद, मैं पहले से ही नष्ट हो जाने के लिए पूर्वयोजना बद्ध था। [137]

बुद्धिमान बनें। दुनिया को आपको विवश न करने दें।

---

137. डेनिस किन लॉ, प्रीचिंग इन द स्पिरिट (ग्रैंड रेपिड्स: फ्रांसिस एज़बरी प्रेस, 1985), 56-57

.....

सितम्बर 23 **दिन - 266**

आपके मन के नवीनीकरण द्वारा परिवर्तित

******

तुम्हारे मन के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, भावती और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो। रोमियों 12:2

मन को एक अनिर्मित वस्तु के रूप में सोचें - आप इसमें जो डालते हैं वही तैयार उत्पाद को निर्धारित करता है। जबकि एक जीवित बलिदान के रूप में अपने शरीर को परमेश्वर को अर्पित करना एक निश्चित क्षण में एक घटना थी, आपके मन का नवीनीकरण एक सतत प्रक्रिया है। आप उन मानसिक की सामग्री का चयन करेंगे जो मंद, भ्रष्ट, प्रदूषित, नीचा करती है - या उनका जो संपादित करती है, बढ़ाती है, फैलाती है, नवीनीकृत करती है। आप तय करें।

मेरे द्वारा लिये गए सबसे अच्छे निर्णयों में से एक था, प्रत्येक दिन की शुरुआत बाईबिल और प्रार्थना से करना। हम आराधना, मसीही संगति, आत्मिक सामग्री पढ़ने और अपने विश्वास को साझा करने के साथ सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। फिलिप्पियों 4:8 हमें बताता है कि जो बातें सत्य हैं, आदरणीय हैं, उचित हैं, पवित्र हैं, सुहावनी हैं मनभावनी हैं, सद्गुण हैं और प्रशंसा के योग्य हैं, उन पर ध्यान लगाया करो। प्रभु मेरे जीवन का स्कैन करें, और मुझे मेरे आत्मिक तापक्रम में किसी भी बदलाव के लिए सचेत करें।

मेडिकल डॉक्टर डैनी किन लॉ ने अपने नवीनीकरण का वर्णन इस प्रकार किया:

छह हफ्ते बाद, दूसरे सर्जन का हाथ फिसल गया और मुझे परमेश्वर के लिए काफी समय मिला। हम तीनों एक ऐसी लड़की का ऑपरेशन कर रहे थे जो ड्रग्स की आदी थी। जब एक दूसरे सर्जन का..... उपकरण मेरे दस्ताने में घुस गया और मेरे हाथ का मांस कट गया..... तो मुझे सबसे खराब प्रकार का हेपेटाइटिस हो गया। वे अगले कुछ महीने बहुत दर्द और निराशा भरे थे.... प्रभु मेरे जीवन के केंद्र में वापस आ गए। और जब वह वापस आए, उन्होंने मुझे आजाद कर दिया....

मैंने उनसे मुझे चंगा करने के लिये कहा, और उन्होंने किया, लेकिन उस तरह से नहीं जिस तरह से मैंने उम्मीद की थी। मैंने सोचा था कि वह मुझे इस तरह से चंगा करेंगे कि मेरे पास कल की गारंटी होगी.. लेकिन ऐसा नहीं हुआ..... उन्होंने कहा, "मैंने प्रेरित पौलुस को कल की गारंटी नहीं दी, तो मुझे आपको क्यों देना चाहिए?" ....उस अनुभव ने मेरे जीवन के तरीके को बदल दिया। मैं अब हर दिन को हल्के में नहीं लेता। मैं अब अपनी पत्नी,अपने बच्चों या अपने काम को हल्के में नहीं लेता। मैं उनमें से प्रत्येक को उनके (परमेश्वर) द्वारा दिए गए विशेष उपहार के रूप में लेता हूँ, उनके अनुग्रह का एक उपहार। कुछ ऐसी सुबहें होती है जब मैं लेक्सिंगटन में काम करने के लिए जाता हूँ तब मैं सूरज को उगते देखता हूँ और अपने गालों को उस नए दिन के लिए आभार के रूप में आँसूओं से गीला पाता हूँ.... आप जानते हैं, यह जीने का एक बुरा तरीका नहीं है। [138]

इस तरह के नवीनीकरण का यह समृद्ध फल है: "आप परमेश्वर की इच्छा - उसकी भली, और भावती और सिद्ध इच्छा को परखने और स्वीकार करने में सक्षम होंगे" (रोमियों 12:2)।

---

138. किन लॉ, प्रिंचिग इन द स्पिरिट, 57-58

सितम्बर 24 **दिन - 267**

एक अच्छे सामरी की क्रिया

******

परंतु एक सामरी यात्री वहाँ आ निकला, और उसे देखकर तरस आया। लूका 10:33

सामरी ने अपने जीवन का एक हिस्सा लिया और दूसरों को बचाने के लिए उसे दे दिया। जहाँ हम में से अधिकांश लोग क्रूस पर जाकर दूसरों को बचाने के लिए अपना पूरा जीवन नहीं देंगे वहाँ हम में से अधिकांश अपने जीवन का एक "हिस्सा" दे देंगे।

सामरी ने घायल आदमी को निम्नलिखित चीजें दीं:

(लूका 10:34-35)

- चिकित्सा प्रावधान :"उसके घावों पर पट्टी बांधी"।
- परिवहन प्रावधान :"उस आदमी को अपने स्वयं के गधे पर लादा"।
- आवास प्रावधान :"उसे एक सराय में लाया"।
- वित्तीय प्रावधान :"दो दीनार निकाले"।
- आगे की कार्यवाही का प्रावधान :"मैं आपको लौटा दूंगा"।

ध्यान दें कि सामरी ने अपने निजी व्यवसाय में भाग लेने के दौरान घायल व्यक्ति को कुछ समय के लिए सराय के मालिक के पास छोड़ दिया (हम में से अधिकांश के लिए, यह हमारे लिए अच्छे सामरी के उदाहरण का अनुसरण करना और भी वास्तविक बनाता है)। फिर, वह आगे दया और सेवा करने के लिए लौटता है। यह सामरी यीशु द्वारा सिखाए गए, "अपने पड़ोसी से अपने सामान प्रेम रखना" के सिद्धांत के लिए सदा के लिए प्रसिद्ध हो जाता है।

यद्यपि इसे एक सीधे मसीही कहानी के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है, एक किसान ने एक जीवन बचाने के लिए अपना काम रोककर एक अच्छा सामरी कार्य किया।

उसका नाम फ्लेमिंग था, और वह एक गरीब स्कॉटिश किसान था। एक दिन, अपने परिवार के लिए जीविका कमाने की कोशिश करते हुए, उसके पास के दलदल से मदद के लिए एक रोने की आवाज सुनी। उसने अपने औजारों को वहीं गिरा दिया और आपात स्थिति की ओर भागा।

वहाँ कमर तक काली मिट्टी में धंसा, एक डरा हुआ लड़का था जो चिल्ला रहा था और खुद को मुक्त करने के लिए संघर्ष कर रहा था। किसान फ्लेमिंग ने बालक को उससे बचाया वरना वह एक धीमी और भयानक मौत होती। अगले दिन, एक मनोहर सवारी उस स्कॉटिश किसान की छोटी सी जगह पर आकर रुकी। एक सुरुचिपूर्ण ढंग से सुसज्जित अमीर आदमी ने बाहर कदम रखा और अपना परिचय उस लड़के के पिता के रूप में दे दिया, जिसे किसान फ्लेमिंग ने बचाया था।

"मैं आपका एहसान चुकाना चाहता हूँ", अमीर आदमी ने कहा। "तुमने मेरे बेटे की जान बचाई है"। "नहीं", मैं, मैंने जो किया उसका भुगतान स्वीकार नहीं कर सकता", स्कॉटिश किसान ने पेशकश को ठुकराते हुए कहा।

उसी समय किसान का अपना बेटा, झोंपड़ी के घर के दरवाजे पर आया। "क्या यह तुम्हारा बेटा है"? अमीर आदमी ने पूछा।

"हाँ", किसान ने गर्व से उत्तर दिया।

"मैं तुमसे एक "सौदा करूंगा"। मुझे उसे ले जाने और एक अच्छी शिक्षा देने दो। अगर लड़का थोड़ा सा भी अपने पिता की तरह है, तो वह बड़ा होकर एक ऐसा आदमी बनेगा जिस पर तुम गर्व करोगे।

और उसने ऐसा किया। समय पर, किसान फ्लेमिंग के बेटे ने लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और पेनिसिलिन के खोजकर्ता सर अलेक्जेंडर फ्लेमिंग के रूप में दुनिया भर में प्रसिद्धि प्राप्त की। वर्षों बाद अमीर आदमी का बेटा निमोनिया से ग्रस्त हो गया और पेनिसिलिन ने उसे बचा लिया।

उस अमीर आदमी का नाम लॉर्ड रैंडोल्फ चर्चिल था।उनका बेटा सर विंस्टन चर्चिल थे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इंग्लैंड के प्रधानमंत्री थे और कई लोग कहते हैं कि वह नाजी जर्मनी से युद्ध में दुनिया को आजाद कराने वाले लीडर थे।

अपने चारों ओर देखो। किसे आपके माध्यम से परमेश्वर के स्पर्श की जरूरत है? आप कभी नहीं जानते कि आप किसे बचा रहे होंगे!

.....

सितम्बर 25 **दिन - 268**

आपका जीवन एक नदी

******

"यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, "उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी"। उसने यह वचन पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने वाले थे। यूहन्ना 7:37-39

आपका जीवन एक नदी, एक नहर बनना है। हर नदी के पास उसे पोषित करने के लिए स्रोत होना चाहिए - चाहे एक प्रभावशाली वसंत हो, ज्यादा मात्रा में बर्फ पिघलना, या बारिश हो।आत्मिक रूप से आपका स्रोत, यीशु मसीह के पास आ रहा है और पी रहा है। अगर यह भौतिक जीवन की तरह है, तो इसका मतलब सिर्फ एक बार पीना नहीं है - इसका मतलब बार-बार पीना है। भीतर से बहता हुआ यह जल आत्मा का कार्य है।

जब हम आत्मा से भर जाते हैं तो हमें यह मानने के फंदे में नहीं पड़ना चाहिए कि हम एक जलाशय हैं और स्रोत हम में है। नहीं, हम एक नदी है। आप यीशु मसीह से नियमित रूप से लगातार पीने के द्वारा परिपूर्णता बनाए रखते हैं, वह आपको परिपूर्ण बनाए रखेंगे।

मेनोनाइट चर्च के एक अगुवे मायरन ऑग्सबर्गर ने कहा है कि जब तक आप प्रार्थना करने वाले व्यक्ति नहीं हैं, तब तक आप आत्मा से भरे नहीं रह सकते। यदि आपकी नदी में कोई रुकावट आती है - पाप, उदाहरण के लिए - उसे तुरंत दूर करने का कार्य करें।

इसलिए, अपने स्रोत यीशु मसीह के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें। आपका जीवन एक नदी है, जलाशय नहीं। आप किनारों तक भर सकते हैं।और अतिरिक्त आशीष यह है कि अधिकांश नदियों के अंत में एक समृद्ध फसल होती है।

.....

सितम्बर 26 **दिन - 269**

प्रेम और सुसमाचार दो

******

क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे? धोखा न खाओं, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी, न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न अंधेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। 1 कुरिन्थियों 6:9-10

शांत रहे। समलैंगिक जीवन शैली का अभ्यास करने वाले लोगों की आत्मिकता के बारे में हाल ही में बहुत चर्चा और बहस हुई है। मुझे कुछ व्यक्तिगत अनुभव साझा करने की अनुमति दें।

मैंने अपने पैंसठ साल के मसीही जीवन और सेवकाई में सैकड़ों लोगों के साथ व्यक्तिगत रूप से मिला हूँ। मैं उन लोगों के साथ घनिष्ठ और प्रिय मित्र रहा हूँ जो उस वक्त अनैतिकता, व्यभिचार या समलैंगिक व्यवहार में शामिल थे। इन दोस्तों में से एक, अपने क्षेत्र में एक अनुभवी, ने मेरे साथ दोपहर के भोजन के लिए एक अपॉइंटमेंट ली। आँसुओं के साथ, उसने एक घंटे से अधिक समय तक मेरे साथ साझा किया वह कई पुरुषों के साथ यौन संबंध रखता है। उसने मुझसे बात करने के लिए क्यों कहा? क्योंकि वह जानता था कि मैं उससे प्यार करता हूँ।

मैं अमेरिका के बड़े शहरों में से एक में एक सप्ताह के लिए प्रचार कर रहा था, और पादरी मुझे अपने कर्मचारियों से परिचय करवा रहे थे। उन्होंने अपने सहयोगी पादरी और पत्नी के बारे में बात करते हुए कुछ इस तरह कहा: "जिम, पहले समलैंगिक व्यवहार में शामिल था। लेकिन उसने यीशु मसीह को पाया और वह बदल दिया गया और छुड़ाया गया। आज वह चर्च का एक विधिवत पादरी है।

मैडलिन पहले एक वेश्या थी। वह यीशु मसीह द्वारा रूपांतरित की गई थी। वे अपने विवाहित जीवन में खुश है और यह सेलेस्ट है, उनकी खूबसूरत छोटी बेटी"।

एक अनपेक्षित फोन कॉल में, मोनिका ने मुझे अपनी कहानी सुनाई, जो कुछ इस तरह थी: वर्षों पहले, एक कैंप मीटिंग में, मैंने आपको, लोग, सेक्स और परमेश्वर शीर्षक पर एक उपदेश का प्रचार करते सुना। मेरा समलैंगिक साथी मेरे बगल में बैठी थी। संदेश के अंत में, उसने मेरी ओर मुड़कर कहा, "मुझे लगता है कि मैंने तुम्हारा फायदा उठाया है, और हमें अपने अलग-अलग रास्तों पर जाने की जरूरत है। कुछ समय बाद, मैं एक अद्भुत व्यक्ति से मिली और हमें प्यार हो गया। हम अपने विवाहित जीवन में खुश हैं और अभी-अभी हमने हमारी छब्बीसवीं वर्षगांठ मनाई है। मैंने सोचा कि मुझे आपको फोन करके बताना चाहिए।" वे सभी लोग जिनके मैं करीब था और प्यार करता था - जिनमें से सभी ने यीशु मसीह में आनंदमय जीवन पाया या खोज रहे हैं।

प्रेरित पौलुस द्वारा कुरिन्थियों के कुछ पापों का नाम लेने के बाद, वह आगे कहता है, "और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परंतु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए (अलग किए गए) और धर्मी ठहरे"। (1 कुरिन्थियों 6:11)। उन्हें माफ कर दिया गया, बदल दिया गया और वे चर्च का हिस्सा बन गए।

कोई आश्चर्य नहीं कि मैं कहता हूँ, "प्यार और सुसमाचार दो"।

.....

सितम्बर 27 **दिन - 270**

एक आवश्यक शक्ति स्तर

******

और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने और संगति रखने और रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
प्रेरितों के काम 2:42

वे प्रतिदिन एक मन होकर मंदिर में इकट्ठे होते थे और घर-घर रोटी तोड़ते हुए आनंद और मन की सीधाई से भोजन किया करते थे और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उनसे प्रसन्न थे: और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था।
(प्रेरितों के काम 2:46-47)

वह देखने में संभवत: अमेरिका में सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति था - फ्रांसिस एसबरी, जिसे वेस्ली ने अमेरिका में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए भेजा था।[(139)] 1771 से 1816 तक, एसबरी ने घोड़े और गाड़ी से कस्बों और शहरों की यात्रा की और यीशु के बारे में बताया। वाशिंगटन, जेफरसन, एडम्स और लिंकन के साथ, उनकी पहचान उन 66 अमेरिकियों में से एक के रूप में की गई जिन्हें एक राष्ट्र के रूप में अमेरिका के विकास के लिए आवश्यक माना जाता है। 1813 तक हर आठ में से एक अमेरिकी हर साल मेथोडिस्ट कैंप मीटिंग में भाग ले रहा था।[(140)]

कैंप मीटिंग के रहस्यों में से एक उनके केंद्रित प्रचार और शिक्षण का सप्ताह था, जिसके कारण ऐसे आत्मिक सफलताएं मिली जो आमतौर पर एक आराधना सेवा में नहीं होती थीं। यह प्रेरितों के काम के अवतरण में वर्णित गहनता के समान है - एक साथ केंद्रित बैठक और महान आत्मिक सफलताएं।

डॉ. रिचर्ड टेलर ने कहा कि हर स्तर की उपलब्धि के लिए एक आवश्यक शक्ति स्तर होता है। एक निष्क्रिय जेट की शक्ति, एक बच्चों की कार को आगे धकेलने के लिए पर्याप्त होती है, लेकिन एक विशाल विमान को उसकी जगह से हिलाने के लिए पर्याप्त नहीं।

कई चर्च पूरे साल अपने इंजन को चालू रखते हैं और उनके पास कुछ मात्रा में शक्ति होती है लेकिन उन चीजों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होती है जिन्हें पूरा करने की सख्त जरूरत है। कुछ मसीही विश्वासी केवल तभी पवित्र किए जाएंगे जब वे निरंतर, संचयी आत्मिक बल के संपर्क में होंगे।

कई किशोर हर रविवार को अपने नियमित चर्च में शामिल होते हैं, लेकिन जब वे एक सप्ताह के लिए टीन कैंप (किशोर शिविर) के लिए जाते हैं, तो वे रूपांतरित होकर वापस आते हैं। रिट्रीट, कैंप मीटिंग और रिवाइवल, एकाग्र आराधना की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

मैं फ्लोरिटा मेथोडिस्ट रिवाइवल का हिस्सा था, मैंने इस एकाग्रता शिविर के परिणाम देखें। सैटरडे विटनेस सेमिनार में छियासी लोगों ने भाग लिया। चर्च सेवाओं में रविवार से बुधवार तक कुल 1,221 उपस्थिति दर्ज की गई और 112 लोगों ने वेदी पर परमेश्वर की तलाश की। यहाँ पादरी की रिपोर्ट दी गई है:

2006 का यह वर्ष हमारे व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार का वर्षा होगा। डॉ. शेवर ने शक्तिशाली उपदेशों का प्रचार किया है, अविश्वसनीय अंतर्दृष्टि दी है, हमें उद्धार के आश्वासन के साथ, यीशु मसीह के सच्चे ज्ञान को स्पष्ट रूप से लाने के लिए "सर्वश्रेष्ठ दृष्टिकोण" सिखाया है।

हम सभी को उनके व्यक्तिगत विश्वास को सुनिश्चित करने के लिए डॉ. शेवर के "बेसिक बाइबिल स्टडीज़" में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम अभी इस अध्ययन गाइड का उपयोग करने के लिए अपनी नई होम फेलोशिप के माध्यम से योजनाएं विकसित कर रहे हैं, साथ ही अन्य सामग्रियों का भी जिन्हें डॉ. शेवर ने हमारे साथ साझा की है। यह वास्तव में नई शुरुआत का दिन है। हो सकता है कि इस रिवाइवल के लिए खुलापन कई अन्य मेथाडिस्टों को अपनी वेस्लीयन जड़ो की ओर लौटने के लिए प्रोत्साहित करेगा। एक अध्ययन में, डॉ. शेवर ने अपने सेवकों को जॉन वेस्ली के संदेश को उद्धृत किया है: "हमारे पास आत्माओं को बचाने के अलावा और कोई काम नहीं है"। क्या आप बच गए हैं? क्या आप इसे निश्चित रूप से जानते हैं? यह जानकर कितनी खुशी हुई कि आप जानते हैं कि आप परमेश्वर की संतान हैं।[141]

उन कार्यक्रमों की तलाश करें जो आत्मिक एकाग्रता प्रदान करती हैं जो आपकी व्यक्तिगत जीत की ओर ले जाती है, जिसमें आपका संपूर्ण पवित्रीकरण भी शामिल है।

---

139. डेरियस सॉल्टर, अमेरिकाज बिशप: द लाइफ ऑफ फ्रांसिस एसबरी (नैप्पेंस एसबेरी प्रेस, 2003), 294

140. डेरियस सॉल्टर, अमेरिकाज बिशप, 9

141. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2006) में प्रकाशित हुआ है।

.....

सितम्बर 28 **दिन - 271**

उसे थोड़ी जगह दो

******

पर आत्मा का फल प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम है, ऐसे-ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।गलातियों 5:22-23

प्रेम धीरजवंत है और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। 1 कुरिन्थियों 13:4

समय पर! ओह हाँ, मैं समय पर काम पर पहुँच जाऊंगा। मुझे पच्चीस -मील-प्रति घंटे की गति सीमा से संकरी रिहायशी गलियों में ड्राइव करना पड़ा और जिससे मैं दूसरी कार से आगे शायद ही निकल पाता। मेरे सामने वाली कार की गति धीमी होने लगी - बीस, पंद्रह, दस, फिर पाँच मील प्रति घंटे। गाड़ी चला रहा आदमी बगल की सीट की खिड़की से लगातार बाहर झाँक रहा था। वह क्या ढूंढ रहा था? अंत में, वह गली के अंत में बिना कोई सिग्नल दिये सड़क पर रुक गया। अन्य सभी ड्राइवरों से बेखबर, उसने आखिरकार वह पाया जो घर ढूंढ रहा था - एक गैरेज सेल।

पिछले कुछ समय से मैं आत्मा से भरे जीवन का आनंद ले रहा था। मुझे गलत मत समझो। मेरे पास मेरी अपनी चुनौतियाँ थी। लेकिन मैंने अपनी अधीरता की प्रवृत्ति को अपनी सबसे बड़ी कमजोरियों में से एक माना। मैं परमेश्वर के लिए एक मिशन पर था और मुझे बहुत कुछ करना था - कोई बाधा नहीं, कृपया।

मैंने अपनी कार को गैरेज-सेल ढूंढने वाले आदमी के कार के पीछे रोका। इसके अलावा मैं और क्या कर सकता हूँ? मैं उस पर चिल्लाया नहीं; मैंने अपना हार्न नहीं बजाया और किसी कारण से, मेरे अधीरता भी, अभी तक प्रकट नहीं हुई थी।

तभी मैंने वह आवाज सुनी: "उसे थोड़ी जगह दो।"

हाँ, बस इतना ही: 'उसे थोड़ी जगह दो।' यह ऐसा था जैसे उन शब्दों ने मेरे लिये एक नया अध्याय खोल दिया हों। जो कुछ भी मेरा मिशन हो, मैं जीवन भर उन लोगों से मिलूंगा और उनसे बात करूंगा जो अपने स्वयं के हितों, चुनौतियों, परवाह, आशाओं और बोझ के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। परमेश्वर की आत्मा और प्रेम दोनों ही मुझसे कहते हैं कि उन्हें एक जगह दे दो।

उस दिन सुनी उस आवाज को सुने हुए कई साल हो गए। दूसरे ड्राइवर ने आखिरकार किनारे पर गाड़ी रोकी; मुझे जाने दिया और मैं समय पर काम पर पहुँच गया। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने उस दिन आत्मा से एक सबक सीखा। वर्षों में कम से कम सौ बार, परेशानियों और बाधाओं के तहत, वे शब्द मेरे पास वापस आ गए हैं। और सौ बार, मैं "उसे थोड़ी जगह देने में" सक्षम हुआ हूँ। मैं कितना आभारी हूँ कि पवित्र आत्मा जो पवित्रीकरण पर हमारे दिलों में पूरी तरह से बस जाती है, हमें अधिक मसीह समान बनाने के लिए हमसे बात करती है और निर्देशन करती है और बढ़ाती है - उन क्षेत्रों में भी जिनमें हम कमजोर हैं।

उसे थोड़ी जगह दें।

.....

सितम्बर 29 **दिन - 272**

आत्मा की अगुवाई में रॉब और बारबरा

******

इसलिये, हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें।प्रेरितों के काम 6:3

यह बात सारी मंडली को अच्छी लगी, और उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और फिलिप्पुस और प्रखुरूस और निकानोर, और तीमोन और परमिनास और अंताकियावासी नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया।प्रेरितों के काम 6:5

तब आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले"।प्रेरितों के काम 8:29

इसकी शुरुआत एक पार्टी से हुई - संडे स्कूल कक्षा द्वारा प्रायोजित चिली व्यंजन बनाने की एक प्रतियोगिता। लेनी ने अपने रिश्तेदारों रॉब और बारबरा को इसमें आमंत्रित किया। वहाँ रॉब और बारबरा ने भोजन, संगति और आनंद का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि वह धमाकेदार था।

बारबरा की पृष्ठभूमि कैथोलिक और रॉब की प्रोटेस्टेंट थी, लेकिन वे कहीं भी चर्च नहीं जा रहे थे। वे कह रहे थे कि उन्हें एक चर्च खोजने की जरूरत है। चिली बनाने की प्रतियोगिता के बाद, एक फॉलो-अप फोन कॉल ने उन्हें संडे स्कूल और आराधना के लिए आमंत्रित किया। और वे आए।

रॉब और बारबरा की शादी को तीन साल हो चुके थे।पिछली शादियों से उनकी चार बेटियाँ थी और रॉब एक प्लंबिंग सप्लाई स्टोर का मैनेजर था और बारबरा बार्टन काउंटी कम्युनिटी कॉलेज में संस्थागत शोध के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर थी।

हालांकि उन्होंने शुरू में सोचा था कि वयस्क संडे स्कूल बेकार था पर वे मित्रता और फॉलो-अप स्वागत कार्ड से प्रभावित थे। उन्होंने देखा कि आराधना सेवा आरामदायक थी। और इसलिए वे नियमित रूप से भाग लेने लगे। आखिरकार, कक्षा के कुछ लोगों ने जिन्होंने रॉब और बारबरा के साथ रिश्ते बनाए थे उनसे पूछा कि क्या वे उनसे मिल सकते हैं, उन्हें बेहतर तरीके से जान सकते हैं, और चर्च के विश्वास को साझा कर सकते हैं। रॉब और बारबरा इसके लिए तैयार थे।

फरवरी में एक दिन, आत्मा द्वारा दरवाजे खुलने पर, चर्च के दोस्तों ने रॉब और बारबरा के साथ सुसमाचार साझा किया और उन्हें अपने जीवन में मसीह को प्राप्त करने के लिये चुनौती दी। उस रात, उन्होंने किया।

रॉब ने परिवर्तन का वर्णन करते हुए कहा, "मुझे हमेशा से जितना सिखाया गया था - बेसबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल। मैं लगभग अपने परिवार के ग्यारह बच्चों का प्रधान था। मैं एक मंच पर खड़ा था। इसमें बहुत दबाव था और मुझे यह पसंद नहीं था। जब मैंने प्रार्थना की तो मुझे भावनात्मक मुक्ति महसूस हुई"।

"उसके कंधे उठ गए", बारबरा ने पुष्टि की। "उसमें से बोझ हट गया। वह तब से अलग है"।

रॉब ने बात जारी रखा, "अब मैं प्रार्थना कर सकता हूँ। इसका कुछ अर्थ है - मैंने यीशु के साथ बातचीत की है। मेरा जीवन बदल गया है। काम पर लोगों ने महसूस किया कि मैं बदल गया हूँ"।

बारबरा ने सुसमाचार के प्रति अपनी आत्मिक प्रतिक्रिया का वर्णन इस प्रकार किया: "मैं पहले तो ज्यादा नहीं बदली। मैं थोड़ा डर गई थी। फिर, जब मैंने रॉब को देखा, मैं बढ़ने लगी। पहले, मैंने सोचा कि मैं अच्छी थी; फिर मैंने जाना कि मैं उतनी अच्छी नहीं थी जितना मैंने सोचा था। मैं छिप रही थी। अब मैं, केवल सतही रूप से कार्य नहीं कर रही थी। जैसा कि हम 'बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स' का अध्ययन कर रहे हैं, मुझे लगता है कि मैं वचन खा रही हूँ। यह मुझे पोषित करता है। जब रॉब और मैं अपना बाइबिल अध्ययन करते हैं तो, हम एक दूसरे को बेहतर तरीके से जान रहे हैं, और हम करीब हैं। यह मुझे चंगा करने में मदद कर रहा है। यीशु अब सामने और केंद्र में हैं। उन्हें मेरे जहाज को चलाना है।"

इस तरह के रूपांतरण कैसे होते हैं? प्रेरितों के काम में, अयाजकीय व्यक्ति फिलिप्पुस आत्मा से परिपूर्ण और आत्मा की अगुवाई में था। जब आत्मा उसे रथ तक ले गई, वह कूशियों को मसीह तक ले आया। यीशु अपने अनुयायियों से वादा किया था कि जब वे पवित्र आत्मा से भर जाएंगे तो वे सामर्थ पाएंगे और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह होंगे (प्रेरितों के काम 1:8)।

दो हजार से अधिक वर्षों के बाद, वे लोग जिन्होंने उस फरवरी के दिन रॉब और बारबरा से बात की थी, वे भी पवित्र आत्मा से भरे हुए और उसके अगुवाई में थे। आप भी पवित्र आत्मा से भरे और आत्मा के अगुवाई में हो सकते हैं। याद रखें, उस अगुवाई के अंत में वहाँ एक और रॉब और बारबरा होंगे।

.....

सितम्बर 30 **दिन - 273**

प्रेम, सत्य और शांति

******

जो जो काम तुम्हें करना चाहिए, वे ये हैं :एक दूसरे के साथ सत्य बोला करना, अपनी कचहरियों में सच्चाई का और मेलमिलाप की नीति का न्याय करना। जकर्याह 8:16

क्या आप सत्य के अन्वेषक हैं? क्या आप यह सवाल पूछते हैं, "क्या मैंने आज झूठ बोला"? यदि आपने बोला तो क्या आप इसे स्वीकार करने के लिए पर्याप्त मजबूत हैं? झूठ बोलने वाले लोग कायर होते हैं। मैं यह जानता हूँ क्योंकि मैं इनमें से एक हुआ करता था।

लोगों को मुझे प्रसन्न करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन अस्वीकृति इतनी दर्दनाक थी कि मैं इससे बचने के लिए खुद से झूठ बोलने को तैयार था। मुझे पता चला कि जब मैंने खुद से झूठ बोला, तो सच बोलना असंभव था। मैं अपना सबसे बड़ा दुश्मन था। तब मैंने अपने निजी जीवन में वास्तविक होने, चंगा होने और परमेश्वर की शक्ति का दावा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान पाया। सत्य सभी परिवर्तन के लिए आवश्यक है - उद्धार, चंगाई और विकास के लिए।

शर्म, सच्चाई के लिए बड़ा अवरोध है। कुछ रहस्य जो अंदर दबे होते हैं हमें नुकसान पहुँचाते हैं और हमारी ऊर्जा को खत्म कर देते हैं। बस एक बार, अपने रहस्य को साझा करने के लिए, एक सुरक्षित व्यक्ति खोजें और अपनी स्वतंत्रता के रास्ते पर हो लें।

जब तक मैं, दरवाजा नहीं खोल देता, तब तक सच्चाई मेरी वास्तविकता पर निरंतर खटखटाती रहती। क्या मैं मार्गदर्शन को तब तक अस्वीकार करता हूँ जब तक कि वह मेरे द्वारा स्वीकृत रूप में नहीं आता? जब मैं झुकता हूँ और समर्पण करता हूँ, जब मैं परमेश्वर के लिए जोखिम लेता हूँ, तो मुझे हमेशा शांति और प्रेम मिलता है। भले ही, मैं अपने चेहरे के बल गिर जाऊँ।

सबसे अधिक यीशु मुझसे कहते है कि अपने परमेश्वर प्रभु से अपने सारे मन और सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख। क्या मैं बिना सच बोले ऐसा कर सकता हूँ?

नैन्सी शेवर [142]

---

142. पहले यह 'कम ये अपार्ट' सितम्बर-अक्टूबर-नवम्बर 2001 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 80 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है। (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)

.....

अक्टूबर 1 **दिन - 274**

हे यहोवा, हर सुबह

******

हे यहोवा, भोर को मेरे वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा। भजन 5:3

जब तक मैं पहले प्रभु का सामना ना कर लेता, मैं लोगों या समस्याओं का सामना करने के लिए अपने कमरे से बाहर नहीं निकलता था। जिस कॉलेज के माहौल में मैं रहता था वह इतना चुनौतीपूर्ण था।

अपनी मसीही यात्रा के आरंभ में, मैंने एक दैनिक भक्तिपूर्ण जीवन विकसित किया। चूँकि हम आत्मा में एक निरंतरता का जीवन जीने के बारे में पढ़ते हैं, इसलिए एक ऐसे भक्ति अभ्यास के लिए एक स्वरचना तैयार करना जो उस जीवन का समर्थन करें, उचित प्रतीत हुआ।

मैं एक पैटर्न साझा करता हूँ जो मेरे लिए कारगर रहा है। प्रभु के साथ अपना खुद का विशेष समय विकसित करने में जो कुछ भी आपकी मदद करें, उसे ले लें:

- मैंने हर दिन के लिए एक विशिष्ट समय चुना। मेरे लिए, वह सुबह का समय था। यदि आप सुबह जल्दी उठने वाले व्यक्ति नहीं है, तो दिन में एक ऐसा समय चुनें जब आप परमेश्वर को एक सचेत मन दे सकें। उन्हें अपनी ऊर्जा का बचा-खुचा समय न दें।
- मैं एक कप कॉफी लेता हूँ, अपने पसंदीदा कुर्सी के पास जाता हूँ और कुछ समय तक इस विचार के साथ बैठता हूँ: प्रभु, आज आप मुझे क्या कहना चाहते हैं? कभी-कभी वह मुझसे एक स्पष्ट शब्द कहते हैं, अधिक समय मुझे बस यह अहसास होता है कि हमारे बीच खुलापन है।
- मैं एक दैनिक भक्तिमय पुस्तक का एक पृष्ठ पढ़ता हूँ, तारीख के अनुसार मैंने जिन पुस्तकों का उपयोग किया है उनमें ओसवाल्ड चेंबर्स की माय अटमोस्ट फॉर हिज हाईएस्ट; सैमुएल लोगन ब्रैंगल की टेक टाइम टू बी होली; डेनिस किन लॉ की दिस डे विद द मास्टर; और लेटि काओमन की स्ट्रीम्स इन द डेजर्ट शामिल हैं।
- मैं द वन ईयर बाइबिल से पढ़ता हूँ, जिसमें दो पुराने नियम के अध्याय, एक भजनसंहिता, नीतिवचन के तीन वचन और हर दिन के लिए एक नया नियम का अवतरण शामिल है। रोजाना पढ़ने से मैं एक साल में पूरी बाइबिल पढ़ लेता हूँ। पढ़ने के दौरान में प्रमुख वचनों को हायलाइटर से चिन्हित कर देता हूँ।
- मैं एक सस्ते स्पाइरल नोटबुक में जर्नलिंग करता हूँ। अपनी जर्नलिंग में, मैं उस प्रमुख वचन को लिखता हूँ जो मैंने अभी-अभी पढ़ा है, फिर प्रभु के साथ बातचीत, डायरी प्रवेष्टियाँ, और दिन की योजनाओं का एक मिश्रण लिखता हूँ।
- फिर मैं अपने पसंदीदा प्रार्थना कक्षा में जाता हूँ - मेरे बेसमेंट में एक बड़ा कार्यालय है। मैं अपने सामने एक विस्तृत प्रार्थना सूची रखता हूँ और प्रेरणा या अलौकिक अगुवाई को नोट करने के लिए हाथ में कागज और एक पेन रखता हूँ। मैं फर्श पर चहलकदमी करते हुए प्रार्थना करता हूँ क्योंकि मैं घुटनों पर आने से ज्यादा

चहलकदमी करते हुए सतर्क रहता हूँ। इस समय के दौरान, मैं प्रभु के साथ वास्तविक संवाद का अनुभव करता हूँ और उन्हें बहुत महिमा देता हूँ।

एक बार जब मैं अपने भक्तिमय समय में सुस्त पड़ने पर मजबूर हुआ था, तो प्रभु ने मुझे याद दिलाया कि, चूँकि वह मेरे लिए पृथ्वी पर आये थे और मारे गए थे, उनके लिए यह बहुत मायने रखता था कि मैं उनके साथ प्रतिदिन समय बिताऊँ। सात से अधिक वर्षों से, मैं ईमानदारी से उनसे सुबह मिलता आ रहा हूँ, और बहुत कम बार हुआ है जब मैं इस मुलाकात से चुका हूँ।

प्रभु के साथ अपने नियमित भक्तिमय समय के बारे में निर्णय लें - इसका फल अद्भुत होता है।

.....

अक्टूबर 2 **दिन - 275**

प्रेममय पादरीगण

******

कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए; पर वचन और चाल चलन, और प्रेम, और विश्वास और पवित्रता में विश्वासियों के लिए आदर्श बन जा। 1 तीमुथियुस 4:12

सह-पादरीगण बेन और केली युवा थे जब उन्होंने अपने मैरीलैंड चर्च में पास्टोरिंग करना शुरू किया। अब उन्होंने अपनी जीवंत, आनंदमय कलीसिया में इकत्तीस वर्षों से अधिक निवेश किया है। एक हफ्ते के रिवाइवल सभाओं के लिए मैं उनके घर में एक अतिथि था, और वे ईश्वरीय और मसीह समान प्रेम के ऐसे उदाहरण थे कि मेरी आत्मा की उन्नति हुई। जहाँ कुछ पादरियों की असफलताओं के बारे में चर्चा हो रही है वही मैं उन बड़ी संख्या में प्रेममय पादरियों से प्रभावित हूँ जिनसे मैं लगभग एक हजार रिवाइवल की सभाओं में मिला था। एक हफ्ते में, बेन और केली में मैंने जो देखा वह यह है:

- उन्होंने रिवाइवल सप्ताह के लिए अपने चर्च को पूरी तरह से तैयार किया।
- उन्होंने मुझे अपने खुद के बाथरूम के साथ एक आरामदायक कमरे में रखा।
- बेन मेरे भारी सामान को मेरे कमरे तक उठाकर लाया।
- केली ने मुझे स्वादिष्ट खाना खिलाया।
- बेन ने एकल माता-पिता के घरों के किशोर लड़कों के समूह के साथ बास्केटबॉल खेलकर उनके साथ संबंध बनाया। वह उनके लिए पिता-तुल्य था।
- एक दिन केली ने बास्केटबॉल खेलने वाले उन लड़कों को खाने पर बुलाया था और वे सभी उस रात चर्च में थे।
- बेन ने एक लकड़ी काटने का व्यवसाय शुरू किया था और बास्केटबॉल खेलने वाले उन लड़कों को काम पर रखा ताकि उन्हें एक कार्य नीति विकसित करने और आय अर्जित करने में मदद मिल सके।
- हर रात, प्रत्येक सेवा के अंत में बेन और केली वेदी पर आने के लिए प्रार्थना और उनकी सम्मती करते जो परमेश्वर को ढूंढ रहे थे।
- जिस दिन मैं अपने अगले कार्य की ओर 1,100 मील ड्राइव करने के लिए निकला, बेन और केली सुबह 5:00 बजे उठे ताकि मेरी कार में सामान रखने में मेरी मदद कर सकें और मेरे साथ प्रार्थना कर सकें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए मैं सुरक्षित घर पहुँच गया, वे मुझे फोन और मैसेज भेजकर चेक करते रहे।
- जब मैंने पीछे मुड़कर उस हफ्ते को देखा, तो मुझे बहुत अद्भुत प्रेम महसूस हुआ। हाँ, दुनिया में कई प्रेममय पादरीगण हैं।

.....

अक्टूबर 3 **दिन - 276**

निश्चित - सर्व शक्तिमान

******

और यीशु मसीह की ओर से जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है। प्रकाशितवाक्य 1:5

रोमन साम्राज्य ने मसीह के चर्चों के चारों और अपना शक्तिशाली शिकंजा फैला हुआ था, और प्रकाशितवाक्य 1 हमारे लिए एक प्रभावशाली दृश्य चित्रित करता है। इस अध्याय में, यूहन्ना और अन्य चिंतित शिष्यों को एक सिंहासन से एक सामर्थ्यपूर्ण वचन प्राप्त होता है - लेकिन यह मसीह का सिंहासन था, कैसर का नहीं (1:4) मसीह "पृथ्वी के राजाओं का हाकीम है" (1:5)।

जीवन में हम जिन भी अनिश्चितताओं का सामना करें, हम मसीह में इसके बारे में निश्चित हो सकते हैं: हमारे सभी पिछले पापों को क्षमा कर दिया है (1:5); हमारा वर्तमान कार्य "राज्य और याजकों" के रूप में परमेश्वर की सेवा करना है (1:6); हमारा भविष्य उसका स्वागत करना है जब वह बादलों में आएगा (1:7)।

अपने सेवकों को विजय के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, यूहन्ना उन्हें "अनुग्रह और शांति" भेजता है (1:4)। इसलिए, जब कंपनी बोनस अपेक्षा से बहुत कम हो और छुट्टियों की योजनाएं रद्द करनी पड़े; जब वह व्यक्ति जिस पर हमने सोचा था कि भरोसा कर सकते हैं, पीछे हट जाए: जब कोई चक्रवात या भूकंप या बवंडर जमीन से टकराए और लोग मर जाएं - यह समय होता है जब हमें किसी की जरूरत होती है। अभी भी एक व्यक्ति है जिसका निर्णय आखिरी होगा, जो अभी आने वाला है, जिसके पास हमारे दिन के लिए सामर्थ्य है।

यूहन्ना, पीड़ित लेकिन दृढ़, ने संदेश प्राप्त किया जब वह "पतमुस टापू पर था" (1:9)

जैसा कि एक प्रचारक ने कहा था, "यूहन्ना पतमुस पर था; पतमुस उस पर नहीं"।

सैमुएल और ग्लेडीस हीप, दक्षिण और मध्य अमेरिका के धर्मी, निर्देशित मिशनरी थे। उनकी बेरोजगारी के दौरान मैं उनकी गली के उस पार रहता था। कई वर्ष बीत गए, और उन्हें स्वास्थ्य, समस्याओं का अनुभव होने लगा। मैंने एक दिन श्रीमती हीप को फोन किया और पूछा, "बहन हीप, आप इन परिस्थितियों में कैसी हैं?"

उन्होंने जल्दी से और जोशपूर्वक जवाब दिया, "ओह, भाई शेवर, मैं परिस्थिति के अंतर्गत नहीं, मैं तो उसके शीर्ष पर हूँ"।

जीत का क्या ही असाधारण स्तर है। यह इसलिए क्योंकि वह "अल्फा और ओमेगा.... जों है, और जो था, और जो आने वाला है, सर्वशक्तिमान (1:8) को जानती थी।[143]

---

143. पहले यह 'स्टैंडर्ड' अगस्त 2009 कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 4 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया।

.....

अक्टूबर 4 **दिन - 277**

वह योग्य है

******

इस पर उन प्राचीनों में से एक ने मुझसे कहा, "मत रो; देख, यहूदा के गोत्र का वह सिंह जो दाऊद का मूल है, उस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मुहरें तोड़ने के लिए जयवंत हुआ है।
प्रकाशितवाक्य 4:5

कुछ समय पहले, नैन्सी और मैं अपनी अंतिम वसीयत और वसीयतनामा तैयार करने के लिए एक वकील के पास गए। वसीयत के पन्नों के भीतर हमारी सारी सांसारिक संपत्ति को व्यवस्थित करने की योजना है ताकि कोई परेशानी न हो। वसीयत की मूल प्रति एक स्थानीय बैंक के एक लॉकर में रखी हुई है, और केवल एक ही व्यक्ति उसे खोलने के योग्य है। नामित प्रबंधक लॉकर को खोलने के लिए छिपी हुई कुंजी का उपयोग करेगा, वसीयत खोलेगा और हमारी इच्छाओं को पूरी करेगा।

प्रकाशितवाक्य 5 एक समान दस्तावेज के बारे में बताता है - एक सात मुहरों द्वारा बंद पुस्तक। वह एक वादे का दस्तावेज है, एक वाचा है, और यूहन्ना रोता है क्योंकि कोई भी उसे खोलने के योग्य नहीं।

अचानक, स्वर्ग कहता है: "यहूदा के गोत्र का सिंह..... पुस्तक और उसकी सात मुहरों को खोलने योग्य है" (5:5)। यह उसके राज्य के आगमन की ओर ले जाता है।

चार प्राणियों, चौबीस प्राचीनों, हजारों स्वर्गदूत और हर प्राणी उसकी स्तुति करने योग्य हैं। वह योग्य है क्योंकि....

- उसने सब कुछ दे दिया: "अपना लहू बहाकर" (5:9)
- वह सब लोगों तक पहुँचा: "प्रत्येक कुल और भाषा और जाति और रिश्ते" (5:9)
- उसने सबको बनाया: "राज्य और याजक, परमेश्वर की सेवा करने के लिये" (5:10)
- वह हमें सब पर राज्य करने के लिए ठहराएगा: "वे पृथ्वी पर राज्य करेंगे" (5:10)

मेमना योग्य है क्योंकि उसने परमेश्वर के लिए लोगों को अपने लहू से खरीद लिया।

जैसे ही मैंने यह लिखा, मुझे अभी जैनल का फोन आया, जो हमारे चर्च में एक युवा वयस्क के रूप में आयी थी। हमारे चर्च के कई लोग उसके पास गये और उसके साथ मसीह को साझा किया और उसने उद्धारकर्ता को अपनाया। उसने मुझसे कहा, "वह (मसीह) मुझे उनके साथ एक संबंध में वापस ले आये। अब मेरा जीवन अलग है।"

हाँ, हमें परमेश्वर की स्तुति करने वालों में से होना चाहिए, क्योंकि जो मुहरबंद पुस्तक खोलने के योग्य है, वह हमारे व्यक्तिगत जीवन की जरूरतों को पूरा करने में भी योग्य है। और वह सभी शहरों के लोगों तक पहुँच रहा है: "प्रत्येक कुल और भाषा और जाति और रिश्ते"। [144]

144. पहले यह "स्टैंडर्ड अगस्त 2009 (कैनसस सिटी, एमओ वर्ल्ड एक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 4 में प्रकाशित हुआ। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है

.....

अक्टूबर 5 **दिन - 278**

वास्तव में न्यायपूर्ण

******

मनुष्य बड़ी तपन से झुलस गए, और परमेश्वर के नाम की जिसे इन विपत्तियों पर अधिकार है, निंदा की पर उसकी महिमा करने के लिए मन न फिराया। प्रकाशितवाक्य 16:9

प्रकाशितवाक्य 16 पाप के भयानक परिणामों को चित्रित करता है। परमेश्वर के नियम हम सभी के लिए समान हैं, और अवज्ञा के भयानक परिणाम होते हैं। इस अध्याय में, इन परिणामों को परमेश्वर के क्रोध के साथ विपत्तियों द्वारा दर्शाया गया है।

कुछ लोग सोचते हैं कि परमेश्वर लोगों को नरक में भेजते हैं। सच यह है कि परमेश्वर हमें हमेशा के लिए खो जाने देने से रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन अगर हम जिद करें तो वह हमें वहाँ जाने की इजाजत दे देते हैं – यह हमारा चुनाव होता है।

मेरे लिए, जो व्यक्ति नरक में जाने का चुनाव करता है, वह एक क्रोधित युवक की तरह है, जो अपने दोस्तों के घर में घुसकर, छठी मंजिल की खिड़की के बाहर कूदकर मरने की धमकी देता है। उसका पहला दोस्त विनती करता है, "ऐसा मत करो।" वह उसके पीछे जाता है।

एक दूसरा दोस्त हाथ फैलाये हुए, उसे आश्वासन देता है कि वह उसकी समस्याओं को हल करने में उसकी मदद करेगा - बस वह केवल उससे बात करें - युवक खिड़की की ओर बढ़ता है।

"एक तीसरा दोस्त उसे शारीरिक रूप से रोकने की कोशिश करता है, लेकिन युवक उसे एक तरफ धकेल देता है पर छलांग लगा देता है।

नीचे गिरते हुए, वह चिल्लाता है, "किसी ने मेरी मदद क्यों नहीं की? तुमने मुझे रोका क्यों नहीं? मुझे ना बचाने के लिए मैं तुमसे नाराज हूँ!" यह वह व्यक्ति है जिसने परमेश्वर के वचन; पिता की पुकार; मसीह का लहू; आत्मा का निवेदन; दोस्तों की गवाही; सुसमाचार का प्रचार; मसीहीयों का प्यार; चर्च की आराधना को पीछे छोड़ दिया। यह व्यक्ति 9 और 11 में वर्णित लोगों की तरह है; "उन्होंने पश्चाताप करने से इंकार कर दिया।"

फिर भी, हमें कभी भी किसी के उद्धार की आशा नहीं छोड़नी चाहिए या उनके लिए प्रार्थना करना बंद नहीं करना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक दिन एरन वेदी पर घुटने टेक कर रोया और प्रार्थना की। मैंने पूछा वह क्यों टूटा हुआ है, और उसने जवाब दिया, "मैंने अपने पिता के लिए आशा छोड़ दी थी। लेकिन परमेश्वर ने मुझे दोषी ठहराया। मैं फिर से उनके लिए बोझ को महसूस करता हूँ। जॉर्ज म्यूलर, एक आदमी जो अपने प्रार्थना जीवन के लिए जाना जाता है, ने अठतालीस साल तक दो दोस्तों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। म्यूलर की मृत्यु के बाद वे दोनों बचाए गए।

हमें हार नहीं माननी चाहिए। परमेश्वर नहीं चाहते कि "कोई भी नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।"[145] (2 पतरस 3:9)

---

145. पहले यह 'स्टैंडर्ड' अगस्त 2009 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 4 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है।

अक्टूबर 6 **दिन - 279**

यीशु जीत जाते हैं

******

देख, मैं शीघ्र आने वाला हूँ। धन्य है वह जो इस पुस्तक की भविष्यवाणी की बातें मानता है।
प्रकाशितवाक्य 22:7

मेरी पत्नी, नैन्सी के लिए एक कठिन वर्ष था। उसने इसे डायरी में लिखा: यदि मुझे इस वर्ष को एक शीर्षक देना होता, तो मैं इसे "तूफानों का वर्ष" कहती।

दुश्मन चीर-फाड़ करने आया, और यीशु हमें फिर से सी देने आए... परमेश्वर को मत बताओ कि तुम्हारा तूफान कितना बड़ा है, तूफान को बताओ कि तुम्हारा परमेश्वर कितना बड़ा है।

और अंत में, वह जीत गई।

प्रकाशितवाक्य 22 में, हमारे पास आशा के संदेश की पुनः पुष्टि है जो पूरी पुस्तक में प्रतिध्वनित होती है। इस अध्याय में तीन बार, यीशु दोहराते हैं, "मैं शीघ्र आने वाला हूँ" (22:7,12,20)। उन सभी को जो प्रलोभन, परीक्षाओं और क्लेश से गुजर रहे हैं - पकड़े रहो! प्रकाशितवाक्य पुस्तक उन लोगों के लिए जो कठिन समय से गुजर रहे हैं।

यह समापन अध्याय हमें स्वर्ग की आशा भी देता है। यीशु हमें आश्वासन देता है कि वे सब "जो अपने वस्त्रों को धो लेते हैं" मसीह के लहू में "उन्हें जीवन के वृक्ष के पास आने का अधिकार मिलेगा" (22:14) उस स्थान पर किसी पाप की अनुमति नहीं होगी। वह केवल उनके लिए होगा जिनका चरित्र और आचरण यीशु द्वारा बदल दिया गया होगा।

फिर एक आश्चर्यजनक बात होती है! यह दृढ़ता से कहने के बाद कि स्वर्ग में पाप की अनुमति नहीं होगी (22:15), प्रेममय परमेश्वर, अनुग्रहकारी मसीह, एक और निमंत्रण देते हैं: "जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।" (22:17)

पुस्तक के अंत तक, बाइबिल के अंत तक, दुनिया के अंत तक जैसा कि हम जानते हैं, मसीह अभी भी सभी से उद्धार प्राप्त करने की याचना कर रहे हैं।

प्रकाशितवाक्य के संदेश का सार एक ऐसे युवक की कहानी में है जिसने पुस्तक का अध्ययन पूरा कर लिया था और उसे पूरा यकीन था कि वह सब जानता है। एक शाम जब वह कक्षा में दाखिल हुआ, उसने एक बूढ़े व्यक्ति को प्रकाशितवाक्य पढ़ते हुए देखा। सिखाने के लिए तैयार, उसने कहा, "क्या आपको समझ आ रहा है"? उस व्यक्ति ने जवाब दिया, "हाँ! यीशु जीत जाते हैं।"

बस यही बात है! यीशु जीत जाते हैं! उनके साथ, हम भी जीत पाएंगे।[146]

---

146. पहले यह 'स्टैंडर्ड' अगस्त 2009 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्ल्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 4 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया है।

.....

अक्टूबर 7 **दिन - 280**

इसके विपरीत आत्मा से परिपूर्ण हो जाओ

******

इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो कि प्रभु की इच्छा क्या है। दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ। इफिसियों 5:17-18

वह परिवार के सदस्यों के साथ छुट्टी से लौटा और तीन सप्ताह के प्रवास के लिए सीधे शराब पुनर्वास केंद्र चला गया। बाद में, मैंने उससे पूछा कि वह क्यू पीता था।

उसने कहा, "सामाजिक रूप से, मुझे ऐसा लगा कि मैं उनमें फिट नहीं होता। थोड़ी बीयर ने मुझे खोल दिया। लेकिन जैसे मैं एक शाम को एक जगह से दूसरी जगह गया, मैंने शायद बारह बीयर पी ली। मैं जागा जब मेमोरियल डे से घर में शराब पीकर गाड़ी से गया, और अपने ड्राइववे के खंभे से मैं टकरा गया।"

अगले हफ्ते, अपना जन्मदिन मनाने के बाद, उसे घर वापिस गाड़ी से आना याद नहीं रहा, और वह फिर उसी खंभे से टकरा गया।

उसने मसीह को स्वीकार कर लिया था, लेकिन अब अपनी शराब पीने की समस्या को हल करने के बारे में गंभीर था।

वह चौंक गया जब साथी पुनर्वसन रोगी ने उससे पूछा कि क्या वह फिर से उपभोग करने के बारे में सोच रहा है - उसकी पहले से ही उसके ड्रग डीलर के साथ एक मीटिंग थी। लेकिन उसका जवाब था, "मैं एक बार इसमें पड़ चुका हूँ अब और नहीं।"

यह सच है कि यीशु के अनुयायी दाखरस पीते थे। हालांकि, वह आज के दाखरस या अन्य मादक पेय के समान नहीं था। उस समय का अनुपात तीन भाग पानी और एक भाग दाखरस होता था। शराब पानी को साफ करता और पानी शराब को विरल करती है। [147] इसके अलावा, पवित्र शास्त्र नशे के खिलाफ एक मजबूत स्टैंड लेता है। रोमियों 13:3 में: "जैसा दिन को शोभा देता है, वैसा ही हम सीधी चाल चलें, न की लीला-क्रीडा और पियक्कड़पन में" और गलातियों 5:21 पियक्कड़पन के बारे में इसके कथन का अनुसरण करता है, "ऐसे ऐसे काम करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।"

मैं लोगों को सभी शराब से परहेज करने का आग्रह करता हूँ। सामाजिक पियक्कड़ अक्सर दावा करते हैं कि यह कोई समस्या नहीं है - वे केवल एक ही ड्रिंक पिएंगे। लेकिन शराब के पहले प्रभावों में से एक लाभदायक अवरोधों में कमी हो जाना होता है -

जो निश्चित रूप से दूसरा और तीसरा पैग लेना आसान बना देता है। पवित्र शास्त्र हमें दूसरों पर हमारे प्रभाव पर विचार करने के लिए भी आग्रह करता है: "भला तो यह है कि तू न मांस खाए और न दाखरस पीए, न और कुछ ऐसा करे जिससे तेरा भाई ठोकर खाए" (रोमियों 14:21)। जो लोग तनाव को दूर करने के लिए पीते हैं, उनके लिए इफिसियों 5:18 एक बेहतर उत्तर प्रदान करता है: "इसके बजाय आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।"

जब मेरे दोस्त ने पुनर्वास पूरा कर लिया, उसने शराब छोड़ दी। उसने मुझे बताया कि उस फैसले के बाद उसकी चिंता और तनाव कम हो गया है। उसने पंद्रह पौंड वजन कम कर लिया और

शारीरिक रूप से बेहतर महसूस करता है। वह शायद ही कभी फिर से पीने के बारे में सोचता है।कुल मिलाकर, वह दूसरों के साथ मुलाकातों में अधिक रचनात्मक है। एक दोस्त ने ध्यान दिया, "वह अब मुस्कुरा रहा है। वह चिंतामुक्त और खुश है - और अधिक हर्षित।"

अब परहेज के दो साल बाद, वह छुट्टी के उसी स्थान पर वापस आ गया है, जहाँ से वह दो साल पहले पुनर्वासन के लिए चला गया था। उसने कहा कि वह पवित्र आत्मा की निकटता महसूस करता है।

इसे लिखते समय, एक नशे में धुत्त महिला को पास के एक समुद्र तट पर पानी में से खींचकर निकाला गया, मृत।

---

147. रॉबर्ट एच. स्टीन, "वाइन ड्रिंकिंग इन न्यू टेस्टामेंट टाइम्स" क्रिश्चियनिटी टूडे, जून 20, 1975, 9-16।

.....

अक्टूबर 8 **दिन - 281**

क्या आप नरक में विश्वास करते हैं?

******

ऐसा हुआ कि वह कंगाल मर गया, और स्वर्गदूतों ने उसे लेकर अब्राहम की गोद में पहुँचाया। वह धनवान भी मरा और गाड़ा गया और अधोलोक में उसने पीड़ा में पड़े हुए अपनी आँखें उठाई, और दूर से अब्राहम की गोद में लाजर को देखा। तब उसने पुकार कर कहा, "हे पिता अब्राहम, मुझ पर दया करके लाजर को भेज दे ताकि वह अपनी उंगली का सिरा पानी में भिगोकर मेरी जीभ को ठंडी करे क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ। लूका 16:22-24

बहुत से लोग आपको बताएंगे, "मैं नरक में विश्वास नहीं करता।" फिर भी उनमें से कई, क्रोध के क्षण में या किसी कथन पर जोर देने के प्रयास में, नरक का उल्लेख करेंगे। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति, उन्हें जिस तरह संबोधित किया गया है, उससे नाराज हो जाते हैं तो वह यह कहकर जवाब दे देता है, "हु द हेल यू डू यू थिंक यु आर, स्पीकिंग टू मी लाइक दैट?" (तुम अपने आपको क्या समझते हो जो मुझसे इस प्रकार बात कर रहे हो।)

आइए इस बारे में एक पल के लिए सोचें। क्या आप किसी ऐसे स्थान या विचार का आहवान करके किसी कथन पर जोर देने का प्रयास करेंगे जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं? अवचेतन रूप से, क्या यह संभव है कि 'नरक' शब्द का प्रयोग करने वाला व्यक्ति सच में यह मानता है कि वह अस्तित्व में है?

पवित्र शास्त्र नरक के बारे में क्या कहता है, इस पर ध्यान दें:

- लूका ने यीशु को उस स्वार्थी धनी व्यक्ति के बारे में बोलते हुए लिखा है जो नरक में तड़प रहा है (लूका 16:22-24)।
- मत्ती ने यीशु को यह कहते लिखा है, "हे शापित लोगों, मेरे सामने से उस अनंत आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है" (25:41)। अनंत आग के मूल उद्देश्य पर ध्यान दें: "जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है"।
- पतरस लिखता है, "क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेजकर अंधेर कुण्डों में डाल दिया ताकि न्याय के दिन तक बंदी रहे और प्राचीन युग के संसार को भी नहीं छोड़ा वरन् भक्तिहीन संसार पर महा जलप्रलय भेजा, पर धर्म के प्रचारक नूह समेत आठ व्यक्तियों को बचा लिया और सदोम और अमोरा के नगरों को विनाश का ऐसा दंड दिया कि उन्हें भस्म करके राख में मिला दिया ताकि वे आने वाले भक्तिहीन लोगों की शिक्षा के लिये एक दृष्टांत बने और धर्मी लूत को जो अधर्मियों के अशुद्ध चालचलन से बहुत दुःखी था छुटकारा दिया (क्योंकि वह धर्मी उनके बीच में रहते हुए और उनके अधर्म के कामों को देख देखकर और सुन सुनकर, हर दिन अपने सच्चे मन को पीड़ित करता था) तो प्रभु भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दंड की

दशा में रखना भी जानता है (2 पतरस 2:4-9)। धर्मी लोगों को बचाने के लिए परमेश्वर की चिंता पर ध्यान दें।

- प्रकाशितवाक्य में अपने दर्शन में, यूहन्ना ने निम्नलिखित शब्दों को दर्ज किया है: "फिर उसने मुझसे कहा, "ये बातें पूरी हो गई है। मैं अल्फा और ओमेगा, आदि और अंत हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेंटमेंत पिलाऊँगा। जो जय पाए वही इन वस्तुओं का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा और वह मेरा पुत्र होगा। परंतु डरपोकों और अविश्वासियों और घिनौनों और हत्यारों और व्यभिचारियों और टोन्हों और मूर्तिपूजकों और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है" (21:6-8)।

  नरक के बारे में इन सभी मजबूत कथनों के साथ, आइए हम याद करें कि परमेश्वर ने क्यों इस पृथ्वी पर और प्रत्येक हृदय में यीशु मसीह को भेजा:
- लूका 19:10 कहता है, "क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और उनका उद्धार करने आया है"।
- यूहन्ना 3:17-18 कहता है, "परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिए नहीं भेजा कि जगत पर दंड की आज्ञा दें, परंतु इसलिए की जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दंड के आज्ञा नहीं होती, परंतु जो उस पर विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहर चुका;

  इसलिये कि उसने परमेश्वर के इकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।"
- प्रकाशितवाक्य 3:19-20 यीशु के बारे में लिखता है: "इसलिये सरगर्म हो और मन फिरा। देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा और वह मेरे साथ।"

यीशु मसीह आपको और मुझे और हमारे आस-पास के लोगों को यहाँ और उसके बाद नरक में एक टूटे, पाप नियंत्रित जीवन से बचाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। परमेश्वर के प्रेम और यीशु मसीह के बचाने वाली शक्ति के साथ, दूसरों तक पहुँचने का क्या ही अद्भुत कारण है।

.....

अक्टूबर 9 **दिन - 282**

सत्य की कीमत

******

परंतु यदि नहीं, (हमें बचाए) तो हे राजा, तुझे मालूम हो, कि हम लोग तेरे देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दंडवत करेंगे।" दानिय्येल 3:18

मेरे लिए "क्या न करें" के बजाय "क्या करें" का पालन करना अधिक आसान होता है, और यही इन तीन युवकों ने किया। उन्होंने अपने पूरे दिल, आत्मा और मन से जीवित परमेश्वर की आराधना की, ताकि कुछ भी झूठे देवताओं के लिए ना बचे। वे सत्य के प्रति इतने प्रतिबद्ध थे कि चाहे जो भी हो जाए, वे किसी अन्य देवता को अपना विश्वास नहीं देंगे या उनके आगे झुकेंगे और उनकी आराधना करेंगे - और एक ठंडे, बेजान, सोने के बने को तो निश्चित रूप से नहीं। यहाँ तक की मृत्यु की धमकी भी उन्हें नहीं हिला पाई।

वे अपनी रक्षा के लिए किसी मूर्ति की आराधना करने का ढोंग करने को तैयार नहीं थे। उन्होंने कोई आत्म-तरस की भावना व्यक्त नहीं की, ना ही परमेश्वर की याचना करी और कहा कि, "यह उचित नहीं है! देखिए हम कितने वफादार रहे हैं - आप ऐसा कैसे होने दे सकते हैं?" जब चीजें उनके तरीके से नहीं चल रही थी, तब वे भागे नहीं। उन्होंने उस चीज को नियंत्रण करने की कोशिश नहीं की जिस पर उनका कोई बस नहीं था। उन्होंने सिर्फ इस बात पर भरोसा किया कि, जीवन में या मृत्यु में "तेरी इच्छा पूरी हो"।

मैं इन बातों को लिख सकती हूँ क्योंकि मैं भी यही चीजें करने को विवश होती। हो सकता है मैं सुनने में कमजोर हूँ। हो सकता है जब मुझे अपने अगले असाइनमेंट (कार्यभार) के बारे में सच ना जानना हो तो मैं व्यस्त हो जाऊं।

फिर भी, मेरे संघर्षों में, परमेश्वर वहीं है, मेरा मार्गदर्शन करते हुए। वह मेरे लिए साहस के साथ खड़े होने के लिए और यह सीखने के लिए कि मैं यह कर सकती हूँ - मैं उन पर भरोसा कर सकती हूँ, रास्ता खुलते हैं।

क्या आज परमेश्वर आपके कान में सत्य फुसफुसा रहे हैं? क्या आप स्वयं को सुनने और आज्ञा मानने की अनुमति देंगे?

नैन्सी शेवर [148]

---

148. पहले यह 'कम ये अपार्ट' सितम्बर-अक्टूबर-नवम्बर 2001 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 77 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है। (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)

.....

अक्टूबर 10 **दिन - 283**

जेल से एक पत्र

******

और प्रभु में जो भाई है, उन में से अधिकांश मेरे कैद होने के कारण, हियाव बाँध कर परमेश्वर का वचन निधड़क सुनाने का और भी साहस करते हैं। फिलिप्पियों 1:14

प्रचार करने और गवाही देने से प्रेरित पौलुस को क्या मिला? अन्य चीजों के साथ, जेल की सजा। अनुचित रूप से अपराधी ठहराया गया; अनुचित रूप से परखा गया; अनुचित रूप से जेल में डाला गया; अब क़ैद और कड़ी पहरेदारी में - ऐसा लग रहा था कि जीवन इससे अधिक बुरा नहीं हो सकता। कृपया इस पूरी तरह से समर्पित, पूर्ण रूप से पवित्र, पवित्र आत्मा से भरे हुए मसीह के अनुयायी के व्यवहार पर ध्यान दें। वह जेल से उस कलीसिया को पत्र लिखता है जिसे उसने फिलिप्पियों में स्थापित किया गया था:

- "मैं तो यही हार्दिक लालसा और आशा रखता हूँ कि मैं किसी बात में लज्जित न होऊँ, पर जैसे मेरे प्रबल साहस के कारण मसीह की बढ़ाई मेरी देह के द्वारा सदा होती रही है, वैसे ही अब भी हो, चाहे मैं जीवित रहूँ, या मर जाऊँ" (फिलिप्पियों 1:20)।
- "मैंने यह सीखा है कि जिस दशा में हूँ; उसी में संतोष करूँ" (4:11)।
- "जो मुझे सामर्थ्य देता है उससे मैं सब कुछ कर सकता हूँ" (4:13)
- "मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा" (4:19)
- "किसी भी बात की चिंता मत करो, परंतु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ। तब परमेश्वर की शांति, जो सारी समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी" (4:6-7)।

आज भी हमें जेल से पत्र मिलते हैं। डेविड ने इलिनॉय के एक छोटे से चर्च में रिवाइवल सेवाओं के एक हफ्ते में भाग लिया था। वह कानूनी परेशानी का सामना कर रहा था और रात-दर-रात प्रभु को ढूंढते हुए उसने पाप की परतों को छील दिया। हफ्तों बाद उसे जेल की सजा सुनाई गई। अपने जेल की कोठरी से उसने हमें यह लिखा:

मुझे अदालत द्वारा सिफारिश मिली थी और बूट कैंप (आईआईपी) में जाने का वादा किया गया था, जो कि एक चार-माह का कार्यक्रम है, लेकिन कैपिटल आफ इलिनॉय ने मुझे मना कर दिया। इसलिए मैं चार साल की सजा के दो साल काटते हुए फस गया हूँ। मेरा परमेश्वर विश्वासयोग्य है और उनके पास एक योजना है। जिस दिन मुझे पता चला, हालांकि मुझे कुचला हुआ महसूस हुआ, मैं विश्वासपूर्ण रहा, और कुछ अद्भुत हुआ। मेरा नया कोठरी का साथी, जो मुझे इन सब के बावजूद लगन से बाइबिल पढ़ते और प्रार्थना करते देखता था, मेरे साथ बात करने लगा। मुझे वह करने की एक अपरिहार्य भावना महसूस हुई, और हालांकि मैं डरा हुआ और घबराया हुआ था (पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था), मैंने फिर भी किया।

मैंने बस ब्रैडली एस. पीटर्स से पूछा, "क्या तुम बचाए जाना चाहोगे?"

मुझे आश्चर्यचकित करते हुए, अपनी कठोर युवक वाली आँखों में ऐसी नरम-पिल्ले जैसी आभा के साथ, उसने कहा, "हाँ"।

इसलिए 30 जून को, हिल्सबोरो, इलीनॉय, डीओसी के एक्स-हाउस में, अपने हाथ जोड़े और उसी गंदे जेल की कोठरी के फर्श पर घुटने टेककर मैंने उद्धार की प्रार्थना में ब्रैडली की अगुवाई की, और उसने मसीह को स्वीकार कर लिया।

उस गंदे फर्श पर वह ब्लीच की तरह साफ हो गया। वह पहला व्यक्ति था जिसकी मैंने यीशु की ओर अगुवाई की और उन सबसे शक्तिशाली चीजों में से एक था जिसका में हिस्सा रहा हूँ। (परमेश्वर को महिमा मिले!)

यह कल्पना करना कठिन है कि जो खतरनाक, नशीले पदार्थ लेने वाला, नशे का आदी, हिंसक, दुष्ट, जीवन को नष्ट करने वाला, खोखला आदमी हुआ करता था, अब यीशु मसीह के लिए अद्भुत कार्य कर रहा है। आप और मैं, दोनों जानते हैं कि मेरे जेल में जाने से पहले ही मैं बचाया और अपने व्यसनों से मुक्त किया गया था। मैं इस जगह का उपयोग अपनी स्थानीय तीव्र बुद्धि प्रतिष्ठा को बढ़ाने और उससे अधिक दुष्ट बनने में जितना मैं पहले था, कर सकता था। लेकिन परमेश्वर और मेरे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह से, मैंने इस जगह को लंबे बाइबिल कैंप में बदल दिया है।

पौलुस अपने पहरेदारों से भाग न सका - लेकिन दूसरी ओर, पहरेदार उससे दूर ना जा सका। डेविड अपने कोठरी के साथी से दूर ना जा सका - लेकिन उसका कोठरी का साथी भी उससे दूर न जा सका। दोनों ही मामलों में कहा जा सकता है, "मैं चाहता हूँ कि तुम यह जान लो कि मुझ पर जो बीता है, उससे सुसमाचार की बढ़ती हुई है" (1:12)।

आप किस तरह परमेश्वर को अपनी परिस्थितियों का उपयोग करने की अनुमति दे रहे हैं?

.....

अक्टूबर 11 **दिन - 284**

पिता और यीशु कार्य कर रहे हैं, भाग 1

******

इस पर यीशु ने उनसे कहा, "मेरा पिता अब तक काम करता है , और मैं भी काम करता हूँ"।
यूहन्ना 5:17

क्या मेरे माता-पिता मुझसे मेरे हाई स्कूल के ग्रेजुएशन के लिए, एक उपयुक्त उपहार देंगे? मेरे पिता ने मुझे आठवीं कक्षा के ग्रेजुएशन पर एक अच्छी गाड़ी दी थी, लेकिन हाई स्कूल - वह तो बहुत बड़ा था। लेकिन मुझे नहीं पता था कि पीठ पीछे कितना सोचा, प्लान किया और कार्य किया जा रहा है। जहाँ मैं चिंता कर रहा था, वह कार्य कर रहे थे। मुझे जल्द ही पता चला कि मेरा उपहार पूरे यूनाइटेड स्टेट्स में दस हजार मील, एक तीस दिन की यात्रा थी, दो हाई स्कूल शिक्षक और चौदह छात्रों के अधिकतर रातों को कैंपिंग करते हुए। आज मुझे येलोस्टोन ग्लेशियर, रेडवुड्स, माउंट शास्ता और बहुत कुछ याद है। मेरे पिता यह सब तैयार कर रहे थे और वह बहुत ही अच्छा था।

एक कथन में जो पहली नजर में थोड़ा अजीब लगता है, यीशु कहते हैं, "मेरे पिता हमेशा कार्य पर होते हैं... और मैं भी कार्य कर रहा हूँ।" सब्त के दिन, यीशु ने एक ऐसे व्यक्ति को चंगा किया जो अड़तीस सालों से विकलांग था। यहूदी अधिकारियों ने बाद में सब्त के दिन उनके "कार्य" के लिए उन्हें सताना शुरू कर दिया। यीशु ने अपने और अपने पिता के कार्य के बारे में कथन को कहकर उन्हें जवाब दिया।

ध्यान से देखें, यीशु सब्त की आराधना के एक ईमानदार अनुयायी थे। हालांकि, वह आपातकालीन कार्यों और प्रेम और करुणा के कार्यों को शामिल करके, सब्त के अर्थ का विस्तार कर रहे हैं। पिता कार्य पर थे। उनके कार्य में प्रेम, दया, करुणा, देखभाल चंगाई, बचाना, शुद्ध करना शामिल है। कार्य का एक आत्मिक क्षेत्र था, जो यहूदी अधिकारियों की समझ से परे था।

यह सिद्धांत सब्त से कई बड़ा है। अपने जीवन के सभी मुद्दों में, या राष्ट्र या दुनिया के बड़े मामलों में, चाहे हम इसे देखें या नहीं, पिता हमेशा कार्य कर रहे होते हैं, और मसीह भी। पिता और पुत्र हमारे भले और उनकी (परमेश्वर) महिमा के लिए, विशिष्ट लोगों और राष्ट्रों के मामलों में कार्य कर रहे हैं।

यह कार्य व्यक्तिगत जीवनों में दिखाई देता है। यूहन्ना 4:49-50 में, एक राज्यअधिकारी ने यीशु से अपने बेटे को चंगा करने की विनती की, जो मृत्यु के करीब था। यीशु ने जवाब दिया, "जा तेरा पुत्र जीवित रहेगा।"

जब अधिकारी घर लौट रहा था, उसके सेवकों ने उससे मिलकर यह बताया कि उसका बेटा ठीक हो गया है। अधिकारी ने पूछा कि यह कब हुआ था, और सेवकों ने कहा, "कल दोपहर एक बजे, उसका बुखार चला गया था।" तब उस पिता को अहसास हुआ कि यह ठीक वही समय था जब यीशु ने उससे कहा था, "तेरा बेटा जीवित रहेगा।' तब उसने और उसके पूरे घराने ने विश्वास किया" (यूहन्ना 4:52-53)। इस अलौकिक समय जैसे कई अनुभव इस बात के प्रमाण है कि पिता और पुत्र पर्दे के पीछे कार्य कर रहे हैं।

कभी-कभी हम बुरी परिस्थितियों की उपस्थिति के कारण परेशान होते हैं। डॉ. ओरवल नीस एक कष्टदायी और दर्दनाक अनुभव से गुजरे। उन्होंने अपनी बाइबिल में पढ़ा, "हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है" (रोमियों 8:28)।

यह कथन उनके अनुभव के आलोक में परेशान करने वाला था। डॉ. नीस नये नियम की मूल भाषा, ग्रीक के छात्र थे। इसलिए उन्होंने अपने ग्रीक नये नियम में रोमियों 8:28 खोला और पढ़ा, "हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाये हुए हैं।" डॉ. नीस ने अचानक महसूस किया कि परमेश्वर सब कुछ ले सकता है, वह भी जो शैतान भेज सकता है, और उसे भलाई के लिए एक पैटर्न में बुन सकता है। और 8:29 में परमेश्वर के उद्देश्य पर ध्यान दें: "कि हम उनके पुत्र के स्वरूप में हों"।

.....

अक्टूबर 12 **दिन - 285**

पिता और यीशु कार्य कर रहे हैं, भाग 2

******

इस पर यीशु ने उनसे कहा, "मेरा पिता अब तक काम करता है और मैं भी काम करता हूँ।"
यूहन्ना 5:17

यीशु द्वारा आलोचना करने वाले प्रधानों को यह बताने के बाद कि वह और पिता दोनों कार्य कर रहे हैं, वह पिता और पुत्र के घनिष्ठ संबंध के बारे में एक लंबी, समृद्ध चर्चा में चले जाते हैं (यूहन्ना 5:19-30)।

जिन परियोजनाओं पर पिता और पुत्र कार्य कर रहे हैं, उनमें से एक, एक ऐसा समय है "जब जितने कब्रों में हैं वे उसका शब्द सुनकर निकल आएंगे - जिन्होंने भलाई की है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे और जिन्होंने बुराई की है वे दंड के पुनरुत्थान के लिए जी उठेंगे (5:28-29)। हालांकि पिता और पुत्र दोनों इस अंतिम-समय की योजना पर कार्य कर रहे हैं, फिर भी एक सीमित करने वाला कारक है: "उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत और न पुत्र परंतु केवल पिता" (मत्ती 24:36)।

कैथरीन मार्शल गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। उसने परेशानी देखी। उसके पति पीटर मार्शल, जो 1947 से 1947 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेट के पादरी थे, छियालिस वर्ष की आयु में गुजर गये। पीटर को एंबुलेंस द्वारा अस्पताल में ले जाने के बाद, कैथरीन जो अपने छोटे बेटे के साथ घर पर थी फर्श पर गिर गई और सोचने लगी कि प्रार्थना कैसे करें। उसने कहा, "अचानक से, पिता परमेश्वर के प्रेम से घिरे होने का अहसास हुआ - उनमें आच्छादित, अनंत नम्रता से लिपटा हुआ। विस्मय मेरे भीतर से बहा, और उसके बाद यह विश्वास कि कुछ भी मांगना आवश्यक नहीं था। मुझे बस पीटर और स्वयं को और हमारे भविष्य को इस महान प्रेम के लिए प्रतिबद्ध करना था।"[149]

उसने पाया कि परमेश्वर मुसीबतों पर भी अंततः भलाई उत्पन्न करने के लिए कार्य कर सकते हैं। पीटर की मृत्यु के बाद, समय और परमेश्वर के अनुग्रह के साथ कैथरीन ने 'अ मैन कॉल्ड पीटर' लिखा (जिसे बाद में फिल्म में रूपांतरित किया गया) और अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में एक और किताब 'बियॉन्ड आवर सेलव्स' लिखी। नतीजन लाखों लोग परमेश्वर के करीब आए। पिता और पुत्र कार्य कर रहे हैं।

हमारी परेशान, नियंत्रण से बाहर दुनिया में पिता आज तक कार्य कर रहे हैं। पुत्र कार्य कर रहा है। और आपके अपने जीवन में, पिता और पुत्र कार्य कर रहे हैं।

---

149. कैथरीन मार्शल, बियॉन्ड आवर सेलव्स (न्यूयार्क: मैकग्रो हिल बुक कंपनी), 24-25

अक्टूबर 13 **दिन - 286**

पीछे से आगे आना

******

परंतु हमारे पास वह धन मिट्टी के बरतनों में रखा है कि यह असीम सामर्थ्य हमारी और से नहीं, वरन परमेश्वर ही की ओर से ठहरे। हम चारों ओर से क्लेश तो भोगते हैं, पर संकट में नहीं पड़ते; निरूपाय तो हैं, पर निराश नहीं होते; सताए तो जाते हैं, पर त्यागे नहीं जाते; गिराए तो जाते हैं, पर त्यागे नहीं जाते; गिराए तो जाते हैं, पर नष्ट नहीं होते। हम यीशु की मृत्यु को अपनी देह में हर समय लिए फिरते हैं कि यीशु का जीवन भी हमारी देह में प्रगट हो। 2 कुरिन्थियों 4:7-10

पैट्रिक महोम्स और कैनसस सिटी के प्रमुखों ने फिर से कर दिखलाया। लगातार तीसरे खेल में, उन्होंने दस या अधिक अंक पीछे रहने के बावजूद आगे बढ़े और अंत में जीत हासिल की। उन्होंने मियामी में 2020 सुपर बोल को आखिरी आठ मिनटों में तीन टचडाउन के साथ जीत लिया - अंतिम स्कोर 31-20 था। अपनी टीम को पीछे से आगे आकर जीत हासिल करते देखना रोमांचक होता है! कहीं अधिक महत्वपूर्ण तरीके से, आप यीशु के पीछे -से-आगे-आकर जीतने के वादे के प्राप्तकर्ता है। ध्यान दें कि आप अपने आत्मिक खजाने को एक सामान्य मिट्टी के बर्तन में रखते हैं - अन्य अनुवादों में, एक "मिट्टी का जार" यह याद रखना अच्छा है कि परमेश्वर का अद्भुत अनुग्रह स्वीकार करता है कि हम सीमित मानव शरीर में हैं। लेकिन हमारी सीमाएं परमेश्वर की सामर्थ्य को उजागर करने के और अधिक अवसर प्रदान करती है।

ध्यान दें कि महान, ईश्वरीय, आत्मिक रूप से शक्तिशाली प्रेरित पौलुस अपनी सीमाओं को स्वीकार करता है: उसे पंगु बनाया, उलझाया, सताया और यहाँ तक कि नीचे गिराया भी गया। लेकिन प्रत्येक सीमा के बाद वापसी हुई - उन सब के बावजूद, हम हताश नहीं होते, निराशा में नहीं होते, कभी गिरते नहीं। हाँ, यीशु के जीवन की सामर्थ्य आप में प्रवाहित हो रही है। यूहन्ना ने इसे इस प्रकार लिखा: "जो तुम में है वह उस से जो इस संसार में है, बड़ा है" (1 यूहन्ना 4:4)।

तो आप चाहे जिस भी दबाव से गुजर रहे हों - स्वास्थ्य समस्याएं, वित्तीय संघर्ष, संबंधात्मक संघर्ष, अनुत्तरित परेशानीयाँ, आलोचना, प्रतिरोध, थकान, निराशा आप रिक्त स्थान को भर सकते हैं - पौलुस के कथन का अंत याद रखें। एक प्रतिक्रिया, वापसी, उत्तर, पीछे से आगे आना, हमेशा होता है। क्यों? जैसा कि यूहन्ना लिखता है, "जो (मसीह) तुम में है, वह उस से (शैतान) जो इस संसार में है, बड़ा है।"

बाद में कुरिन्थियों को लिखी अपनी दूसरी पत्री में पौलुस ने इस सत्य की पृष्टी की: "हमारे कामों का स्रोत मसीह का प्रेम है... हमारी एकमात्र रक्षा, हमारा एकमात्र हथियार, विसत्यनिष्ठता का जीवन हैं..... मृत्यु से कभी दूर नहीं, फिर भी हम यहाँ जीवित हैं, हमेशा 'उससे गुजरते है' पर कभी भी 'उसके अधीन' नहीं' " (2 कुरिन्थियों 5:14, 6:7, 9)

.....

अक्टूबर 14 **दिन - 287**

आत्मा के अनुसार चलें

******

और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं तो आत्मा के अनुसार चलें भी। गलातियों 5:24-25

डॉ. डेविड की स्पष्ट गवाही पवित्र करने वाली आत्मा की परिपूर्णता में निरंतर जीने की आवश्यकता को उभारता है। यह आत्मिक नवीनीकरण के महत्व पर जोर देता है जब भी हम उस निरंतर प्रतिबद्धता और आत्मा में जीवन से भटक जाते हैं।

कॉलेज के दौरान, डेविड ने यीशु को अपने दिल में आने के लिए कहा, चर्च जाने लगा और प्रार्थना की कि परमेश्वर उसे एक अच्छी मसीही महिला से मिलाएं। अब चौबीस से अधिक वर्षों से, उसकी पत्नी फेथ, उसके जीवन का सबसे बड़ा आनंद बनी हुई है।

डॉ. डेविड बताते हैं कि आगे क्या हुआ:

मैंने बीस वर्षों तक आत्मिक रूप से संघर्ष किया। मैंने पिछले दस वर्षों से संडे स्कूल में पढ़ाया है और पिछले पंद्रह वर्षों से कई बार चर्च बोर्ड में रहा हूँ।

मैं सात वर्ष पहले तक केवल अनुग्रह के पहले कार्य को जानता था, जब मैं पवित्र आत्मा से भरा गया था। मेरा व्यवसाय लगभग चौपट हो गया था और मैं शारीरिक और भावनात्मक रूप से थक गया था। मैं अंत में परमेश्वर के सामने अपने घुटनों पर गिर गया और अपना सब कुछ उन्हें समर्पित कर दिया। उस दिन कुछ ऐसा हुआ जो मैं शायद कभी भी समझा नहीं पाऊंगा। मुझे पता था कि मुझे हमेशा लगता था कि मुझे परमेश्वर की स्वीकृति और प्रेम को अर्जित करना है। मैं कभी भी उस लायक नहीं था, भले ही मैंने कई बार बाइबिल पढ़ी थी और संडे स्कूल की कक्षा में पढ़ाया भी था। मैंने महसूस किया कि परमेश्वर उस दिन मेरी चारों ओर अपनी बाँहे डाल रहे थे, और मैंने ऐसा प्रेम महसूस किया जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया था। कई महीनों के भीतर, मैंने कई लोगों को परमेश्वर तक पहुँचाया।

लेकिन फिर आत्मिक संघर्ष शुरु हुए। डॉ. डेविड आगे कहते हैं:

मैं बहुत व्यस्त था, बहुत व्यस्त, और मैं जानता था कि मेरे प्रार्थना के जीवन पर असर पड़ रहा था। धीरे-धीरे मैं वापस सिंहासन पर चढ़ गया। लगभग दो वर्षों में एक भी व्यक्ति बचाया नहीं गया है। दो महीने पहले मुझे निमोनिया हो गया था और मैं बहुत बीमार था। मेरा ब्लड टेस्ट लिम्फोमा (एक प्रकार का कैंसर) की ओर इशारा कर रहा था। परमेश्वर मेरा ध्यान आकर्षित कर रहे थे।

और हाल ही में डॉ. डेविड कहते हैं: अब वर्तमान में आते हैं। आपके संदेशों को सुनने के बाद, मैं जान गया था कि मैं अपने जीवन का नियंत्रण वापिस परमेश्वर को देना चाहता था। मैंने रविवार रात की सेवा के बाद प्रार्थना की। जब मुझे शुरू में पवित्र किया गया था, उसके बाद से मुझे उस रात सर्जरी करने से पहले सबसे अच्छी नींद आई। अगले दिन मेरे शेड्यूल पर बारह घंटों की सर्जरी थी। मुझे याद है कि मैंने परमेश्वर को विशेष रूप से मुझे कुछ ढूंढ पाने में मदद करने के लिए कहा था।

जब मैंने सी-आर्म (मशीन) से चेक किया तो मैं सही स्थिति में था, हालांकि मैं उसे अपनी आँखों से नहीं देख पा रहा था। मैंने महसूस किया कि परमेश्वर मेरे हाथों को वैसे ही निर्देशित कर रहे हैं जैसा उन्होंने तब किया था जब मैंने पहले उनका करीब से अनुसरण किया था।

पृथ्वी पर ऐसा कुछ नहीं है जिसकी तुलना प्रभु के करीब चलने और खोए हुए पापियों को घर लाने में उनकी इच्छा पूरी करने से की जा सकती है। [150]

प्रभु के साथ अपने जीवन की समीक्षा करने के लिए कुछ समय निकालें। यदि आपको पवित्र आत्मा के नवीनीकरण की तलाश करने की आवश्यकता है तो वैसा ही करें।

---

150. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2007) में प्रकाशित किया गया है।

.....

अक्टूबर 15 **दिन - 288**

यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिए बुराई का विचार किया था, परंतु परमेश्वर ने...

******

यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिए बुराई का विचार किया था, परंतु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिससे वह ऐसा करें, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।
उत्पत्ति 50:20

कोई शक नहीं कि - यूसुफ शरारती बच्चा था। वह अपने ग्यारह भाइयों और अपने पिता को लगातार परेशान करता था। लेकिन इस बात पर भी कोई शक नहीं कि उसके भाइयों का इस परेशानी का समाधान पूर्णतया गलत था।

जब उनके पिता इजराइल ने युसूफ को उसके भाइयों और उनकी चरनेवाली भेड़ बकरियों पर नजर रखने भेजा तो उसके भाइयों ने उसे पकड़ लिया, उसे गड्हे में फेंक दिया, और उसे मिद्यानी व्यापारियों को बेच दिया। बदले में, व्यापारियों ने यूसुफ को पोतीपर नामक एक मिस्त्री को बेच दिया, जो फिरौन के अधीन अंगरक्षकों का प्रधान था।

हालांकि पोतीपर ने शुरू में उस पर भरोसा किया, फिर भी यूसुफ पर दुराचार का झूठा आरोप लगाया गया, फिर अन्यायपूर्ण तरीके से क़ैद कर दिया गया। हालांकि, जैसा कि पवित्र शास्त्र कहता है, "जब यूसुफ वहाँ बंदीगृह में था, यहोवा उसके संग-संग रहा" (उत्पत्ति 39:20-21)।

यहाँ तक कि जब वह बंदीगृह में था, तब अंततः यूसुफ अकेला ऐसा व्यक्ति बन गया जो फिरौन के सपनों की व्याख्या करने में सक्षम था। फिरौन ने बाद में उसे बंदीगृह से रिहा कर दिया और उसे प्रधानमंत्री नियुक्त किया। इस स्थिति में यूसुफ ने प्रचुर मात्रा में अनाज का भंडारण किया और देश को अकाल के लिए तैयार किया।

जब अंततः अकाल पड़ा, तो वह उसके पिता इजराइल और उसके ग्यारह भाइयों तक पहुँच गया। उसके भाई यूसुफ के पास मदद के लिए आए, जो कि भोजन वितरण को संभालने वाला प्रधान मंत्री था। लेकिन समय के बीतने के कारण, वह उसे पहचान नहीं पाए। जब उन्हें अंतत: पता चला कि वे किससे बात कर रहे थे, तो उन्होंने उससे दया की भीख मांगी और यहाँ तक कि उसके दास बनने की पेशकश भी की। फिर यूसुफ ने कहा, "तुम लोगों ने मेरे लिए बुराई का विचार किया था, परंतु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया था" (उत्पत्ति 50:21)। यूसुफ ने अपने भाइयों को माफ कर दिया और उनकी शारीरिक जरूरतों को पूरा किया।

उत्पत्ति के दिनों से लेकर वर्तमान तक परमेश्वर के पास अब भी दूसरों की बुराई को उनका अनुसरण करने वाले लोगों के लिए अच्छाई में बदलने का तरीका है। मैंने इसे अपनी पहली पादरी सेवकाई में देखा था। एक छोटे से स्वतंत्र चर्च ने जिसकी स्थापना केवल पाँच सप्ताह पहले हुई थी। मुझे उनका पादरी बनने के लिए कहा। एक स्थानीय व्यापारी ने समूह को इकट्ठा किया था, और वे उसके पुर्ननिर्मित घोड़ों के अस्तबल में मिले। वह स्थानीय व्यापारी इस बात पर सहमत हुआ कि हम इसे एक नाजरीन चर्च के रूप में विकसित कर सकते हैं और हमने उन्हें बहुत मामूली किराया दिया।

जैसे ही चर्च कुछ हद तक स्थापित हो गया था और मेरी पत्नी और मैं प्रतिबद्धता में काफी गहरे चले गए, व्यापारी ने अचानक हमसे कहा कि हमें वह संपत्ति खरीदनी पड़ेगी -

चर्च, दो घर, एक छोटा सा संडे स्कूल भवन और चार एकड़ जमीन - बहुत कम समय में। अन्यथा वह इसे हमारे अधीन से किसी दूसरे संप्रदाय को बेच देगा। उसी समय, हमें पता चला कि चर्च में भाग लेने के लिए उसने जिस भी व्यक्ति को इकट्ठा किया था, उन सभी पर उसका कर्ज था। बहुत ही गलत।

उस समय सभा में हमारे पास लगभग चालीस लोग थे। हमारा चर्च बोर्ड प्रस्ताव (या धमकी) पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुआ। बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, "मुझे लगता है कि उसने हमें यहाँ शामिल किया ताकि वह अपनी संपत्ति बेच सकें"।

मैं इतना आश्वस्त था कि परमेश्वर ने हमें उस चर्च के पादरी होने के लिए बुलाया है कि मैंने जवाब दिया, "आप सही हो सकते हैं। हो सकता है कि उसका इरादा बुराई का हो, लेकिन परमेश्वर का इरादा अच्छाई का है।" हमने मतदान कर, चर्च खरीदने का फैसला किया।

उसके बाद चर्च का विकास हुआ, हमने उस एकड़ (जमीन) पर एक सुंदर पवित्र स्थान और शिक्षा इकाई का निर्माण किया और कई लोगों को मसीह को पाते हुए देखा।

उस चर्च से हमें एक उत्कृष्ट जेल का पादरी, एक गायक जो एक दौरे पर जाने वाले सुसमाचार प्रचार के चार लोगों के समूह का भाग बन गया; एक महिला जिसने अपनी सेवकाई की योग्यता अर्जित की; एक कॉलेज के चर्च का पादरी; एक जिला अधीक्षक; उत्कृष्ट, अयाजकीय धर्मी लोग; और कई अधिक।

यह आपके लिए सच होगा, जिन्होंने यीशु को सब कुछ दे दिया है और एक आत्मा से भरे और आत्मा की अगुवाई वाला जीवन जी रहे हैं: हो सकता है लोग आपको नुकसान पहुँचाने का इरादा करें, लेकिन परमेश्वर उसे आपकी भलाई में बदल देंगे। हम इसके द्वारा कई लोगों की जान भी बचा सकते हैं। क्या अद्भुत परमेश्वर है।

.....

अक्टूबर 16 **दिन - 289**

यहोवा से बिना सलाह लिये

******

तब इजराइलियों ने यहोवा से बिना सलाह लिये उनके भोजन में से कुछ ग्रहण किया।
यहोशू 9:14

इजराइल की सेना विपक्ष का सफाया कर रही थी। परमेश्वर ने उन्हें यरीहों में विजय दिलवाई, जहाँ दिवारें नीचे गिर गई। ऐ नगर में अवज्ञा से निपटने के बाद, इजराइल ने अलौकिक दिशा निर्देश के साथ दूसरा हमला किया, और एक बड़ी जीत हासिल की।

जैसे ही इजराइल की सैन्य सफलता की खबर फैली पास ही गिबोन के नागरिकों ने फैसला किया कि उन्हें खुद को बचाने के लिए छल का सहारा लेना चाहिए। उन्होंने इजराइल में एक राजदूतों को भेजा जिनके गधे पुराने बोरो से लदे हुए थे और जिनके लोगों ने पुरानी पैबंद लगी हुई जूतियाँ और पुराने वस्त्र पहने हुए थे। उनकी रोटी सूखी और फफूंदी लगी हुई थी। उन्होंने एक दूर देश से आने का नाटक किया, और उनके साथ शांति संधि की मांग की।

जैसा कि पवित्र शास्त्र कहता है, "तब इजराइलियों ने यहोवा से बिना सलाह लिये उनके भोजन में से कुछ ग्रहण किया।

इसके बजाय उन्होंने उन राजदूतों की कहानी को मान लिया और उनके साथ शांति संधि की। तीन दिन बाद, उन्हें पता चला कि उनके साथ छल हुआ है। उसके बाद गंभीर समस्याएँ आई - यहोशू 9 आपको और अधिक बताएगा।

हमारे लिए जो आज प्रभु का अनुसरण करते हैं, जीवन के प्रमुख निर्णय को लेकर प्रभु से सलाह करना महत्वपूर्ण है। इनमें ये शामिल है:

- आप किस प्रकार की शिक्षा प्राप्त करेंगे
- अविवाहित रहना या नहीं या किससे शादी करनी है
- कहाँ रहना है
- आप किस तरह का काम या पेशा अपनाएंगे
- आप किस चर्च में जाएंगे

परमेश्वर की इच्छा जानने के पाँच तरीके हैं:

- परमेश्वर का वचन (बाइबिल)
- प्रार्थना में आत्मा की अगुवाई
- खुले और बंद दरवाजे
- परिपक्व मसीही मित्रों की सलाह
- पवित्र विवेक

इजराइल ने सोचा कि परिस्थितियों (खुला दरवाजा) ने साबित कर दिया कि गिबोन बहुत दूर था, इसलिए उन्होंने शांति संधि तैयार करने का निर्णय किया। बस अगर उन्होंने पहले प्रभु से पूछ लिया होता।

कैथी ने मुझे बताया कि उसने एक बेघर महिला को अपने साथ रहने के लिए आमंत्रित किया, बस यह मानते हुए कि यह एक दया की बात थी - उसने प्रभु का दिशानिर्देश नहीं मांगा। कुछ ही समय बाद, उसे उस महिला को जाने के लिए कहना पड़ा।

चार्ल्स ने मुझे बताया कि उसने समुद्र तट पर सप्ताहांत के लिये एक घर खरीदने का फैसला किया था क्योंकि वह लगातार अपने परिवार को सप्ताहांत के लिये वहाँ ले जाता था। उसने प्रभु का दिशानिर्देश नहीं मांगा। उसने महसूस किया उसका परिणाम यह हुआ कि वह लगातार अपने बच्चों को चर्च से दूर ले जाता था और अब वे परमेश्वर से दूर हो गये थे।

दूसरी ओर, नैन्सी और मुझे एक नये घर में जाने की आवश्यकता महसूस हुई। हमने इसके बारे में लगातार प्रार्थना की। एक दिन प्रार्थना में, मैंने प्रभु को यह कहते सुना, "अब बदलने का समय है।" हमने किया, और कई मायनों में, हमारा नया घर कई आशीषों का स्रोत बन गया।

कृपया प्रभु से सलाह लें।

.....

अक्टूबर 17 **दिन - 290**

जब आप पचासी के हो जाते हैं, तो क्या कर पाते हैं

******

"और अब देख, जब यहोवा ने मूसा से यह वचन कहा था तब से पैंतालीस वर्ष हो चुके हैं, जिनमें इजराइली जंगल में घूमते फिरते रहे, उनमें यहोवा ने अपने कहने के अनुसार मुझे जीवित रखा है; और अब मैं पचासी वर्ष का हूँ। जितना बल मूसा के भेजने के दिन मुझ में था उतना बल अभी तक मुझमें है; युद्ध करने या भीतर बाहर आने जाने के लिये जितनी उस समय मुझ में सामर्थ्य थी उतनी ही अब भी मुझ में सामर्थ्य है इसलिये अब वह पहाड़ी मुझे दे जिसकी चर्चा यहोवा ने उस दिन की थी; तू ने तो उस दिन सुना होगा कि उसमें अनाकवंशी रहते हैं, और बड़े-बड़े गढ़वाले नगर भी है :परंतु क्या जाने संभव है कि यहोवा मेरे संग रहे, और उसके कहने के अनुसार मैं उन्हें उनके देश से निकाल दूँ। तब यहोशू ने उसको आशीर्वाद दिया; और हेब्रोन को यपुन्ने के पुत्र कालेब का भाग कर दिया।

यहोशू 14:10-13

पचासी साल के होने पर भी, फिर से युद्ध के लिए जाने के लिए तैयार - परमेश्वर ने कालेब को एक वादा दिया और अब वह उसे पाने के लिये यहोशू पर दबाव डाल रहा था। बदले में, यहोशू ने कालेब को विरासत के रूप में हेब्रोन दे दिया।

पैंतालीस वर्ष पहले कालेब और यहोशू, उन बारह में से केवल दो वफादार जासूस थे, जब उन्होंने प्रतिज्ञा की भूमि की खोज की थी। इस बीच, इजराइल के लोग मरुभूमि में थे, उस देश में प्रवेश करने का इंतजार कर रहे थे।

दस जासूस वापस आए और कहा, "हम भूमि में प्रवेश नहीं कर सकते।"

लेकिन कालेब और यहोशू ने कहा, "परमेश्वर के साथ हम कर सकते हैं।"

अंत में, इजराइल ने उन दस पर विश्वास किया और चालीस वर्ष तक जंगल में भटकते रहे। अंत में अपने अगुवे के रूप में यहोशू के साथ उन्होंने प्रतिज्ञा की भूमि में प्रवेश किया था और शत्रुओं को खत्म कर रहे थे और पाँच साल के लिए क्षेत्र का दावा कर रहे थे। और अब कालेब ने पचासी की उम्र में, एक और वादे पर दावा किया और हेब्रोन को विरासत के रूप में प्राप्त किया।

डॉ. पॉल रिस और डॉ. एडवर्ड लॉलर दोनों ही अपनी सत्तर या अस्सी की आयु में सामर्थ्य के साथ प्रचार कर रहे थे। जब वह लगभग अस्सी वर्ष के थे तब अर्नी लोगनविल ने मेरे लिए एक चलने के लिए एक छड़ी को बनाने में दो सप्ताह का समय लगाया। उन्होंने कई लोगों के लिए छड़ी बनाई है जैसे मदर टेरेसा और सेनेटर बॉब डोल - और मेरा नंबर 283 था।

कालेब ने एक वादे पर दावा किया और पचासी वर्ष की आयु में अपनी विरासत प्राप्त की। अब भी ऐसा कर सकता है, चाहे आप पचासी वर्ष के हों या बड़े या छोटे हों।

मैं यीशु और उसके अनुयायियों द्वारा किये गए कुछ वादों के बारे में सोच रहा था।
कुछ ये रहे:-

- "इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी।" (मत्ती 6:33)

- "क्योंकि जो कोई मांगता है, उसे मिलता है; और जो कोई ढूंढता है, वह पाता है; और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा।" (मत्ती 7:8)
- "जीवन की रोटी मैं हूँ: जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा न होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा न होगा"। (यूहन्ना 6:35)
- "मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ"। (यूहन्ना 10:10)
- "मेरी भेड़े मेरा शब्द सुनती है, मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे-पीछे चलती है। और मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूँ। वे कभी नष्ट न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा?" (यूहन्ना 10:27-28)
- "यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूंगा"। (यूहन्ना 14:14)
- "किसी भी बात की चिंता मत करो; परंतु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ। तब परमेश्वर की शांति, जो सारी समझ से परे है, तुम्हारे ह्रदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।" (फिलिप्पियों 4:6-7)
- "अतः जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है" (इब्रानियों 4:9-10)
- "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करें; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें।" (1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24)।

कल रात 7:00 बजे, मैं एक आवश्यकता के लिये प्रार्थना करने लगा। मैंने यीशु के नाम में एक वादे को पढ़ा, बहुत ही सरलता से और बिना नाटक के। 8:30 बजे तक, जवाब मेरे हाथ में था। कालेब की तरह, मैं पचासी वर्ष का हूँ।

पचासी, या बड़ा - या छोटा - आप क्या कर सकते हैं? अपने वादों पर दावा करें, अपनी विरासत के अधिकारी बनें।

.....

अक्टूबर 18 **दिन - 291**

परमेश्वर बंद नहीं हुए हैं

******

सुनो, मैं तो अब सब संसारियों की गति पर जानेवाला हूँ और तुम सब अपने-अपने हृदय और मन में जानते हो, कि जितनी भलाई की बातें हमारे परमेश्वर यहोवा ने हमारे विषय में कहीं उनमें से एक भी बिना पूरी हुए नहीं रही; वे सब की सब तुम पर घट गई हैं, उनमें से एक भी बिना पूरी हुए नहीं रही।
यहोशू 23:14

जब मैं इसे 2020 में लिख रहा हूँ, समाज बंद हो गया है। कोविड-19 महामारी के कारण, दुनिया भर के देशों ने स्टोर, कारखाने, स्कूल, दुकानें, खेल परिसर और आदि बंद कर दिया है। लेकिन हमारी दुनिया में आगे जो भी हो, हम जानते हैं कि परमेश्वर बंद नहीं हुए हैं।

यहोशू अपने भौतिक जीवन के अंत में था। इजराइल को यरदन पार, प्रतिज्ञा की भूमि तक पहुँचाया था, और पच्चीस से तीस वर्षों तक उस भूमि को जितने में उनकी अगुवाई की थी।

उसने उन्हें याद दिलाया परमेश्वर ने इजराइल से किए गये हर वादे को पूरा किया। तब यहोशू विशिष्ट हो जाता है और जीते और पूरे किए गए वादों को सूचीबद्ध करता है:

- वह अब्राहम को कनान तक ले गया।
- उसने इजराइल को मिस्र से बाहर निकालने के लिए मूसा और हारून का उपयोग किया।
- उसने इजराइल के लिए लाल सागर खोल दिया और पीछा कर रही मिस्री सेना को डूबा दिया।
- उसने इजराइल को यरदन के पूर्व में एमोरियों के राजाओं पर विजय दिलाई।
- वह इजराइल को यरदन के पार ले गया और उन्हें यरीहो दिया।
- उसने इजराइल को प्रतिज्ञा की भूमि के अनेक निवासियों पर विजय दिलाई।

प्रभु ने इसका सारांश दिया: "मैंने तुम्हें ऐसा देश दिया जिस में तुम ने परिश्रम न किया था, और ऐसे नगर भी दिए हैं जिन्हें तुम ने न बसाया था" (यहोशू 24:13)। दूसरे शब्दों में, सभी चुनौतियों के बावजूद, परमेश्वर बंद नहीं हुए थे।

एक पल के लिए अपने जीवन के बारे में सोचिए, किये गए वादों और पूरे किए गये वादों के बारे में सोचिए। यहाँ मेरे जीवन से कुछ दिया गया है, वे सभी जो परमेश्वर ने पूरे किये:

- "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)। उन्होंने किया।
- "देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ: यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ" (प्रकाशितवाक्य 3:20)। उन्होंने किया।
- "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करें, और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें।

तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा" (1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24)। उन्होंने किया। और वह करते हैं।

- "मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित यीशु मसीह में है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरा करेगा" (फिलिप्पियों 4:19)। उन्होंने किया। वह करते हैं।
- "मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे संभाल लेगा" (भजनसंहिता 27:10)। वह करते हैं।
- "मैं तुझे बुद्धि दूँगा, और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उस में तेरी अगुवाई करूंगा; मैं तुझ पर कृपादृष्टी रखूंगा और सम्मति किया करूंगा" (भजनसंहिता 32:8)। वह करते हैं।
- "क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी; और जो मसीह में मरे हैं, वह पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएंगे कि हवा में प्रभु से मिले; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17)। वह करेंगे।

चाहे जो भी हो, परमेश्वर बंद नहीं हुए हैं!

.....

अक्टूबर 19 **दिन - 292**

परमेश्वर का उपहार

******

शमूएल ने शाऊल से कहा, "तू ने मूर्खता का काम किया है; तू ने अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा को नहीं माना; नहीं तो यहोवा तेरा राज्य इजराइलियों के ऊपर सदा स्थिर रखता। परंतु अब तेरा राज्य न रहेगा; यहोवा ने अपने लिए एक ऐसे पुरुष को ढूंढ लिया है जो उसके मन के अनुसार है; और यहोवा ने उसी को अपनी प्रजा पर प्रधान होने को ठहराया है, क्योंकि तू ने यहोवा की आज्ञा को नहीं माना।"

1 शमूएल 13:13-14

शाऊल एक असाधारण व्यक्ति था। वह लंबा और सुंदर था, और परमेश्वर ने उसे इजराइल का पहला राजा होने की लिए चुना और अभिषेक किया था (9:12, 16)। "परमेश्वर ने शाऊल के मन को परिवर्तित कर दिया" और "परमेश्वर की आत्मा शाऊल पर शक्तिशाली रूप से उतरी" (10:9-10)। शुरुआत में शाऊल हिचकिचा रहा था, इतना कि राजा के रूप में अपने सार्वजनिक परिचय पर, उसने खुद को सामान के बीच छिपा लिया (10:22)। उसका सैन्य कौशल, परमेश्वर द्वारा सशक्त, ऐसा था कि उसके पहले अभियान के परिणामस्वरुप खतरनाक अम्मोनियों की छावनी पूरी तरह से नष्ट हो गयी थी (11:11)। जब शाऊल राजा बना, तब वह तीस वर्ष का था और उसने बयालिस वर्षों तक राज्य किया (13:1)।

परमेश्वर ने उसे एक अद्भुत उपहार दिया था - इजरायल पर राज्य, परमेश्वर की चुनी हुई संपत्ति। फिर भी, रास्ते में कहीं ना कहीं, शाऊल के साथ एक पैटर्न उभरने लगा। वह परमेश्वर की आज्ञा को आधा करता लेकिन पूरा नहीं - दूसरे शब्दों में, आंशिक रूप से आज्ञाकारी था (13:8-10; 15:9-10)। इन सबसे बढ़कर, उसका जीवन अपने शासन को बनाये रखने के इर्द-गिर्द घूमता रहा।

समय के साथ, शाऊल एक जुनूनी, ईर्ष्यालू, कटु, हत्यारा व्यक्ति बन गया जो उन लोगों की आलोचना करता था जो उसका भला चाहते थे। अंत में, युद्ध में घायल होने के बाद, शाऊल ने आत्म-हत्या कर ली (31:4)। अलौकिक निष्कर्ष यह था: "तू ने अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा को नहीं माना" (13:13)।

गलती कहाँ हुई? हालांकि परमेश्वर ने शाऊल को वास्तविक उपहारों से आशिषित किया था - सबसे बढ़कर, इजराइल पर शासन करने का उपहार - वह नीतिवचन 4:23 का पालन करने में विफल रहा: "सब से अधिक अपने मन की रक्षा कर, क्योंकि जीवन का मूल स्त्रोत वही है।" शाऊल की समस्या यह थी कि उसने एक प्राथमिकता को स्थानांतरित कर दिया था: वह परमेश्वर के उपहार को, खुद वह देने वाले परमेश्वर से अधिक महत्व देने लगा।

मुझे यकीन है कि हम में से हर कोई इसका सामना करेंगे। उन सभी संभावित उपहारों के बारे में सोचें जो परमेश्वर आपको दे सकते हैं - स्वास्थ्य, शिक्षा, कार्य, परिजन, घर, बैंक खाता, संपत्ति, कौशल, प्रभाव, शक्ति - और सावधान रहें। अपने दिल की रक्षा करें। परमेश्वर उस किसी भी उपहार से कई बढ़ा हैं जो वह आपको देता हैं। जहाँ अधिकतर उपहार अस्थायी होंगे, वहीं परमेश्वर सदा के लिए हैं। किसी भी उपहार के आलोक में जो उन्होंने आपको दिया है, परमेश्वर के साथ अपने संबंधों को आज जाँचे।

.....

अक्टूबर 20 **दिन - 293**

अलग करने वाली दीवार के लिए मेल

******

क्योंकि वही हमारा मेल है जिसने दोनों को एक कर लिया और अलग करने वाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। इफिसियों 2:14

यहूदियों और अन्यजातियों के बीच की दरार बहुत बड़ी थी, वर्षों से, वे एक दूसरे के विरुद्ध थे। और अब, यीशु मसीह प्रकट होते हैं। वह यहूदियों की व्यवस्था को अलग करते हैं और इसके बजाय यहूदी और अन्यजाति को अपने पास लाते हैं; वह क्रूस पर अपनी मृत्यु के द्वारा उन दोनों को परमेश्वर के साथ एक कर देते हैं और अंत में मेल होता है | इफिसियों 2:14-18

आज के समाज में भी, इतना कुछ है जो लोगों को गुस्सा दिलाता है। उनके बीच शत्रुता की अलग करने वाली दीवार बन जाती है। लोगों के बीच शत्रुता की दीवार को कैसे तोड़ा जाए, ये समझने के प्रयास में, मैं आपको कैथी और कैरली की कहानी सुनाता हूँ।

कैथी ने अपने भाई डेव की मदद करने के लिए सालों तक कोशिश की थी। अनगिनत बार उसने उससे और उन अधिकारियों से अपील किया जो उसकी मदद कर सकते थे। डेव दर्द की गोलियों के साथ-साथ शराब का भी आदि था, और वह गुस्सेवाला और हिंसक था। यह इतना बुरा था कि कैथी अपने बिस्तर पर अपनी सामान्य स्थिति से उल्टा सोने लगी। डरते हुए कि कहीं उसका भाई उसे बेडरूम की खिड़की से गोली ना मार दे, उसने कहा, "मेरे सिर से बेहतर है कि मेरे पैर पर लगे।"

एक दिन गुस्से में, डेव ने अपने पड़ोसी को पीट-पीटकर मार दिया, एक बंदूक चुरा ली, और गाड़ी चलाकर मॉल चला गया। उसने अपनी कार में बैठी युवती और अपनी कार में सवार युवक को गोली मारकर हत्या कर दी, और अंततः पुलिस अधिकारियों ने डेव को मार डाला। बाद में, पुलिस कैरली के घर यह बताने पहुँची कि डेव ने उनकी तैंतीस वर्षीय बेटी, लेस्ली की हत्या कर दी थी।
अगले दिन, कैथी अपने स्थानीय चर्च के सामने अपने पादरी और परिवार के सदस्यों के साथ, समुदाय के आगे दु:ख और शोक व्यक्त करने के लिए खड़ी हुई। जब स्थानीय टीवी समाचार ने पूरे शहर में फुटेज प्रसारित कि, कैरली ने देखा।

उसके भाई ने लेस्ली के साथ जो किया था। उसके लिए कैरली का कटु होना और कैथी के खिलाफ क्रोध करना कितना आसान था। वह आसानी से कह सकती थी, "मैं उसे देखना नहीं चाहती, उससे बात नहीं करना चाहती, या उससे कोई लेना-देना नहीं रखना चाहती" - एक अलग करने वाली शत्रुता की दीवार। लेकिन इसके बजाय जब कैथी उस दिन टीवी के कैमरे के सामने खड़ी हुई, डेव की स्थिति के बारे में बताते हुए और अपनी संवेदना, क्षमा, याचना और आँसू साझा करते हुए, कैरली समझ गई कि उसे कैथी से मिलना था।

तीन महीनों बाद, कैरली ने कैथी से पादरी के कार्यालय में मुलाकात की और समझाया कि उसने पहले ही डेव को माफ कर दिया था। दोनों महिलाएं गले मिलीं। बाद में, वह दोनों उस स्थान पर गये जहाँ लेस्ली को गोली लगी थी, वे रोए, क्षमा व्यक्त और प्राप्त की।

परमेश्वर ने त्रासदी के माध्यम से कार्य करना शुरू कर दिया। जल्द ही, कैथी और कैरली टीवी समाचारों और चर्च समूहों के आगे अपनी कहानी एक साथ सामने लाए। कैथी ने अध्ययन करना और दुख से उभरने समूह की अगुवाई करना शुरू किया। 'चिकन सूप फॉर द शोल' में उन दोनों के लेख प्रकाशित हुए।

कैरली ने कहा, "हालांकि मेरा दिल टूट गया था, पर मेरे पास नये दोस्त हैं, पुरानी मित्रता और गहरी हो गई हैं, मैं अधिक प्रेम करने और देखभाल करने वाली बन गयी हूँ, मेरा परिवार एक अधिक मजबूत संबंध में है, और मैं परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में, बँध चुकी हूँ।"

यदि आप उनके संडे स्कूल की कक्षा में जाते, तो आप कैथी और कैरली को प्रिय मित्रों के रुप में साथ बैठे हुए पाते। यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि दोनों महिलाओं को यीशु मसीह के साथ एक संबंध है - वह उनकी शांति है, जो शत्रुता की किसी भी दीवार को तोड़ डालता है और दोनों को साथ लाता है। वह आपकी दुनिया में भी ऐसा कर सकते हैं।

.....

अक्टूबर 21 **दिन - 294**

परमेश्वर के प्रेम को छिना जा सकता है

******

जो लोग धोखे की व्यर्थ वस्तुओं पर मन लगाते हैं, वे अपने करुणानिधान को छोड़ देते हैं।
योना 2:8

क्या आप लोगों को, हमारी सबसे कीमती वस्तु; हमारी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति; हमारा सबसे मूल्यवान खजाना मानेंगे? यदि हाँ तो वे क्यों अपने आप को ड्रग्स और शराब पर एक अर्थहीन अस्तित्व के लिए बेचेंगे, अपने कीमती जन्मसिद्ध अधिकार का आदान-प्रदान बिखरे खाने या चाशनी में लिपटे पाप के लिए क्यों करेंगे? हम यहाँ रहने के अपने उद्देश्य को खोजें बिना जीने के लिए, बहुत मूल्यवान है, हम उस स्तर से नीचे जीने के लिए बहुत मूल्यवान है जो परमेश्वर की मंशा थी।

सालों तक, मैंने बचपन से एक बोझ ढोया जिसने मुझे दृष्टि से छिपाए रखा। मैंने अपना जीवन अपने परिवार के माध्यम से तब तक जिया जब तक कि टूटे हुए सपनों के दर्द ने यह मांग नहीं की कि मैं अपने अतीत से निपटाने के लिए समय निकालूँ। मसीह के देह में चंगा करने वालों ने मुझे ईमानदार बनाया; और उस सुरक्षा में, मैंने घावों को खोल दिया ताकि प्रकाश और प्रेम एक सुंदर निशान छोड़ जाएं।

मैंने शर्म और भय की प्रतिमा को बेच दिया; वास्तविक परमेश्वर के साथ एक रिश्ते के लिए, जो मुझे साहस, दिलेरी, आत्मविश्वास और भरोसा देते है कि मैं 'मैं' रहूँ और जहाँ कहीं भी रहूँ उनकी सेवा करूँ।

असल चीज़ के लिए अपनी बेकार प्रतिमा को बेचने से मत डरो।

नैन्सी शेवर [151]

---

151. पहले यह 'कम ये अपार्ट' जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1964 (कैनसस सिटी नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 94, में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा प्रयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन बाद में 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)।

.....

अक्टूबर 22 **दिन - 295**

प्रभु की प्रतीक्षा करें

******

तौभी यहोवा इसलिये विलंब करता है कि तुम पर अनुग्रह करे, और इसलिए ऊंचे उठेगा कि तुम पर दया करे। क्योंकि यहोवा न्यायी परमेश्वर है; क्या ही धन्य हैं वे जो उस पर आशा लगाए रहते हैं।

यशायाह 30:18

एक अवसर पर जब वह उनके साथ भोजन कर रहा था, उसने उन्हें आज्ञा दी :"यरुशलेम को न छोड़ो, परन्तु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो जिसकी चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो। क्योंकि यूहन्ना ने पानी में बपतिस्मा दिया है परंतु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।" प्रेरितों के काम 1:4-5

मैं चाहता हूँ कि आप जान लें कि मैं आपकी सफलता की आशा कर रहा हूँ। आपने अब तक पवित्रीकरण और पवित्र आत्मा से भरे होने के बारे में कई भक्तिमय रचनाएं पढ़ ली हैं। हो सकता है कि आप परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे हों कि वह आप में यह अनुग्रहकारी कार्य करें, लेकिन अभी तक आपके पास यह आश्वासन नहीं है कि उन्होंने कर दिया है। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप प्रभु की प्रतिक्षा करें।

प्रारंभिक शिष्यों ने चालीस दिनों तक गहन प्रार्थना की थी (प्रेरितों के काम 1:4; 2:1)। जब तक कि वे पवित्र आत्मा से भर नहीं गये (2:4)।

डॉ. वेस ट्रेसी ने प्रभु के सामने महत्वपूर्ण समय लेने के महत्व के बारे में लिखा है जब आप उनके द्वारा उस प्रार्थना का उत्तर देने की प्रतीक्षा करते हैं। यहाँ उनकी कई अंतर्दृष्टीयाँ दी गई हैं।

- पवित्रीकरण के लिये रूपांतरित के हृदय को तैयार करने के लिए बहुत कुछ कुछ करना होता है। एक तो यह कि खुद आनंदित रूपांतरित के पास आमतौर पर इसकी एक सटीक छबि नहीं होती है कि उसके जीवन में पाप कितना अंदर तक है।
- रूपांतरण और पवित्रीकरण के बीच के समय के दौरान, परमेश्वर विश्वासपूर्ण रूप से व्यक्ति की पवित्र करने वाले अनुग्रह की आवश्यकता को प्राप्त करते हैं और उसके हृदय में मसीह के लिये एक लालसा उत्पन्न करते हैं। इसमें समय लगता है। वेस्लियन रिवाइवल के दौरान रूपांतरित लोगों ने पवित्र करने वाले अनुग्रह को ढूंढने में जो समय लगाया वह पाँच वर्ष थे। उन प्रारंभिक वेस्लियन लोगों ने एक उपयोगी उदाहरण दिया। वे पवित्र करने वाले अनुग्रह को ढूंढने के लिए तेज थे लेकिन उसे स्वीकार करने में धीमे।
- वेस्ली ने उन्हें, "ना कुड़ने", "ना शिकायत करने", "ना परमेश्वर के खिलाफ बड़बड़ाने क्योंकि वे अभी तक पवित्र नहीं किये गये हैं", "ना ही स्वयं को बेकार में पीड़ा देने क्योंकि उनका समय पूरी तरह से नहीं आया है", के लिए प्रशिक्षित किया। इसके बजाय, वेस्ली ने उन्हें सलाह दी कि "शांति से और चुपचाप उसकी प्रतीक्षा करें, यह जानते हुए कि वह आएगा।"

संपूर्ण पवित्रीकरण की मेरी अपनी खोज में समय लगा। मेरा पवित्रीकरण स्पष्ट था, और मसीहत के मेरे शुरुआती दिनों नें एक बदले हुए जीवन का प्रमाण दिया। लेकिन मेरे मसीही जीवन के लगभग पाँच महीने बाद, मैंने अपनी आत्मा के तहखाने से उभरने वाले खतरनाक गुस्से को महसूस किया। मैंने पवित्रीकरण नामक एक गहरे मसीही जीवन के बारे में जाना। मैं उस आशीष के लिये प्रतिदिन परमेश्वर को ढूंढने लगा। पाँच महीने बाद, परमेश्वर ने उत्तर दिया। परमेश्वर उस समय का उपयोग मेरे ह्रदय के गहरे स्तरों की जांच करने और मुझे आत्मा की पूर्ण स्वीकृति के लिए तैयार करने के लिए कह रहे थे। तो मेरा ह्रदय आपके साथ प्रतीक्षा और ढूंढने में शामिल है जैसा कि वेस्ली ने कहा था, "वह दूसरी बार बोलेगा, 'तुम शुद्ध रहो'।"[152]

---

152. वेस्ली ट्रेसी के "एंटायर सेंटिफिकेशन एंड अनसर्टेन ट्रम्पेट्स" हेरोल्ड ऑफ होलीनेस अक्टूबर 1990 (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस) 6-7 से ली गई जानकारी।अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'होलीनेस टुडे' बन गया है)।

.....

अक्टूबर 23 **दिन - 296**

डॉ. ब्रेसी की गवाही

******

इसी कारण यीशु ने भी लोगों को अपने ही लहू के द्वारा पवित्र करने के लिए फाटक के बाहर दुःख उठाया। इब्रानियों 13:12

डॉ. फिनियस ब्रेसी को चर्च ऑफ द नाज़रीन का संस्थापक माना जाता है। 1884 में, उन्होंने पवित्र आत्मा के एक प्रभावशाली कार्य का अनुभव किया। उन्होंने परिणाम को अपने शब्दों में वर्णित किया:

यह मेरे होठों पर आग की तरह लगा, और वह जलन कई दिनों तक रही। हालांकि वह सब अपने आप में कुछ नहीं था, लेकिन उसके साथ मेरे हृदय और मेरे अस्तित्व में जीवन और आशीष, जोश और महिमा की एक रुपातंरित स्थिति आई, जिसे मैंने पहले कभी नहीं जाना था।

मुझे लगा कि मेरी जरूरत पूरी हो गई है। मैं हमेशा से अपने निजी अनुभव के संदर्भ में बहुत संकोची था। मैं वह कभी भूल नहीं पाया, और मैंने इसके बारे में बहुत कम व्यक्त किया है; लेकिन तब मेरी सेवकाई में आत्मिक जीवन और शक्ति का एक नया तत्व आया। लोग पूर्ण उद्धार की आशीष पाने लगे, अधिक लोग रूपांतरित हुए; और उस चर्च में मेरी सेवकाई का अंतिम वर्ष निरंतर रिवाइवल (पुनरुद्धार) सेवकाई द्वारा लगातार सफल रहा। जब तीसरा वर्ष समाप्त होने को आया, चर्च सदस्यता में और निर्माण में हर तरह से दोगुना हो गया था।

डॉ. विलियम ग्रेटहाउस अपनी उत्कृष्ट पुस्तक, 'होलनेस इन क्राइस्ट' में जॉन वेस्ली को उद्धृत करते हैं:

"लेकिन वह विश्वास क्या है जिसमें हम पवित्र किये जाते हैं.....?"..... इस विश्वास के साथ-साथ परमेश्वर अब हमें पवित्र करने में सक्षम और इच्छुक दोनों है, एक और चीज की जरूरत है, एक अलौकिक प्रमाण और दृढ़ विश्वास की, कि वह ऐसा करते हैं..... यदि आप इसे विश्वास से खोजते हैं, तो आप उसकी उपेक्षा वैसे ही कर सकते हैं जैसे आप कर रहे हैं; और यदि आप वैसा कर रहे हैं, तो उसकी अभी अपेक्षा करें।

.....विश्वास से उसकी अपेक्षा करें, जैसा कर रहे हैं वैसा ही करें, और उसकी अभी अपेक्षा करें!

उन लोगों के साथ जुड़े जो इस पवित्र सत्य को पूरी दुनिया में फैलने की प्रार्थना कर रहे हैं।[153]

---

153. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2008) में प्रकाशित हुआ है।

.....

अक्टूबर 24 **दिन - 297**

एक आत्मिक युद्ध

******

क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है, और ये एक दूसरे के विरोधी है, इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। गलातियों 5:17[(154)]

कैसी दुर्दशा है! यदि आप यीशु मसीह का अनुसरण करने के बारें में आधे भी गंभीर हैं, तो यह संघर्ष आपकी आत्मा को कुचलेगा। ऊपर दिये गए वचन गलातियों के मसीहीयों के लिए लिखे गए थे, लेकिन आज भी बहुत से लोग जो मसीही हैं, अभी भी पवित्र आत्मा और शेष आत्म-केंद्रितता के बीच एक लड़ाई का अनुभव करते हैं।

इफिसियों के मसीहियों को लिखे गए अपने पत्र में, पौलुस पुष्टि करता है कि वे अपराधों और पापों में रहते थे, लेकिन अब वे यीशु मसीह के अनुग्रह से उस जीवन शैली से बचाए गए हैं (2:1-2, 5)। लेकिन फिर वह एक सुराग छोड़ता है। पाप करने के पीछे, उन कार्यों को प्रेरित करने वाली एक आंतरिक शक्ति है: "हमारे शरीर की लालसाओं को पूरा करना और उसकी इच्छाओं और विचारों का पालन करना" (इफिसियों 2:3)। पाप के पीछे, लालसाएं; लालसाओं के पीछे, पापी स्वभाव - या जिसे हम आत्म-केंद्रितता कह सकते हैं।

गलातियों ने भी इसी समस्या का सामना किया। व्यवस्था इस समस्या का समाधान नहीं कर सकी। इसमें एक घटाव और जोड़ शामिल है:

घटाव: "और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है" (गलातियों 5:24)। "क्रूस पर चढ़ा दिया" मृत्यु की तरह लगता है।

जोड़: "यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं तो आत्मा के अनुसार चलें भी" (गलातियों 5:25)। स्पष्ट रूप से एक वर्तमान में चल रहा संबंध है, लेकिन संबंध को जीने के लिए, आपको इसमें प्रवेश करना होगा - शादी को जीने के लिए, आपको शादी करनी होगी। और एक बार आप इसमें शामिल हो जाते हैं, तो वह संबंधित कितना गतिशील होता है: "आत्मा के अनुसार चलें।"

यह सच है - जिस क्षण से आप मसीह को स्वीकार करते हैं और उसका अनुसरण करना शुरू करते हैं, आप "आत्मा से जन्में" होते हैं (यूहन्ना 3:8) और आपमें आत्मा बसती है (रोमियों 8:9)। लेकिन आप "आत्मा से भरे हुए" नहीं होते।

जिस क्षण आप अपने लिविंग रूम में जाते हैं और लाइट स्वीच को ऑन करते हैं, तो प्रकाश स्वाभाविक रूप से कमरे के हर कोने में चला जाता है। आपको एक कुर्सी पर खड़े होकर, अपने बल्ब तक पहुँचने और प्रकाश को फर्श और कमरे के दूर के कोनों तक इंगित करने की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कमरे के सावधानीपूर्वक निरीक्षण से छाया का पता चलता है - फर्नीचर प्रकाश की किरणों को अवरुद्ध करता है। कमरे को प्रकाश से भरने के लिए, आपको फर्नीचर को बाहर निकलना होगा जैसे कि वसंत में अच्छी तरह से सफाई में होता है। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आत्मिक क्षेत्र में, आत्मा से भरे जाने और आत्मा में चलने के लिए, पापी स्वभाव को पहले क्रूस पर चढ़ाना होगा।

डेविड अपने चर्च में तेरह वर्षों से निष्ठापूर्वक जा रहा था। वह रूपांतरित हो गया था, पर उसने "पवित्रीकरण" नामक एक गहरे मसीही जीवन के बारे में सुना था।

उसने सोचा कि वह इसमें जा सकता है। समय-समय पर, वह अपने चर्च के सामने जाता और प्रार्थना करता, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उसने निष्कर्ष निकाला, "यह मेरे लिए नहीं है"।

हालांकि रिवाइवल सेवाओं के एक गहन सप्ताह की तैयारी में, उसके चर्च ने पाँच अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करने की चुनौती जारी करी ताकि वे आत्मिक सहायता प्राप्त करें। डेविड अपने लिए प्रार्थना करने लगा। एक रात रिवाइवल सेवा के दौरान, उसने महसूस किया कि अगर उसने उस रात कदम नहीं उठाया, तो वह कभी नहीं कर पाएगा। डेविड ने वर्णन किया, "मुझे बहुत शांति महसूस हुई। युद्ध खत्म हो गया था। गुडबाय, रोलर कोस्टर।"

बाद में, उसने अपने पादरी को निम्नलिखित ईमेल भेजा: "मैं बस यह बताना चाहता हूँ कि आपके पास चर्च का एक नया सदस्य है और वह मैं हूँ।"

डेविड प्रार्थना करने, बाइबिल पढ़ने और आत्मा के अनुसार रोज चलने लगा, यह कहते हुए कि "मैंने यह पहले क्यों नहीं किया"?

गलातियों के लिए, डेविड के लिए, आपके और मेरे लिए - पापी स्वभाव को क्रूस पर चढ़ाने और पवित्र आत्मा से भरने और अगुवाई के द्वारा, युद्ध जीता जा सकता है।

---

154. यह जानना उपयोगी हो सकता है कि एनआईवी (NIV) के 1984 के संस्करण में "शरीर" के बजाय "पापी स्वभाव" शब्द का उपयोग किया गया था।

.....

अक्टूबर 25 **दिन - 298**

आज की प्राथमिकता

******

कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे है, वे सब यीशु के नाम पर घुटने टेकें। फिलिप्पियों 2:10

और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आप को मरे हुओं में से जी उठा जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धर्म के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। रोमियों 6:13

एक मसीही की प्राथमिकताओं के सही क्रम पर लंबे समय से बहस चल रही है। एक क्रम कहता है, "परमेश्वर पहले; अन्य लोग दूसरे; और मैं तीसरा।" एक और कहता है, "मसीह, परिवार, मसीही सेवा, कार्य।" मेरा मानना है कि हमारी दैनिक प्राथमिकताओं को समझने का एक अधिक सक्रिय तरीका है।

एक पहिये के केन्द्र की तरह, मसीह जीवन की सभी गतिविधियाँ की नियंत्रण शक्ति है; हमारे जीवन का प्रत्येक भाग उनकी धार्मिकता का साधन बनना है। यह हमारे पारिवारिक संबंधों में; हमारी मसीही सेवाओं या सेवकाई में; हमारे कार्य में; और आदि में व्यक्त होता है। जब आप जीवन की सड़क पर यात्रा करते हैं तो एक पल में, पहिये की परिवार वाली तीली जमीन को छुती है, क्योंकि उस समय आपके परिवार को सबसे ज्यादा ध्यान की जरूरत होती है। दूसरे पल में, वित्त की तीली जमीन को छू सकती है; अन्य पल में, वह मसीही सेवाओं की तीली या कार्य की जिम्मेदारी की तीली हो सकती है।

मुझे इसे अपने जीवन से जोड़ने दें। जब मैं पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में, देश में यात्रा कर रहा था, तब मेरा बेटा स्कूल में संघर्ष कर रहा था।

जब मुझे मेरे स्थानीय सेमिनरी में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था, तो नौकरी लेने के मेरे निर्णय में एक प्रमुख कारक, अपने बेटे को अधिक ध्यान देना था। उस समय, पहिये की परिवार वाली तीली को मेरे जीवन की सड़क पर, विशेष ध्यान और मुख्यार्थ मिला।

जब मैं अपनी डॉक्टरेट की डिग्री के लिए अपनी अंतिम परियोजना लिख रहा था, तो मैं परियोजना को समय देने के लिए अपने नियमित कार्य (अध्यापन) से पीछे हट गया। मैंने समय सीमा तक उसे पूरा कर लिया, और प्रभुने मुझे कहा, "यह प्रकाशित किया जाएगा।" अपेक्षित रूप से, वह परियोजना 'लिविंग इन द पावर ऑफ द स्पिरिट' बनी, जिसने बदले में 'बेसिक बाइबिल स्टडीज फॉर द स्पिरिट फील्ड एंड सेंटिफाइड' का निर्माण किया।

जब मैं पादरी सेवकाई कर रहा था, रॉय और नौरा नामक एक जोड़ा हमारे चर्च में सक्रिय था। नौरा के अभी-अभी दोनों पैर काट दिये गये थे और वह अभी भी अस्पताल में भर्ती थी। वह क्रिसमस की सुबह थी, हमारे तीनों बच्चे उपहार खोलने के लिए उत्साहित थे। लेकिन मुझे एक फोन आया यह बताते हुए कि रॉय को अभी-अभी दिल का दौरा पड़ा है और वह उसी अस्पताल में है जहाँ नौरा है।

मैंने अपने बच्चों को क्रिसमस के उपहार खोलने के लिए कुछ घंटे प्रतीक्षा करने के लिए कहा, ताकि मैं उस हताश जोड़े को कुछ सांत्वना दे सकूं। उस पल में, मसीही सेवा या सेवकाई, प्रमुख तीली बन गई।

हाल ही में, अपनी प्रिय संडे स्कूल की कक्षा को पढ़ाने के पैंतालीस वर्षों के बाद, इस भक्तिमय पुस्तक को पूरा करने के लिए (कार्य की तीली) और अपनी पत्नी को अधिक प्यार और ध्यान देने के लिए जो अल्जाइमर से जूझ रही है (परिवार की तीली) मुझे पीछे हटना पड़ा।

इन सभी मामलों में, मसीह इन विभिन्न प्राथमिकताओं के केंद्र में थे। जीवन के अलग-अलग समय में, मसीह के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अलग-अलग महत्वों के साथ व्यक्त की जाएगी। आज कौन सी तीली आपकी प्राथमिकता है?

.....

अक्टूबर 26 **दिन - 299**

एक क्षतिग्रस्त अंगूठा

******

क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है वही काटेगा, क्योंकि जो अपने शरीर के लिए बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा। गलातियों 6:7-8

मेरे हाथ के अंगूठे के सिरे की त्वचा फट गई थी। कैनसस सिटी में सर्दिया काफी ठंडी हो सकती है। हम में से अधिकांश लोग अपने घरों को प्राकृतिक गैस से गरम रखते हैं, जो कि सस्ती होती है लेकिन घर के वातावरण पर एक शुष्क प्रभाव डालती है। और निश्चित रूप से अत्यधिक सूखापन त्वचा को प्रभावित करता है।

मैं जब घर पर होता तो अपने क्षतिग्रस्त अंगूठे पर लोशन लगाकर और जब बाहर होता तो दस्ताने पहनकर, उसका इलाज करने की कोशिश करता। इससे मुझे थोड़ी राहत मिलती लेकिन ज्यादातर समय मैं दर्द में रहता था। अंतत: मुद्दा सिर्फ मेरा अंगूठा नहीं रहा - मैंने पाया कि मेरे अंगूठे ने किसी भी चीज को छुआ तो वह भी प्रभावित हो गया था।

बटन लगाना एक विशेष चुनौती बन गया। क्या आप अपने अंगूठे के बिना, एक छोटे से छेद से बटन लगा सकते हैं?

मैंने जाना की अंगूठे कि समस्या ने बटन की समस्या पैदा कर दी थी। यह कारण और प्रभाव के नियम का एक उदाहरण है। यह नियम आत्मिक क्षेत्र में भी सत्य ठहरता है: यदि आप एक पापी स्वभाव को आश्रय देना जारी रखते हैं तो उस स्वभाव से उत्पन्न होने वाली प्रत्येक क्रिया और आपके द्वारा स्पर्श की जाने वाली प्रत्येक चीज भी प्रभावित होगी, और दूषित भी - यह आपके "विनाश की कटनी काटने" का कारण भी बनेगा। पापी स्वभाव के कार्य "व्यभिचार, गंदे काम, लुचपन, मूर्तिपूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, डाह, मतवालापन, लीला क्रीडा और इनके जैसे और काम" (गलातियों 5:19-21), जैसी चीजों को उत्पन्न करेंगे। इसीलिए मैं निष्कर्ष निकालता हूँ कि पापी प्रकृति से मुक्त होना बहुत महत्वपूर्ण है।

.....

अक्टूबर 27 **दिन - 300**

मैं मंदिर में कैसे आ सकता हूँ?

******

यीशु ने उनको उत्तर दिया, "इस मंदिर को ढा दो और मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूंगा। यहूदियों ने कहा, "इस मंदिर के बनाने में छियालिस वर्ष लगे हैं, और क्या तू उसे तीन दिन में खड़ा कर देगा?" परंतु उसने अपनी देह के मंदिर के विषय में कहा था। अतः जब वह मुर्दों में से जी उठा तो उसके चेलों को स्मरण आया कि उसने यह कहा था। यूहन्ना 2:19-22

हालांकि, मनीला में 1989 में विश्व समाचार प्रचार के लिये लॉजेन ॥ कांग्रेस में चार हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया था फिर भी हमारी कई छोटे समूह की बैठकें हुई। एक छोटे समूह के भोजन के दौरान, मैंने अपने बगल के चीनी आदमी से पूछा कि वह क्या करता है। उसने मुझे बताया कि वह एक पादरी था और अभी-अभी जेल से छूटा था। वह प्रचार करने के लिए चीन वापस जाने वाला था और उसके बाद, उसे फिर से कैद किया जाएगा। जब उसने मुझे यह बताया - वह बहुत शांत था - कैसे? मेरा चीनी भाई जानता था कि, एक जेल की कोठरी में भी वह यीशु मसीह की आराधना और उनके साथ एक जीवित संबंध रख सकता था।

आज का वचन उस समय शुरु होता है जब मसीह ने व्यापारियों को बाहर निकालकर मंदिर की सफाई की। जब यहूदी अधिकारियों ने उन्हें चुनौती दी, तब यीशु ने कहा, "इस मंदिर को ढा दो, और मैं इसे तीन महीने में खड़ा कर दूंगा।" वह अपने पुनरुत्थान की बात कर रहे थे, जिसका अर्थ था कि वह स्वयं आराधना के नये मंदिर होंगे।

इस भक्तिमय पुस्तक में किसी और जगह पर, मैंने मसीहियों के आराधना करने के लिए एक साथ इकट्ठे होने के महत्व का वर्णन किया है। मैंने इब्रानियों 19:25 को उद्धृत किया, जो "एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना ना छोड़ने" के बारे में बताता है। मैंने जो कुछ भी लिखा है, मैं उस पर कायम हूँ। फिर भी, इसे लिखने के समय, कोविड-19 फैलने के जोखिम के कारण बहुत से लोग बड़ी भीड़ में एकत्रित नहीं हो पा रहे थे। कुछ लोग फेसबुक या झूम के माध्यम से परिवार के कुछ सदस्यों के साथ आराधना सेवा देखते हैं। अन्य लोग प्रतिकूल सरकार द्वारा कैद होते हैं। फिर भी, क्योंकि उनका यीशु मसीह के साथ एक व्यक्तिगत संबंध है, ये लोग अभी भी वास्तव में आराधना करते हैं।

पुराना मंदिर चला गया है; मसीह अब हमारे आराधना के मंदिर हैं।

यदि हम बिल्डिंग में ना भी जा सके, तब भी हम मंदिर, यीशु मसीह, में जा सकते हैं। जिस समय यीशु की क्रूस पर मृत्यु हुई, तब मंदिर का परमपवित्र स्थान का पर्दा ऊपर से नीचे तक फट गया, शक्तिशाली रूप से इस बात का प्रतीक की अब हमारे पास पवित्र परमेश्वर और सभी पापों से पूरी शुद्धता है (मत्ति 27:51)। वही है जिससे हम अपने पापों की क्षमा मांगते हैं, वही स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का संबंध है। जब फरीसियों ने सब्त के दिन उनके कार्यों के लिए, यीशु की आलोचना की, तो उन्होंने उत्तर दिया, "पर मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ वह है जो मंदिर से भी बड़ा है" (मत्ति 12:6)।

पवित्र नगर, यरुशलेम के स्वर्ग से नीचे आने का वर्णन करते हुए, यूहन्ना ने बताया, "मैंने उसमें कोई मंदिर न देखा, क्योंकि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर और मेमना उसका मंदिर है" (प्रकाशितवाक्य 21:22)। मेमना मसीह है।

हमारे मंदिर, यीशु मसीह के साथ यह वर्तमान का, व्यक्तिगत संबंध पवित्र आत्मा की सेवकाई द्वारा संभव बनाया गया है। यीशु ने अपने चेलों को यह इस प्रकार समझाया: "परंतु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा, परंतु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा और आने वाली बातें तुम्हें बताएगा।" (यूहन्ना 16:13-15)

लॉजेन कांग्रेस के एक प्रमुख वक्ता, पादरी चेन ने चीनी जेल शिविरों में अठारह वर्ष बिताए थे। फिर भी, एक सुसमाचार प्रचारक के रूप में, वह वापस जाते रहते हैं। उन अठारह वर्षों में, जेल प्रहरियों ने पादरी चेन को अपमानित और परेशान करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने उन्हें मानव अपशिष्ट के जेल के हौज को साफ करने का काम दिया। आमतौर पर, पादरी चेन को अकेला रहना प्रहरियों को पसंद नहीं था, लेकिन जब वह हौज में काम कर रहे थे, तो प्रहरी उनके पास नहीं रहना चाहते थे। तब पादरी चेन बिना किसी उत्पीड़न के जोर से प्रार्थना कर सकते थे, गा सकते थे, और पवित्र शास्त्र को उद्धृत कर सकते थे। पादरी चेन ने कहा, "मैं मानव अपशिष्ट के हौज में जाने के अपने समय की प्रतीक्षा करता था। मैं अपना एक पसंदीदा भजन गा सकता था।" यहाँ उस भजन के कुछ शब्द है जिसे पादरी चेन हौज को साफ करते हुए गाना पसंद करते थे:

आइ कम टू द गार्डन अलोन,
वाइल द ड्यू इज़ स्टील ऑन द रोजेज़;
एंड द वॉयस आइ हियर,
फॉलिंग ऑन माय ईयर,
द सन ऑफ गॉड डिस्क्लोजेज़।
एंड ही वॉक्स विद मी,
एंड ही टॉक्स विद मी,
एंड ही टेल्स मी आइ ऐम हिज़ ओन।
एंड द जॉय वी शेयर एज वी टैरी देयर,
नन अदर हिज़ एवर नोन। [155]

यह सब इसलिए संभव है क्योंकि यीशु मसीह हमारे असल मंदिर हैं - हमारा आश्रय जिसमें हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर की आराधना कर सकते हैं।

---

155. सी. अस्टीन माइल्स, "इन द गार्डन", 1912, सिंग टू द लॉर्ड: हयामनल (कैनसस सिटी, एमओ: लीलीनस पब्लिशिंग कंपनी, 1993), # 606।

.....

अक्टूबर 28 **दिन - 301**

भोजन वितरण: आत्मा से परिपूर्ण पुरुष

******

उन दिनों में जब चेलों की संख्या बहुत बढ़ने लगी तब यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानी भाषा बोलनेवालों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रतिदिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती। तब उन बारहों ने चेलों की मंडली को अपने पास बुलाकर कहा, "यह ठीक नहीं है कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने-पिलाने की सेवा में रहें। इसलिए हे भाइयों अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परंतु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे। प्रेरितों के काम 6:1-4

चर्च में विधवाओं को भोजन की आवश्यकता थी - हालांकि, प्रचारक लोग सभी कुछ नहीं कर सकते थे। इसके बजाय, उन्होंने व्यवस्थित करने, संचालित करने और भोजन को परोसने के लिए सात अयाजकीय लोगों को चुनने का फैसला किया। पाँच साल पहले पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा के उंडेले जाने के बाद से चर्च का काफी विकास हुआ था - यरुशलेम के आस-पास उनकी हजारों में संख्या थी। उनके पास ऐसे कई लोग थे जिन्होंने उद्धारकर्ता को स्वीकार किया था और आत्मा से जन्मे थे, लेकिन जिनका उन्हें इस कार्य के लिए चुनाव करना था। उनका असाधारण आत्मिक सामर्थ्य वाले व्यक्ति होना जरूरी था। प्रेरितों ने कलीसिया को निर्देश दिया कि वे केवल उन्हीं को चुनें "जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हैं"। प्रेरितों के काम 6:3

जब वह उन्नीस वर्ष का था, रॉबर्ट निकोलस शिकागो में काम ढूंढने के लिए ओंटारियो कनाडा से चला गया। उसने कनाडा में अपने परिवार के खेत में कड़ी मेहनत करना सिखा था, और मेथोडिस्ट चर्च से उद्धार के रास्ते के बारे में जाना था।

जब वह शिकागो में आया, तो उसने एक स्थानीय हार्डवेयर की दुकान में काम करना शुरू किया और वह ईमानदारी से अपना साप्ताहिक वेतन में से दशवांश देता था। जल्द ही वह उस मेथोडिस्ट चर्च, जिसमें वह जाता था, उस के संडे स्कूल और सुसमाचार प्रचार में सक्रिय हो गया। उसके नये दोस्त बनें। एक प्यारी युवती उसकी पत्नी बनी।

पाँच वर्षों के भीतर रॉबर्ट ने पास के ओक पार्क में अपना हार्डवेयर व्यवसाय स्थापित कर लिया था। उसने अपने स्टोर को डलिनॉय में सबसे बड़े हार्डवेयर, हाउस-फर्निशिंग और उपकरण व्यवसायों में से एक बना दिया। वह लेक मिरियन बिजनेस डिस्ट्रिक्ट को विकसित करने में प्रभावशाली था, जो अंततः शहर का व्यावसायिक केंद्र बन गया।

लेकिन रॉबर्ट का दिल संतुष्ट नहीं था। हालांकि उसका व्यवसाय बढ़ रहा था और वह अपनी पत्नी और तीन छोटे बच्चों के साथ खुश था, फिर भी उसे लगा कि कुछ कमी है। एक दिन, उसे सस्केचेवान में उनकी बहन से सूचना मिली कि उसे उसकी जरूरत है। जब रॉबर्ट उनसे मिलने जा रहा था तो वह रास्ते में परिवार के किसी अन्य सदस्य से मिलने के लिए दूसरी जगह चला गया।

जब रॉबर्ट अपनी बहन के घर पहुँचा तो उसने (बहन) एक प्रचारक से मिलवाया, जो एक संक्षिप्त मुलाकात के लिए आए थे और स्थानीय सेवाओं का आयोजन कर रहे थे।

प्रचारक ने उनसे पूछा, "मिस्टर निकोलस, क्या आपने अपना जीवन पूर्ण रूप से परमेश्वर को दिया है?"(156)

तुरंत ही रॉबर्ट घुटनों पर आ गया और उसमें पूरी तरह से समर्पित होने की प्रार्थना की। उसने प्रचारक से वादा किया कि वह शाम की सेवा में शामिल होगा।

जब ऑल्टर कॉल दी गई, रॉबर्ट निकोलस आगे गया। उसने बाद में गवाही दी; "मैंने बिना किसी शर्त के अपना जीवन परमेश्वर को सौंप दिया। अंततः जब मैंने प्रार्थना की, मैं परमेश्वर की स्तुति करने लगा; तब पवित्र आत्मा ने मेरा ह्रदय इतना भर दिया कि वह आनंद से भरपूर हो गया..... मैं प्रार्थना की वेदी पर एक नए व्यक्ति के रूप में खड़ा हुआ और मेरा जीवन, मेरी असफलताओं और कमियों के बावजूद परमेश्वर के साथ उस मुलाकात के बाद से फिर कभी पहले जैसा नहीं रहा।

वर्षों से समुदाय और चर्च में व्यवसाय और बड़ी जिम्मेदारी का जबरदस्त दबाव रहा है और इन्हीं दबावों ने शायद मुझे उद्धारकर्ता से दूर गया था, लेकिन इस तथ्य के साथ की भीतर बसने वाली उस आत्मा का ज्ञान, जो मेरे ह्रदय में निवास करने आयी, हमेशा मेरे साथ था।(157)

जब रॉबर्ट घर वापस आया तो उसकी पत्नी बेसमेंट में कपड़े धो रही थी। जैसे ही वह सीढ़ियों से नीचे आई, वह जान गई थी कि कुछ अलग था - उसके लिए उसके (पत्नी) पहले शब्द थे, "रॉब, तुम्हें क्या हुआ है?"(158)

उसने गवाही दी और रोया, और वह उसकी पत्नी ने एक साथ घुटने टेके, और उस (पत्नी) ने अपना सब कुछ यीशु को समर्पित कर दिया और वह भी पवित्र आत्मा से भर गई।

जल्द ही, रॉबर्ट निकोलस ने अपना हार्डवेयर स्टोर बेच दिया। दस साल तक, वह एक बिल्डिंग एंड लोन एसोसिएशन का अध्यक्ष रहा। फिर वह मूडी बाइबिल कॉलेज और बीटन बाइबिल कॉलेज, दोनों के ट्रस्टी बन गया, अपने चर्च की सेवा की और ओक पार्क में उद्यमों में योगदान दिया।

वह 1 थिस्सलुनीकियों 3:16 में वर्णित लोगों की तरह था: "हम रात-दिन बहुत ही प्रार्थना करते रहते हैं कि तुम्हारा मुँह देंखे और तुम्हारे विश्वास की घटी पूरी करें", लेकिन पवित्र आत्मा से भर जाने के बाद, वह 2 तीमुथियुस 2:21 में वर्णित लोगों की तरह बन गया: "यदि कोई अपने आपको इनसे शुद्ध करेगा, तो वह आदर का बरतन और पवित्र ठहरेगा, और स्वामी के काम आएगा, हर भले काम के लिए तैयार होगा।"

इतने सारे मसीहियों में इस प्रकार के आनंद और अति प्रवाहित स्तुति की कमी क्यों है? रॉबर्ट निकोलस के अनुसार, "पवित्र आत्मा की परिपूर्णता के लिए उद्धारकर्ता को जीवन का पूर्ण समर्पण देना चाहिए।"(159)

हे प्रभु, हम आत्म-समर्पण करने पाएं। हम पवित्र आत्मा की परिपूर्णता का अनुभव करने पाएं।

---

157. एडमन, दे फाउंड द सीक्रेट, 102

158. एडमन, दे फाउंड द सीक्रेट, 103

159. एडमन, दे फाउंड द सीक्रेट, 104

.....

अक्टूबर 29 **दिन - 302**

मैं विश्वास करता हूँ

******

परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे; और यरुशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। प्रेरितों के काम 1:8

पिछले दस वर्षों से, परमेश्वर की आत्मा ने बार-बार मेरे हृदय में चार बड़े विषयों को उजागर किया है: गवाही, सुसमाचार प्रचार, पुनरुद्धार और पवित्रता। मैं चारों में विश्वास करता हूँ।

गवाही: यह प्रत्येक मसीही विश्वासी का विशेष अधिकार उत्तरदायित्व है कि वे दूसरों के साथ वह साझा करें जो मसीह ने उनके जीवन में किया है (प्रेरितों के काम 1:8)।

सुसमाचार-प्रचार: चूँकि "सुसमाचार-प्रचार" शब्द का बाइबिल आधारित अर्थ "सुसमाचार सुनाना है", इसलिए हमें प्रेरितों के काम 2:38 में, पतरस और 2 कुरिन्थियों 5:11, 20 में पौलुस की तरह, सुसमाचार के तथ्यों को साझा करना चाहिए और लोगों को मसीह को स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश करनी चाहिए।

पुनरुद्धार: चूँकि जीवन के हर क्षेत्रों (शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आत्मिक) में नवीनीकृत की आवश्यकता होना मानव स्वभाव है, यह चर्च की जिम्मेदारी है कि वह पुनरुद्धार - सुसमाचार बैठकों की एक केंद्रीत श्रृंखला जो लोगों को एक प्रतिबद्धता करने के लिए बुलाती है - को बढ़ावा दें। इसके अतिरिक्त, हमें व्यापक पुनरुद्धार के लिए प्रार्थना करनी है - एक महान आत्मिक चलन जो बड़ी संख्या में लोगों को राज्य में ले जाएगा, जैसा कि प्रेरितों के काम 4:4 में और स्कॉटलैंड में हेब्राइड्स रिवाइवल (1949-52) में हुआ था।

पवित्रता: चूँकि नये जन्म से परे भी मसीही जीवन का एक गहरा स्तर होता है, हमे लोगों को आत्मा से भरे और आत्मा के अनुसार जीवन में ले जाने का प्रयास करना चाहिए (गलातियों: 5:25)। यह जीवन संपूर्ण पवित्रता के साथ शुरुआत होता है (1 थिस्सुलुनीकियों 5:23-24; 1 पतरस 1:2) और अनुग्रह द्वारा एक भरपूर तृप्ति और परमेश्वर के लिए उत्साह के जीवन में बढ़ते हैं (2 पतरस 3:18)।

मैं विश्वास करता हूँ। क्या आप करते हैं?[160]

---

160. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूजलेटर (दिसम्बर 2017)

.....

अक्टूबर 30 **दिन - 303**

पवित्र आत्मा के प्रति संवेदनशील

******

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित है तो आत्मा के अनुसार चलें भी। गलातियों 5:25

जैसे मैं 2020 में इन शब्दों पर लिख रहा हूँ, दुनिया कोविड-19 के साथ एक बड़ी लड़ाई में है। अब हफ्तों और महीनों से, हमें बार-बार हाथ धोने, दूसरों से दूरी बनाये रखने और सार्वजनिक जगहों में मास्क पहनना याद दिलाया गया है।

हाल ही में एक असिस्टेंड-लिविंग फैसिलिटी के निवासी के साथ बातचीत में, उन्होंने मुझसे कहा, "हमें अपना कमरा छोड़ने की जरूरत नहीं होती। सभी समय के भोजन हमारे दरवाजे पर पहुँचा दिए जाते हैं। यहाँ तक कि हमारा मेल भी हम तक पहुँचाया जाता है।"

नेतागण, वैज्ञानिक, चिकित्साकर्मी, और आम लोग इस वायरस को हराने के लिए वह सब कर रहे हैं जो वे कर सकते हैं। कई लोग प्रार्थना कर रहें हैं और सर्वशक्तिमान परमेश्वर के अंत:क्षेप करने का इंतजार कर रहे हैं।

हाल ही में, मैं जब एक परिचित के साथ बात कर रहा था, उसने कहा, "हम कितनी अच्छी तरह से जानते हैं कि हमें क्या करना है - जैसे अपने हाथ धोने और दूसरों से दूरी बनाए रखना। कैसा होता है यदि हम पवित्र आत्मा के प्रति इतना ही संवेदनशील होते तो?"

पहले तो, मैं उसके शब्दों से हैरान रह गया। लेकिन फिर मैं सोचने लगा कि पवित्र आत्मा के बारे में बाइबिल क्या सिखाती है। पवित्र आत्मा के कई कार्य है, लेकिन सबसे महान कार्यों में से एक है यीशु का प्रतिनिधित्व करना। (15:26)

यीशु ने कहा था, "परंतु जब वह सहायक आएगा जिसे मैं तुम्हारे पिता की ओर से भेजूंगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, तो वह मेरी गवाही देगा" (यूहन्ना 15:26)।

यीशु ने यह भी कहा था, "परंतु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा परंतु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा" (यूहन्ना 16:13-14)।

ध्यान दें कि यीशु ने कहा था कि आत्मा "तुम्हें मार्ग बताएगा"। नया नियम पवित्र आत्मा के मसीहियों से बात करने, निर्देशन करने और मार्गदर्शन करने के विवरणों से भरा हुआ है। हमारे लिए चुनौती, सुनने और पालन करने के लिए पर्याप्त रूप से संवेदनशील होने की है।

यह रहें कुछ अंर्तदृष्टियाँ:

- गलातियों 5:18: "और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो तो व्यवस्था के अधीन न रहे।"
- इफिसियों 4:30: "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिए छाप दी गई है।"
- 1 थिस्सलुनीकियों 5:19: "आत्मा को न बुझाओ।"
- रोमियों 8:4: "इसलिये कि व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए।"

- प्रेरितों के काम 9:31: "और वह (चर्च) प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शांति में चलती और बढ़ती गई।"
- प्रेरितों के काम 20:22: पौलुस बताता है, "अब देखो, मैं आत्मा में बंधा हुआ यरूशलेम को जाता हूँ, और नहीं जानता कि वह वहाँ मुझ पर क्या-क्या बीतेगा।"
- प्रेरितों के काम 8:29: "तब आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट जाकर इस रथ के साथ हो ले।"

कृपया पौलुस और फिलिप्पुस की आत्मिक अवस्थाओं के पहले के विवरणों पर ध्यान दें:

- प्रेरितों के काम 13:9: "तब शाऊल ने जिसका नाम पौलुस भी है, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो इलिमास की ओर टकटकी लगाकर देखा।"
- प्रेरितों के काम 6:3, 5: "हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चून लो। इस प्रस्ताव ने पूरे समूह को प्रसन्न किया। उन्होंने स्तिफनुस, नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था चुना; और फिलिप्पुस ....."

हे प्रभु, मुझे अपनी पवित्र आत्मा से भर दें। मुझे अपनी पवित्र आत्मा के अनुसार चलाएं। मुझे पवित्र आत्मा के प्रति इतना संवेदनशील बना दें कि मैं आपकी दिशा से ना भटकूं।

.....

अक्टूबर 31 **दिन - 304**

मैंने अपना आपा नहीं खोया है

******

प्रेम धीरजवंत है, और कृपालु है: प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता।
1 कुरिन्थियों 13:4-5

मैं लू से ओहायो में मिला जब वह एक शनिवार के सेमिनार के बाद रोते हुए मेरे पास आया।

"मैं दस साल से पवित्र होने की मांग कर रहा हूँ", उसने मुझे बताया। "क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं?" तो मैंने लू को सलाह दी।

रविवार को, वह वेदी के पास गया और स्पष्ट गवाही दी कि परमेश्वर ने उसे पवित्र कर दिया था। सोमवार को, मैंने उससे पूछा कि क्या उसने अपने पवित्रीकरण के बाद से अपने जीवन में कोई अंदर देखा है।

उसने जवाब दिया, "मैंने अपना आपा नहीं खोया है, मैंने अपनी पत्नी की मदद की, और मैं उससे कहता रहता हूँ कि मैं उससे प्यार करता हूँ।

बुधवार की रात को, जब रिवाइवल सेवाओं समाप्त हो रही थी, लू ने मुझसे कहा, "मैंने शनिवार से अपना आपा नहीं खोया है। मैं सौ प्रतिशत निश्चित हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं कहाँ जा रहा हूँ - स्वर्ग।"(161)

.....

नवम्बर 1 **दिन - 305**

आप कितने अच्छे हो सकते हैं?

******

तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23

पहले जब हमारे बच्चे घर पर हुआ करते थे, एक रविवार की सुबह हम चर्च और संडे स्कूल के लिए जाने के लिए तैयार हो रहे थे। चूँकि हम कक्षा शुरू होने से पहले कॉफी और डोनट्स बांटते थे। मेरी पत्नी नैन्सी और मैं हर हफ्ते अपनी विशाल आकार के कॉफी पॉट (बरतन) के साथ चर्च आते-जाते थे। उस दिन, जब हमारे तीनों बच्चे घर के दूसरे छोर पर तैयार हो रहे थे। मैंने नैन्सी से कहा, "हम आज कॉफी पॉट चर्च में ही छोड़ देंगे क्योंकि चर्च ने इसे आज रात शाम के रिसेप्शन के लिए इस्तेमाल करने के लिए मांगा था।"

बाद में संडे स्कूल और सुबह की सेवकाई के बाद हम घर जा रहे थे, और सब खुश थे। लड़कियाँ नैन्सी के साथ गाड़ी के पीछे की सीट पर बैठी थीं। हमारा बेटा पॉल, जो लगभग नौ साल का था, मेरे साथ आगे बैठा था। उसने एक बड़ी मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा और कहा, "मैंने आज आपकी मदद की डैड। जब आप सेवा के बाद लोगों का अभिवादन कर रहे थे, तो मैंने आपके लिए कॉफी पॉट को ट्रंक में रख दिया"।

हताश होकर, मैंने कहा, "तुमने ऐसा क्यों किया? मैं उसे चर्च में छोड़ना चाहता था"।

क्या आपको लगता है कि मुझे अपने बेटे को दंडित करना चाहिए था? आखिर, उसने गलत काम किया था - वह कॉफी पॉट को घर ले आया जबकि मैं उसे पीछे छोड़ना चाहता था।

मुझे यकीन है कि आप उसे दंडित करने के खिलाफ होंगे क्योंकि निश्चित रूप से वह यह नहीं जानता था कि मैं उसे चर्च में छोड़ना चाहता था, और उसने एक प्यार भरे मकसद से ऐसा किया था - वह मदद करने की कोशिश कर रहा था।

आप कितने अच्छे हो सकतें हैं?

पॉल बेकसूर नहीं था, लेकिन वह निर्दोष था - हम अंग्रेजी भाषा में इन शब्दों के बीच अंतर करते हैं। इसलिए अपने लिए एक असंभव मानक निर्धारित न करें। परमेश्वर ने "बेकसूर" का वादा नहीं किया था, इसके बजाय उन्होंने आपको "निर्दोष" रखने का वादा किया था - आपके दिल के उद्देश्यों को शुद्ध करने के लिए ताकि आप उनसे प्यार करना और उन्हें हर समय खुश करना चाहें।

.....

नवम्बर 2 **दिन - 306**

आत्मा की अविरत आदत

******

इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ - यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। इस संसार के सदृश्य न बनो; परंतु तुम्हारे मन के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए। रोमियों 12:1-2

मेरे प्रभावशाली, जीवन-परिवर्तनकारी रूपांतरण के बाद भी, मैंने पाया कि मेरे दिल में अभी भी आक्रोश, चिड़चिड़ापन और एक निर्णय की आत्मा छिपी हुई थी। महीनों तक मैंने प्रार्थना की और आत्मा के सफाई, शुद्धिकरण और पवित्रीकरण करने के कार्य को खोजा। फिर एक रविवार की रात की सेवा के दौरान, परमेश्वर की आत्मा ने मुझे पवित्र किया। यह एक स्पष्ट, निश्चित और वास्तविक अनुभव था - मैंने शुद्धिकरण को महसूस किया और एक अभिभूत प्रेम से भर गया जो अगले दिन तक छलक रही थी।

मेरे अगले दिन के कार्यों में गेस्ट चेक आउट्स के बाद मोटल के कमरों को खाली करके अपने पारिवारिक व्यवसाय में काम करना शामिल था।

भंडारण स्थान एक प्रीमियम पर था और हम जल्दी में थे। मैंने एक कमरे से एक अतिरिक्त पहिएदार पलंग लिया और इस एकमात्र उपलब्ध भंडारण स्थान में खिसकाने का प्रयास किया। लेकिन उसके मेटल फ्रेम के टुकड़े दोनों तरफ जमा बेड फ्रेम पर फंस गए - वह अपनी जगह से खिसक नहीं रहे थे। इसने मुझे इतना परेशान किया कि मैंने पहिएदार पलंग को अन्य जमा किए हुए पलंगो की ओर धक्का दे दिया।

बेशक, इससे मेरी समस्या का समाधान नहीं हुआ था, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं चिड़चिड़े आवेग से हल्का-बक्का रह गया था। मैं अभी एक रात पहले ही पवित्र किया गया था - क्या पवित्रीकरण ने इस पर असर नहीं किया?

बाद में मैंने, इस समस्या के बारे में सोचने, पढ़ने और प्रार्थना करने में महीनों बिताएं। मैं उन आदतों के बारे में सोचने लगा जो मैंने अपने इक्कीस साल के जीवन में विकसित की थीं। हम तंबाकू की लत जैसी शारीरिक आदतों की शक्ति को समझते हैं। भावनात्मक आदतों का क्या? मैं दरवाजा पटकने वाले परिवार से आया था और वर्षों तक मैं एक गर्मी आपे वाले व्यक्ति की तरह जीया था। मेरे पवित्रीकरण के अनुभव के बाद, मेरे जीवन में एक सकारात्मक बदलाव का प्रमुख प्रमाण दिखा था - क्या यह हो सकता है कि परमेश्वर ने वास्तव में मेरे दिल को साफ कर दिया हो, लेकिन मुझमें अभी गहराई में भावनात्मक और मानसिक आदत मौजूद थे जिनका पुनः संशोधन करना जरूरी था?

मुझे चाइना इनलैंड मिशन की स्थापना करने वाले महान मिशनरी हडसन टेलर के जीवन का एक अध्ययन करने में मदद मिली। टेलर के पास एक स्पष्ट रूपांतरण था और बाद में एक निर्विवाद पवित्रीकरण का अनुभव था। फिर भी, वर्षों बाद, अपनी बढ़ती हुई सेवकाई के भारी दबाव में वह अस्वस्थ और चिड़चिड़े हो गए। फिर उन्होंने एक मित्र की ज्ञानपुर्ण में सलाह ली और मसीह के साथ अपने पवित्र संबंध को नवीनीकृत किया।

बाद में टेलर ने लिखा, "हमें उद्धारकर्ता के शब्दों को बदलने न दें। यह "जिस किसी ने भी पीया है" नहीं है बल्कि "जो कोई भी पीता है (यूहन्ना 4:14)। वह केवल एक या अनेक बार पृथक पीने के बारे में नहीं बोलता है, बल्कि "आत्मा की अविरत आदत के बारे में बोलता है" (जैसे मेरी)। (162)

मुझे मानसिक और भावनात्मक आदतों के पुनः संशोधन की जरूरत थी। मुझे जीवन की परेशान करने वाली चुनौतीयों के बीच भी, पल-पल मसीह के अनुग्रह को पीने की जरूरत है।

रोमियों 12:1-2 में, पौलुस ने मसिहियों को एक बार में हमेशा के लिए आत्म-समर्पण करने की चुनौती दी है: "अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ"। लेकिन ध्यान दें कि उन्होंने यह भी निर्देशित किया, "तुम्हारे मन के नए हो जाने से परिवर्तित हो जाओ", एक सतत् प्रक्रिया की ओर संकेत करते हुए।

और इसलिए मैं नई आदतों की तलाश करता हूँ - आत्मा की अविरत आदत। और आप?

.....

नवम्बर 3 **दिन - 307**

एक बहुत बड़ी गलती, भाग 1

******

इसलिये परमेश्वर के चुने हुओं के समान जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करुणा और भलाई, और दीनता और नम्रता और सहनशीलता धारण करो। और यदि किसी को किसी पर दोष देने का कोई कारण हो तो एक दूसरे को सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो; जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो। इन सब के ऊपर प्रेम की सिद्धता का कटिबन्ध बाँध लो।

कुलुस्सियों 3:12-14

मैंने एक बड़ी गलती की - मेरा मतलब है कि वास्तव में एक बड़ी गलती है! मुझे सूचना मिली कि हमारे अंतरराष्ट्रीय चर्च के एक सम्मानित, ईश्वरीय अगुवे का निधन हो गया है। एक समय वे हमारे परिवार के प्रिय पादरी थे। जब मैंने यह देखने के लिए जांच की कि सूचना सही थी, एक जानकार सूत्र ने पुष्टि की, "हाँ कल उनका निधन हो गया।

मेरा दिल उनकी पत्नी के लिए दुखी था, जो एक अद्भुत, प्यार करने वाली, ईश्वरीय महिला थी। मैंने एक कार्ड खरीदा और उस पर एक नोट लिखा जिसमें मैंने सहानुभूति व्यक्त की और उनके (पति) जीवन की कुछ खूबसूरत यादों का वर्णन किया जो मेरे पास थी। उस दिन मैंने कार्ड मेल किया।

उस रात मुझे एक सहकर्मी का फोन आया - उसे अन्य लोगों से पता चला कि यह अगुवा, वास्तव में नहीं मरा था। कोई अन्य अंतरराष्ट्रीय अगुवे की मृत्यु हुई थी, और किसी तरह नाम में भ्रम हो गया था - पहली सूचना गलत थी। मेरे सम्मानित मित्र का निधन नहीं हुआ था, और मैंने उसकी पत्नी को अभी-अभी एक सहानुभूति कार्ड भेज दिया था।

मैं बहुत शर्मिंदा था। मैं जानता था कि मुझे उसकी पत्नी को फोन करना होगा और माफी मांगनी होगी। मैं ऐसा करने में असहज था - मैं उसे कितना बड़ा सदमा और दुख पहुँचाऊंगा। लेकिन फिर भी, मैं जानता था कि मुझे फोन करना चाहिए।

इसलिए मैंने इस धर्मी महिला को फोन किया, जिसे मैं वर्षों से जानता था। उसने मुझे बताया कि उसे मेरी आवाज सुनकर कितनी खुशी हुई। तुरंत ही, मैंने स्वीकार किया कि "मुझसे एक बहुत बड़ी गलती हो गई थी।" मैंने उसे झूठी सूचना और अपने सहानुभूति वाले कार्ड के बारे में बताया। जब मैंने माफी मांगी, मैंने सुझाव दिया कि वह शायद उन यादों में से कुछ प्रोत्साहन पा सके, जो मैंने अपने नोट में विस्तृत रूप से लिखी थी।

बहुत ही स्नेही, समझदार लहजे में उसने कहा, "चिक, इसके बारे में थोड़ी भी चिंता मत करो। मैं समझती हूँ"। उसने कहा कि वह और उसका पति, मेरे परिवार और मेरा बहुत मान करते हैं और उसने मेरी सेवकाई और प्रभाव के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

"और इस पर शैतान को स्वयं पर जीत प्राप्त न करने दें," उसने आगे कहा।

मैं उसके प्यार भरे स्वीकृति से बहुत चिंतामुक्त, प्रोत्साहित और जोशपूर्ण हुआ। मैंने कहा, "आप हमेशा मेरी प्रशंसा सूची में सब से ऊपर रही हैं - लेकिन अब आप उस सूची में और भी ऊपर आ गई हैं।"

.....

नवम्बर 4 **दिन - 308**

एक बहुत बड़ी गलती, भाग 2

******

इसलिये परमेश्वर के चुने हुओं के समान जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करुणा और भलाई, और दीनता और नम्रता और सहनशीलता धारण करो। और यदि किसी को किसी पर दोष देने का कोई कारण हो, तो एक दूसरे को सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो; जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो। इन सब के ऊपर प्रेम की सिद्धता का कटिबंध है बाँध लो।

कुलुस्सियों 3:12-14

सहानुभूति वाले कार्ड भेजने में मैंने जो किया था, उस पर मैंने विचार किया। वह कार्ड लिखना, मैंने प्रेम, करुणा और चिंता के मारे किया था। हालांकि मैं अपनी गलती पर शर्मिंदा था, लेकिन अपनी गलती को स्वीकार करने के लिए किया गया वह फोन कॉल, ईमानदारी और सच्चाई का प्रमाण था। मैंने गलत किया था।

मैंने समझने में भूल की और एक परेशान करने वाला काम किया था। हालांकि, मेरा मकसद प्रेम और चिंता थी; मैं अपने दोस्त की पत्नी को दिलासा देने और प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा था। यह एक गलती थी - एक पाप नहीं। मुझे याद आया कि जब पवित्रीकरण आपको शुद्ध ह्रदय देता है और आपको प्रेम से भर देता है, तब वह संपूर्ण समझ या संपूर्ण संचार कौशल का वादा नहीं करता है।

जब मैंने अपने दोस्त की पत्नी के साथ फोन कॉल समाप्त किया, मैं वापस बैठ गया। मैंने बहुत राहत महसूस की - और प्यार भी। मुझे एहसास हुआ कि मैंने अभी-अभी एक महान अगुवे से बात की जिसने मुझे करुणा, दया, नम्रता और धैर्य दिखाया था। उसने अभी-अभी किसी ऐसे व्यक्ति को क्षमा किया था जिसके विरुद्ध वह शिकायत कर सकती थी - उसने यीशु की तरह क्षमा कर दिया था। और, इन सबसे ऊपर, उसने प्यार व्यक्त किया। उसके व्यवहार में कुलुस्सियों को दिए गए पौलुस के निर्देश शामिल थे (3:12-14)।

मैं इस महिला को एक पवित्र की गई, आत्मा से भरी, विश्वासी के रूप में जानता हूँ, और उसने मुझे जो दिखाया वह वास्तव में पवित्र की गई अभिव्यक्ति थी। हमें उनके जैसे और भी मिलें।

.....

नवम्बर 5 **दिन - 309**

एक स्पष्ट, प्रत्यक्ष साक्ष्य

******

इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में; क्योंकि उसने अपने आत्मा से हमें दिया है। 1 यूहन्ना 4:13

तुम्हारा बुलाने वाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा। 1 थिस्सलुनीकियों 5:24

29 अक्टूबर 1789 को, जॉन वेस्ली ने बेट्सी नाम की एक महिला को निम्नलिखित लिखा: "क्या आपको एक स्पष्ट, प्रत्यक्ष साक्ष्य मिला है कि आप (थे) जन्मजात पाप से बचाए गए हैं? किस समय? किस तरीके से? और क्या आप इसे पहले जैसा स्पष्ट पाते हैं? क्या आप बढ़ोतरी महसूस करते हैं?"

आज भी लोगों को संपूर्ण पवित्रता का स्पष्ट अनुभव हो रहा है। यहाँ नैन्सी नामक एक महिला की गवाही है:

मैंने सोचा कि मेरे पिछले वर्षों में मैं बचाया और पवित्र किया गया था। मेरा मानना था कि आपको दो बार वेदी पर जाने की जरूरत होती है - एक बार बचाए जाने के लिए, और दूसरी बार पवित्र होने के लिए। ऐसा लगा कि वह ज्यादा नहीं चला।

रविवार की शाम को, उपदेश पवित्रीकरण पर था - बस वही जिसकी मुझे जरूरत थी और जो मैं चाहता था। आल्टर कॉल के दौरान, मैं इस अद्भुत अनुभव को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ा। यह बहुत आसान था। उन्होंने (प्रभु) मेरे सारे पाप माफ कर दिए और मैं जानता था कि मैं एक तैयार उम्मीदवार था। जिस तरह पवित्र शास्त्र के 1 थिस्सलुनीकियों 5:23 में पढ़ते है, उसी तरह उन्होंने 19 अक्टूबर, रविवार की रात को मुझे संपूर्ण रीती से पवित्र किया।

मैं अपनी दिल की खुशी और शांति को बयां नहीं कर सकता। मैं तब से उनकी आत्मा का आनंद ले रहा हूँ। और मेरे अंदर सभी को इस अनुभव के बारे में बताने की एक तीव्र इच्छा है ताकि वे भी इसे प्राप्त कर सकें।

उसके नाम की स्तुति करें।

1790 में एक अन्य पत्र में वेस्ली लिखते हैं: बिना उसमें विकसित हुए, शुद्ध प्रेम को बनाए रखना कितना असंभव है।"

इसलिए हर जगह के निक और नैन्सी से हम आग्रह करते हैं कि आप परमेश्वर के पवित्र करने वाली पूर्णता का एक 'स्पष्ट और प्रत्यक्ष साक्ष्य' खोजें। एक बार जब परमेश्वर उस अनुग्रह को प्रदान कर दें तो उसमें बढ़ते रहना सुनिश्चित करें।[163]

---

163. पहले यह 'द गुड न्यूज़': द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूजलेटर (मार्च 2009) में प्रकाशित किया गया है।

.....

नवम्बर 6 **दिन - 310**

जब अगुवे बदलते हैं और सबक सीखे जाते हैं

******

यहोवा के दास मूसा की मृत्यु के बाद यहोवा ने उसके सेवक यहोशू से जो नून का पुत्र था कहा: "मेरा दास मूसा मर गया है, इसलिये अब तू उठ, कमर बाँध और इस सारी प्रजा समेत यरदन पार होकर उस देश को जा जिसे मैं उनको अर्थात् इजराइलियों को देता हूँ। उस वचन के अनुसार जो मैंने मूसा से कहा, अर्थात् जिस जिस स्थान पर तुम पाँव धरोगे वह सब मैं तुम्हें देता हूँ। तेरे जीवन भर कोई तेरे सामने ठहर न सकेगा; जैसे मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे संग भी रहूँगा; और न तो मैं तुझे धोखा दूंगा न तुझको छोड़ूंगा। इसलिये हियाव बाँधकर दृढ़ हो जा; क्योंकि जिस देश के होने की शपथ मैंने इन लोगों के पूर्वजों से खाई थी उसका अधिकारी तू इन्हें करेगा। यहोशू 1:1-3, 5-6

यह एक बहुत बड़ी, हृदय विदारक क्षति थी - मूसा चालीस वर्षों तक इजराइल का अगुवा, और उनके द्वारा जाना गया आत्मिक रूप से सबसे शक्तिशाली व्यक्ति, मर गया था। उसके लिए तीस दिनों तक शोक करना उचित था (व्यवस्थाविवरण 34:8)।

परंतु मूसा की मृत्यु, इजराइल को शक्तिहीन नहीं बना सकी। परमेश्वर ने उन्हें बुलाया था: वे एक मिशन पर थे, और उसका पूरा होना करीब था।

हमारा अवतरण इस वाक्यांश के साथ शुरू होता है, "यहोवा ने यहोशू से कहा" (यहोशू 1:1)। कितनी बार यहोवा ने बात की थी - हम एक ऐसे परमेश्वर की सेवा करते हैं जो बोलता है। उसे सुनना हमारा सौभाग्य है। नि:संदेह हमें अपने आत्मिक श्रवण को विकसित करने के लिए इच्छा रखनी चाहिए। अगुवाई परिवर्तन के समय में परमेश्वर की दिशा सुनना विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है।

यहोशू को इजराइल का नया अगुवा बनना था। यह एक चकित करने वाली बात नहीं थी: यहोवा, यहोशू को इसके लिए तैयार कर रहा था, और ऐसा ही मूसा ने भी किया था। मूसा के मृत्यु के समय भी, पवित्रशास्त्र इस पर जोर देता है: "और नून का पुत्र यहोशू बुद्धिमानी की आत्मा से परिपूर्ण था, क्योंकि मूसा ने अपने हाथ उस पर रखे थे" (व्यवस्थाविवरण 34:9) और नए अगुवे की तैयारी के कारण, "इजराइली उस आज्ञा के अनुसार जो यहोवा ने मूसा को दी थी उसकी मानते रहे" (34:9) उत्तराधिकारी अगुवे को तैयार करना बुद्धिमानी थी।

तब परमेश्वर ने आज्ञा दी, "तो अब तुम और ये सब लोग यरदन नदी पार करने के लिए तैयार हो जाओ" (यहोशू 1:2)। परमेश्वर की जो भी भूमिका थी उसमें इजराइल की भी एक भूमिका थी। गिनती की किताब बताती है उनमें से 600,000 योद्धा थे। महिलाओं और बच्चों की गणना करते हुए, हम 1.5 लाख से अधिक लोगों की बात कर रहे हैं - साथ ही उनमें पशुधन और उनकी जीत की लूट भी शामिल है। यहोशू ने अपने आदेश के अधिकार का उपयोग किया और अपने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे छावनी में इधर उधर जाकर प्रजा के लोगों को तैयार होने के लिए कहें (1:10-11)। अगुवों के बदलाव को संभालने के लिए कार्य संरचना का होना महत्वपूर्ण था।

लेकिन, सबसे बढ़कर, यह यहोवा का काम है: "जिस-जिस स्थान पर तुम पाँव धरोगे वह सब मैं तुम्हें दे देता हूँ" (1:3)। मैं अपने संप्रदाय के सबसे प्रभावशाली अगुवों के कथन को याद करता हूँ, "यह मेरे द्वारा किए गए सबसे अधिक आत्मा की अगुवाई में किये गए निर्णयों में से एक था।"

परमेश्वर कहते हैं, "मैं इसे करूंगा"। हम प्रभु का सम्मान करते हैं और उन्हें महिमा देते हैं। हमें याद हैं कि वह प्राथमिक है; और हम द्वितीयक हैं।

हमें उनके साथ सहयोग करना चाहिए और उनके लिए कार्य करना चाहिए। जब वह जगह प्रदान करते हैं: "तो हमें उसमें कदम रखना चाहिए। कितनी बार परमेश्वर हमारे लिए पहले से ही रास्ता तैयार कर देते हैं लेकिन हम वह नहीं प्राप्त करते हैं जो हमारा विशेषाधिकार है। यह उपलब्ध है - इसे प्राप्त करें!

यह जानते हुए कि यह कदम एक जबरदस्त चुनौती पेश करता है, परमेश्वर अपने लोगों को आज्ञा देते हैं: हियाव बाँधकर दृढ़ हो जाओ" (1:6), जिससे उन्हें वह प्रोत्साहन मिलता है जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है।

वादों को निभाने और इतिहास को याद रखने में परमेश्वर महान हैं। ध्यान दें कि वह यहाँ कहते हैं, "जिस देश के देने की शपथ मैं ने इन लोगों के पूर्वजों से खाई थी" (1:6)। अक्सर, परमेश्वर इन पूर्वजों का नाम रखते हैं - अब्राहम, इसहाक और याकूब। ये संदर्भ वह काफी बड़े, इतिहास, कई वादों और परमेश्वर की दीर्घकालिक योजना को दर्शाते हैं। यीशु के पृथ्वी के आने के बाद भी, ये मुद्दे चल रहे थे। मसीह ने अपने समय के विद्रोही लोगों को निम्नलिखित चेतावनी जारी की: "जब तुम अब्राहम और इसहाक और याकूब और सब भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर के राज्य में बैठे, और अपने आप को बाहर निकाले हुए देखोगे" (लूका 13:28)। अगुवाई परिवर्तन के समय में परमेश्वर को प्रभु के रूप में देखना सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

इस तरह के अगुवाई परिवर्तनों का अवलोकन करना, हममें से उन लोगों को आशिषित करता है जो इसे होते हुए देखते हैं। आज भी हमारे पास वह आत्मिक भूमि है, जिसे हमारे आत्मिक पूर्वजों द्वारा आकार दिया गया और निर्मित किया गया है। मैं अपने जीवन के शिक्षकों और उनके द्वारा सिखाए गये सबक के बारे में सोचता हूँ:

1. पीटर: परमेश्वर वास्तविक हैं।
2. राल्फ और बर्निस: खोजने वालों के साथ प्रार्थना कैसे करें
3. अर्ल और हेज़ल: अलौकिक अगुवाई
4. गार्डन: ऐसे शिष्य कैसे बनाएं जो शिष्य बनाएंगे
5. राल्फ: परमेश्वर के वचन पर निर्भरता
6. मेंडेल और गरट्रुड: आतिथ्य-सत्कार
7. रीस: परिस्थितियों के दौरान प्रार्थना कैसे करें
8. स्कॉट: मजबूत अगुवाई

और भी कई हैं।

मैं, अपने जीवन का आनंद उठा रहा हूँ, क्योंकि मैं बाहर निकलता हूँ और अपने जीवन की प्रतिज्ञा की भूमि पर चलता हूँ, अपने पैरों को आशिषित क्षेत्रों पर स्थापित करता हूँ जो इतने सारे लोगों द्वारा आकार दिये गए थे जिनका मैं कभी भी एहसान नहीं चुका सकता। और मेरे लिए और भी संभावनाएं खुली हैं क्योंकि मैं यीशु मसीह के युग में जी रहा हूँ: "क्योंकि उस नींव को छोड़ जो

पड़ी है, और वह यीशु मसीह है, कोई दूसरी नींव नहीं डाल सकता" (1 कुरिन्थियों 3:11)। परमेश्वर की स्तुति हो!

ये संभावनाएं आपके लिए भी खुली हैं। इस हफ्ते पर आप किस प्रतिज्ञा की हुई भूमि के अधिकारी होंगे?

.....

नवम्बर 7 **दिन - 311**

एक खलनायक के अधीन एक नायक

******

तब एलिय्याह अपने आपको अहाब को दिखाने गया। उस समय शोमरोन में अकाल भारी था। अहाब ने ओबद्याह को जो उसके घराने का दीवान था बुलवाया (ओबद्याह तो यहोवा का भय यहाँ तक मानता था कि जब इज़ेबेल यहोवा के नबियों को नष्ट करती थी, तब ओबद्याह ने एक सौ नबियों को लेकर पचास-पचास करके गुफाओं में छिपा रखा; और अन्न जल देकर उनका पालन-पोषण किया)।
1 राजाओं 18:2-4

आप शायद ही अहाब से अधिक अधर्मी, दुष्ट राजा की कल्पना कर सकते हैं (1 राजाओं 16:33)। ओबद्याह ने इस दृष्ट राजा के अधीन उसके महल के प्रबंधक के रूप में काम किया। वचन विवरण देता है कि "ओबद्याह यहोवा का एक धर्मनिष्ठ विश्वासी था" - और वास्तव में, हम देखते हैं कि ओबद्याह ने अपने कार्यों में उस विश्वास का प्रदर्शन किया था। लेकिन दुष्ट अहाब के पास शक्ति थी; धर्मी ओबद्याह उसका सेवक था। क्या ओबद्याह विश्वास करता था कि वह कभी राजा पर एक ईश्वरीय प्रभाव डाल सकता था?

मारे जाने के भय के बावजूद, ओबद्याह ने अहाब और भविष्यवक्ता एलिय्याह के बीच एक बैठक की व्यवस्था की। इस बैठक में बाल और एलिय्याह के परमेश्वर के नबियों के बीच एक प्रतियोगिता का नेतृत्व किया - जिसके परिणामस्वरुप परमेश्वर ने आग और बाल के 450 दुष्ट नबियों का विनाश करके अपनी सामर्थ्य दिखाई। मुझे खुशी है कि ओबद्याह ने न तो हार मानी, न निराश हुआ और न ही उसने फैसला किया कि उसका ईश्वरीय प्रभाव नहीं हो सकता।

यह संयुक्त राज्य अमेरिका में एक संकटमय समय था: वियतनाम युद्ध का विरोध करने के लिए 1,00,000 लोगों ने वॉशिंगटन डीसी तक कुच किया और राष्ट्रपति निक्सन को कांग्रेस के एक संयुक्त सत्र को संबोधित करना था। उस समय, मैं डीसी में एक स्थानीय कलीसिया में एक हफ्ते के लिए प्रचार कर रहा था। यू. एस. सीनेट के लिए वाद-विवाद के मुख्य अंशकालीन न्यायाधीश (रिकॉर्डर) उस स्थानीय चर्च के सदस्य थे और उन्होंने मुझे संयुक्त सत्र में एक सीट दिलाई। मुझे राष्ट्रपति के शब्द याद नहीं लेकिन मैं वह कभी नहीं भुला जो रिकॉर्डर ने बाद में कहा था, "मैंने सीनेट के क्लॉक रूम में ऐसी बुराई देखी है। कभी-कभी मैं चाहता हूँ कि मैं अपने मूल क्षेत्र व्योमिंग में वापस चला जाऊँ। लेकिन फिर मैं सोचता हूँ "अगर धर्मी लोग चले गए तो हमारी सरकार का क्या होगा?"

चाहे किसी दुष्ट राजा के अधीन हो या सीनेट में बुराई के बीच, ईश्वरीय लोग तब भी अपना प्रभाव डालेंगे। आज आप खुद को कहाँ पाते हैं? ईश्वरीय प्रभाव डालने के अपने अवसर को ना खोयें। एक खलनायक के अधीन भी आप नायक बन सकते हैं।

.....

नवम्बर 8 **दिन - 312**

क्या कुछ और है?

******

इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। रोमियों 12:1

इन वर्षों में मैं ऐसे लोगों से मिला हूँ जिन्होंने अपना सब कुछ परमेश्वर को समर्पित कर दिया है और आत्मा की पवित्रता की पूर्णता को प्राप्त किया है। यहाँ कैथी की कहानी है:

कई सालों तक, मैंने उस परमेश्वर को नजरअंदाज किया जो मेरे साथ था - कोई प्रार्थना नहीं, कोई बाइबिल पढ़ना नहीं, कोई चर्च जाना नहीं। मैं बस सहजता से जीवन बिता रही थी।

जुलाई 2000 में, मेरे पति गैरी को कैंसर रोग के बारे में पता चला, जिसके अनुसार उनके पास जीने के कुछ ही महीने शेष बचे थे और फरवरी 2001 तक वह चल बसे। मेरे सहजता के दिन समाप्त हो गये थे। अब मेरा ध्यान परमेश्वर पर था - परमेश्वर और दुख। वे हर जगह और हर चीज जो मैं कर रही थी, मेरे साथ थे।

मुझे मेरे संडे स्कूल के शिक्षक डॉ. चिक शेवर द्वारा एक छोटे समूह के बाइबिल अध्ययन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मैंने यूहन्ना की किताब का अध्ययन शुरू किया और जल्द ही मेरी आत्मिक यात्रा में बाधा आ गई - एक बहुत बड़ी। इसका सामग्री के साथ कोई लेना-देना नहीं था; वह शिक्षक के बारे में था। अपने पिता से प्राप्त दुर्व्यवहार के बाद, मैंने इस बात का ध्यान रखा था कि किसी भी पुरुष को, यहाँ तक कि अपने पति को भी, मेरे जीवन में एक अधिकारिक व्यक्ति न बनने दूँ। डॉ. शेवर एक अधिकारिक व्यक्ति बन रहे थे, क्योंकि वह अपेक्षा करते थे कि मैं उपस्थित, तैयार और सहभागी रहूँ। मैं एक आत्मिक आशीष के बिंदु पर पहुँच रही थी क्योंकि मैंने महसूस किया कि परमेश्वर भी मुझसे अधिक की उम्मीद रखते हैं और वह अधिकारिक व्यक्ति थे। किसी चीज का तो पीछा हटाना जरूरी था।

मैं डॉ. शेवर के साथ एक और अध्ययन में शामिल हो गई - एक अधिक गहण और आत्म निरीक्षण - जिसे "लिविंग इन द पावर ऑफ द स्पिरिट" कहा जाता है। यह सब पवित्र आत्मा के साथ एक गहरे व्यक्तिगत संबंध में जाने और उसे बनाए रखने के बारे में था - जिसे पवित्रीकरण कहा जाता है। कई हफ्तों के गहन अध्ययन, प्रार्थना और समूह चर्चा के दौरान मैंने सीखा कि परमेश्वर मेरे लिए सबसे उत्तम - उनका सब से उत्तम - चाहते थे, और यह मेरे जीवन के सभी क्षेत्रों पर स्वेच्छा से शक्ति को त्यागने और उन्हें सौंपने के द्वारा प्राप्त किया जाना था।

धीरे-धीरे मैं समझ गई कि मेरे स्वर्गीय पिता मुझे कभी नुकसान नहीं पहुँचाएंगे और मैं अपने ऊपर उनके अधिकार के होने पर भरोसा कर सकती हूँ। वास्तव में, यह कुछ ऐसा था जो मैं खुद चाहती थी। जो कुछ बचा था वह केवल विवरण था। मुझे वेदी पर यह पूछना याद है, "क्या कुछ और है जो आप मुझसे चाहते हैं? मैंने उस सवाल को तब तक पूछना जारी रखा जब तक कि परमेश्वर की चुप्पी और मेरी गहरी शांति ने मुझे आश्वासन नहीं दे दिया कि कुछ और नहीं बचा था।

मैंने संपूर्ण पवित्रीकरण को एक बार के आत्मिक संघर्ष के समय के निर्णय के रूप में अनुभव किया और अपने जीवन को उस तरह जीने के लिए जैसा कि परमेश्वर मुझसे चाहते थे, इसे एक अविरत निर्णय के रूप में अनुभव करना जारी रखा। इस सबके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उस घनिष्ठ प्रेमपूर्ण संवाद के साथ-साथ जो हमारे पास है, यह उसी तरह है जो जिस तरह मैं जीना चाहती हूँ।

मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकती थी कि परमेश्वर मुझे कहाँ ले जाएंगे और किस तरीके से वह मुझे प्यार करेंगे और सेवा के लिए मेरी अगुवाई करेंगे। उनमें मेरा जीवन एक रोमांचक यात्रा की तरह है जिसके रास्ते में अलौकिक मुलाकातें बिछी पड़ी है। मैं कितना धन्य हूँ कि मेरा उनके साथ एक संबंध है।

.....

नवम्बर 9 **दिन - 313**

उसको छोड़ कोई है ही नहीं, भाग 1

******

यह सब तुझ को दिखाया गया, इसलिये कि तू जान रखे कि यहोवा ही परमेश्वर है, उसको छोड़ कोई है ही नहीं। व्यवस्थाविवरण 4:35

परमेश्वर ने मेरे दिल को पवित्र शास्त्र के वचनों की एक श्रृंखला के चारों ओर लपेट दिया। बाइबिल के रिपोर्टों की इस खोज में मेरे साथ शामिल हों। जब आप पढ़ते हैं, परमेश्वर आपके दिल को आकार दें जैसा उन्होंने मेरा किया।

जब मूसा सीनै पर्वत पर दस आज्ञाओं को प्राप्त कर रहा था - आज्ञाएं जिनमें ये शामिल थे, "तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना" और "तू अपने लिए कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना जो आकाश में या पृथ्वी पर या पृथ्वी के जल में है" (निर्गमन 20:3-4) - तब इजराइल उसी पर्वत की तलहटी में एक सोने का बछड़ा बनाकर उसकी पूजा कर रहे थे।

परमेश्वर ने कहा, और मूसा ने उत्तर दिया:

फिर यहोवा ने मूसा से कहा, "मैं ने इन लोगों को देखा, और सुन, वे हठीले हैं। अब मुझे मत रोक, मेरा कोप उन पर भड़क उठा है जिससे मैं उन्हें भस्म करूँ; परंतु तुझसे एक बड़ी जाति उपजाऊँगा।"

परंतु मूसा ने अपने प्रभु परमेश्वर की कृपा चाही। उसने कहा, "हे यहोवा, तेरा कोप अपनी प्रजा पर क्यों भड़का है जिसे तू बड़े सामर्थ्य और बलवंत हाथ के द्वारा मिस्र देश से निकाल लाया है? मिस्त्री लोग यह क्यों कहने पाएँ, "वह उनको बुरे अभिप्राय से अर्थात् पहाड़ों में घात करके धरती पर से मिटा डालने की मनसा से निकाल ले गया'? तू अपने भड़के हुए कोप को शांत कर, और अपनी प्रजा को ऐसे हानि पहुँचाने से फिर जा। अपने दास अब्राहम, इसहाक और याकूब को स्मरण कर जिनसे तू ने अपनी ही शपथ खाकर यह कहा था, "मैं तुम्हारे वंश को आकाश के तारों के तुल्य बहुत करूँगा, और यह सारा देश जिसकी मैं ने चर्चा की है तुम्हारे वंश को दूँगा कि वे उसके अधिकारी सदैव बने रहें।" तब यहोवा अपनी प्रजा की हानि करने से जो उसने कहा था पछताया। (निर्गमन 32:9-14)

तब मूसा ने लोगों के लिए मध्यस्थता की।

अगले दिन मूसा ने लोगों से कहा, "तुमने बड़ा ही पाप किया है। अब मैं यहोवा के पास चढ़ जाऊँगा; संभव है कि मैं तुम्हारे पाप का प्रायश्चित कर सकूँ।"

तब मूसा यहोवा के पास जाकर कहने लगा, "हाय, हाय, उन लोगों ने सोने का देवता बनाकर बड़ा ही पाप किया है। तौभी अब तू उनका पाप क्षमा कर - नहीं तो अपनी लिखी हुई पुस्तक में से मेरे नाम को काट दे।" (निर्गमन 32:30-32)

अंत में, परमेश्वर ने मूसा से प्रतिज्ञा की हुई भूमि पर जाने के लिए कहा:

यहोवा मूसा से इस प्रकार आमने-सामने बात करता था जैसे कोई मित्र से बात करता है। तब मूसा छावनी में लौट आता था, पर यहोशू नामक एक जवान, जो नून का पुत्र और मूसा का सेवक था,, वह तंबू में से न निकलता था।

मूसा ने यहोवा से कहा, "सुन तू मुझसे कहता है, 'इन लोगों को ले चल'; परंतु यह नहीं बताया कि तू मेरे संग किसको भेजेगा। तौभी तू ने कहा, 'तेरा नाम मेरे चित्त में बसा है, और तुझ पर मेरे अनुग्रह की दृष्टी है।' और अब यदि मुझ पर तेरे अनुग्रह की दृष्टी हो, तो मुझे अपनी गति समझा दे, जिससे मैं तेरा ज्ञान पाऊं तब तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर बनी रहे। फिर यह भी ध्यान रख की यह जाती तेरी प्रजा है।"

यहोवा ने जवाब दिया, "मैं आप तेरे साथ चलूंगा और तुझे विश्राम दूंगा।"

फिर मूसा ने उससे कहा, "यदि तू आप न चले, तो हमें यहाँ से आगे न ले जा" (निर्गमन 33:11-15)।

मैं कहानी के निम्नलिखित तत्वों से प्रभावित हूँ:

- मूसा ने मिस्र में परमेश्वर के सम्मान और उनकी प्रतिष्ठा के लिए अपील की (32:12)।
- मूसा ने इजराइल के आत्मिक पिताओं से परमेश्वर के वादों की अपील की (32:13)।
- मूसा के प्रार्थना के जवाब में परमेश्वर ने नरमी बरती (32:14)।
- मूसा के ह्रदय में अपने लोगों के लिए इतना बोझ था कि वह परमेश्वर की पुस्तक से मिटा दिए जाने का जोखिम उठाने के लिए तैयार था (32:32)।
- परमेश्वर की उपस्थिति मूसा के साथ प्रतिज्ञा की भूमि पर गई (32:14)।

.....

नवम्बर 10 **दिन - 314**

उसको छोड़ कोई है ही नहीं, भाग - 2

******

यह सब तुझ को दिखाया गया, इसलिये कि तू जान रखे कि यहोवा ही परमेश्वर है; उसको छोड़ कोई है ही नहीं। व्यवस्थाविवरण 4:35

मूसा चट्टान से इजराइलियों के लिए पानी निकालता है, परंतु सही तरीके से नहीं:

"उस लाठी को ले, और तू अपने भाई हारून समेत मंडली को इकट्ठा करके उनके देखते उस चट्टान से बातें कर, तब वह अपना जल देगी: इस प्रकार तू चट्टान में से उनके लिये जल निकालकर मंडली के लोगों और उनके पशुओं को पीला।"

यहोवा की इस आज्ञा के अनुसार मूसा ने उसके सामने से लाठी को ले लिया। मूसा और हारून ने मंडली को उस चट्टान के सामने इकट्ठा किया, तब मूसा ने उससे कहा, "हे दंगा करनेवालों सुनों: क्या हमको इस चट्टान में से तुम्हारे लिये जल निकालना होगा?" तब मूसा ने हाथ उठाकर लाठी चट्टान पर दो बार मारी; और उसमें से बहुत पानी फूट निकला, और मंडली के लोग अपने पशुओं समेत पीने लगे।

परंतु मूसा और हारून से यहोवा ने कहा, "तुम ने मुझ पर विश्वास नहीं किया, और मुझे इसराइलियों की दृष्टि में पवित्र नहीं ठहराया, इसलिये तुम इस मंडली को उस देश में पहुँचाने न पाओगे जिसे मैं ने उन्हें दिया है" (गिनती 20:8-12)।

इजराइली चालीस साल बाद यरदन नदी पर पहुँचे, जल्द ही उसे पार करके प्रतिज्ञा की भूमि पर प्रवेश करने के लिए। मूसा और यहोवा के बीच एक बहुत ही व्यक्तिगत बातचीत हुई:

उसी समय मैंने यहोवा से गिड़गिड़ाकर विनती की: "हे प्रभु यहोवा, तू अपने दास को अपनी महिमा और बलवंत हाथ दिखाने लगा है; स्वर्ग में और पृथ्वी पर ऐसा कौन देवता है जो तेरे काम और पराक्रम के कर्म कर सके? इसलिये मुझे पार जाने दे कि यरदन पार के उस उत्तम देश को, अर्थात् - उस उत्तम पहाड़ और लबानोन को भी देखने पाऊँ।"

परंतु यहोवा तुम्हारे कारण मुझ से रुष्ट हो गया, और मेरी न सुनी; किन्तु यहोवा ने मुझ से कहा, 'बस कर; इस विषय में फिर कभी मुझ से बातें न करना। पिसगा पहाड़ की चोटी पर चढ़ जा, और पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारी ओर दृष्टी करके उस देश को देख ले; क्योंकि तू इस यरदन के पार जाने न पाएगा। और यहोशू को आज्ञा दे, और उसे ढांढस देकर दृढ़ कर: क्योंकि इन लोगों के आगे आगे वहीं पार जाएगा और जो देश तू देखेगा उसको वही उनका निज भाग करा देगा" (व्यवस्थाविवरण 3:23-28)।

मूसा अपने लोगों से एक अपील करता है:

जब से परमेश्वर ने मनुष्य को उत्पन्न करके पृथ्वी पर रखा तब से लेकर तू अपने उत्पन्न होने के दिन तक की बातें पूछ, और आकाश के एक छोर से दूसरे छोर तक की बातें पूछ, क्या ऐसी बड़ी बात कभी हुई या सुनने में आई है? क्या कोई जाति कभी परमेश्वर की वाणी आग के बीच में से आती हुई सुनकर जीवित रही, जैसे कि तू ने सुनी है? फिर क्या परमेश्वर ने और किसी जाति को दूसरी जाति के बीच में से निकालने को कमर बाँधकर परीक्षा, और चिन्ह, और चमत्कार, और युद्ध, और

बलि हाथ, और बढ़ाई हुई भुजा से ऐसे बड़े भयानक काम किए, जैसे तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने मिस्त्र में तुम्हारे देखते किए?

यह सब तुझ को दिखाया गया, इसलिये कि तू जान रखे कि यहोवा ही परमेश्वर है; उसको छोड़ कोई और है ही नहीं। आकाश में से उसने तुझे अपनी वाणी सुनाई कि तुझे शिक्षा दें; और पृथ्वी पर उसने तुझे अपनी बड़ी आग दिखाई, और उसके वचन आग के बीच में से आते हुए तुझे सुनाई पड़े और उसने जो तेरे पितरों से प्रेम रखा,

इस कारण उन के पीछे उनके वंश को चुन लिया, और प्रत्यक्ष होकर तुझे अपने बड़े सामर्थ्य के द्वारा मिस्त्र से इसलिये निकाल लाया कि तुझ से बड़ी और सामर्थी जातियों को तेरे आगे से निकालकर तुझे उनके देश में पहुँचाए, और उसे तेरा निज भाग कर दे, जैसा आज के दिन दिखाई पड़ता है।

इसलिये आज जान ले, और अपने मन में सोच भी रख, कि ऊपर आकाश में और नीचे पृथ्वी पर यहोवा ही परमेश्वर है; और कोई दूसरा नहीं और तू उसकी विधियों और आज्ञाओं को जो मैं आज तुझे सुनाता हूँ मानना, इसलिये कि तेरा और तेरे पीछे तेरे वंश का भी भला हो, और जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें तेरे दिन बहुत वरन् सदा के लिये हों" (व्यवस्थाविवरण 4:32-40)।

मैं इस कहानी के निम्नलिखित विवरणों से प्रभावित हुआ हूँ:

- इजराइल के प्रति अपने क्रोध में, मूसा ने परमेश्वर के निर्देशों की अवज्ञा की, परमेश्वर की पवित्रता का उल्लंघन किया और इजराइल को प्रतिज्ञा की भूमि में ले जाने के विशेषाधिकार को खो दिया (गिनती 20:11-12)।
- परमेश्वर ने मूसा को प्रतिज्ञा की हुई भूमि को देखने की अनुमति दी लेकिन यहोशू को लोगों को उसमें ले जाने के लिए नियुक्त किया (व्यवस्थाविवरण 3:25-28)।
- मूसा ने परमेश्वर की महानता का वर्णन किया और इजराइल को आज्ञाकारिता के लिए बुलाया (व्यवस्थाविवरण 4:35, 40)।

यहोवा ही परमेश्वर है: उसके अलावा और कोई नहीं है!

.....

नवम्बर 11 **दिन - 315**

क्या है जो पाप की "प्रभुता हटाता" है?

******

तब तुम पर पाप की प्रभुता नहीं होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हो। रोमियों 6:14

अनुग्रह मुझ तक तब पहुँचा, जब मैं एक युवा किशोर थी। मैं अभी भी अपने पुराने स्वामी पाप की सेवा कर रही थी। उस स्वामी ने मुझे खोया हुआ, अकेला और उस डर के साथ भयभीत कर छोड़ा कि मुझे बार-बार उन लोगों के द्वारा त्याग दिया जाएगा, जिनसे मैं प्यार करती थी। मैंने इस डर को एक भारी बोझ के रूप में ढोया, और मैं इसे रख छोड़ने के लिए एक जगह की तलाश कर रही थी, जब मैंने यीशु को उनके प्रिय परिवार के माध्यम से मुझे पुकारते हुए सुना: "हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे हुए लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा" (मत्ति 11:28)।

यह मेरे लिए अच्छी खबर थी, क्योंकि इसने मुझे आशा दी थी। दिल में कुछ डर के साथ, मैंने घुटने टेक दिए और अपनी पापी-बीमार आत्मा को परमेश्वर को समर्पित कर दिया। बहुत धीरे से, मैंने दरवाजा खोला और क्रूस के मसीह को अंदर बुलाया। उस पल महान आदान-प्रदान किया गया, मेरा बोझ उतर गया, और मेरा हृदय मसीह का घर बन गया।

पाप अब मेरा स्वामी नहीं है क्योंकि एक दिन मैंने यीशु को चुना और हर दिन वह मुझे चुनने की शक्ति देता है। मैं अपने पुराने स्वामी की आवाज नहीं सुनती, क्योंकि यीशु अप्रिय से प्यार करता है। वह अक्षम्य को क्षमा करता है। वह नहीं खोजे जाने वालों को खोजता है और हम स्वयं को परमेश्वर की बाहों में लिपटा हुआ पाते हैं।

नैन्सी शेवर[164]

---

164. पहले ये "कम ये अपार्ट" जुलाई-अगस्त-सितम्बर (कैनसस सिटी, एमओ: नाज़रीन पब्लिशिंग हाउस), 89 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है (यह पब्लिकेशन 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' बन गया है)।

.....

नवम्बर 12 **दिन - 316**

छुड़ाया जाना

******

तुम पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए। रोमियों 6:18

पैट्रिक एक नास्तिक के रूप में बड़ा हुआ और विश्वास करता था कि बाइबिल स्वयं का खंडन करती है। एक चुनौतीपूर्ण मुलाकात के बाद, उसने पुराना नियम पढ़ना शुरू किया और 2003 में इसे पूरा किया। उसी साल उसने शादी कर ली। 2008 में, उसने नया नियम पढ़ना शुरू किया। अक्टूबर 2009 में, पैट्रिक ने नरक के बारे में एक वेबसाइट देखी। वह यह जानकर परेशान था कि अनंतकाल कभी समाप्त नहीं होता है।

28 अक्टूबर 2009 को उसने अपनी अश्लीलता से छुटकारा पा लिया, प्रार्थना करना शुरू कर दिया और बौद्धिक रूप से यीशु पर विश्वास करने लगा। 1 नवम्बर को पैट्रिक और उसकी पत्नी ने पहली बार चर्च में भाग लिया। उसने पादरी से मिलना शुरू किया।

28 नवम्बर को, जब उसका बेटा एरिक अस्पताल में था, पैट्रिक ने प्रेरितों के काम को पढ़ा और शाऊल (पॉल) के समान दर्शन दिए जाने के लिए प्रार्थना की। पैट्रिक सो गया और एक सफेद रोशनी से चौंककर जाग गया - यीशु उसके सामने खड़े थे। पैट्रिक ने कहाँ, "धन्यवाद"

यीशु ने कहा, "मैं शिष्यत्व में जाता हूँ।"

पैट्रिक जानता था कि उसका पहला कदम बपतिस्मा लेना था। अपने बपतिस्मे के बाद वह अपनी पत्नी के लिए गहरे प्रेम का अनुभव करने लगा। उसके बेटे एरिक ने टिप्पणी कि, "आप अच्छे बनने लगे हैं"। पैट्रिक अब बाइबिल स्कूल में जाने की योजना बना रहा है।

कैंप मीटिंग में, "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया" शीर्षक वाले एक प्रचार के बाद, पैट्रिक वेदी पर अपने भीतर बनी हुई गहरी आत्म-केंद्रितता को लेकर तड़प उठा। कुछ रातों के बाद, पैट्रिक ने प्रार्थना की और एक गहरे आश्वासन का अनुभव किया और उसे आजाद कर दिया गया।[165]

---

165. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2010) में प्रकाशित हुआ है।

.....

नवम्बर 13 **दिन - 317**

"सिद्ध बनें" -सी. एस. लुईस

******

प्रेम में भय नहीं होता, वरन् सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है; क्योंकि भय का संबंध दंड से होता है, और जो भय करता है वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ। 1 यूहन्ना 4:18

निम्नलिखित सी. एस. लुईस के 'मेअर क्रिश्चियनिटी' के एक अंश है: (मसीह) ने कभी अस्पष्ट, आदर्शवादी व्यर्थ बात नहीं की। जब उन्होंने कहा, "सिद्ध बनो" तो वह इसका मतलब समझते थे। उनका मतलब था कि हमें पूर्ण उपचार के लिए अंदर जाना चाहिए। यह कठिन है, लेकिन हम जिस तरह के समझौते के लिये लालायित है, वह कठिन है - वास्तव में, यह असंभव है। अंडे के लिए पक्षी में बदलना कठिन हो सकता है, लेकिन एक अंडा रहकर ही उड़ना सीखना इसके लिए और भी ज्यादा कठिन होगा। हम वर्तमान में अंडों की तरह है। और तुम अनिश्चितकाल तक केवल एक साधारण अंडा बनकर नहीं रह सकते। या तो हमें अंडों से निकल जाना होगा या खराब हो जाना होगा।

क्या मैं उस पर वापस आ सकता हूँ जो मैंने पहले कहा था? यही संपूर्ण मसीहत है। कुछ और नहीं है..... चर्च किसी और चीज़ के लिए नहीं, सिर्फ, लोगों को मसीह में लाने के लिए, उन्हें छोटे मसीह बनाने के लिए होता है। यदि वे ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो सभी चर्च, पादरी वर्ग, मिशन, सेवाएं, यहाँ तक कि स्वयं बाइबिल भी, केवल समय की बर्बादी है। परमेश्वर कोई अन्य उद्देश्य के लिए (मानव) नहीं बनें। [166]

---

166. सी. एस. लुईस, मेअर क्रिश्चियनिटी (न्यूयॉर्क: मैकमिलेन, 1952), 169-70।

.....

नवम्बर 14 **दिन - 318**

सेवकाई की अदायगी

******

हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे।
गलातियों 6:9

"मुझे बस आपको धन्यवाद कहना है, डॉ. शेवर"

मुझे पता है कि मैं पूरी तरह से हैरान था जब क्रिस्टीन ने ईस्ट ओहायो कैंप मीटिंग में मेरा उस तरह अभिवादन किया। फिर उसने मुझे अपनी कहानी सुनाई। क्रिस्टीन जब दस साल की थी, उसकी माँ उसे न्यूयार्क के प्लैट्सबर्ग चर्च में रिवाइवल सेवाओं के लिए ले गई। वह प्रार्थना करने के लिए आगे बढ़ी, और परमेश्वर ने उसके युवा हृदय को पूरी तरह से पवित्र कर दिया। उसके बाद, उसने अपनी माँ से उसे सभी रिवाइवल सेवाओं में ले जाने के लिए विनती की। हर रात, वह बालकनी की पहली पंक्ति में बैठती थी और परमेश्वर जो कुछ कर रहे थे उसे समझने के लिए आगे देखती थी।

अब क्रिस्टीन की शादी नील से हुई है जिसे सेवकाई के लिए बुलाया गया है। वे नियाग्रा फॉल्स, न्यूयार्क जा रहे हैं जहाँ वे पादरी के रूप में अपनी पहली सेवकाई शुरू करेंगे। दस साल की उम्र में, क्रिस्टीन ने परमेश्वर के अनुग्रह का अनुभव किया - और अब वह और उसका पति पादरी का कार्य कर रहे हैं। क्या अदायगी है।

ईस्ट ओहायो कैंप मीटिंग में उस रात की सेवा के बाद, एक अन्य पादरी की पत्नी, क्रिस्टी ने एक बड़ी मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा और कहा, "मैं कैनसस सिटी में आपके व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार कक्षा में पवित्र की गई थी।" "क्या इससे कोई फर्क पड़ा"? मैंने पूछा। "ओह हाँ," उसने जवाब दिया। "मैंने कभी महसूस नहीं किया था कि मैं कितनी स्वार्थी थी।"

एक और अदायगी!

लौरा फिट्जसिमन्स ने मुझे एक अवार्ड प्राप्त करने पर बधाई का एक नोट भेजा। अपने कार्ड में उसने 1993 में उस समय को उद्धृत किया जब मेरे और अन्य लोगों द्वारा उनके साथ सुसमाचार को साझा किये जाने के बाद, उसने और उसके पति ने मसीह को स्वीकार किया था। उसने लिखा: "जरा सोचो - उन सभी के बारे में जो, खोए हुओं के लिए आपके दिल, की वजह से बदल गये हैं। परमेश्वर की स्तुति हो कि मेरे परिवार की मुलाकात आपसे हुई। मैं आपको इस सप्ताह के ऑगस्टॉ, कैनसस में तीसरी और चौथी - ग्रेड के कैंप से लिख रही हूँ। मैं तीन सौ लोगों के लिए खाना बना रही हूँ। क्या आपने कभी सोचा था कि मैं ऐसा कुछ करूंगी? अब से लगभग पंद्रह साल पहले मिलने के बाद से, मैं एक लंबी दूरी तय कर चुकी हूँ। परमेश्वर की स्तुति हो - परमेश्वर की स्तुति हो। धन्यवाद, मेरे दोस्त, मुझे प्यार करने के लिए।"

एक और अदायगी। उस अदायगी की कल्पना करें जो आपके जीवन में आएगी। [167]

---

167. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2008) में प्रकाशित हुआ है।

नवम्बर 15 **दिन - 319**

यूहन्ना और पाप

******

हे मेरे बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिये लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है अर्थात् धर्मी यीशु मसीह। 1 यूहन्ना 2:1

यूहन्ना को इस विचार से बडी समस्या थी कि सच्चे मसीही (मसीह के अनुयायी) आगे भी पाप करते रहते हैं। 1 यूहन्ना 3 में उसके प्रमुख कथनों को देखें:

- "पाप व्यवस्था का विरोध है" (3:4)।
- "वह (मसीह) इसलिये प्रगट हुआ कि पापों को हर ले जाए" (3:5)।
- "जो कोई उसमें बना रहता है, वह पाप नहीं करता" (3:6)।
- "जो कोई पाप करता है वह शैतान की ओर से है..... परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रगट हुआ कि शैतान के कामों का नाश करें" (3:8)।
- जो कोई परमेश्वर से जन्मा है (और अभी भी जी रहा है) वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है" (3:9)।

कुछ बुनियादी परिभाषाएं हमारी मदद करेंगी:

- पाप (पापमय स्वभाव) हृदय की पापमय स्थिति जिसमें पाप कर्म विकसित होते हैं। इसे स्वार्थ या आत्म-केंद्रितता भी कहा जाता है।
- पाप करना - जानबूझकर परमेश्वर की ज्ञात व्यवस्था को तोड़ना।
- आश्चर्य पाप - परमेश्वर की व्यवस्था को एक असुरक्षित क्षण में तोड़ना, लेकिन जानबूझकर, निर्धारित उद्देश्य से नहीं।
- गलती: एक ऐसा कार्य जिसमें परमेश्वर की सिद्ध इच्छा नहीं होती, लेकिन अनजाने में और अज्ञानता से किया जाता है।

इन सभी को मसीह की शुद्ध करने वाले लहू की आवश्यकता है। हालांकि, गलती करने से पाप के समान भार नहीं होता है। सभी पापों का क्षमा की आवश्यकता है। दूसरी और, आत्म-केंद्रितता को क्षमा नहीं किया जा सकता है - इसे शुद्ध करने की आवश्यकता है।

यूहन्ना के कुछ समकालीनों ने पापरहित होने का दावा किया था (1:8)। यूहन्ना ने प्रचार किया, "पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है" (1:7)। ध्यान दें कि मुद्दा क्षमा नहीं है, बल्कि शुद्धिकरण या सफाई है।

यह दावा करने के लिए नहीं है कि मसीही पाप नहीं कर सकते। यह, ये दावा करना है कि मसीही को पाप करने की आवश्यकता नहीं है। इस मामले में, व्यक्ति के लिए पाप करना शारीरिक रूप से असंभव नहीं हैं; बल्कि, यह नैतिक रूप से व्यक्ति के चरित्र से बाहर है। जैसे एक इमानदार आदमी झूठ नहीं बोल सकता, वैसे ही एक मसीही आदमी पाप नहीं कर सकता। पाप करना मसीह का अनुयायी होने के साथ असंगत है।

हो सकता है आप सोचें कि, "क्या होगा यदि मैं मसीही बनने के बाद पाप करता हूँ"? आज के वचन में, यूहन्ना कहता है कि उसके लिखने का पूर्ण उद्देश से यही है "ताकि तुम पाप न करो"। हालांकि वह आगे लिखता है: "और यदि कोई पाप करें तो पिता के पास हमारा एक सहायक है - यीशु मसीह"। ध्यान दें कि यूहन्ना "यदि" कहता है "जब" नहीं। यदि पाप हो जाता है तो हमें यीशु मसीह के माध्यम से क्षमा, शुद्धिकरण और बहाली के लिए परमेश्वर के समक्ष तुरंत अंगीकार करना चाहिए।

जब कर्ट और जेन मसीह के पास आए तो इसका अर्थ था अंगीकार करना और अपने पिछले पापों से फिरना। इसका अर्थ यीशु को उनके पापों के क्षमाकर्ता (उद्धारकर्ता) और उनके जीवन के अगुवे (प्रभु) के रूप में स्वीकार करना था। इसका मतलब जीवन शैली में तत्काल परिवर्तन जिसमें शराब और तंबाकू दोनों से मुक्ति भी शामिल है।

इसका मतलब उनके टूटे हुए विवाह की बहाली भी था। उन्होंने अन्य मसीहियों के विवाहों को देखा, "यह हमारे लिए कारगर हो सकता है"। जल्द ही, कर्ट और जेन ने अपने बच्चों को एक ईश्वरीय प्रभाव से पालना शुरू किया।

जैसे ही उन्होंने चर्च की सेवाओं में ईमानदारी से भाग लेना शुरू किया, उन्होंने महसूस किया कि चूंकि परमेश्वर ने उन्हें वित्तीय संसाधनों से आशीषित किया था, यह उचित होगा कि वे दशमांश (अपनी आय का दस प्रतिशत परमेश्वर को वापस देना) दें।

फलत:, कर्ट और जेन दूसरों को मसीह के पास लाने लगे। वे समझ गए कि शेष आत्म-केंद्रितता के शुद्धिकरण का एक और गहरा स्तर था। और अंततः उन्होंने परमेश्वर के पवित्रीकरण का अनुभव किया। उन्होंने खुद को गलातियों 2:20 में पौलुस के दावे से संबंधित महसूस किया: "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ"।

जेन ने इसे इस तरह से कहा: "हमें विश्वास था कि हम विजयी हो सकते हैं"।

क्या आप भी इस तरह की मसीहत नहीं चाहते हैं?

.....

नवम्बर 16 **दिन - 320**

जीवन जल की नदियाँ फिर से

******

"यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पिए जो मुझ पर विश्वास करेगा जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, 'उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी'। उसने यह वचन पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उसपर विश्वास करनेवाले पाने पर थे। यूहन्ना 7:37-39

"क्या यह वास्तव में कहता है, जीवन के जल की नदियाँ?" उसने अपने फादर से पूछा।

"हाँ" उन्होंने कहा, "यह नदियाँ कहती है।"

"नदिया" शब्द का तात्पर्य प्रचुर मात्रा में आपूर्ति है। और कई मसीही वास्तव में "नदियों" का अनुभव कर रहे हैं। यह जीवन पवित्र आत्मा द्वारा है।

इस लेखन के समय (2020), अधिकांश स्कूल, व्यवसाय और चर्च बंद हैं। कई लोगों के पास काम नहीं है। हजारों मर चुके हैं।

आज मुझे एक मसीही अयाजकीय महिला से एक नोट मिला, जिसमें लिखा था: "परमेश्वर निश्चित रूप से बढ़ रहे हैं और अपने लोगों तक पहुँचने के लिए नए तरीके बना रहे हैं और नए लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं। जीवित रहने और उनके हाथों के कामों को देखने के लिए यह कितना शानदार समय है। मैं एक नदी के बहने का एहसास कर सकती हूँ।

वी. रेमंड एडमन एक मिशनरी, पादरी और व्हीटन कॉलेज के अध्यक्ष थे। हडसन टेलर और अन्य लोगों के जीवन से प्रभावित होकर, उन्होंने टेलर की "विनियम किये गये जीवन" की धारणा के बारे में लिखा। यह पुराने के लिए नया जीवन है। यह थकान के लिये खुशी और नीरसता के लिये चमक है। यह आँसुओं में भी जीत और चिड़चिड़ेपन के बजाय हृदय की कोमलता है। यह आत्म-उत्थान के बजाय आत्मा की दीनता है और उस सबसे सुंदर (परमेश्वर) की उपस्थिति के कारण जीवन की सुंदरता है।

'दे फाउंड द सीक्रेट' में एडमन ने बीस मसीहीयों के बारे में लिखा है जिन्होंने गहरे मसीही जीवन की खोज की है: "उनके अनुभवों का पैटर्न एक समान है। उन्होंने उद्धारकर्ता पर विश्वास किया था फिर भी वे बोझ से दबे हुए और व्यग्र, कपटी, और निष्फल थे..... फिर वे उद्धारकर्ता के प्रति पूर्ण हृदय समर्पण के आशीष में आ गए, उनकी आत्मा की अंतरतम गहराई में उनके (यहोवा) साथ एक मुलाकात हुई: और उन्होंने पवित्र आत्मा को जीवन और ताजगी के एक अविरत स्रोत के रूप में पाया"।[169]

हडसन टेलर चाइना इनलैंड मिशन के संस्थापक और एक महान मिशनरी थे। तदापि, सैंतीस साल की उम्र में, अपनी माँ को लिखे एक पत्र में उन्होंने अपने दिल की बात कही। उन्होंने लिखा, "मैं कभी नहीं जानता था कि मेरा दिल कितना बुरा है" और अनुरोध किया, "प्रार्थना करें कि प्रभु मुझे पाप से दूर रखें, मुझे पूरी तरह से पवित्र करें, मुझे अपनी सेवा में अधिक से अधिक उपयोग करें।"[170]

एक साथी मिशनरी, जॉन मैकार्थी ने टेलर को अपने अनुभव के बारे में बताने के लिए लिखा:

"मेरे प्यारे उद्धारकर्ता को मुझमें उनकी इच्छा के अनुरूप कार्य करने देने के लिए, मैं उनके अनुग्रह के द्वारा अपने पवित्रीकरण के लिए ही जिऊंगा। अनुसरण करते हुए, ना कि सिर्फ प्रयास या

संघर्ष, उनकी ओर देखते हुए उपस्थित शक्ति के लिए, उन पर भरोसा करते हुए, सभी आंतरिक भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए उन पर भरोसा करते हुए, एक सर्वशक्तिमान उद्धारकर्ता के प्रेम में विश्वास करते हुए।[171]

जब टेलर ने पत्र पढ़ा, उनका हृदय द्रवित हो गया। उन्होंने कहा, "जब मैंने पढ़ा, मैंने यह सभी देखा। मैंने यीशु की ओर देखा; और जब मैंने देखा, ओह किस प्रकार खुशी प्रभाहित हुई।"[172]

इस अनुभव के बाद एक व्यक्ति जिसने टेलर को देखा कहा, "वह अब एक हर्षित व्यक्ति है, एक उज्जवल, खुश मसीही। वह पहले एक मशक्कत करने वाला, बोझ से दबा हुआ व्यक्ति हुआ करता था, अपनी आत्मा को बिल्कुल भी विश्राम नहीं देता था। वह अब यीशु में विश्राम कर रहा था, और उन्हें काम करने दे रहा था - जो कि बहुत जरूरी था।"[173]

हाँ, हडसन टेलर ने पीया - और आत्मा के द्वारा उसके पास से जीवन के जल की नदियाँ बहने लगी।

---

168. वी. रेमंड एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट' (ग्रैंड रेपिड्स: जोन्डरवेन, 1960) 7
169. एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट', 9
170. एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट', 18
171. एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट', 18
172. एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट', 19
173. एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट', 17

.....

नवम्बर 17 **दिन - 321**

मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किये गए

******

मैं तुम्हें उनके पास इसलिये भेजता हूँ कि तू उनकी आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; की पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएँ। प्रेरितों के काम 26:17-18

1871 में, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटिश सैनिकों ने मिस्त्र के रेगिस्तान में डेरा डाला। वे डरे हुए थे। उनके चारों ओर लड़ाई छिड़ गई, और उनके मित्र मारे जा रहे थे।

इसी बीच, एक पादरी सैनिकों के बीच चले आया। उन्होंने सलाह दी, प्रोत्साहित किया, प्रार्थना की, प्रचार किया, सिखाया और अंतिम संस्कार किया। वह प्रसिद्ध नहीं थे, लेकिन हर कोई जो उन्हें जानता था वह जानता था कि वह परमेश्वर के व्यक्ति थे - विश्वास का व्यक्ति।

एक दिन पादरी बीमार हो गए और उनके पेट में दर्द होने लगा। लेकिन उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने में देरी की क्योंकि उन्हें लगा कि सैनिकों को पहले उपचार मिलना चाहिए। जब तक वह डॉक्टर के पास पहुँचे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी - अपेंडिसाइटिस ने उनकी जान ले ली। वह केवल तैंतालीस वर्ष के थे।

उनकी पत्नी वफादार थीं। जब भी उन्होंने प्रचार किया या पढ़ाया, उन्होंने (पादरी) जो कुछ कहा, उसने (पत्नी) लिख लिया और 1927 में उसने अपनी पहली पुस्तक प्रकाशित की। ओसवाल्ड चेंबर्स की 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट' आज भी प्रिंट में है और इसे दुनिया में सबसे प्रसिद्ध भक्तिमय पुस्तक माना जाता है। अब उनकी मृत्यु के सौ से अधिक वर्षों के बाद, ओसवाल्ड चेंबर्स, अपने विश्वास के द्वारा, अभी भी बोल रहे हैं। (इब्रानियों 11:4)

प्रेरित पौलुस की तरह, ओसवाल्ड चेंबर्स को लोगों की आँखें खोलने के लिए भेजा गया था कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें, "ताकि वे पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ (मसीह) पर विश्वास करने से पवित्र किये गए हैं, मीरास पाएं" (प्रेरितों के काम 26:18)। इसके अलावा, वह पापों की क्षमा पर ही नहीं रुके बल्कि अपने श्रोताओं को गहराई तक ले गए। अपनी पुस्तक में, वह इक्कीस अलग-अलग अवसरों पर पवित्रीकरण के बारे में लिखते हैं; वह संबंधित सत्य के लिए, कई अन्य संदर्भ भी देते हैं।

पापों के निवारण पर चर्चा करने के बाद, चेंबर्स ने घोषणा की, "फिर अनुग्रह का दूसरा शक्तिशाली कार्य होता है - "उनके बीच एक विरासत जो पवित्र किये गए हैं"(174)। चेंबर्स ने लोगों को अपने और हमारे समय में चुनौती दी:

जब हम पवित्र किये जाने के लिए प्रार्थना करते हैं, तो क्या हम इन वचनों के स्तर का सामना करने के लिए तैयार होते हैं?..... हमें पृथ्वी पर हमारे सभी हितों की गहन संकीर्णता और परमेश्वर में हमारे सभी हितों का व्यापक विस्तार करने की कीमत चुकानी होगी। पवित्रीकरण का अर्थ है, परमेश्वर के दृष्टिकोण पर गहन एकाग्रता..... पवित्रीकरण का अर्थ है यीशु के साथ एक हो जाना ताकि जिस स्वभाव ने उन पर शासन किया वह हम पर भी शासन करे..... क्या हम यह कहने के

लिए तैयार हैं..... हे प्रभु, मुझे उतना ही पवित्र बना दें जितना आप अनुग्रह से बचाए गए पापी को बना सकते हैं?[175]

एक अन्य स्थान पर चैंबर्स लिखते हैं, "पवित्रीकरण मेरा विचार नहीं है कि मैं क्या चाहता हूँ कि परमेश्वर मेरे लिये करें; पवित्रीकरण परमेश्वर का विचार है कि वह मेरे लिए क्या करना चाहते हैं, और उन्हें मुझे मन और आत्मा के उस दृष्टिकोण में लाना होगा, जहाँ किसी भी कीमत पर मैं उन्हें, मुझे पूरी तरह से पवित्र करने दूँगा।"[176]

मैं तैयार हूँ! क्या तुम हो?

---

174. ओसवाल्ड चेंबर्स, 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट' (यूहरिचविले, ओएच: बारबर पब्लिशिंग, 1963), जनवरी 10

175. चेंबर्स, माई अटमोस्ट, फरवरी 8

176. चेंबर्स, माई अटमोस्ट, अगस्त 14

.....

नवम्बर 18 **दिन - 322**

और कितना अधिक

******

अतः जब तुम बुरे होकर अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना चाहते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा! लूका 11:13

यीशु मसीह से मिलने के नौ महीने बाद, यूनाइटेड स्टेट्स सीनेट के पूर्व पादरी, रिचर्ड हैल्वरसन ने ओसवाल्ड चेंबर्स के 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट' को पढ़ना शुरू किया। तब से, हैल्वरसन ने अपने शेष जीवन के लिए इस भक्ति पुस्तक को लगातार पढ़ा। इसके बारे में उन्होंने कहा, "बाइबिल को छोड़कर किसी भी पुस्तक ने इतने गहरे और परिपक्व स्तरों पर मसीह के साथ मेरे चलने को प्रभावित नहीं किया है।"[177]

ओसवाल्ड चेंबर्स ने मसीह को तभी स्वीकार कर लिया था, जब वह बच्चे थे। वयस्क होने पर डुनून कॉलेज में पढ़ाने के दौरान, चेंबर्स ने एफ. बी. मेयर को पवित्र आत्मा के बारे में बोलते सुना। इसके बाद वह अपने कमरे में गये और पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए प्रार्थना की, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। चार सालों तक उन्होंने संघर्ष किया।

फिर लूका 11:13 ने उन्हें थाम लिया। एक दिन, एक सार्वजनिक सभा में, चेंबर खड़े हुए और लूका 11:13 उल्लेख करते हुए पवित्र आत्मा के वरदान का दावा किया। उनके पास कोई विशेष दर्शन नहीं था, लेकिन एक सभा में बोलने के कुछ दिनों बाद, चालीस लोग आगे आए। जब उनके मित्र ने उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने पवित्र आत्मा का दावा किया था, और उस यीशु ने कहा "आप आत्मा से सामर्थ्य पाओगे", अचानक, एक पल में, उनके अंदर कुछ हुआ। वह बदल गए थे। उन्होंने गवाही दी, "प्रेम आरंभ है, प्रेम मध्य है और प्रेम अंत है। जब वह अंदर आते हैं, आप "केवल यीशु हमेशा यीशु" ही को देखते हैं।[178] आत्मा के इस कार्य का प्रभाव 'माई अटमोस्ट फॉर हिज़ हाइएस्ट' में चेंबर्स के शब्दों में प्रवाहित होता है: "यीशु ने कहा, जब वह, सत्य की पवित्र आत्मा, आएगा..... वह मेरी महिमा करेगा।' जब मैं अपने आपको नए नियम में किए गए प्रकाशन के प्रति प्रतिबद्ध करता हूँ, तो मैं परमेश्वर से पवित्र आत्मा का वरदान प्राप्त करता हूँ जो यीशु ने जो किया, मुझसे उसका व्याख्या करना शुरू कर देता है; और मुझ में वह सब व्यक्तिगत रूप से कहता है जिसे यीशु ने मेरे लिए तटस्थ भाव से किया था।"(179)

यह अन्य भक्तिमय रचना में, चैंबर्स कहते हैं, "जब पवित्र आत्मा उन्हें हमारी परिस्थितियों पर लागू करे तब हमें यीशु मसीह के उपदेशों के अनुरूप धीरे-धीरे अपने चाल-चलन और बातचीत को आकार देना है। पहाड़ी उपदेश, एक नियमों और विनिमयों का सेट नहीं है: यह उस जीवन का सार है जिसे हम तब जीएंगे जब पवित्र आत्मा हमें अपने मार्गों पर चलाएगा।"(180)

पुस्तक में दूसरी जगह वह ओसवाल्ड फिर से जोर देते हैं: "जब तक आप उस काम को करने की इच्छा नहीं रखेंगे, तब तक आप आगे नहीं बढ़ेंगे। पवित्र आत्मा आपमें उस एक अखंडनीय वस्तु का पता लगाएगा, लेकिन वह उसे तब तक हिला नहीं सकता जब तक कि आप उन्हें ऐसा करने देने के लिए तैयार नहीं होंगे।"(181)

वह पवित्र आत्मा के प्रति कितने संवेदनशील हो गए थे: कायरो, मिस्र के सैन्य कब्रिस्तान में एक साधारण हेडस्टोन, चैंबर्स की कब्र के रूप में चिन्हित है। उनके हेडस्टोन में निम्नलिखित शब्द खुदे हुए हैं: "आपका स्वर्गीय पिता और कितना अधिक लोगों को पवित्र आत्मा देगा जो उसे मांगते हैं।"[182]

---

177. रिचर्ड हैलवरसन "इंट्रोडक्शन", ओसवाल्ड चेंबर्स, 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट' (उनरिचविले, ओएच: बारबरा पब्लिशिंग, 1963)
178. वी. रेमंड एडमन, 'दे फाउंड द सीक्रेट' (ग्रैंड रेपिड्स: जोन्डरवेन, 1960), 47
179. चेंबर्स, माई अटमोस्ट, नवम्बर 29
180. चेंबर्स, माई अटमोस्ट, जुलाई 25
181. चेंबर्स, अक्टूबर 8
182. एडमन, दे फाउंड द सीक्रेट, 49

.....

नवम्बर 19 **दिन - 323**

गिलास भरा है

******

दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।
इफिसियों 5:18

कल्पना कीजिए कि मैं आपके दरवाजे पर हाथ में गिलास लिए आता हूँ और आपसे पानी माँगता हूँ। आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए आप कहते हैं, "जरूर अंदर आ जाइए।"

आप मुझे अपनी रसोई के सिंक तक ले जाते हैं, और मैं नल खोलता हूँ। गिलास भरता हूँ - आधा भरा, दो-तिहाई भरा, पूरी तरह से भरा हुआ। मैं नल बंद कर देता हूँ।

लेकिन फिर, कुछ कारण से, मैं बहुत ही ज्यादा उत्साहित हो जाता हूँ। भरे हुए गिलास को काउंटर पर रखने के बाद, मैं चिल्लाने लगता हूँ, "गिलास भरा है! गिलास भरा है!"

यह घटना मेरे लिए इतनी रोमांचकारी होती है कि मैं लिविंग रूम में बैठे आपके परिवार के सदस्यों में से एक को टीवी देखते हुए पाता हूँ और बताता हूँ कि, "गिलास भरा है!"

इस खबर को सीमित रखना सही नहीं लगता, इसलिए मैं आपके अड़ोस-पड़ोस में जाता हूँ। एक हफ्ते तक मैं जिस किसी से मिलता हूँ उसे "गिलास भरा है!" कहता हूँ।

लेकिन मुझे झटका लगता है जब मैं देखता हूँ कि गिलास अब भरा हुआ नहीं है। जहाँ मैंने एक हफ्ता, एक अतीत के पल का जश्न मनाते हुए बिताया जब गिलास भर गया था, वहाँ वाष्पीकरण की धीमी प्रक्रिया ने जल के स्तर को कम कर दिया। गिलास अब भरा नहीं था।

आइए इस पहले के दृश्य को दोहराएं। मैं वापस आपके रसोई के सिंक के पास आ गया हूँ, एक और पानी का गिलास भर रहा हूँ - आधा भरा, दो-तिहाई भरा, पूरी तरह से भरा हुआ। लेकिन फिर, नल को बंद करने के बजाय, मैं उसे बहने देता हूँ। अब गिलास भरा है - और बह रहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वाष्पीकरण कितना पानी हटा देता है, बहता हुआ नल - जो स्रोत है - हमेशा वाष्पीकरण से बड़ा होता है। मैं आनंद मनाता हूँ। गिलास भरा हुआ है - और बह रहा है।

ये गिलास दो तरह के मसीहियों की तरह है। कुछ परमेश्वर के पास आते हैं। और पवित्र आत्मा से भर जाते हैं, लेकिन वे अपना सारा ध्यान अतीत के उस समय पर लगाते हैं जब वे भरे हुए थे। इस बीच वे वाष्पित हो गये हैं।

अन्य मसीही परमेश्वर के पास आते हैं और पवित्र आत्मा से भर जाते हैं, और अलौकिक स्रोतों से भरते रहना जारी रखते हैं। ये विश्वासी न केवल भरे हुए हैं बल्कि उमड़ भी रहे हैं। दूसरे शब्दों में, एक बार जब आत्मा आप में भर जाती है:

- खुले रहो; स्रोत से प्राप्त करते रहो।
- प्रार्थना करते रहो, आज्ञा मानते रहो - और वचन को पढ़ते रहो।
- जैसा कि 1 थिस्सलुनीकियों 5:19 कहता है, "आत्मा को न बुझाओ।"
- जैसा कि इफिसियों 4:30 कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो।"
- जैसा कि गलातियों 5:25 कहता है, "यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी।"

- जैसा कि किसी ने एक बार कहा था, "उस टोंटी के नीचे रहो जहाँ से महिमा निकलती है।"

इफिसियों 5:18 में पौलुस के शब्द कहते हैं, "आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।" क्या आप भर गये हैं? क्या आप वाष्पित हो गये हैं? क्या आप भरते रहे हैं? क्या आप बह रहे हैं? यदि आप आत्मा से भर गये हैं, यदि आप आत्मा में जीना जारी रखते हैं, और यदि आप बह रहे हैं तो आपके पास अपने और दूसरों के लिए भी पर्याप्त होगा। यह उस महिला की तरह है जो उत्साह के साथ अपने पादरी के पास गई, यह कहते हुए कि, "मेरा कटोरा उमड़ रहा है! मेरा कटोरा उमड़ रहा है! मुझे क्या करना चाहिए?" उन्होंने जवाब दिया, "जाओ और उसे किसी पर उंडेल दो।"

भरा हुआ - और उमड़ा हुआ।

.....

नवम्बर 20 **दिन - 324**

अति प्रवाह

******

दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ, और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने-अपने मन में प्रभु के सामने गीत और कीर्तन करते रहो। और सदा सब बातों के लिए हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। मसीह के भय से एक दूसरे के अधीन रहो। इफिसियों 5:18-21

यदि आप की संपत्ति पर एक झील या तालाब है और पानी अंदर बहता है पर कोई पानी बाहर नहीं बहता है, तो आप जानते हैं कि पानी गतिहीन और दूषित हो जाएगा। इसी प्रकार, आत्मिक जीवन में, एक बार जब एक मसीही आत्मा से भर जाता है तो आत्मिक प्रवाह के लिए चैनल होना चाहिए। हमारे इफिसियों के अवतरण के अनुसार, एक बार जब एक मसीही आत्मा से भर जाता है तो उस प्रवाह के लिए तीन प्राकृतिक चैनल होते हैं: स्तुति, धन्यवाद और समर्पण।

कुछ सालों पहले, मैं अपने जीवन में एक कठिन दौर से गुजर रहा था। मैं तनाव का सामना अच्छी तरह से नहीं कर पा रहा था - मैंने अपने अधिक कार्यभार के बारे में दूसरों से शिकायत की। मैं अक्सर अपने बलिदान और कम वेतन के बारे में चिंतित रहता था।

मैं खुद को दूसरों से ऊपर रखता था क्योंकि गृह कार्यालय में मेरे द्वारा किये गये अति परिश्रम का मूल्य नहीं समझते थे। अंततः मैं समझ गया। मुझे एहसास हुआ कि शिकायत करने के बजाय मुझे प्रशंसा करनी चाहिए, चिंता करने के बजाय, मुझे धन्यवाद देना चाहिए, स्वयं को ऊँचा उठाने के बजाय, मुझे समर्पण करना चाहिए। निश्चित रूप से, जैसे ही मैंने प्रार्थना करना, धन्यवाद देना और समर्पण करना शुरू किया, मेरी आत्मा में अति प्रवाह के चैनल खुल गए। पौलुस 5:21 में अधीनता का उल्लेख करने के बाद, वह इस विषय के बारे में बताता है:

- पत्नियों अपने पतियों के अधीन रहो (5:22)।
- हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम किया था (5:25)।
- हे बालकों, प्रभु में अपने माता-पिता की आज्ञाकारी (या अधीन) बनो (6:1)।

वाह, यह तो अधीनता के कई सारे विषय हैं। हम इतनी सारी मांगों को कैसे संभाल सकते हैं? अमेरिकी संस्कृति में, लोग ऐसी मांगों को अच्छी तरह से नहीं संभालते। यहा काम से निकलने के बाद, एक आदमी जो अपने बॉस के दबाव में होता है, वह घर में घुसता है और अपनी पत्नी पर चिल्लाता है, "मेरे लिए एक बीयर लाओ।"

पौलुस के पास एक अधिक भली प्रतिक्रिया है: "दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ" (5:18)। "परिपूर्ण होते जाओ" वर्तमान को संदर्भित करता है - आत्मा से परिपूर्ण होते रहो। इस अनिवार्यता की गवाही यह है कि नए नियम के मसीहियों ने अक्सर उच्च दबाव वाली परिस्थितियों के बीच आत्मा की एक नई परिपूर्णता प्राप्त की (प्रेरितों के काम 4:31)।

ई. स्टेनली जोन्स मेथाडिस्ट चर्च के आत्मिक दिग्गजों में से एक थे। वह जब युवक ही थे तभी मसीहत में रूपांतरित हो गये थे। बाद में, पवित्र आत्मा से भरे होने के बाद, उन्होंने खुद को मिशनरी सेवा के लिए पेश किया। उनका पहला कार्य भारत में था, जहाँ उन्हें पाँच हजार कर्मचारियों के साथ एक मिशन स्टेशन के प्रभारी पद पर रखा गया था। वह दस साल की सेवा के बाद ही छुट्टी लेने के योग्य हो सकते थे। थोड़े समय पश्चात जोन्स का नर्वस ब्रेकडाउन हो गया। उन्होंने छुट्टी लेने, पहाड़ों में समय बिताने और अपने घर बॉल्टीमोर में लौटने की कोशिश की। फिर भी, इस सबके बाद भी, वह अस्वस्थ रहे लेकिन कर्तव्य की भावना से, वह अपने मिशन के काम पर लौट आये। लखनऊ में उन्होंने तमिल डेविड अगवाई में पुनरुद्धार सेवाओं में भाग लिया। जब जोन्स ने चर्च में पीछे की तरफ घुटने टेके, तो परमेश्वर ने उनसे पूछा, "क्या तुम उस काम के लिए तैयार हो जिसके लिए मैंने तुम्हें बुलाया है?"

जोन्स ने उत्तर दिया, "नहीं प्रभु, अब और नहीं। मैं अपने संसाधनों के अंत तक पहुँच गया हूँ, मैं और नहीं कर सकता।"

परमेश्वर ने उत्तर दिया, "यदि तुम उस समस्या को मुझे सौंप दोगे और उसके बारे में चिंता नहीं करोगे, तो मैं उसे संभाल लूँगा।

प्रभु, उन्होंने (जोन्स) कहा, "इस सौदे को यहीं खत्म करता हूँ।"

अचानक जोन्स ऊर्जा, शांति, शक्ति और पर्याप्तता की भावना से भर गया।[183] वह मनुष्य जो कभी आत्मा से भरा हुआ करता था, फिर से आत्मा से भर गया। तब से वह परिपूर्ण होता रहा और अपनी सेवकाई के सबसे समृद्ध काल में प्रवेश किया।

मसीही मित्र, आत्मा से परिपूर्ण रहो और आत्मा से परिपूर्ण होते रहो। प्रशंसा, धन्यवाद और समर्पण के साथ अतिप्रवाह।

---

183. ई. स्टेनली जोन्स, 'अ सॉन्ग ऑफ एससेंट्स (नैशविल: अबिंगडन प्रेस, 1968), 89-90

.....

नवम्बर 21 **दिन - 325**

अल्जाइमर में प्रेम

******

हे प्रियों, हम आपस में प्रेम रखें; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है। जो कोई प्रेम करता है - वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है।1 यूहन्ना 4:7

हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया कि उसको वचन के द्वारा के जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाए।

इस लेखन के समय, मेरी पत्नी नैन्सी को अल्जाइमर हुए एक दशक हो गया है। अब तक, उसकी अल्पकालिक स्मृति बहुत कम हो गई है, और हम नियमित रूप से अपने स्थानीय अल्जाइमर एसोसिएशन की बैठकों में भाग लेते हैं। इस रोग के रोगियों में बहुत अंतर है; इस प्रकार मैं यह दावा नहीं करता कि जो मैं साझा करता हूँ वह सभी रोगियों और उनके देखभाल करने वालों के लिए सही है।

किसी तरह, प्रार्थना से, परमेश्वर के अनुग्रह से और हमारे मसीही विश्वास से, नैन्सी और मैंने एक विशेष प्रेमपूर्ण और साझा संबंध का अनुभव किया है। अक्सर, जब मैं नाश्ते की मेज पर आता हूँ तो मुझे एक नोट मिलता है जो उसने (नैन्सी) पिछली रात को लिख कर छोड़ा होता है। यहाँ एक दिया गया है जिसे मैंने हाल ही में पाया:

मेरे सुंदर, बुद्धिमान पति के लिए जो प्यार और कोमलता से मेरी देखभाल करता है।

मुझे प्यार और परवाह का एहसास कराने के कई तरीकों के लिए धन्यवाद। हमारी यात्रा की आशा करती हूँ। हमारे स्वर्गीय पिता के आशीष और मार्गदर्शन के साथ हमारे उपयोगी जीवन के लिए हर दिन परमेश्वर का धन्यवाद देती हूँ। मेरा प्यार तुम्हारे लिये हर दिन बढ़ते ही जाता है।

तुम्हारी प्रिय, नैन

जब नैन्सी ने बताया कि उसका फोन नहीं मिल रहा है, मैं जानता हूँ कि मुझे इसे (फोन) को खोजने में मदद करनी होगी, तो मैं किसी भी निराशा के बावजूद उस पर प्यार प्रकट करता हूँ। और, जिस तरह से वह मुझ पर वापस प्यार प्रकट करती है, यह करना मुश्किल नहीं है।

क्या आपके जीवन में कोई ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति है जिसमें प्यार के एक नए स्रोत से मदद मिलेगी?

.....

नवम्बर 22 **दिन - 326**

केवल धन्यवाद कहें दें

******

सदा आनंदित रहो, निरंतर प्रार्थना में लगे रहो। हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है।1 थिस्सलुनीकियों 5:16-18

वह इस बात से परेशान थी कि कोई उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहा था। जब हम बात कर रहे थे, उसने बताया कि कैसे, अतीत में, वह व्यक्ति प्रार्थना के उत्तर के रूप में एक बेहतर इंसान में बदल गया था। यह याद करते ही उसके चेहरे पर चमक आ गई और वह मुस्कुरा दी। साथ में, हमने पिछले उत्तरों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया और नये उत्तरों के लिए प्रार्थना की।

ध्यान दें कि पौलुस के निर्देश हमें सभी परिस्थितियों 'के लिए' नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों 'में' प्रार्थना करने और धन्यवाद देने के लिए हैं। वर्तमान में भी, आप कठिन परिस्थिति के मध्य में कुछ अच्छा महसूस कर सकते हैं, "हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है" (रोमियों 8:28) - और, जैसा कि एक व्यक्ति कहता है "सब बातें" जिसमें वह भी सम्मिलित है "जो शैतान भेजता है"। परमेश्वर को धन्यवाद देने से परमेश्वर की उचित महिमा होती है। इसके अलावा, प्रार्थना के पिछले उत्तरों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देना भविष्य के उत्तरों के लिए उस पर भरोसा करने के लिए विश्वास का निर्माण करता है।

और लोगों को धन्यवाद दें। अधिकार की मनोवृति और "इसमें मेरा क्या फायदा?" द्वारा निर्मित इस युग में, 'धन्यवाद' कहना कितना सही है। धन्यवाद कहना यह बताता है कि दूसरा व्यक्ति महत्वपूर्ण है, उसने मेरे जीवन में योगदान दिया है, और मूल्यवान है।

जब पौलुस ने फिलिप्पियों की कलीसिया को लिखा, तो उसने और भी बातों के साथ कहा, "तौभी तुम ने भला किया कि मेरे क्लेश में मेरे सहभागी हुए"; "तुम ने मेरी घटी पूरी करने के लिये एक बार क्या वरन् दो बार कुछ भेजा था"; और, "जो वस्तुएँ तुम ने इपफ्रूदीतुस के हाथों से भेजी थीं उन्हें पाकर मैं तृप्त हो गया हूँ" (फिलिप्पियों 4:14,16,18)। आपको क्या लगता है कि फिलिप्पियों ने इसे पढ़कर कैसा महसूस किया?

मेरे सामने एक धन्यवाद का पत्र पड़ा हुआ है। जिसके कुछ भाग में यह लिखा है: "आपने ये सभी बाहरी चीजें की हैं, लेकिन इसमें आंतरिक चीजें भी है। आपने एक पति, पिता, पादरी और एक अगुवे के रूप में मुझ में विश्वास पैदा किया है। आपने हमारे उद्धारकर्ता के साथ मेरी आत्मिक यात्रा को गहराई से प्रभावित किया है। धन्यवाद।"

आपको क्या लगता है कि जब मैंने इसे पढ़ा तो मुझे कैसा लगा? तुम्हें कैसा लगेगा?

अब मुझे कुछ धन्यवाद नोट्स लिखने के लिए इससे विराम लेना चाहिए। क्या आपको भी एक लिखने की जरूरत है?

.....

नवम्बर 23 **दिन - 327**

मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ

******

क्योंकि तुम तो मर गए और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।
कुलुस्सियों 3:3

मुझे डर था कि मैंने कोई बड़ी गलती कर दी है। इसमें कोई शक नहीं था कि परमेश्वर ने मुझे उस सितम्बर की रात में पूरी रीती से पवित्र किया था। (1 थिस्सलुनीकियों 5:23)। उस अनुभव की भारी वास्तविकताओं में एक यह था कि पुराने चिक शेवर की मृत्यु हो गई थी। मेरे पुराने अहम् के स्थान पर आंतरिक शुद्धता, शांति और प्रेम था जितना मैंने पहले कभी नहीं महसूस किया था - इतना महान की मैंने चार्ल्स वेस्ली के गीत "लव डिवाइन, ऑल लव्स एक्सीलिंग" अगले चौबीस घंटों में बीस बार गाया। दूसरे वचन ने विशेष रूप से मुझसे बात की:

ब्रीद, ओ ब्रीद दाय लविंग स्पिरिट
इनटू वेरी ट्रबल्ड ब्रेस्ट।
लेट अस ऑल इन दी इनहेरीट;
लेट अस फाइंड देट सेकेन्ड रेस्ट।
टेक अवे आर बेन्ट टू सिनिंग;
अल्फा एंड ओमेगा बी।
ऐन्ड ऑफ फेथ, एज इट्स बिगिनिंग,
सेट आर हर्ट्स एट लिबर्टी।[184]

महीनों तक, मैंने अपने आंतरिक पापों और आत्मिक शक्ति की कमी के उपचार के लिए पवित्र करने वाली आत्मा की पूर्णता की तलाश की। और अब - एक उत्तर!

लेकिन फिर मेरी गलती आ गई। वह सूक्ष्म थी। मैंने गलती से यह मान लिया था, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे उस पल में छुड़ाया था, इसलिए भविष्य में आने वाली हर चुनौतीपूर्ण स्थिति में मेरी स्वतः जीत होगी। मैं कितना गलत था! मैंने पाया कि मुझे हर पल मसीह पर निर्भर रहना है और जीवन की हर परीक्षा में परमेश्वर पर दृढ़ता से निर्भर रहना है। यह एक गतिशील, जारी संबंध था! आत्मा से परिपूर्ण हो जाओ, हाँ, परंतु यह भी:

- "चलो.... आत्मा के अनुसार" (रोमियों 8:4, एनकेजेवी)।
- "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो" (इफिसियों 4:30)।
- "आत्मा को न बुझाओ" (1 थिस्सलुनीकियों 5:19)।
- "आओ, हम आत्मा के अनुसार चलें" (गलातियों 5:25)।

या, जैसा कि एवरेस्ट लुईस कैटल ने बहुत समझदारी से कहा,

"अब शैतान द्वारा आत्मसमर्पण और पवित्र हृदय के खिलाफ प्रलोभन का मुख्य हथियार, अपने छिपे हुए स्थान से स्वयं को बाहर निकालने का प्रयास करना है; और कुछ लोगों में कम से कम, परमेश्वर से स्वतंत्रता में उसे फिर से स्थापित करना हैं।[185]

184. चार्ल्स वेस्ली (शब्द) और जंडेल (संगीत), “लव डिवाइन, ऑल लवज़ एक्सीलिंग,” सिंग टू द लॉर्ड: हयामनल (कैनसस सिटी, एमओ: लीलिनस पब्लिशिंग कंपनी, 1993), # 507
185. एवरेट लूईस कैटल, द स्पिरिट ऑफ होलीनेस (ग्रैंड रेपिड्स: अर्डमन्स, 1963)

.....

नवम्बर 24 **दिन - 328**

विश्वासयोग्य साबित हुआ

******

फिर यहाँ भंडारी में यह बात देखी जाती है कि वह विश्वासयोग्य हो। 1 कुरिन्थियों 4:2

वह पेशे से एक स्कूल की शिक्षिका और परमेश्वर की बुलाहट से एक संडे स्कूल की शिक्षिका थी। उसकी कोई भी कक्षा उबाऊ नहीं होती थी - वह अपने कक्षा के सदस्यों के लिए प्रार्थना करती, उनका नाम लेकर पुकारती, और कभी-कभी पढ़ाते समय रोती, और अक्सर आनंदित होती थी। वह आत्मा की पवित्रता की परिपूर्णता के आनंद में रहती थी। ओह हाँ, आत्मा के फल में न केवल प्रेम, आनंद और शांति शामिल है बल्कि विश्वास भी शामिल है (गलातियों 5:22)।

जब जिम और अनीता स्टेट से बाहर चले गए, तो वे किसी चर्च के भाग नहीं बन पाए। आत्मिक रूप से पीछे होने लगे। संडे स्कूल की शिक्षिका फर्न इसे सहन और स्वीकार नहीं कर सकी। उसने प्रार्थना, प्रेम, चिंता और लगातार संचार के साथ उनका अनुसरण किया। वह ऐसा तब तक करती रही जब तक कि यह समाचार नहीं मिल गया कि जिम और अनीता, परमेश्वर और चर्च में वापस लौट आए हैं।

जब फर्न को अपने पब्लिक-स्कूल की कक्षा की एक छोटी लड़की के बारे में चिंता हुई, तो उसने लड़की के माता-पिता से मिलने के लिए उसके घर पर फोन करने का फैसला किया। जब उसने माता-पिता से बात की, तो उसने महसूस किया कि घर को जिस हिस्से की जरूरत थी वह था आत्मिक जीवन।

उसने एक बीस-वर्षीय बागी लड़की होने की अपनी कहानी सुनाई, यह जानना कि उसकी जीवन-शैली का कोई मतलब नहीं है, यीशु मसीह को जानना, और अंततः अपने जीवन के हिस्सों को एक साथ जुड़ते देखना।

माता-पिता ने उसकी कहानी सुनने के बाद, उससे कहा, फर्न लॉन्ग, आपको वह मिला है जिसकी हमें जरूरत है। हम इस रविवार को आपके चर्च में आ रहे हैं।

तभी फर्न दुविधा में आ गई। यह वह सप्ताहांत था जिसमें उसे छुट्टी पर जाना था। वह जानती थी कि अगर वह उनसे कहेगी कि वह वहाँ (चर्च) नहीं होगी, तो युवा परिवार चर्च नहीं आएगा। वह जानती थी कि किसी का जीवन, भविष्य और आत्मा दांव पर है। इसलिए फर्न ने अपनी छुट्टी स्थगित करने का फैसला किया ताकि वह उस रविवार को चर्च में नए परिवार के साथ बैठ सके। उसकी विश्वसनीयता देखें।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि जिले को बनाने वाले साठ या अधिक चर्चों की वार्षिक सभा में, फर्न को वर्ष की सबसे उत्कृष्ट संडे स्कूल शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। यह इस बात के साथ कितना सही बैठता है जो अधिकांश मसीही इस दुनिया से दूसरी दुनिया में जाने पर सुनना चाहेंगे: "धन्य, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनंद में सहभागी हो!" (मत्ती 25:21)

निश्चित रूप से आप भी वफादार साबित होने की इच्छा रखेंगे।

.....

नवम्बर 25 **दिन - 329**

स्वतंत्रता और दासता

******

इसलिये यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे। यूहन्ना 8:36

जब वह ढिठाई किस्म की टिप्पणी करता है तो उसके चेहरे पर एक उपहास झलकती है। "आपका क्या मतलब है कि आप उस कार्य को नहीं करते या उन जगहों पर नहीं जाते हैं? क्या आपका धर्म आपको कोई स्वतंत्रता नहीं देता"? और वह श्रेष्ठ महसूस करता है क्योंकि वह उन जगहों पर जाता है जहाँ आप जाने की परवाह नहीं करते हैं।

यीशु के जमाने के कुछ यहूदियों में श्रेष्ठता की भावना भी थी। लेकिन न तो प्राचीन यहूदी और न ही आज के पथभ्रष्ट आलोचक यह समझ पाए कि स्वतंत्रता का मतलब क्या होता है।

मसीही अपनी इच्छा से उस तरह से जीते हैं जैसे वे जीते हैं, जबकि पापी अपने स्वामी पाप के कोड़े के अंतर्गत जीते हैं। जब तक पुत्र, किसी व्यक्ति को स्वतंत्र नहीं करता, तब तक मानव स्वभाव पाप का दास बना रहता है।

मेरा विश्वास नहीं होता। स्टार डेली से पूछें। स्टार एक जेल के "छिद्र" (एकांत कारावास) में सड़ रहा था, जहाँ उसके पास भोजन के लिए रोटी और पानी और बिस्तर के लिए पत्थर थे। केवल अपने पहरेदार और जेलर के प्रति घृणा ने उसे जीवित रखा था। फिर, एक रात उसकी नींद में, स्टार का सामना यीशु मसीह से हुआ, वह व्यक्ति जिसे उसने हमेशा टालने की कोशिश की थी। मसीह ने स्टार की आत्मा की गहराई में प्रवेश किया, और उनके प्रेम ने पाप के सारे जहर को बाहर निकाल दिया। जब वह जागा, तो उसके चारों ओर की धूसर दीवारें अलग दिख रही थीं। लेकिन वह स्टार थे, जो अलग थे - अपने जीवन में पहली बार, उसे भीतरी स्वतंत्रता मिली थी।

.....

नवम्बर 26 **दिन - 330**

क्रोधित हो जाना

******

जो मनुष्य बुद्धि से चलता है वह विलंब से क्रोध करता है, और अपराध को भुलाना उसको शोभा देता है। नीतिवचन 19:11

क्रोधित हो जाना। लोग कितनी आसानी से क्रोधित हो जाते है। कुछ लोग बस क्रोधित होने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं।

अपने बेटे पॉल के जीवन में हाल ही में हुई एक घटना से मैं हैरान था। यहाँ पहले कुछ पृष्ठभूमि दी गई है।

पॉल के पूरे शरीर में कई कैंसर हुए हैं और उनके उपचार के लिए कई सर्जरी हुई हैं। सबसे कठिन सर्जरी उसके गर्दन के कैंसर को दूर करने के लिए थी, जिसमें उसके वॉयस बॉक्स को हटाना भी शामिल था। अब बात करने के लिए, उसे अपनी गर्दन के उस छेद को ढंकना होगा जिससे वह सांस लेता है और शब्दों के उच्चारण के लिए उसे मुँह से हवा को फूंकना होगा। कुछ शब्दों के बाद उसे हर बार रुकना, छेद को खोलना और सांस लेना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप उसकी आवाज खराश और कर्कशता वाली होती है। वह इस बारे में शिकायत नहीं करता, लेकिन वह अपनी उच्चारण में सुधार के लिए उपचार प्राप्त कर रहा है।

हाल ही में, पॉल एक वॉलीबॉल खेल में कोच के साथ बातचीत कर रहा था जिसे पॉल अंपायरिंग कर रहा था। (वह एक इलेक्ट्रॉनिक सिटी के द्वारा ऐसा करता था)। कोच ने उससे पूछा, "आप कैसे हैं"?

पॉल ने अपनी कर्कश आवाज में जवाब दिया, और कोच ने टिप्पणी की, ऐसा लगता है कि तुम्हें बहुत बुरा सर्दी-जुकाम हुआ है।

पॉल ने बस इतना ही कहा, "नहीं"

लेकिन थोड़ी देर बाद कोच वापस आया और पॉल को जुकाम की दवा दी।

जब मैंने पॉल को उस घटना को सुनाते हुए सुना। मैंने सोचा यदि उसे कोच की विमूढ़ चेष्टा से आहत महसूस हुआ। कैंसर होना अपने आप में ही काफी बुरा था, अपने वॉयस बॉक्स को खोना तो छोड़ ही दें - और अब एक आदमी जो तथ्यों को जानता भी नहीं था, उसे (पॉल) को सर्दी के लिए कफ ड्रॉप दे रहा था जो उसे थी ही नहीं।

लेकिन पॉल क्रोधित नहीं हुआ था - वास्तव में वह आभारी था। उसने सोचा कि यह बहुत अच्छा है कि उसके हाल के उपचारों के परिणामस्वरूप उसके उच्चारण की गुणवत्ता गले में खराश या सर्दी के स्तर तक पहुँच गई थी। यह एक प्रगति थी। पॉल इसके बारे में खुश और सकारत्मक था।

लंबे समय से, पॉल परमेश्वर के आशीषों के तहत जी रहा है। परमेश्वर ने उसे अद्भुत रूप से शांति दी जब डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें उसका वॉयस बॉक्स निकालना होगा। वह जीवन को तब से सबसे अलग नजरिए से देखता है। वह नीचे दीए गए पवित्र शास्त्रों के वचन में जीता है: "प्रभु में सदा आनंदित रहो" (फिलिप्पियों 4:4); और, "सदा आनंदित रहो; निरंतर प्रार्थना में लगे रहो; हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है" (1 थिस्सलुनीकियों

5:16-18)। उसने यह सीखा "जो दूसरे के अपराध को ढांप देता, वह प्रेम का खोजी ठहरता है (नीतिवचन 17:9)।

विचार करें कि आपको पिछले सप्ताह में क्या सामना करना पड़ा था। और याद रखें कि "अपराध को भुलाना उसको शोभा देता है"।

.....

नवम्बर 27 **दिन - 331**

मुझ में बसी बुराई, भाग 1

******

अतः यदि मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता, तो उसका करनेवाला मैं न रहा, परंतु पाप जो मुझ में बसा हुआ है। रोमियों 7:20

जब मैं छोटा था, मेरे माता-पिता मुझे हमारे घर के हर कमरे में जाने की छूट नहीं देते थे। लेकिन एक खास दिन, मुझे लिविंग रूम में जाने दिया गया, जिसमें कई टूटने वाली वस्तुएं थी। मैं तुरंत एक भारी कांच के ऐशट्रे की ओर आकर्षित हुआ (ये यीशु मसीह को अपने घर का नियंत्रण देने से पहले के दिन थे)।

मैंने भारी ऐशट्रे को उठाया और अपने सिर के ऊपर उठा लिया। मेरी माँ ने देखा और सख्ती से कहा, "उस ऐशट्रे को मत फेंकना!"

एक ही पल में, मैंने उसे कमरे के कोने में फेंक दिया और मुझे उसकी सजा भी मिली।

मैंने ऐसा क्यों किया, पौलुस ने पहले ही पता लगा लिया था। रोमियों 7:9 में उसने लिखा, "मैं तो व्यवस्था बिना पहले जीवित था, परंतु जब आज्ञा आई, तो पाप जी गया, और मैं मर गया।"

परमेश्वर और उनके अनुग्रह के अलावा, यदि मैं थोड़ा भी सच कहूँ तो मुझे इस पर आश्चर्य होता है कि मैं खुद में कितनी बुराई देख पाता हूँ। व्यवस्थित बुराई और दूसरों के बुरे कर्मों के अलावा, मुझे भीतर की बुराई से भी जूझना पड़ता है। और वास्तव में व्यवस्थित बुराई कई अलग-अलग दिलों की बुराई के संकलन और गुणा का परिणाम है।

रोमियों 7:19-20 हमें बताता है, "क्योंकि जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूँ, वह तो नहीं करता, परंतु जिस बुराई की इच्छा नहीं करता, - वही किया करता हूँ। अतः यदि मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता, तो उसका करनेवाला मैं न रहा, परंतु पाप जो मुझ में बसा हुआ है।" मेरे जीवनकाल में कुछ घटनाओं पर विचार करने से इस सच्चाई की पुष्टि होती है।

जब मैं हाईस्कूल में था, किसी ने मुझे अपने फर्नीचर की दुकान पर गर्मियों में नौकरी देने के लिए दयालुता दिखाई। फिर भी, अगले साल, जब मैंने अखबार में पढ़ा कि मेरे पूर्व बॉस आर्थिक तंगी में हैं, तो मुझे दूसरों को यह खबर बताने में एक अजीब खुशी हुई। क्या उस खबर को फैलाने से मुझे उस व्यक्ति से श्रेष्ठ महसूस हुआ जो मेरा श्रेष्ठ था? क्या वह मेरा दिल का मामला था?

यीशु ने कहा, "क्योंकि भीतर से, अर्थात् मनुष्य के मन से बुरे बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, दुष्टता, छल, लुचपन, कुदृष्टी, निंदा, अभिमान और मूर्खता निकलती हैं। ये सब बुरी बातें भीतर ही से निकलती हैं और मनुष्य को अशुद्ध करती हैं" (मरकुस 7:21-23)।

एक युवा के रूप में, मुझे लगा कि मैंने कुछ उच्च मानक विकसित कर लिए हैं। ईमानदारी मेरे लिए एक प्राथमिकता थी, और मैं दूसरों में बेईमानी से परेशान हो जाता था। फिर भी, जब मैं एक बड़ी मुसीबत में था, तो मैंने झूठ बोलकर खुद को उसमें से बाहर निकाला। पौलुस ने जो कहा था, मैं उसकी सराहना नहीं करता था: "अतः हे दोष लगानेवाले, तू कोई क्यों न हो, तू निरुत्तर है; क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है, इसलिये कि तू जो दोष लगाता है स्वयं ही वह काम करता है" (रोमियों 2:1)।

मुझे अपने अंदर धार्मिक हलचलें महसूस होने लगीं। जब किसी ने मुझे सुझाव दिया कि परमेश्वर का मार्ग यीशु मसीह के माध्यम से है, तो मैं क्रोधित हो गया। मैंने सोचा, मैं परमेश्वर के पास जैसे चाहूँ वैसे जाऊँगा। मैंने कोशिश की - और उसने काम नहीं किया अपनी आत्म-केंद्रितता में, मैं अभी तक यीशु के वचनों को समझ नहीं पाया: "मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता" (यूहन्ना 14:6)।

.....

नवम्बर 28 **दिन - 332**

मुझ में बसी बुराई, भाग 2

******

अतः मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता, तो उसका करने वाला मैं न रहा, परंतु पाप जो मुझ में बसा हुआ है। रोमियों 7:20

अविश्वसनीय रूप से, सेमिनरी के दो युवा छात्रों के रूप में, हमें एक बड़े चर्च में सप्ताहांत के पुनरुद्धार सेवा में प्रचार करने और अपनी गवाही देने के लिए आमंत्रित किया गया था। वहाँ आश्चर्यजनक बातें हुई। कई लोगों ने सार्वजनिक रूप से परमेश्वर को खोजा और पादरी की पत्नी ने आत्मिक सहायता प्राप्त करने वाले छह जोड़ों के बारे में बात करते हुए कहा, "मैं यह कहने का साहस करती हूँ कि हर शादी बच जाएगी"।

घर जाते हुए, मैंने स्वयं से कहा, "क्या मैंने एक अच्छी ऑल्टर कॉल नहीं दी थी!"

तुरंत, पवित्र आत्मा ने मेरे मन से कहा, "अपनी महिमा मैं दूसरों को न दूँगा" (यशायाह 42:8)। मुझे डाँट लगाई गई और मुझे अपने दिल की गहराइयों में झांकने के लिए जोर दिया गया।

कुछ दिन पहले, मैं अपनी पत्नी को साठ सुंदर सालों से भी अधिक पुराने किसी मुद्दे पर अपने असंतोष के बारे में बता रहा था। उसने कहा, "तुम मुझे डाँट रहे हो"। उसका शब्द लगभग उतना ही सामर्थ्यशाली लग रहा था जितना कि आत्मा का। वो सही थी; मैं गलत था। मैंने उससे क्षमा मांगी और मैंने प्रभु से क्षमा, शुद्धिकरण और आत्मा में नए सिरे से चलाने के लिए कहा।

औसवॉल्ड चेंबर्स ने कहा,

मानव जाति की शुरुआत में, यह धारणा थी कि आदम को खुद को छोड़कर हर चीज का स्वामी होना था। उसे पृथ्वी पर और हवा में और समुद्र में जीवन पर अधिकार करना था, लेकिन उसे खुद पर प्रभुत्व नहीं रखना था, - परमेश्वर को उस पर अधिकार करना था। उसे इस पंक्ति पर प्रलोभन आया - "अवज्ञा करो, और तुम परमेश्वर के समान बन जाओगे"।

मनुष्य ने अपने ऊपर अधिकार कर लिया और इस तरह बाकी सब चीजों पर अपना प्रभुत्व खो दिया। बाइबिल के अनुसार, पाप का स्वभाव स्वयं पर अपने अधिकार का मेरा अपना दावा है।[186]

हम "स्वयं पर अपने अधिकार के मेरे दावे" को "पाप जो मुझ में बसा हुआ है" के रूप में भी वर्णित कर सकते हैं (रोमियों 7:20)। मुझे इतने गहरे मुद्दे के लिए केवल दो उत्तर मिले हैं। हमने अतीत में जो कुछ किया है, उसके लिए हमें क्षमा की आवश्यकता है, परंतु हमें और गहराई में जाना चाहिए।

मुझे पहला उत्तर गलातियों 2:20 में पौलुस के शब्दों में मिलता है: "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो

जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।"

केवल मेरे अहंकार का सूली पर चढ़ना - "स्वयं पर अपने अधिकार का मेरा दावा" या "पाप जो मुझ में बसा हुआ है" - इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए काफी गहरा है। परंतु एक बार जब मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ा दिया जाता हूँ, तो मुझे गलातियों 5:25 से दूसरें उत्तरी की आवश्यकता होगी: "तो हम आत्मा के अनुसार चले भी।" मुझे आत्मा में क्षण -प्रति-क्षण चलने की आवश्यकता है।

---

186. ओसवॉल्ड चैंबर्स, 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट (टोरंटो: मैक्कलैंड एंड स्टीवर्ड लिमिटेड, 1935)

.....

नवम्बर 29 **दिन - 333**

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ

******

मैं तो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिये मर गया कि परमेश्वर के लिये जीऊँ। मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया। गलातियों 2:19-20

शानदार कैच - लाइन के अंदर पैर - टचडाउन - और फिर जीत की खुशी का नाच - या अधिक सटीक रूप से, जीत का प्रदर्शन।

खिलाड़ी अपनी सफलता का प्रदर्शन करता है: "मैंने तुम्हें बेवकूफ बनाया; मैंने तुम्हें हरा दिया; मैं शानदार हूँ; मैं जीत गया तुम हार गये, हम सबने यह पहले देखा है - "विशाल मैं" का उल्लास।

कुछ एथलीट फुटबॉल के साथ क्या करते हैं, प्रेरित पौलुस (जब वह शाऊल था) ने धर्म के साथ किया। एक उच्च फरीसी, पूरी तरह से ईमानदार और अति-धार्मिक, वह शेखी बघार सकता था, "मैं अपने बहुत से जातिवालों से जो मेरी अवस्था के थे, यहूदी मत में अधिक बढ़ता जाता था" (गलातियों 1:14)। यह एक बहुत "बड़ा मैं" था। फिर भी, अपने सबसे अच्छे क्षणों में शाऊल जानता था कि उसने परमेश्वर की व्यवस्था का सफलतापूर्वक पालन नहीं किया है। प्रेरित पौलुस के रूप में, उसने अंत में निष्कर्ष निकाला, "मैं तो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिये मर गया"। लेकिन उस असफलता ने कुछ और बेहतर करने का द्वार खोल दिया: "ताकि परमेश्वर के लिए जीऊँ" (2:19)।

क्या आपने कभी "विशाल मैं" प्रकट किया है:

- मैंने वह परीक्षा उत्तीर्ण की।
- मैंने उसे बेवकूफ बना दिया।
- मैंने उसे कुछ बातें बता दीं।
- मैंने उसका बुरी तरह से भंडाफोड़ दिया।
- मैंने उसे दिखा दिया।
- मैंने उसे बताया कि कहाँ उतरना है।

"विशाल मैं" आक्रामक, अति महत्वाकांक्षी, प्रत्यक्ष और ज्यादा सुंदर नहीं होता है। पौलुस जानता था कि उसकी समस्या व्यवस्था से बड़ी है: यह "विशाल मैं" की हावी होने वाली शक्ति थी। मसीह में अपने रूपांतरण के बाद, उसने पाया कि पाप के अधीन जीवन और मसीह की संप्रभुता के अधीन जीवन के बीच, साझा नियंत्रण के अधीन जीवन की एक राज्यरहित भूमि होती है और वह कभी फलदायक नहीं होती। इसलिए पौलुस इसे क्रूस पर ले गया: "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ" (2:20)। "विशाल मैं" की मृत्यु ही एकमात्र उत्तर था - तभी मसीह उसमें बहुतायत और पूरी तरह से जीने में सक्षम होगा। सूली पर चढ़ना एक संकटपूर्ण समर्पण था। यह अतीत में हुआ था, लेकिन यह अभी भी प्रभाव में था। इसने अपनी सामर्थ्य नहीं खोई।

जिम, एक सेवकाई का छात्र, अपने प्रोफेसर के सामने, मेज पर बैठा। हालांकि उसने मसीह को स्वीकार कर लिया था, फिर भी उसमें एक और शक्तिशाली शक्ति काम कर रही थी।

उसने कबूल किया, "मुझे पैसा कमाना पसंद है।" मेरे मन में मुझे पता है कि मुझे आत्मसमर्पण करना चाहिए, लेकिन भावनात्मक रूप से मैं इससे बंधा हुआ हूँ। मैं अपना दशमांश देता हूँ, लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है।" प्रोफेसर ने उससे आग्रह किया कि वह अपना क्षमा किया हुआ पूरा जीवन वापस परमेश्वर को सौंप दे (अर्पित करना); उनसे अपनी शेष आत्म-केंद्रितता की पूर्ण सफाई मांगे या उसे सूली पर चढ़ाने के लिए कहें (सफाई या क्रूस पर चढ़ाना); और विश्वास में बढ़े और इसे करने के लिए आत्मा पर भरोसा रखें (दावा)। जिम का "विशाल मैं" पैसे से इतना नियंत्रित था कि उसने यह प्रार्थना की "हे परमेश्वर, इसकी इच्छा पैदा करने के लिए मुझे इच्छा पैदा करने में मदद करें। उसने अपना सिर मेज पर रखा और रोने लगा। एक-एक कर उसने सभी मुद्दों का समर्पण किया और बार-बार कहा, "ठीक है, ठीक है, ठीक है"। अचानक, उसने अपना सिर उठाया और अपने प्रोफेसर से कहा, "पैसे की इच्छा चली गई है"!

प्रोफेसर ने उससे पूछा, "तुम्हें कौन नियंत्रित करता है?"

"पवित्र आत्मा", जीम ने उत्तर दिया।

प्रोफेसर ने निर्देश दिया: "इसे लिख लो: 9 मई को शाम 4:15 बजे जिम की मृत्यु हो गई"।

जिम ने यह कहते हुए आनंदित होना जारी रखा, "पवित्र आत्मा पैसे से अधिक रोमांचक है। अब मुझे बंधा हुआ महसूस नहीं होता।"

कोई आश्चर्य नहीं कि जिम और पॉल दोनों गवाही दे सकते हैं, "मुझे मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया है"। दोनों सुसमाचार का प्रसार करने वाले प्रवाह बन गये।

.....

नवम्बर 30 **दिन - 334**

मसीह में एक भाई

******

परंतु अब से दास की तरह नहीं वरन् दास से भी उत्तम, अर्थात् भाई के समान रहे, जो मेरा तो विशेष प्रिय है ही, पर अब शरीर में और प्रभु में भी, तेरा भी विशेष प्रिय हो।

फिलेमोन 1:16

पौलुस ने इन शब्दों को हाल ही में रूपांतरित हुए उनेसिमुस के बारे में लिखा जो अपने पूर्व स्वामी फिलेमोन के पास लौट रहा था। सुसमाचार की कहानी की तुलना में शक्तिहीन ("एक दास से बेहतर, एक प्रिय भाई के रूप में") को उठाने में किसके पास अधिक शक्ति है? यीशु मसीह को जानने के द्वारा, स्वामी और कार्यकर्ता, अश्वेत और श्वेत दोनों को भाईचारे में लाने की तुलना में श्रम, अशांति और नस्लीय दंगों को क्या बेहतर सुलझा सकता है।

उन्होंने उसे "आवनूस में स्वर्गदूत" कहा - एक राजा का बेटा, उसे परस्पर-विरोधी अफ्रीकी जनजाति ने पकड़ लिया, गुलामी में बेच दिया और फिरौती के लिए पकड़ कर रखा। उसकी रोज की पिटाई इतनी अधिक हो गई कि युवक भाग गया। बाद में उसे एक कॉफी बागान में काम मिला, और वहाँ उसने मसीह को पाया। जल्द ही उसने प्रार्थना को, "मेरे पिता से बात करना" कहा। वह पवित्र आत्मा के बारे में बताने के लिए एक आदमी को खोजने के लिए अमेरिका गया। वह परमेश्वर के इतने निकट रहता था कि, अमेरिका में अपनी पहली रात में, वह सत्रह आदमियों को मसीह के पास ले आया। एक बार उसका अपहरण कर लिया गया था, उसे गुलाम बना लिया गया था और उस पर अत्याचार किया गया था, लेकिन अंत में सैमी मॉरिस मसीह में मेरे भाई थे।

.....

दिसम्बर 1 **दिन - 335**

परमेश्वर ने मुझे पवित्र किया

******

शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करें।1 थिस्सलुनीकियों 5:24

कोई शक नहीं - मुझे पता था कि परमेश्वर ने मुझे बचाया था। 20 नवम्बर की रात को मेरे पाप क्षमा किये गये। मसीह ने मेरे जीवन के केंद्र में प्रवेश किया; परमेश्वर वास्तविक हो गये; प्रेम, आनंद और शांति मेरी प्रमुख भावनाएं बन गई। मैंने यीशु के साथ नित्य जीवित संबंध रखना जारी रखा। बाइबिल एक रोमांचक पुस्तक बन गई; मुझे प्रार्थना के उत्तर मिल रहे थे; अनुग्रह से मैंने पुराने प्रलोभनों का विरोध किया। जब भी दरवाजे खुलते थे मैं चर्च में होता था, मैं दूसरों को बता रहा था कि यीशु ने मेरे लिए क्या किया है और अपने दोस्तों को चर्च ला रहा था।

छह महीने बाद, मैं संघर्ष में था। परमेश्वर के साथ मेरे अविरत संबंध और उन आशीषों के बावजूद, जो उन्होंने मुझे दी थी, मेरी आत्मा के गहराई से खतरनाक गुस्सा आने लगा। कुछ लोगों ने, यहाँ तक की मसीही मित्रों ने भी मुझे परेशान किया। मैं जानता था कि मसीहियों को प्रेमपूर्ण होना चाहिए, इसलिए मैंने अपने दांत पिसे, अपना जबड़ा जकड़ लिया, और कहा, "इस व्यक्ति से प्रेम करो!" लेकिन मैं नहीं कर सका।

कटुता, द्वेष, अधीरता, ईर्ष्या और अभिमान मेरे भीतर की गहराई से उठने लगे। इसके साथ ही, मैंने आत्मिक शक्ति की एक कमी महसूस की - हालांकि मैं अपने विश्वास को बहुतों के साथ साझा कर रहा था, लेकिन सिर्फ कुछ ही बदल रहे थे। मैंने सोचा, "क्या मेरी मसीहत सिर्फ इतनी ही अच्छी हो सकती है?"

फिर, प्रकाश की कुछ किरणे मेरे ऊपर छाने लगी। मैंने उसे उपदेश में सुना; बाइबिल में पढ़ा; एक गीत में सुना; व्यक्तिगत गवाही में जिया। मुझे "पूर्ण पवित्रीकरण", "आत्मा से भरा जाना", "हृदय की पवित्रता"; "मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया जाना"; "विश्वास का विश्राम"; "पूर्ण शुद्धिकरण" जैसे वाक्यांश सुनाई देने लगे। प्रतिदिन लगातार, मैंने परमेश्वर से अपने संघर्ष का उत्तर देने के लिए प्रार्थना की।

फिर, एक रविवार की रात की सेवकाई में, परमेश्वर ने मेरे हृदय से बात की और मुझे प्रार्थना के लिए वेदी पर जाने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर ने मुझसे पूछा, "तुम इतने समय से क्या प्रार्थना कर रहे हो?"

मैंने जवाब दिया, "प्रभु, मुझे पवित्र कर दे।"

अचानक, ऐसा लगा मानो एक बिजली का झटका मेरे पूरे शरीर से होकर गुजरा और जमीन पर सिर के बल गिर गया। हालांकि मैं इक्कीस साल का एक पूरी तरह से स्वस्थ लड़का था, फिर भी मैंने इतना कमजोर महसूस किया कि मुझे लगा मैं मरने वाला हूँ। फिर मुझे एहसास हुआ, "बिल्कुल यही होने वाला है। 'पुराना चिक शेवर' मरने वाला है"।

अपने क्षमा किये गए पूरे जीवन को परमेश्वर को वापस समर्पित करते हुए और उनसे आत्म-केंद्रितता के शेष मूल को क्रूस पर चढ़ाने के लिए कहते हुए, मैंने विश्वास में दूसरों को पहुँचने की

कोशिश की और उत्तर के लिए परमेश्वर पर विश्वास किया। मसीही दोस्तों के आग्रह पर, मैंने अपना पूरा विश्वास इकट्ठा किया और मुझे पवित्र करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा किया।

जब मैंने ऐसा किया, मेरा दिल अद्भुत शांति और आनंद से भर गया। मेरी ताकत अचानक लौट आई। और ओह, वह प्रेम!

खड़ा हुआ और गवाही दी कि परमेश्वर ने मुझे पूर्ण रूप से पवित्र कर दिया। तुरंत ही, सभा में एक आदमी परमेश्वर की खोज में आगे की ओर दौड़ा। कमरे में एक आत्मिक शांति थी। मैं चार्ल्स वेस्ली का "लव डिवाइन, ऑल लव्स एक्सेलिंग" गाते हुए घर गया और अगले चौबीस घंटों में इसे बार-बार गाया।

मेरी आत्म-केंद्रितता क्रूस पर चढ़ चुकी थी, परमेश्वर ने मुझे पूर्ण रूप से पवित्र कर दिया था। आत्मा ने मुझे भर दिया था, और मेरा मसीही जीवन एक नये स्तर पर पहूँच गया। मुझे अभी भी अविरत "आत्मा में चलने" के बारे में कई सबक सीखने थे - और मैं अभी भी सीख रहा हूँ। लेकिन मैं एक भूमि में प्रवेश कर चुका था जिसका नाम "विजय" था। मैं अभी भी वहाँ रह रहा हूँ और नये क्षेत्र की खोज कर रहा हूँ।

.....

दिसम्बर 2 **दिन - 336**

पूर्ण रूप से पवित्र और आत्मा के अनुसार चलना

******

शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करे। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। गलातियों 5:25

कई लोग दावा करते हैं कि अठारवीं शताब्दी के इंग्लैंड में जॉन वेस्ली की सेवकाई ने देश को क्रांति से बचाया था। गरीबों की चिंता और अमीरों के प्रभाव के साथ, उनका काम समाज के सभी वर्गों तक पहुँचा। वेस्ली विशेष रूप से शक्तिशाली थे क्योंकि उनके उपदेश और शिक्षण लोगों को रूपांतरण से परे और परमेश्वर के साथ एक गहरे अनुभव में ले गये। इस संपूर्ण पवित्रीकरण ने विश्वासियों के ह्रदयों को पापी प्रकृति से पूरी तरह शुद्ध कर दिया। लेकिन वेस्ली मसीहियों को आग्रह करने में सावधान थे कि आत्मिक विजय के लिए एक आवश्यकता के रूप में, उन्हें परमेश्वर के अनुग्रह में रहना होगा, सिद्ध प्रेम में रहना होगा और हर क्षण आत्मा में चलना होगा। उनके दो पत्र इन मुद्दों को उजागर करते हैं।

मिस कुक को, 24 सितम्बर, 1785:

और आप कितनी जल्दी पवित्रता के भागीदार बन सकते हैं! और ना केवल अनुग्रह में एक धीमी और असंवेदनशील वृद्धि के द्वारा, बल्कि अपने ऊपर सर्वोच्च (परमेश्वर) की शक्ति के द्वारा, एक पल में, पलक झपकते ही, ताकि आप को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए, और आपको उनकी सिद्ध छवि में नवीनीकृत कर दिया जाए। यदि आप सरल ह्रदय के हैं, यदि आप एक छोटे बच्चे के रूप में, बिना तर्क के स्वर्गीय उपहार प्राप्त करने के इच्छुक हैं, तो आप इसे अभी ही क्यों नहीं प्राप्त कर लेते? वह पवित्र करने के लिए निकट हैं; वह आपके साथ हैं; वह आपके ह्रदय के दरवाजे पर खटखटा रहे हैं![187]

और एडम क्लार्क को, 26 नवम्बर 1790: "परमेश्वर के अनुग्रह को हासिल करने से कई अधिक उसे बनाए रखना है: मुश्किल से तीन में से एक इंसान ऐसा करता है। और ऐसा उन सभी से दृढ़ता से और स्पष्ट रूप से आग्रह किया जाना चाहिए जिन्होंने सिद्ध प्रेम को चखा हुआ है।"[188]

तो उन्हें तब तक ढूंढो जब तक आप को पता ना चल जाए कि उन्होंने आपके ह्रदय को पूरी तरह से पवित्र कर दिया है। लेकिन अभिमानी न बनना -

सभी अलौकिक संसाधनों से प्राप्त करने के लिए परिश्रमी बनो और प्रतिदिन आत्मा के अनुसार चलो। जैसा गलातियों 5:26 कहता है, "आओ, हम आपका आत्मा के अनुसार चले भी"। यदि आप ऐसा करते हैं, "तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह" हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा।" (1 थिस्सलुनीलियों 5:23-24)।

---

187. जॉन वेस्ली, 'द वर्क्स ऑफ जॉन वेस्ली (कैनसस सिटी, एमओ: नाजरीन पब्लिशिंग हाउस एन डी) वॉल्यूम XIII, 94

188. वेस्ली, वर्क्स, 104

.....

दिसम्बर 3 **दिन - 337**

एक प्रासंगिक पवित्रीकरण, भाग 1

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो।1 थिस्सलुनीकियों 4:3 a

पवित्रीकरण प्रासंगिक है क्योंकि:

1. परमेश्वर के वचन की बुलाहट
   "क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो"। (1 थिस्सलुनीकियों 4:3)
   "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करे।" (1 थिस्सलुनीकियों 5:23)
2. लोगों की जरूरत
   परिवर्तित लोगों के दिलों में अभी भी एक खतरनाक आत्म-केंद्रितता के साथ-साथ आत्मिक शक्ति की कमी भी है। इसे अलौकिक हस्तक्षेप द्वारा हल किये जाने की जरूरत है।
3. पवित्र किया गया ह्रदय आकर्षक होता है
   'डिसीजन' पत्रिका के पूर्व संपादक, शेरवुड वर्ट ने पवित्रीकरण के अपने अनुभव की गवाही दी: "मैं नहीं जानता कि प्रेम कैसे अंदर आया, लेकिन मुझे पता है कि दूसरों के प्रति मेरे अंदर जो कड़वाहट थी..... गायब हो गई। आक्रोश - शत्रुता - आहत भावनाएं - आदि। वे सभी खत्म हो गये। वाष्पित हो गये। चले गए।"
4. लोग खोज में हैं।

1 जून 2015 से 31 मई 2016 तक के बारह महीनों में, फ्लोरिडा से मिशीगन और टैक्सस से आयडाहो तक चौदह रिवाइवल सेवाओं में, पवित्रीकरण पर उपदेशों के बाद 146 लोगों ने सार्वजनिक रूप से परमेश्वर की खोज की।[189]

---

189. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2016) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 4 **दिन - 338**

एक प्रासंगिक पवित्रीकरण, भाग 2

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3 a

विश्वासी पवित्रीकरण की आवश्यकता की वास्तविकता की गवाही देते हैं।

इज़ाबेल: अपनी सहेली को मसीह को स्वीकार करते हुए देखने के कुछ दिनों बाद, इज़ाबेल ने गवाही दी, "जब मैंने कक्षा शुरू की थी, तो मैं सुसमाचार प्रस्तुत करने से डरती थी। अब जब परमेश्वर ने मुझे पवित्र कर दिया है, मैं अब नहीं डरती। मैं अपने अवसरों के प्रति आश्वस्त, उत्साहित और अधिक सतर्क हूँ।"

कैथी: धीरे-धीरे, मैं यह समझ गई कि मेरे स्वर्गीय पिता मुझे कभी नुकसान नहीं पहुँचाएंगे और मैं अपने ऊपर उनके अधिकार के होने पर भरोसा कर सकती हूँ। वास्तव में, यह कुछ ऐसा था जो मैं खुद चाहती थी। जो कुछ बचा था वह केवल विवरण था। मुझे वेदी पर यह पूछना याद है, "क्या कुछ और है जो आप मुझसे चाहते हैं? मैंने उस सवाल को तब तक पूछना जारी रखा जब तक कि परमेश्वर की चुप्पी और मेरी गहरी शांति ने मुझे आश्वासन नहीं दे दिया कि कुछ और बाकी नहीं था। मैंने संपूर्ण पवित्रीकरण को एक बार के आत्मिक संघर्ष के समय के निर्णय के रूप में अनुभव किया और अपने जीवन को उस तरह जीने के लिए जैसा कि परमेश्वर मुझसे चाहते थे, इसे एक अविरत निर्णय के रूप में अनुभव करना जारी रखा।

इस सबके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उस घनिष्ठ, प्रेमपूर्ण संवाद के साथ-साथ, जो हमारे पास है, यह उसी तरह है जिस तरह मैं जीना चाहती हूँ।

कीथ: मैं कैसे एक विश्वासी और मसीह का अनुयायी हो सकता था यदि मेरी स्वाभाविक प्रवृत्ति कोसना और बड़बड़ाना था? इसलिए मैंने उसकी तलाश करना शुरू किया जिसकी कमी थी। मैं उत्तर ढूंढ रहा था, लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि मेरे पास सब था: विश्वास, दशमांश, सेवा - फिर भी मेरे स्वभाव में कुछ भी नहीं बदला। फिर, जुलाई 2008 के अंत में, हमारे चर्च को साफ-सफाई कर्ताओं की जरूरत पड़ी, जब उस काम के लिए ठहराए गये लोग मौजूद नहीं थे। मुझे यह सोचना याद है कि यह तो मेरी प्रतिष्ठा के बहुत नीचे था, लेकिन मैंने अनिच्छा से एक शिफ्ट लेने के लिए अपना नाम आगे किया। 27 जुलाई, 2008 को रविवार की आराधना के दौरान मैं सेवानिवृत्त पूर्व प्रधान सफाईकर्ता से मिला। मैंने मजाक में उनसे कहा कि मैं उनकी पुरानी नौकरी लेने जा रहा हूँ और उनसे पूछा, "आप इसे कैसे संभालते थे"?

उन्होंने मुझे बताया कि वह अपने साफ-सफाई के कार्य को एक सेवकाई मानते थे, और यह कि वह परमेश्वर के लिए काम कर रहे थे: "यदि मसीह मेरे लिए क्रूस पर मर सकते हैं, तो मैं निश्चित रूप से उनके लिए चर्च को साफ कर ही सकता हूँ।"

उनके शब्द मेरे कानों में गूँजने लगे और मुझे घेरे लिया। और फिर वह हुआ। मैंने अंदर गर्म, ठंडा, खाली और भरा हुआ सब कुछ एक साथ महसूस किया। मुझे पता था कि मुझे एक सफाई कर्ता (कस्टडियन) बनने की जरूरत है। समस्याएं, मदद करने के लिए परिस्थितियाँ बन गएं; परिस्थितियाँ कुछ करने के अवसर बन गए; मेरे काम सेवा के कार्य बन गए। मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर ने

मेरी आँखें और दिल को अपनी पूर्णता के लिए खोलने के लिए एक सफाई कर्ता का उपयोग किया। इसलिए जब लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं कैसे "प्रभु के साथ स्थिर हूँ," तो मैं कहता हूँ कि मैं आत्मा से भरा हुआ हूँ, और मैं परमेश्वर को चीजों को उनके हाथों में लेने देता हूँ।[190]

---

190. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2016) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 5 **दिन - 339**

एक प्रासंगिक पवित्रीकरण, भाग 3

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3

मसीही दार्शनिक डैलस विलर्ड ने कहा कि एकमात्र पुस्तक जिसने उन्हें बाइबिल से अधिक प्रभावित किया, वह जेम्स गिलक्रिस्ट लॉसन की 'डिपर एक्सपीरियंसेस ऑफ फेमस क्रिस्चियन्स' थी। यह पुस्तक उन लोगों की गवाही से भरी हुई है जो पवित्र किए गये और आत्मा से भरे हुए हैं।

मैथ्यू केली, 'फॉर साइंन्ज ऑफ अ डायनमिक कैथोलिक' में कैथोलिकों को पुनरुद्धार के लिए कहते हैं। वह सवाल करते हैं, "जीने का सबसे अच्छा तरीका कैसा है"? वह कहते हैं कि इसका उत्तर यह है कि हमें निम्नतर स्वयं को मारकर स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनना है ताकि सर्वश्रेष्ठ स्वयं का मसीह में उदय हो सके। पवित्रता की खोज, स्वयं के सर्वोत्तम संस्करण की खोज है।

अब तक की सबसे अधिक बिकनेवाली भक्तिमय पुस्तक ओसवॉल्ड चेंबर्स की 'माइ अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट' है।

दुनिया भर में, सभी पृष्ठभूमि के मसीही इसे पढ़ रहे हैं। पुस्तक में चैंबर्स इक्कीस बार "पवित्रीकरण" शब्द का प्रयोग करते हैं, और संबंधित शब्दों के कई और उदाहरण है। 8 फरवरी की प्रविष्टि में, वह लिखते हैं: "जब हम पवित्र होने के लिए प्रार्थना करते हैं, तो क्या हम तैयार होते हैं?..... पवित्रीकरण का अर्थ परमेश्वर के दृष्टिकोण पर गहन एकाग्रता होना होता है.... पवित्रीकरण का अर्थ यीशु के साथ एक होना होता है ताकि जिस स्वभाव ने उन पर शासन किया वही हम पर भी शासन करे..... क्या हम यह कहने के लिए तैयार हैं, 'प्रभु, मुझे उतना पवित्र बना दे जितना आप एक अनुग्रह से बचाए गए पापी को बना सकते हैं"? 20 अक्टूबर की प्रविष्टि में, लिखते हैं: प्रश्न यह नहीं है कि क्या परमेश्वर मुझे पवित्र करने के लिए तैयार हैं या नहीं; क्या यह मेरी इच्छा है? क्या मैं परमेश्वर को मुझमें वह सब करने देना चाहता हूँ जो प्रायश्चित द्वारा संभव हुआ है?"(191)

यदि परमेश्वर का वचन; लोगों की आवश्यकताएं, पवित्र किये गये दिलों की आकर्षणशीलता; लोगों को ढूंढना; लोगों के आगे गवाही देना; साथ ही शेरवुड वर्ट, डैलिस विलर्ड, मैथ्यू केली और ओसवॉल्ड चेंबर्स सभी हमें बुला रहे हैं - तो क्या अनुभव करने और दूसरों को सच्चाई बताने के लिए आगे नहीं बढ़ना चाहिए?[(192)]

---

191. ओसवॉल्ड चैंबर्स, 'माई अटमोस्ट फॉर हिज हाइएस्ट (टोरंटो: मैक्कलैंड एंड स्टीवर्ड लिमिटेड, 1935)

192. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2016) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 6 **दिन - 340**

भय और आत्मिक सामर्थ्य

******

उसने उनसे कहा, "यों लिखा है कि मसीह दु:ख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा, और यरुशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा। तुम इन सब बातों के गवाह हो। और देखो, जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूँगा और जब तक स्वर्ग से सामर्थ्य न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो"। लूका 24:46-49

वे कुछ हद तक मसीह के अनुयायी थे - लेकिन दबाव पड़ने पर भाग गए और छिप गए। फिर यीशु ने उन्हें ऊपर से शक्ति की प्रतिज्ञा दी - पवित्र आत्मा के संदर्भ में (प्रेरितों के काम 1:4-5), और वैसे ही, आत्मा उन 120 मसीह के अनुयायियों पर उतरा जब उन्होंने प्रार्थना की (1:14 और 2:4)। पतरस भी आत्मा से भर गया था - अब इंकार करने वाला, समझाने वाला बन गया, और तीन हजार लोगों ने मसीह को प्राप्त किया। यूहन्ना आत्मा से भर गया और परमेश्वर के वचन निडरता से बोलने लगा (4:31)। स्तिफनुस आत्मा से परिपूर्ण (7:55) ने स्वर्ग और यीशु को देखा उसने उन लोगों को क्षमा कर दिया जिन्होंने उसे शहीद किया था। आत्मा से भरा हुआ अयाजकीय व्यक्ति फिलिप्पुस (6:5) आत्मा की अगुवाई में (8:29) इथियोपियाई लोगों को मसीह तक ले गया। और ड्वाइट मूडी, चार्ल्स फिन्नी, शैमुएल लोगन ब्रैंगल और ई. स्टेनली जोन्स सभी ने मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में कुछ समय तक जानने के बाद एक समय पर आत्मा से भरे जाने के बारे में गवाही दी। उन सभी ने कहा कि आत्मा के साथ इस संबंध ने उनकी सेवकाई को सशक्त बनाया।

शायद यह पादरियों के लिए है, बड़े लोग। लेकिन आम लोगों को क्या? क्या भय, अवचेतन रूप से हमें गवाही देने से रोक रहा है (दूसरों को बताना कि यीशु हमारे लिए क्या मायने रखते हैं)?

हमने हाल ही में हयूसटन के एक चर्च में बारह - सप्ताह के व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार प्रशिक्षण कक्षा का समापन किया था। कक्षा की एक प्रतिभागी इज़ाबेल थी - युवा, नवविवाहित, वेनेजुएला की थी और दो साल से थोड़ा अधिक समय से मसीही थी। कक्षा में उनका कौशल इतना विकसित किया कि वह आत्म विश्वास से गवाही दे सकती थी। कुछ ही समय बाद, उसने सुसमाचार साझा किया और उस व्यक्ति ने मसीह को स्वीकार कर लिया। मुझे आपको यह भी बताना है कि अपने सुसमाचार प्रचार के प्रशिक्षणों के दौरान ही, इज़ाबेल पूरी तरह से पवित्र की गई थी (2 थिस्सलुनीकियों 5:23) और पवित्र आत्मा से भर गई थी। अपने नई मित्र को मसीह को स्वीकार करते हुए देखने के कुछ दिनों बाद, उसने गवाही दी, "जब मैंने कक्षा शुरू की थी, तो मैं सुसमाचार प्रस्तुत करने से डरती थी। अब जब परमेश्वर ने मुझे पवित्र कर दिया है, मैं अब नहीं डरती। मैं अपने अवसरों के प्रति आश्वस्त, उत्साहित और अधिक सतर्क हूँ।"

पवित्र करने वाली आत्मा के सामर्थ्य से, आइए हम अपने भय को दूर करें।[193]

---

193. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2005) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 7 **दिन - 341**

चुंबकीय खिंचाव

******

कि तुम पिछले चाल चलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, और नये मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेश्वर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है। इफिसियों 4:22-24

जब आप बच्चे थे तो क्या कभी आप मेग्नेट (चुंबक) से खेलते थे? मेरे पास एक हॉर्स शू चुंबक और एक सिंगल बार चुंबक दोनों थी। मैं कागज के एक टुकड़े पर लोहे का बुरादा डालता था, कागज के नीचे हॉर्स शू चुंबक रखता था, और तुरंत ही चुंबकीय खिंचाव लोहे के बुरादे को चुंबक के अलग-अलग ध्रुवों के चारों ओर इकट्ठा कर देता था। लोहे के बुरादे में से कुछ के लिए तय करना मुश्किल था कि किस तरफ जाएं। हालांकि, यदि मैं कागज के नीचे एक सिंगल बार चुंबक रखता, तो लोहे का बुरादा उस एक चुंबकीय ध्रुवों के चारों ओर एक एकीकृत, एकल बिंदु में इकट्ठा हो जाता था।

कई वास्तविक रूप से परिवर्तित मसीहियों के जीवन में, अभी भी दो बड़े ध्रुव होते हैं - परमेश्वर और स्वयं - जो कार्य के दो अतिव्यापी पैटर्न बनाते हैं। ये लोग आंशिक रूप से आत्म-केंद्रित होते हैं - दूसरे शब्दों में, वे लोग 'दुचित्ते' होते हैं (याकूब 1:8)।

गलातियों 5:24 जिस तरह से इस मुद्दे को संबोधित करता है वह कट्टरपंथी है: "और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है"। यदि शरीर को क्रूस पर चढ़ा दिया जाए, यदि अपने पुराने स्वयं (आत्म-केंद्रितता) को फेंक दिया जाए, तो एक एकल बचा हुआ ध्रुव ही ह्रदय और जीवन को नियंत्रित करता है: "और नये मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेश्वर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है" (इफिसियों 4:24)।

आप किस खिंचाव को महसूस कर रहे हैं? याद रखें कि आप ऐसे ही जीत के स्थान पर नहीं पहुँच जाएंगे - आपको निर्णय लेना होगा। इसलिए जैसा पौलुस लिखता है, "कि तुम पिछले चाल चलन के पुराने मनुष्यत्व को जो..... उतार डालो और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ और नये मनुष्यत्व को पहिन लो" (इफिसियों 4:22, 24)।[194]

---

194. एवरेट लूईस कैटेल, द स्पिरिट ऑफ़ होलिनेस (ग्रैंड रैपिडस् : एर्डमैन्स, 1963), 24-28 से रुपातंरित किया गया है।

.....

दिसम्बर 8 **दिन - 342**

अनुग्रह का दूसरा कार्य

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 *थिस्सलुनीकियों* 4:3a

"मुझे यह अपेक्षा कब करनी चाहिए कि परमेश्वर मुझे पवित्र करेंगे?" यह कई ईमानदार मसीहियों के लिए एक बहुत बड़ा प्रश्न होता है। थिस्सलुनीकियों असली, सच्चे, अच्छे मसीही थे। वे प्रभु के अनुकरणकर्ता थे (1 थिस्सलुनीकियों 1:6) और अपने क्षेत्र के सभी विश्वासियों के लिए आदर्श थे (1:7)। पौलुस और अन्य अगुवों ने उन्हें निर्देश दिया था कि "परमेश्वर को खुश करने के लिए कैसे जीया जाए", और वे वैसा कर रहे थे (4:1)। फिर भी पौलुस ने उनसे कहा, "परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो"(4:3) - अन्य चीजों के साथ-साथ जिसका अर्थ यौन शुद्धता का सशक्तिकरण था।

मेरा दोस्त पॉल उस आत्मिक खोज का एक प्रमुख उदाहरण है। जब तक वह एक मसीही कॉलेज में गया, तब तक वह नाममात्र का मसीही था। उसकी जीवन शैली में पाप करना और पश्चाताप करना, पाप करना और पश्चाताप करना शामिल था। इस बीच, उसने अपने आस-पास के मसीहियों को देखा जो आत्मिक रूप से संपन्न थे। उसने देखा की परमेश्वर उनसे बात करते थे पर उससे नहीं।

पॉल ने इस बारे में परमेश्वर से सवाल किया, "पूछते हुए, "आप मुझसे क्यूँ बात नहीं कर रहे?"

परमेश्वर ने उत्तर दिया, "मैंने तुमसे बात करना कभी बंद नहीं किया है। तुमने मुझे सुनना बंद कर दिया है। तुम मुझे नहीं सुन पा रहे हो क्योंकि तुम अन्य सभी चीजों की सुन रहे हो।"

इसलिए पॉल ने पश्चाताप किया और अपने "व्ययस्क परिवर्तन" का अनुभव किया, जैसा वह कहता है। फिलिप्पियों 4:8 (जो मसीही विश्वासी के विचार जीवन का मार्गदर्शन करता है) वह फिल्टर बन गया जिसने उसका मार्गदर्शन किया। इसका परिणाम यह हुआ कि उन्नीस वर्ष की आयु में उसका आत्मिक विकास चरम स्तर पर पहुँच गया।

अब परमेश्वर उससे बात कर रहे थे। वह एक क्रिमिनल जस्टिस पढ़ रहा था, लेकिन परमेश्वर ने उससे कहा, "मेरे पास तुम्हारे जीवन के लिए कुछ बेहतर है।" पॉल ने सोचा कि उसे कैसे पता चलेगा कि उसे सेवकाई के लिए बुलाया गया है। कुछ हफ्तों के भीतर, उसे अपनी बुलाहट की पुष्टि मिली, और उसका मार्ग निर्देशित हो गया।

पॉल लोगों को पवित्रीकरण के बारे में बात करते हुए सुनता रहता था। उन्होंने मसीह में सच्ची रूपांतरण की बात की, लेकिन फिर परमेश्वर के साथ एक दूसरे, गहरे अनुभव की बात की - अनुग्रह का एक दूसरा कार्य।

उसने सोचा, मैं एक सात साल के बच्चे के रूप में बचाया गया था, और अब मेरा एक वयस्क रूपांतरण हुआ था। वह जरूर अनुग्रह का दूसरा कार्य होगा।

लेकिन कुछ समस्याएं थी। पॉल में उन मसीहियों के प्रति एक आलोचनात्मक भावना थी जो उससे कम उत्साही थे। वह एक रिवाइवल सभा में गया और उसने सुसमाचार प्रचारक को कहते सुना कि पवित्र किये जाने के लिए, आपको उस पूरे प्रकाश में चलना होगा जो परमेश्वर ने आपको दिया है।

उसने बाद में गवाही दी: "बचपन में सात वर्ष की उम्र में मसीह को स्वीकार करने से लेकर उन्नीस वर्ष की उम्र तक, मैं एक पाप करने के धर्म में था। मैं प्रकाश में नहीं चल रहा था। मेरा वयस्क रूपांतरण मेरा पवित्रीकरण नहीं था; वह मेरा एक बचाए गये संबंध का संशोधन था। मैं बचाया गया हूँ, पवित्र नहीं किया गया हूँ। परमेश्वर ने मुझे मेरा आलोचना करने वाला स्वभाव और मेरा गैर-मसीही समान हृदय दिखाया जिसकी सफाई करने की जरूरत थी। मैं वेदी पर गया और अपना हृदय उंडेल दिया। कुछ नहीं हुआ। मैंने कहा, "क्या मेरे साथ धोखा हुआ है"?

उसी क्षण एक प्रोफेसर पॉल के पास आये और उसे बुद्धिमानी से सलाह दी। पॉल ने फिर प्रार्थना की, और उसका विश्वास बढ़ने लगा। उसने कहा, "हाँ, मुझे विश्वास है"। उसकी छाती, उसकी बाँहों और उसके पैरों से एक गर्म अनुभूति होकर गुजरी।

फिर, उसने परमेश्वर को यह कहते सुना, "पॉल, मैं तुम से प्रसन्न हूँ।" वह तब जान गया कि परमेश्वर ने उसे पवित्र किया है।

जब तक उसने प्रार्थना समाप्त की तब तक लगभग सभी लोग चर्च से जा चुके थे। फिर शैतान बोला: "यह तुम्हारे साथ हुई अब तक कि सबसे महान चीज है और किसी को परवाह नहीं है"।

लेकिन परमेश्वर अभी भी थे। उन्होंने कहा, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता की दूसरे तुम्हारे बारे में क्या कहते हैं। मैं तुमसे प्रसन्न हूँ।" और वह गर्म अनुभूति फिर से उसके शरीर से होकर गुजरी।

अगले दिन, पॉल उस एक प्रोफेसर के पास गया जिसके प्रति वह आलोचनात्मक था और क्षमा मांगी। "मैं गलत था", उसने कहा। "मैं कल रात पवित्र किया गया।" इसके बाद, वह दोनों परम मित्र बन गये।

पॉल का जीवन पथ एक नये स्तर पर चला गया। आज, वह सुसमाचार का एक सामर्थ्यशाली सेवक और उन सबसे अधिक ईश्वरीय व्यक्तियों में से एक है जिन्हें मैं जानता हूँ।

.....

दिसम्बर 9 **दिन - 343**

वह सच में धीमी है!

******

जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा आप करता है। परंतु प्रत्येक व्यक्ति अपनी ही अभिलाषा से खिंचकर और फँसकर परीक्षा में पड़ता है। फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप जब बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है। हे मेरे प्रिय भाइयों, धोखा न खाओ। याकूब 1:13-16

हाँ, उसने यह कहा - एक प्रचारक ने, पादरी के घर में अपने नाश्ते की प्रतीक्षा करते हुए, पादरी की पत्नी के बारे में कहा, "वह सच में धीमी है"!

पादरी ने बाद में मुझे बताया, "मुझे अपमानित महसूस हुआ।" फिर भी जब मैंने आगे पादरी से पूछा कि क्या वह नाराज थे, क्या उन्होंने वापस जवाब दिया या उस प्रचारक के प्रति मन में कोई द्वेष रखा, तो उन्होंने कहा नहीं।

पादरी की अपमान की भावना सामान्य थी, एक पवित्र किये गये व्यक्ति के लिए भी। यह उनकी अविरत मसीही प्रतिक्रिया और स्वभाव था जिसने उनके पवित्रीकरण को दर्शाया।

हमें प्रलोभनों की समस्या से कैसे निपटना चाहिए। सबसे पहले, हमें प्रलोभन और पाप के बीच अंतर करना चाहिए। याकूब 1:14-15 कहते हैं, "परंतु प्रत्येक व्यक्ति अपनी ही अभिलाषा से खिंचकर और फँसकर परीक्षा पड़ता है। फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप जब बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है।" याकूब कहना चाहता है कि हमारी अपनी अभिलाषाएं हमारी इच्छा पर प्रलोभन डालती है। दूसरी ओर यदि हमारी अपनी अभिलाषाएं हमारी इच्छा को नियंत्रित या निर्देशित करती हैं, तो इसका मतलब यह है कि हम पाप करते हैं।

प्रलोभन और पाप के बीच अंतर करना आसान होता है जब हम अपनी अभिलाषाओं (आत्मा के पाप) के बजाय बाहरी कार्यों से निपटते हैं। अधीरता, ईर्ष्या, अहंकार, आक्रोश और चिड़चिड़ापन (1 कुरिन्थियों 13) आंतरिक पापों के उदाहरण हैं। यदि, दबाव या परीक्षाओं के क्षण में, एक पवित्र किया गया मसीही एक अधीरता या चिड़चिड़ापन की एक क्षणिक भावना का अनुभव करता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि वह अब पवित्र नहीं रहा? नहीं। वह क्षणिक भावना अभी तक पाप नहीं है, निम्नलिखित कारणों से:

1. प्रलोभन का वास्तविक होने के लिए, एक वास्तविक "अपनी आंतरिक अभिलाषाओं..... का खिंचाव" होना जरूरी है।
2. अधिक दबाव की परिस्थितियाँ सबसे अधिक पवित्र लोगों में भी आंतरिक निराशा पैदा करेगी और यह सामान्य है। डॉ. रिचर्ड टेलर का कहना है की पवित्र किये गये लोगों में भी, उन परिस्थितियों के लिए सामान्य, जुझारू प्रतिक्रिया होती है जो उन्हें नहीं पसंद होते। अपनी पत्नी की आलोचना पर उस पादरी की प्रतिक्रिया इसका एक उदाहरण है।

3. शायद रोमियों 8:7 - "क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन है और न हो सकता है" - हमें शारीरिक और मानवीय में एक अंतर प्रदान करता है। आंतरिक उत्तेजना या इच्छा के बीच में, पूछे, "क्या यह परमेश्वर के नियम के अधीन है"? शारीरिक परमेश्वर के नियम के अधीन नहीं हैं; मानवीय है।
4. एक क्षणिक गलत इच्छा या भावना तब तक पाप नहीं बनती जब तक इच्छा केवल यह कहे कि "मैं निराशा के क्षण में प्रेम के व्यवस्था से प्रतिक्रिया दूँगा"। जैसा कि कहा जाता है, "आप पक्षियों को अपने सिर के ऊपर उड़ने से नहीं रोक सकते, लेकिन आप उन्हें अपने बालों में घोंसला बनाने से रोक सकते हैं।"[195]

---

195. चार्ल्स "चिक" शेवर, 'किपिंग स्पिरिचुअल विक्टरी (कैनसस सिटी, एमओ: बीकन हिल प्रेस ऑफ कैनसस सिटी, 1972), 13-16

.....

दिसम्बर 10 **दिन - 344**

शांति है

******

मैं तुम्हें शांति दिए जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें देता हूँ। यूहन्ना 14:27

इलिनॉय में एक रविवार की सुबह की रिवाइवल सेवा में, जैक ने अपनी पत्नी का हाथ थामा और आँसुओं के साथ वेदी पर आया। वह मसीह में वापस आया।

यह रही जैक की कहानी:

मैं हर हफ्ते बहाना बनाता था कि मैं चर्च क्यूँ नहीं जा सकता। फिर, दो हफ्ते पहले, सोमवार को मैंने अपनी आखिरी बियर पी। मुझे अपने तेरह पोते-पोतियों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनना था।

रविवार को, एक दृढ़-मन वाले आदमी ने चर्च में प्रवेश किया। मैं आत्मिक रूप से स्थिर हो गया था। मैंने एक साल में एक बार भी बाइबिल नहीं उठायी थी। यह अभिमानी, मूर्ख व्यक्ति, कमजोर घुटनों के साथ वेदी पर गया। उन्होंने (मसीह) मेरे सभी बोझ ले लिए। उन्होंने मुझे गड्डे से निकालकर चट्टान पर खड़ा कर दिया।

उस रात, मैंने एक लंबे समय में पहली बार शांतिपूर्ण नींद ली थी। मेरे मन में कोई समस्याएं नहीं थी।

अगले दिन, मैंने अपनी पत्नी के साथ वेतन के दिन पर या पैसे कैसे खर्च करने है, इस पर बहस नहीं की। हम हर समय बहस करते आए थे।

जैक ने उस रविवार को सुबह यीशु के साथ अपने अनुभव का सारांश इस प्रकार दिया: "मैंने कभी इतना बोझ रहित महसूस नहीं किया था"।

उसकी पत्नी ने इसे इस तरह से सारांश में बताया: "हमारे घर में शांति है"।[196]

---

196. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (जून 2014) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 11 **दिन - 345**

क्रिसमस: भयभीत या विश्वासपूर्ण

******

मत डरो; क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिये होगा।
लूका 2:10

अपने पचासी वर्षों के जीवन में, मुझे ऐसा कोई समय याद नहीं जब राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय मामले जैसे अब हैं उससे अधिक निष्क्रिय रहे हों। यीशु मसीह ने भविष्यवाणी की थी, "पृथ्वी पर देश-देश के लोगों को संकट होगा, क्योंकि वे समुद्र के गरजने और लहरों के कोलाहल से घबरा जाएँगे। भय के कारण और संसार पर आने वाली घटनाओं की बाट देखते-देखते लोगों के जी में जी न रहेगा" (लूका 21:25-26)। संकट, घबराहट, कोलाहल और डर सभी एक भय से भरे संसार की बात करते हैं। हाल ही में, मेरे लिए यह स्पष्ट हो गया कि पवित्र शास्त्र में दो प्रमुख प्रकार के भय प्रकट होते हैं।

पहला है प्रभु और उनके अलौकिक दर्शन का भय। पवित्र शास्त्र में प्रभु के लिए एक स्वस्थ भय या श्रद्धा का वर्णन है (नीतिवचन 9:10)। और फिर आता है यह भय कि, यदि मैं परमेश्वर को अपने बहुत करीब आने दूँगा, तो वह मेरे जीने के तरीके में हस्तक्षेप करेंगे। उत्तरार्ध का एक उदाहरण वह धनी युवा शासक है जो परमेश्वर से दूर हो गया क्योंकि वह अपने धन और अपने जीवन पर यीशु के दावे से डरता था (मत्ती 19:21-22)। इसके विपरीत, क्रिसमस की प्रसिद्ध कहानी परमेश्वर के एक स्वर्गदूत के बारे में बताती है जो यीशु मसीह के जन्म की सूचना देता है। और स्वर्गदूत ने चरवाहों से क्या कहा? सीधे शब्दों में, "मत डरो: क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूँ" (लूका 2:10)। हमने यह भी पढ़ा कि जब परमेश्वर मूसा के निकट आए, "तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर देखने से डरता था, अपना मुँह ढांप लिया" (निर्गमन 3:6)।

प्रभु के भय से परे, दूसरे प्रकार का भय जिसे हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं, वह है वह भय जो हमारे व्यक्तिगत जीवन में दबावों और समाज के कारण उत्पन्न होता है।

परमेश्वर सामर्थ्यशाली रूप से इसके बारे में बताते हैं। जैसा कि भजनकार ने लिखा, "यहोवा परमेश्वर मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से डरूं?" (भजनसंहिता 27:1)। इसी प्रकार, भजनसंहिता 56:3 में हम पढ़ते हैं, "जिस समय मुझे डर लगेगा, मैं तुझ पर भरोसा रखूंगा" और इब्रानियों 13:6 कहता है, "प्रभु मेरा सहायक है, मैं न डरुंगा"। अद्भुत! जिस परमेश्वर के पास जाने से हम अक्सर डरते हैं, वह हमारे करीब रहना चाहते हैं और हमारे भय को लेकर हमारी मदद करना चाहते हैं।

2014 में, मैंने हमारे क्रिसमस की समाचार पत्रिका में हमारे बेटे (पॉल) की तेरह-घंटों की सर्जरी के बारे में लिखा जिसमें उसका वॉयस बॉक्स और गर्दन का अधिकतर भाग हटा दिया गया था। हम यह बताने में सक्षम थे कि सर्जरी से पहले प्रार्थना में, परमेश्वर की शांति मिसीसिपी में मुझ पर; कैनसस में नैन्सी पर; और इंडियाना में पॉल पर उतरी थी (फिलिप्पियों 4:6-7)।

उस तेरह-घंटों की सर्जरी के बाद से, पॉल की चार पुन:र्निर्माण सर्जरी हुई है। पूरे समय, पॉल अपनी फुल-टाइम नौकरी के साथ-साथ दो पार्ट-टाइम नौकरी में भी काम करता रहा है।

पॉल के साथ एक मुलाकात में, नैन्सी ने उसे उसकी स्थिति, उसकी भावनाओं और उसके भविष्य को लेकर प्रश्नों से भर दिया। उसने बार-बार उत्तर दिया, "परमेश्वर मेरा नाम जानते हैं।" भले ही पॉल भविष्य को लेकर विस्तृत उत्तर ना दे सका, तो भी उसे उस परमेश्वर पर भरोसा था जो व्यक्तिगत रूप से उसे नाम से जानते हैं।

एक अन्य अवसर पर, हमारी बेटियों ने पॉल से प्रश्न किया कि वह इस तरह की गंभीर सर्जरी, अपने वॉयस बॉक्स को खो देने और उसके बाद की सभी सर्जरी को कैसे संभाल रहा है। उसने सरलता से उत्तर दिया, "मेरा कोई भी दिन बुरा नहीं रहा है"। साहसिक! बलवान! आनंदपूर्ण!

"वह मेरा नाम जानते हैं" और "मेरा कोई भी दिन बुरा नहीं रहा है"। उसके उत्तरों से, हम देखते हैं कि पॉल भयभीत नहीं, बल्कि एक प्रार्थना-सुननेवाले, व्यक्तिगत, सहायक, प्रेमपूर्ण परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य है।

हमारी परेशान दुनिया के प्रकाश में इस क्रिसमस, आइए हम इस संदेश के प्रति विश्वासयोग्य रहें, "मत डरो; क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिए होगा।"[197]

---

197. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2015) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 12 **दिन - 346**

पूर्ण पवित्रीकरण

******

मैं अब तुझे इसलिये भेजता हूँ कि तू उनकी आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; की पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएं। प्रेरितों के काम 26: 17-18

जॉन वेस्ली ने 1785 में रेव्ह. फ्रीब्रॉर्न गैरेटसेन को निम्नलिखित लिखा: "आप जितना अधिक स्पष्टता और दृढ़ता से सभी विश्वासियों से पूर्ण पवित्रीकरण की आकांशा रखने का आग्रह करेंगे, जैसा कि अब सरल विश्वास से प्राप्त किया जा सकता है, उतना ही अधिक परमेश्वर का पूर्ण कार्य समृद्ध होगा"।

अलाबामा में एक अयाजकीय व्यक्ति ने स्थानीय कलीसिया में एक सप्ताह की रिवाइवल सेवाओं के बाद, मुझे यह लिखा:

"आपने इन चीजों से बहुत कुछ समझ लिया है जिनके साथ मैंने संघर्ष किया है। मैं परमेश्वर के प्रेम को ऐसे महसूस कर रहा हूँ जैसा कभी नहीं किया था..... मैं उस पवित्रीकरण के लिए और प्रार्थना करता हूँ क्योंकि आपने मुझे उसकी इच्छा रखने में मदद की है"।

विशेष सेवाओं के बाद, ओहायो के एक पादरी ने मुझे नोट भेजा जिसमें लिखा था: "धन्यवाद..... उन संदेशों के लिए जिनके कारण..... चर्च के लोगों का एक उच्च प्रतिशित आत्मिक रूप से आगे बढ़ा..... व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार पर आपके जोर देने के परिणामस्वरूप कई लोग राज्य में जुड़ेंगे। पादरी के रूप में मेरे तेईस वर्षों में, मैं कभी भी इतने सारे लोगों को पवित्रीकरण के लिए प्रार्थना करते नहीं देखा"।

मैं सभी मसीहियों को पूर्ण पवित्रीकरण के लिए प्रार्थना करने का आग्रह करता हूँ। [198]

---

198. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (मार्च 2018) में प्रकाशित किया गया है।

.....

दिसम्बर 13 **दिन - 347**

स्वयं, भाग 1

******

अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना।मत्ती 19:19

"वो कोई मूर्ख नहीं जो वह हासिल करने के लिए जो वो खो नहीं सकता, वह दे देता है जो वो रख नहीं सकता"।[(199)] वह महत्वपूर्ण शब्द हैं जो जिम एलियट ने तब लिखें थे जब वह बाइस वर्ष का था। वह उन पाँच लोगों में से एक था जिसने इक्वाडोर की हुआरानी जनजाति के उद्धार के लिए अपना जीवन दे दिया। जिम एलियट के पास मसीह के लिए जीने और देने के लिए एक स्वयं था।

यीशु मसीह की एक धनवान आदमी के साथ गंभीर बातचीत हुई जो अनंत जीवन प्राप्त करने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने आज्ञाओं पर चर्चा की, फिर यीशु ने ये प्रसिद्ध वचन बोले, "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना"। बेशक, यीशु की मुख्य उद्देश्य आदमी के स्वार्थ को जड़ से हटाना और उसे दूसरों से प्रेम करने के लिए, प्रेरित करना था। हालांकि, ऐसा करने में, यीशु ने स्वीकार किया कि स्वयं के लिए एक वैध प्रेम होता है।

आपका स्वयं परमेश्वर की ओर से एक उपहार है। यीशु चाहते हैं कि आप में आत्म-मूल्य, आत्म-निष्ठा, आत्म-सम्मान, आत्म-जागरुकता, आत्म-चिंता, आत्म-देखभाल, आत्म-नियंत्रण और बहुत कुछ हो। यह अपने आप के लिए वैध प्रेम है।

आपका स्वयं वह वाहन है जिसके माध्यम से परमेश्वर कार्य करते हैं। जब परमेश्वर आपको पवित्र करते हैं और उनकी आत्मा से भरते हैं, तो वह आपके स्वयं को मिटा नहीं देते - आप हमेशा एक स्वयं रहेंगे।

बल्कि, जब परमेश्वर आपको पवित्र करते हैं तो वह आपके स्वयं को साफ और शुद्ध कर देते हैं। परमेश्वर आपके स्वार्थ या आत्म-केंद्रितता को जड़ से खत्म कर देते हैं। आत्म-केंद्रितता के लिए अन्य शब्द होते हैं - शरीर, पापी स्वभाव, पुराना आदम, आदम का स्वभाव, दैहिक स्वभाव, दैहिक मन आदि। आपको समझना चाहिए कि आप आत्म-केंद्रित बने बिना भी एक स्वयं हो सकते हैं। अक्सर मैं यह प्रचार करता हूँ कि "आप जानते हैं कि आपके पाप क्षमा किये गये हैं; आप मसीह को जान गये हैं; आपका नया जन्म हुआ है; लेकिन आप अभी भी अपने व्यक्तित्व में आत्म-केंद्रितता के मूल से जूझ रहे हैं। परमेश्वर के पास आपके लिए एक उत्तर है"।

इस सत्य की सबसे ज्वलंत अभीव्यक्तियों में से एक प्रेरित पौलुस की गवाही है: "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया" (गलातियों 2:20)।

मूल ग्रीक शास्त्र में, जिस "मैं" को क्रूस पर चढ़ाया गया है वह "अहंकार" शब्द है। हम इसका मतलब समझते हैं जब कोई कहता है, "उसमें बहुत अहंकार है"। इसका मतलब होता है कि वह व्यक्ति स्वयं से अत्याधिक प्रभावित है, स्वयं को दूसरों से ऊपर मानता है, और उसकी बहुत प्रशंसा होनी चाहिए। यह एक स्वयं है जो स्वार्थी है - वह जिसे क्रूस पर चढ़ाना चाहिए, खत्म कर देना चाहिए।

जब मसीह उस व्यक्ति के जीवन में जीने के लिए आते हैं, तब भी वह व्यक्ति एक भौतिक शरीर में रहता है जो खुद में पापी नहीं होती है। क्रूस पर चढ़ाया जाने के बाद, यह स्वयं एक नये तरह से जीता है: "मैं परमेश्वर के पुत्र में विश्वास से जीता हूँ"। वह पहले से कहीं अधिक बहुतायत में जीता है। मसीह उसके जीवन के सिंहासन पर उसका आत्म होता था।

---

199. एलिजाबेथ इलियट, शैडो ऑफ ऑलमाइटी (न्यूयॉर्क: हार्पर एंड ब्रदर्स, 1958), 247

.....

दिसम्बर 14 **दिन - 348**

स्वयं, भाग 2

******

अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना। मत्ती 19:19 ब

पवित्रशास्त्र सिखाता है, "ऐसे ही जवान पुरुषों को भी समझाया कर कि संयमी हों" (तीतुस 2:6)। लेकिन आत्म-खोज को हतोत्साहित करता है: "(प्रेम) दूसरों का अपमान नहीं करता; यह आत्म-परायण नहीं है, यह आसानी से क्रोधित नहीं होता है" (1 कुरिन्थियों 13:5)।

हमें "अपने मन में कड़वी डाह और विरोध रखने" (याकूब 3:14) के विरुद्ध चेतावनी दी गई है। इसके बजाय, पवित्रशास्त्र हमें स्वादिष्ट फलों से भरा जीवन जीने के लिए आमंत्रित करता है: "पर आत्मा का फल प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं है"। (गलातियों 5:22-23)

सभी मसीहियों से कहा जाता है कि वे अपने स्वार्थ को क्रूस पर चढ़ा दें और परमेश्वर की पवित्र आत्मा को अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को शुद्ध, एकजुट और पवित्र करने दें। स्वयं को अपने स्वामी का पता होना चाहिए।

लोग तब कैसे होते है जब वे परमेश्वर को अपने स्वार्थ को क्रूस पर चढ़ाने देते हैं और उनके स्वयं को प्रेम करने और उनकी सेवा करने के लिए प्रेरित करते हैं? यह जानने के लिए, आइए जिम एलियट से और पढ़ें:

अपने स्वयं के अनुभव में मैंने पाया हैं कि लड़कपन के सबसे असाधारण सपने भी परमेश्वर की इच्छा में होने की महान अनुभव से बेहतर नहीं, और मेरा मानना है कि इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अन्य चीजें और रहने के अन्य तरीके, और अन्य जगहों को देखना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सही समझ में मैं जानता हूँ कि अपने लिए मेरी आशाएं और योजनाएं उससे बेहतर नहीं हो सकती जो उन्होंने व्यवस्थित और पूरी की हैं। इसलिए हम सभी इसे पाएं और उस वचन की सच्चाई को जाने जो कहता है, "वह मृत्यु तक हमारी अगुवाई करेगा"।[200]

बाद में, वह कहता है, "एक धन, एक आँख और एक ही स्वामी"।[201]

आगे वह लिखता है, "परमेश्वर, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, मेरे जीवन की इन बेकार डंडियों को जला दें। मेरे जीवन का उपभोग करें, मेरे परमेश्वर, क्योंकि यह आपका है। मैं एक लंबा जीवन नहीं बल्कि पूर्ण जीवन चाहता हूँ, आपकी तरह, प्रभु यीशु।"(202)

ये एक परमेश्वर-नियंत्रित और आशिषित "स्वयं" के शब्द हैं।

---

200. एलिजाबेथ इलियट, शैडो ऑफ द ऑलमाइटी (न्यूयॉर्क: हार्पर एंड ब्रदर्स, 1958), 196

201. इलियट, शैडो, 247

202. इलियट, शैडो

.....

दिसम्बर 15 **दिन - 349**

आपके लिए मेरी क्रिसमस की इच्छा

******

तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, "मत डरो, क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिये होगा कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यह मसीह प्रभु है। लूका 2:10-11

यदि यीशु आपके घर आये और आपके दरवाजे पर दस्तक दी, तो क्या आप उन्हें अंदर आने के लिए जल्दी करेंगे और बहुत उत्साहित होंगे?

दरवाजे के अंदर कदम रखते ही क्या आपके दिल की धड़कन थम जाएगी?

क्या आप उन्हें धन्यवाद देंगे, फिर उनकी स्तुति करेंगे और फिर थोड़ा और गाएंगे?

यह जानने के लिए कि उन्होंने आपको बचाया, फिर आपको क्षमा किया, और दिन भर शांति बनी रही। अब आप उनके प्रेम और अनुग्रह और गलती के लिए क्षमा को साझा करते हैं।

आप उनके लिए प्रार्थना करते हैं जिन्हें एक स्वर्गीय दृष्टिकोण रखने के लिए उनकी (परमेश्वर) आवश्यकता है।

ताकि वे अपना जीवन प्रेम और अनुग्रह और एक ऐसे ह्रदय के साथ जी सकें जो एकदम नये तरह से धड़कता है।

हम अपने सभी सांसारिक दिनों के लिए उनका धन्यवाद और स्तुति करते हैं।

यह जानने के लिए कि वे हमारे साथ हैं और हमारे सभी मार्गों को आशिषित करते हैं।

यीशु की सेवा करने से आशीष मिलती है - हर दिन आशीष मिलती है - मार्ग पर हर कदम में आशीष मिलती है।

भले ही महिमा का मार्ग कभी-कभी कठिन हो, मैं मार्ग पर हर कदम पर उन पर भरोसा करूंगी।

नैन्सी शेवर[203]

---

203. यह पहले शेवर क्रिसमस लेटर, 2017 में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 16 **दिन - 350**

लक्ष्य पर निशाना लाएं

******

हम रात दिन बहुत ही प्रार्थना करते रहते हैं कि तुम्हारा मुँह देखें और तुम्हारे विश्वास की घटी पूरी करें। 1 थिस्सलुनीकियों 3:10

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3 a

इस कारण जो इसे तुच्छ जानता है, वह मनुष्य को नहीं परंतु परमेश्वर को तुच्छ जानता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है। 1 थिस्सलुनीकियों 4:8

कीथ कैनसस मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय में स्टूडेंट अकाउंटिंग (छात्र लेखांकन) का निदेशक है, जहाँ वह छात्र ऋण और ट्यूशन फंड - 75 से 110 मिलियन डॉलर प्रति वर्ष को संभालता है। वह और उसकी पत्नी, लौरा अपने घर से आयकर सेवा भी चलाते हैं। कीथ और लौरा की शादी 1986 में हुई थी, उनका एक वयस्क बेटा है, एंडी, और वे अपने चर्च के सदस्य हैं। पेश है कीथ की कहानी, उसी के शब्दों में:

मैं परमेश्वर के स्वर्गीय कार्य और पादरी चिक शेवर के सांसारिक कार्य के द्वारा मसीह का अनुयायी बन गया। उस रात, मुझे पता था कि कुछ हुआ है, लेकिन चूँकि कुछ भी अलग नहीं दिख रहा था, इसलिए मैंने यह आश्वासन ढूंढना शुरू कर दिया कि जो कुछ होना चाहिए था वही वास्तव में हुआ। मेरे आदर्श, आदतें और सेवा करने की इच्छा पूरी तरह से बदल गए। इन बदलावों ने मेरे लिए इस प्रमाण के रूप में कार्य किया कि वह हुआ था - मैं बदल गया।

यह ठीक लग रहा था, और मैंने इसे कई वर्षों तक स्वीकार किया। मैं चर्च और सामुदायिक गतिविधियों में इतना व्यस्त था कि मैंने ध्यान ही नहीं दिया कि कुछ कमी थी - पर एक दिन, जब मेरी प्रिय पत्नी लौरा और मैं स्थानीय शॉपिंग सेंटर में एक जगह की तलाश में पार्किंग एरिया में चक्कर लगा रहे थे।

आखिरकार जैसे ही मुझे एक जगह मिली मैं अपनी गाड़ी पार्क करने लगा, तब मैंने डामर पर चित्रित व्हीलचेयर का प्रतीक देखा। मैं पीछे हटने लगा और असुविधा के बारे में कोसने और बड़बड़ाने लगा, तब लौरा ने कहा, "क्या मसीही स्वभाव है"।

मतलब मैं सही था कि कुछ कमी है। मैं कैसे एक विश्वासी और मसीह का अनुयायी हो सकता था जब मेरी स्वाभाविक प्रवृत्ति कोसना और बड़बड़ाना था? इसलिए मैंने ढूंढना शुरू किया कि क्या कमी थी। मैं उत्तर खोजने लगा लेकिन ऐसा लग रहा था कि मेरे पास सभी आधार थे: विश्वास, दशमांश, सेवा - फिर भी मेरे स्वभाव ने कुछ भी नहीं बदला। यह ऐसा था मानो एक गतिमान लक्ष्य पर निशाना लगाने की कोशिश करना जो मुझे ये तक पता नहीं था कि निशाना लगाते कैसे हैं।

मुझे परमेश्वर से कहना याद है कि मैं यह जानने के लिए तैयार था कि मुझे क्या करना है, लेकिन मुझे लगता है कि वह एक प्रार्थना से ज्यादा एक मांग थी: "परमेश्वर, आप किसकी प्रतीक्षा कर रहे है? आइए इसे शुरू करें।"

इसमें कुछ समय लगा, लेकिन मैंने नोटिस किया कि मेरे चर्च के कई मित्र हमेशा कुछ गलत होने पर दयालु और धैर्यवान लगते थे। वे दोष के बजाय सहानुभूति के साथ मदद करते थे। वे आवश्यकतानुसार सहायता और सहयोग प्रदान करते थे। और वे हमेशा प्रार्थना करते थे।

यह सब मुझे समझ आने लगा, लेकिन मैंने उसे पता लगाने की केवल एक सरसरी कोशिश की। जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं, कुछ भी नहीं बदला।

फिर, जुलाई 2008 के अंत में, हमारे चर्च को साफ-सफाई में मदत की जरूरत पड़ी, जब उस काम के लिए ठहराए गये लोग मौजूद नहीं थे। मुझे यह सोचना याद है कि यह तो मेरी प्रतिष्ठा के बहुत नीचे था, लेकिन मैंने अनिच्छा से एक शिफ्ट लेने के लिए अपना नाम आगे किया। 27 जुलाई, 2008 को रविवार की आराधना के दौरान में सेवानिवृत्त पूर्व प्रधान सफाईकर्ताओं से मिला। मैंने मजाक में उनसे कहा कि मैं उनकी पुरानी नौकरी लेने जा रहा हूँ और उनसे पूछा, "आप इसे कैसे संभालते थे"?

उन्होंने मुझे बताया कि वह अपने साफ-सफाई के कार्य को एक सेवकाई मानते थे, और यह कि वह परमेश्वर के लिए काम कर रहे थे: "यदि मसीह मेरे लिए क्रूस पर मर सकते हैं, तो मैं निश्चित रूप से उनके लिए चर्च को साफ कर ही सकता हूँ।"

उनके शब्द मेरे कानों में गूँजने लगे और मुझे घेर लिया जब मैंने उन्हें सुना। और फिर वह हुआ। मैंने अंदर गर्म, ठंडा, खाली और भरा हुआ सब कुछ एक साथ महसूस किया। मुझे पता था कि मुझे एक सफाई कर्ता बनने की जरूरत है। मैंने इसके बारे में पादरियों में से एक से बात की, और उन्होंने कहा, "यह प्रार्थना का एक सच्चा उत्तर है"।

मैं एक स्वयंसेवक एक स्थायी सफाईकर्ता (कस्टोडियन) बन गया और तब से यह कर रहा हूँ। चर्च में मेरी सेवा आसान और संतोषजनक थी। उसी समय समस्याएं, मदद करने के लिए परिस्थितियाँ बन गई; परिस्थितियाँ कुछ करने के अवसर बन गए; मेरे काम सेवा के कार्य बन गए। लोग चर्च में मेरी मदद की सराहना और उस पर भरोसा करने लगे, और अधिकांश समस्याएं गायब हो गए जब मैं उन्हें सकारात्मकता से लेने लगा।

मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर ने मेरी आँखें और दिल को अपनी पूर्णता के लिए खोलने के लिए एक सफाई कर्ता का उपयोग किया। ना केवल चर्च में, बल्कि सभी क्षेत्रों में मुझे अब नियंत्रण रखने या कीथ योजना का पालन करने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर का किसी समस्या की जिम्मेदारी लेने के लिए उनकी प्रतीक्षा करना और फिर उनकी अगुवाई का अनुसरण करना सच में एक आनंद है।

इसलिए जब लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं कैसे "प्रभु के साथ स्थिर हूँ, "तो मैं उन्हें कहता हूँ कि मैं आत्मा से भरा हुआ हूँ, और मैं परमेश्वर को चीजों को उनके हाथों में लेने देता हूँ। फिर जब मेरी जरूरत होती है तो मैं कृतज्ञपूर्वक स्वीकार करता हूँ।

मैंने कभी उस गतिमान लक्ष्य पर निशाना नहीं लगाया। उसने मुझ पर लगाया।

.....

दिसम्बर 17 **दिन - 351**

सुसमाचार प्रचार और मानव की जरूरत

******

उन्हें अच्छा तो लगा, परंतु वे उनके कर्जदार भी हैं; क्योंकि अन्यजातीय उनकी आत्मिक बातों में भागी हुए, तो उन्हें भी उचित है कि शारीरिक बातों में उनकी सेवा करें। इसलिये मैं यह काम पूरा करके और उनको यह चंदा सौंपकर तुम्हारे पास होता हुआ स्पेन को जाऊँगा। रोमियों 15:27-28

डॉरिस के शब्दों में। वह और उसकी बेटी सिल्विया बचाव अभियान में काम कर रही थी, और वहाँ, उनकी मुलाकात फिडेल से हुई थी। वह कभी स्थानीय रेस्टोरेंट में काम करता था और वहाँ एक कमरे में रहता था।

लेकिन छियालीस साल की उम्र में, डायबिटीज ने अपना प्रभाव डाला और फिडेल के एक पैर को काटना पड़ा। उसके साथ, उसने अपनी नौकरी और अपना आवास खो दिया। उस दिन, डॉरिस ने पूछा कि क्या हमारी संडे स्कूल की कक्षा अन्य लोगों के साथ फिडेल के लिए एक कृत्रिम पैर खरीदने के लिए 4, 400 डॉलर जुटाने के लिए दूसरों के साथ जुड़ सकती है।

हमारी कक्षा, जिसका उद्देश्य लोगों को मसीह के साथ संबंध में लाना और उनके शिष्यों के रूप में विकसित होने में मदद करना है, ने तभी हमारी क्रिसमस ऑफरिंग देना समाप्त ही किया था। अपने नियमित दान के ऊपर, कक्षा के सदस्यों ने पेरू, बंगलादेश और इथियोपिया में बच्चों की शिक्षा के लिए 2, 600 डॉलर से अधिक की राशि जुटाई थी। क्या वे फिर से दे पाएंगे?

इस सप्ताह के अंत में, जब डॉरिस और सिल्विया ने फिडेल को बताया कि कक्षा ने उसके पैर के लिए 674 डॉलर पहले ही जुटा लिये हैं, तो फिडेल रोया और कहा, "धन्यवाद, धन्यवाद"।

रोम से होते हुए स्पेन तक की अपनी सुसमाचार प्रचार की यात्रा में, पौलुस ने प्रेममयी सेवकाई के साथ यरुशलेम की शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने में आनंद लिया। इसी तरह, हमारी संडे स्कूल की कक्षा ने, सुसमाचार प्रचार और शिष्यता की अपनी यात्रा पर, फिडेल की आवश्यकता को पूरा करने में आनंद लिया। आज, डॉरिस, सिल्विया, फिडेल बचाव अभियान की नर्स और हमारी कक्षा के सदस्य, सभी परमेश्वर के प्रति आभार से अतिप्रवाहित हो रहे हैं।[204]

---

204. पहले यह 'रिफ्लेक्टिंग गॉड' जून-जुलाई-अगस्त 2010 (कैनसस सिटी, एमओ: वर्डएक्शन पब्लिशिंग कंपनी), 17 में प्रकाशित हुआ है। अनुमति द्वारा उपयोग किया गया है।

.....

दिसम्बर 18 **दिन - 352**

संसार को बचाने के लिए भेजा गया

******

परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दंड की आज्ञा दे, परंतु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। यूहन्ना 3:17

मेरे माता-पिता शायद ही कभी चर्च जाते थे, लेकिन उन्होंने सोचा कि मुझे संडे स्कूल जाना चाहिए।

हमारे पड़ोस की लड़की भी संडे स्कूल जाती थी, इसलिए मेरी माँ हमें चर्च छोड़ती थी, और उसकी माँ हमें लेने आती थी। उसके अगले हफ्ते, दोनों माएँ अपनी भूमिकाएं आपस में बदल लेती थीं। कुछ रविवारों को एक ही माँ हमें छोड़ने और लेने आती थी।

एक रविवार, जब हम संडे स्कूल से बाहर आए, तो कोई भी माँ हमें लेने के लिए मौजूद नहीं थी। वह छोटी लड़की, जो छह साल की थी, खुद को काफी परिपक्व समझती थी। उसने कहा, "मुझे घर का रास्ता पता है। हम चलकर जाएंगे"। मैं केवल पाँच साल का था, और मुझे घर के रास्ते का कुछ नहीं पता था।

हमारे घर चर्च से दो मील पूरब में थे। उसने मेरा हाथ पकड़ा और शहर के बीचोंबीच में गली पर दक्षिण दिशा की ओर चलने लगी। इस बीच, मेरी माँ सोचने लगी कि मुझे घर पहुँचने में इतना समय क्यों लग रहा है। उन्होंने पड़ोसी को फोन किया और पूछा, "क्या तुमने बच्चों को ले लिया"?

"नहीं", पड़ोसी ने जवाब दिया, "मुझे लगा तुम बच्चों को लेने जाने वाली हो"।

मेरी माँ तुरंत ही पुलिस स्टेशन, दो लापता बच्चों की रिपोर्ट करने चली गई।

जब मेरी उन्मत्त माँ पुलिस स्टेशन में खड़ी रिपोर्ट लिखवा रही थी, उन्होंने खिड़की के बाहर देखा और दो छोटे बच्चों को मुख्य सड़क पर चलते देखा। वह दौड़ती हुई बाहर निकली, हमें पुकारा, जल्दी से आई और हमें गले लगा लिया। उन्होंने हमें डांटा नहीं बल्कि प्यार किया और थामे रखा। उन्होंने हमें बचाया। बीस मिनट के भीतर, सभी लोग सुरक्षित रूप से घर पहुँच गये और आनंद मनाने लगे।

परमेश्वर की पुस्तक में, आपके मेरे या संसार के लिए उसकी योजना को लेकर कोई रहस्य नहीं है: "परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दंड की आज्ञा दे, परंतु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए"। क्या आप समझे? परमेश्वर ने संसार को बचाने के लिए अपने पुत्र को भेजा।

यशायाह, यिर्मयाह और पुराने नियम के अन्य भविष्यवक्ताओं ने प्रचार किया। पहाड़ पर से व्यवस्था गरज उठी; जब लोगों ने विरोध किया तो उन पर निर्णय डाला गया। पाप-क्षतिग्रस्त और पाप-विकृत संसार बड़ी लहरों और शक्तिशाली हवाओं को फेंकने के लिए प्रेरित किया; मानवता जिन्होंने परमेश्वर को छोड़ दिया था, ने पाप की भयावहता का प्रदर्शन करते हुए, एक दूसरे के साथ बुरा किया। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला बोल उठा।

पतरस और पौलुस जैसे महान मसीह अनुयायी उनके मार्ग का नेतृत्व करने के लिए उठे। परमेश्वर ने हमें सतर्क करने, हमें जागृत करने, विमार्ग के संकेत देने, हमें खाई में गिरने से बचाने

और मसीह तक पहुँचाने के लिए हर संभव तत्व का उपयोग किया। वही मार्ग, सत्य और जीवन है (यूहन्ना 14:6)। मसीह दुनिया को बचाने की कोशिश कर रहे हैं और वह परमेश्वर की योजना हैं, यह करने के लिए। परमेश्वर के पास कोई दूसरी या वैकल्पिक योजना नहीं है - बस यही है। "स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके" (प्रेरितों के काम 4:12) - केवल यीशु मसीह।

मसीह नम्रता के साथ आए, परिपक्व हुए, और प्रचार करने और शिक्षित करने लगे। उन्होंने अंधों और लंगडों को चंगा किया; उन्होंने दुष्ट आत्माओं को बाहर निकाला; उन्होंने मरे हुओं को जिलाया; उन्होंने हमें प्रेम करना, परवाह करना, क्षमा करना और सेवा करना सिखाया। वह हमारे पापों की क्षमा के लिए क्रूस पर मरे और मरे हुओं में से जी उठे। वह अब स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ हमारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं, और वह वापस पृथ्वी पर आने वाले हैं।

अब, वह हमें निम्नलिखित करने के लिए कहते हैं:

- अपने हानिकारक और घातक पापों से मुड़ना।
- उनके लिए अपने दिल और जीवन को खोलना।
- हमारे सभी पापों के क्षमा करने वाले के रूप में उन्हें स्वीकार करना।
- हमारे जीवन के अगुवा के रूप में उनका अनुसार करना।
- अपना सारा जीवन उनको देना।
- उनकी पवित्र आत्मा द्वारा परिपूर्ण और पवित्र होना।
- एक अर्थ, बहुतायत, हर्ष, महत्व, प्रेम और पूर्ति के जीवन में आनंद लेना।
- औरों को सही मार्ग बताना।
- अपने साथ लोगों को भी उनके महिमामय स्वर्ग में लाना।

चाहे लोग स्वयं को पाप और दंड को सौंप दें, लेकिन परमेश्वर लोगों को उस बचाने वाले मसीह के पास लाने के लिए वह सब कुछ कर रहे हैं जो वह कर सकते हैं। एक बार फिर: "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परंतु अनंत जीवन पाए" (यूहन्ना 3:16)।

.....

दिसम्बर 19 **दिन - 353**

परमेश्वर की उपस्थिति

******

मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।

यूहन्ना 14:16-20

जैसा कि पुराने नियम के कई अवतरणों में प्रकट किया गया है, परमेश्वर की उपस्थिति उनके लोगों तक अद्भूत और यहाँ तक कि भयावह तरीकों से आई। उदाहरण के लिए, जब वाचा का संदूक सुलेमान के मंदिर में लाया गया, तब यह हुआ: "जब याजक पवित्रस्थान से बाहर निकले तब यहोवा के भवन में बादल भर गया। और बादल के कारण याजक सेवा टहल करने को खड़े न रह सके, क्योंकि यहोवा का तेज यहोवा के भवन में भर गया था।" (1 राजाओं 8:10-11)

परमेश्वर पृथ्वी पर थोड़े कम भयावह तरीके से आए। तब भी, प्रभु की महिमा में कोई कमी नहीं थी। साधारण चरवाहों ने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया: "और प्रभु का एक दूत उनके पास आ खड़ा हुआ, और प्रभु का तेज उनके चारों ओर चमका और वे बहुत डर गए।

तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, "मत डरो, क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिये होगा, कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है। और इसका तुम्हारे लिये यह पता है कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे" (लूका 2:9-12)। एक बालक - जो वह संभाल सकते थे।

जब बालक व्ययस्क बन गया, तो हमने यीशु मसीह की प्रेममयी और शक्तिशाली सेवकाई देखी। उन्होंने अपने शिष्यों को परमेश्वर पिता को समझने में मदद करने में बहुत समय बिताया। जब वह पृथ्वी को छोड़ने की तैयारी कर रहे थे, तब उन्होंने फिलिप्पुस से कहा, "क्या तू विश्वास नहीं करता कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है?" (यूहन्ना 14:10)

तब यीशु ने वादा किया कि वह चेलों को अनाथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने एक सहायक, सत्य की आत्मा को, हमेशा उनके साथ रहने के लिए भेजने का वादा किया: "उस दिन तुम जानोगे कि मैं अपने पिता में हूँ, और तुम मुझ में, और मैं तुम में" (14:20)। जब पवित्र आत्मा, सहायक, आपके ह्रदय पर अधिकार कर लेता है; तो पिता और पुत्र भी वहाँ होते हैं। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा - परमेश्वर की उपस्थिति - आप में रहती है।

कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु ने कहा, "यदि कोई मुझ से प्रेम रखेगा तो वह मेरे वचन को मानेगा" (14:23)। कितना स्वाभाविक है कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की वास करने वाली उपस्थिति का परिणाम एक आज्ञाकारिता का जीवन होता है।

.....

दिसम्बर 20 **दिन - 354**

क्रिसमस, दुष्ट और अच्छा

******

जब हेरोदेस ने यह देखा, कि ज्योतिषियों ने उसके साथ धोखा किया है, तब वह क्रोध से भर गया और लोगों को भेजकर ज्योतिषियों द्वारा ठीक-ठाक बताए गए समय के अनुसार बैतलहम और उसके आस-पास के स्थानों के सब लड़कों को जो दो वर्ष के या उनसे छोटे थे, मरवा डाला। मत्ती 2:16

पहले क्रिसमस में दुष्ट और अच्छे का एक असामान्य संयोजन शामिल था। मत्ती 2:11-12 उन मजूसी की कहानी बताता है जो यीशु मसीह के पास आए थे: "उन्होंने उस घर में पहुँचकर उस बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और मुँह के बल गिरकर बालक को प्रणाम किया, और अपना-अपना थैला खोलकर उसको सोना और लोबान और गंधरस की भेंट चढ़ाई तब स्वप्न में यह चेतावनी पाकर हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से अपने देश को चले गए"।

यह लड़ाई आज भी जारी है - इस क्रिसमस पर भी, हमारी दुनिया में। मैंने इसे न्यूपोर्ट ओरेगन में रिवाइवल सेवकाई के दौरान देखा था। हमने पवित्र आत्मा की एक असामान्य गति का अनुभव किया, और बड़ी संख्या में लोग प्रार्थना करने के लिए आगे आए। गेल नाम की एक महिला उनमें से एक थी। गेल सक्रिय कल्पना काफी सक्रिय थी। उसने अपने दिमाग में ऐसी जगहें बना रखी थी जहाँ वह प्रार्थना करने जा सकती थी। यदि उसे कोई ऐसे विचार आते जो नहीं आने चाहिए थे, तो वह उन्हें अपने दिमाग की "कालकोठरी" में डाल देती थी। समस्या यह है कि कुछ समय के बाद, वह कालकोठरी, कड़वाहट, झुंझलाहट, पीड़ा, दर्द और आक्रोश से भर गई। सोमवार की रात की सेवकाई के दौरान उसने मुझसे कहा, "पिछली रात मैंने वह कालकोठरी उन्हें दे दी और उन्होंने वह खाली कर दी। मुझे इतने लंबे समय में पहली बार इतनी अच्छी नींद आई। मैं आज ज्यादा आजाद हूँ।"

मैं जानता हूँ एक बडी और परेशान दुनिया में गेल केवल एक इंसान है, लेकिन सप्ताह-दर-सप्ताह, मसीह के सुसमाचार का प्रचार करने वाली विशेष सेवकाई में, और कई मसिहियों की सेवकाई और गवाही के द्वारा, लोग बदल रहे हैं। उन सभी को जोड़ने से बहुत फर्क पड़ता है।

आज राजा हेरोदेस मरा हुआ है और अपमानित किया जाता है। जबकि यीशु, उद्धारकर्ता, हमेशा के लिए जीवित है और लाखों लोगों द्वारा उनकी आराधना की जाती है। और गेल आजाद है - और उसके जैसे कई लोग भी।

आपके सामने आने वाली कठिनाइयों के बावजूद, इस क्रिसमस पर याद रखें कि अंतिम शब्द यीशु ही का होगा।[205]

---

205. पहले यह 'द गुड न्यूज़ : द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म (दिसम्बर 2008) में प्रकाशित किया गया है।

.....

दिसम्बर 21 **दिन - 355**

क्रिसमस..... पूरा होने के रूप में

******

और नासरत नामक नगर में जा बसा, ताकि वह वचन पूरा हो, जो भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा गया था: 'वह नासरी कहलाएगा।' मत्ती 2:23

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि "पूरा होना" शब्द कितनी बार क्रिसमस की कहानी में उल्लेखित है? कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:

- मत्ती 1:22-23 - "यह सब इसलिये हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यवक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो: 'देखो एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी।' "
- 2:15 - "इसलिये कि वह वचन जो प्रभु ने जो भविष्यवक्ता के द्वारा कहा था पूरा हो: "मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।"
- 2:17-18 - "तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हुआ: "रामाह में एक करुण-नाद सुनाई दिया, रोना और बड़ा विलाप।"
- 2:23 - "और नासरत नामक में जा बसा, ताकि वह वचन पुरा हो, जो भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा गया था; 'वह नासरी कहलाएगा'।"

ये उदाहरण यीशु के जन्म और जीवन की वास्तविकता, पवित्र शास्त्र की सच्चाई, परमेश्वर की विश्वसनीयता, और बाइबल के संदेश के अधिकार का प्रमाण है। फिर भी मैं यीशु की पूर्ति का एक और उदाहरण ढूंढता हूँ।

- 24:44 - "इसलिये तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।"

हम तब पूर्ण होते हैं जब हम मसीह को अपने जीवन का केंद्र बना लेते हैं। इस क्रिसमस, आप पहले पूरे किए गए वादों के सभी लाभों का आनंद लेने पाएं और उसके लिए जो आने वाला है, तैयार रहें।[206]

---

206. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2010) में प्रकाशित किया गया है।

.....

दिसम्बर 22 **दिन - 356**

एक चरनी में एक बच्चा: अपनी महिमा में राजा

******

वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ; और जो लोग उसकी बाट जोहते हैं उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप उठाए हुए दिखाई देगा।
इब्रानियों 9:28

यदि पहला क्रिसमस, चरनी में बालक था; तो क्या यह क्रिसमस, अपनी महिमा में राजा हो सकता है?

नियमित बाइबल अध्ययन में, मैं मसीह के वापस आने के बारे में कई घोषणाओं से प्रभावित हुआ हूँ। इनमें से कुछ वचन नीचे दिए गए हैं:

- इब्रानियों 9:27-28 - "और जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है, वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ; और जो लोग उसकी बाट जोहते हैं उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप उठाए हुए दिखाई देगा।"
- तीतुस 2:11-14 - "क्योंकि परमेश्वर का वह अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है, और हमें चेतावनी देता है कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं और उस धन्य आशा की अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की बाट जोहते रहें। जिस ने अपने आप को हमारे लिए दे दिया कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिए ऐसी जाति बना ले जो भले-भले कामों में सरगर्म हो।"
- 2 थिस्सलुनीकियों 1:7-10 a - "और तुम्हें जो क्लेश पाते हो, (परमेश्वर) हमारे साथ चैन दे; उस समय जब कि प्रभु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा, और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार को नहीं मानते उनसे पलटा लेगा। वे प्रभु के सामने से और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर अनंत विनाश का दंड पाएंगे। यह उस दिन होगा, जब वह अपने पवित्र लोगों में महिमा पाने और सब विश्वास करने वालों में आश्चर्य का कारण होने को आएगा।"

आगे के अध्ययन के लिए 2 तीमुथियुस 4:1-2, 1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17, और 2 पतरस 3:9-13 पढ़ें।

मैं तैयार हूँ![207]

---

207. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2016) में प्रकाशित किया गया है।

.....

दिसम्बर 23 **दिन - 357**

जन्मदिन मुबारक हो, यीशु!

******

फिर उन्होंने अपना-अपना थैला खोलकर उसको सोना और लोबान और गंधरस की भेंट चढ़ाई।
मत्ती 2:11

पूरब से, मजूसियों ने यीशु के तारे का अनुसरण किया और बहुमूल्य उपहार लिए उनकी आराधना करने आए। तब से, दुनिया ने यीशु को अपेक्षाकृत कम ही दिया है - लेकिन देखो उन्होंने दुनिया को क्या कुछ दिया है:

- "वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से उद्धार करेगा।" (मत्ती 1:21)
- "कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है..... "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शांति हो" (लूका 2:11,14)।
- यीशु: "मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ" (यूहन्ना 10:10)।
- यीशु: "मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते तो मैं तुमसे कह देता; क्योंकि मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जाता हूँ" (यूहन्ना 14:2)।
- यीशु: "यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूँगा" (यूहन्ना 14:14)।
- यीशु: "मैं तुम्हें शांति दिए जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें देता हूँ" (यूहन्ना 14:27)।
- यीशु: "परंतु जो कोई उस जल में से पिएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर अनंतकाल तक प्यासा न होगा" (यूहन्ना 4:14)।
- यीशु: "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें, वह नष्ट न हो, परंतु अनंत जीवन पाए" (यूहन्ना 3:16)।

जन्मदिन उनका था, लेकिन वह उपहारों के सबसे बड़े दाता साबित हुए। मैंने इनमें से कुछ उपहार देते हुए उन्हें देखा है, जैसे कि अनंत जीवन और पूर्णता का जीवन। मैंने बिल, कीथ, लौरा डेनिस, फ्रैंक, पेगी, रेचल, पॉल और मिरियम को यह उपहार प्राप्त करते देखा है।

.....

दिसम्बर 24 **दिन - 358**

ऐसा कैसे हो सकता है?

******

हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं कि परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर लो। जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।
2 कुरिन्थियों 5:20-21

मैं हमेशा सोचता था: ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई दूसरा मेरे पाप की कीमत और जिम्मेदारी ले सकता है? मुझे इस सच्चाई से कोई समस्या नहीं थी कि "सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं" (रोमियों 3:23)। मैंने इसे अपने जीवन में और अपने आसपास की दुनिया में देखा। और परमेश्वर की संपूर्ण पवित्रता के प्रकाश में, मैंने महसूस किया कि "पाप की मजदूरी तो मृत्यु है" (रोमियों 6:23)। मेरा मतलब है आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? लेकिन मेरे लिए यह स्वीकार करना कहीं अधिक कठिन था कि कोई दूसरा मेरे पाप की कीमत और जिम्मेदारी कैसे ले सकता है।

मेरा बेटा, पॉल, सोलह या सत्रह वर्ष का था, और मैं रविवार को दोपहर की झपकी ले रहा था। जैसे ही मैं सोया, पॉल घर से बाहर निकल गया, मेरी अनुमति के बिना मेरी कार ले ली, और अपने दोस्त को लेने चला गया। रविवार के दिन को पवित्र रखने के मेरे आग्रह के विपरीत, वे प्रो-बॉस्केटबॉल देखने चले गये। घर वापस आने के रास्ते में पॉल ने एक पीली बत्ती, जो लाल होने वाली थी, को पार कर दिया और वह दूसरी गाड़ी से टकरा गया।

घर पहुँचने पर, उसने झिझकते हुए कहा, "पापा, मैंने कार का एक्सीडेंट कर दिया, लेकिन मैं उसके लिए पैसे दे दूंगा।" उस समय, हमारे पास देयता बीमा था लेकिन टकराव की कवरेज नहीं थी। दूसरी कार और यात्री के चोटों के लिए भुगतान किया गया, लेकिन हमें अपनी कार की मरम्मत के लिए मोटी रकम खर्च करनी थी।

इन सभी वर्षों के बाद यदि मुझे ठीक से याद है, तो मुझे लगता है कि मेरे बेटे ने कार की मरम्मत के लिए पाँच डॉलर दिए थे। बाकी सभी लागतों, कानूनी बातचीत, कागजी कार्यवाही और बीमा चर्चाओं को मैंने संभाल लिया। मैंने अपने बेटे के पाप की पूरी कीमत और जिम्मेदारी ले ली ताकि वह मुक्त हो सके, आगे बढ़ सके, और दूसरों के जीवन में एक अच्छा प्रभाव बन सके।

यदि मैं अपने बेटे के पापों के परिणामों को ले सकता हूँ, तो मैं समझता हूँ (और आनंद मनाता हूँ) कि मसीह मेरे पाप को अपने ऊपर ले सकते हैं और मुझे बदल सकते हैं ताकि मैं उनमें, परमेश्वर की धार्मिकता बन सकूँ।

.....

दिसम्बर 25 **दिन - 359**

उसे एक सपना आया

******

जब वह इन बातों के सोच में ही था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे सपने में दिखाई देकर कहने लगा, "हे यूसुफ! दाऊद की संतान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहाँ ले जाने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है"। मत्ती 1:20

अपनी मंगेतर की गर्भावस्था से शर्मिन्दा, उसे नहीं पता था कि वह क्या करें - खासकर यह जानते हुए कि वह उसका पिता नहीं था। तब उसे एक सपना आया, और प्रभु के एक स्वर्गदूत ने उस से कहा "हे यूसुफ! दाऊद की संतान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से उद्धार करेगा" (मत्ती 1:20-21)।

क्या आप जानते हैं कि यीशु के लोगों को पापों से बचाने के सपने को सच होते देखने के लिए, यूसुफ को कितना इंतजार करना पड़ा था? आप और मुझे वह देखने को मिल रहा है जो कभी यूसुफ को देखने नहीं मिला।

कुछ दिन पहले ओहायो के एक चर्च में, मैंने समैंथा को रोते और प्रार्थना करते देखा। उसने मुझे बताया, "मुझ पर एक बोझ था - अब मैं एक पंख की तरह हल्का महसूस कर रही हूँ। मैं प्रभु के लिए सौ प्रतिशत हूँ।" बोझ को उठाने वाले यीशु ने उसे उसके पापों से बचा लिया।

इस क्रिसमस, मेरे कुछ सपने हैं - व्यक्तिगत सपने, पारिवारिक सपने, बड़ी-दुनिया के सपने, मेरा सबसे बड़ा सपना यह हैं कि क्षमा करने वाला, मुक्त करने वाला, यीशु एक प्रमुख आत्मिक चलन लाए जो हर चर्च में और हमारी बिखरी हुई दुनिया में गवाही, सुसमाचार प्रचार, पुनरुद्धार और पवित्रता उत्पन्न करे।

मुझे यकीन है कि इस क्रिसमस भी आपके कुछ सपने होंगे। आपके सबसे बड़े और बेहतरीन सपने सच हों। यूसुफ के हुए थे![208]

---

208. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (दिसम्बर 2009) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 26 **दिन - 360**

वह ज्योति कर देगा

******

सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आने वाली थी। यूहन्ना 1:9
परंतु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते थे। यूहन्ना 1:12

यह एक कॉलेज की प्रथा थी - यदि आप कोई किसी फ्रेटरनिटी से जुड़े हैं, तो आपको एक दीक्षा की अवधि को सहना होगा। सबसे भयानक घटना वह होती थी जब वे भाई आपको "सवारी" के लिए ले जाते। एक रात मेरा रूममेट, ऐल, तेजी से हमारे छात्रावास के दरवाजे तक आया उसे बंद कर दिया। वह चिल्लाया, "वे आ रहे हैं"।

उसका कोई फायदा नहीं हुआ - वे आग निकास द्वार से आ गए। उन्होंने हमारे हाथ बाँध दिए, हमारे सिर पर तकिये रख दिये और हमें एक कार में डाल दिया। वे रास्ते में कई मोड़ लेते हुए चले, फिर रुक गये। अंततः उन्होंने हमारे सिर से तकिये हटाये, हमें कार से बाहर निकाला, फिर कार से चले गये।

हम पूरी तरह से काले, अंधेरे में एक बड़े खुले मैदान में थे, और मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। मैं बेचैन था।

शुक्र है कि ऐल बोल उठा: "मैं जानता हूँ कि हम कहाँ हैं। मैं यहाँ पहले भी रहा हूँ।"

आशा की एक छोटी सी किरण। मैदान के अंत में, हम एक ठोस कंकड़ वाली सड़क पर चलना शुरू किया। जब हम प्रत्येक फार्म हाउस से गुजरे, तो पहरेदारी वाले कुत्ते हम पर भौंकने और हमारी ओर भागने लगते। हर बार, हम उन्हें बाँधे गये जंजीर की आवाज सुनते।

आखिरकार, थोड़ी और रोशनी हुई। जल्द ही, हमें अपने शहर की रोशनी दिखने लगी। कुछ ही समय में, हम अपने कमरे में वापस आ गये थे और चमकदार रोशनी चालू थी।

यीशु मसीह ज्योतिमर्य उद्धारकर्ता हैं। यूहन्ना के सुसमाचार में, "ज्योति" शब्द का प्रयोग इक्कीस बार किया गया है। यूहन्ना 8:12 में, यीशु "जगत की ज्योति" है; यूहन्ना 1:9 में, यीशु "सबको ज्योति देता है"। जिसमें आप भी शामिल हैं।

यदि आप अपने जीवन में कभी किसी अंधेरी जगह में रहे हैं, तो आपको ऐसा लग सकता है कि आप नहीं जानते कि आपको क्या करना चाहिए। यह एक बड़ा फैसला; किसी प्रियजन की मृत्यु; खराब तबीयत; आर्थिक दबाव; एक टूटा हुआ रिश्ता; बेरोजगारी; अनिश्चित भविष्य; समाज की स्थिति; परमेश्वर से अलगाव हो सकता है। इन सभी अंधेरी जगहों के लिए, वह आपके जीवन की सबसे बड़ी, प्रकाश उत्पन्न करनेवाली घटना प्रदान करता है: "परंतु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं" (यूहन्ना 1:12)।

मैं तब यीशु को कुछ ही दिनों से जानता था जब हमने कॉलेज की चर्च सेवकाई में, "ओ लिटल टाउन ऑफ़ बेथलहम" गाया। उस गीत के बोल ने मुझसे ऐसे बात की जैसे कभी नहीं की थी:

येट इन दाए स्ट्रीटस शाइनेथ

द एवरलास्टिंग लाइट
द होप्स एंड फियरस ऑफ ऑल द यर्स
आर मेट इन दी टुनाइट
और फिर,
ओ होली चाइल्ड ऑफ बेथलहम
डिसेंड औन अस, वी प्रेय
कास्ट आउट आर स्पिन, एंड एंटर इन
बी बॉर्न इन अस टुडे[209]
मसीह आपके लिए ज्योति कर देंगे।

---

209. फिलिप्स बुक्स (वर्डस) एंड लुईस एच रेडनर (म्युजिक), "ओ लिटल टाउन ऑफ़ बेथलहम", सिंग टू द लॉर्ड: हयामनल (कैनसस सिटी, एमओ: लिलनस पब्लिशिंग कंपनी, 1993), # 169

.....

दिसम्बर 27 **दिन - 361**

पवित्रीकरण की ओर एक तस्वीर

******

परंतु शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वे उसकी दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है।
1 कुरिन्थियों 2:14

हे भाइयों, मैं तुम से इस रीति से बातें न कर सका जैसे आत्मिक लोगों से, परंतु जैसे शारीरिक लोगों से, और उनसे जो मसीह में बालक हैं। मैं ने तुम्हें दूध पिलाया, अन्न न खिलाया; क्योंकि तुम उसको नहीं खा सकते थे; वरन् अब तक भी नहीं खा सकते हो, क्योंकि अब तक शारीरिक हो। इसलिये कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और क्या मनुष्य की रीती पर नहीं चलते?
1 कुरिन्थियों 3:1-3

मसीही जीवन के चरणों को और पवित्र जीवन में आगे कैसे बढ़ा जाए को समझने के लिए, हम कुछ तस्वीरों को देखने जा रहे हैं। आज के वचन में, पौलुस कुरिन्थियों के चर्च के मसीहियों को संबोधित कर रहा है। नीचे दी गई चक्र उनके द्वारा वर्णित लोगों के तीन समूहों के साथ-साथ आज के लोगों के जीवन का प्रतिनिधित्व करती हैं:

प्राकृतिक मानव उसे स्वीकार नहीं करता जो आत्मा से आता है। बल्कि वे अपने प्राकृतिक मानव संसाधनों से जीते हैं। चक्र जीवन का प्रतिनिधित्व करता है; सिंहासन एक व्यक्ति के जीवन में नियंत्रण की सीट होती है। सिंहासन पर बैठा विशाल "मैं" आत्म-केंद्रितता है। तारक चिन्ह (जीवन के हित) मूल नियंत्रण-विशाल "मैं" - की अभिव्यक्ति हैं। वे विकृत चक्र की तरह ही दिखने चाहिए, और वे आर्थिक जीवन, सामाजिक जीवन, कार्य जीवन, गृह जीवन, धार्मिक जीवन और आदि हो सकते हैं। एक व्यक्ति के जीवन में, पाप की सबसे बाहरी अभिव्यक्ति बहुत अधिक पार्टी करना हो सकता है; दूसरे के में, वह धन की पूजा करना हो सकता है। अलग-अलग लोगों के लिए पापी अभिव्यक्तियाँ अलग-अलग होंगी। क्रूस हृदय के द्वार पर मसीह का दस्तक देने का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिरोध के बाद, अंततः यह व्यक्ति मसीह को हाँ कहता है और उन्हें उसके हृदय में आमंत्रित करता है, जैसा कि प्रकाशितवाक्य 3:20 में है।

एक नया जीवन शुरू होता है। मसीह सिंहासन नियंत्रण के केंद्र - पर विराजमान होते हैं। जीवन के हित अधिक संतुलित हो जाते हैं। फिर भी, कुछ समय बाद, इस मसीही का सामना एक आंतरिक युद्ध से होता है। विशाल "मैं" नियंत्रण छोड़ना नहीं चाहता, और नियंत्रण का एक युद्ध छिड़ जाता है। इस युद्ध की व्याख्या गलातियों 5:16-24 और रोमियों 8:5-8 में किया गया है। इसमें ईर्ष्या या बाहरी झगड़ों की आंतरिक अभिव्यक्तियाँ हो सकती हैं। यह एक सांसारिक या मानवीय, मसीही है।

इस परेशान मसीही को एहसास होता है कि कुछ बेहतर होना चाहिए। यह सुनने के बाद कि परमेश्वर एक व्यक्ति को पूरी तरह से पवित्र कर सकते हैं, यह व्यक्ति परमेश्वर को खोजने लगता है। जब व्यक्ति 1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24, के परमेश्वर पर भरोसा करता है, तो मसीह सिंहासन पर पूर्ण नियंत्रण कर लेते हैं, और आत्मकेंद्रित विशाल "मैं" बाहर हो जाता है। परमेश्वर की संभालने की शक्ति

इस मसीही को संभाल सकती है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24, प्रेरितों के काम 15:8-9, इफिसियों 3:14-20, रोमियों 8:2 और 4 पर निर्मित, यह एक आत्मिक या पवित्र किया गया - मसीही है।

कौन सा चक्र आपके वर्तमान जीवन का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व करता है? कौन सा चक्र सबसे अधिक उस जीवन की तरह है जो आप पाना चाहते हैं?

.....

दिसम्बर 28 **दिन - 362**

चैड की पीड़ा

******

परंतु मुझे अपने अंगों में दूसरे प्रकार की व्यवस्था दिखाई पड़ती है, जो मेरी बुद्धि की व्यवस्था से लड़ती है और मुझे पाप की व्यवस्था के बंधन में डालती है जो मेरे अंगों में है। रोमियों 7:23

पवित्र किया जाना, आत्मा से भरना कैसा लगता है? यह कैसे होता है? चैड नामक एक युवक के साथ यह कैसे हुआ, उसके अपने शब्दों में, यह रहा:

चौबीस वर्ष की उम्र में, मैंने डॉक्टर ऑफ़ फार्मेसी की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की और अपने गृह नगर में फार्मेसिस्ट (औषधि विक्रेता) के रूप में अपनी पहली नौकरी शुरू की। मेरे पास एक चमकदार नई कार थी, मैं अच्छा पैसा कमा रहा था, और मेरी एक सुंदर गर्लफ्रेंड थी।

मैं जितना हो सके चर्च में नियमित रूप से जाता था, लेकिन यह एक दायित्व से अधिक कुछ और नहीं था। कुल मिलाकर, जीवन बहुत अच्छा जा रहा था। मैं उस अमेरिकी सपने को जीने के इतना करीब था जितना मैं कभी नहीं रहा था; हालांकि, मेरे जीवन से कुछ बहुत बड़ा गायब था, जैसा कि मुझे जल्द ही अहसास हो गया।

जैसे-जैसे मेरी गर्लफ्रेंड (अब मेरी पत्नी) सीलिया के साथ मेरा रिश्ता और गंभीर होता गया, हमारे बीच धर्म को लेकर और गहरी बातचीत होने लगी। हमने पाया कि हमारे दृष्टिकोण थोड़े भिन्न थे: मैं एक बैपटिस्ट था और वह एक नाज़रीन थी। अगर पूरी तरह सच कहूँ, तो मैंने पहले कभी नाज़रीन के बारे में नहीं सुना था, इसलिए मैंने तुरंत अपने संप्रदाय की लोकप्रियता के कारण अपने दृष्टिकोण को उसके दृष्टिकोण से श्रेष्ठ के रूप में देखा। मेरा पूरे दिल से यह मानना था कि एक बार एक व्यक्ति परमेश्वर द्वारा बचा लिया गया तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो उसे बदल सकता है - मेरे जीवन-शैली भी नहीं। अपने रोजमर्रा के जीवन में, मैं एक मसीही होने का दावा करता था; फिर भी, पीछे मुड़कर देखने पर, मैं देखता हूँ कि मेरे विचार, व्यवहार और कार्य मेरे आस-पास के गैर-मसीहियों से ज्यादा अलग नहीं थे।

मैंने इसे कभी एक मुख्य बात के रूप में नहीं देखा, क्योंकि, "हम सभी आखिर इंसान ही तो हैं"! मेरे जीवन में स्पष्ट रूप से पाप था, लेकिन मैं इस धारणा के अंतर्गत था कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता, इसलिए मैं बिना ज्यादा सोचे-समझे वह करता रहा। हालांकि मुझे अहसास हुआ कि सीलिया अलग तरह से सोचती थी: उसका मानना था कि हमें एक ऐसा जीवन जीने के लिए बुलाया गया है जो पवित्र है और परमेश्वर को प्रसन्न करता है और यह कि, परमेश्वर की आत्मा की सहायता से, हम अपने जीवन में जानकर किये गये पाप से ऊपर उठ सकते हैं।

कहने की जरूरत नहीं है कि यह असहमति हमारे रिश्ते में जल्द ही विवाद का विषय बन गई। तभी मुझे अहसास हुआ कि मैं इस समस्या को हल कर सकता हूँ। वैज्ञानिक मानसिकता होने के कारण, मैं बाइबिल का अध्ययन करूँगा और अपने दृष्टिकोण के समर्थन में जितने संभव हो सके जितने "सबूत" इकट्ठा करूँगा, फिर उसे निर्विवाद रूप से सीलिया के आगे पेश करूँगा। मैं जानता था कि मैं सही था; मुझे बस उसे "सबूत" दिखाने की जरूरत थी। एक बार मैंने वह कर दिया, तो वह न केवल प्रभावित होगी; बल्कि हमारे बीच की असहमति का भी समाधान हो जाएगा। हालांकि, जब मैं

इस "सबूत" का पता लगाने लगा, मुझे जल्दी ही कुछ ऐसा मिला जो उससे पूरी तरह से अलग था जिसे मैं ढूंढ रहा था।

अपनी खोज में, मैंने कुछ आवर्तक विषयों को खोजा, जिन पर मैंने पहले कभी ध्यान नहीं दिया था। मुझे निम्नलिखित जैसे वचन मिले:

- मरकुस 13:13 - "पर जो अंत तक धीरज धरें रहेगा, उसी का उद्धार होगा"।
- यूहन्ना 15:6 - "यदि कोई मुझमें बना न रहे, तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता, और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं, और वे जल जाती हैं"।
- कुलुस्सियों 1:22-23 - "उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया, ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे। यदि तुम विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो और उस सुसमाचार की आशा को जिसे तुम ने सुना है न छोड़ो"।
- इब्रानियों 10:26 - "क्योंकि सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि हम जान बूझकर पाप करते रहें, तो पापों के लिए फिर कोई बलिदान बाकी नहीं"।
- 1 यूहन्ना 3:6 - "जो कोई उसमें बना रहता है वह पाप नहीं करता"।

मैं और आगे कह सकता हूँ, यह कहना पर्याप्त है कि मैं इस स्पष्ट व्यापक विषय से बहुत अभिभूत हो गया। वर्षों से मैंने केवल टुकड़ों में पवित्र शास्त्र को पढ़ा था, लेकिन जैसे ही मैंने गहराई में जाना शुरू किया, मैंने पाया कि पाप के बिना जारी रखने, रहने और जीने का यह विषय पूरी बाइबिल में फैला हुआ है। यह मेरे लिए तुरंत स्पष्ट हो गया कि परमेश्वर की मंशा यह नहीं है कि हम बचाये जाने के बाद भी पाप करते रहें और यह कि इस मसीही जीवन में उद्धार पाने और स्वर्ग की प्रतीक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। मेरा असल अभियान उल्टा पड़ गया था। इस बात के सबूत खोजने के बजाय कि मैं सही था, मैंने देखना शुरू कर दिया कि मैं गलत था - और मुझे यह सीलिया के सामने स्वीकार करने में यक़ीनन डर लग रहा था।

इसके बाद, मैंने पवित्रता के लिए परमेश्वर की स्पष्ट पुकार और उनके साथ एक गहरे संबंध को महसूस करना शुरू किया। संयोग से नहीं, इस दौरान मुझे अहसास हुआ कि मेरे जीवन में "सफाई" की जरूरत है।

मैं दुनिया की नजर में बहुत बुरा नहीं था - मैं ना ड्रग्स लेता था, ना शराब पीता था, ना लोगों को दुखी करता था। लेकिन मैं गुस्सा, अहंकार और स्वार्थ और आदि के साथ संघर्ष कर रहा था। परमेश्वर के इस प्रकटीकरण के साथ, मेरे जीवन में चीजें बदलने लगीं। मैं परमेश्वर की बातों को लेकर उत्साहित होने लगा क्योंकि पहली बार मुझे उनके साथ एक रिश्ते की अहमियत का अहसास हुआ था। मैंने फैसला किया कि मैं सच में परमेश्वर के लिए जीना शुरु कर दूँगा और इस रिश्ते के अपने भाग को निभाऊंगा। ये दिन बहुत रोमांचक थे। हालांकि, मैं जल्द ही निराश और नाराज होने लगा क्योंकि मेरे प्रयास विफल हो जाते थे। यह पुरानी कहावत, "आप तब तक नहीं जानते कि आप कितने बुरे हैं, जब तक आप अच्छा बनने की कोशिश नहीं करते," मेरे लिए यह सच साबित हुई। ऐसा लगता था कि मैं अपने तरीकों, अपने विचारों, अपने स्वभावों, अपनी आदतों को बदलने की कितनी भी कोशिश कर लूँ, मैं उसे निरंतरता के साथ नहीं कर सकता था। मैंने रोमियों 7:18 b -19 में पौलुस के शब्दों से काफी सबंधित महसूस किया, जहाँ वह कहता है, "इच्छा तो मुझ में है, परंतु भले काम मुझसे

नहीं बन नहीं पड़ते। क्योंकि जिस अच्छे काम की इच्छा मैं करता हूँ, वह तो नहीं करता, परंतु जिस बुराई की इच्छा नहीं करता - वही किया करता हूँ"। मैं बार-बार असफल होता रहा।[210]

---

210. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2018) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 29 **दिन - 363**

परमेश्वर का छुटकारा

******

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3 a
क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। रोमियों 8:2

चैड जारी रखते हैं:

दिन-ब-दिन, मैं और अधिक असंतुष्ट और क्रोधित होता गया, फिर एक दिन, मैं अंत में एक ऐसी स्थिति में पहुँच गया जहाँ मैं टूट गया। मैंने प्रार्थना में अपने घुटने टेक लिए और बेतहाशा रोने लगा। मैंने परमेश्वर को बताया कि मैं कितना निराश था और कैसे मैं उनके लिये जीना चाहता था, लेकिन कितनी भी कोशिशों के बाद, मैं नहीं कर सका। मैंने बस इतना तय कर लिया था कि जिस पवित्र जीवन के बारे में मैंने पढ़ा था, मैं उसे हासिल नहीं कर सकता था; वह स्पष्ट रूप से असंभव आदेश था, और मेरे व्यर्थ प्रयासों में, मेरा हृदय टूट चुका था।

आगे क्या हुआ मैं कभी नहीं भूलूंगा। वह यही क्षण था जब मैंने प्रभु को अपने हृदय से फुसफुसाते हुए सुना, "नहीं, तुम यह नहीं कर सकते - पर मैं कर सकता हूँ"।

अचानक ही मैं उनकी उपस्थिति से अभिभूत हो गया और एक पल में ही समझ गया कि किस चीज की कमी थी; मैं अपनी ताकत से यह सब करने की कोशिश कर रहा था। मैं खुद को नहीं बदल सका; मुझे बदलने के लिये उनकी जरूरत थी। और इसलिए उस क्षण में, मैंने अधिक उनके लिए प्रार्थना की। मैंने स्वीकार किया कि जितनी ताकत मैं जुटा सकता था, उसके साथ मैंने कोशिश की थी, लेकिन वह पर्याप्त नहीं था - मुझे उनकी आत्मा की मदद की जरूरत थी। मैं अपने अंत तक पहुँच गया था, और यहीं पर मैंने उन्हें प्रतीक्षा करते हुए पाया। मैंने अपना जीवन और अपनी इच्छा प्रभु को समर्पित कर दिया - यह एक ऐसा क्षण है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा और हमेशा संजो कर रखूँगा।

बाद में, मुझे पता चला कि यह "समर्पण" विभिन्न नामों से जाना जाता है: संपूर्ण पवित्रीकरण, आत्मा का बपतिस्मा, अनुग्रह का दूसरा कार्य, आदि। लेकिन आप चाहे इसे जो भी कहें, मैं यह जानता हूँ: उस क्षण से, मैं एक बिल्कुल अलग आदमी बन गया हूँ। मेरे साथ कुछ सामर्थ्यशाली हुआ, और तब से, मैं प्रभु के लिए इस तरह भूखा रहा हूँ जैसा पहले कभी नहीं था। मैंने उनके साथ प्रतिदिन और निर्बाध रूप से संवाद किया है, और मेरा जीवन अंततः "साफ" हो गया था - कठिन प्रयास करने से नहीं, बल्कि प्रतिदिन उनके सामने आत्मसमर्पण करने और उनकी आत्मा को मेरे जीवन में कार्य करने देने से। जिन चीजों से मैं तब संघर्ष कर रहा था, वे अब कोई समस्या नहीं रह गई थी। मैं अभी भी उनके साथ जितना निकट हो सकता हूँ उतना निकट चल रहा हूँ क्योंकि मैं आत्मा की अगुवाई में हूँ, और यह मेरे जीवन में बहुत बड़ा बदलाव बदलाव लाया है। मैं निश्चित रूप से संकट के उस क्षण को याद कर सकता हूँ जब मैंने खुद को पूरी तरह से परमेश्वर को दे दिया था; हालांकि, मुझे यह भी पता चल गया है कि पवित्रता एक दैनिक प्रतिक्रिया है।

यह महत्वपूर्ण है कि हम समर्पण के क्षण तक पहुँचे - लेकिन हमें अपने जीवन के हर दिन समर्पण करते रहना चाहिए। मैं इस अनुभव के माध्यम से पूरे दिल से कह सकता हूँ कि सच्ची,

स्थायी आत्मिक जीत का एकमात्र मार्ग परमेश्वर द्वारा पवित्रीकरण के माध्यम से हमारे दिलों को शुद्ध करना है - और अगर हम उनके प्रेम और अनुग्रह के साथ सहयोग करते हैं तो वे ऐसा करने में विश्वासयोग्य है।

महीनों बाद, परमेश्वर के साथ और गहराई तक जाने की यह इच्छा सेवकाई की बुलाहट में रूपांतरित हो गई। मुझे अहसास होने लगा कि यह सब कैसे एक साथ एक मार्ग बन गया जिसकी रचना केवल परमेश्वर ही कर सकते हैं। मेरे पास परमेश्वर के लिए प्रश्न थे, जाहिर है, लेकिन वे रास्ते में हर एक का उत्तर देने में विश्वासयोग्य रहे हैं। जब मैंने उनसे पूछा कि मैं कैसे एक पादरी बन सकता हूँ, जब मैंने अभी-अभी फार्मेसी स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है, तो परमेश्वर ने मुझे एक सेवानिवृत्त सेवक और पूर्व फार्मेसिस्ट को भेजा जो सही समय पर कुछ महीनों के लिए शहर में थे। तब मुझे अहसास हुआ कि मैं अपने छात्र लोन के कारण फार्मेसिस्ट के रूप में अपनी नौकरी नहीं छोड़ सकता, तो परमेश्वर ने मुझे एक द्वी व्यावसायिक पादरी से मिलाया।

मैंने पहली बार महसूस करना शुरू किया कि मैं एक फार्मेसिस्ट और एक पादरी भी हो सकता हूँ, इसलिए मैंने अपना काम जारी रखा। जब मैं अपने फार्मेसी स्कूल के लोन के ऊपर सेमिनरी की लागत के साथ संघर्ष कर रहा था, तो परमेश्वर ने मुझे एक अन्य पादरी से मिलवाया जिसने मुझे कोर्स ऑफ स्टडी नामक एक कार्यक्रम के बारे में बताया, जो मुझे सेमिनरी की तुलना में कम लागत में दीक्षा की ओर ले जाएगा। पूरे रास्ते के दौरान, परमेश्वर ने मेरे प्रश्नों और शंकाओं का उत्तर दिया है।

मैं अब चर्च में एक दीक्षित अगुवा हूँ, और मैं वर्तमान में मध्य जॉर्जिया के एक चर्च में एक द्वि व्यावसायिक युवा वयस्क पादरी के रूप में सेवकाई कर रहा हूँ। मैं नहीं जानता कि भविष्य में परमेश्वर ने मेरे लिए क्या रखा है, लेकिन मुझे पता है कि वह पहले से ही वहाँ हैं। उनका अनुग्रह सच में पर्याप्त है, और इसके लिए, मैं अत्यंत आभारी हूँ! परमेश्वर को महिमा मिले![211]

---

211. पहले यह 'द गुड न्यूज़: द चिक शेवर सेंटर फॉर इवांजलिज्म न्यूज़लेटर (सितम्बर 2018) में प्रकाशित हुआ है।

.....

दिसम्बर 30 **दिन - 364**

कैसे पवित्र हुआ जाए

******

शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24

वह बहुत खुश था। उसके पादरी ने उसे अपने स्थानीय चर्च में एक प्रमुख कार्यभार संभालने के लिए कहा था - कुछ ऐसा जिसमें बहुत परिश्रम करना होगा। अब वह केवल खुश ही नहीं था, लेकिन उत्साहित भी था - उसे किसी को बताना था।

कुछ समय पहले, कीथ, जो अपने मसीही जीवन में बढ़ रहा था, प्रभु के साथ गहराई में गया, और परमेश्वर ने उसे पूरी तरह से पवित्र कर दिया।

जीवन में इस स्थान पर आने में, वह अपने जीवन के लिए परमेश्वर के महान उद्देश्य का अनुभव कर रहा था - जैसा कि एक व्यक्ति ने कहा है, वह स्वयं के सबसे सर्वोच्च संस्करण" के रूप में जी रहा था। इन सबसे बढ़कर, जब आप पवित्र किये जाने के लिए प्रयास करते हैं, तो याद रखें कि जीवन का यह नया स्तर आपको बहुत आनंद और तृप्ति देगा।

- सब्त का विश्राम (इब्रानियों 4:9-11)
- मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ना (गलातियों 2:20)
- पूरी रीती से पवित्र किया जाना (1 थिस्सलुनीकियों 5:23)
- पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होना (प्रेरितों के काम 1:8; 13:9)
- मसीह का हमारे ह्रदय में बसना और नींव डालना (इफिसियों 3:17)

अन्य शब्द इस जीवन के पहलुओं का वर्णन करते हैं:

- जीवन के जल की नदियाँ (यूहन्ना 7:38)
- कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं (यूहन्ना 10:10)

शायद आप इस गहरे जीवन में प्रवेश करने और उसका आनंद लेने के लिए तरस रहे हैं। आपने सोचा है कि परमेश्वर को आप में यह कार्य करने के लिए आपको क्या करना होगा। आप नीचे कई चरण पाएंगे। कृपया समझें कि ये कदम एक यांत्रिक तरीके से नहीं उठाये गये हैं, बल्कि परमेश्वर की खोज में एक गहरे दिल के तत्व हैं।

- चिंता: आपको इस जीत और परिपूर्णता के जीवन में परमेश्वर द्वारा लाने के लिए गहरी चिंता है। आप प्रार्थना कर रहे है (प्रेरितों के काम 1:12-14; लूका 11:9-10)।
- अभिषेक: आप अब तक एक मसीही होंगे। अब आप अपने संपूर्ण क्षमा किये गये जीवन को 100 प्रतिशत परमेश्वर को अर्पित कर रहे हैं, ताकि वह आपको जैसे वह चाहें वैसे उपयोग करें (रोमियों 6:13; 12:1-2)।

- शुद्धिकरण: आप परमेश्वर से आपको किसी भी शेष स्वार्थ या आत्म-केंद्रितता से साफ करने, आपको शुद्ध करने के लिए कह रहे हैं (1 यूहन्ना 1:7; प्रेरितों के काम 15:8-9; याकूब 4:8)।
- दावा करना: परमेश्वर के वादों पर दावा करते हुए, आप विश्वास में बढ़ते हैं और परमेश्वर पर आपको पूरी रीति से पवित्र करने के लिए भरोसा करते हैं (प्रेरितों के काम 26:18; गलातियों 3:14; 1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24 [विशेषकर वचन 24 पर निर्भर करें])।

यदि आप प्रभु के सामने, वर्तमान में इन चरणों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तो परमेश्वर आपको पवित्र करेंगे और आपको पवित्र आत्मा से भरेंगे। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24 को याद रखें: "शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीती से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा" जब आप इस तरह से प्रार्थना करेंगे तो परमेश्वर आपके हृदय को बहुत गहराई से जाँचेगे।

यह चेरी के लिए सच साबित हुआ। उसने मंगलवार की रात की कक्षा में भाग लिया था जिसे मैंने सेमिनरी के छात्रों के पति/पत्नी के लिए आयोजित किया था। एक शाम कक्षा के बाद उसने मुझसे संपर्क किया और कहा कि वह चाहती थी कि मैं पिछले सप्ताह की कक्षा के बाद ऑल्टर कॉल देती क्योंकि वह काफी अपराधी महसूस कर रही थी। जब वह उस रात एक अन्य सेमिनरी छात्र की पत्नी के साथ घर जा रही थी तो उसने उस महिला द्वारा कहा एक भी शब्द नहीं सुना। उसे लगा कि वह किसी और दुनिया में थी।

जब वह अपने अपार्टमेंट में पहुँची, तो उसके पति ने उसका अभिवादन किया, लेकिन उसने कहा, "प्रिय, मैं बात नहीं कर सकती। मुझे बहुत काम है"।

आँसू लिए, वह अपने बेडरूम में चली गई। उसने खुद को बंद कर लिया और रात भर प्रार्थना करती रही। ऐसा लग रहा था कि पवित्र आत्मा उसके हृदय की गहराई में उतरा और उसके आगे एक मुद्दा उठाया। उसने उस मुद्दे के साथ संघर्ष किया और अंततः उसने कहा, "ठीक है, ठीक है, ठीक है, मैं यह आपको देती हूँ।"

तब आत्मा फिर से उसके हृदय में उतरा और एक दूसरा मुद्दा उठाया। यह सिलसिला तब तक चलता रहा जब तक उसे यह लगने नहीं लगा कि उसने हर अशुद्ध चीज को बाहर निकाल लिया है। लेकिन आत्मा फिर से गहराई में उतरा और एक और मुद्दा उठाया: "चेरी, तुम अपने पति से नाराज हो। मैंने उसे प्रचार करने के लिए बुलाया है, और मैंने उम्मीद की थी कि तुम उसका अनुसरण करोगी। फिर भी तुम उससे नाराज हो क्योंकि, बुलाहट का अनुसरण करने के लिए, तुम्हें अपना सुंदर घर छोड़ना पड़ा और एक छोटे से अपार्टमेंट में आना पड़ा; तुम्हें अपनी आकर्षक नौकरियाँ छोड़नी पड़ी और अधिक सामान्य नौकरियाँ लेनी पड़ी; तुम्हें पुराने दोस्तों को छोड़ना पड़ा और नए दोस्त बनाने पड़े। तुम उससे नाराज हो। यह सही नहीं है।"

अंततः, उसने प्रभु से कहा, "ठीक है, मैं यह आपको देती हूँ"। और परमेश्वर ने उसे स्वीकार और पवित्र किया।

अगली कक्षा में, उसने मुझसे कहा, "ओह, प्रोफेसर शेवर, यह हफ्ता इतना अच्छा रहा है। मैं बहुत स्वतंत्र महसूस कर रही हूँ। वह बोझ उतर गया है - मैं स्वतंत्र हूँ"।

वह पूरी तरह से खुश थी - हाँ, वह स्वतंत्र थी। परमेश्वर ने उसकी नाराजगी और आत्म-केंद्रितता को दूर कर दिया था। उन्होंने उसमें एक चमत्कार किया था। उन्होंने उसे पूरी रीति से पवित्र किया था।

प्रार्थना करते समय परमेश्वर द्वारा आपको जाँचें जाने से ना डरें। इसका परिणाम बहुत अच्छा होगा, और इसका परिणाम आपका पवित्रीकरण भी हो सकता है।

.....

दिसम्बर 31 **दिन - 365**

प्रार्थना करने का समय

******

सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है। यूहन्ना 17:17

मैं प्रार्थना करता हूँ कि वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम उसके आत्मा से अपनी भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवंत होते जाओ; और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नेव डालकर, सब पवित्र लोगों के साथ भली-भांति समझने की शक्ति पाओ कि उसकी चौड़ाई और लंबाई और ऊंचाई और गहराई कितनी है, और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है कि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ। इफिसियों 3:16-19

यह सुनकर उन्होंने एक चित्त होकर ऊँचे शब्द से परमेश्वर से कहा। प्रेरितों के काम 4:24 a

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे। प्रेरितों के काम 4:31

दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है; पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ। इफिसियों 5:18

इस पुस्तक को पढ़ने के दौरान आपने जो कुछ पढ़ा और सोचा है, उसके प्रकाश में, शायद यह समय है आपके प्रार्थना करने का.....

- पवित्र किये जाने का
- पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने का
- आत्मा की एक नयी तृप्ति प्राप्त करने का
- आत्मा की परिपूर्णता के एक अविरत जीवन को फिर से स्थापित करने का

या क्या यह समय है परमेश्वर का धन्यवाद करने का क्योंकि उन्होंने यह सब आपके लिए पहले ही कर दिया है?

आइए प्रार्थना करें।

.....

पवित्रशास्त्र निर्देशिका

पुराना नियम

उत्पत्ति

2:15-17 अप्रैल 28

15:6 जनवरी 13

22:2 मई 13

22:9 मई 13

26:24-25 फरवरी 26

32:1 अगस्त 6

32:28 सितम्बर 10

39:20-21 जून 16

39:21 जुलाई 3

50:20 मार्च 19, अक्टूबर 15

निर्गमन

2:5-6 अगस्त 20

2:12 जुलाई 10

3:6 जून 28

4:31 जून 14

20:3, 8 फरवरी 21

34:29 अगस्त 10

36:9-13 जुलाई 11

लैव्यव्यवस्था

गिनती

1:5-7 मार्च 13

11:28-29 जनवरी 3

व्यवस्थाविवरण

4:35 नवम्बर 9, नवम्बर 10

6:6-7 जून 21

6:23-25 अगस्त 21

7:2-4 फरवरी 28

9:4 फरवरी 28

33:27 जनवरी 11

34:1, 4-6, 7, 10-12 जनवरी 23

यहोशू

1:1-3, 5-6 नवम्बर 6

4:23-24	जनवरी 30
9:14	अक्टूबर 16
14:10-11	सितम्बर 2
14:10-13	अक्टूबर 17
23:14	अक्टूबर 18

न्यायियों

रूत

1 शमूएल

13:13-14	अक्टूबर 19
15:13-14	मई 10
30:8	मार्च 26, अगस्त 12

2 शमूएल

1 राजाओं

16:30	जुलाई 12
17:2-4	जुलाई 12
18:2-4	नवम्बर 7
19:3, 4-5	जनवरी 31
19:12-13	जून 12

2 राजाओं

1 इतिहास

2 इतिहास

7:14	जून 10, अगस्त 27

एज्रा

1:1-2	जुलाई 1
7:28	सितम्बर 4

नहेम्याह

एस्तेर

अय्यूब

4:8	अप्रैल 6

भजन संहिता

5:3	अगस्त 18, अक्टूबर 1
19:1-2	जनवरी 4
23:3	जुलाई 30
23:4	जनवरी 15
27:10	अगस्त 13
32:8	जून 4
34:8	मई 9

40:1	जून 11
42:1	जनवरी 18, सितम्बर 17
46:1-3	फरवरी 1
51:4	मार्च 23
62:1-2	जुलाई 9
81:10-11	अगस्त 9
88:13	जनवरी 9
121:1-2	जुलाई 9

नीतिवचन

1:3	जनवरी 25
11:30	फरवरी 7
19:11	नवम्बर 26

सभोपदेशक

12:1	मई 11

श्रेष्ठगीत

यशायाह

5:25	अगस्त 19
30:28	अक्टूबर 22
40:26	जनवरी 12

यिर्मयाह

विलापगीत

यहेजकेल

36:25-27	मई 7
36:26-27	मार्च 16

दानिय्येल

3:18	अक्टूबर 9

होशे

योएल

आमोस

ओबद्याय

योना

2:8	अक्टूबर 21

मीका

नहूम

हबक्कूक

सपन्याह

हाग्गै

जकर्याह

8:16 सितम्बर 30

मलाकी

नया नियम

मत्ती

1:6 अप्रैल 1

1:20 दिसम्बर 25

2:11 दिसम्बर 23

2:16 दिसम्बर 20

2:23 दिसम्बर 21

4:19-20 मार्च 17

5:48 मार्च 25

6:8 जनवरी 28

6:33 अगस्त 24

7:11 मई 29, जून 19

7:17, 20 अगस्त 7

9:5-8 जनवरी 14

13:8 फरवरी 7

18:15-16 मार्च 2

19:19 दिसम्बर 13, दिसम्बर 14

19:27 मई 3

21:22 मार्च 21

24:13 मार्च 14

24:45-47 सितम्बर 12

25:21 मई 26, मई 27

25:35-36 सितम्बर 1

25:36 अप्रैल 26

26:39, 45-46 अप्रैल 8

28:7 अप्रैल 5

28:19 फरवरी 7

28:20 जून 11, जुलाई 16

मरकुस

5:19 फरवरी 5, फरवरी 6

10:17 फरवरी 3

लूका

2:10	दिसम्बर 11
2:10-11	दिसम्बर 15
2:49-52	जनवरी 16
3:21-22	फरवरी 12
4:38-39	अगस्त 1
5:4-6	अगस्त 1
5:15-16	जनवरी 22
9:12-17	सितम्बर 7
10:25	अगस्त 4
10:27	अगस्त 3
10:33	सितम्बर 24
11:2	फरवरी 10
11:13	मई 29, नवम्बर 18
15:4, 7	मार्च 7
16:10-12	अगस्त 14
16:22-24	अक्टूबर 8
18:22-23	अगस्त 26
18:28-30	अगस्त 26
19:2-4	सितम्बर 11
19:10	अगस्त 24
21:14-15	मार्च 8
22:31-32	मई 16
24:46-49	दिसम्बर 6
24:49	मई 31

यूहन्ना

1:9	दिसम्बर 26
1:12	दिसम्बर 26
2:19-22	अक्टूबर 27
3:3	फरवरी 22
3:17	दिसम्बर 18
4:6	सितम्बर 11
4:15	मार्च 11
4:34	फरवरी 11
5:17	अक्टूबर 11, अक्टूबर 12
5:31-32	अप्रैल 19
6:40	जुलाई 31

6:44	अगस्त 23
7:37-39	सितम्बर 25, नवम्बर 16
7:38-39	अगस्त 11
8:1-2	मई 15
8:3	फरवरी 9
8:34	नवम्बर 25
8:44	जुलाई 6
9:25	अगस्त 30
12:2-3	मार्च 18
12:25-26	जनवरी 29
14:12	जुलाई 7, जुलाई 8
14:16-17	जून 5
14:16-20	दिसम्बर 19
14:21	फरवरी 13
14:27	दिसम्बर 10
15:9-10	मई 14
15:16	जून 23, जून 24
16:7	मार्च 3
16:13	जून 12
17:17	दिसम्बर 31
20:17-18	अप्रैल 9

प्रेरितों के काम

1:4-5	अक्टूबर 22
1:8	फरवरी 11, अक्टूबर 29
2:4	जुलाई 24
2:14	जुलाई 24
2:17	मई 20
2:19-22	अक्टूबर 27
2:37	जुलाई 24
2:38-39	जनवरी 10
2:42	सितम्बर 27
2:46-47	सितम्बर 27
3:6	मार्च 29
3:19	जनवरी 6, मई 17
4:13	अप्रैल 23
4:12	फरवरी 20
4:20	जुलाई 5

4:24	दिसम्बर 31
4:31	अप्रैल 23, दिसम्बर 31
5:32	जुलाई 17
6:1-4	अक्टूबर 28
6:3	सितम्बर 29
6:5	अप्रैल 11, सितम्बर 29
7:35	जून 8
7:55, 59-8:1	मई 28
7:59-60	अप्रैल 11
8:18-19	अप्रैल 30, जुलाई 14
8:27	जुलाई 15
8:29	अप्रैल 30, जुलाई 14, सितम्बर 29
9:5	जनवरी 26
9:26-27	मार्च 15
9:27	जनवरी 5
10:15	अगस्त 2
10:19	अगस्त 22
11:23	अप्रैल 25
11:24	जून 20
11:25-26	जनवरी 5
16:14	जनवरी 26
16:25-26, 29-30	जनवरी 19
18:2-3	जून 26
20:24	जून 18
26:17-18	नवम्बर 17, दिसम्बर 12
26:18	जनवरी 6

रोमियों

1:4	अप्रैल 4
1:16	मार्च 9, अगस्त 8
1:19	अगस्त 31
2:1	फरवरी 2
5:3-5	अप्रैल 16
5:5	अप्रैल 22, जून 15
5:15	जून 27
6:13	अक्टूबर 25
6:14	नवम्बर 11
6:18	नवम्बर 12

7:20	नवम्बर 27, नवम्बर 28
7:23	दिसम्बर 28
8:1	जनवरी 7
8:2	मई 22, मई 23, जुलाई 20, दिसम्बर 29
8:4	मई 24, जुलाई 20, जुलाई 21
8:28-29	जुलाई 25
12:1	सितम्बर 21, नवम्बर 8
12:1-2	जून 29, नवम्बर 2
12:2	सितम्बर 22, सितम्बर 23
13:10	अप्रैल 29,
15:16	फरवरी 14, जुलाई 28
15:27-28	दिसम्बर 17
15:31-32	जनवरी 24

1 कुरिन्थियों

1:2	जुलाई 2
2:14	दिसम्बर 27
3:1-3	दिसम्बर 27
3:6-9	सितम्बर 19
4:2	नवम्बर 24
6:3	सितम्बर 18
6:9-10	सितम्बर 26
6:9-11	अप्रैल 24
6:19-20	मई 5, मई 6
9:26-27	फरवरी 27
10:31	मार्च 4
12:12	मार्च 17
13:4	सितम्बर 28
13:4-5	अक्टूबर 31
15:10	मई 2
15:56-57	जुलाई 19

2 कुरिन्थियों

2:15	मई 25
3:3	अप्रैल 17
4:7-10	अक्टूबर 13
5:8-10	जनवरी 17
5:10	मई 21

5:14	सितम्बर 5
5:17	जनवरी 2
5:20	जून 17
5:20-21	दिसम्बर 24
6:7-9	सितम्बर 5
6:14	मार्च 8
10:5	अप्रैल 21

गलातियों

2:19-20	नवम्बर 29
2:20	मार्च 31
5:16-17	जुलाई 27
5:17	अक्टूबर 24
5:22-23	सितम्बर 28
5:24-25	जुलाई 22, अक्टूबर 14
5:25	अक्टूबर 30, दिसम्बर 2
6:2	अगस्त 29
6:7-8	अक्टूबर 26
6:7-9	सितम्बर 19
6:8-9	फरवरी 8
6:9	अगस्त 29, सितम्बर 13, नवम्बर 14

इफिसियों

1:13-14	मार्च 8
1:18-20	अप्रैल 12
2:8-9	अगस्त 17
2:13	अप्रैल 3
2:14	अक्टूबर 20
2:19	मार्च 27
3:7	सितम्बर 16
3:12	अप्रैल 7
3:16	मई 18, सितम्बर 9
3:16-19	दिसम्बर 31
3:17	जून 1, जून 2
3:17-18	जुलाई 18
3:17-19	फरवरी 17
3:19	मार्च 15
3:19-20	मई 30
3:20	जून 3

4:22-24	अप्रैल 18, जुलाई 26, दिसम्बर 7
4:29	सितम्बर 14
4:29-32	मई 1
4:30	फरवरी 10, जुलाई 21
5:17-18	अक्टूबर 7
5:18	जून 13, नवम्बर 14, दिसम्बर 31
5:18-21	नवम्बर 20
5:25-26	मई 8, नवम्बर 21
5:25-27	सितम्बर 20
5:31	जून 22
5:33	मई 8, सितम्बर 20
6:1	मई 8
6:4	मई 8
6:6-7	सितम्बर 3

फिलिप्पियों

1:14	अक्टूबर 10
2:5-8	मार्च 30
2:10	अक्टूबर 25
2:14-16	फरवरी 15
4:6-7	जनवरी 20, जनवरी 21
4:8	जुलाई 4
4:11-13	मार्च 20
4:12-13	जनवरी 25

कुलुस्सियों

1:22	फरवरी 18
2:6	मई 9
2:6-7	मार्च 14, अप्रैल 27
3:3	नवम्बर 23
3:12-14	नवम्बर 3, नवम्बर 4
3:22-24	मार्च 24

1 थिस्सलुनीकियों

3:10	दिसम्बर 16
4:3	मई 12, दिसम्बर 3, 4, 5, 8, 16, 29
4:8	दिसम्बर 16
5:16-18	अगस्त 25, नवम्बर 22

5:23	नवम्बर 1, दिसम्बर 1, दिसम्बर 2
5:23-24	दिसम्बर 30
5:24	जून 7, नवम्बर 5

2 थिस्सलुनीकियों

1 तीमुथियुस

4:12	मई 4, अक्टूबर 2

2 तीमुथियुस

1:9	मई 4
2:20-21	जुलाई 23
4:7-8	अप्रैल 13

तीतुस

फिलेमोन

1:1-2	सितम्बर 6
1:6	सितम्बर 6
1:16	नवम्बर 30

इब्रानियों

1:14	सितम्बर 18
4:8-11	सितम्बर 8
4:15	जून 25
9:28	दिसम्बर 22
10:10	जून 30
10:14	जून 30
10:23	अगस्त 5
10:23-25	फरवरी 19
10:35	अप्रैल 15
12:1-2	जुलाई 2
12:14	अगस्त 16
13:5	जून 11
13:12	अक्टूबर 23

याकूब

1:2-4	जुलाई 13
1:13-16	दिसम्बर 9

1 पतरस

2:24-25	अप्रैल 2
4:7-10	मार्च 6

2 पतरस

3:9	जून 9
3:10	अगस्त 15
3:11-12	जून 9
3:18	फरवरी 22, फरवरी 23

1 यूहन्ना

1:7	अप्रैल 20, जुलाई 29
2:1	जनवरी 27, मार्च 12, नवम्बर 15
3:16-17	मई 19
4:4	जनवरी 1
4:7	मार्च 1, नवम्बर 21
4:9	अप्रैल 22
4:11	अप्रैल 22
4:13	नवम्बर 5
4:18	फरवरी 4, नवम्बर 13
5:13	जून 6

2 यूहन्ना

3 यूहन्ना

1:11	अगस्त 28

यहूदा

प्रकाशितवाक्य

1:5	अक्टूबर 3
1:7	अगस्त 15
2:10	मार्च 22
3:19-20	फरवरी 25
3:20	फरवरी 24
3:21	जनवरी 8, अप्रैल 10
5:5	अक्टूबर 4
11:15	फरवरी 10
16:9	अक्टूबर 5

20:12,	15 मई 21
21:1	मई 28
21:2	मार्च 5
21:3-4	मार्च 28
21:7	मार्च 5, अप्रैल 14
22:7	अक्टूबर 6

जीवन पहाड़ों और घाटियों से भरा हुआ है। यदि हम आशीषों में जीते हैं तो हम प्रत्येक साहसिक कार्य को आनंद और आत्मविश्वास के साथ जी सकते हैं।

लिविंग इन द ब्लेसिंग एक 365 दिवसीय भक्तिमय पुस्तक है जो चिक शेवर की विश्वास की यात्रा से प्रेरित है, जिन्होंने लोगों को मसीह में जीतने के लिए पूरी दुनिया की यात्रा की है। प्रतिबिंबों को पाठकों को मसीही जीवन में मूल सिद्धांतों से हटाकर एक परिपक्व और अनुभवी विश्वास के प्रतिबिंबों तक ले जाने का आदेश दिया जाता है। एक सरल और लचीला डिजाइन पाठकों को तिथि के अनुसार या संख्यात्मक क्रम में उपयोग करने का विकल्प देता है।

डॉ. चार्ल्स "चिक" शेवर मसीह के पास डार्टमथ कॉलेज में एक प्री-लॉ के छात्र के रूप में आए थे। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एक पादरी, चर्च रोपणकर्ता, सुसमाचार प्रचारक, सेमिनरी प्रोफेसर और लेखक के रूप में काम किया है। वह सबसे अधिक बेसिक बाइबिल स्टडीज़ फॉर न्यू एंड ग्रोइंग क्रिश्चियन्स के लिए जाने जाते हैं, एक अध्ययन जिसकी 750,000 से अधिक प्रतियां अंग्रेजी में बिक चुकी हैं और जो 55 भाषाओं में अनुवादित किया गया है। डॉ. शेवर ने प्रचार और शिक्षण करते हुए लगभग 900 रिवाइवल सेवाओं को आयोजित किया है। वह लीवुड, कैनसस में अपनी पत्नी नैन्सी के साथ रहते हैं। उनके तीन वयस्क बच्चे हैं, रेचल, पॉल और मिरियम, और कई नाती-पोते और परनाती-परपोते हैं।